### ( र्यार.क्या ।)

	OST STERM						
	<u>च</u> ्चा.चंटश						
	2	वसा	3	বহ'ক্ত'মেনা'বই বিশ্ব' শূী বৃশাহ'ক্ষমা ।			
	3	ব্যা	2 <sub>e</sub>	चर-प्रिचा- <b>र</b> चीचा विँद-भुष द्वाँद-च।			
	3°	ৰ্মা	<b>7</b> 0	यर हिंद विव अहूब नदे प्रहा			
	<b>6</b> )	ব্ৰা	Sv	বহ:শ ব্রব:র্লার্ম র:দ্ম:ঘবশ ।			
	یی	ব্যা	رس کم	चर् हुेगा-सुद-रोवा-र्स्चेर स्रो।			
	۷ <b>۳</b>	ব্যা	<b>9</b> SS	चर प्रेचेल च प्रीश क्षेट बोशल श्लेष क्र्र वीद्र प्रेड्ट शहूय।			
*	2sv	ৰুষা	260	বন স্ত্র্বি, বল্লীবাগ প্রজান দ্রিন জেঁ।			
	262	<b>ब</b> ह्या	220	नर क्रेंर केंब्र केंद्र मुद नह महिमा प्रकार्त में केंद्र मुद्र			
	240	ব্যা	2@°	पर क्रेंर केंब्र केंद्र शुक्र पढ़ माडेमा सब माडेब्र म खुदे केंद्र शुक्			
	2 <sup>©</sup> 2	921	373	नर क्रेंर केंबर सेंद मुन पढ़ नहिना यह नहिन महिस प कर पर हेंद मुन।			
	323	ব্যা	33Y	नर क्रेंर केंब्र केंद्र बुर नह नहिन यह है ज्ञा निर्मे केंद्र बुन			
	<i>33</i> S	ৰ্ঝা	3=7	वर क्षेर कें अश हें द शुन वह महिमा यश मूद व हुन हें द शुन			
	353	ব্যা	9° &	चर : भूर : क्र्स : ब्रॅंट : ब्रुंद : ब्रुंद : व्रुंद : व्			
	3 <sup>1</sup> ~v	4थ।	34V	नरः मूरः द्वेंबरा मूरः बुदः वुदः वद्वः वाहेवा यसा ८ दे त्या वर्तु व दरः वक्तु दः वरः सहेंद्र			
	342	ব্যা	१७७	मर भूर क्षेत्र सुर सुर सुर सुर नह नहिना सक्ष र्मा य र नुन ने सूर सुर।			
	રક્ય	ব্যা	१८८	বম শ্লেম কুমধা রূম য়ুব,বক্ত নাতুনা লক্ষ নক্ত না শ্লেম ই মুন য়ুবা			
	200	বৃশা	376	वर सूर कुषश हूट र्वंश पश्ची पश्ची अधि श अव अधि अप हिंद सुन			
	<b>300</b>	ব্যা	²⊜v	वर सिंद रेंद वर सेंदर हा			
	30L	वस	300	ব্ম ক্রি ক্রি স্থুমের মইর সূর্			
	302	वस	३० <sup>व</sup>	वर मि तर्वेर रेव सेव सुद वे			
	370	ব্যা	<b>220</b>	<del>यर अन्। अद्भार अन्। अर्</del> । अन्। खटा।			
	<b>33</b> 2	वस	<b>330</b>	ব্ব-ব্রক্রীই-বেদ্র-ইম র্ব-স্থে-রব্ধ-প্র-ব			
	23 <b>Y</b>	ব্যা	23V	कुर इते सुन से द विवस से द य			
	<b>33</b> L	ব্যা	<b>3</b> €0	वर श्रेष्ठ मुर्बे , य सेन् । वनक सेन् । व			
	300	ব্ধা	34.8	चर :लट <mark>श्रेश्वःचीयः च हु : चच</mark> ित्			

# (১৯৮.ছুনা)

ন্ৰ'শু	<b>∠⊻</b> 1.		
34%	ব্যা	3S0	ব্ম দ্বিশ্বম এব বা ব্রুম দার্ম্বমা
şGr	ৰ্মা	zsv	বহ'য়ঢ়য়'ঢ়ৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢয়ঌৼ'ঢ়ঀ৾৾৾৽য়ৢৢৢৢৢঀয়৾৾ৢ
386	ব্যা	٧٠٠٤	वर क्रुं र छन वर्त है है से व
400	ৰ্মা	rzv	वर ने से ने इन् स हैना तसे हैं वा
v-34	ব্যা	1.37	नर सन नेर हैन हा न र तुम र मिर हो



#### भु ्त्रहार स्रोहार प्राप्त स्था । |क्राथना प्रमुद्दा स्तुन्त स्तुना स्त्री ।

की अप में ती तासे ने ता प्रां विचि त्या परित्र के ता प्रां विच्या परित्र के ता प्रां विच्या परित्र के ता प्रां लय जना नारेश दावे निरः संसदे वेश जेग नमून मा । निरं स्र नार्श निरं सालया पत्रेन प्राप्ता (म) । श्राम्बर्ग स्वाप्ता (म) । श्रिम्बर्ग स्वाप्ता । श्राम्बर्ग स्वाप्ता । श्राम्ता । श्राम्बर्ग स्वाप्ता । श्राम् (क) पर्योगः पः प्रविश्व कृटः मोशयः श्रुवः छेद। । खिरः स्याः हेदः पः श्रुवादाय। (क) । हुर विचान्त्रेचा माजा अपार प्राप्त कर्रा । चार्यर प्रदेश विद्या स्थित सिन । स्थिर क्रिंश क्रूंट वर वड वडिया र्थित । इय स्मिन नास्य वर क्रिंश मा (१) । सिट देव श्चित्राचार्यात्रा । व्राप्तिस्य स्वाप्त्राच्यायात्रात्रीत् (५) । त्राप्तात्रेष् न्यम् सिन् प्रेम् कटार्भित्। ।क्षेत्राचक्रुरं,सद दमान्विक्सायदे,प्रविदः। (५) ।सेन्विचक्षाःसेन्याः दस्यः मश्चिमः र्ल्या विष्यः गुनित्सवः यामः यक्षयः सुर। (य) । याः स्ववः मायः यः वर्षः श्रीट प्रस्ता । विक्रास्त क्ष्मा क्ष्मा (क्) । विक्रास क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा विक्रास क्षमा विक्रास क्रास क्षमा विक्रास क्षमा विक् न्यार वि. लूर्। । बुक्ष न्यपुं क जना नवृत् नक्षेत्र । । क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विस्तर । विकास विस्तर विस्तर विस्तर विस्तर । विकास विस्तर विस लमा चिम्न स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स त.पर्वा विशवाचीशम.पर्वे.कुं.ल्ट्स स्व.चिसमा वि.क्.मू.स्व.च.पर्या वि.स्.मू.स्

पर के.ल्ट्स.ध्र.वेसा । १९.मच. वर्ष. चर्चेर.पर लूर वा वाजा हर मुचा लि.लूस.सैस स.परा श्चर परी । १८ मीय श्रुव ताया १८ तथा । १८ तु त्या स्था । १८ त्या स्था । मुदः यत्यः नवदः मुद्राद्या मद्रम्यः च वदः सं हतः नविद्य। । ह्या सेतः स्ट्रिंदः यद्भंदः नःतर्। १रेगुः न्तरस्य पः सेवः वःसेर्। १रसः हैन सेर् पर्रे ह्येवः । स्यानं धनः न्द्रम् वि न्द्रम् य द्रा । रदाय द्रम्ब स्व हैं स्व द्रम् । । गणना में वि द्रास्त विद्रा । ने चलियानान्स्याया हर् केरावस्या विस्व केना अस्यार्टा संभित्तरे ने नेस ग्राट नार्स्य या ल्ब.त.भुवा । रट.ज.पड्ड्.पं.पंत्रींश.भूटत.पर। । देव.तर.प्र्.मुंश्यभील ज.र्। दिश. गुद्दान्त्रका या विकास में वा विकास के वा विकास मिला वि विट.शुक्रश रेने, यश गीय श्रिटश यश विश्व विश्व अने शायह राज्य स्थित है। विश्व र छेट अहेश तह . र्वेश देशका श्री मार्थका त बि. ब्रंट पढ्ट वहर वहर वहा । इंब्र पव ति व देश हो देश हो । विद्यका य में में प्रमा में हुन मेरी । प्रमा मेरे प्रमा मेरे प्रमा । प्रमा मेरे प्रमा मेरे प्रमा मेरे प्रमा मेरे प्रमा । प्रमा मेरे प्रम मेरे प्रमा मेरे प्रम मेरे प्रमा मेरे प्रमा मेरे प्रमा मेरे प्रमा मेरे प्रमा मेरे प् क्षम् नायुः ह्ना १ त्रुमः स्टाया । दिः क्षमः नायुः ह्नेनाः नियाः प्रचायः विकासम् । क्षिमः नायुः ह्नेनाः सम्बि देव ता दि ता न्या अव अर्मे व द्वा अर्थे न अर्थ श्रेम अर्थ अर्थ अर्थ ता । द्वा मिर्बेश,बर्ट,लश.वंट,बंश.वेट.। निर्टे.चे पुंचेश श.लश.वर्जे्ट.चींट.कुच विवेट.क्रे.ट्याट.क्च. मुर्चा तस्ता विश्व मुर्चा । भिष्य मुष्य मुर्चा निष्य मुर्चा । भिष्य मुष्य मुष् क.जना.चड्र वचीर झ्र.वंश.चुंशज.चुंर वा हि.चक्ष्य.संसे.ह्र्चा.जुनाश्चरतेर जूटश.परेप.हुंचा। इस. सर गुन द्वारे पर्टर पानकेना रु पर्टा ।दर से अद्गर स से प्राची प्राची स ग्री स किं भूना । डिस पायदेवर अहर मी पहें स श्रुर पर पर वे में ने वे मेंना पर के नार प्रार्थ में में।

# ्ञा ।सिन्।.रदीना.सिंट.कुथ क्रंट.स.चलेनाथा ।

ह्र्यश्राचमु अध्यामु अष्ठ अष्ठ मु स्वाचित्र न्त्र मु स्वाचित्र स्

मार्श्वा प्रत्य त्राप्त प्रत्य के साम्य क्षेत्र प्रत्य के साम्य के साम

सर्. द्वीर. वशका कर साम्र्यं तर नमीया पका व पार्श्य हुना तर द्वीर वशका कर मी. ही. प्रीय प्रमा कर मी. विकास क

क्राम्यसं क्राम्यम् विकास न्याप्त स्थाप्त स्थापत स्

बद्-तिचिट्-व-स्तर-विद्-चि-देर-च-क्रिय-व-क्रिय-क्रिय-व-क्रिय-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क्रिय-व-क

ब्रिक्ष सुन्य के भूत माकेक र मुद्दा मुंदिक मुंदि गुंदिक मुंदि होता मुंदि या सुना देव या स मुन्दरक्त्रश्चेत्राच। नम्द्रायायम् र्युमानुःश्चेत्रानुःश्चेत्रान्द्रीयायाः स्ति ही । मिन्द्रियामान्द्रान्ताः र्मा यदे सूर्कुरश्यों र्मा लेश तुः य ते चेना य त्रम्भ उर्ग्णु । यद हे मिश्राय रेना यदे ते य यह न्दिन्द्रवास्त्राम्बर्गान्द्रवास्त्राम्बर्गाः ।देःसाद्रम्बर्गाः वेद्धर्गाःस्त्राम्बर्गाः न्द्रवास्त्राम्बर्गाः तथ। हैं- रूच पद्र मवस है पद्म पहें वर्ष ने प्रति प्रति प्रति हैं हैं । हैं स महिं वर्ष ने स् मनै वह वस्य महिन्दि । यह निर्मा वह विषया विष्ठ । यह निर्मा से विष्ठ । यह विष् द्धिर नह्दर्दे । नाह्यस य नवि चनस नह्दे य ल नाहेस वह प्रमुखी निर्मा केरा क्षेत्र में यक्र विवशः मुः क्षेत्रक्र प्रदेश । प्रदः विवश्य विवशः विवश्यक्षेत्रक्र प्रदेशः विवश्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष र्यं म्यू प्यते मि ते प्रत्या त्रिक्य मि ते प्रत्या विषय प्रत्य के मि ते प्रत्य के प् सरीर प्रदेश प्रदेश । विष्य सार्थे । सार्थेश सार्थेश सार्थेश स्थित स्थित । स्थित सार्थेश स्थित स्थित स्थित स्थित इमा मीया । वयद्र चया हैया पहिंचा प्रमूर्य से प्रमुख्या । के सामित मी हो देश हो देश है । मि.चीश्रजासेर ग्रीशाचीराशाह्य हुरा। क्रिचा हुश्र हुरा तर्राणा तपरार जा हिं जा लाई. यस.मुक्त.चेस.च। ।८४८.य त् क्.प्र्स दैया.लुबा ।३४.य.त्.क.झूँ..पि.म्रीय.४८। ७४४. रैं भ रुग रुव की क्विंव मार्य सार्थ से दिन किय हुना स्वर रु १३१ रे। सामा सामा सामा रूप रिव के मी मार्थ रा म्याप्तियात्तर्थः त्रह्यः त्रह्यः तथा । क्ष्माः देवः मान्नेशः मान्ने। । क्ष्माः सः स्त्रेतः महिनाः न्याः प्रस् न्याः त्रमः प्रदेशः नहतः प्रश्चाः । । व्याः स्त्रीतः स्त्रेतः स्त्रीतः मीन्याः सः स्त्रेतः स्त्रीतः महिनाः । वीर-८हूर्या बिनश-रूज-हूर्य-क्रिय-वीशा विश्व-पीट-धु-पेश-सिट-पर-वी रि.म्रीज-स्मार्न्ना सेर इस वहेटमा मिल् हैं क्या वहूम प्रमुर सम्बा निमा कर हैं र की .... भुवारीचान्त्रा । जुद्यानीटारम्याचिवास्त्रम्भाभूत्राचा । रेशासि अभूतासा । र्श्नासर प्रतृना श्वमार्स स्वन स मुच छेटा। । नास यस स्थेन नियम स चर पहिना । १३५ य विस्थे हुन सुर भूर सिर पर सी । शिर पर प्राप्त पर हुन सी माड़ेर हुर। सिर प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त । प्राप्त सी । शिर प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप

च वदः चचरा प्रवः त्यनाः नाशुक्ष मीः क्षेत्र वक्ष वकदः दे। देवः मीः विनाः द्वनः या द्वाराणीः वाः निवटःच। कैन ने पत् वेदायानासुक्षानीसापक्षराने। देः पटान्टार्या देवानी किनान्त्रना मायान विष्णुं मिना प्रवेगा पर प्रमिशाया पर प्राप्त देश हैं न प्रवेश पर पर त्य निन् द्रनुन नदि देन्य वि देश वस्तर उद्गे के देश वस्तर के के देश विस्तर विस् ने सुरे मिन नवन परे नविभागार्थिन हों विनानवनायदे दें में के नार प्रकार से से से स्वार प्रकार से से स्वार से से देने दें रे में इ वर पहें में हैर। वुर मुरस रहा। वन् र त्या दरा है ख़र वन् प्रे दें र इसरा केंब्र. म हक्षाता मिना रचना हथा नुत्र । मिना रचना महै रहेश हिना है। हे हिन मनिर महै वनस इसस नेस पस र्व मी में व वस स उर् स्व पदे मिन रवन य हैस नुरें। । रसेनास खेर द क्रिस्तर्भात्तर्भ । त्राच्यां व्याप्त क्षेत्रः कषेत्रः कषेत् इंशिशं वर्षे ने त्या वर्षे वर्षे क्रियं वर्षे क्रियं क्रि मांकेर मु.चोट.चीश.पीट.चशर चन्द्र.पीक.श.हीचोश.च। ह्येचोश हु वोश हु श श्र.ची.स.करे.च। ह्येचो स. बेर् चर् रुष वश भे वश बेर् चर्च । रिरेर् र्व मिले बेंग वश रह हैं विश विह मूं भ व स्थ कें अंभु ण्व-दे.चंचट.त् बुश-चरेचेश-दे.चंश-त.वशश.व्र-भिवेश-च.बुश-श्राम् भीश.श्री ाश्रेयश.क्र्र-बुट. न्धर दे विर सेर जा संबुद द्या महार नाय मार सेर र द्रार द मार मीय से में या में या में या में या में या में या में मीश महेग । वर्र रद वर्र गुरेश मासवा मर छर हो। रद सर वर्त मा मान प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त हुस.से.बैचाश.त.ज.रेश.चोश्वेश.मुे.शदस मेश.चोर्टेंद्र,किंट.म्.मे.मे.श.श.श.वेट.ट्र.। ।श्रुमश ट्र.भ जेश. रे.पियिय.त.मश्री विश्व स्थिय मुश्च श्रुभ श्रूभ श्रुभ हेर्य श्रायम् स्थितम् स्थान्त्राच्या पहुन् हेर्यालस्य मिर्तान्य प्रमान स्थान स्थान स्थान कर भिन्न तर्र क. प्रेश र्ट हर त. देश विष्य हर्ष क. प्रेश के विषय हेर् मिन्नम् अस्य उद्याध्यय उद्याध्यय उद्याध्यय । विष्य । विष्य । विष्य । विषय । विषय । विषय । विषय । विषय । ्रीया प्रतिस्था है। अन्य पर्वता क्षेत्र क्ष्मिश गुरु श्रुव्य वर्षा पर स्थित क्षा । व्युप्त क्षेत्र है के क्ष्य

म्स्याप्तम् त्र्रे सहर त्रान्या म्येतायी स्थापामश्चिमा स्थापान्या स्यापान्या स्थापान्या यामासुसानी क्षेत्र देव सहरायाती सुमानासुस के पर्दे पाया लेव यमे मार्या नु तम् र.च उद्भुद वर ५२५ चरे नार्ज मुल मुन्दा। स्नाःश्चेर छन नार्ज नार्ज र ना वेद्धाः ५५ तथः नर्नाश्चर नर्नेश्वर में ।न्नेन्य निर्देश में निर्देश में से में में से में में से में में से में से में में से में श्रेमशास्त्राच्यास्यास्त्राच्याः कुराक्षेत्राच्याः क्षेत्राच्याः क्षेत्राच्याः क्षेत्राच्याः कुराव्याः मु वेन यात्रवृद्यान हरे के वस तर्ने के सम्मान सहित है। दे अदा मुद्दान हरे ने से के सम्मान के सम्मान के सम्मान मी दुःमिश क्षेत्र १ मा वन पर्देशका में देव दे विदाय दैया देवा दे हीया वहा रहार हा मी देर देवे रहा सर्ग्यः सुन्यः सर्न् र्। । भर स्र्य स् म्राम्केशः सेर नुरायः तात्रस्य सायः प्रमुद्रान् स्र्रे स्र्रि मायः सा श्रुंबर्यात्यात्यात्रे वतु हु नि मूर्या श्रुंद् अध्यात्र ग्रीमात्या वार्ष्या प्राचा श्रीमात्रा मी श्रुंद मुक्ष-द्व-भ्रांच । विद्याः भ्रमिश्च-पद्गाव-त्रम्भ निर्माः विद्याः विद् नश्चर स्वाकाता स्वाका पर् स्था तका देव सहर दे। । तक्षर सार दे दुः मका के न पर स्था मी निर्माका मिश्रिम जश मीर ता १ वे स्टब्स त नमीर मि तन हैं हैं र मीश नहीं में हो । जीम र न जार पर्वेट. नमायदेत्रम इसस वार्चे नस देशायाचेना यारेस यान्गुराचेन सहेन यवसा केस मी ही सी वर्गुन ब्रा.पिस्र.च.भ हिंदश.में.चर.रे.ट्रेंब.भह्रे.मीटा। रे.कंट्र.पक्षण.च वज्रट.त् पर्ट ज.पह्नी हेब.मी. भु कि.मिट.चाश्रेभ मीशालश.टव.च.मीबे.मोट्र.नाप्ट.क्ष मीश.ट्रेंब.भह्रे.मह्रेंचे। रि.केर ह्मी.भाभटे.च. म्बेश.चोश्चंश्वात्तात्त्र, मुद्रे शास्त्रामुश्चा त्युष्टा त्यात्र देश। न्दर्भा न्दर्भा न्दर्भा न्दर्भा न्दर्भा चर.रे.विट.क्ष्य क्षेत्रकारेतपू.र्बेर्य.त.रेतमी.रे.भुरं च.एवर्य.तप्त्रा व.स.ज.र्बेर्य.वे. लका विनास है के ने संस्थान हैन सिना ने न सिना हैन गाँव ल माइनास वस गाँद। किंस . गु श्रु सश्चामार्थस्य पर् । विष्यु पर्दे रहाराविष द्वार्य गुरा । विष्यु रामहेष पर्दे । विष्यु रामहेष रामहेष रेनोर अर्थ नेश वंश प्रां पर्य पर्य परिता । विश्व श्री विनाश रित पर्वेश सारिता। । विश्व श्री निवास

त्यासम्बर्गः पर्ना । मिलेव् वं रूप हेर् सहराम रूप। । पद्धवासे दे ति मि र मुक्षानर्सर नर्दा।। देश त वुद दबाय व हुन व दर । चर् द्वा क्षेट वर्षे म्येनक या दिया । या वर्षे देशका द्या ह्र्याय.त्र.बु। विट केव क्र्य.कु.पित्र.ज्र.पटा वि.टय.पट्य.तर.याचेवाय.यहर.द्याया। ह्रव.त.त्यात ह्र्य रेगराह्य हे। रेगराह्य स्थरात्रीं स्थरात्र स्थरात्रीं स्थरात्र स्थरात्रीं स्थरात्र स्थित स्थरात्र स्थर स्थरात्र स्थर स्थरात्र स्थरात्र स्थरात्र स्थरात्र स्थरात्र स्थरात्र स्थरात्य स्थरात्र स्था स्था स्था स्थरात्य स्था स्थरात्य स्था स्था स्थरात्र स्थरात्य स्था स्था स्थरात् मोरेल चे.र्भाश.परे म.पर्.रेश क.पर्य.तर.शिर.रेश अप.प्रें प्रांत्र मुंद्र हि.ज.वेशश.रा.श्रम्रे स्रा.वेर. वि.सक्चार्थात् के.सम्प्राम् सके.च.वैष दट.कंब.तर.क्षेत्रावशा चा मुनास.च.क्याच.कि.क मीनाश्चरहर्षास्तरास्त्राप्त्रं सा इ.र्नाशास्त्रेश ताश्चर्यात्रा मीनाश्चर्यात्रं प्राप्त प्रम्यात्रं प्राप्त स्त्रात्रं स्त्रं स्त्रात्रं स्त्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रात्यं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रात्रं स्त्रं स् स्परिनुत्वा दिम दस दिमासेर पर सकेर देर दम दनानी दुरार् रत्य दुनुता के में देर देर देर तनामाने निम्हिता है भेट दूराना है खबा है नायाना वस्त्र महास महास नाहिता के हैं। हैं? या में द्राया को नार्क्या मार्क्या निहा है आर के नार्क्य मार्क्या मिन्हर वे हुना हु नार च.श्चर.तथा श्चि.पश.चेट चर् छेश.च.वश्चश.६८.२वा विदे देवी.म्).२वोच.च.कु.लट.स्.चोशेटश. य. सूर्य देवा स्थित वा विश्व स्था मी छेषाया तथा विष्टा व से र ५ वशवा वर्त स्था । वा बाटा या प्रति गु र्गादायाञ्चर्रहेना गुरासाओटसायराव्या दुना नुः श्वरायमा क् व्यर गुः हेसाया वससा कर सिंहेरा पति स्था भवेश स्वांश कुर दे त या या जा अया ही हीया या रेट यह शाय रेया देश शिर दे अहर रे सहरे पर हिया श मर ८७८ मु नर नबेर याय रण्य गुरमु जुन्मु न्य रायस। मूर परे मुंसे समार हुस समार ह बैची. रूथ. तर वहुं भारा देट शाम नीश्राम तारा पहुं थे थे शा 🎎 वह् शास हैं से हिस प्राप्त हैं से हिस प्राप्त हैं से मुरा देखर दे हेरे मार्र द्रामानेवास देखें ताय अस वरा मरे सेसस कर इसस तामा हे नार् बस मीट.ज.चर्रे.चरेज.चर हेट ह पहुर्ष.ज.भ्रम.चर.चलेच हिर् रटस.रेश्चेचीस.च.सुर.चर.हेट. टे.पहर्ष-त.स्थेश.तर्.पर्वेच विचा त सुर.तर् ले.प्रत्यस्य.चीस.सु.विव.त.चीर क.सीस.री देने के पहुंद लहा में के ना परे देने दहा हो । हिमस उद इमहा में मिया पा है है पहुंदा ्रमदे देश या हा वा सेता प्रदेश । पर्दश सुदे ही पर प्रदेश मानवा मानवा । पर हैर हें व

यर.मैंर.टे.चन्तर.सर.चे। विधामशिष्य.टे। म्.र्टरश.ट्र. ह मर्थ.मी.मू.मू.मू.मू.स्नायर य सद्य कु श द्या के द्या के द्या द्या मा मा मा द्या द्या प्रमें द्या प्रमें द्या प्रमें द्या सह दें। त्य भाष्ट्र अर्थेट रूपी तपूर्वी श्रीतर्वेष तप्ति श्री अर्थेट श्रिय में त्रिय में त्रिय में त्रिय में त्रिय से त्रिय में त्रिय से भ्र.वट.क्य.लट.रच तर.क्रेंर.ताल क्र्र.रेत्य.के वे.क्.पंत्रय क्रें.यर् तेश्र.प्र. तथा ह्यू लेखे.... क.चक्ट.त येपेट क्रेंज.र्रे वाश्रिय.तट रेश.शे.शर् वोश्र.प्र.रेश.त पश्र क्रेंक्.क्रें.क्रें. वसाय है है ते प्राप्त । ते के है से स्थार महार है से स्थार श्रेमश्राच्याने द्राप्ति सहराती । श्राद्रशामुश्रामुश्राम्य वर्षानापत श्रे क्रिन्मीश्रुशानु नर्मेल नर्ग नर्भ नर्थ्य न्या के न्या दशक ग्रे हीर राग्यार रका विमाय हिरा वे देश संदें। विक निश्चारम सहिना देश स क्षश में हैं। मूर नवीर वर पर्ट्र वर प्रूर् नव प्रमानि वर्ष प्रिय नविष्य मिल नविष्य है। है ला सर्ट्र है में ने प्रमा रूपो तरू.पोरंश.कि टेबो.पा.भ्रोपश.तर.भ.मीर.थ। ।८सवाश.भक्र्यो मुश.मीट.वशश वटे. णुत्रः केश मुद्धेन से त्युर। १२ नमः निष्यः माध्यः य त्रः। कुरः तरे हैरः त्यस ग्राटः। तर्मेः व च गा इसी हैं। वर्र नगा र पर पर्रेर पर ना माना मी स मो स न रेमा पर्रे सद रमा पर्ये सद प्रमा पर्ये पर स्थी। बुंश-माश्चर्थरश्रा १दे.लट.मङ्क्रियन्त्रीं भावनः सुक्रियनः मञ्जयन्त्रींशही हैं हे सुन् मळंद मी के मायका हमामम अद्भारत के में । सामहममा म के में । यक्षमभ वसः स्रूर हिंग में दिर्दे। विशाय दि। दे हैं से यह समाय प्रमा । त्व हैंगाः ं चे.च.चक्षभार चीराया । तथ मालकाच चाका चक्राचक साम्राचिता। लेखन्त्रमः चन्त्र-देना चः त्यसः मासुद्रसः स्वा मेर् हे कुर पथा दर दर नाइव के नाय सुर रेना दर । । यह दर ना से वर रेना पर्ये। ।

विट. रूनो. य. ब्रे. शरश मिश ब्रूच. यर . च्रेट यह , वयश लश . पर्यंश .चे. टेट. यहश . लेश महाद्रश हो। मान्द्रक्रिम्श्रन्म पाद्रिक्त्स्था सदिन्धुम्द्रान्द्रहेषासुन्द्रम् मान्द्रिक्त्रं मान्द्रम् र्ह्य वस्य उर् म्द्र याद वेवयाया है। हिर्म हैं यद्वाय समियाया इस्य हो। त.बु.कू.च.रट.र्र्ष ची व क्षेर.जुनाश तंर.ब्रैर.च हु। वि.मा.र.७.ज.स्नाश.व.ह्रं.चचीर.ज.वेर्। । न्त्रं रेना न ने रूट मालन मी नर्रे र महे र्स्ट निय प्रवर्श हा है नहा साही चार्शर.पचिर.मी.श्रु.ल. र्खन्यस पदे रेना य दस्य हैं। । नार्खे न रेना य है न र नी रें द र नार्खे न खर र र म्बर्भ व व द द द । माद मोश मार्श मार्श मार्थ कर के द द द । हि सूर मार्श व दे प्रवास द स्वस के विश्व प्रवे भूषे.च.रट.चबुब.री.चोबश.तर.वीर.कुटा। ब.च.चश्र्मावश्राष्ट्र.पर.वीर.च.ही चर्र है हैंदि से अब अन चर्नि र से नासद च से में किर रहा। महिर प्रीर प्रीर प्रीस है रिट सहें व.र.पो.ज.स्चीश.ततु.चपो८.वर्षेश.वश्च.वश्चश.वर्.ट्री डि.केर.रूपो.पप्र.चोषश. मंत्र राम्प्रायाम् कामालका है सार्था मालिया है सार्था मालिया मालिया स्थापित सार्थ सार्य सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्य सार्थ सार्थ सार्य सार्य सार्य सार्थ सा प्रतिनश्चात्रा । । त्रिश्च हुँ श्रद्धाना वर्षः ने ने प्रतिन्त्रा । त्रि के ने निष्ठा ने प्रतिन्त्रा । त्रि के ने प्रतिने निष्ठिन ने प्रतिन निष्ठिन ने प्रतिने निष्ठिन निष् च.रचेर. १८ । बिश चंशिरश. त रेट.। चिर. तर्र १८ जिस. केर. जिस. केर. व रूची. वर्ष स्थार प्रथा त नश्चनः नर्ते । बिश्वः नश्चित्वः तश्च श्वा । दे. ब्रे. नश्चः नः ह्ना । चरः ह्यः मिं हिः पर्ते। । मिक्रैशः चः क्ति. तर्ने के के कि विक्ति दे कि विकार विकार की विकार विकार विकार विकार कर की कि कि विकार विकार की किया की कि क्षा देश त्योत न्दा । नि के न मोर्था तर प्रमीर। विषामाश्चिर्या पर्य प्रेम श्रा हि.लह हीर ने में प्रमाय रेट महें दे पर्य में में यःमिलमान्तर्मः। नगात्रर्भः मञ्जान्त्रं मञ्जान्त्रः । निर्मान्यः मोन्यदे नगापः वह्रव वर्डेब देश महिट य दृता दे प्रति प्रविष्य मित्र म ल्याबान्य मार्ख्याचा अपका मुक्ष मुक्षायन्या मुद्राक्ष मार्ख्याच्या यार्थे । दिदेः दर्मोद्दश च'त्रमोल'य'वे श्रदश मुश'गुँश'यद्गा'मुब'सहंद्'चर'यग्व पहेब'ब्श'द्मेंद्रश'य'स्वियायहः'''

भहर तथ व वर्षे प्रकृश हा । हे. केर भारीं र हे शहरा मिश्र लिय चलियार पर् टेश ही पशिरश. मुश्रुद्धःचःचग्रा अःमुश्रुद्धःच मध्रुद्धःक्षं बेरःच अःरेगःवःहे क्वेष भेरा रुवेःचःमग्रः र्ट वर्ष्ट्र वर्ष्ट्र म्रेस प्राच मार्य मार्य मार्य मार्य मार्य मार्य स्था मार्य स्था मार्य मार् मुक्षायक्ष्यव्यायते, प्राप्ता । प्रोप्तायः हेष श्वामाद्रा । प्राप्ताय । प्राप्ताय । प्राप्ताय । प्राप्ताय । प्राप्ताय । मान्दासामहेत्रामानेस। नगानामानहेत्याने साद्यामाने महेत्याने स्वाप्तामाने यद्भः वर्ष्ट्रश्वः यः वर्षे। स्वानः स्तुरः योषः मी वस्त्रः वर्ष्ट्रशः नृषः। हेन् यः सुरः योषः मी वस्त्रः पहुंश। क्षेत्र.टना क्षेर जुरू ही पर्वेत पहुंश। तथ प क्षेर जुरू हो। विर यर निर्धित रेन्।यदे नेग् र दर नमून वर्षे अदिशास्त्र मा हुर वर्षे र देने वर्ग र नार त्या हु । देन ह्मिस्र पत्र सद्य मुभ क्षर मी स मेहर देर में मुल दे रे। दर पत्र पम स्मानिस प्रमानिस प्रमानिस प्रमानिस प्रमानिस म्रीत्रात्तर हुंब.च.रट हुंट.रुचा.चटु.लु.जुंब रेट.। रट हुंट.लूट.जश हुंब.चांड्रेश क्रीश.खें.जब.सह्ट. त्रे से र री । मानव भट मंदर से रर पाने रामस सुराम के रामरे से र रहेश में मान र रामर मिश्चर्द्र। । मिश्चरित्रतिकाक्ष्रिः कुर्यहुन, पहुन, मिश्चर्याक्षरका प्रश्निका मिश्चर्या । मिश्चर्या प्रश्निका मिश्चर्या । मिश्चर्या प्रश्निका मिश्चर्या । मिश्चर्या प्रश्निका मिश्चर्या । मिश्यर्या । मिश्चर्या । मिश्चर्या । मिश्यर्या । मिश्यर्या । पि.कुर्य क्ट्यान्यक्रिका विश्वस्थान्य पुरुष्य क्ट्यान्य हुन्य नुवस्य । श्विसः नुवस्य । श्वितः श्वितः । श र्श्व ह रट ह से प्रिय मेरेश मेरिंद साउर मी सर्ह नहीं नहीं नहीं हैं। हेरन स हिन में हिन मह प्रीतृ, मिन त्र्भवर लक्ष.रेटा श्र.विंट ४ हूर्य मेश्रुक्ष.पा.सैनक्ष.वर्ग.पेशो सुक त्र्यू.क्ट्स. पक्ष में म्य के के में निक्ष मन्द निक्ष पक्ष पक्ष पक्ष देने में निक्ष के नि र्टा में है स विट है दे लट के दे के में है स स मुना हा हिर हो से स सम

चींत.त। चीर दिन्ना क्रें कि.नव ६ चाटुचा ल्र्र.त.खुचा श्रंभश वर्ष ही सरीय ची. पश्रं प्रश्रापश म् व य विद्द्र। । १२६ श्रुभश वर्रावशश.वर.ग्री.श.व.परीया.च् बुश.मीयाश.सश.हे.श.बुश.चरेयाश. विशा र्विट नहिने ह्यें म द्वारास वसासिने सहित्य शुःन दा सामा के सा हुट हैं। लट.चर्रेचश.तश.चे.च.वैट.हो रे.लट.रेचच. १८ वर्ष. लूरे.तो श्र.पिंट. १८ पुण. पश त. हुना निद्या क्षा क्षा मा क् हिंद के नुना ने से अर्थ में हो। ।हिंद के नुना नो ही से प्येवा । हिंद प्यम्। लेश नहेंद्र नशा नर् हैं देशक रेट। हैं स लेब मी रेनट में देशका मील रेश नर नियंश है। मुंश विभ त्राप हे वहा है दरा है या भूव राम स्वर्ध कर पर पर है यर नह साम स्वर्ध की मीववर ही. नश्चरायश मुन्दे दे ते ने निक्र हु हो निक्र तश है. नबुर रे.रेर. नश. इर. जामर. न.रटा ही चार्य ही श. हि रह में नश्र्र विश्वा जाय सीवा नहीं लट.क्ट्स.चंश.मक्ट्र्य.कर्ट ट्रांचर.ज्यं ट्रबट्स.चंस.झे.चंडर.ची.मे चंडर.ट्रां हि.लट.ह्रांच.चंद्र.मी बु.प्राप्तरात्त्रा विद्यात्म वितापहमा प्रवासीयात्र पत्ता । विद्याप्तायात्त्र वितापहणा । विद्याप्तायात्र वितापहणा । विद्याप्तायात्र वितापहणा । विद्याप्तायात्र विवास विवास । विवास विवास विवास विवास । विवास विवास विवास विवास । विवास विव नश होना नहाल रें मीर साम पेंगी वियासका रहिता ही साही। विवासीका नहां साही मार्स र्युर व्युम हो द्व पार्स मीस हार प्याप्त मीस प्रसंस हो। ।दे प्याप ह्म स्वाप्त निष्य निष्य मिल्ला । विश्वाप्त सहये हो। हिस स्वाप्त प्रति निष्य प्राप्त के हें वि द्याश पश्चिमः भर्मादः स्वा के पारः मु नारः मु नारः मु नारः मु नारः मु नारः प्रा । विद् नु नारः प्रा । विद नि नारः मु नारः मु

हैमासामासुस समेदि वासासदी । हैसायाहेस माद्रामी नापा प्राप्त स्वा र्यसःसहर पदे वक्ष्य पढेंसः गुटाधि के वि । । विद्यान पदे वक्ष्य पढेंस दे के देश या है न्द्रवासुन्तुन्तुन्तुः श्रास्त्रम् द्राद्यं वाश्या अद्गित्ता खुःसुन्त्रा खुःसुन्त्रा माश्रा द्वीनाः म्बूर्यासास्त्राचारा सहरे हैं। । नर्नुरानु स्वाप्ता से किना महिला हिल्ली हिला मुक् वेशन्ता क्यार्शे सुक नता वरायात्रकर नता मिरामार्ड्स हुनि नता वेता प्रमें ब्रुॅंट-सु-५८-। क्रे-नलैक-८६न ५८-। सुन-४न-१८-। सु-भुन झ-५८-। ন্ক্রুন্: खेबार के मुं हो त्ये के त्ये हो त्ये विकास के त्ये प्राप्त के त्ये प्राप्त के त्ये प्राप्त के त्ये प्राप्त विकास के त्ये प्राप्त के त्ये प्राप्त विकास के त्ये प्राप्त विकास के त्ये प्राप्त के त्ये प्राप्त विकास के त्ये विकास के त्य सुरे.सर्ष्ट्र कर्ट. हुं. जुदे नि चढे. इ. चंशिया चटेंट हुं. चश्चेंच. चट्ट हुं. जुदेंच च्येंटा हूं ची. चूं. होर.पश्च.कि.नु. कुं पार्थ.पश्च.कि.कुं। क्रिंस. प्रक्षिश तथ पार्थ कि.प्रमी ८८ हे पी स पत्नी क्रिंस. स्थ्याचित्र.कुं.पार्थ.कि पश्च.पार्था पार्श्च. होर.स्थ हीर्य. की.कुं.पार्थ.पमी. पर्याया हिर्य वसः र्स्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र त्या प्रह्म यः सहर्। इट ह्यूट न्यम क्ष्र त्येत ह्या क्ष्र स्त्र स्त् यमुन् क्षेत्र क्षेत्र प्रकार क्ष्र विष्ठ क्षेत्र प्रकार क्ष्र विष्ठ क्षेत्र क्ष्र क्ष्र स्त्र क्ष्र स्त्र स्त स्त्राम्य द्राप्त स्त्रा के सद्ध के सद्ध के स्त्राम्य के स्त्राम्य स्त्राम् न्युन्हें होन् केना नावस याद्वस्य वे पहन पर्वस्य स्वा । रे देसस वस्य उन के या ने देस वसा मून टट्स्ट्रिट ज क्रीट नाश्चेश विष्ट होट क्रीट होट क्रीट क्रीट क्रीट ज क्रीट क्रीट ज क्री

या. हु. त्वची १ हु। अ. त्वा हो। अ. त्वा हो। अ. त्वा त्वा से त्वा त्य. मार्थ. मुर्थ. मुर् र्केर प्रमान वार्षा विक र्वेट नु प्रमान प्रमान केश विषय प्रमान विकास वित हैंस'दर्ने इस'रा धूरे क्लें वरा पकर रें। क्लेंय र्वेद माट मीस सहर य रट महिमा खिनास नार मोर्नेनाक्षाच रूट मोडेका र्वेड. माट. मोक्षार्ने. बट. सहर. स.र्ट. मासुसा मुन्ने. माट. बक्ष. पर्कारान्द्रमित्री सर्वनाम् तस्य महास्यान्द्रम् तस्य प्रम्यान्द्रम् वस्य प्रम्यान्द्रम् वश्वा उर् हैं सुव सुक्ष क्षेत्र कें मारा स्थापकर है। मारा मीश हें वारा में वारा मारा स्थापकर से वारा मारा सा बन्धेर.लुब्ब् ।म्रीट.श्रुंद.इ.चन्द्र लब.लच ।उन्नेज.त.रेज्ब.नुर.कु.लब.लच ।म्रीट.न्ब्रु.सेन्. र्ने हर्न है लब लग निर्म होंदा है लब हो है ले है लिए है लिए है लिए है लिए है लिए है लिए है है लिए मार्थ। अन्य। येतु वस्य उर् कु. इ. न. हुर न्यू हुर ब्रीट ख्रुर कर नद्र प्यत प्या हो येतु रुगु

ह्येर पद्मेश पर्ता वित् नहीं न नहीं या पर्ने पर पद्मेश पह्मेश पद्मेश नहीं सह केर अपना स्व.पच्या.कुश.चेत्। ।ट्र.लाट क्ष.प-पटेश.पट क्षेट्र.क्ष.चेट्र.ट्रा वट. पड्डि.पट्या.वयश. हे.पड्या.ट्रेश.ची.श्रेपश श्र.ट्र.पडिट.पा.यथेट्रेट्र विचेट्र.पट्येष्ट्रेट्र प्र. हेंब.पश चैट्रेट्र प्र. प्र. पद्धे पत्र । इ.म्री पत्र प्ति । वर्ष म्यूर प्रकार मिल्य तिर.चिथ्र.पश् तिर.खेश.चे च.हेंश्र.चर्र.चचीर.चर्चेश विर.खेर.श्रेशश.वृ.ध्य. श्रेरश. लथ.लच.चचेरी जुटे.चे लूश.चन्द्री चीर.चके.स्.चे चुश.चन्द्रे हुं स.चश.चेर.द्रश्र. च वृ लश्र.लच.ही कु श.पंत्रेश.लश.कु.चेर.ट्रे शर्ट् चढ़े लूश.चन्द्री चीर चढ़े ट्रेल.चश.चीर.द्रश्र. च वृ लश्र.लच.ही चीर्ट्री श्रेपत्रे चन्द्री चन्द्री श्राच्याचा स.क्ट.च.च.चश्रेप ढ्रेट.लच जुर सक्ताचा हो किटा । निर्मेश म इसहा है वेर म सेना । भीन हेहा हैना थेर है। । हेहा म सिर्म स पर्वे मुक्ताम्पर्दे हिंदापर् मुन्या स्वासास सम्बुर चुरायका सम्बुर के स्वाप्त साम्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व हुर्य तप सी. जमा नपर मी. वीर नमा प्रति भीर जूर मी. जुर नमा हुर्य नप लूर रेय. लश्रम्बर्मा मुर्नु न्यं द्यं हिर् गुरि गुरि हैं। लेर् केर् केर् प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर प्रेर खराने क्षेत्र क्षेत प्यर प्रचा मकुर य माबद प सर दना मी कुर केर पर रे भाष्य र ना पर सुद र है से स्व द्रात्मर भ्रिंच न्यं ने निव में से हिर ये निव से निव से से साम से कि से सिर सिव है से निव से से सिव से से सिव से लूचा.मुंट्रेंच्या.लट भ्रु.चेट्रा बिशाचशित्य ह्या ।चशित्रानाःभयः त्वाल्यास्त्रेंच्याः क्रुंच्याः वित्याः वित्या ड्रस.चेत्। र्यूच.ष्ट्रा.च.चीत्.स्.वंस.उक्ट.र्यूस.ट्री स्त्र.वं.तस.चेट.क्य. व्हरा र्यूच्या चे.सा रेत्यी.र्यात्र.च.हंस तर.क्चे..ट्रे.पंत्रीय.तप्र.से.र.वं.सबे.ट्या. सर्हना दु से सर न ही दे रास दे दे र हना है। में सर से ना है होना या नावर ही हो र र दिन है। देने सर यदे " ळे.च। १ ५ म् इ.च. प्रेंचा पदे सम् ८ म् ८ च्या पर्या प्रवासित पदे हैं त्या है जा १

नहुना य र्टन अने य पति असमासु भेर यदि क्षेत्र या में साम मिया सामेन पदि है य न न साम के साम की न नवः त श्रुचाश रा हीं तकत हैं है दे तर हीं दे नशह उद दें र नश देश हैं नाश केशश रादे हैं ना प्रथाय र्षा.रे.क्रिय.त.रीयो प श्रिट हो। विट.क्ष्य.रे.शुभशायश्रीर वश श्रिय.श्रीय.वश्रीय. तभ्र.केश.भ्रीर्य.मी है.सश्रंमीश.तर ने ने राम स्था राम होय र मियांश हिं यहा ता स्था राम प्रमुख। अद्भर्पुरायार्मेन हेट.वहास यर.वेर.चहासामहा रे.हेर.चह्ह्य.यहासूत्र. रियेर.ज. हुंस कुंस. कुं पंतर वे. कुंस. रच मूं । हुंसेर. स. रूंस. सुरे पार वेंचा. ज. सुरे प्रश्न स्वां वार्य कुं मार्थमा.भु.रेम्थि.तपु कु.मा 🔥 वराय २८.४भ.तावभश.वर्.भम्रिय.तपुर, जुल.स्य पशारचंत्र. नुन्न विष्य विषय विषय के निर्मेश प्रति के निर्मा थ निर्मा विषय विषय के निर्मा विषय के निर्म विषय के निर्मा विषय के निर्मा विषय के निर्म विषय के क्र्यं तप्रु कु.च.रेट । र लील.ज.ब्रेंचेश.रूश.भुरं.चर.लीज.चेट.र्ये वर्षेरं.ग्रेट.चीवेश.सीर् र् दिन्दर्भ ने विष्य के त्राप्त विषय के त्राप्त के त्रा त्ना नाशुम्र स्व मी मुन्दे तर्हे हैं स्वर प्येव पदे मिटल के क्या **बर न**ामाद मिलक के क्या का नियाद दसः नहंद नहंदाना प्रतिकारमा दुर्मा स्थापन स् यानश्चरायरे देव पर वर्षा । के ने देव वर्षा पर पर सम्मासुर पर । विकास सव वर्षा ने मझूर्यराम् । विश्वामाश्चरम म् । दर्गिश्चामारी देव के रे मुद्देव में मार्मे मुस्साने मन्। म्बर-पर्वेशायान्ये स्वरंश हे प्रविद्यान्ता विद्यत्वानी पर्वेश्वराश्वर्षेत्रायान्य द्वाराया ह्मदश हे न वित्र प्रता वित्र व यथरं यर्थे । रह त्र्यूशह्यं जालुद्धः मोश्रेशः या याषा कु मूँ नाशः त्राः ना प्रेशः यर कुशः । न्दा निर्मिश्य ने ने ने निर्माय निर्माय निर्माय निर्माय निर्माय कि नु पर्छन् प्रसान झन न्युन त्रस सुन् पत्रिस प्रसंस न्या है देर पर प्रेन प्रमे सुर न्या है प्रार

सिश.श्रॅच. चेव्र.तप्र. चेर. चेर. चप्र. चेर. चप्र. चेव्र. क्रं चेवा.चीर. क्रं. चे. चेव्य.चीर. क्रं. चेव्य.चेव्य पर्वे. नमा देखान्य पर्वे वर्षे वर्षे वर्षा नम्माना मार्थे वर्षे वरमे वर्षे वर्ष यशक्ते स्था में देश श्रुप्त यदे मुद्द स्था स्था प्राप्त स्था में देश स्था मे देश स्था में देश स य'न्द'नवि'यमा २६-'न्मेंब'२३वेष म्हैब'ग'र्पन्'द'में। सुब'यम'न् न्द्। स्वर् त्युर् नहेत्र नहेत्र नहेत्र नहेत्र नहेत्र नहेत्र नहेत्य न्यूर हित्र नहेत्र ल्या ट्रेस्य प्रति । नेत्र प्रति । नेत्त्र प्रति । नेत्र प्रति । नेत्र प्रति । नेत्र प्रति । नेत्र मीत्रक्षाम्बर्धाः । पहुंच पतः देत् स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्व स्वान्तः स्व मोर्श्ना मेर्न्स्य पायले रु ययेत्। । हेर्स्स मासुद्रस यस। मोर्स्स मुस्स द्राप्त मार्स्स वुद्रमानेव चे द्राप्त हा सूर नार्थे स्वयक द्रा नार्थे नार् क्रिंशनले में ने सम्मुद्धान्द्रमें देशदेशमार्थन्न सेन् हेन विन्ता विन्ता विन्ता हेश्व हिंद्र मेर्स निर्देश क्रिक्त क्षेत्र मुद्र मेर्स क्षेत्र मार्स क् माकेश गा भेर गुर है 'इर मार्थ पर वन्य सेर वन्त वन वन कुन माकेश प्र अं पर्यो परा ही त्रक्र्मान ग्राटानाक्ष्य पर्वा श्रुप्ताचेत्र व्यव ह्या ह्या ह्या केश प्रधान वार्ते द्या मुद्या प्रह्मा ह्या । 

मार्श् यात्रामाश्चिम। वर्षे द्वाना च्वाना वर्षा महिं स्वस निर्मान हुन यो । ने भान्य निर्मान मी निन्न नु महिं न सुका ने मिन निमान मी निन्न निमान सिन्न निमान सि सिंबाने त्या बना के त्या विद्या नार्श्य क्षेत्र पश्चर पर्दा स्था द्रांश द्रांश प्रामुद्रा खश दे ते विष्य दे ते ते विष्य दे ते विषय दे ते विष सिश. लुंश. चे द. वे. वे. वे. वे. से सिश है. स मिश्र स्व क्षेत्र मे हुने . त वे रन प्रकारके स्क्रीर प्रकार के विकास से प्रकार स्वार स् र्ट चर्रे ह्या विश्व मा लिया है जय चिट चर् क्या में नियं है। सिस श्रम्भामानीट्र भीट हैं यानर नु महिंद् यर ने ने समे हुर कर होरी अन हे ता पर। मु दि: मुन्ना कुन्न स्वाप्त विष्य दि। नाके विषय दि। सक्ष कि स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व रे.पर्यायकु.प्रथा र्ट.म्. श्रुरं.प्रथा कु.ए संज्याची.प्रथाट्या.क्षरं.चीश्रियाची.ये.पर्यः श्रुरं.या.प्रथा गुः ह्येर त्यम दरा वर्गाय हेर तय हिंद त्यम द्या निका निका वर्गाय है साम के साम हिंद त्या से साम हिंद त्या से स ह्रें तथ. पश्चेर. पर्. वेश. प. २८ वंश. पशा अश. मूंश. पत्र पर्टे. विश. पश. प्रमेश ह्रें स. मी. मोर्टेट प. 

रे'या स्मर प्रहास यदे प्रमुप्त प्रमुप्त स्वास के प्रमुप्त प्रमुप्त स्वास के प्रमुप्त स्वास रे.पश्मिश्मिश्चर त्याकेष. त्याकेष के प्रेच्य है। अष्य ले सिरामकेषाता हे होर. वैचा-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर्य-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-जाकुर-दा-म्बारायाम्बर्गनायक्षर्तामु त्येत्रायत्री स्वयं मुक्षा स्वयं राष्ट्रीयकार्ता के त्येत्र यहा विश्वयं विश बुश.चे.ही र जालट.कुश.च.रट्स.से.हूंब.चर्.चर्चा.बचश वैच । त्व चाल्.हुंब.चींश. यदेग,राष्ट्र, वयश्च,राय्येर। सिट. सिट. श्च यब्द्र, राय्ये, या. या. प्रयापा या. प्रयापा या. प्रयापा या. प्रयापा या. प्रयापा या. न्त्रना च निर्देश द्वाप्तरा हेरानहिषाका । निर्देश हैया विषय है प्रति में होटा निहेता म्.चिर्ट चर् विचरा हुँ र त है। हैं पूर्य चीर्थ क्षेत्र चीर्थ क्षेत्र चीर्थ क्षेत्र चीर्थ क्षेत्र चीर्थ क्षेत्र मी.चरेच.र्यन्य.चमी.र्ट.चाड्रच.हं चरेच.रा.चमी.रट.केर.चार्थेश.ध्रा । १. चट्र चांध्र्.क्. चर्ड्-क्षा ने समामी मार्क् क्ष्याचन निक्न क्षा मार्क् क्ष्य मनु निक्न । प्रश्नात्ता त्रेशाचुन्द्रान्ता । त्रेशाचुन्द्रान्ता । त्रेशाचन्द्रान्ता । त्रेशाचन्द्

न्द्र वे. चें व पार्टा पार्चे वार्चा वे वे प्राप्त हो पर्वे वार्षा वे वे पार्थ हो वार्षा वे वार् र्ट प्रा मार्स दुवाहित खर द्वेर पर रट प्रा मार्स विवस विट र्ह प्राप्ता यदै दर्गेश य है। है र यत् प्रवादा यदे प्रवे दर्गेश य स्प्री हि वे है मालुर मी देव हैं सस नह्युक्ष ना देव हेना के। मिलुदाय हे ढंक पुः हिंदा पर है के पार्थ है के प्राप्त है के प मुक्षात्वर्ता स्त्रित्त क्षेत्र त्या स्त्रित्त क्षेत्र त्या स्त्रित्त क्षेत्र त्या स्त्रित्त क्षेत्र त्या स्त्रित क्षेत्र त्या क्षेत्र त्य तर मि. पर सेर प्रधी राम प्रधीय पर्छ। विश्व मिर ह्या पर समा सिर पर मिर से नर नक्ष नर्ता । निर्माय तक मुर्जे ना मी मि प्रमिना से से हैं र क्रिंग दे ते वर मिना । मार्श्य न द्वी न त्वी न के के के के के के के कि कि के के कि कि के कि कि के कि वि.च.चाली.ह्यूची.ल्यूचे.च्यूचे.च्यूचे.च्यूचे.च्यूचे ह्यूचे ह्यूचे ह्यूचे ह्यूचे



### 

# 

ह्येर पहिना हेन मु मिस्रस पर्ने न प्रस्ता पर्दे निन्द्र मान निन्द्र स्थाय स् सन्दा द्रमानी के समें के समें के नियान नियान के सम्मान स्थान स्था पहुना-हेब-ह्री न्यानम् न्याना । विनाध-हेन-हे नावस-वर् लेख-प्रवृद्ध-पथा पहुना हेब् या इसस ही प्राप्तेसे रायर पर्ट्रा यस इसामा निष्यं देश ताल या निष्यं निष्या हो। यदे न्यावार प्रवास प्रवास प्रवास वर्षेत्र लेखा प्रदेश स्थापन प्रवास वर्षेत्र प्रवास स्थापन प्रवास स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स् नाइ. हुना त कु.हुब.जू. कु.नाकुर तिचीर जी है.ज सूनीश त.नजू.वंशश.वर ज वेस्। निस्त रूची. नारेब.ज.रचन्त्र,ता.क्ट.ब.कु.चर्चे ब.ज.वेस्। श्रि.ह्मा.त.कु.वे.मा.र.क्.कु.चयीर.ज.वेस्। । सन्तर्भात्तर स्वास्तर स्वास्त्र स्वास्तर स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्तर स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त मु अन्यस्तर्भाश्चरः नृत्यत्। नृत्यः मु नारः मु स्वायः साम्याः स्वर्तः स्वायः न्या मार्श्-रिते-तिन्य त नर्हेष हो। हे.ज.चहेब-बस-माश्चर-त-श्चेर ज् हुन्-प्रहेश-वि-च् अस-प्राप्त स्थान हो हुन्-प्रहेश-वि-च्यान हो। हे.ज.झेप जिनाश हो। प्रह्मा-हेब-बी-अस-ज् स्थान हो। स्थान हो स्थान स्यान स्थान स च.म.सह्या द्याक्षेत्र. स्थान्त्र व संस्थान्त्र । हेश.स्वर. संस्थान्त्र प्रमु क्षेत्र प्रमु क्षेत्र

खुश बना'न्दा कु'क्किनाश'ङ्क न्दानकु**न ग्री**'र्ख'रान्ताकुन'नु न सर्दन'ने। सेतु'सुस बुंदः सृप्त नु : अद् : अद् : अद : बेंद : बेंद : दिया : स्व : यद्येदः यः विश्व : नु : यवः र : यदि : य्येयः यः बुंद ब्रॅट हेर सं मुर पेश मुश नमुर प हेर सं अर्दा विस के के मुश चमुर या हेर सं वा पहना य.भहर। के शर् हीर त्रा वि.पं व | १४८.च. श्रद्धाः मुश **च**द्रे 'सि चौश का चापि 'देट.च हेष' च हेश च हेश है। विणय का तर्यान झर्मी खटार्टा निहेर अहेंदर्मा मद्रे मुर्के केर्यो से हिर ख्रान्य में वैद्भाति । वेश विश्व विश्व हिंदा हा से बार प्रवास का साम हो । विश्व में साम का साम का साम का साम का साम का साम म् नियम श्रिम् में नियम स्थान यर देट. ह पहुंच या श्रेंसश यर विनेश न या वा इट श्रेंट हना यह थे तेश में दिए। २८ ब्रिट प्येर प्रश्न स्रीय रिट स् विट पर्टेर हैं। हैंट व् नाबट य सर टना नी किर नाबट स रार्टा क्षत्य य केष में य प्रीव मीस पक्ष प्रवास वस द्वार वे पार्ट मिस द्वार प्रवास प्रवास विकास के से मिस मिस का मिस वर्क्षवश्चर्यते । हिश्वासुः वर्षाः वर्षे । स्त्राः वर्वे । स्त्राः । स्त्राः । स्त्राः वर्षे । स्त्राः वर्षे । स्त्राः । स्त्राः वर्षे । स्त्र मह्य नर हिश महर देश पर प्रमास प्राप्त हम न्याय थ मु नम च दे ते नर मह्य प्रदेश मन्द देश साम्भर्यात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्म भुरात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक नेत्रात्मक ने हते सर्। दर्के या ने सर्गे क्षेर मा क्षेर मा क्षेर में सर्गे मारेर होगा रहार ग्री सर्गे क्षं कथा या वे ते स्थर्ने निष्टेन । मालक भर मार्थे निष्ठन थन परे सर्ने मासर विमा ह्वेन स्थरे

दे.क्रेंस्.चे ल्यात्त्वरं क्रेंस्.चे चांस्.चं चांस.चं चांस्.चं चांस.चं च क्यायायहै प्यति । हे महित्याही दे त्यादि र महित्याही हे त्यादि र महित्य है स है। नाटानी देंबर नार्श्स न खर्म की अर्बन हैन नम्ह र या नाटानार्श्स न खरा ने दान द्रम् स्वर् प्रत्र | |र्रे.ल.र्ट ग्.चीट.ची र्य.रे.चीश् था भ्र.थ च.चीथश.तर.चे.प्र.ट्रा श्रीथ.च.ज.चीश् चन्ने क्या चीश्.क्या.चीश.थश.चीश.थश.चीश् वचश.ट्रश.चर्नेथ.चूर्य । चीश्.च ग्र. थ.च.चीश् च.ज.चीश्रीश.ही देट.च् ट्रा प्राचीट चुंची.तप्र वचश चर्नेथ.च्रा हेर्चेश.थश. व.च नांश्.च नार्रेश की.ह्यू वंश शिश.चर्.चर.चवंश.चुट.क्र्.इट.रे.चांश्.च.क्रुव.चशा रेट.ह्य शिश.क्री. सक्ष केर. चेश. रम्ब्रा. व.चेर.। जिश रे.ज. मेंर. सम्बर. वर. वर ते जार प्रकार रे.चीर. पष्ट. वेर. नमः समः मुद्दे हैदः भः वदः मुद्दे अव्यक्ति । वदः भः नार्थः वदः यदे नाद्दे नाद्द यस'दर मु हिट या मारे में दे सक् में हिर प्रेश र्मेश य बिटा। वर रे मारे में संसामा य या से त् ते त्रिम् रुष्टे मुर्च मुर्च प्रवस विस न्में स्य विदा। स्य मार्च य त्रा न्ये देश दिस दिस प्रविस यश. पर्ने मा स्वयश क्षेत्र निर्माश प्र प्र मुद्दा वर्ग हिंदी है मा हिंदि है में दश प्र है स पाय निर्मे पर्दे हिंदा न सं क्षेत्र पर्ते सक्त हैर वेश र्नोश मानुदा नार इट लेग स कंट प्रस के नार्श न रेग पर से

प्रमुद्राप्ति खुरावाम् मारका प्रामी देशाया भेर्पे हो। सर्ववा के प्रमाणका मेरी म्बारा हो । प्राप्त मार्थ क्षार प्राप्त क्षार प्राप्त हैं हो। हि सिवा हैं के से मार्थ क्षार क्षा यश'वश्चिताव। त्रुटाव हा दे नाशुक्राक्षंद व'सद्यादु खुक्ष कवाकायर कुर्दे। । ब्र्ट्स.ग्रेस.पश्चेत.वश्चा विर्वेट.प.र्ज्ञ.व्यक्ष.प.थट.म.र्टे.क्यंश.पट्र.मी विर्वेट.वे.चिव्य. क्ट द्या सरामे त्युट महिद्या । विद्याम् सुट्या । दिर्द्या विदे के विद्याम वस संस्था विश्व है दिस संस्था मिना प्रदेश की प्रत्य की स्था निवस के प्रत्य की प्रत्य रेट्स स.म्रो । इस.म्रीस.सटम.२.४स.चर.८सुज.मीर.३। ।रेनुर.४ हुट.म्री.लेर.९स. १.सट.कु.चर.४म्रेमा ।६.मो३स चसुष्ठे चढ्ट.म्री.३५ रेट.४म्रेमा ।रेन्नुर.स.म्री.स.मस. १.सट.से.चर.पम्रेमा भटम.क्यार.४सुज.चर्द्र मुक्ते चहुत.म्री.लेर.६स. मह्ता । वे. (ब्. चालका. ता क्रा. प्रचितः विष्ठे : क्षेत्रा । क्षेत्रा त प्रचे तर्दे प्रचेता चिका त्या विकाल स्था विकाल स न्नात। निर्दात्मसंभिन्न यासुः स्ट्रास्त्र हुनाय। नि हनायात्र देशाययास्य स्ट्रिय प्रमुद्द यास्था। र्यः है। सम्मानमा र्युः द्वमान्द्रः त्रमानिः त्रा । विसः न्य मेरे मेरे प्राप्त विश्व व स्थित मेरिय मेरिय स्थित मी मार्था से ना पर्य मार्थ से ना पर्य मार्थ से मार्थ से मार्थ से मार्थ म लियाश पर्तेय.ता योध्य.त.यायर.ग्री.यायशं.लियाश.श्रा वितः १६ लिश्. विदशःग्री यायशःश्री खेब.चोबंब.जबा <sup>खें</sup>ट चो. क्ट.प्रट.ची.श्रट.खेची.चोट. कुश.त. चेडिचोश टब.

क्सस वार्ट्य से देन द्वा विद्यापस नहें की विद्याप स्तीना स्वाप नहें है। यह. १.३। १८.२८. में त. ४ थ. १ थे । १. म श्रुच. त. म श्रुच. त. १. म श्रुच. १. म श्रुच. त. १. म श्रुच. १. म श्रुच. १. म श्रुच. त. १. म श्रुच. म श्रुच. १. म चहुः हु। स्वरः स्वरं । विश्वः स्वरं । विश्वः च्यां च् ब्रिंग्यरे पर मुक्ष नव्य व्या शिर पर प्रेंड भर प्रेंड भर प्रेंड भर सुक्ष मुक्स मार्थ शेर सप्. इत्. कु. बु. बु. स. स. वु. हुं। विश्व. स. बुश हुंट. त्या. घर मार खर मार हुं श हुं । बुंबानाश्चरक्ष ह्या । पद्मेत्याचार्त्रः सःत्यात्यारः द्वानान् हेबः स्पर् ह्या । सुद्धानाद्वारः पद्धा पर्चेय पर्वे संभारण र बना नाकेश स्प्रेर दी विश्वाप नशा रे प्या खु संस्व स न स्वा न मुक्ष। । बिक्र न्युट्य क्ष्रां । क्रिंदे स्थाप न्युक्ष खे। सुक्ष न्युक्ष स्था त्य के ला हा ने के त्या के ता के यी.ची.हो। ट्रे.लट.जिश चोरश.जशा ्टर.ची.ची.बी.बीटश ट्रेश चोश्रेस.खेश तायशा चोशिटश.शु | चिक्रि.जश.ची चोट्र.चोरश.जीचश.जा वेट ची.ची.ची.चिर्य.चीश्रेस.। होट्र. चर भर भरत झें बे.भ.चारेश कीश झेच. कुश चश्चित्रा हां विरेश र चार्ट के.चारश सिवाश त यनुकाने। त्वामाना क्रियामानना क्रियामानना क्रियामानना क्रियामानना क्रियामानना कु.क्रुंश.क्रुं.चार्टा क्रिंश.चार्ट्रा हि.लह.लेश चार्शला चार्थ.तर् चार्ट्र.ज.च.क्रुंज. इस्रायान्या वस्रो वस्रोत्तान्यां वस्रोत्तान्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या यासिका निव का में सक्त हैर या हैिये सक्त हैर निव सक्त हैर निव सक्त हैर निव सक्त हैर निव स श्चिति सक्त केन त्यां श्वाम श् क्रुचा वृ.वर् तिथा बैटका प्रे. भा चीश्रभा सव १ क्षित्र पर्दे व क्षिया पर्दे क्षित्र व तिथा लेखा चित्री हे प्यत् क्षरानान्य त्यस्य विसाहत्य है स न्दान्द क्य मासुस में लेखायान्य। क्रमाया नु मिमरा में निर्मा मार्चे दे होते हेरा पर महर्षे महर्पे महर्षे महर्पे महर्पे महर्पे महर्षे महर्पे महर्पे महर्पे महर्पे महर्पे महर्पे महर्पे महर्पे म मु मक्द हेर् है। सम्बद्ध मनुकर्र मनुकर् मनुकर हे महासम्बद्ध । ने प्यत्य हो मट्रिट्या तथा झुट्टा चिर्ञ्चा ठच्य गुह्म्येश राष्ट्र देश हो । रु.ज.जिश.बटश.रट.रु.अष्ट्र.स्ट.त्येटश.ब्री जेश.चेथश.जश जेश.बेटश.रटश.स.स्चि. न् न्द्रक्रिया । इसारा मिटासर सि.चर्ड्र न.चन्द्री । द्रि.स.चन्द्रत्मिक्षास्य प्यत्

बिश्र नाशुद्धाःश्री । ने दस्यशः गुः नेदः त्यशः है। देः तः दद्धाः सः निर्दः नु दस्य नरः नेद हेशः न.वेश। रेज.चीश.नचेश त भारेष द्वट च सैं.भारेष.बुश.चीर जश.चिशंटश.श्रा । अ.ट्र्र.बु. त्रकः प्रहास्य हो। से हेंद्र हेश नु स्वहः स्विष्णि धेवाने। । प्रहास्य से होद्रापि स्विष् याने लामनना । वरान्यासुका सामिन के मानिन के मानिन के सम्बाहित्सर । विकासिन स्वाहित्सर । प्रहारी दे.लाट अस.चीरसालसा के ट्रेंट्ट्रेल्स्साचा स्मान्त स्था । अस.बटस.चे सप्ट.चीर ख्या.चीर तिश्रानिश्वापत्रा विह्यान्त्रक्षेत्रीयानाकृष्यास्य द्वेषानान्या स्थ्येत्रानास्य श्रुम सदयः २६५.९१ विश क्रिंर.जश नशिदश श्र्। विशः बिरशः पर्रेर.क्रि.पर्शः वि.ह्वाशः व्यात्री र्टरंश स पि तर मुः 'रेस' (वर्ग रेमा हो। ।रें हा स स्वास स्वार मि पर पश्चेर। । अति हसस्य मिट.भमिश चरे.पोये.चोशिभःहो। जिश्व.चोथशःजशा हेशाच चरे.पोये. सत्ता कुर .बेचा.चोडूच जशाचेरे.पंचीर .बेशाचशिरश श्रा विष्टे.चेर हेशाचर अध्ये .अस्थ .हेरे.जा मंश्रम। । इस यर स मैर. पिश. चेषस मैर. तस प्रह्मश । विश. चेश्वरश श्री । रे. माश्चर वाप्पटानं वे नामा विकास करा के नामा विकास मान्य के नामा विकास मान्य विकास मान्य विकास मान्य विकास मान्य धिट.भ्रम्लिश.चर प्राये.चांश्रेश प्र कि कि.चेश तथ.चब् कि.हे डे.ल्यट.जिश.चायश.पाश धिट. त्रार्ते ब.सूचा.४हूब.मी मी रेट. बुंस.त. त सूचाल मीर. कर. हा १३ श.च चारी स.मी. प्रकृत मीर लश्च म्युम निवास प्रतित मुक्त स्वास तिश्राचीर्यात्रम् विरायर सूची यहूर विराय है व्याचीर स्वाविश्वा सूचीरा स्वाविश्वा विराय स्वाविश्वा गुःरवुःयामा हेवागुःरवे या वार्ट्सरावेशया रहायवेशरवे या वरार्थरा मी रवे.व रहामधुर मिहारा द्रिया यार्टा वर्ष यास्त्रमा प्रवेश या सहस्या प्रवेश यह सह क्र-र्रा विरुद्ध वास्त्र के प्रदेश क्षा मानिक के प्रदेश के प्रदेश

भ एश यद्भ तद्भ त्रेश । इस यद्भ स्था । द्र यद्भ स्था । द्र भ यद्भ स्था । पर्वेश हो । श्री तथा मी तथा है। य दे दे त्या हुश य दश। हैं हों मेश द में श्री तथा में तथा है। यह में तथा है हों मेश द में से पह से प्रति का में तथा है। यह में तथा है हों मेश प्रति का में तथा है। यह मे द्रशःचत्रुं 'स्रुश है। सः देश प्रकेश स्वर् 'द्रिया सदः र्चा था लेश ह्या सही दिश प्रवेश है। बु.लट.कंब.टच.चकंच.चकंच.चक्र.तर.ठकु.बुंब.श्चिश श्र्रा ।श्चि.ट्रं.चकेश.त.चट चक्र्य चंट कु. म्रेस-वहरेत्। विन्ना स्र्रेस्ट्रिस्यक्ष्यः प्रस्ति विन्ना विन्ना विद्रान्ति । विद्रान्ति । विन्ना विद्रान्ति । विद्रानि । विद्रान्ति । विद्रानि । विद सकेर्-दुस-दर-लेस-य-वस। वर-इसस-क्षेर-यर-चेर-डेस-यस-यम् हो । दुस-दसद-भ्रमाः रसर झेना लून.त.तू। रेनट.सू.कि.रेट.बुश.त.यश। हैंर.नर.वर्गर.बुश.तर्ज्या मुद्दिः व्यमः द्रम्य द्रम्य विना न वे। मुद्दिः त्यमः सुमः रामः हेमः स्नामः स्रा । नासना स्र न मुन्दः वा 

र्मीश्रीत महामा निर्मेट करा है । स्थाप क्षाप्ता प्राप्त करा के स्थाप करा स्थाप कर स्थाप करा स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप कर स्थाप स्थाप कर कुंब.बु। बिंट.तर प्र बुंब.ग्रा विंट वट किंट.वुंट.वुंब.ग्रा शिवेंब.ता विंट.वट तर् ध्रॅट लेश पर्या विश्व मार्थ साथ वर्ष में प्रति वर्ष वर्ष प्रति वर्ष प्रति वर्ष प्रति वर्ष प्रति वर्ष प्रति वर्ष मुश्यः पर्वत् । प्राच्यं प्रमा क्ष्यः प्रमा क्षयः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्षयः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्षयः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्षयः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्षयः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्षयः प्रमा क्ष्यः प्रमा क्षयः प्रमा क् पर्येतात श्र्माशःश्र्। विद्येतःक्ष्यः मुख यरः यत्तर्ः य है। अशः हृत्यः यर्तु अः मासुमः हेदान्भेदाय। हेदानामाह्यम हेतामाह्यम हेदान्य पहेदानामाह्यम हेदान्य पहेदानामाह्यम रे.प्ट्राट.के.एक.तर.चक्का भर्षिक.त सिंचा.८८ द्वा.ज.चक्का चट.पाव.केचा.घ.ध्कका.घ. मीशायर.मचेर.त.ब्री वर.मेंद्र.तर.मेंद्र.तप्र.चश्र.मेंशा वेश.च.रट.वंश. चाटार्लुब्राचर् सिंबा बिटब्रा की सुना होना होना हो हो निय हो है निय हो है निय हो है निय हो है निय हो हो निय हो हो निय हो है निय है निय है है निय ह प्रह्मायस वर् न्यासन हिर ह्येंट नर हिर हो। दे वर न्या हिस याहि वर हा बिश्वा । तहना पर में व्या यम हुना बुन्य वस वहें से द्वा वह प्याप्त विश्वाय वन्यायायाया वात्रामुया इ.इ.मून इयायालेश द्रियायवया र्र्यून सिर्यम् मुन्यम् । विक्रियं वर्षः भीति । क्षेत्रः प्राप्ता क्षेत्रः प्रापता क्षेत्रः प्राप्ता क्षेत्रः प्राप्ता क्षेत्रः प्राप्ता क्षेत्रः ह्मर क्रूट मी मानस है। मानस पर है निय हैस पर दूर क्रिय मानस लेस पर । क्रिय चर-गुर-अ-गुर-मार्थ्या । मु-द्रमा-मी-माद्य-अ-मार्थ्या द्रम-पर-स

स्त्र हे. ब्रिश्य स्ट्रा व्यक्षित मार्थ स्वर्ध । व्यक्ष स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स व.चेबका.त.लुब.बुक च.रेटा। सम्मित च बे रेट.भ.बेरु चर.चेबका.बुक च.रेटा। चरे.चोर्थ. चेट रेट बुक च बेका चेबका.त.लुक.बुका.तका.कु। म्हिट किंर.तट टे.बे चेबका.सूट र. च्.लुब.खुब.ख्. १८४.कूच बु.लिब.रेट.कु.ल.चड्डट.चरु.बुट.वा लब.रेट.बुंच.ल.चार्च्ट. हिटामानुदानसार्से विसार्सा । विनायन की सर्दन हैना सम्मायन सम्बार पानदा में सर्दन हैना लेखामाश्रुटकार्स्या । तिस्निम्यान्यत्रे सहवार्ष्टेन याञ्चितास्य समित्रान्याम्यान्यसम् क्रिट.प्रियिश नप्र, हेमाश है। प्रियिश नेयाश श्रिट, त्री द्व. (ब्रेश.च ब्रह्मा व्या ह्य. महत्र स्व. हिंहा व लेस प्रसार्था । सिम्निश प्रति प्रमिन् ह नाश है। सिश प्रति नाश हैनाश है स्था है स्था हैनाश है स्था हैनाश हैनाश हैनाश है स्था है स्वा है स्था है स्वा है स्था है स्वा है स्था है स्वा है स्था है स्वा है स्था है स्य खि.चट्र.रेश.च.च.खुश्च.श्रा ।चर.याच.रचिंचाश.देवाश.द्वाश.वा. चर.याच.रचिंचाश.देवाश.द्व.खुश्च.

लेस.प.वर्षा <u>इस.ह्</u>र्म.कट लेस.तप्र ।टैम.त.४२.क्री २नु य.ज.मश्रिषा मैंट्र.स्. दश र ने : न : हें र ने : कें स्था : न : स्था : स्या : स्था : र्टेश.च लूथ बुश.श्रा हिंद म्रे.संट दर.चिश्च श्री हिंदिर त्यार बरे.चक्ट् चमिरा संश.चश्चीर क्रि.संह स्ट.चिश्च श्री हिंदिर त्यार क्रि.चक्ट चमिरा संश.चश्चीर क्रि.चंदर स्ट.चंद्र स् पर्नेश्व.ता.जा.चक्न विश्वमाङ्गी इत्यात भक्ष्माचीश्वमाङ्गियात्वा कृष्यातास्त्रीचा हुशाताचड्ड. पचीर ह्या विश्वराचीर इत्यातास्त्रापरीकाक्री विश्वराच भक्षाचा हित्याता भारती है। यदश.त.रीया.दुश.तशा ४द्राम.चरे.यरेचे.क.यबुद्रा वि.याकेच.कच.पा.स.चरेच.हा याद्राम. यक.बे.योक्षा ४द्राम.चर.पर्टेश.त.पा.यक.योक्ष.हा ४द्राम.चर्या.चर्या. मी मात्रस शु दर मालद पलुनास पर्दा । रहास ले पर मालद र्ने क्रिमा यान्हा विनास मालेस शुः दश्यः यः द्रमुः क्रंब माशुः अविश्व यश। यमुः सः माहेमाः मे । माब्यः गुः दिने वा लामावश परे वरमाकेश। लेश लामाया स्थाप ते वर्ष त देन्द्रेन्द्रेन्यानिक्ष्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रम् इ.चढ्र-त्यीर-द्रशा विषयात्र, श्र.च्य.चे.च.च्य.चे.च.चन्तरे.ह्रा विवेचत रि: पहुंद्र। विश्व प्राप्त क्षेत्र प्राप्त विश्व प्राप्त क्षेत्र प्राप्त विश्व प्राप्

वर्नेरामार्करायामानभ्रमानावयन। वर् ग्रीप्यव्यास्य स्थितान्य वर्षेत्र पदी वर्षेत्र स्था स्था मुँदःजय। पर्षः च.मधिमः चटः कुषः च.पथा बटः ट्रेसः स्था । नाश्चमः च म्द्रम् मुर्का मुक्क निर्मा क्षेत्र निर्मा क्षेत्र निर्मा क्षेत्र निर्मा निर्मा क्षेत्र निर्मा क्षेत्र निर्मा द्वीर खिर होते । प्राप्त । प्राप्त विकार में प्राप्त । प्राप्त का हेब.मु.क्श.क्श.मुं.शुंद.जथा रथ.प.क्ष.क्श.मुं.शुंद.जथ.जा कु.मेट.पट्र. स्वश्व.मुं.शुंद जथ.मुं ।रेट त्.मैंब.मुं.शुंद.जथ.जा कु.मेट.पट्र.शुंद.जथ। उहुत. चशित्र.हो। ११८.प्.मुंब.पे.शुंद.जथ.जा कु.मेट.पट्र.शुंद.जथ। उहुत. मीड्स लेस पर्ते। विस्त पर्दे हिंद त्यस है। यह माड्रेस हिंस पर्देश माद्या माड्रेस लेस पर्देश माद्या माड्रेस हिंद त्यस है। यह माड्रेस हिंद त्यस है। यह माड्रेस हिंद स्था माद्र हिंद त्यस है। यह माड्रेस हिंद स्था माद्र हिंद स् बुकाश्चा विरामक निकास के सम्बेर त्या के सम्बेर त्य मुर्नित्रमा निक्र राज्या ने स्ट्रा न यामिकेषायां अका अस्त्राम्यक्षियाया देवा हैना । इत्ते वा इ ताः अथा की दि ते हैं। वर्षेश भूषः श्रेषः हिटा श्रेषः भूवत्रः भीदः पदे वुषः यादा । द्रश्र.धूर्मा.ब्री ब्र्श.परीदश.पेश.पंश.पर्जाश.सूंश.श्रंज.पेट्र.द्वीर वश.वृंश.पेट्रा रिवे.य.वश.णे. क्ष. चेश. तर. चे. त अश्रम्य प्रअश्म क्ष. केश. व अश्म केश. यर नु न या रेनाश गुरु र नु । अश क्रिंश नु क्षा नु स्था यह मिर्द सहसा रट. मू अस. पा. पर्यं स. ची. हो। ची. सं. ची. हो. हो हो। ची. सं. सं. चे. स. तर् हेर्ट्र हेर् स्व.स्व.स. नार्क्ष . लुस. न. वसा विनास. व. सव. लुस स्रा । पर्ते. ग्रेब. मी. की. की. स्व. पर्ये.

गुन लेश वर्षा होर पर वर्षा भी है से है निकुर है। दे प्या अरा है मेब्रा. तथा इ.मे.मूट. होना हेरा या ब्रा. मूब्रा विशान्ता विशान्ता विशान्ता हे.य. र् शर् के. थे। व् श्र. व्ययः क्ष्रः व श्र. व हों के के के कर लेखा या वा मुदान होता कर की हो कर के तर र लेश च.वशा ८१.५ श.७श चट्र.चर.ऱ्। Ib अश.चर्त्रश.च.मा रेपा द्य.मी.अश. यर्चस.त। भू पर्द्र्य.तपु. अश.यर्चस.त.चोकुशा हे.लट. अश.चोबस. जशा अ<mark>श.स्</mark>रंस. तर्जिस. च लेश.य.४शा प्रिंचा.स्रेर.पश्चेट.च्रो.वर.र्रा । वश.क्र्रे.र४.वर.व व है। वश.चेश्य प्रशा चश देशश.के. बुंश. त. वंश। जिश. देश. चेंदे. तर, तर, तर, त्रीशेंदश श्री । वोव्टेंद. चश श्रींट मेंदे से तश. दे. मसयाया यन अस में महें नहें मनस न महायायाँ । अस मु न न हो अस में स या लेस य वस्त हुर समस्य य लेस हो। निध्य या ना हे व र में इत पहर य या हु व में देश हिन। दि: व् । द्वेष । द्वेष यः वले। दे य श्चरः चे वे। हशः नाटः लेगः वरः खेलः यदेः वुषः यः सर्हेन रृ.चूर पदे | दिस हेन विट रू पर्र के हें माया हुन पदे हुर हुन है। । रेडे न या हें वंशर्नु न नहा हैंर नशर्नु नवें। हिं वंशर्नु नवें। हुर्नु नावश्यायश इब.स् केदे. लेब.स.स.बबा मजुर रु नयर हेब.स् । ब्रिंड. नब रु हे स.बा रे.र्टा वृक्षाचा लु:हेका क्षुर:वर्ष:पंतिर्शे १५'ल'त्र पं क्षुत्र:मु:रे'ल'ल'हे रेति च्. थे। ह. च्.जै.ल.चश्रतानशास्त्रवाक्षेत्राचिरं दुश्राश्चा हिते क्रं.व्यावहेयाता 

देश हों । विर. तर की तम विर्टेश केश लूरे हो विर. तर रिटर व हिस य वहा ता. बंद्रा क्रि. क्ष्मां क्षा. जुंद्रा क्षा हु-अश्वास्त्रका विकास कुश्चा । प्रचित्त च कि.ला बेशाना ने साम कुराना क महत्र लेखायावस प्रदूष वह सेया लेखार्स । दे ता प्रमुद्दाय द्वारी महत्र वा सेयस व द्वारा सास्त 

यक्षेत्रक हे. श्वर. त. हो समिश त. ज. भ. प्रम. प त्य न्युन्'मु दें' दें है। सुक्ष'मु कु दक्ष'दन द्युव'हेंद है। पर् हें पर्दे । दिश्च हेंप है दह्म' हुन:इन नशुम:छेर:पदे:छैर:५५५ र्रा ।५छे:४:५५५२। ५५५:छै:क:छर नॐस। इना में दे निस्ताय दिया हुँ राय हुँ राय हुँ राय है राय है राय हैं राय है र हि.चन्ना.नद्र हुं रेटा। बिच.हे.उन्हेंश.न.चश्चश नद्र.हं.रेटा। बाद्वाश.वेद्र.हं.रेटा। वीर्याश.वेद्र.हं.रेटा। वीर्याश.वेद्र.हं.रेटा। र्थे १८। क.रचिर स्वर विते र्थे १८.र्विश् । । रे.स्टर लट.रचिर क्री.चवश्र प्रश्ना अश्र गुः भु दश लेश च दव च देरे लेश भी । । । । । । च द ने से स्वर्ध लेश स्वर्ध लेश स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स् मु वर् नहर्वसासम्ब प त्रीक पर रिम्स पर सिंद री । निर्धा पर रिम्स पर सु यर होत वर्ते। विश्व हैना वे से व प्याव द सेत पर होत है के व पर होते हैं के व पर होत है के व पर होते हैं के व पर है के व पर होते हैं के व पर है के व पर होते हैं के व पर है के व पर है के व पर है के व पर है है के व पर है क

विदःचढ्रा ह्विड्रा द्वाचढ्रा वर्त्रा वर्त्रा वर्त्राचढ्रावर्ग्रावर्ग । विञ्चादर्श हे. अब. बटब. ह्रॅचब. ५ मूचब. या । इ. वट्ट. चटि. वट्ट. य वर्षेट. य वे. बुब. य वहा यासप. यर नुदे हें हो । अहे बाद मानुसायर नु ना अद्भेष या है छें हो वर सेद से हैं है द चर्रु.सेच्या इ.केर.चेश् चर्रु.क्या चेश् स्वयः टेट्स.श् । ।रेट त् चर्चा स्वयः वर्षु. टेच्या स्वयः वर्षु देश चर् याद्वा में देश क्रिया । रेजेंश पर्यो । रेजेंश यहेया वर्ष क्रिटें में है। ब्रुं विंदः व विंद य के नाथ सुर सुद य दे देश यहेव य वे विंद य वनस ह्रेंब्र पार्ट ह्रेंच्र प्रां । रेंच्र ना सुसा है। हेस पार्ट मार्ट पर्ट गर्ट पर्ट नहेंच्या प्र चर्ना प्रा चर्ना यदेना यदेना पर् ह्ये निष्का पर्ना पर्ना पर्ना पर्ना त्रे. क्षेत्र ह. क्षेत्र त्र वेश इ. त्र त्र वेश इ. त्र त्र वेश त्र त्र वेश त्र त्र वेश विश्व त्र वेश विश्व वेश व प्रभू य लेखा य तथा । अर्रेना प्येद लेखा पर्दे । यदा मर्दिन में अधार्य या पर्देना यदा निवृद्-पहुंब-प-लेब-रूटा निक्-र्व-प्रेश-लेब-प्रक-र्खा । प्रव-निक्- सुव-गु-स् ब्र-यन्न-स्र हुश चक्दर त. मूर्य हुर जुश यर चि.च हुर त। स्वश श्रे चित्र च सिट सिट सि नहें ने दाया नहें सि न ने सि न ने

श्रिट य. रेट यहुर्। । नाश्र. श्र. य. य. नाश्रुश हो। यदः यन्। ख्र. यहा नाश्री श्राय। यदः चना वर् यरे क्षे.वंश. चार्च क्षे चा वर्णे क्षे वंश चार्च क्षे. चार्च वा वर्णे क्षे वंश चार्च क्षे. चार्च वा वर्णे क्षे वंश चार्च क्षे चार्च वा वर्णे क्षे वंश चार्च वा वर्णे क्षे क्षे वर्णे क्षे क्षे वर्णे क्षे क्षे वर्णे क्षे क्षे वर्णे क्षे मार्श् स.च प्र मार्शिया स्थर.तपु.लब.णचा ।श्चर.मार्श्च मी.लब. लच रट.कंब.तप्र १८ लट.चर्थ.तप्र.चंदश लक्षा क्षेत्र.च श्राम्ब.तप्र.कुंचाब.ल पहूंचा. य.रट.। निविट.मु.र्य.चेश जश देशश.शब्ट.विट.रियेरी । भिर मु कु क् ने.ल्य.रेथ.शट.रे. स्या सिंब श्रिम कू चन्ना सुट पर सिंद पर सिंद पर सिंद पर मिंद मिंद मिंद पर सिंद १८। । भरायन नढ निर्वास्त्रन नहीं नाह्म लेश ही। । निरावन नी ही कर हा ने ही। मु ८८. बुंश. त. बंश श्र. बुंश. चु बुंश श्र्रा । ना श्र. देगा र नः श्री श्र. च. बुंश. दूर। न्त्रं प्रस्का (के स्वा) । मुद्दा नर मुद्दा प्रस्का मुद्दा मुद्दा । मुद्दा नर मुद्दा मुद्दा । मुद्दा नर मुद्दा मुद्दा । मुद्दा नर मुद्दा । मुद् नार्शे चनश र्लेन् वर्श स्टारार्थे । नार्शे चनश सेन् वर्श स्टान दी। विश् नु हिना लेन र्ट. लेश. त. थंश चंडिट. च. श्रंट. लेश. श्र्री विश्व व्ययः लूट. क्येट. च. थे। क्ये. र्स-द्रमो-पदे-विश्व-प वश श्रुष्ट-पर-प्रवृत्-देश-श्री न्यःमाश्रपश मु-द्रमेश-पादी हेश-य'न्दिंश'क्षु र्वेन्'यने 'यन्ना' य'ने मि'सर यहेंश व्यवशाय न्नेंश। ८न मार्थे क्वेंन में प्यन्नाय ने न्वास न्या प्रत्या प्रत्य प्रत्या प्रत्य प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्य प्रत्या प्रत्य बर्गुः बेट र नुः निवेद स्त्राम्य स्त्रा । निवेद स्त्रीति स्त्रा विस्त्रा विस्त्रा विस्त्रा विस्त्रा विस्त्रा विस्त्रा हा स्वर मिं मिं मिंद्र के लेखाओं । माने न में मार मीखा मार्खा वा मार्थे पदी माने न में पदी माने न में मार मीखा मार्थे पदी माने में मार मीखा मार्थे पदी माने में मार मीखा मार्थे पदी माने मार्थे पदी मार्थे मार् सार्चित्र विश्व ह्या । विष्ट्यत्र सार्च्य सार्च वर्'र्ट्स्नुर्'र्द्रि महिं र्द्ध्या माल्कं र्वट उन् मु महिं र्द्ध्य हों । अ लु'र्व्ह्रिस स्दे 

कूर पदे नहीं दुवादी वर गुन होर पर लेश पानशा सर नशहीर लेश हो । म्बिर-देवर में मार्थ-ब्रिय-है। म्बिर-देवर में मार्थ-ब्रिय च बर्श देग्री स्वर-देश ब्रिय-स्वी विर्यः मु निर्ध द्वारम् दे। स हैनियः हेनियः नवसः विद्यापः वद्या प्रस्या प्रस्यः पर्वसः लेश स्था । प्रदेश क्ष्म मुं न्त्रींश प्राप्ती । पार्श स्वत्र मिं प्राप्ती । पार्म मिं प्राप्ती । पार्श स्वत्र मिं प्राप्ती । पार्म मिं स्तुः स् तु। सिंट व दे हिंद हुं र प्री हिं र प्री हुं र प्री हिं र प्री हुं र प्री हिं खेशं श्रा | नेकेशन श्रींट जिश्च नेश्वा कर नेशा नेश हैंट ने केश श्रा निका नेश ने केश श्रा निका नेश श्रा निका ने केश श्रा ने केश श्रा ने केश श्रा निका ने केश श्रा

नश्च याञ्चर मुं पर्देश य य वे सुदान हैशा वे पर्दर विषय । यह से पर्दर या या मुं सा पर्दर विषय । ह्मिन हैं स्ट्रिंग । प्रिंग हैं हैं हर देश नस्द लेश हों। । पर्ने हिंग देश नहित हैं से नाह्य नहित हैं से नाह्य नहित हैं से नाह्य नाह्य से पर्व पःश्चीशःश्चा । श्चवः सर्दः दे। हैं हैं क्षेच क्षु पःश्चीश क्षुटः पशः पर्वशः पदी मर्डेक्ष'यकै। मानुर'र्डक्'र्नके लेक की हिन्यर'र्नेके न्या विश्व श्री । । नुपुत्र गुर्विश नर्देश मा जी नुपुत्र नुपुत्र निश्व श्री । रुप.रुज.तथा भट्ट ४.८८२.चि.चक्ष.पश्चत.श्चर.ग्रेश.पृष्य.पुष्य.पुष्य.पुष्य.पुष्य.पुष्य.पुष्य.पुष्य.पुष्य.पुष्य.पुष्य त्र त्ये के त्ये त्ये श्रीट. तथा तक्षा तथा विट. तर ह्या स्वाप्त तक्षा विषय स्वाप्त वर् ग्राव मु त्रे त्र व्या चर् क्रेंब्र वा स्थान स्यान स्थान देश स्त्री | देश स्त्री क्रिके स्वा क्रिके स्व क्रिके स्

ह्मा ह्यूना था १ क्षेत्र या क्षेत्र ना केना यह हमा यह र्मुर वेश सर्वे वेश स्था क्षेत्र के वकर लेश सी। र्श्रनश्रा । प्राद्धन दिन्द्र स्वर् राजे। हिन्न निन्द्र देश हिन निन्द्र वर है। र्वेच.कु। श्रृंच.रंत्य.जाशटश.च्येश क्री.ध्य.चांचेश श्रुच.चांचेच । चप्र.रंश.कूच.जा.चांकेश.जेश चर.चे.चप्र.रंश.कूच.चांशिश.श्र्या ।चांशिर.जा.चंर.चंयांचेंचांचेचां । निस् रसर्भात्र मनुर्णे क्वेन् । सहेर् मूनस्य स्थित क्वेर् क्वें मालम । १५५ स.स. व.क्रु.च्यं.चाबेचा १६चा.सिचा ल.म्रि.क्चा.टे.च्यं चाबेचा.त्र्रा ।चाबिट.चर.ची.चप्रु.टेश.क्रुचा. मानेश.वी अंथ.ग्री.प्रताथ.पह्य.क्यथा.ज.प्र्य श्रिट.यप्.सैटश.स.ले येर.माडट । क.ग्रीर. क्सरायाक्षेत्राक्षात्राक्षात्राच्या विद्यापात्राच्या विद्यापात्राच्यात्राच्या चुं तथ कुश ता थरा। ट्यूट्ट त्यार कुश शा वित्य का मुंद ता था। यद्या तथ कुश ता थरा। यद्या तथ कुश ता थरा। यद्या तथ वित्य कुश ता थरा। यद्या वित्य का मुंद ता था। यद्या वित्य का मुंद ता वित्य का मुंद ता म स्त्रिय-देत्वे म्री-अक्ष-कुरी देन्द्रेवे तद्र-सन्त्रा नहेव रत्य-देन्स्य-तर्ग् अक्ष्य-कुर्-द्री म्री-व-त्र्वे म्री-अक्ष-क्ष-कुर्-द्री म्री-व-त्र्वे प्राप्ति म्री-व-त्र्वे प्राप्ति म्री-व-त्रवे प्राप्ति म्री-व-त्रवे प्राप्ति म्री-व-त्रवे प्राप्ति म्री-व-त्रवे म्री-व-त्रवे प्राप्ति म्री-व-त्रवे म्री-व-त्रवे प्राप्ति म्री-व-त्रवे म

मळ्ये. कुरं में कुष्य त. त. सूर्र सूर्य विश्व वत्य वे। चहुव वत्य वे। चहुव वत्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य सूर्य वर्त्तेष.तपु.रेम् स त.वी श्रीर.चर.ज्ञचश.ज.श्र्र.तपु। मुर्चेर.ज.वर्ष्ट्र ब.चर.चे.च.वी मुर्चेनश.ज. विट ब्रुची.श्वर.ह्यूर.डेश.श्र्चीश.ह्यू विश्वप्र.ह्यू विश्वप्र.ह्यूर.त्यूर.ह्यूर.त्यूर.ह्यूर.त्यूर.ह्यूर.त्यूर. र्भान्ते हुं सं खना । त्र वे स्ट्रान्ते क्या वर्षे । स्ट्रान्ते क्या वर्षे क्या वर्षे । स्ट्रान्ते क्या वर्षे वर्षे स्ट्रान्ते क्या वर्षे । स्ट्रान्ते क्या वर्षे स्ट्रान्ते क्या वर्षे । स्ट्रान्ते क्या वर्षे । स्ट्रान्ते क्या वर्षे स्ट्रान्ते क्या वर्षे स्ट्राने स्ट्रान्ते स्ट्रान्ते स्ट्रान्ते । स्ट्रान्ते क्या वर्षे स्ट्रान्ते स्ट्राने स्ट्रान्ते स्ट्राने स्ट्रान त.क्ष्यश.श्रीट.ह्य.च्यूश.त.चढ्रेव.ब्रा क्यूंग्रं मह्त्रं मह्त्रं मह्त्रं चर्ता वहाना चर्डा प्रह्मा नहीं प्रह्मा नहीं हुंचाश्वातपु के.च रवे शर.चकी हुंश त.क्रे.अर.चबु.धुंश च चक्षेंच.तपु.बचश्र.धूंश. इचा.चर.पुड्चा.क्रुट.शूंच। चश्चेंट.चपु.क्ष्म.चिशश.धु.१चु.च.चक्र.२८ ८४ हुँर्.कि.चश्चेंट.। श्रीमश.पश.पश्चीय। ह्यें र तर ४ द्वेंब.पश.स रूपा. रे. द्वेंब त. रैवा.चीश.चालके रूव. पह्चेंच. पट्ट. ४ वं व हुश क्रुच ।रेमु.चा लक्षा तयकाम.मे.हर्जा ।रे ल.ह्य म.चर हू. मू. थे.यर.रहा मानेय.स् मान् समक्ष में अपक्ष में हिंद हैं सिंद हैं स्वेद पर्यों दिश के ना वे वद माने पर ही माने पर मु सून नह्म अस सुन नक न नकी । ने नने न का नहा सुन न सुन न सिन न इत्यामिरायम वर्षा इत्यायम वर्षा विषायामाय हे ही इरामामिरामि अव.ता हुश.श्वेदश.तपु.सव.ता प्रेंत.विश.जश.ज ग्रंथश.तपु.सवता प्रेंद्र.त. मर्जना हेश हो । श्वरायात्वा न्यर्राहेर्यावया स्टालेश हो। तरु.पाश.पा.रीव सूर च्रा पाश.रेट। विने तर.च्री.पाश.श्रा । विवेशसूर च्रा.पाश.पा.पीश टचा. ल्यूर् नाश्चर्या स्थानित स्थान वर्डेंब्र वर वुःहा क वुर सेर् वदे लेश वाया सेनास सी | विना मी यस वे मासर है। त्रें नर निश् विदश या दिके नर नुश नर्न या अस्थ सः तिन ति के विद्या है हिर मिर्न परिता भटाव सन्नुव व नायायाना नव व क्रिं हुनि खेस न्टा व हुव वस होन पाने हिं से नाना पर हिंदा स क्रिंसी

यते । वर् यस र्नास र्नास र्मास र्मास वर्षेन यर सर्व रे हेर नास स र महिर ब्रिंश्वर्षा । क्षिं क्ष्र्रं प्रायम् वर्षा वर्ष में नियाना पर हिंदा ये हें साम है। दे हैं पर है । वह ते साम पहुंद पर माउँ सा विद्या स्था स्त्रीय प्रस्ति । स्त्रीय स्त्री स्त्रीय स्त्री स्त्रीय स्त्र क्ट्राय्ट्रा नियम् वित्रायम् स्थित् क्ष्रित् । वित्रायम् स्थितः स्यातः स्थितः स्यतः स्थितः स्यतः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थित यते बचका है। दे.दवा स्त्रुच यर स्त्रुच प्राप्त स्त्रा ।दे.प्यर रहा वी व्यव रहा से त्या प्रस्ता मीट्रे.ग्रे.हेट्-वेष.कुष.श्र भट्टब.तप्ट्रे.पट्ट.ट्रश.बुश.चे.च। श्रीमश.च.मिले व्र्वे.सम्ब्र्य्स.सह्र. श्रम्भ मीश.श.ल प्रमूट्र प्रवेट.खुशा विक्.शह्र.मह्र्य.मील प्रवापति व्यापति व्यापति । विनापतिश.मे.मिल्र्मे.पट्ट्रे प.क्षशा विषय वश्चर्या विषय प्रवापति । न. ह्र्नाश. श्री। । । श्रमः सह त्री।



## (म) अ। ।स.२२८ झेना.भ्रस.इस.वयश.चिवाश.श्र्। ।

अ। । वर्ष्य क्ष. पर्य शरश मिश ह्वर में ही हि वेर्ट्य हेर्न ही मिल से ता सुना पर हमा से ।

नर्रः है हैं : व् लर लग वर्गरा मधाराय सर रमा में मुरि पर लग वर्गरायमा मिन्स्य मिन मो देश सम्बंद नहेत स्था निविद्य स्था है। से स्था स्था से स्था मार्थः सेव. श्रेभः क्र्मेश च रटा। हिर्राचः सेव श्रेभ क्र्मेश चार्या रेटा। रेट्रे मीवः मार्थः सेव श्रेभः क्र्मेश चर्या। वायार नाकेश है। वह मी (वेंच सु मैं हु इदि मानवाया) जुव निया सुदे जुव वें।। (मूर्षिर पुरेरी) प्रोर्टर सुन शुमार्क्ष नार्था याया महेरा प्रमुद्दा प्रमुद्दा विकास प्राप्त प् र्स्ट.मु.म्.क्ष्र.जश्र.प्रेचश्र.कं.चढ्र.पर्ट.क्ष्य.रंट। ट्ट.ग्रॅट् मे प्रेचश्र श्र. (४८८८टट. चक्ष्र-प्राचिक्ष-श्रुट-चोद्धः) प्रानेटः। ह्रेक्-पक्ष-क्ष्य-प्रेच-प्राच्च-क्ष्य-प्राच्च-प्रक्ष-प्रक्ष-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच्च-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्राच-प्रा

क्रि. शहर क्ष्यात क्ष्य क्ष्यात क्ष्यात क्ष्यात क्ष्यात क्ष्यात क्ष्यात क्ष्यात क्ष्य प्यवः अर्देर प्यमृतः यः (दे व्यक्ष द्वर श्वेर देवा प्यदे भेर वेश गु प्यदे श्वेर वेश गुरुद्ध श्वे ) ५८। रे.ज.जुरे.चंश्रिभ.तश.चढु.चर्रेथ.त.ज.चंश्रेश जुरेरु.चंबैट टेटा जुरेरु. (चर्रश्र.खेचश.चढुरु. चढु.तश.ट्श.चड्डर.च. (चर्रच.च.) चर्रेश जुरेर्.तश. (चंश्रेथ.त्) चेश्र् वचश्र.चर्रेश.चर्र्या चर्यरे.त.ज.जुरेर्.त्.ज.ज.च्छेर्य.चंश्रेश.च्रेश चर्षेर.चर्र्या चर्यरे.त.ज.ज.चुरेर्.च्रेश.चंश्रेश.च्रेश चर्षेर.चर्र्या चर्षेर.चर्र्या चर्षेश.तर चर्यरे तर्र्या चर्षेश.चर.च्रेश.चर्र्या चर्षेश.चर.चर्यरे.चर्या चर्षेश.चर.चर्यरे.चर्या चर्षेश.चर.चर्यरे.चर्या चर्षेश.चर.चर्यरे.चर्या चर्षेश.चर.चर्यरे.चर्या चर्षेश.चर.चर्यरे.चर्या चर्षेश.चर.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्ये.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्यरे.चर्ये.चर्यरे.चर्ये.चर्यरे.चर्यरे.चर्ये.चर्ये.चर्यरे.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर्ये.चर येदुः) सर्द्य वे । मिलिट या मिस्रा हो। स्र प्रा प्रा हें रे में प्रा (दे हें दे के प्रा प्र । सर्द महत त.र्टा ल.ज.च.चक.चक्रेश्र.ज ज्.पर्य वचेर.क.इ.चचेर.चेश.तर.चन्तर.त.रंटा रेज्थ. तथ. (टु.केर.क्स.मॅटस.) भईना वर्से तर्रा विश्वात.ज.मोश्वस है। क्स.तर.स.मीर.त. सिश्रामी ह्यूंट त् तु.ला.ची.चीश्रिश्राता.त् वर्ता. क्ष.चीश्र तरा (१८ हु.वैट.रट.शम् ता) वर्षर त.रटा। क्यातर मिराया (र्.केर क्यामेट्याके जी.क.जि.ता) मीर मी.मी.पी प्रायक्षेत्रारा रेटा। व्यापर मुर-च-१५-गु-र्स्ट र्य दे-लल-मालार्स-५५न मुखायर चन्द्रा ।दे-ल-मुखादी ललामा (४८.क्रुअ.सं. चुरे.पंड.) रेची.त ज्र्यं ४८२.टैंच.क ६.चोशिष्य.ची १४ चीटल.सर्ट. यहेरे.सं.रेट. मशिष्यत प्रधिता ह्यू पु.लालाचाला (याचन जास्रमश्राकृतानाला) पर्व वैचार् विदेशसार्यता चब्रे.च.चोब्रब्र.ग्री.क्षत्र.चा.क. (चर्.पोर्.प्रीर.च.क.चर्रेष्.) ज् पर्यच.चोश्चेश.र्चे.चर्रेष्.च.र्टा हि.च. मैं तथा में तथा में तथा प्रतिया वर्षे विष्य प्रतिया विषया (श्रुट:न्द:प्द:प्त्रावि:श्रुट:प्रक: प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:श्रुव:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्रवेश:प्वेश:प्वेश:प्रवेश:प्वेश:प्रवेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वेश:प्वे

नाश्चिमः पुन्ति हो हो (निर्मादशा ध्रिमः निर्मात्वा । विष्ठः निर्म १८। योदियु मिलिट रहा योदियु सक्ष (ह्रा यह वे. यह वे. यह वी.) वे। विक्षित सम्मास्त्र हो। नद्रना तर्रे ह्य्र त्रामिश्चेशालाला (वर नाक्षान्न हुन्नशा) ना नक्चिर क्रु. मुझा श्रद्धा अर्द्र नह्य ना ना नवु.चर च.) नर्ही.चर्। जि.स्टेन मैश.तर.चर्नेट.त.ज.चिश्वस.ही चर्जे.चर्.ह्य..च् हे. लामा है है ने हैशाया ले तर्वा न के दिया न के तर्वा मार्थ हिंद में दे लाया मार्थ हिंद सम्ब्रिश.चर.योश.मी क्ष च.चाश्चेश ल.मू.पर्वेच पर्योदे.दे.पर्वेच.त.रेट.। इ.चर्च.कूट ब्र् ट्र.लाज.यो. मुरे १ व. ल चेश म्येश ता चिश्व प्रशासश प्रति देश चेश चेश वर्षे वर्षे थे वर्षे व वर्षे ૮૮ તું ખ.નાફેશ કે.લેંદ્ર.ત્મન.ના.ખ. (ધૈરાના લેં.નોકુનો.શર્મિશ-તષ્ટ્ર ધૈરાનો લેં યુ.૮૪૮.) ત્ય્.પ૮૮ન.હેર.. 고출학·다.보다. 열었. (월다.由.육.학.) Mm.네.四. (원다육.비용비·외병화·역.비율하고보.네학.약. चाडुचा.रेशर.शुर.) जू ४८व.चढुर.चर्हेच. (श्चिर.चर्डे.च.ज.च.चर्चेट.ट्र.) वर्षा वर्णायाचित्र. हैं। र्वेट मी. १५ लाल. (प्रैट. मी. १ १ मिय. हेट मीर नार्टा नार्ट्ट ना मीर्वेश.) मा.ज. लू. ५८०. म्केश श्री महेश रा रेट। शम्लेश राये १६० (शम्लेश राये १६०) ला मा ता ले रेटन (शम् रे (बुट,श्चेद्र,र्जा,) चश्चिश,टे.पर्हर,तप्र्। भिष्ठर,भाजाचश्चिश,ही र्धिट चु,प्रेथ, (टु.च.भटाजा,) चेश,चुभशाता) चश्चिश,टे.पर्हर,तप्र्। पर्याचेश, (पराचिश,ही) च्री, क्ष्रेय, ज्ञाना, प्राच्येय, प्राच्येय, प्राच्येय ४.पि.(१४४.त.२८.)म्थर स.(श्रैंश.चर्टर.)**म**शिंथ.मी.ल.प्.प.परंच.चर्च.च) अ.शि.पहेर.स.रेट.। सम्ब्रिश (र्ष. ७८. १. १८५.) राष्ट्र . मेर्ब . व. सि नश्च. (म. नश्च. क.म् व. नश्च त. न. सव.) म् शक्ष. त नश्चिम . मी. लता. ना.ल.ज्.पट्न नम्दे रे.चर्च स्त.पटा। नर्(क्रि.ल.हेंस.चट्र.)गश्मी.मुव्यत्वसः (र्टा नि.स्. यरे.)स्थ्याता(व्यार्श्वेर्ट्र्र) संश्वेताती.लयाची.ला.ला.ल्र्याचक संक्षेतासी.वर्षेतात्री (यर हुन अक्ष हुर्न महिक्र) में है हिर मी मुक्स महिक्या व न स्वाय मार्ग मिर्विक्य मारामाहिमा (श्रुम नहर्ष्य नर्)म् । निर्वेशन ममिल (हैं. बिट क्ट नर् अस हैंर्न निवेश ) नर्ष केरा मुन्ना ब्रास्त्रमा व्रास्त्रमा वर्षाः वर्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्याः वर्षाः नोश्.(ज्.प.)धनश.चर्वेथ.तपु.जुप्रै.जा.नोश्चं हो क्षेथ.(ट्रे.वंश.टंट.शूट.टून.)नंशय.र्नन.प.रेट.

बोदुदी मालुर: ५८:। बोदुदी: (यर्5ूर:है क्रिट:)मर्क्राःवी ।मालुर:बामासुस:है। रू.पः पद्मार्क्टरात् चित्राचार्यः क्षायार्यः क्षायार्यः चह्नव (वर्गायार्यः चरः)च रटा। प्रायाः च इ.चर्वेवः याः यहाँ तात्। विशासन प्रति या ता प्रति है। अस ग्रे. हिंदा ते लाम निर्माण प्रति । विशासन प्रति । विशासन प्रति । प्रति । प्रति । विशासन प्रति । प्रति । प्रति । प्रति । विशासन । प्रति । प ब्रॅं हिंबा क्रिया चराच वराया रूपा वर्षा क्रिया वर्षा क्रिया वर्षा क्रिया वर्षा क्रिया वर्षा कर्षा कर्षा क्रिया वर्षा कर्षा क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया यर निष्ठ मार्च । अर मी अर में प्रेर में प्रेर प्रेर मार में प्रेर गुः लं तर्ना रे स होर्ना समानी द्वा हाना हान कर प्राप्त पर्व निर्मा में निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा नित्रिक्षे हिंदा दे स्त्रामा से तिर्वावर्षिक वरावत्रित्री । निद्वे वर्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मूमानिक्षामु अप्राना त्याव्या २५ वाच वा निक्षासु विष्कृत या ५ या निका विष्ना ५ या मार्थी दिन मुठर नावर )गु वस क्रेंस मुरेश गुरेश गु प्यानातातातात्र तर्गरमुर मध्र पर्मे । मारेश मध्रिर प्यानी यन्ता विचेत् के प्रम नानुनास से तन्त ह नहुमनुन यन्ता नुनुन्के प्रमा ना नाश्चर्यात्यात्रां तत्त्व द्रन्तु र प्रस्कृताय द्रम् । रिंतुश्वाणे स्याना द्वनाय वे तद्रवाये वे तत्त्व र वे नर्देय.त.ज.चिश्चम.ही विट.हाज. (श्विट.ज.र्टटर.म्बिट.) तपु इ.वेश.ग्री.लज.ची.चोर्डश.ज.ज. तर्वः हुन्। ।सिह्नेशः वःश्रेयः (५८२ः मिः वङ्गः नहुत्यः)वैदेः देः नुशः ग्रीः प्ययः नाः नाः वर्षः पर्वः हैंग । नर. (क्.सूर.पश्च हें )यर होया नद्र र वेंबा की. लया न नहेंब का क्रांपर न न ही में । र्टा मिश्चरन्यन्तर्व ।रे ल चिश्चरही मिन्दिन्तिन्वर्वासः) न्म इत्सर नी प्रयामा महिशाली प्रत्य मनुर् नु प्रकृत य न्या सिशायर (स.व. हो हो ने माना) रेचे.क्श.क्ष.) शथ.ची.लज.चे.ज.लू ४८च चरेब.टे.चहेब.चट्रा विश्वेश.च.हींट.चुटे.के.लज.ची. घट.८ट.क्र.बुश.चोड्डेश.के लज चो.ज.जू ४८च चरेब.टे.चहेबा चर.पोब.इज.लि.८ट.रेश. (चद्रव.

ल.ज्.पटेन रेसीर.चर्षेत्र.त.ल.शर्ट्र.चर्षेत्र.(श्विट.ब्रेट.स्री.)न.रटा मेंश.चन्पर.स्रेश त्रा १८.। यर.पाथ.सैंबाश.क्री.लप.(सैंबाश.ज.रंबा.४ह्स.) वा.प.ज्र ४८व.चक्रेश.से.चंहेय.तप्र्।। पद्धाः रविर मी कूट रे दे ज्ञायाना नासुम या व्याप्तर्य पर्य प्तर्य प्राप्त प्र प्राप्त बुट-नो-८वर-कु.(८वर रे-८के अहे.क्र. कु.)लजान ज ज्ञात्र च चो३बा.श.चर्बराच रटा अहिस. यर्-रधर-मु-( ह्य-र्मु-नम्ह-। प्रयान याचि दर्ग नश्च र्-वश्व यर्-रा पर्मा वर्णावनी न्युन् गुष्टे भयः (र्नुनाशः न्दः से सशः) नात्य वर् तन्त्रः नार्देशः सु नस्त्रः पर्दा । यहन् वस्तुः वर्षे वे वि वैन पश हूं व दे। दे. य. यट. मेश्वर हो। है व मश्वर द्वा पर्टा ये दे मेश्वर माश्वर द्वा जुविद्, (रव. र्व. क्थ. योटश. क्थ. तर वर्गर.) भक्ष. त्रा । विविट ज. कि ही स. य. विश्व स. मु (निवश सिन्ध स् रहेव निर्ध निर्दे ) मार्थ नहेव निर्ध निर्व नहेव निर्ध निर्ध नहेव निर्ध निर् भु ट्रेच.चो३स.ग्री.चॅरस. (भु.ट्रेच.वर.भुट.) वर्त्रव.च.रटा ४ चंश चे.चीश्रेश म्री चॅरस.(४३स. ह्मीर.)मबुष् । त्रिमाच पर्वेषाची चीटश पहेषाता। चोषशासिचांश (त्रामा पर्वाः)मा सामीर.)माचेश। ह्याप्टूषा(इ.मा.पू.च)माचश्या चोश्या पाश्यासा प्राप्ति प्रमाचीर. याष्ट्रश्वर्ष्ट्रा)पहेशा ह्याप्टूषा हिंदाम् र्चीप्राचांत्राचहेषाता। चोषशासिचांशा(धेशाचीर. मुक्त त्र त्र त्र त्र त्र के प्रति के के प्रति क. इ. चमीरी ट्रशायहूरे ता (अ च.ट्रैंची.) चलु. चक. ह चमीरी चीश्र.च. ता रेची. (केंट. इस. चीर.मी.प्रे.पर्वे.त.च.चीर टे.पर्वेर.ताल् ।रं.यम्भा.मी.प्रे.पर्वेर.पर्वेर.पर्वेर.पर्वेर.पर्वे विश्व.पर्वे विश्व.पर् वयन्यवी ।नेयानुस्यायनसर्दर्यम् वर्षा योतुन्दर्यसम्बन्धः क्षानम्बर्धान्दर वेतुदेनाबुद्दरा वेतुदेनम्बद्धरान्त्र वेतुदेनम्बद्धरान्द्र वेत्र 

(र्ट र्ट्र. चोर्स्. तर. चे चर्.) वश्च. चोर्ड्चा क्रियार प्रतर वर्तर प्रतर । चेट्स (१ व.चले. ल.) क्रियार प्रति निश्च प्रति । विश्व प्रति निश्च प्रति प्रति । प्रति निश्च प्रति । प्रति निश्च प्रति । प्रति निश्च प्रति । प्रति युर्वः पशः प्रहेमा सुराः पस्त्रवः वृशः । दियः योदः माहेशः पशः क्रमाशः रूपाः पस्वः य यः माहेशः येदुवे माबुद न्दर्भ येदुवे मक्ष (निर्दर्भ) वी । माबुद सारि सेर्दर मेर्डर निष्ठ क्षेर.क्येश.तपू.क्ष्म.पक्षेथ.त.रटा। मैं जहार यंत्र वी.चनुर क्ष्म.पहेथ.तर्ग् । निक्षेश त. त्यानाश्चरा है। तिना हैं व दर्श (ति विना हैं द में . है न ) नी सारा ने व से व पर नहें व तर नहें व तर नहें व तर पहेब.चर्। । चेशिभावाल चैच ही पि. यिचा. हैंब. चंट्र. (पि व. देगे र ही. ) अष्ट्य हेट. पश्चारा प्रति व. देश श्चारा श्चार विचा वरा पहेंब. व. देंदा व. विचा हैंब. व. वेंदा व. विचा श्चार विचा श्चार विचा यम्बारान्दा है अर्द्धार विद्यार देश (विद्योग विद्यार व भटल. मि. नु. रेश. (भटल. मि. नु रेश. ७ व. ३) जर ये. कवाश. भ्र. कवाश में स्. स्र. ४ वीर. श्रीम. वीय विशेष ... न्तरा। र्भार्यस्थान् (के.सार्यन नस )मि.च.च्र सुरायर महेब.त.रटा। है। नावस है। त्या ।श्चि.चोषक.प्रचीर.प्र्ताल.चाकेशा त्र. थ्र.थ.(पि.च.घट.तथ.चे.२)कुट.ची.उचीर. प्रचीर:प्र्यात्मकेथ.च.रटा। धट्य (घटज.प्रचाश.घष्ट्राध्यात्मप्रचे.)पेश्च्याश.चप्रु.देवाश.चप्रु.देवाश.चर्छ्य. क्ष.र्ट.। हैं.पोरंश.(हैं).पोरंश.भ्रु.भर्वेर.)भ्रु.भर्वेर.राज्ञ.भृ स्ये प्वीर.क्ष्य.ज्रा ।पन्ना. चक्रेथ्.(ट्रे.क्षट.क्ट्रेब्.संचो.शंघा.क्.इ.चक्रेट्रे.)त.रेटा। ≌.च.रेट.त्.क.चट्रेब्.संचो.चढ्रेष्ट्र.पंज्ञता. ४९चो.चर्त्रे.च.(पूर्वे.चोट्र)चश्चिषा चेश.चर.चर्येट्र चर्त्रेब्रेचा चेश.चर.चर्येट्र चंरिया. चर्यु.मुर्थे.(ट्रे.क्रेर.क्चेश ४५क.चर्यू )चर्त्रेब्र.च.क्राय्येट्र.चर्त्रेब्रेचा चेश.चर.चर्येट्रची क्ष-१८.। ञ् श्व.न.चेश्व.(श्व.न.चेश्व.त.चर्चेव.)त.ल चर्चेव संचा.क्ष्ट्र.पंजुल.क्ष्य.स्ट.। ब्रि.च.माश्चर्यायन्त्रीत्रं स्वा,यहुर्युः एखेला क्ष्यान्ता विष्य,यायनुत्रं स्वा,यहुर्यः त्येला क्ष्यान्ता।

ञ्च.च.र्जि.तर.चर्षे.त्वा.चढ्रेषु.पंत्रजा.व्हा च्च.च.र्चेचा.तर.चर्षेचा.र्जिष पंत्रजा.व्हेजः र्टा वि.च.चर्षे.तर.चर्षे.संचा.चल्रेष्ट्र.पंच्या.क्षेत्र.पंच्या.क्षेत्र.रा. वि.च चक्चेर.तर.चर्षे.संचा. ह्मते. तहाता. वृत्यः तहाता. वृत्यः वर्षेत्रः वृत्यः वत्यः ग्रु देन दिन्य है। न्यु स्वन दिन्य (त्रु न दिन्य निष्य है। प्रचार प्रमुख्य स्था स्था हो। प्रचार प्रचार प्रचार प्रचार प्रमुख्य स्था । व्रवस्य प्रचार प्य र्वेश (दे.चर्याचा स्थान हर सदम ) नरे देश दर। नर् म देश देश दर। नर् म देश प्रमाण पर् म स्वर्थ पर स्वर्य पर स्वर्थ पर स्वर्य पर स्वर्थ पर स्वर्य पर स्वर्थ पर स्वर्य पर स्वर श्र्रा विष्य देवाल रेट्श ल चार्रेश इट हेचाल मु. चंचा. दे. चर्नेथ. त.रेट । यद्ध (ने.लट नालश्च.जूनाश.ज.) यत्, हेनाश रेटा। वि.श्च यद्ध (श्चिशायः पर्सेट.पर्ट्र) यपूर हे. हेनाश.(ने बश्च श्चेन.पद्ध रेनाश.) श्चिम. पश्चेश.ताज्ञी । हिंद. हेनाश.ज.नाश्चेश.हो। वि.वे. हेचांब.रेट.। भ.बूट.रेट.कू.(ट्रे.हेचांब.पट्टेब.त.पन्न )चक्च.चर्च.हंचांब.क्रा जिंदे.चांशिय. च.४२.२नु.चर्नेथ.च ज.चिश्चम.है। क्षेत्र.चाल्य.(१.४४.)२चच.च.२८.। जुटेटु.चिल्टि. (८५:८चे.सिट.च्)रटा लेखेचे.सक्रा(चर्टेट.कु.)म्। जिथे चले.च.चेबस.सीचेश.चलेंच.प. मशिभाकी श्रेथ, मश्य (ट्रेथ्स) रेचच चार्टा जुदियु मिलिट रेटा जुदियु अक्ष्य पहेंच (चर्टेर हैं.)यदे । मिलिट ज. सर्ट्र टर्बर (जिस कें.)य. २८.। क्या यर प्यति । प्रे.ज. २८. यं.संट. माकेश। दे.ज.लट माकेश है। मार्चेर छेर केश (र्ट में खेट मी सट कर सट) यते कर रटा मोर्चर मार्चर मा हिट.क्रे.)चर्रेच.त.रेट.। ब्रि.रेट.क्.चैंब.ग्री.क्रे.(क्:चक्.टैंच.चैंब.प.)चर्रेच.त.रेट.।

(८८,७,९,१३.८) तर्बेश तर्ता विश्व त्य त्य तर्ता विश्व तर्ता विश्व तर्ता विश्व तर्ता विश्व त हार्था.(शिका.म्री.शिट.श्वट.चोरका.) वर्षेथ.तास्। स्तु.(श्वट.सिचा.म्री.चर्ट.मेथ्य.तास्तु.सा.सा.स्तु.चर्टा। स्तु.चर्टा। स्तु.चर्टा। स्तु.चर्टा। स्तु.चर्टा। स्तु.चर्टा। स्तु.चर्टा। स्तु.चर्टा। स्तु.चर्टा। स्तु.चर्टा। ह.ही ट्र. म्.सर्र. (चा३र.चर्र. चावर जा.प क्रुज.) नहेब.त.रटा चावर.की. (च.चावर. म्निटश.चुन्-मुक्ष.चार्च )मुःसळ्व.चहेर व.रटः। चार्च ग्री.चंटश.चेश वटः(त्व.चर्च.चर्ख.चर्छः) चह्रद य द्रा व व द्रा के व पुष्टिश्व अक्षयः (चर्टेट क्ट. क्ष्रीट. जू.) तत्र्। जिप्तेयः चार्चितः प्राचितः प्राच य.रेट.। अंश.क्रि. ह्य. हुश.क्रुनी.(अंश.बंटश )चर्डेच त रेट। क्रिश.तर. चर्चेट.तस्।। कुश्चान्तरे सक्षत्रकृतान्त्रा ।त्र व्यायास्त्रित्रव्यक्षत्राच्याः निर्द्राच्यास्त्राणुः सक्षत्रः विद्राच्यास्य वि नर्थे.च.च्रेश्रम्भेश्रम्भेश्राचेश्वाचर.चर्थे.च.ज.के.ही विश्वश्रम्भे.थेनु च रहा। अश्वा(द्रापश्रा)रहा में दूर नम्दर य राष्ट्र विष्य द्या प्राप्त विषय विषय विषय विषय (दे तका) द्रुषा वस्त्र पर्दा । **र**ने प्राया (मोर्दर निर्दे प्रोते प्राया निर्मा न है। से हें र जी सक्ष हैर राष्ट्र हैस मा नशायह द्या पष्ट्र र पर्यो । सक्ष हैर प्रस्ताय (अस.ग्री.क्षेत्रस.रेट.)रेस्स्.तत्। १५.३४.४६.४५.५५.१ क्रि.२८५.१ स.चर.) ल्य.२५.(अ.ट्रे.२५५ क्रे.३४.)रेट.। क्र.ट्रे.२५औट (स.बे.२८४.श्र्मास.)ववस.रेट.। पश्चेट.तप्र. त.ज.क.के. अ.ट्रे.२५५ क्रे.३४.१८। क्र.ट्रे.२५औट (स.बे.२८४.श्र्मास.)ववस.रेट.। पश्चेट.तप्र.

८६.क्ष्म.रेट.। बिर.तर.मु.८६.क्म.(रेट त्. ऱ्.रैंच.३४१.भूभ.)रेट.। बि.चयु.लूबे.(४वैट.च. सिश डिटश में विका क्षेत्र त्यह हो। रह्मा है में क्षेत्र हिम (दी क्षेत्र हिम ) रहा। है में है ने क्षेत्र हिम हिम हिम हिम हिम है कि हो। है कि हो है कि हो। स.र्टश.मु.भक्ष.(अस.बटस.मि.चर्.भवर.सुंस.)के्ट्रनबंब.वर्षा ।चार्ष्ट्र. विर केश पद्मे अर्थ केर ता अर्देर पहेंब (पार्वेर विर ) य रहा। क्रिंश पर प्याप्त पिर्वेर पिर्वेर विर विर पिर्वेर ने स्व नि प्रेश वश्या स्थान मारक.(४९.मुर.)त.रेट मुर.जश मार्थ (३४.४६.)मार्थ्य पर्वेश प्रमानंदरम् । ।भष्य १३८.ज.मिट.(३४. चर्दे सक् र हे दे हिंदा ने सक र हे दे ) ने सक र हे दे दि । सिक चर्दे सक र दे सक र हे दे हैं दे । सिक चर्दे सक र हे दे हैं दे । मु.लश. कु. तिश्व. टचा. मु.स. स्था. प्रे. त्र. त्राचा. ची. त्राचा. ची. त्राचा. त्राच. त्र वःषः(अबःग्रुःन्वेःवःवध्र )मर्दरःगुसःमार्रेसा गुसःवःषःवःवःवःवः वः (वःहर्दरःन्वेःवःवहःवः वः )हर्दरः मिल्क प्राप्त कर्म प्रमाणक कर स्थाप कर स्याप कर स्थाप कर 

खेद निव प्रतः (ते.वश. यह क्र. मण) अह निव प्रव प्रव प्रव क्र. मण) याता । अह निव प्रव प्रव प्रव क्र. मण) याता । स्. ३. भ. चर्च ना स्. भ. भ. भ. म. चर्च ना स्थ. प्रचीर . भ. (व. भ. भ. ) चर्च त्र्य न्त्र्य न्त्र्य न्त्र्य न्त्र्य न्त्र्य न्द्र्य न्त्र्य न्त्र्य न्त्र्य न्त्र्य न्त्र्य न्त्र्य न्त्र्य न्द्र्य न्त्र्य न्त्र न्त्र्य न्त्र्य न्त्र न्त्र न्त्र्य न्त्रय न्त्र्य न्त्र्य न्त्रय न्त्रय न्त्रय न्त्य ३.पा.चरेची रा.पा.क्षी च च च दे मी.कंशा(ब्र.३.पा.शक्षे.६४.) चरेची. त रेटा ब्र् ३.वैंटा วีท त (য়ৢ৽.त सुभग.६०.)पर्च. त.८८। 👼 १.८.तभः(कू.४.२ँच.५७,८ची.)रे.५६च.२ँग. भायने वा पर्दा । अमान् बिर्माश पदी स्था (तर्में के अमानु कर के मा) वा वा पर्दा प्रमाण प्रमाण मैं अक्थ.रेट। ४२ मु.४३५.(मैंच टे.मू चर्र.वर.च ८७.) विर.तर रेट। मृ.जश.मी (अम्ट. वर्ष.(मृ.जभ मु.जम.पूर्वां अम्.रेट.। मृ.(ट्र.ज.स्वां इ.मूं.जभ मृ.चर.व.)जभ.उर्वेट चर्ष. वर्ष.तर्ष.मिंभ.मी क्षा.लं वर्ष. वर्प. वर्ष. वर्य. वर्ष. वर्ष. वर्ष. वर्ष. बूश.चार्श्य.त.)रेवे च.रेट। प्रचश्च.वे.उद्भेष.क्ष्य र्ह्ने.क्ष्य.जश्चिश.)रेटा। वचटा त् पु. केश चर्वेच. (झे. रेट. मि. अष्ट्च) तत्र्। १३. वर्ष. केश. प (ट्रे. वर्ष. केश. वर्ष. केश. प.) अर्ट्र. चर्चेच. य.रेटा चेश.तर.यथेर.व.चोश्रा चेश.त.ज.३.(३.तर्.क्ष ज.रेंची.)यर्द्रस.रेटा पहेंच.तार्त्रा । नाब्यानाकृषा ताप्त्राप्ताप्त्रीय वर्षः म्रीनाव्य पहेंच ताला प्रधित (मृ.व्या) प्रधित (मृ.व्या) प्रधित प्रते । प्रधित (मृ.व्या) प्रधित प्रते । प्रदेश प्रते । प्रते । प्रदेश प्रते । प्रदेश प्रते । प्रते तर विश्व न नहा हेते. यन नहन नहीं । यन या महेन महेन (हेन न पर्) प न । न्ती.तश्.कुंब.चक्रेथा जुवे.चक्र.तश.पहेचा.क्ज.चट.च्येश चक्रेथा चक्र.चांड्रचा.चथ.वथ. चेश.तर.चत्ये.त.चक्रेशा चेश.तर.चत्ये.त.जा जुवे.चचेरे तश.वर कुं.चें.चक्रेया जुवे. गु. भक्ष कुर नहें । नह नाकेश नहा नह नाकेश नहा है से हो ने नहें न हो । है सार्ट. माबिर जा अर्ट्ट नहें थे (२८ मू मैं) त २८। मिश बर तम्पर ता मोश्रा मिश त जा है है. मू जुदे नमिर नश्र थे में महें ये जा अर्थे प्रमित मिश त जा है है. चे रेट (रेट. मू के.ज ) विर. तर की. के.रेट. (विर. तर के.ब्र. स. रूचा.) के तर की. (क्रे.के.के.चंट. रेट.) के के जूर की.

प्रिंचिश्वाराश )चीर,तर्र,चेट,व शु श्रेर.तर,चक्षेश्वारा । र्धिट,बेट,दे पर्धची,तश्वार्थ (सिंट ब्रु.क्.चेट. नार्रेश.या )क् योट.चार्रेश या.वश्चेर.चर.चहर.चर्रा ।जाउ.ट्यों च.थर.पी.मीर चहर.ता.या क्षुन मार्थन (दे. वका) रचन च. रटा व्येष्ठे स्मानुमारमा व्येष्ठे वे सक्षेत् (चर्नु र हैं ) चक्षेत्र चर्ने । चिंदाल. भट्ट र वर्षेष . य. (चैं. ज.) ८८.। चेंशातर वर्षेद य. चेंश्रेश चेंशातर वर्षेट य. ज. मुन में। भिन्ने महेर यासर्र (भ्रेमिकहर) पद्भाय प्राप्त मुखायर प्राप्त मिन्ना देया नासुसा र्वेश क्षेत्र के व जून (रेश क्.रेश चेंट रेश )तप्. क्रिय रेटा रेटा रेश के वेंचा ल्चा नह मुक् न्दा क्रिंत त्यम (ह्रिंत सम सम सम द्राम नह मुक्त वा वा मिल्चा वा सम सः(वार्यवाःसः ले.वांश्वयः क्रिं रेट ) वे.पर् क्रियः पार्थर पद्देर पद्देव पःरेटः। क्रियः परः प्रतर पः पार्वेशा म्बेश.च.ज.चाश्च.हो। चाश्चा झट.(म्बे.बु.झै.च श्चा.)बु.चट्ट.म्बे.चहेच च टटा। चाश्च. झट. हैं नदे (दें में रूप महस्य) हे में मध्य पर्दा मिर्सिन स्टिन मिर्सिन है स्टिन है से से सिस मार्थिस ) न्यत्र मान्नेश क्षा क्षा मुक्षायाया निक्षाया । द्वारा मुक्षाया निक्षाया । द्वारा मुक्षाया । द्वारा मुक्षाय । द्वारा मुक्षाया । द्वारा मुक्षाय । द्वारा मुक्षाय । द्वारा मुक्षाय । द्वार मुक्षाय । द्वारा मुक्षाय । द्वारा मुक्षाय । द्वारा मुक्षाय । (रचीशःश्चरः पश्चरःश्चरः श्चें, पशः) ज्ञाद श्वे. पयः व्यवः द्वेतः पदः। विश्वः श्वरः यहः यहः विश्वरः विदः विदः नपु.रेश.)जिंद उर्वेद्र.नर.नर्वेथ.नपु। ।िट्य.नर.श्र्य्र मुक्त्(िट्य.नर.श्र्य्र मुक्त्) अर्ट्य.नर्वेथ.न रेट्र. मुक्ष यर प्रतर प्रवेश मुक्ष य य वृद्ध क्रिंट में मुद्द (द्र गुद्दे क्रिंट पर चित्र ) रूट । (इ.चप्र. १ र तर वर १) वर्ष में बर्टा वर प्राप्त कर तिर हैं वर्षाया) वर्ष में बर्टा क्षत्रः नाश्चतः (ते द्वाः १तेन्यः पः द्वाः १ स्वतः भी क्षतः विद्वः पः विदः विद्वः क्ष्मं ह क्षेर.प्रहेबं.तपु क्ष्म रेटा। प्रहेबं.तपुं ह्यूं विषेत्र तपुं विष्य.पा.चिष्य.ही। चाश्चिमा चार्वेट.पा.पष्टिबं.क्ष्मं.रटा। चोश्चा.पहेश्च.त चोश्चेश्च ह्यूं विष्टेबं क्ष्मं चोश्चेश्च. पहिंगा हिंग सर्र (दे. हेर मुं तम मुन मु) नहें या नारा। प्रमेल हिंग मुन (दे. या हिंद है देश

यात्रा)यर प्रत्रा प्रता देवी देवी देवी द्राप्त है की कु कु की कि की कि कि की कि की कि की कि कि की कि कि कि कि निवश्यान्त्रा विषयः वानास्त्रा स्तित्रः विषयः वः) नावस न व सित्रः वद्र नावश्व (अप्रिश्व नावश हे वः)वर् गाव मी नावश्व (वर् गार अमी मामी वः)वहर वर्ष । भारी वह नहिन य न्दर ग्रै सक्ष हेर वह्न या ह्न निह्म (दे न्य ) रवव व र । ये दिरे स्वारा के सार क केंश्रायादयेय (ने हेन्श्राक्षुट दियेय ) नदे हेन्श्र द्वा विश्व हृद्ध दियाय दे (द्वा यादयेय प्राचित्र । द्वार्थ (प्राचित्र व्यक्ष (प्राचित्र व्यक्ष विष्ठ विष्य विष्ठ विष्य अन् पते (स-न्द्र के स्थेसस सम्बुन प्रथ्य )क्नास-न्द्र मार्थ व्यथ सु प्रथा है प्रकृत पर्दे । । तिविश्वास्त्रः भक्षत्रः केरः य नाशुमा कृत तिविश्वासः नाये हनास (तिविश्वासः हनासः कृतः नीः सः केः) रूट। अच्चित्र य.पचित्रक.राज्ञ.स्यादः (अच्चित्र य.पचित्रक.स्यात्रः स्योगका.)८८। यर.पार्रापचित्रात्रः यामा क्षुन्नभा (ने न्या) त्ययायान्या यो दुर्वे मानुद्दिता यो दुर्वे स्मर्कन (मिनुन मुँदे स्वाप्त सर्दर प्रस्त प्राप्त क्षित से क्षाप्त प्रमुख पर प्रस्त प्राप्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस् रेने प्रस्त सर्दर प्रस्त प्राप्त क्षित स्वाप्त क्षित प्रस्त क्षा प्रस्त न कुरायर न वर्षा इसायरे के व्याप के विकास न वर्षा वर्ष दशन्ते न नुस्यान्यत् वात्मासर्द्रावष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्प्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रवार्यार्थ्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवारवारवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्यात्रवारवारवात्रवारवात्रवारवात्रवात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रव नर.च-वर.च.चाकेश चीश द.ज (श्रिश.राष्ट्र.वर.ज.)श्रिश.राष्ट्र.वर.रटा वर.श्रद.की.(वर. 

र्टा मुश्रायर पत्र या पहिना (दे केर केश ता नावू. रू नाश नावंश ) पर्के या नाश्वर्था मुकारायायहै। क्रेंबायदे (क्रेबायबार्में) त मुद् न्स.रेवे.(तार्क् र्स्स.रेवे.य.४८.केंर.ताव्य.केंर.)य.चके. १.ताकुता.रे.यक्षेत्र.त रेटा तायका.(तायका. ઋું શ્રું.યુજા.૮ું તે.લિજા.૮૯.જુંજાજા<sub>.</sub>)ઐ.૮ું ત્વું ત્વું ૧ કુ.લ.તું તાંકના તક્ષેય.તું.૮૯.૧ કુનોજા.સું. તુંકી.વ (ટ્રડ. गु क्सं वश र ने ने ने स्व पहिना र् नक्ष्य पर्रा । इस पश र ने न मा सुस। रपना नु (इस यरे क्षे नस न्यम नु ) भेर यह पक्ष य नहा वेन गुट केस य (देन गुट केस य महास) मुश्रुक्षः व्यक्षः क्षेः दर्दा वरः वस्त्र दः द्राः। देः व्यदः क्षेः मुद्रः मुद्रः व्यवः वरः वस्त्रः विद्रः मुद्रः व क्य. क्रेंट्र. त. (१८.६ में म्य. मंश्रम. चर.) रेटा। क्रेंग टे. (२८ में श्र. श्रं प्र ट्रं प्र क्षेत्र रे.ज.सर्ट्य मेश मेश्रेस (रे.ज.इस.मीटश.चरेमा.च.)श्री मिश्र.च.ज.इस.मीटश.रेट.। चरेमा. प.भर्र. पर्वेष. (ह्र्य. पथ. प्राधिष्य. प.) प रेट.। क्या पर. पत्र प. प्राचिष्य। प्रीय. पर. प्राचिष्य। ल.चिश्रमा जुन्ने.चन्ने वार्षेत्र.चन्ने वार्षेत्र.चन्ने वार्षे.चन्ने वार्षेत्र.चन्ने वार्षेत्र.चन्नेवा चन्नु.कि. तामा लुधितु चिबित्तरः। जुधितु सक्ष्यः (प्रदेशः हुः ) पर्देशः ताम्। । चिबितः सः (ते सक्षः ) सर्द्रः । प्रक्षः स्थाः स्था यर्नेश्.त.रेटा, मेन्न.तर.वर्षर.त.माहेन्ना मेन्न.तर.वर्षर.त.त.मान्नेना ष्ट्र मेट.वर्ष.हिर. (भून बु.भून रट.चढुब.)नब्रैट.वचक.रटा बरे.क्रे.हच.न.(मू.चेर.क्रं बु.मू.ज.)नब्रैट.वचक.रटा इ.ज.चुंश चे.(चुल.चुक.चर.जंब.)वचक.रटा सिंश (बिक.बु.ट्र.क्र चु.मू.ज.वचक.रटा भूनो. मू.चैन (ध्न.वे.भूनो चैन.क्रें चुर.)चे.वचक रटा क्रु.जं.वचक.रटा क्रु.जं. र्श्वेर पात्रमक्ष उर् क (हना हु द्व पानेर प्रहेन )मन्म प र्दा हे दमक गी पव (दे हर )भेव

नर्देश तार्ता द्वि. <u>ष्ट्र</u> श्र. में श्रेंट त.ज.चाशिया ल्ल्ब. २४ मी.चालु. श्र. क्ट्र्स.ज.र.चा.जिश.(४ हुचा. चुर्स (दे तर्रामिडमा:चुरा:भ्रेस:मुद्दा)यदे तर्वस:चुर्दा । १५स:यदे:धुर्द (दे:दस दस यास्राळ्स)या मान्द्रिमा नृना-नुःचरे चःपर्देर् (क्षेत्रका उद्ग्यक्षका उद्ग्यरे चरः पर्देर् ) यशः क्षेत्रा पार्यप्र यमृतःय-द्राः। क्रेंश-वुःश्वशः श्वाः ।दे वः(म्रॅशःयमःयवेशःमाक्रेतः)द्रमे वदेशःमाक्रेतः विदःक्ष्यः(विश्वश्वःतश्वःविदःक्ष्यःम्) अभशःवश्चेदःतरःवर्त्रेषः त रदः। यः द्वाः द्वेषः (श्वदःयः)तः मिलिट जा मिलि प्राप्त के मिलि प्राप्त के प् है संक्षें निर रे. प्रमूर्ति संस्थ हेर में सारानितर तरारा। रेस रीमा हैंराया के रे में यर यन्तर चर्चा । १८ वे रुख दुना ने नारब नहत (१ना व हर्न रना हरें हरें रना हरें हैं क्र.पड्ड.(सर.क्रुच.ल क्र्बं स.वट.क्रुच.)वरश.रटा। विश्व.पक्षश.(३.स.चम्रेर.चश्चेश.)३.सश. चिह्न वर्षा विह्न चाहुका है स.चैट.(हे.ल रेची म् म्व.केट) रे उसे वर्ष सक्ष है। प्रति प्रकृति प्रवास स्था में स्था मे चिंदि रेटा। जुरीयु.सक्श्चनहेश् (नर्टेट.कु.)नर्स् ।चिंदिः ज.सर्ट्र चहेश् (चिश्वस्तः न नालम नगना (ज.नगना दे.पर्.) तर्र वर्र पर्व सं (कूर्चा क्विंट तर्ह् सरा सर् ) त.र्टा रविनास (रामः

र्वेतःरेवीचोश्वः चचाम् )चमाचाः चार्वः वर्षः (रयः च्रांशः व्याद्धः श्वः) वः रदः। चार्वेदः (वार्वेदः चमानाः चर्मन तर्रु. थर्ट उद्ध्य च (ट्रेट बु.जिर्.च.चश्च )र्टा। अञ्चलमा (सक्च्यासारमाना स्था ह्यू हु. मान्याः चर्मना चर्च्यः वर्ष्ट्यः (चि.चि.च्टःक्टः चर्चेट )च.च्टा। जिर्.च.(जिर्.च.चर्मना चर्षः छ्ये.) न्यु-बर्-वर्ष्कः(नु-श्चर-वर्ष्कः वर्त-वर्ष्कः वर्त-वर्ष्कः वर्ष-वर्ष्कः वर्ष-वर्षकः वर्षकः वर्ष-वर्षकः वर्षकः वर्ष-वर्षकः वर्षकः वर्षकः वर्ष-वर्षकः वर्ष-वर्षकः वर्षकः वर्यवर्षकः वर्षकः वरवर्षकः वर्षकः वर्षकः वर्षकः वर्षकः वर्षकः वर्षकः वर्षकः वर्षकः वरवरवर्षकः वर्षकः वर्षकः वर्षकः वर्षकः वरवर्षकः वर्षकः वरवर्षकः वरवर्षकः वरवर्षकः वर्षकः वर्षकः वर्षकः वरवर्षकः वरवर्षकः वर्षकः वर्षकः वरवर्षकः वरवर्षकः वरवर्षकः वर्षकः वरवर्षकः वरवर्षकः वर्षकः वरवर्षकः वर्षकः वर्षकः वरवर्षकः वरवर्षकः वर्षकः वरवर्यकः वरवर्षकः वरवर्षकः वर्षकः वर्षकः वर्षकः वरवर्षकः वरवर्षकः वरवर्षकः वरवर य.रदा पि.य.चयाचा.त.रु.पह्चा.)य.चयाचा.तपु.थर.चकुश.(श्रश्र.चोरट.पिश.क्के.)यपु। । बर्नान्त्रं न'न्द्र। वर्णे हुनाश्च (बर्नान्ह्र स्था) इट्टान्द्र नाल्या) वर्ष्ट्र नाल्या। वर्ट्र नाल्या। वर्ष्ट्र नाल्या। वर् वना निर्म स्वर पर्द रेज (देना ने स्वर पर्द इस निर हुँद ) दें र निर्म निष्म में स्वर हुँद हुँद र मा हेस (बर्गाव् भे हुं हुं भे या वे वर्ष ) यर नार्मश्यायर्श् । वि या पर्के वा वा वा वि वर्ष प्याप्त व्याप्त वर्ष बिश्र.च.रेट । डे.रेश प्रय.चेश्रेश प्रय.प्रह्रं चर्डरे.च.रेट.। क्रिश.चर.चर्यं त.चीकेश। शर्द्र वर्त्रेथ.(ग्री.वर जन्न.)य.ज.जुनाम.केश.क्रे.वर.भावश.वर.चेरभन्न.त.त.र.त. शर्दर नम्दर (५६ म. म्रु र म्र्सिश मा मा १८ में १ में বৃহ্, বৃষ্ট্রী বর্ষ, বৃষ্ণ, বৃষ্ণ, বহ, বহ, বহ, বহর, বহর, বৃষ্ট্র, বহুর, বহুর, বহুর, বহ, বর্ষ, বর্ম, বর্ষ, বর্ম, বর্ষ, বর্ম, বর্ষ, বর্য, বর্ষ, বর यर.च र.म.मुद्रेद्र निविद्दर। जुद्देश्च अद्भर्ति (यर्चेट्र.कु) निक्री सिविद्यास्त्रेर्ट्यक्षेत्र (इंश.ग्रे.क्य.पुरा.मुंश न्रेश.) रा.र्टा। ग्रिश.तर.यपर.त न्रेश। ग्रेश त पा. अक्ष.र्टा अ्थ्र.चाहेश अश.ल.लट.(अश.ल.पंचे.च श्रुव रेट )सर्ट्र.चहेब.च.र्टा. ल्बा.क्ष्यं त क्षुं त )वर्षे य बांश्य श्र्रा विश्व त्यत्य जा संभा क्ष्यं त्या विश्व व्यत्य विश्व व्यत्य विश्व विश्व व्यत्य विश्व विश्व व्यत्य विश्व विश्व व्यत्य विश्व विश्व व्यत्य विश्व विश् র ভব-নাইমা রাম ভব-মামর্ম (বি.ল জামাভব ট্রাবের্রী) বর্ষ শ্রীম নন্দ্র (বি.মানের্ম) व् क्षेत्रं प्रदम् ) ने हेश नि द्व ता (नि दि क्षेत्रं ) मर्ट्र बहेव मुक्त न्वर् निह्ना (मु ह्यव ) ह्या न्दूर्(न.बु.इं.चकुर्) हं त सर्र्र कु सम्बन्धा निष्य मान्त्र मिन्य मान्त्र मिन्य मान्य मिन्य मिन् (अ.चे.मूर.)ग्रे.रेवे.च.रेट.। रू.रेट.(क्रॅ.चचेर.च.क्षश.रू.रेट.)चारश.चक्रंव.च.रेट.। चार्यः,

तपु.वैश्व.त.चर्रेथ रेट.। रट रट.चु.वैश्व.त.चेश्व.(विच.च.र्रेश.ट्र.)तर.चर्चर.तपू। । पहेच. @ट.)श्.विश.भ.वेश.मु.विर.तर.चर्थ.चर्। ।श्रीभ.मु.र्श.भ.(श्रीभ व भर.रेट.)भर्र.मीश.सरे. (दे.ज.घट चीश्रट )ल्यून चीश्रम (श्रिम वे.श्रम ज.चर्ने १.वर्न वेदेन व )स्त्रा हिंदिन क्री हो.ज.(ह्यूटन चीह्यू सर्र-मुस (यदे. प्. प्.) भहना नशिस (रेगेर-ध्सर्य जिना नेट.) मा । कि.प (क. क्.क. प्राचार्य क.) य.चिश्व.श्रा । श्राप्त.(श्राप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्रा.पंत्रप्त.क्त यर्नेब.च.चक्रा.चक्रंभ त जा रचय.(ट्रे.बेश्र.)चिंवेट.भक्ष्य.(यर्टेट.क्र.)यहेब.चल् । जिंदे.विंट.)यहेब.चल्। विंदे.विंट. ल.भट्ट. में स.सहैच (वस.सूस.पर्संस.) वर्षिस (वर्ष्टा) में स.स ज.टेव कर वर्षंस त.रेटा क्ष.पर्ह्य तर वर्षमात रेट.चेड्रेश वेच.७३ वर्षमात जा ह्येच.पर्ष्ट्र.व.हेब (क्येम.प्.इ. र्वे क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्षयं क् य.लट.तर्रा १रे.ज.कै.२८ (च.ल रेग्रर क्षैर. व्य.) रेग्र (च ज.रेग्र.लट्र. रथर ज) ह्या । भु.पर्सूर् त.ज.भू.पर्सूर्यत्र,वेश.(प्र.चश.भू पर्सूर्यच्चश.तश.)त रटा। वश्य.पीटश.(ब्र् थ.जटश. र्ट.क्ट.चंबर.)रेट। श्रु.चंब्र्.चंत्रे (क्र्.चव्यःश्रुष:वर्षेष:)रूवाश रेटा। ट्रे.स्ट.बंचरा (दे.बंब.)नविट.अक्ष्य (नर्ट.डु.)नश्चमा नविट ल.जि.हुं। कूर्न.च्य.(रेब ग्रेय.टे.वे.चय.क्र्र.) तर्द्र.चें.अक्ष्य रेटा कूर्ट.भाज्ञेया नविट ल.जि.हुं। कूर्ट.च्य.हुं. वे.चय.क्र्र.) ब्रुब्र-पद्-ल्ब्-(देश वः लश्-भ्र-दर्ग) १६ व्। । विना पः श्चिनः पः श्चवः नी नावशः पश्चवः पः पः पश्चवः

यर खुराय (दे व्या) द्रा दे दे प्यव मुहेश यर या सहें र (हें व्यय ) पहुर मुखा यन्दर म्बेश मुंब प स. जुरे. में शे जुरे पढ़ रेगे पश रूरे रेट हैं हुंब. पहें थे. खेड्स नस्य प नार्रेश। स्माह्म प (रट. सू रू जा पर्रेश रट.) जासर्र म्योश नार्थिया स्माह्म स्माह्म प्राप्त रू. रट. विस्त प्राप्त रू. र जा पर्रेश प (पर्रेश क्र.) हा निर्वेश प्राप्त रू. रेट. विस्त प्राप्त र प्र मुख्य-य-त्य-त्य। र्ग्ये हेब-५८। र्वे य-(र्ग्ये क्य-प्र-) र्ग्ये प्र-(श्र क्ये-५८) यहेब-प्रां । हो (र्ग्ये क्ये व्याप्त क्याप्त होत्र हेब-देव के वयुद्ध याष्ट्र त्याय क्याप्त क्याप्त क्याप्त क्याप्त क्याप्त क्याप्त क्याप्त क्याप्त क्याप्त 

 토화.ஹ.(ම.토화.)之約।
 ම.토화.ஹ.(२८४.२८.)
 ම.토화.ஹ.(७४.५४.२०)
 ම. 토화.ஹ.(३४.२०)
 ම. Ს.
 টে.
 টে. बेश.चर्या । श्रिप्.वेश.च.चर्लेथ.च.ला श्रद्र:मेश.(८८.च्.)भ्रहेमो.मेशिशा मेश.च. मोबिट.ला.(श्रिप्र.मे) अपूर्यमेश.माळेशा मेश.च.ला श्रद्र:मेश.(८८.च्.)भ्रहेमो.मेशिशा मेशिय.च.मा. मुवे.के.चे.च वेश.च.चर्लेथ.च.ज.ता. ता. १ च्यच.(८.वेश )चिवेट श्रष्ट्य.(चर्टेट.क्.)चिलेशा ल.चढ़ी वेश.च.चचेर.(वेश च क्रे.क्रेंश.चश्च न रेट। र ज धरी.(ल्ट.श.पिश. श्रीट वर्ग । इत्या नाअस (ग्राट्स उद दिनास होत् )सुय नु हुट न निर्मा ल्ब.२४ (ल्ब.२४.८हूभ.२८ क्रि.ट्.)३. पैर.पर्वेब.चट्रा । भध्य.पर्वे च.ज. पश्या वेंब. त्यक्षः क्षत्रः त्यात्वात्यः क्षतः त्यात्वात्यः । क्ष्यः विद्यात्यः विद्यत्यः विद्यत्य लट.)वर्षेष् तत्र्। विश्वातानु अने विश्व व लाश्चर्र (ट्र. म्.ह्यारेप्ट)मेशासहमानाश्चमा वैकात भी वैकात वर्षेत्र तार्टा। का (बार स्थान) भित्र तार्टा। चूट ह बटा (जूट स्थान स्थान) में बार तार्था कर्या क्षेत्र वार्या वार्या क्षेत्र वार्या वार्या क्षेत्र वार्या क्षेत्र वार्या क्षेत्र वार्या क्षेत्र वार्या वार्या क्षेत्र वार्या वार्या क्षेत्र वार्या वार्या क्षेत्र वार्या क्षेत्र वार्या वार्या वार्या क्षेत्र वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या यर मन्दर्भ मार्ग र्रे झुन मु नुसार्थि दे हुन हुन हुन । या नुमार हुन क्रमार हुन क्रम हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रम हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रम हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रम हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रम हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रम हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रम हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रम हुन क्रमार हुन क्रम हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमार हुन क्रमा त्रश्चीत र.रेट )ग्रे.क्श.चीटश वर्ष र.चक्रेथ.त रेटा। वेश.त.चेश.वर.(ट्रं रेचा.चीट.ल.सर्थ.)वर्षट.

तर्त्। जि.के.पे १. पकुचात श्चरामी श्वर वयशायहेब.त.जा रेचय.(ट्रे.बंश.)चिंदिः अक्ष्य. (यर्रे.डु.) तशिष ह्या विष्ट. (श्वर. धरश.) त भर्र. में श विश्वराता प्राधिश। क्षें के व (वर् नि ) भूर व र्रा पर्वे त्यक विर रविर क्री मोर्स के ते ते क्रियं में क्रियं प्रियं क्रियं माकेश रसेट.(जिस.मी.सी.चेश.तर.चन्तरा मिश.मी.सा.माकेश क.सेट.ज.(ट्रे.जस.सेट. सर्चर.पहेच.त.ट्रा जय.मीश.तर.चन्द्रा मिश तर.पन्द ज.रसेट.रर.क.सी. जय.ज.मीशीमा श्रेच.चाशच.देवव.व.(ह्रेच.वस.)रेटा जर.(चेट.ज बाश्.चर.मीट.जप्र.) बिन इ.नईना.न.२८ ) सर्र र मुझ सहना (रे हिर क विर वर रट नाट करे र विर ) नासुझ। मुझ हं.रट.। चब्चम (चे.पट्ना सिच पट्टेब.चक्चम वर्ष क वेर संभावत्र। विच दे.पट्टेब.चत्र.) रा.ज.डुच (ट्र.ज.रट.त्.डच.द.वर्च.चर्च। पर्युच.चक्चम वर्ष क वेर संभावत्र। (डिच दे.पट्टेब.चत्र.) विर. २ चर.) अपु. क्रं २८ । स्व.च.५. (चावव. लट. क. व्रीव. स्व.) क्री है। हे. ल. (चावव. लट.) क्रिंट. नुदे दर्। स्ना भेना दरा कर परा से से तु निर्दे दरा सा सा तु दरा प्राम् री.मी (भु.प्राट.क्षेत्र) रेटा हेम.(ट्र्य.क्र्र.श्रम.क्षे.वे.) रा.रेटा वे. (द्रयम'स्द्र'स्'प्रह्म )मिन दृष्ट हेर नाडेना में निकुद्र पाद्रद्र सेद्र स्था मी निव्हर है। येद्र 

लसः) हुट: वर्षेट वर्ष ववशः श्र्। विद्य में १ त्यः हु. वर्षेट. देग्री चर्षः वर्षः वर्षः विद्यः है. खेशः) दे त्या खब (खब व्येंब कें दे दाव केंद्र दर ) व्येंब द्रदा मात्रस्य (जावस जा वंद द्रियेंब ) द्रदा है व (नेत्र वै.य.वट म्ब )र्टा च वयसः(च वयसःमार्वेटः)र्टः यही वयसः(च वयसः)यःसर्द्रः क्षिं मुर्था कुर्या सम्बद्ध र नियु र नियु र नियु र (दे स मुन द ल्रें र स ) मुर्था महर् रसर (महर् तर रसर महर महर रमें ) या सर्र महर महर महर महर महर रमें स्थाप ण्य प्रेची प्रत्यं से स्वां वित्रा प्राप्त क्षा प्रत्यं के नाम स्वां प्राप्त क्षा प्रत्यं के नाम स्वां प्रत्यं के य.रेट । हें प्रवादा । त्रव य सर्ट्र मुश्रामाकेश अर्दे स क्षेत्र नाशव रेपय (ह्रेंव. चाढुश.तर.(ट्रश.चडिट.देवोश.ग्री चोथश.)चर्लस.च.देट.। हॅ्श.कूचा (प्रट. 디전 )다'두 [ मर पर्द्रशाम रेप्रा हुर.)म् विश यामानाश्वरा लेव ६ पत्र वशानार्रा शाहरू यद्रे. पर्वेचा. पर्वा इ.क् पर्यात्ये. चील् क्रिये क्रि. पर्वेचाला इ.वैचा. पर्वे सिट सिट. खे. यव निर्दे ने मिश्र पा ता (यव निर्दे पहेब पदे ) पहना पदे । । पर पा ता यद्गारा-५८"। क्रिंट-न्दरम्भित्र )य-न्दर। र्झ-न्द्र वस्य-(यहना-झि-ख्रुय-नुत्र )यहना-य न्दर। ख्रुय (यहन तक्ष.(क्ष.च रश्चाका.लेज) वर्त्र.चर्चा.च.रेटा हीर च ट्रे.पूचा.च.प्चा.चक्षा.(प्रचा.च तक्षा.लेज) वर्षे. चर्चा.च.प्चा.च तक्षा.लेज.पूचा.च तक्षा.लेज.पूचा.च तक्षा.लेज.पूचा.च तक्षा.लेज.पूचा.च तक्षा.लेज.पूचा.च तक्षा.लेज.पूचा.च तक्षा.लेज.पूचा.च तक्षा.लेज.पूचा.च तक्षा.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेज.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.पूचा.च.लेळ.प नद्गाया व्रेशन्यशङ्कारेनायाद्वायते (द्वायश्चन्य वाद्यायते )नद्गायते ।विद्वास्य य दव नाओं क्षेत्र नी पन नाया पन दवम (दे वक्ष ) नाबुद सर्व्य नाश्चर्य (यर् व है।) वा (८४ नव्ये ) अर्दे न कुषा न हैका विषा विषा वा वा विषा वा विष

हुर. चुश. चर. हेर. चेश. चर. व व चहुर. व (क्ट. व र्चेट. व र चेहर. व र चेहर. व र चेहर. (र्वश्चर्योद्याः स्वर्थास स्वर्ध) वर्षा । स्वर्धा हैस हैस (हैस र्यार्यान्तेर य सेना स्वर्धिर) हिर्या **र**ः। चकुर्त (कुर्त तान्ति दे प्या की की भारत्य प्या रहा। वि च केटा (वि च केटा क्षेत्र या मि.कुर्मा.) न.रेट। ह्य. ल. चर्य. चर्य. चर्य र.च. वयश. ह्य. ( चर्यश ह्य. ) नार्य य.रेटा वयश. ह्य. ( चर्यश ह्य. य.ज.चाकुश क्ष.च.च (२८.मू अश.झूर कु.ज.चूर.)शर.टे.चटेचोश.च.रेटा हूर.(हूर. चित्री.च.चेथ.)चित्री.चतुर्। विचरा.धू.च.चित्री.च.(वचरा.)ज.शर्रूर.च्रीश.चकुश च्रीश. नमृत्र'पर्दे। |नार्के श्च'न या अर्द्र मुग्न'(नार्के श्च'न ने 'Wब'याना')नाहेश। मुग्न' प्याया मक्षम। प्रश्नमन्त्रे ह्वां क्षां वर्षा महिल्ला महिल्ला महिल्ला महिल्ला महिल्ला महिल्ला महिल्ला महिल्ला महिल्ला वर् मु.सं. वश चांस् श्रे चर्। ।२:.त् ल सर्र.मीश (लश जना झॅ.वश.चांस् श्रे.च.)चेश मीश. कें. ना : लेंद : १४:) १८: । वर नाओं ना ने (वर नाओं ना ने केंद्र कें ) प्यव व्यन ने ।वर ग्री ना केंद्र न यान् हैस। वुक सेंट मी (क्ट्र क्रें क्स न्स् )क्ट्र प्राः। छ्य पर क्रें क्र क्र क्रें प्राः स्स्र लास्य र्यः रेशः रेशे विष्य प्रति विष्य मार्थः वयकः रेत्रः यो विष्य प्रति विष्य प्रति विष्य मुंबाचायायायां श्रीयवार्या वित्य वे दिने नित्र मिलेबाद्वा मिला स्टाना मिला स्टाना मिला स्टाना मिला स्टाना मिला स्टाना स्ट प.रेट.। हेट्र.लब.ब्र्। ।जय.ज.क्षेत्र चालव.रेचव.त.रेट.लह्रंट.चील.(बर.हे.)च्रेला ।जय.ज.क्षेत्र चालव.रेचव.त.रेट.लह्रंट.चील.(बर.हे.)च्रेला मुश्रायायात्री द्वायात्राक्षी नार्श्वा नार्श्वात्यायात्रीयायात्रीयायात्रीयायात्रीयायात्रीयायात्रीयायात्रीयाया क्ष्या नहेंचे। हा पर्योर प्रशासिर पर मी पार्श क्ष्या पहेंचे। हार्मी पर्श सेपश मीश्र सेपश मीश्र संस्था मिलिट. येट. सक्तर् (पर्टेर. हु.) र्रा विवेट. ज. (रेट चू. टेर. ग्री. प्रांत्र क्षा.) अर्ट्ट. मेश. प्रेश मुक्ष.च.ल.चोश्रभ। ब्रैद्ध, चोश् क्ष्त.रटा। वेस्चान्त्राचान्त्राक्षताहरा विरादराम्). मार्श् वितः(मिरे.तरः)ज्ञा । श्चित्रे.मार्श् विजःजः(रेटः त्य. हु.केरः)सर्रः मेशः मोश्वः प्रेशः मोश्वः ताजः माशुमा है (५८ व् ) हे र मार्श य ५८ । मार मीश मार्श य ५८ । वर्श श य ५५ ५५ नाट.क्र्य.चर्चा ।नाट.चीस.नार्स्.च.ल.(नार्स.चर्च.)सर्ट्र.चीस.नाहेसा चीस.च.ल.नाश्चरा। पश्चि (त्राण्ट )र्टा क्षेत्र पहेंद क्षेत्र पहेंद (क्षेत्र प्याप्ट )य्या । वे व्याप्ती पश्चि प्राप्ट क्षेत्र प्राप्ट क्षेत्र प्राप्ट हेंद्र प्राप्ट । वि व्याप्ती पश्चित प्राप्ट क्षेत्र प्राप्ट हेंद्र मुक्ष.चाकुका मिकाना लामाश्वका भानिन नवक्ष (२८ म्. रूरे )नतु वर् नाह्य क्षार्टा। स. बे सुर. तपु. बर र मिर. (स. बे. सुर.) तपु. चोस्. वि. स. र मा चार्वर. (चार्वर.) रेयट. वर्ष. मी चोस्. कुंग वि। वितु हं नकुर या पुरायर कुंग विश्व हिंग वा पुरा किर यर कुंग विशे हिंग कुंग यर लुक (दे क्य ) य दर । देवे व्यव दर सर्वेद (वर्द् दे हें वें) व्यव व्यव हिंग्र याद्रायक्षा विरामादेर स वेच यास सदासद्रा (मिदायर म्रिंग्यर म्रिंग्यर हिमास हसाया) वेदेशायाद्रा देश या हुन हिर मनेट में न पर कि मार्थ न कि नर कि मार्थ के कि मार्थ मार्थ के निक्ष मार्थ मार्थ मार्थ के निक्ष म ना हेर में विना नु से दिवव पदि रून ने मिन नुम सु दईन पा सूर वर्षे सान्दा। र्शेट स्वादेश तर वर वर मिर से अ. जा र जिंद निव्य (शिव वर्ष मिर निव्य निवास निवास क्रिया) तर दि । व्रेटिश ता.(ह्रेंचश.क्ट.,बट.पा.रेट.मू. ह्रेंट् )शक पहूचाश.शि.उड्ड्श.त.रेट.। क्रिट.तट्,बट.पा.रेचे,पटेंपा. व.क्र. चड्र्श.व.रट । क्रिय.पर्येश की बर.पर्ये.व वि.श्रेशश शे.चड्र्श.व.रट.। र्मीश शे.पंट्र.त.हेर.जश टे.पंट्या.त.ज.टेया । प्रश्न श श्रीचे.तप्र. व्यत्य तप्र.चंट्य व्यत् . र्वे. म.प्यम्) निविधासारा व प्रियोक्षाम श्लेष सद्भार्थाम् (१८ सिवास्) १ हेका पार्वे. न.रेट.। क्रेट.बुट.चुर चट्र.क् न (नर पोर रैचा.क्रे.) गर्झेश ज चोश्नट.न.रेट.। चोच.चट्र. क्.च.चश्चर (चाच.क्र्य.संट.सर् अर्चे )म.चाश्चर.स.रटा। अ बिर (स.वे बर प्रेव श्चेंब.रटा)चढ्रा. तर्नु बर् छेश च वश्या श्रीत्रा तपु बर्च वश्चर (वर्षम मु इश्वर मुं) म श्रीर वर्षे । मुद न्द्र, वर ल (श्रृंद क्षम्रिक, चर्. प्राव ) अर्द्र, चक्रेव, च.स्टा मीका पर, च प्राव , च.स. च्रिक, चर, च प्राव हे.ल. सक्ष्यायः)मात्रह्वः मुद्देशः स्वाप्त मान्नेशः) यः विषयः पान्ववः पुः विषयः प्राप्तः । विषयः याता क्षेत्र.चाहात्. (त्राट.च.हेच ट.हीट.ज.)त रहा चित्र.चे.हीट.(चाट.ची.)क्षक्त.चाहेश चित्र.चे.हा.चहेत्. व.रहा इंत्राच्य. (त्राट.च.हेच ट.हीट.ज.)तथ हेच हिंदे हे हैं र रची याचाह्य सपका चाहेश चहेत्. वा सर्भः मुक्षा मुक्षा मुक्षाय वा चुक् संदानी मार्के या द्वा । विद् यर मी मार्के या मार्के सा

र्जिट त्यक्ष त्य त्यक्ष त्य मुक्ष.य.(र्.ले.म.प्रेंट कु.बेटक.बर.)म वर्त्र.येषु लेम रेट। चेट.मूश वर्त्र.यर. चि.नपु.चार्रेय.त्रा. स्व.ल्य.(रुपु.क्यंत्रा.पंत्रा)र्त्याश्चार्याश्च्रा क्ष्याः भित्रा. स्थ.)ल्.रट.। ट्येश.श्रेथ.(ट्येश थ.येंटश वर (रेटा) पक्ष.वंयश (र् यक्ष.वर होर.वर वर प्राप्त.वर प्राप वस्था छर्ः)श्रा । नावेद द्या ता विः श्वरः नावेश्या वि (देते : श्वरः नुः वे दरः ) न ता सर्दरः नीश (वस्था हैं पश्र हिट ता भी है श विट (हैंट पा वर हिंद ) य ता सर्दर की श (हैंद या स बेद पार्श ) माहेश। 처음데,더育.다.저소 약간성 리가 휫신 (천숙소.소.다음.김상 없자.)롼드다 열다 1는 건수 대문화.필다. न्वन (ने.ब्स.)मिलिट.भक्ष (नर्ने क्र.)मिश्चमा सिन्.सर.)सर्न्र.मिश्मा सिन्.सर.)सर्न्र.मिश्मा मुश्रायात्म सुंद सम्बंधायन गा मासुस। दा वा सुंदा वन प्रतिस्थ वा स सर्द मुस्र (ब्राम्समा सुंदा ता म र्ने. च.स. )पढ़ेर्रा भिष्टिश (भर्तिश पर्ने बर्ने स ) बर्ने पर्वश प्राप्त सर्टर मिश्र भहेंचा (भर्ने र व वस्रा उर् दे। ।नाद्य पद्ध नाहुना त वि.च.वुर त स्वर नाद्य नाद्य भूत नाहुना तश सूर्य है। 

मोर्चर वु:मोर्डेंब रें दे:)रूटा। हिंबा द्वेंना (देब द्वेंना वर्रा मोर्बे खुका)रूट। रुचें पार्दिन सूर्वः त्रमः (विषः क्री श्रुवः श्रुवः ) १८ (श्रुवः चर्त्रः मिशः चिः नविषः श्रीतवः ) ८ स्वरः चर् मुं य'(मुं के से से के ) अर्दर मुंब अहम (के निवाय प्रतिक से के रोगा सुवा । च्चें दर ख़र्र या वस्र प्रत्य र (बार्स द्युर )वा दस कें बाद र ख़र या दस या वर्ज्ञ वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे यामामर्ट्राचीमान्ध्रा चीम यामाचल्ला क्षेत्रायाक्ष्रा चम्माम्याच्या चिम्माम्याच्या चिम्माम्याच्या चिम्माम्याच्या नक्केर्या पहन यार्कर् सेर् यायले १३ सामा हि पहन या। वर वर्षे (वहन व स्वाधाय )रेदे यह व्यव (दे सह वर्षे )हाँ । । दशक्त न सह या सहर मुख नार्रेका चैका.त.ज ध्रुं चंबच तर् र्था.कूचा.वैच चंडिट.वर.वे.चहु.रथ कूचा.चार्रेका नेश यर पु नते रस हैंन महामां । रे प (रम हेन ) मर्र महा (रम में ) महेश। नुः कुषायर विश्वराय न्यु (दराया देव के दे वर्ष स्र विषय स्वतः) देश या के विवर्ध स्वतः यभुेर्य १८। वर्षेर्यायर (योकेश्याय वर्षेर्यायर )यर वर्षेर्यायर । हैर (रा केर्य वर्षे रा वर्षेर्य वर्षे क्स च वर्जे च ल (क्स च वर्जे च )सर् र मुस (लन च च रे च क्स र )माहेश चु न ल वर्डे र (च च.ल.चड्र्ब.)त.सर्र.मेंब.चड्रिश.चड्रिश। मेंबिश.स.ल.चड्रिश चरचा.मु चे.च.ल.चड्र्ब.तर.चे. नालक मीं मु न ता (नालक मीं मु न व व वह क कर ) नहें का सर मु न वे व स्मिश्चर्रा । प्रमुद्धानिक द्वार्थ (प्रमुद्धानिक प्रमुद्धानिक प्रमुद्ध त. बेर.) तत्। भिर्द्र (भू. क्ष. क्ष्म ) क्ष्म तिर्वास का स्वास त. का सर्ट्र में बा चो का त. (र्टर. म् थियश तर प्रमितः)म भ्र कुरा पप्र जियाश रहा। (रथा पर्र कुरा जियाशः)रथा पा अर्थ कु छर. र्ट। विष्युम् (विष्युम् स्ट्रिय्याय न्याः) पद्रुः खरः र्या । (१३ वः श्चवः) १३ वः त्याः सर्द्रः क्या (र्यः चाश्चेश्वरच्ची त्यंत्र ) महेचा चाश्चेश । पहेचा चर्छे प प वार चूं दर । एवं पर्यू । विवार चूं

लासद्यः(त्र्यःग्रीटःसद्य्यःरटः)१८.रथः चेत्रः।(ठ में व.यर् तार्थस्यःग्री)श्री नाश्चिम। (रे.केर.भु.केथ.)ह्नाश पर्योट्सप्र भूथ.राष्ट्र भूथ.रा. साबिट.(सबिट.ह्र्य भु.लेश) मि. विश्व पत्रे हुँ व दूर। अर्थेट मिस्स सेट (अर्थेट मिस्स सेट )यते हुँ व दूर। चल.(चल.ब्रि.म्. जुल ) ब्रिट.म्. जुल.तर्.स्रिव.२८.। ह ब्रिट्र.म् जुल.(हु.ब्रिट्र. র্ম্ভিন'ন্দা श्र. पेश ) यदे : शुंब : नि । विंद ने ने : शुंद के : पेश ) श्र. पेश पदे : शुंब : नि । क : नि ने नि । (क : विरःस्रवःस्रदः) स्रवः स्रवः स्रवः स्रवः स्रवः । विरः (विरेटः पर्येषः स्रवः ) पर्येषः स्रवः स्रवः स्रवः त्यं तप (ते. ब्रें = श्रेयं ता. त्यं ता.) श्रेयं व्रा । ताथा ता. (ताथा ता. व्रीयं श्राटः) शर्ट् र व्रीयः 557 मक्षि मुक्षाय या शुक्र केंद्र दरा विदायर मक्षि शुक् अंदः सः (द्रः ये स्थाः) सर्र-मेश.चेश.चेश। चैश.च.ज.(जिश.)जिश.में जश ह्य.चे.जश ळूर (लूर.जश) मु.लश् श्री रिच.मु.लश.प.च्रेश मि.शर.(टच.मु.)च्रेशशी.चहेर.त.८८.। नशिषा-रे.पर्वेच.ताप्रा १८.जा.(लट.च )सर्र्र.चेश.(८८ त्.चर.त.)नकेश.स्रा १६८ तर. चक्रे च रेट । ह्युंश च.क्रेर (चक्रुंश च )ग्रुरे.च.चब्रु चक्रुंश.च.रेटा, ह्युंरे.च.भ्रु.रेचा.च (म्रुरे. च्री.पाश.पा.(प्रिटे.चर.)शर्ट्र च्रीश.चारेश। च्रीश.च.पा.चशिश। के.च.रेचे.थर.(चक्रे.च.) य.विट.रंट )श्रट.कुट रेजु.च.श्र्रेर (श्रुव.रंट )त्त्र्। ।(श्रव.तप् )रवश.व.ल.सर्ट मीश.चोश्रा में श.च.प वारश्च सेचश.में. पंचेश वे.रंटा, अवर. (शवर. वेवा.) वेचा.में पंचेश (चेश्व संचल.) वेत्। र्ट. म्.ज. प्रचेश विष्ट (विष्ठा स्रवंश ) ट्र. म्.चटा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा रिचिश्चिम् नाम् स्थान्त्र स्थान्त्री द्व नश्चिम नीम नम्भ निम् हेव निम् स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र यथरे.तप्। शिर्ट्यतक्षेत्र.या.काट बेश पर्यात्मात्रमा दे.पा.पढ्ढा ठाप्ट. मु.भर्यात्मा, मुच्चेर.पा.पश्चेय तम. बेश तप्र. बेश पर्यात्म्. क्षेत्र. प्रतिम. लाक्षेत्र नाशवः नवनः वः नहाः वर् क्षेत्रं क्षेत्रं त्युः चर्त्रः व्यक्षत्रं वः नहाः वे नहाः विवर्षः मु द्यामात्याम् र प्रदेशने मानस्य प्रदेश में मुक्ष प्रदेश में मुक्ष प्रदेश में मुक् लब मुक्ष पर प्रत्र प्राप्त स्रवस पर्वे हा लेख प्रत्र म् निक्र में निक्र में निक्र में निक्र में निक्र में निक् स्वार्था ।स्रायः व्ययः उद्यायः विश्व यः द्रा ।येतुः प्याः व्ययः यः विश्वः य 

## ्राहेणास्त्रवासेत्राः (८)

चन्नानाम् नुश्चान्त्राच्याः विकार्षः क्ष्याः स्वरं स

ল্.বছ.ন্ট্র.রিমা.বছল.ব ধু বর্ছ্স রবেধের (প্রবর্ধ মাট্ররারর ) ই.(গর্হ্র.ম.)বর্ডুব.মাপ্রমারানে.ইমা. (१५ म्राट्स सः) पहेंस (श्व ददः सस ८ दस परे परे परे म्ये विषय द) यः स्ट देन (सेन्स परे स्पे परे परे परे परे परे वसश. १८८ वर्षे ११ १ ह्या सर् । शहसामीश श्चे १ (४ में १० १८ मी श्वेमा नहता पश्चे १ तस १ श्वेमा मु.ध.भु.भूरे.(भ्र.भर्म)२ (४८.मु.२म.लश.मेण.चश.४)५्र मेज.स्.ल.सेम.एक्ष ल्रा लेश पर मार्था । हुन पर वें पर वर्ष पर दी। शुनाश है पर में पर हैं दे महर् पर वर्षा। बुश कूर्या नबुश नवता ज्यू । नबिर मु.र्ट्य ल. नशिश हो। श्रीर नबि श्रीर श्रीर सिर्टर मीर ही. म्रोट-निक्षे मेर्रे निर्वेश प्रवेश हुंबरी हैं मर्चेन ।श्रद्ध मुक्ष ह्वेबरी हुंबर निव्यय चीटकार्टा। ची हुभार्ल्र्र्यश्चार्था विरायदे श्चेतकाश्चित्त्वार्थाः विश्वार्यात्त्र स्वार्थाः विरायदे श्चेतकाश्चित्त्र विश्वार्यात्त्र स्वार्थाः विरायदे श्चेतकाश्चित्त्र विश्वार्याः विश्वार्यः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश इ.मैंरे.चर्वा मृं.पर्वट.रेष्ट्र रेग्ट्श त.भ.मिंल.च.पश.इ.चमेंश.च..चमेंला लश्.लचा.चर्चेट.ग्री.शक्य.चर्छेथ.चर्छेथ.चर्छेथ.चर्छेथ। चेट्य.प्ट्य.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्पेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्येथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्षेथ.चर्येथ.चर्षेथ.चर्येथ.चर्येथ.चर्षेथ.चर्येथ.चर्येथ.चर्येथ.चर्येथ.चर्ये लब.लच च्चेर.रेट.। चै.रेट.चेर्थ.श्रेपशा धर्.जु.ट्.श्रेर.प्रं ।लब.लच. वै निर्मेश नर्ने क लग न्द स्व र में हो नि नि के मूटक देश पर्मे नि ल मुके प्रमा मूनियां मुं प्यतः प्यता । कः प्रशः मुं प्यतः प्यता । हिं वें दे प्यतः प्यताः दृष्टः पति प्रसा दुरे

ब्रे दे. व् दे लब. जना है। नांश् निद्र लिजानमिर ल्यूर नाजानां स्वरंश में लब. जना नमिर्टे दे नहें यह होर र्रा विष्यो अर अना खर्ग नार्श न रेना राजा रेने शास है। अर अना में अर अना खर्ग र्वेर क नार्शे व रेवा य के क वर्ति है व विकार है व वर्ति प्रति विकार विक प्रश्नाक्ष्य नद्गः अवः सन् द्री य दे त्य रवश तह मनी तु द्वेष दश वर्ष य न द र द हे देश'गुट'खुय'मि वर्जुर'शे बेर्'रेश'नु वर्षय'वश'र्क'र्दे वर्नुर'वर्नुट' हे शे शे क'क'वर्नु वर्स्ववस'र्श'खुय''' ला.चर् रे.चोर्ट.ता.चर्लरे.ट्री शिश चीश्.च.ट्रे.ट्रीश.च.च श्रूचोश लय.जची.चर्टेर.त् ह हीर शिश. माश्च दभ टे विव जा हु वे बचा दे. अ. विव तका शिका ही वे वचा दें नाश्च तप् जर जना न देव देव्हा म् यादे तादे ता ता ता के राया के राया वा के राया वा के राया प्रति ता वा के राया के रा यदे दमाना संदर्भ मार्थर देश याचि दर महेत्र यादि। माल्य मार दमाना सदे। र्ट में त्य द्वेश य र्ट म्थाय त्य मार्श वदे प्यतु त्यमा रमोश व रूर साथ पट रमेश कुं वर् भागार्थं नदे अर सन र्वेश द ही स नदे वर नद या अर र्वेश है अर सन नद् र र र र र र र र र र र र र र र र र र कुर २२ भासा द्वार पर्व क्रिन प्येर हे ना क्रिन खुरा मही या भायन पन्न रे.विच.पिट विच.तर्.रे.क्रिश.त.रेट रेर.शयु.पिश.चार्ड्, त्र्र.विश.त.हो। डे.चाक्रेश.में, बर.वश्य.वट. मेश्र.च.प्रश्र.च.भ पर्वेश.च.भ्रे कुटा। तिश क्रि.यट चर.मश्रिभ.मी येर.चेश्र.चप्र संचश.र्स्ट्र.नप्रे.सुर. र्राः ११ ट. पर ह्रेनाश य वे. लव जना पर्येट. स. ट्रेन्श हो वसश क्ट. ज. जिश मेश च. जश इ.केर.ह्रा.च.त्रा.च.त्रा.च.च.च.च.वर.तिश.बहरश.ट्रा.स चाशियाक्तरत्त्रेय च र.ट्रा.च.त्रक्ता.चर.टे.चंचेर.च... तिश नोश्. यद्र लच तमा कुश.चे ही लच.लमा हिर विच वे दूश करें नार्से नित्रे मुन् चर्नुस्य द्विच च स्व सुर्वे। में अट. च. तुंश खुयाम नर्व र स हुँद व वले र तुंश ही र स र ने नहीं पद सनायन्त्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वा

र्भेर यारे नोर्शाय ता वेशायानीर्शे वर्षे भागायन दर्गेशायर वृत्या अश निर्ह्माया अश निर्ह्माया अश निर्ह्माया प्र र्नोसंपर वृत्। सुकानोसं वर्षे पर क्षिर पर क्षेर क्षिर क्षेर क् नकुर-तु-मुनाश-है। द्येर व-धुन्न मि-चकुर-तु-क्री-क-चकुर कु-क्री-वस रूट-। नकुर य मल्दान सक्षार्भेर मार्डे चर यन्तरम स यर्दर संदर्भ स्टियायमार लेखा हूर पा नाश्.रम्बाश व श्चर.पा.लाट माश्र्रम्बाश है। श्चर.परीश पा.हूर श परेश.पा.पचीय चह. नाश् वयश ग्री.क लना.भ.क्ट.नपु. बुट र्। दियु.नाश् वयश मक्ष्यः में स्वयश ने क्रि.नीय ग्रीट. दें व कुष न पर या मर्दर न मुद्दा न मा के व प्राप्त न या है। सर्के व न में व दर। से वदः सक्रुं न नश्च यदे स्निनश सु यस्त्र यः प्रनायः या मुकास र्टान्बकास यह सकामार्का मरादर्वन म्ब व्रिब मार्डेश म स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स् पहना यापनाय विवा वर्षेताय र इया वर सेर गुटा रेड वर्षेत्र प्यते प्यते प्यते प्यते प्र यम नुःन्नायःन्दा क्रेश्यरे म् यम्बर्गन्दा सुन मेन्या मानेश मान्नाली चाडुचा.हं.चश्रम शृष्टे.ज चार्था.चश्र विट.श्रमश्र.देयार.देशर.बेट.चोश्र्.चट्र.क्वेर र्.। श्रिश्र.च.ज. स्यायमायन्त्राच्याः स्यायमायन्त्राच्याः स्यायमायन्त्राच्याः स्यायमायन्त्राच्याः स्यायमायन्त्राच्याः स्यायमायन्त्राच्याः स्यायमायन्त्राच्याः स्यायम् स्यायम्यम् स्यायम् स्यायम्यम् स्यायम् स्यायम् स्यायम् स्यायम्यम् स्यायम् स्यायम्य मि.चोडुची.पा.सीयाचि दुची.कुंट च्र.चोरेट ब.सुट.याद से सु.पहेची.तर.पेचीर.ट्री श्च.पश्चा माझ लीम झेमाश्रास लिश चरु. होर हा विश्वास माश्रापट श्रेमक थे. इ. १. १. १ विश्वास सी. ५ विष् मन्द्रेन् चाने हेरी नमाक्ष्मान्ये व्यवशायित नशाने य अपान्याचे वर मे पूर्य स्थ्रिश्य केरी

निश्च.चर.चे.चर्.चर् च्.पिश.ण्ये तथ.रेट त्र चर्चेये। वर कर रू प्रमुद व वसुद यहे सुर। सिबार्ने चुक्र या वस नार्शे निवार यह ना वस ने ते ना चुक्र य नहन चुका यह है साय है साय है साय है है साय है पर्वट. चर्च. हे चूंच मूं वर यह बहु हो । वाह्य मा हे हो व मूं वर पर पर वर वह पर्वट. यहें होरा वर सर केर में रेस यश मेर्व सहैं र न्या महें व प्रते । सम्बर्स महें हे.चर.रे.चीर.व.चर्रेट ं च्या व.रेट.स्. ६ वहेब.वर्ष हि. ११ १ वर.१८ रे.सप्टूब. पर्चीर. ले.वा ह.तर्रे क्रि.चर.कर.टे.प्रचीर.हा । त्रिश्च प्रचीर.रट.चीर.रट.चीर.स् चाट्टे क्रि.च.च.च्या.चर्चे क्रि.च.च्या.चर्चे क्रि.च.च्या.चरच्या.चर्चे क्रि.च.च्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच्या.चरच् द्धे. मशिभ. पश्च पश्च प्र विच. तत्र्। । चोष्श पश्च चश्च चाः प्र चाः प्र चाः चोष्र । विश्वः याः चोष्श ल.चीटश.रेट में इश.एश व.लूर.रेश.सुर इ.स.लूर.री चीश् रेवेर.मू हुन.सर्ट. वर्शन.रंश. सक्त हेर. जैस नम्स तस मीय त. जिस. में चेर्स प्रस्ता है चेर्ड है जिस. स बर प्रमेंट. चेर. स्टर्स निश्च च निर्म ने भाष्यदायमा मु मारकान्दामी रेकादेका या व्यन्ति न्ये न्या विष्णमार्थे या था के दाया के निष्णन बर् नार्श यः नष्ट्र की | प्र चे ता मुरे हिं वि हैं कि नार्श या नार्श नदे खनस नर्शन बर् त्रच्याच्यमार्यात्विवाणुः क्षे वद्यानाक्षे यात्याकः न्यानाकेषासुः त्रुषा प्रान्तियायायः बर्-नोर्ड्, च्र-विश्व-तथ्ये चर-विश्व-तश्च प्रहेश हे.लर-वर्ष शट-क्रेट-रट-रथ श्च-रेश-क्री-रतप्टे. बीर-तप्टे वर-विश्व-तश्चरे व.चोश्च- पर्हेश हे.लर-वर्ष शट-क्रेट-रट-रथ श्च-रेश-क्री-रतप्टे. मार्देश चालुशा हेर् प्रवाद व सम् वामान्या चार्वा व न्राप्ता व न्राप्ता व लुशा हो वरा वामान्या चार्ता र्बेर् गु वर् रा देश मंत्री । नि द्रम दुर्भ पदि भाष्ट्रम इ इस श्रेष ह सेर पर स्मिस पदे व्यास्त्र स मोर्ड. त्र विश्व तह स्र मार्श पर्व विश्व पर्व । विश्व मार्थ पर्व । विश्व मार्थ मार्थ । विश्व मार्थ पर्व । विश्व मार्थ मार्थ पर्व । विश्व मार्थ पर्व । विश्व मार्थ पर्व । विश्व मार्थ मार्थ पर्व । विश्व मार्थ म य जश, चैर तपु श. चार्श वशा हिव हैं। श. चार्श वर्ष स्वस. वहें ब. हो । से चश. है. स. लब.लच चर्च मूट.रे.चलर इर.र्! । अनशरमी ट्रं में दे.च.मिलेट.रे.चाशतरम्। वलै'य'नश्चन वर नु हे लेश य'सर् य'नूटस देश'य व्यर्'न्स सेन् हे व व्यन्ति । वर् देश'यहाँव य नद्रना चनका गुँ हा हु नद्रुष य द्रार वह संचित्र स्याप विषे यह विष्य सामित्र स्थाप द्रार विषय स्थापित स्थापित वशशंकर मु अर्रे हो दंव हर पर्वेश पार्टा रे हिश हिट पशं नवर पर हिंद हिर वशशंकर मु बर् विष वर्षायान्य विष्णुयानीयाय वर्षायान्य वर्षेय वर्य वर्षेय वर्येय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्येय सर-रियेर.र्झ. परेब. टे.ररेब च इ.स्ब्रेंस. सर्च चढ्रस. हुश. हु। । जुरे . प्यमे .र ट स.पड ६.टेब. ज. प्रायश्चित. तर विस्। । विश्वायायिष्ट्र योष्ट्या श्रीर भाष्ट्या ग्रीष्टा मुद्दे पर्देश पर्वे पर्देश वर्षे वर् वे : अव : यना नावश : श्रन्य : यदे या देश : यदे : खेद : यदे : खेद : यदे : मीश यर चर्तर प्राप्त पश्चिम प्राप्त मीश्चर प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् मीटश.मी.सहंच.चर्रे.त रंटा में श्र.तर.चर्रे.त.रंटा पुरं सक्त.चर्रे.त रंटा में स्थ.तर.स.मीर.तपु.सिश.रंटा मीर.चर्.स्थ.तर्.। मीर.चर्.स्थ.रंटा मीर.चर्या मीर मीर्ट्र मीर्ट्र महद्र मह दाल द्वान्त्री क्षेत्राचीश्वार्यन्ता वर्षात्र्या वर्षात्र्या सहनात्रम् मुक्षायक् अक्षायम् मुक्षायम् नित्र शुळा चतु श्रिया वाक्रेशाचाला शर्ट्रा टि. च्रीशाचा चाक्रेशा च्रीशाचाला विश्व व

तत्। विषे देवा सहवा में पर्मे न हो क्षेत्र वास्तर रेचन त.रेटा र्नेष मुद्र मुद्र में प्रिय प्रदा रिंद में देव प्रमान में देव में प्रमान में देव में प्रमान में देव में प्रमान सर्रायक्षेत्र, या नेटा जाये. बाकुका या सर्व क्षर विकाल कर में से या सम्बन्ध प्रत् । अर्ट्र प्रकृत या सा स्वार्थ स्वार मश्चिमाध्री मन्तर यह मुहुरायामञ्चरायम महस्रमायाना है मैं स्मन महितायाना में द्वित सक्ते हैं। यानुना याननुन च नुना नीस ह्रिन हो। यो नाके साम दकनास हुमायान सुमा सर्देर मह्द य न्दी म्बर् न्वयः यः नृतः । त्रः न्यो योत् स्रक्षेत्रं । योत् यः नृत्यः स्रक्षः स्रक्षः । योत् यः नृत्यः स्रक्षः स्र न्वनः नमृतः नत्नासुमः मर्जनः पति विदेशि ।देः स्र तेतुः पति :भ्रान्यः सुः देनः सूर्वः विद्याः स्र पर् हे के प्रचिर्। हुन न स्वाहित क्षा के साम स्वाहित के स्वाहित स्वाहित के स्वाहित स्वाहि बिन ।रविश्व श्रीट रट विवेश गः प्रेश हैं नश य रम् गुर्न गर विवा कूर्वास.त.चक वाश्वभ.त वंश.चश्रभ श्रूर.पंडुल। यथ वंध.त.वंश.भोतज्ञ.च.भेश ज.पंडुल। होर.भु भट्र.होर.संभातप्र.ह खंश व। (भु.ड बचा.हु.४२) तत्तर. १ चख्र.थ पत्र. १ चख्र. १ चळ्य. १ चळ 

सिना. १. स (श्रीट. २८) उत्रेया. पर १ प्रकृष. यर मिन्या | रे. पर्य मीश पर्य मिर्ट. स. पर्ये । इ.वै.च.उरेश.श्रर.श्र्र इ.चंद १८। चेर्र.इ.श्रंभ.द ६ चंद्र.लच च.चर्। चिर.चर. सक्ष सक्ष स्वास्त के स्वास स् सर् (सके व स व ) इ व ले सिट पर इ ना सुम है। । इ ना व स है प क है व ले नि मिना ना व मा। लब.जम ४ बर. १.१ चढु. भकृब. १.मा३ हा । श्रायम. १. देमा. ४ ट. भकृर. १. पढुं। । यप्तेश. ब्रै.चन्त्रमा के स्था में स्था मे स्था में स्था श्चमः न श्वमः दन होदः १: तन्त्रीयः सकेवः मो : नहः। । किनाः यदेः १ श्वसः नहः विष्टः यन्। । इयः निवर निकुर हेरा या क्रिया निवर होता है वा ही वा हिंव ही ना ये रिटा क्षेर् नुर्गर में सुव अर्गे

मार्नेटशं यः वर्मुर्। ।इशःयर्ने :मार्नरं वे :सुस्रः हुः संकृश है। |बेश.घ.चश.च|ब्र. <u>स</u>्र से माशुक्र-१८ अवक्ष-क्षेट-१८ । विक्षेत्-११ मेहेट १८ क्षेत्-१८ क्ष्य-१८ क्ष्य-१८ । वास्त्र-११ । वास्त मक्षेत्र पत्रे मक्षेत्र प्रतासम त्य्रा मकेर प्रते हा । चची.रट.रेची.तक.हो। जिश.चार्र.हीर वर्ज्यश्वाश्वेशतची.श्व.चोहेश.हा। विश्व.चर्या. विश्व.चर्य.चर्या. विश्व.चर्या. विश्व.चर्या

३८.२८.। ।शूच.४पूर.भर्षर.कूश अ.४चीश हेचा त.२८.। ।२श.चथरे.पर्थ.चाश्रीश्र.स. नवर् देवन रहा । विद्यान विद्या शुमामद् देश। । ११.इ.चड.व्या.शुमाड ह वर्षे हो। ।दे.केर.कि.चड.ट.चकेश.मम्.ल.चेश्या। त.र्ट चढुं के.जुराचेश्वा जिश्वाचिर कृति ता.चे चेश्वाचिर के चेश्वाचिर के चेशा जिश्वाचिर के चेशा जिल्वाचिर के चेशा जिश्वाचिर के चेशा जिल्वाचिर के चेशा जिल्वाचिर के चेशा जिल्वाचिर के चेशा जिल्वा म् १४ : सेन् म् मेर : में अंदर्ग । १८ : ५८ वर्ष मासुरा : से दे के स्ट : देन । से मार्थ : नार्थ : नार्य : नार्थ : नार्य : नार्थ : नार्य : नार्थ : नार्थ : नार्थ : नार्थ : नार्य : नार्थ : नार्य विना ही देश श्रामाश्रम मा । निना नहाने हि निर्मा हिन हिन मानमा लेखा चानि हिना मिना न मी निया के प्रति । विषय के प्रति । विषय के प्रति विषय के पदः इ.६४:पन्दा हि्य हुँ र.पन्दे प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प चिर्मिन् मेर् र भ्रूर नावश । निर्मे रेट स नाकृश लय लना नवि ल नावश । विश रादे स्मन लमा.चैमा ।मिट.च.मञ्चा २४.मध्र लूट.चे में लूट.कू.मश.मञ्च मध्रेशा । ११ मध्र. प्रचंश । क्षि. त्रेर्. चक्रीर. चक्रीर. चक्रीर. चक्रीर. चक्री । क्षि. चक्री. क्षेट सक्ष्य में क्षि. चक्री. चक्रीर। । क्षि. चक्रीर. चक्रीर. चक्रीरा चक्रीर। । क्षि. चक्रीर. चक्रीरा चक्रीरा । चक्रीरा । क्षि. चक्रीर. चक्रीरा चक्रीरा । चक्रीरा । क्षि. चक्रीर. चक्रीरा चक्रीरा । चक्रीरा । चक्रीरा । चक्रीरा । चक्रीरा । चक्रीरा चक्रीरा । चक्रीरा चक्रीरा चक्रीरा । चक्रीरा चक्रीरा चक्रीरा चक्रीरा । चक्रीरा त्रित् त्रित् स्त्रम् स्त्रित् स्त्रम् न्त्रम् स्त्रम् 

। इ. चीपर शिंध धर्र हुन १६. १५. १५. १६. इस्रानानुना कुट र्मु र्नट मुश्र में रूप। क्षि य मिनाश.त अप्रिश. इ. इस त. जी প্তন্ত্ৰ্ৰ ব্ৰাম্থ মনিম মই র ব্ৰা ব্ন। इ व के नि म्या है नि मान्य । इस मान्य मान्य के नि मान्य । हिस मान्य मान्य के नि मान्य । हिस मान्य मान्य के नि मान्य । पश्चाया है। दे.पश्चिश ची.ट्. म् चारुचा.प्रचा.वे.चारुचा पर्वेश राशा विट.राष्ट्र शहर हुनाशा सम्बद्ध यश्वास्त्रस्य गुरायदे स्वान से से न्या पर्मात्रस्य गुरायदे मूटा यह से से न्या स्वान स्वान से से न्या स मुद्राम् कृतः सक्ष्यत्र य द्वा नार्युः स्तुरः माद्यास्य पत्रे स्वयः विमान्त्रः स्वरः विभागः स्वरः स्वरः विभागः स्वरः स्वरः विभागः स्वरः स स्र १८६८ क्याशामा खेटा हे स्टाया सहिता । यहे स्याप प्राप्त प्राप्त स्थाप स्था विव.भ्रभ दे.वीटश.हश.खा वि.सेच व प्रचल वे.लूच.च.चडु.लूर देश.सुरी कूर्र.व. वियासक्रायासेन बाझनायसायनायां वहासान झनाबाने व उत्सन्ती स्वापन सक्रमात्मा सेन्द्र से सेन्द्र विकास के स्थल मूनिय हुमान सुमा से चारुका हेश्वर प्रा व्यक्षेत्र विकास हेर्। क्षुर १व विकास हेरा विकास हेरा विकास हेरा विकास हेरा विकास हेरा क्षेत्र विकास हेरा विकास हेरा विकास हेरा विकास हेरा विकास हैरा विका 

वर् १८। वर् मारा स्ट्रिंट ह्व सेर हिट वर से त्ववायस विवाह वर्ष सवत सर स्वि मृ.पश.मंर.त.दुरु.दुर.वा वर्गत.मृट.वर्ग.र्ग.वर्ग्यामृ.म्.प्रश.पर्ग.दुर.र्ग मो.शक्र.केट क्षेत्र.कट लट.च.रटा। चेट.बुट.र्से.ज.सं.चुट.चेल्.च.लुर.क्षर.चुं द्वेत. सबेर्रा | जिस्स पर्येच-देर्गी, चोश्वर मागेश्वर । चिर्येच-दर्गी, चोश्वर मागेश्वर । चिर्वेच-दर्गी, चोश्वर मागेश्वर । चिर्वेच-दर्गी, चोश्वर मागेश्वर । चिर्वेच-दर्गी, चिर्वेच-वर्गी, चिर्वेच-वर्गेच-दर्गा चिर्वेच-दर्गा चिर्वेच-दर्ग पर्वेरी रिक्स दर्भैय वर्भेय वर्भेय वर्भेय वर्भेय वर्भेय पर्वे स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ व्याद्वय वस्त्राय वित्र मासुस्र दे व्यायेषु वस्तु नित्र वर्षः मार्डमा वर्षः मार्डेसः वः स्राध्या स्त्र स्त्र हे न्यन्त्रमञ्चर्त्राच्यात्रम् । द्विः भ्रम्यः शु हुन श्रम्थः द्वे स्थ्रम्थः स्थ

ଖିଷ. ଧୋ ନ୍ଦ୍ରୀ ଅଧିକ. କ୍ରି ଛିଟି. ସ. ଜି ସ ଦ୍ରି ଛିସ. यशःसुदिःख्य बसः ऋदेः नुशः अशः श्चवः नुः रेः वुश। लट.मिट.चाल् वर्षट्र अर्थट्य विट.ए स्रामा वर होर ही हिं वर स्वर वश्यम् अवव वश्यम् स्वर । हीरारेश्च व नेरेश्वास्त्रायमे वृत्व य हुम य भेवायश्चे प्रश्वामित हिनायमे हैं रास्त्री प्रह्मा विह्रमाही ट्रिट्र स्वर्या स्वर्य दायक्षात्र ने निर्मा के पश्चात्र सर्भात्र सर्मे सक्षात्र महिन हें निर्मा स्वाप्त सम् निर्मा स्वाप्त स्वाप्त सम् ने प्रविद्यात्र ने प्रविद्यात्र स्वाप्त स्वाप्त सर्मे सक्षात्र स्वाप्त स्वाप् वृष्युर्भ दे। यसमाश्रायास्यायर प्रमुदार्भ । असिशायाद्वा वृष्युर्भ र्भे, यामाश्रुमानी, ट्र तथ.चर.क्.ट्र सर्सत्य चार्स्य चर्सेर। ह्र तथ.ट्र.सर्स त र ट्र च.र वि.त.चार्सिस चर्सेर। स्र.त.क्.चर्यात.क्या प्रेय.च्री.चार्ड्य क्र.च्री.च्री.चार्ड्य क्र.चर्यात.क्रिस.च्री.चर्या.चर्सेर.व्य.त्री.चर्या.चर्सेर.व्य.चर्या.चर्सेर.व्य.चर्या.चर्सेर.व्य.चर्या.चर्सेर.व्य.चर्या.चर्सेर.व्य.चर्या.चर्सेर.व्य.चर्या.चर्सेर.व्य.चर्या.चर्सेर.व्य.चर्या.चर्सेर.व्य.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर्य श्रुम यश श्रुम माठर हैं.क्.प्रिमि.मार्चर.पढ़ी गा.चश्चीर.वेश तप्र.स्रोर हो ।मार.म र्वेण.पश्रुम.सहेष. स्यापन् ग्राम्बर्म द्युः मुक्षालेशायायन् ग्रान् मुङ्ग्रायक्षेयाः क्षेषाः क्षेषा द्वाया वह्यायन्य द्वाया क्षेणायर .... भक्षे हैर नर्वे ता स्वाधास पहसान रेट पवर नर्वा निहेश नहीं र वे स्व लट. बैच. तथा प्रहार पार्ट प्रचेर प्रची र वया क्षा मा क्षेत्र प्रचा स्था स्था स्था प्रची प्रका मा प्रची र विश्व मुक्षायश्चरायश्चरायर मुद्दाया श्चिष्या श्चिष्या स्वर्गाया स्वरंगाया स्वरंगाय चकु.लश। रेचन.चंबेट.क्ज.रेट.चकुर्रा वि.च.ब्रेर.जश.ची.चरश.ज.चो.श्य.ट्रा वश्चत. चेटुचे.रे.श्र्ट.चश.चेश्र्च च रेट.कंट.च.चेश्र्य कु चर.ठचीर.ह्रा ।जुउ.चक.त.वेश्य.ट्रा वश्चत. नवं नक् कि.च.चीश्वम.मीश ह्र्य.हा रिट.त् नक मशिषाता मीश्व ह्येरे जारेचन नमेथ नजेरे भक्ष. च वे नक् कि.च.चे कि.च.च 

हैं। हैंगशान नुवासन महिनाव म्राटारें हे र्झन व वानिना स्पर्ने ने रे हैं। व सर्हे न द से रावस मा रे'या नाद्या पर मु में में बार में प्राप्त पर में मीत तर् क्षेप तर् त महिमा र्ल्स तर तथा त्रा चर्म न कर सेवस स्ति। हे. तहे कर हे नाश स रट. वैश्व.त.रट. क्षेत्र. तर्यु. क्षेत्र. वर्षेट. च चक्ट. चर्र. चेत्र्। विश्व. वर्षे च वेश श्रेर. ज. क्षट. वयः वर्षेत्र. नन् नशुमामक्ष इटान्वेद्रा । नक्ष्म प्रनम् भ्रम्यार्भ्यातायायाया नन् नन् नम् सक्र-प्राप्ति । प्रक्रें मास्य-प्रमा माडेस-पर मार्स्स मा सर्देर मस्य-पा मुषायर वन्तर पर्वे । दे स सेतु वह दुना वह वर्ष वह वर्ष वह वास्य मी स्वि है। खेतु पर्य प्रमा वर्ष के प्रमा वर्ष के प्रमा वर्ष के प्रमा विष्य के विष्य के विष्य के विष्य के विष्य के विष्य के त.ज.लट.रेचच.चर्चेच.चर्चेच धर्षेष.षष्ट्यं.रेट.चढुर्रा १रेप्ट.सेचल.शे पट्टेंग ग्रेंशश.स्.वंश.प्ट. भेश नहीं व त. जश . बुंश च . बंग में हुन जा हुन । माश्रेश च. जा मोश्रेश मोहेश खेर अन्वले या साया अप्रेंद्र या मिला जुना या अप्रेंद्र या माशुआ अपरेंद्र यामार्डेम । यनुकायमुन्द्रम् यास्य राष्ट्रंद्राय विका यहायले यद्दर्स्य । पढ़ नुभाय ता ता त्र्रेत्य माधुमा में त्रेत्य या के माधुमा पढ़ प्राप्तेत्य । विकास विता विकास वि र्मेश्वरं व मेरेवर व ।वर र् भुरसा सवत सर पर्सेर न नश्रमा से पर्सेर पाक नाडेन । दे नश्रम न हे श्रेर स ने स नर र ने देना पर्से र या मिं ने पे विं विक्त र या बड़ा कर रहे । या प्या र विव र र हे व महेदालीया यभ्रम् मर्द्रम् मर्द्रम् प्रतः प्रति । भ्रिन् यः भ्रम् प्रति प्रति प्रति । भ्रम् यः विश्वः यः र्न्द्रेते त्यदः वृश् । त्यवः र्ववः वह्यवः वह्य व्यवः वह्याः व्यवः वह्याः व्यवः वह्याः व्यवः वह्याः व इस.चर्चेच.ता भक्ष.च्रा हि.ज.चर्चेच.च.चेच चोड्रेश के.चे च.वेंच.च.चर्चेच.च.ज. 

प्रमोद्या । ते. ख्रेर ख्र ख्र ख्र ख्र ख्रा । ना नेर न क्षव राष्ट्र क रहेव ख्रा । ध्र र् र्ययः यश्च त्रि यर हेरा । रे मुँर त्रु मिलेर से सेर प्या । मिलेर य प्रास्त्र य गुड्म मीश ८९सा । ।८६स.त. स्व. तस. ५५२ वर. बुरा । ।८ वर. व. स्व. तस. रीस. मर्डिन। निःश्चीर २ इस ए सुर से सि पटा। निकेश में हुन य निहेना निकार मिर्टिस। यः धेदःयस यसे यः नर्भे यः यः से द्रा इस अध्यः यः स्रापः यात् विदः यसे यः यसः यद्भायः से द्रीता  चैव.रे.पश्चा भि.श्रेंश भम् सकेश वेश त. भरी । वि. तश्य अकेव.रेट पर्येत. त. सेच । स्व.च.च.चट.संट.चुंच.देंद्वा । अपूर् क् चक्ष ख़िंट.चो चीट.चालू ठेंचेरा । वश्चेश.च.चट.संट. बे.इश.सपा.कुर.शु.पचीर.बे। ।क् च.शु चैंट कंच चतु र्। ।लट.च.चट संट.चुंच दें.लट.।। श्च.चश्च चरेता.सक्नेच.संच.चंचा.श्चा ।लट.क्वंच.चंट चश्चा.चंट चंच्चंट.चश्चेटा। विकास स्ट्रा क्रिया | स्वित्त स्वर्य स्वर्य | स्वत्य प्रक्रा स्वयः प्रक्रा स्वयः स् क्रिक्ष: य: न्द्रका हें क्रिक्त हो न्वन: यन्त्र मक्ष्र हों । हा हा य: हिन्य मिन प्राप्त न्वन: नक्ष्राचन्त्रास्त्रंत्राच्यो सः त्रुनायास्य मल् यः न्वयः चन्त्रः मक्ष्रः सक्ष्रः नदः मल्यो ।

मोश्. वयहा क्रे पोबंश प्त. पोकेश. हो। बिहा स. दा. पावं हो। विवे प्याप्त पाहिला। स्वित्यान्त्र स्वि ही त्या प्रत्य क्षेत्र त्या क्षेत्र त्य सूची त.चे.चेर.झेथ तपु.चोबश.म.चबु.हो। वश्चेय.त्यर.बेश.त.रेट.। पथ रेट जुवैपू. यर.चलेरे। शिश.ह त मिर.तर.चांश्च य.ण कि.हो। रेचच.चहेथ.चलेरे। वहें.श्वक्ष्य हो। पूचे.क्ष्य.चोश.चोश्चा शिथ.ह त मिर.तर.चांश्च य.ण कि.हो। रेचच.चहेथ.चलेरे। वहें.श्वक्ष्य हो। हण.चर.क्ष्य.च भें.चैचो चे। हि.म.पंत्रुण क्ष्य.पंचीया । श्वरंटश.चर्चर. र्चाप क्षेत्रा तपु जूचा के अ ची राजक क्षेत्र थे ची जू च क्षेत्र के ची जू च क्षेत्र के ची ची ची के क्षेत्र विका भी शक्ष क्षेत्र थे प्रचा विकास क्षेत्र के प्रचा चित्र के ची जू चित्र के ची ह्या-छ-यी-म् र्रीन प्रमान विकास क्षेत्र प्रमान क्षेत्र प्रमान विकास क्षेत्र प्रमान क्षेत्र प्रमान विकास क्षेत्र प्रमान क्ष

मुनिशः में में में में भी विश्वास महासर् सेदाय देना या धीता । समुन्ना में निश्वास मिन् निर्वास र चैर वर्षे हें भेवा विरायम् यहिमा सेर वरेमा य भेवा वर्षे हें र वरेमा य प्येव। । अभ्य म्रेश में ६ ने प्रेर व द्भार परवा । १२ न न प्रेस के हार परवा। यदेग्रेसेंग्रेस्य। प्राचित्रस्य प्रमुद्धः प्रमुख्य मुद्धः प्रमुख्यः विक्रस्य। विक्रम्यः प्रमुद्धः प्रमुद्दः प्रमुद्धः प्रमुद्दः प्रमुद्दः प्रमुद्दः प्रमुद्दः प्रमुद्दः प्रमुद्दः प्रमुद् नशः द्युद् छेशः यशः वदः यः सदः यं जुदः वः द्यादः सर्वे वः द्यादः यः स्वाः यः स्वाः वदः यः सः सः सः नेर दर्ग्स सर्वे व स्ट्रीट हे स्प्रेण प स्प्रें। वर य मे व के र हे चेंच नु सर्वेस व नुस्र य स्प्रेंग य नवट. स्. चार्श । तथ. त. स्. चार्श. सार्थ. थ. च न ट. श्रृंस श. स्यूचा. च. त्यूचा हे इसस. थथ.रचे.चैंटे.पथ्टे.वपु.हुंच.व.हु.केर.हैंज.वपु.व्या.ट्टा राष्ट्र चेंथा.थव. त्यां क्रीत्रायम् त्यात् । क्रियाये । क्रियाय सर्ट्र वर्षेष्रतामा बिसावादेराल ष्या है साह्य । हे ता प्रवृत्ते हो द्राप्त हे ता हे ता स्था निया न.रटा बर.क्र.क्र्माथाववीट.चर्रामी.भक्ष.चर्षेश.वर्षा ।रेप्र.चर्षा.वंचश.ध्या.चेटश. त्. श्रेपश्चर्यः त्रः त्राचस्रवः यरः बिश्वः यः र्यः। व्ययः यथे । यथ्यः विश्वः यः विश्वः व्या । स्रमशः क्टर. खेंबा त्य क्या वि. मेट. वसवा क्टर. ता. ट्वरा यहेब. यथर. चाही सा. सक्ये. पढ़ी. ही र. ह्या सर्दर पहुन कुष पन् र में भारत प्रति। । सन्न स सहमा में रेन मा म्नी, रूब, पर्देश. पक्षं प्रते : बुक्ष : त्रक्ष : व्यक्ष : क्षेत्र : व्यक्ष सक्ष्याचार्य । वित्रास्त्र विद्यायाय विद्याय विद्

্ত। । प्रमोल पर द्विम हिट म्बायल क्षेत्र वे र प्रदेश विश्व हैं । ।
(उ)

से द हैटा रेवा यदे ना दश ना लग जेया मुह्म महिंद रास द हूं नदे से ट में लेस मुद्दे हेश मुद्र पश्या द्वा नाश्चम तथ वुट प्त हुर सिश्च पर गार मी दि दर है। दर्मे र्वे ह्र्बश्चर्वराष्ट्रर निवेद्र महिना निविद्या प्राथम निविद्य महिना निविद्य मिना निविद्य निविद्य मिना निविद्य मी हैं हैं राश के हैं के या राहे हैं हैं के स्था नहार में के में के में हैं के स्था मार्थ में स्था मार्थ मार्थ में स्था मार्थ ह्या ता हुन तथा तथा के अपने का से स्वा ता तथा हुन स्वा तथा के स्वा तथा हुन स्वा तथा तथा हुन स्वा तथा तथा हुन स्वा तथा हुन स्व तथा तथा हुन स्व तथा हुन स्व तथा तथा हुन हुन स्व तथा हुन स्व ह्ना च निहेश च लिए माहिश च कि माहिश च मिहिश च यन्दायन्त्री । निरासिन्यम् प्रमानिकायने की में देन विषायन्त्री ने मेन हिस बुसार्सः वेसामार्ख्व गामिर्द्धनानीसार्ध्दाने। ५८ में ब्रीटानश्चरान्दे स्नानसार्धान्य

तर वेड्. बुब.चबिट्ब.च.पन्ना उर्द्र स.चैंद.ज.चर्चिंदाज.क्र.चर्याच्येद्र क्ष.चर्येद्र क्ष.चर्येद्र विद्रान्यक्षेत विन नहीं में लेश य वहा नहां नहीं के प्राप्त हैं ने नहां ने नहीं न्दः नुर्नेक्ष। नुर्नेकः च के व्येनः हैं ना धुय न्दः यः नुर्नेक नः से खुक्षः वें नः यः इसका यः नुर्नेकः ब्राया । त्रिया वर्षे व म्यां ब्रैंदि.ज.क्येश.वेश.क्र्य.भ्र रथ.ज.रट धर.र्डेट.च.ल्र्ट.चश.ब्र्! । जिट.भ्र प्रश्नवंश क्रे.प्रश्नवंत. र्य. लट.चेर.ल्र्.जा विर.तर.श्रूटश.चेश चेट क्ष्य.श्रमश्रम देवर. वर्षीय. वे ल्रूर. त्यंश.हणा. वर. लट.चेर.ल्र्.जा विर.तर.श्रूटश.चेश चेट क्ष्य.श्रमश्रम देवर. वर्षीय. वे ल्रूर. त्यंश.हणा. त्रीत्र। देश.त. भार. स्मार. तथा अ थ.च देशश.त. वर स्थ.त. सी. तथा पीश पहुंचा त. तथे थे। । बर्न्स्यक्षरायाक्षरम् वर्ष्वे वर्ष्वे वर्षे वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य वर्षे वर्ष्य वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्ष्य वर्षे वर व्यत्तर मु नम् स.मे। के लेश मि.म.मे स्था मा.म.मे ता। स्थित हेश में माम स्थाप में माम में र्विन्नावस तानु हो। ये त्वः लग न्दः अः यगूदसः यसः देसः यले दः देना यः य हे छे रः दर्गे : लेटः। इना ससः मर्विन्दे। ये त्वः लग न्दः अः सम्प्रादसः यसः देसः यले दः यहेना यः य हे छे रः दर्गे : लेटः। । के ने मिर्स के देव के स्वारं मासुस समा से मिर्स मानस प्रमु**न प्रमा** বুর্ধ:ঘর্ यर हुटाव मस वहिन्य यावसा मूल वर हिन् यहै हैंस न्ट वहेंन र्षेत वर हिन् पर्वे केंद्र वहेंन वि. व. क्रूब रेट व्र मंत्र त्ये में जिसाम है रेन्स क्रूम वी क. पहिना वस में अस गु. प्रश्नापर्सेयात दशाला चार्युः च्र्रार्झ्याताल्युराला क्राचाड्यात्रसम्भात्रसम्बद्धत तार्युःचीर जा

ल्रेर्। । नश्चमानः सामन् मार्थे मार्थे नार्थे नार्थ पति द न पर देवा न देवा न स्थान में साम हैं व है। मिर्स में मा स्थान में मा स्थान में मा स्थान में मा स्थान में साम स्थान में साम स्थान में साम स्थान स नार्से चर नु नदे 'खुत्य दृष्ट माडैम । नार्से चर नु दे नदे ना हे द र्य दि ना है है। देवाना हि स्ट्र- नार्शे न ते विश्व मार्शे न नार्शे न ना नेर स न न महिं स महे हैं। न न महिं स महिं स न मह क्रीत्मुवाक्षे न्द्र वीमार्के खुव क्षेत्र वामानेवार्वे वा लिय.लूर्.मीट.वंचर्य.मीर्थ.रीच्या लिय.र्ट.चाकुर.त् चोकुर्य.मा.लूर्.मीट.चार्य वंचर्यास.पुर्याद. वर् वेचा-नुः सं त्या देनम् सुमाना कटा स्टामाटा वना सुना से नियं हुन स्वत् स्वत् स्वत् स्वत् स्वत् स्वत् स्वत् मिलन'स्पर'नार्शे पुर्या नार्शे पुर्या नार्शे पुरामिलन'स्पर'नार्थे पुरामिलन'स्पर'नार्ये पुरामिलन'स्पर'नार्थे पुरामिलन'स्पर'नार्थे पुरामि রহা हुँद भोद य'द्र'। नाहाँ श्रमका है हुन नालु द नी भो नो भोद लेदा। मार्श्व,य.त्रु.माट.चर्या. पढ़ी. त. त्राच पड़िया के पड़िया के यह पड़िय नार्स्र व सं लेश परे पर से ना ना सुक्ष मी र्रे की र्र से नार्स् पर मु परे खुयाया ना केश मार मे र्व.रे.मांश्र.च लक्ष.मी.सक्ष.क्रेर.चक्ष्य.त.रेटा। माट.मांश्र.चर.मुर.तर्.वर.मी.सक्य.क्रेर.चक्ष्य. यदी दियानामानी देव पुष्पांचा समादेव देव देव पुष्पांचा से स्वाप्त से से स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त 

५में अः प्रश्ने के स्वार्धि । ४५ दे मा ३४ वे ६ है : १३ के मा विकास के निवास के निवास के स्वार्ध त्रास्त नार्ष् तर्। १४.व नार्ष चर.चै.व ट्रे.ल नार्थिश प्रत्ने व्यक्त नार्थ ना ५ । र्नेन्स वसः है खुर निर्दे निर्दे अपन्त । नाट मीस निर्दे निर्दे निर्देश में इस्मय क्रेन जेरा विस्न च प्रेम इंद च हो दे जहार दे निकास जा वयस योश्वेस। योश्व.च.च् सैंच.च.रट.चक्च.चकुत्रा.च् ट्रं चन्चेर तुं स्त्रेस कूचा.चे योश्वरम् वर योश्व.च.च योश्वर चर.चे च.रट.। ये च योश्व.च.च चेत्रेश। ये च योश्व.च.च चचेत्रा.च.योश्व.च्य.च.योथ्य. रेट पर योश्वरा योश्व.च.च संस्थ.च.च चेत्र च योश्वर्य प्राप्त च योश्वर्य योश्वर्य योश्वर्य योश्वर्य योश्वर्य योश्वर्य त्राम् स्थानक्ष संस्थानक्ष स्थान्ति । वारान् देव दे नाश्च त तथा त्राम्य तथा हिंदा वारा वाराय्य स्थान चार्श्च तः तः त्या विश्व स्ति । विश्व क्ष्या विश्व क्ष्य क्ष्या विश्व क्ष्या विश्व क्षया नार्स् क्षेत्र नदः नार्से चनस नार्द्धन नु हुन। नार्स्स नु नार्स्स न स् इति नार्स्स न स् इति नार्स्स न स् इति न व्यक्तिरम्भरायदे नादशार्थेवावी ।दे स्मारस्थायायेतु वुन ।दरायायेतु सा वसा क्षिर्द्रमस्यायायेषु नार्श्वं नार्थमा रगुर्द्रार्द्रार्थेर्यायायेषु रेट्री वहना वात्य सेंद्रु नार्श्वा यन् यस। न्दः वै। न्दः ब्रिटः प्रेन् यसः स्त्रेतः मुकः नुकः नुदः र्वेदः रेन् यदे भे केसः सः परे भूर हेश विश्व श्री विश्व य य श्रीम्थ पश र्थेन है। मृत्य पर प्रिम् या प्रमुप पर प्रिमे

लेश मोश्रम्था मान्यानिक प्रतास्त मान्यामिक प्रतास्त मान्यामिक प्रतास्त मान्यामिक प्रतास्त मान्यामिक प्रतास्त मान्यामिक प्रतासिक प्रतास्त मान्यामिक प्रतासिक सर्थान्त है। कुर्दा हेर्य स्था हैर। विषय सर्थे स्था हैर। विषय सर्थे स्था सर्थे सर्थे स्था सर्थे स्था सर्थे स्था सर्थे स्था सर्थे स्था सर्थे सर्थे स्था सर्थे स्था सर्थे सर्थे सर्थे सर्थे सर्थे सर्थे सर्थे सर्थे स्था सर्थे सर् दे.हैं। विभाश क्षात्र रंगान्य स्थानाय सक्ष हैं रहा। विदे न तथ रह रहना हैंय विशासकार्त्रे व्। मुका सरामन्द्रियाया भेता सामान्या स्थापन्त्रेया 454.2.4421 य.रेट चेडुच ाउर रेग. चर्च त.रेट. चेडुक. व. क्र. हु. भक्ष. केर. हु। जातु. चंबु य. चेब्र सेच्य. सम्भान्त । त्रित् निह्न मविद्याति नेषा मित्रा त्यो सर्रा प्रतिया सर्रा प्रतिया प्रतिया प्रतिया प्रतिया प्रतिया प्रतिया प्रतिया प्रतिया कनास होत प्रतिय प केंद्र इ तर पति। | विस पस हिंद है। कनास पद ह तर। श्ची-प्रते हान्। वर्षेत्राचर हिता हेते हान्वित् । नित्र क्षारा पर्ते हाने हुं न तह नह में मा खेर रहा ना हुं कर है। इं तिश्र क्वां सार हैं न क्या हुं न क्या हैं न क्या है न क्या हैं न क्या है न क्य इ नक्किन है। देवै इ र्वेन सर्वे त्या हिना दश सान स्वाहा सान या में व से संस्था सान हैं। नारे खना वारा नर गाव नक्षेत्र वारे खेर खेर व नावश नर नवर हैं। । श्रिना প্রনা নাব্ধ। इते ही दाया मार्के महिना मी निन किनामा सिन या हेन में हार मानमा इट अस समित्र या पश्चेर पारे हो र पर व नावर पर पर प्राचित हो । इन इन ह्या पर पर पर अन्तरमा के स्थान के के के स्थान विदेश के की से निर्मा के के के कि मिल के कि से मिल कि से मिल के कि से मिल कि से मिल के कि से मिल कि से मिल के कि से मिल कि से मिल के मिल के कि से मिल के कि से मिल के कि से मिल के कि से मिल के मिल कि से मिल के य दशा बेट देन वर गर सब गुर हैश सु दहें। विश पर पर में ग छेर रट नासुस गुर्स हूर्व है। निट में रूट अस क्वास यर में देश में हैं न में से हें न ता डिना.बेश.खे.चधु.क होटा टे.ज.एच्र्र.क.चेंब.कें.चचेंब.चक्रेंच.बेश.केंब.क्षांक.खेट पत्रुज.चंद. नु प्रमा हेश सु प्रहा पर्दे । । दे व परेश दश र्स्ना ह कम् श दे समें व सेंद प्रायस दि से मानी इ करा दे त्यां नदेव वस मादान कमा दे त्य नदेव वस दनद में से सूरी खुना वकर नर निर्मे ढा शुरु करें हैश न प्राप्त वास खेर दे निवासी क्षेत्र नावश पर्दे । विष्य प्रिटेंट साम्बर **साम्या**स तस्र- दश तियान विनश से हे र नि पहर पश हिश सि पहर पर्या । हे ति से पिन से र कन सि न र्खेन हरे हें र र प्रकारिकर हैंदानिका दे ल र पर र पर हो र तर है र पर है र है।

२८४.भ स. सिना. रचेनास ट्रॅर. हुना. ज. प्ट. परेश. रचेना. जुल, रचेश व. १५ ८ ८८४१ भ. जुल. मी. श्रीमा. स. विषानु नाम देव दगर नाया के स् ह ह उस विमा गुर नविये हे द नु नायया रेक्टे सुंचारा मले न म्. इत्र द्या नेश कु नदे उत्। विश्व विश्व क्ष के विश्व क्ष के विश्व के विश् **ড়৾৲য়ৣ৾**৽য়য় चेश मुं नदे हान् वसा देवे दार्मर हा चर्ना दान करा है हम पर विशाय केना प्रमुत मुं र्य त.चाश्रय.तर.मुरे.तथ.४.हंश.शे.८हूर.तत्। ।लट.श्र्चा.६८.श्रेर.फश.चे.क्.र्याश.पर्येर. म्नेर यर मेर्नायरे हायसम सेतु रा सहनामर त्रेय यर स्टिश हीर यर है है के लेस मु यान सारी त्रिर इ.च र.क वयी रट वश्यायया व.क् रह्माया वर्षी मुद्देश निर्ध हैंया शिलाहिया हैंया हैंया हैंया हैंया हैंया हैंया पत्रेमाय साम सर्दर पद्मेष पत्र के प्राचन के प बिशायका हेर्वा है। अशासी विष्य है त्या है ता ह नगर न्या स्वा नार्वेश थें ५ 'दे। ारे मारेश मुंगमारस समास मुसायर वयर प्योती। स्मि याह के हरे स्ट्रिस्ट में त्या। না ঠুঝ ইয়া रे.जश. ६ येर जिस ज. रे चर ज्येजा । ब्रिश. चर्र.चर खेँ पी.चशिश. च्रीश. ৰিশ্ব:ব্ৰথা र्सेन्। इ.ज.र्गर म् रेट्रक्न च्रानिहेश ज्रेर च.जश न्गर में ने हियम बिट मी र्गोलाकालरायायग्रहारायर र्गे हो इ.ह्र्र.प.श्रुट्रिपचश वे.कर झैक्र्रा स् सर-मुक्ष-हे-मुक्ष-दर स्ट वस निवन नु घुट मी ह सेना हु है से सी हिन है निन यदै न्युवान अप्याय प्राप्त वान साने। नायश नायन नाय अपार साय वित्र सर सकेन मी सुना वश्रामुद्री । द्रिःसब स्रामान् नुरम्नुबन्द्राः व द्राः स्रामान्यस्याः नुद्रायदे सः हेवः कुर्ने कुर्ने स वलि र्वेन ने। ने ने प्राप्त ने केंब्र वट ने प्रमुक्त वट ने प्रमुक्त वि प्रमुक् मिट. ले थे। कू ने श्व. यं. मीशिश. यंत्र. बेर. वंश. लेश. मीशिश वंश. रेवेश. मी. हैं श. पूर्श हीट प डिम नामकानाम्य्यं नाहेश म् वि.मा.डिना.च् ।क्रिनाशास नमिर्नास नमिराम वशास्त्रीना ह रूट रटासकेश य मार्रेश सेंग वश मावश शें। । नहा मार्रेश पर पर पहा मार्थ मार्थ से से मार्रेश मीश हैं। सकेर प र्ट वस्त्र शेरु र बहेयायाँ | पद्धः वर्षे: यः इश्वः स्राम्यः सः नात्रेश्वः शुः रेः रे दिश्चेयः स्रा दे दूर इ नजुदर्यों दे कुर में मंदर यह कुर सुमायह लेग पुरी ા(રે.ભગ.ના લે ઘેડ્રી) र्रे क्षेट. वर्गेर व् बु. प्रमाश में अंत्रे हि. पश्यालय त्या त ही र प्रमुल वर्ग सहये तह वह र्स्न य इरे हे संय ५४० ह नहीं सिन ह नहीं है नज़र रे में इना माज्य है। भर्ने त्य निवश हो। १२३ त्न । दश त्यर उ न १३६। सिना इ.ना३श. जा.श्र्ट.वेश। चलु.मुंश ट्रे.प्रमा.त मकेश.ज.(चालश.चाल्य.)मुँग्। १६४.झ८.११ च.ले.वे परायमेट.टे.मुंश. सिना स. पंढी भीटा त बोडेशाय पश्चिमा हे आट्रेश परी स्ट्री हि. या सुना हे प्यर ह नही

इ.र्यार.त्याका.मिट.की। वर्या.त्यका.मिच.याकेका.मे.मी बुट.कीट.रट.पत्रेजायकातवर तत्रा। [대학·중·경학 전· 국·독화학·외윤학·학·국·역회학 지수 미국·종·대기학 전환 한 전 기숙·경학· 역·전 기숙·경학· 역·전학 기숙· 역·전학 हूर्याम्याकृथा स्बीट मानेश स्थित स्वीट मानेश स्थित स्वानेश पर मानेश स्थित स्वानेश स्वानेश स्थित स्वानेश स्थित स्वानेश स्थित स्वानेश स्थित स्वानेश स्वानेश स्थित स्वानेश स्थित स्वानेश मारेशा भष्ट्रय-मुश्च-प्रस्थ-स-मारेशा मीच-इ टीम पर्टेश-मारेश स्ट्राप्ट प्रस्थ द्वार स्थान्छ. मी त्यास हात प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र नावर् न्यमु दः नाकुषाकी अर्था अर्था अर्था यानका में निष्णा में निष क्रम्ब पर् सुर् य महिमा । सेर् ११० मार्डिया माडेर सार्मा सहय स महिया तहर सेर मार्डिया 

ब्रॅन्। इ.जंश.में)श.त. रेशश.ज. ६ तकि १. युंध्त्य स.चोर्ट्चश्चामी रेट. युंध्याचेश्वर तथा तथा रूपी मार्ट हैं मार्ट प्रच्ये दें से स्वाप्त के स हुर्-१८-वर्ष-२-व हे.वर-४ चेल १ नवस यर-वर्-र्रा १इ.८ मेर नवस लियस हो तर्.चर.ख्र.यो चाट्टचा.चर्यं स्वाचित्र हुंब.ट्री ट्रे.पास.क्र.चर.चर.चरात्रस.चर्यं प्राचेता विश्व. रु.न. हर वेर रे बना बहा जिला सका पश्चिर की दिन के दे निष्ठ र पर्वे निष्ठ है। तरु.इ.ब्यस.वस र्व वस.मुद्रु.वट.व.सर.मैं.हो। प्रैंट में इ.चबु.श्रेट.टट.मैं.सर.पर्येण। सप्तिस. पर्येषा पर्यक्ष. पर्यं मार्थना प्रमान स्थान स्य त्तर हिन् स्ट्रिंग स्ट्री के स. में मी. क्य. मोड़ेश। के. स. ८ हर . में है। **፩**:ቼ'ኣኝ' य.चार्डेश.टे.चांश्वेश लरे.जचा.ज.चळ हुं चढ येचा.टे.चेंश.श्र्रा व्रिट्ट. हुं। कें ते ह के नाशुक्र भेर दे लेश य कथा पष्टिक या भेर लेश यदे य दे भेर ना नी का हें क है। भै.ज.ष्ट्र श्रीन नी है व चे दे दे दे दे से से ना श्रुम र्जिंद व क्या मर्ने श्रुम श्रम्भ रहित वर ना विकास मान्य य के ह्यूना या हुन्। । रचनाश्चरा प्रमूरिय हे सक्ष्यान स्तुना नाह्य मीहा स्वाप सामिता यन्तुनास-नद्भवावस्य तसर-नद्। जिन्दान्य तिस्य वे विस्ति हो। सि.चारका.नार्जा ।भवत भाक्ष्य,भहचा.चर्चे च.जा.चार्डेश.हे। क्ष्यु.ह्. च्.र्टा.। ह्मानी दिन में ते निक्त के निक्त के निक्त लेश यश र्स्ट्रेंद है। देश क्रेन है। अस नक्षेत्रयहे जा नक्ष परे हा पर्तेयात्र, श्र.च। ह्यू च चू. १ च तर्ष तर्ष हुर १ लेब.चेर्। । त्री १ त. च्यू तर् ह्यू १ तर्ष ह्यू । व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत व पहुन्य वास्था द्र वी नाइन माइन पहुन् माइन पहुन् वी नाइन पहुन वी नाइन पहुन् वी नाइन पहुन वी नाइन पहुन् वी नाइन पहुन वि नाइन पहुन वी नाइन पहुन वी ना

पर्वटार्स्ट्रा अवन् म यद नार्स नगर्ना ।नासुम य न्यान्य न्यान्य पर प्रति य वै। प्रसामित स्ट्रिस्स स्ट्रिस स्ट्रिस्स स्ट्रिस्स स्ट्रिस्स स्ट्रिस्स स्ट्रिस्स स्ट्रिस् स्वाता स्वता है स्वा साय स्वास स्वा ट्रा त्रांत्र श्रिक के स्वाकृश | स्वाकृत स्वा

सार्थ मार्थका स्थाप स्थाप स्थाप सार्थका सार्थ पड़ मारेश । अक्टर प्राय उ.म्ट.मारेश । माज्ञर माजेश । अक्टर स.सी.मारेश । प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया न्य निश्वा स्थान व्याप्त स्थान स्था मार्थका मार्थका हिन्द्रमार्थका । हिन्द्रमार्थका पार्थका नार्थका नार्यका नार्थका नार्थका नार्थका नार्थका नार्थका नार्थका नार्थका नार्यका नार्य सिनास नार्र हो - पहाँसस प्राध्म पक्त पक्त प्राध्म पक्त प्राध्म प्राध्म

स्रीता स्वारा वाक्ष्य वाक्ष्य हो। या वाक्ष्य वाक्ष वाक्ष वाक्ष वाक्ष वाक्ष वाक्ष वाक्ष वाक्ष्य वाक्ष भु.प्त.श्.चश्रिश वार्थाते। ते.चार्ट.चढुवा व्हि.च.चक्रेश्रा (बु.झेच.प्र.चा.श्रूप चूट.ते। स्त्रूप चूट.ते। स्त्रूप चूट.ते। स्त्रूप चूट.ते। स्त्रूप चूट.ते। मर्च इ.चाश्रम (श्रूच श्रूच छ.चश्रम स्त्रा) । इ.चचीट इ.चीशा ट्रेट हें ट्रेट हैंट. की मान्द्र नह मानुन नहीं महा वहार मा निया । भन भना नि । भन नि दि । भन निया दि ।

दशःमदर् लूट.वी.मकेश ग्रे.लूट मकेश लय.लम.कू.मधर.ल.प्रैस.स्र्री । न्याचर् लूट.वी.मकेश ग्रेस.ल.पडी.वी.लय.लम.चे.मधर.ल.पीय ।म्या.ल.पडी. र्ट. केर. चोके श. ख्रा । इ. जांबा क्षा चाक्षा चाक् सं.िमदा.चीके श स्. इ.कि। लय. जच जा.केंद्रा. इ.के. इ.च खु. चैचा. क इ.च शिक्ष प्रकृश् । हि स्थाराम्य मार्थ स्था मार्य स्था मार्थ स्था मार्थ स्था मार्थ स्था मार्थ स्था मार्थ स्था मार्थ स्था मार्य स्था मार्थ स्थ निष्ठ की | दिस्मश्रम निर्मिश यदे सुना म हैश नक्ष प्रति के देव निर्मिश परि । से समश्र मानर । निष्ठ मान प्रति समश्रम निर्मिश यदे सुना म हैश नक्ष परि के देव निर्मिश परि । से समश्र मानर । भन्य सु नार्देर छ र नार्देर छेर दी । नार्देर छेर हेस य स सर्देर कु स नाहिस की र दी है।

सर्-रम्बन्दी न्रे म हिर्मित सिक्ष प्राप्त गाव गाव प्राप्त मा सिक्ष मा निवन मी सिक्रि है। केस मीटश. हता तो चेत्रु : स्थित मीटश. हता प्रस्ता प्रस्ता प्रस्ता माडेव मू त्र. हता माडेव मू त्र. हता माडेव मू त्र. हुं बंश चीटशाहुं अप्ते अप स्टांस वाच्ये र हिं वह स्टांस वाच्ये र है। म श्रुम में श्रुम माश्रुम ति हो। ति मिल्लिस स सर्वत केन स्वर् हिन सर के ता के तो यन गान सर्वत हैन सर हिन सर है यानशियान्य के सम्बुक्त स्त्री में स्त्रिक्त में प्राप्त स्वर्ण स प्रस्थान्ते हुन्त् । । नावर लट्निक्स हुट्त् न्यान्य न्याय्य न मुद्दादसः नासुसः दु देसः च दृदा। व र्हेदः नासुस। हैदः वना नासुस। अस र्हेसः नासुसः नु देश पर्दे हुँद में। वि न नादश देश पाना श्रुंस नु कि न में में स्थाप कि नम्म सेन हैं न र्जि दी। में देश ने वह ब्रिंग्य के कुट दि माद्य सह कुट मीय देश है। त्रामाश्वदश्या इनासः द्वदः नी वर् देशः कं माद माहेश्या स्विन यर वेर् पशः भेरस की विभागत के वर्षा स्वर्ध के वर्ष के वर्षा स्वर्ध के वर्ष स्वर्ध स्वर्ध के वर्ष स्वर्ध के वर्य स्वर्ध स्वर्ध के वर्ष स्वर्ध स्वर्ध के वर्य स्वर्ध स्वर्ध के वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर

स्रिश्चान्त्र-पर्वेद्रा वर्णात स्रिट्ट वर्षेद्रा हिंद रहान्दर्वेदा वर्णात स्रिट वर् सर वश रह ग्रें श्रेंश पर्यो । श्रिमेश व हे में दश हैं वश है वश हैं वश है वश हैं हैं वश ल. श्रुर. रे. मूर्य. य. हे. ह्र्यश्चर देरा। अधिश य. क्ष. ये. दे वर विष्टार्या पर्हार था वर स्था कुं प्रशादन है स्वर्ष के स्वरं नु हैं से वर्षे विष्या विकास के से विकास के स्वरं के स्वरं के स्वरं के स्वरं के सवतःसः ह्रेंसः वर्षे । १ इर ह्यः सिंधः वर्णनान् नाह्यसः वर्णेः दे वर्णना वर्षे हुरः तर ने र्रेट तर । विश्व प्रत्र ने रे ते विश्व प्रत्र ने रे ते विश्व प्रत्र ने रे ते विश्व प्रत्य के ते विश्व के ते नाबक्तः निर्दा विन्ताने स्थाने स्थान हे**र र**टा। यर जाय हिंदा यर जाय प्रतिहर होर रहा। यर जाय प्रतिहर होर रहा। यर जाय के का होर रहा। यर जाय के का होर रहा वर जाय के का होर रहा वर जाय के का होर रहा होर रहा वर जाय के का होर रहा होर रहा वर जाय के का होर रहा है रहा है रहा होर रहा है र ने केन सदम ने नाम मार्थ पर्य देश प्रमा । विश्व संग्रा केना नाम के में केन निष्य में नेपा वर् खुर बुद्य दे साम्बुझ र्चे ने कम्बामव्य प्रहेम मासुस मी ह या भेव वा समिद्यान्तर गाव गार्थ सार्थ है दे दे सरमा दे हैं है र कवाया है वा की प्राप्त दे दे हैं दे सरमा दे हैं वा से सार्थ हैं का स्थान है का स्था है का स्थान है क सदै मि मिना जा नहेन नहा सरका ने क्यान नहीं वि. व. वीर व वीर मिना नि ना श्री सार्च ने ना वीर ना वीर ने ना व नुरक्षायर तर्म प्रमा सहमा महामा महाम महामा महाम महामा महाम महामा महाम महामा महाम महामा महाम महा न्येर.व.चूट.टेच.व्य.चू.डूय.चट.वट्रा ।डे.ह्.हेर.वट.वा टेच.ड्रंय.क्य.क्य.च्य. नालकः त्यानाकेर् जार नेना जीर नर त्या श्रीका राते श्रीका त्रती हो ता त्या के ता त्या निका सामि हा ता त्या । दे ला सुदासिक्षाचर ग्राम्ब्रुम मु द्वदाम्ब्राम्बर्गामु स्टान्बिक्सी न्वेना प्रकारेनास वर्ष र त्नुरःहै। देःस्टिःक्ररःत्नुरःव। तिःस्निन्नक्रियःस क्रुटः सिक्षियः पर्नाव वर्षः के केटः

र्टा। श्रामान्यान्त्राच्याः प्रते पुषाः सर्वे । स्यान्त्राः स्यान् पर्वेट.च लका रेट्र.रेंब श्र.प्रेट पुंका के चर मिर.व रट.चढ्रे किट च.हे. प्रेट.च. मूर.प्रेचीरा (रे.चब्रे टे.सब्दश्ताता) मधिशातात्वशाकुर्यात्व पद्मारात्व पद्मारात्व मधिशात्व भूपात्व भूपात्व भूपात्व भूपात्व न्त्रण्युः त्व के केर प्रत्युष्ठ स्व केर केर प्रत्युष्ट स्व केर प्रत्युष्ट स्व केर प्रत्युष्ट स्व केर स्व केर प्रत्युष्ट स्व केर स्व ন্মস্থান্থ ক্র'ম। মন্ত্রিগ্রান্থ ক্রেন্স্রেল বর্ষ ক্রিন্সের্মিগ্রাণী স্ক্রান্ত্রী। माध्य हो । हो दें र दुय है। दे महित से नदे हें दे हैं है है सामा त्या हों मा नशिक्ष.मुक्ष.हिंब.हा विद्यासम्बद्धाः यर नशिक्ष मी रहा च लेब चरेब.हे. परीक्र. य.हे. चलुब ही में दें र अर वर्ष र त्युर या हें व अर नहां र व्युर दें । दे अर हिर में र र वर्ष र स्त्र म्याप्त स्त्र क्षेत्र क्षेत् ग्रीट. ट्रेश. शं. प्रश्च. प्रश्च वार्ता । क्षेश्र. प्रामश्चिमा मध्या प्रश्चेता प्रश्चेता स्थे हुर् अंश. ता. श्री के प्राचा के प्राच के प्राचा के प्राचा के प्राचा के प्राचा के प्राचा के प्राचा के क्षेट.चं.रेट कु.च.चोर्था.गु.लेश कूर्डी सर्-नर चोश्रिया है वर्ष (श्वेट.सम्बर्धाय-वर्गाय-चोश्रियः रट. विट. तट महेशा है. ज. मशिशा है. त. सर. क्षेट्र. मी. महिशा पट्टे. जश है. प्राप्त क्षेट्र. मी. महिशा पट्टे. पर महिशा पट्टे.

उदः २इः वः ५६ः। सद्दर्शः महाराष्ट्रः हुदः ५वरः यः ५६ः। म्बर्शः तर्रः ख्र्-पर् ः चर्षः ख्रेशः ख्रां शः ख्र्-पानाश्वः च्रिः श्रुं हर् हे। च्रे-प्रम वृ ः प्रम व्यक्तः व्यव्यव्यव्यक्तः व्यव्यवः व्यव्यवः व्यव्यवः व्यव्यवः व्यव्यवः व्यव्यवः व्यव्यवः व्यव्यवः

प्रहानान्या न्या क्षेत्राचात्रा स्वात्राच्या । चैत्र प्रस्त के मि सिना प्रचेत न देर। इंस यः दर्ग सरमः न विकास के स्वास के |मिन्निश याष्ट्राम् तायाः नावस द्वाः नुदाः नुदाः नावस्यः नावस्यः निवसः निवसः निवसः निवसः निवसः निवसः निवसः निवस बै.रट.भ बेपु यर.स्.यपु. बटश.क्चेश.ग्री.प्चे.ची.मी.मी.भी.भग्न.पच्चे.स्त्र.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.से.पच्चे.स वै अस १६ न न्दा १८ रूप से मास १९ रूप १८ । सम्मान सर्द्य नहीं र . ज. सूर्य श. शमिश. त होता. स. चले. त् रंशश. मी हेर. येश वंश. हें वंश. वंशे रे. चंते मूर्य श. समिश्राय सर्दश्रायश्चराते न्यास्य पश्चर सक्षेत्र या नानश्या निर्वेश स्वास क्षेत्र में स्वास स्वा प्रमुद्र। सिना रसर वर प्रमुद्ध न होनाहा नहिते नहिते रहार होने हो । तर मोर्स हंस सूचार कुर्य मोर्स कुर्य मोर्स कुर्य मोर्स हंस हो। याद्य प्राप्त साम स्था मार्स होता मार्स सूचा म ८५ गाव खाया पावस ५८ छिद यस महिसामहिसामि यह गाव हेव छिद सारा मानस क्ते प्रशा सुरा मुन नन नक्ष क्षय न्या नक्ष क्षय न्या नक्ष में में निर्मा निर्मा से निर्म से निर्मा से निर् नेंद्राक्षा लुद्दे स्व व्यामान्या लेस स्वास क्रिना माहेय गुरा मेंद्र है। वद्गान स्नाम से नेद्रा मान्य से ने च लुदे निद्यं व त य निद्या चेर लक्ष चेर लक्ष के अश्र में मास मार चेर री निर्माद स्ट निर्केर नाम र किर निर्हेश पर में प्रेर नि पर मान सा नुरायस दे रहर म वास्वाया पर हे हैंर पर नुर हो । हिंस नुर हेश प्रथा हैं से नीर

ने प्यटानादश सामने वा नुसादश। ने ने वसादनटार्स व्याने ते खुनारकर नस के सामर ने ने नि मन गान २ में न खेब र सेंग्स केंग माहे स गुरेस हें न न गान पर में न सेंग में न में न में न में न में न में न में क्रेंनासःभ्रेन गुनः यःनादश्वत्य। होनः यस देः क्रेंनासः भ्रेना गुदः यह होने हो न जुनः चन्द्रत्त्व । हित व। धराव। मूटाव। श्वा स्वा न्यं न्यं न्यं न्यं न्यं न्यं। न्यं न्यं। न्यं न्यं। यान्दर तर्द्रो । देते ने ना सं व ने साव है । सर त्रेर वा से हुन। यन साम हुन श्च-सामास्यावसाहना हु वर्गेरासी वर्रेता त्रांच श्चीताव त्रांच श्चीतासाम श्वीतासाहितसा द्रम्थःश्चान्द्रित्तःश्चर्मा प्रसुते स्त्रं श्वापः प्रमुतः स्त्रं स्त्र या.हो। देप. देचाहा.ही. वह या होता. या कर्ने स्वर्धा । त्रिष्ठ स्वर्धा । त्रिक्ष स्वर्धा स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य हनास से बर में साम विया सेना महर विया वि.मा.सं.स्ट्र सं.पहन में रिटम. पाने स्ट. में बर् के के के माने स्वार्ध स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार लेंद्र न्द्र वर के वहर दासकर वस नवर वस लेंद्र नहेंस नवस निर्मा लेंद्र नहेंस नवस निर्मा निर्मा

[ 명리 멋리 디자 42. 보체적 월수. 디즈 급수. 용화. 디즈 등 호텔 다니는 일 1 기회적 디어는 일 1 기회자 리스 등 일 1 기회자 리스 र्कं नुभ माद दुभ कर दुभ ना युम लिस स्निम हैं ना ना सुम नी स र्हे के देते । प्रति ना निर्मा निर्मा के स्मिन निर्मा मिर्देश कं नदे 'तुश भेषा न्युश क्षेत्र 'त्युश क्षेत्र 'त्युश क्षेत्र 'त्युश क्षेत्र 'त्ये कष्टे क्षेत्र 'त्ये कष्टे क्षेत्र 'त्ये कष्टे कष् नियः में मू नियम से प्राप्त से कि से से कि से क न्तर मं दे सेन मन्तर है है सियर है है अर है है । महिनस है है है है में है है में है से महिन से हैं इंश. ट्रे. श. पश्चिम श. प्राया मार्थिस है रसर् य ल्या है श. हों स ह स. सी हम स. थ. में य. त. य. प्रमं त्रा । भूम. मुश्रामा हमार य. पश्रमः चन्य य। व नशः म्राप्ता चंत्र.कृर.अर.च। हैंश ट्रे.ज.चंश्र क्र.चहैंश.च। हैंश र्रा लेश ग्रे.ट्रच वि देशश. स्य । अत्र ग्रीशान्त ह्व मं मुन्दा महित्र स्वार्थ । स्वार्थ स लश्च. तथ्य. तथ्य. तथ्य. तथ्य स्था तथ्य । विष्ट स्था (लट ) ने त्यः श्व तत्र तथ्य तथ्य न्यत्य न्यत्य न्यत्य । विष्ट स्था तथ्य । विष्ट स्था (लट ) ने त्यः श्व त्यत्य न्यत्य न्यत्य न्यत्य न्यत्य । विष्ट स्था तथ्य । विष्य स्था तथ्य । विष्ट स्था तथ्य । विष्य स्था तथ्य । विष्ट स्था तथ्य । विष्ट स्था तथ्य । विष्य स्था तथ्य । विष्य स्था तथ्य । (य:भूरे व) नर्ति वशाप्टिया च.र्षेया तपुर्वे स्थाप्टिया विवाधा प्रयोग प्रवृत्त क्षा प्रत्ये स्थापि । विवाधा प्रयोग प्रवृत्त क्षा प्रत्ये ।

स च हो। ने नब निया होने प्रम निया होने प्रम हो स्ट प्रमा स्था स्था होने प्रम होने प्र स्ति य देटा। त्रिश्च स्ति है ट्राट्स (चश्च स्ति है ता.) में हिंद चरा चश्च स्ति चर्टा न हैं र प्रत्। विद्या अस्ति । विद्या स्था । विद्या स्था के त्या प्रत्य का स्था के त्या प्रत्य । विद्या स्था । विद्या यइयःश्रेमध मोर्वि श्रेमधः त्र्वा सः नाश्चमः स्मार्थमध ग्रीः त्र्वा श्रेमः है। रे स्ट सुर त्र्य त्र्वा स्प्रीः नाश्चमः रमर झेना ल्या नश वर की भी मकुर दे प्रकार है। यह मी र मा के र म यहेंब.स.ची पार्श्चा.जिट ढुं.चाशिकामी टेट.ह् त् हु टेश ढ़ेश.श्चांत.ट्री पार्श्च केंट ढ़े. यत्र कुं न्द्रा व्यक्ष म् न्द्र विक्र कुं निक्र कु हैं.च.ब्रा.ल्ट्.तांट्र्.)ल्ट्र.ला पट्ट.पट्ट्रियाता से परास्त्राचेश्व. प्रत्ये क्षेत्र.ला पट्ट.यांट्रियाता पट्ट्रियाता पट्ट.यांट्रियाता पट्ट.यांट्रियाता पट्ट.यांट्रियाता पट्ट.यांट्रियाता पट्ट्रियाता पट्ट.यांट्रियाता पट्ट्रियाता पट्ट्रिया पट्ट्रियाता पट्ट्रिया पट्ट्रियाता पट्ट्र्या पट्ट्र्र्या पट्ट्र्या पट्ट्र्र्या पट्ट्र्या पट्ट्र्य खे. १ ट्र्न्, चुव्न, से क्रिंट, चेट्र चुर्न, से चर्न, से श्च.बेंब्य.तर.देत्र.वेंबा.बी.लट्.(ट्र्यका.सर्च्।सववात्तर्यु.ठ्र्चा.वें.) ध्व.स्ती.वेंबा श्ची.वेंबा श्वीट रट वाव्या शि... पक्षता. हिरा तरा ही नार्या प्रति । हिरा प्रति । विष्य प्रति । विषय । र्वेश्वर्म्यश्चर्ष्यः भक्ष्यः निर्मान्यः निर्मान्यः निर्मान्यः मिर्मान्यः निर्मान्यः मिर्मान्यः मिरमान्यः मिरमान्य

पर्नर मध्या कुंचाय नाष्ट्रमानु केंद्र यथा हो दायमाय यास्य पर हो नामे हो । भारता या ने श्रुम हे यह व सक्षित याना ग्रमा स्टाल नहें है। हे. त्रिक्ष हैं श्रम् नहें महिन्य महिन्य नहें हैं। यह स्टिंग यह र्रे.चर वर्षि च वर्षेत्र। व्हेंस.चर्यः वैंश.चर्यः चेंच्यः चर्यः वेंद्रः चर्यः वेंद्रः चर्यः वेंद्रः चर्यः राप्रे ट्र.भ:भ:वा टिर्मि. व. चश्चिम.च वश्चेद.वैद्या श्रीम.च व क्रू. व. श्रीम.च व व क्र. व. श्रीम.च व व व क्र. नवे गानक्किन बुधार्था) । ने याद्व नधानक्किन व से य नधारम् निवेष न देनाय है। लीज.रेश.रू.वेश. ल्रेंच व वश्याच सेर् मा वश्याच ल्रेंच सेर्चेंच सेर्चें लेंग लिश.एच.मी.श्रुर.च देशक.ज.ट्र.चश चश्चेर.किटा। जाताचश्चमाचश्चर सम् मार्चर प्राप्त सम् पक्षेत्राचार्ने सेर्पान कं चार्ट स्राह्मा के सबुद स्वित्र महिना पुरस् पक्ष सिन्न चार्या प्राप्त महिना प्राप्त क्षे न दिने भूपका हु। रिये नालक दना या नाउँना का सक्क सु प्रदे प्रदेश हुए हु। रि स्टान्त्रिन्त्रोते । हिन्द्र क्ष्या प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्ष्या प्राप्त प् चर् गार् मार्शना सः लि चर मु दी की की की की की कार नहें चर नहें चर से चर से मार्थ नहें नि

र्शेना यर हिर्दे . रे.लट हैना गा वर गव ही हैं वें रट मधिव हैं ने स्था है हों वर है. याद्रात्मियार् वस्य वर्षे वर्षे त्यात् स्थात् स्यात् स्थात् स्यात् स्थात् स्थात स्वासुन्यः के त्येव क्ष्यं पर ने देश प्राप्तः विश्व क्ष्यं क्ष्यं प्राप्तः विश्व क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्षयं क द्येर हो । पश्चिम वर्षे स्मर्पर हे बत्सा कं वर्ष कर वर्ष वर्ष वर्ष मान के विवास वर्षे व वसःस्ट वर में पर्ना । हुन सेनास वै। हुन 7 नार्भ तुना नु स्व ड द न न न न ने नो ने दें सु न स न हैन न ने स स्व न स न न से बीक्षाय रटामी नाक्षाक्षेत्र सक्ष्य कर्म स्थित सक्ष्य प्रदेश सक्ष्य प्रदेश स्थित सक्ष्य स्थित सक्ष्य स्थित सक्ष सिम्बार रटामी नाक्षाक्षेत्र सक्ष्य स्थित सक्ष्य स्थित सक्ष्य सक्ष्य सक्ष्य सक्ष्य सक्ष्य स्थित सक्ष्य स्थित स चर्'म्ब'अट चर्'म्ब'रट'मी म्बस्सुहेट'म्'अब'द्या र्टश्रासान कुला चार्श्चा.त.ही प्राचित्राचर्रा । द्रिय हेनास है स्ट्रिट प्रमुद्दा वर् नार्स्ता चर् ने स्वास है स्वास है स्वास है स्वास है स्व हैस च नास्त्र मात्रस है प्रस्ता ने की मुंद्दा वर् नार्स्त की दि स्वास है स्वास ह 5र वर्रेर या हो। दे त्य कुट मार्शना पर्ये हमाश है देर पड़र पर्रेर। अहिश पर्ये हमाश हु यश्चित्र वर्षेत्र वर्णा वर्णा क्षेत्र स्थित हिर्देश वर्षे । व्यवस्थित वर्षेत्र वर्षे र्वेट. २८. चेर्था शि. प्रस्ति व त. प्रे. जटश. रेश. पर् चेर शिष्ठ तर्व. चेर्थ शि प्रत्रे. त. रेट. । यःरदःनात्रस सुःनसन्।सःयःनेःसदसःतस्यःयन् श्रुदःमो नात्रसःसुःदम् वान्तः। याने त्याद्य व्याक्ति समिशाणे नार्य शि तर्जे व है त्यूने तद् त्यान दे त्यूने तद् । व्यूने तद् पश रें . बिनास राज्रा । प्रें र. प्रदश र. प्रास्त्रा इ. केर. प्रविद् था धिर. अप्रिश पर गर माश्रुम्भास्य स्टान्य व्यवस्थान नेते न्वास हेर्न यर छेत नवि ।ले नवि दि वे हेर् म्द्रम् वर्गम् स्थान्य स्थान्य वर्गम् वर्गम्यम् वर्गम् वर्गम्यम् वर्गम् वर्गम्यम् वर्गम्यम्यम्यम् वर्यम्यम् वर्गम् वर्गम् वर्गम् वर्गम् वर्गम् वर्गम् वर्गम् न्दः वै। नुसः वै: स्वानः की स्वानः वि: स्वानः वि: निसंनाः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्व नित्रः स्वानः स्वान 

रत्मी तिशा अश्चर् हैं र जम्मी थ. मध्तिशाना लाट हिन ही मालू चर्डर ही या स मुद्र नार्शन सर मेर था द्रिनि रेष की सम् सर्देश सम सर देर है से मेर ही 1535 मी दर वैदः नश्च किंद्र नश्चाश्वः नः ने किंद्र नरः ने दे ते । हिंद्र नी देश शिक्षः ता स्वाश मी व सञ्चरसः निः नश्चा स्वाधः निः नश्चरः नः ने विद्यः निः निः नश्चरः निः नश्चरः निः नश्चरः नश्चर तर। ब्रिंश के ट्रें रह्म. पर्य मिर्ट क्रिंग पर के. पर र मीर हा । सिर्मिश पर्द क्ष. थे। न्त्र मुद्द वस झेर हिंद् लम.मी.रेवः ग्रेस रसंग १८.रे.माश्चा क्ट.खे च ठ मैट.च.ल्रं.त.पुर.तर.मेश्चा । छरपर के क्षेट के बाला मर्नर के अपने कि प्राप्त के प्राप्त कि पर के कि पर के कि के कि के कि के कि के कि के कि के श्र्मा मिर तर मोरेश हिस हिर पर। वित हिर तर में में में अप्तान कर में अप्तान कर के स्वास के में का के स्वास के स्वास के में का के स्वास के स्वास के स्वास के सम्बास के स्वास के प्रसिन्द्रम्भुग्रायाक्ष्याप्त्रम् व्यक्ष्याच्याप्ता व्यक्ष्याप्ता व्यक्ष्या व्यक्ष्य व्यवक्ष्या व्यक्ष्या व्यक्ष्या व्यक्ष्य व्यवक्ष्य व्यवक्ष्या व्यक्ष्य व्यवक्ष्य व्यवक्षय व्यवक्ष्य व्यवक्ष्य व्यवक्ष्य व्यवक्ष्य व्यवक्षय व्यवक्षय व्यवक्य व्यवक्षय व्यवक्य व्यवक्य व्यवक्षय व्यवक्षय व्यवक्षय व्यवक्यवक्षय व्यवक्यवक्य व्यवक्य व्

 स्था ।
 स्वाद्य ।
 स्वाद चढर स.चरेट चर कि अश ला चरेट चरेट। च मुंश भूष श्रीच च ल श्वांश दंदु विर चणाना. चलचारा स्थ्रीं चर होते. वर्षे श्रुम: मध्रि: द्रन्य व त्र स्नाय: स्नि म नहेश र्ये रेते है। दे र मध्य मु मुख नद मार नश्मिय व रेते नर होर पद लेश स्वास में में हिया ।रे रच पहेंश पस सम र दिया पर तिया है। वै सव पर्व स्र मार के वे है। हेस मासुस मीस महिस होंद यदे के तरे साम प्रमाय सम्पर्व वर्ष होंद त्या र्शेन्स मेनुरी सर्वन सकत् तुस मान्दान सूर हरारी । वदा की की नहीं माहे विद्व द्वी यरे बुश न पर हो। रू । । लेखे न खेर न के न हम हैं पर न हम हो। र न स र हिंदि । क्य प्रचीर बर भीत महत्त ने हो । वर क्रिश्च क्या प्रचीर वर क्षेत्र प्रचा क्या क्षेत्र प्रचा क्षेत्र प्रचा क्षेत्र प्रचा क्षेत्र क्षेत् त्यः विते 'ख्य के नामें र वि बद्यान्दः है स वहते। ।(सन्य 'त के पते नवे नद सुन।) त्येवः दर नार्या पर ने प तथे । पर ने प्राये में र ही रूप में र ने स्थित वही धर्तः तथाः नार्बेर छेर ल स्वा नश्चार्य नार्बेर चि नि पड़ियान रे लश्च न्याश पर (वर पड़िया यर निया में प्राप्त विया में प्राप्त विया में प्राप्त के मे में प्राप्त के में प्रा यर प्रभूत व है। दे व वर रिष्ण स्त्रुव अश्रुव अश्रुव वहर हे सार्श्य वास हिंदा नित्र में से दे हैं। हे हिर मुेंब नहें स हे स त ति विश्व स देश हिर स देर हैं स स नो बेर पर हेर य दे में स पर प्रति व वर्ष 수다. 한 · 보임 4. 다궁. 크의 ① · 다르는 · 용치 수 · 씨는 · 월드 · 수 · 다른 한 · 처임 4. 다구 · 크리 · 는 나나나는 !

वैश च. भ्रीच.ज लट.च. ब्र्य.चर्.चंटश.अ. ने ब्रिट. चिन चेन की. चोब्रेंचे वे चे व्या ही. ची चे व्या शी. हे बहा हो। है बहा हैंया हे बहा हहा सर प्रें । हे बहा हिना हु वहा हिन हैं ट्यूं न ता रिट्ड स सिना ने कूत्र. मेट नि. च. र्लेंट शे शे शे में च देश व हिंद ही रे. नर. ही रे. नर. तर कर उंगर मा देश तर्थ स्थित मार्थ से सिंग्य तर्थ से प्रेंट पक्षेत्र पर से प्रेंट से सिंग्य प्रेंट सिंग्य प्रेंट से सिंग्य प्रेंट सिंग्य सिंग् मिंदि ही पर्य में सबेरे लंद र दा। विमादे विश्व राष्ट्रिय में मिंदश लूब र दर। हैंद्र लग्न. क्दि: मिन्ने य रे वहाँ भ यहां नियेर व वम समित या श्रीव बर्मा वस कर विवा हिंद. देश नर नेरश ही रहा में वर होते चंद्र विश्वमाश न दे.स.स्ट हिंद है है है. स्रिया स्रिया मारे नहें विष्ठ मिले । ये नहें विष्ठ मिले । ये नहें मिले प्रिया मिले प्रिय मिले प्रिया मिले प्रिय मिले प्रिया मिले प्रिय पर्के हें हु इस यदे बस की दाना से हैं सिहिस परे ना स्था हिना में 'चु ना र हिन (यरे 'दुस देर') हं ना रे अप्रिस नदे नाइस प्रेन य परि नुसातु नादे हैं एसिस य महिन यदि हैं र समानुसाय दिस्साय र समित्र यः मान्यस्य हा त्येय लेट स्वा प्यमः होन् हे । हे । स्वा स्वा प्रमे होन् प्रमे होन् प्रमे होन् प्रमे हान वसनास च दे खार वर वनुर र्गे । १८६४ स देश हुर ८८ वर गाव में गावस से हो ने व पर र सम्बद्धाः सद्धः मुद्दाः सम्बद्धाः सद्द्वाः सद्दाः स्त्रः स र् रटर पर्टा वर्षा व क्षे प्रस्था मी बस ब्रेस प्रदे रटस स व क्षेत्र मिर रटि मि प्रदे मानस्स स ह्मेच हिंद कवाश यद वु न दे इसस नद गाव की नवस धेव य दर। देने दुस हु यद गाव यह हिंदे . त्र हैं र.जम.वेश.व ४ हूं भ वश वर.येथ.बी.चेश.रेर वर.येथ.हीर इट.श्र्म वर.वेर.जो वसर. याने निम्म निम निम्म निम प्रह्मालः नास्ने स्टा के वेशास्त्र । । ने स्य मह्य वा सामा ता ही वा ने स्वर्थ वा सामा ता ही वा ने स्वर्थ वा सामा ता ही वा ने सामा ता हो सामा ता है साम त्वव च'रे'अर हीर पर्वं वंश (हिंबाहा) प्रवाय वंदे हैं। वर्णार पर्वं या हीर महिंव। स्वायार्स्यान्यं ।मुदायायदार्स्यास्यास्य स्ट हेर्पर्या ।पह्नासं वे। स्य देव बिवाय वस पर् सुर प्रीट प्री

शुर राष्ट्र. वर्ट. वर्ट्रा १४८. की. चार्य राष्ट्र स्था में वर्ष्य स्था । श्री वर्ष्य स्था । श्री वर्ष्य स्था । बु हु न सब कर देश रा हिंदा में नायश प्रवासा के हिंदा में नदेश सिन हैं या सिन हैं या सिन हैं या सिन हैं या सिन हैं यदी नामका प्रेंग केंद्र ना प्रम निष्म त्र स्रोत्त प्रेर नार्ट ने ने ने नार्थ स्राप्त स्राप्त स्राप्त ने नार्थ स्राप्त स्र स्राप्त स्राप्त स्र स्राप्त स्र स्राप्त स ची.रट. इ. च.र्टीच हीं ... चार्ट्या. चर.पार. ही वारश हा विर.चर. ही सीर प्राप्ट र चीरश हा । अप्तिश. च्यूट. रे. चहीर तर् ही ची. चारश हो। हीं सीर प्राप्ट र चीरश हा। विर.चर. हीं सीर प्राप्ट र चीरश हो। विर.चर. हीं सीर चीरश हो। हीं सीर चीरश हो। हीं सीर चीरश हो। हीं सीर चीरश हो। हीं सीर हीं विषय हैं। पत्र मान्य है। अप्तिय नान्य है। प देश से नाय हैन नासुय ही स हेन है। है। पर पर स्.च.र्टाचिवा रट.देज.रट र अ.स.रट.के श्रेर रेट भ्रुच.रट रचा स च चमेर.ज.चारेस च जसी क्षिर. तर बे. रेट स बेंद्र, यर ब चारेशा वर में र ही. चेरश हो वर मेर बेश त स स्चेश सरे हैंना ना है का मुक्त हैंव है। नर गाव मी नावक है। नर हिं समाय पर हिं नर । यर.म्री.मोथश.श्र्रा टि.संर.कि कि त् ट्रे ध्यश मी.पट्र अध.पड्र के बुध.पे हो। ध्य.तर. ध्य.मीर.मी.मीथश.श्र्रा टि.संर.कि कि त् ट्रे ध्यश मीट पि.कि.हीयु. मारश श्र्रा । भाषियु.श.विट. ब्रैर वे.बु.चा <u>क्र्</u>चर अश्मूस ब्रे.ट्र्स ्त्र् बे.च्या प्रेस प्र नुर्रा वि. नर्. नेबस लेश हुई. होर नि. वि. के निया मार्या है वि. हे निया

र्ने.ब.र में चे नवर में र वर हुत नवर में र वर म त्येय नाशुक्र हे र्नुति । अर् पर् यश में स्नि पर वरे । दि य त्येय परी वर प्रीह तात क्षेत्र के ने क्षेत्र क्षेत क्र-१८- नहीं हा । हे.ल क्रेंब.च रू.वर.ल लट उद्यंत्र.च.रे मी । वर.च.रमी.हे.चह चमीर. प्रदेश में से साम हो से साम हो से साम हो से साम हो साम हम त्रस्य दे सेचा.तर.पंतुमाय चारेशा यर सिंह त्याकेश संबंद य चाडुचा.पा.चर पोष.पंतुमा सिंह त्या प्रतिमा सिंह त्या चाडुचा.पा.चर पोष.पंतुमा सिंह त्या चाडुचा.पंतुमा सिंह त्या चाडुचा.पा.चर पोष.पंतुमा सिंह त्या चाडुचा.पा.चर पा.चर चाडुचा.पा.चर चाडुचा.पा.चर चाडुचा.पा.चर चाडुचा.पा.चर चाडुचा.चर चाडुचा.चर चाडुचा.पा.चर चाडुचा.चर च क्र-क्षिश्य-प्रमुख्य । विर्यं ने क्ष्य पर्या । विर्यं पर्या । विर्यं पर प्रमुख्य प्रमुख्य विराधिक । विर्यं पर प्रमुख्य प्रमुख्य पर प्रमुख्य प्रमुख्य पर प्रमुख्य प्र म् वार्यात्रीत वार्यम ने मुंद्र व ने वार्या विद्यात्र वार्यम वार्यम वार्यात्र वार्यम व

मक्न दित्रक्षा न्द्र। बिट्ट प्रक्रिंग न्द्रमा समिश्य स्वासक्न निर्देश त्येय कुटः बर् यं प्रतः । अधिश या अकृत्रा कुटा यस्ये या यर गात्र बर् या पर माहेश। ग्राम्भ्रम ह्यु त्र त्र व्यो सहिस य बर्प प्राप्त वर्ष ग्राम्भ्रम हिसाय द्रवीया हिंदा बर्प या प्राप्त मार्डिश हे तुंनों में ।माडिमा अर बका मार्डिश तक त्यारे। में क्षेना यर द वहका हा त्य तुना हो। स्वियः वर्ष सिक्षः तथे सामा वर्ष सिक्षः मान्यः सिक्षः सिक् र प्रश्न में हिंच, त्र में में पहुं नकी रें। पहुं श्रा प्रश्न प्रहें माड़ेश रें हैं माड़िया । में द र प्रमेश मन् पर्देश यद वह निहेश है। हुर देव वह दर्ष वा वह वह वा निर्देश हैं र वह हैं। सम्ब्रिशः तर्रः स्वाद्धः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः नर.पार.की.चारस.श्र.खेचात्र.ता सम्बद्धा.ता.खेचात्र.ता चाकेश.पा.खेचात्र.त.र..चाश्रीश.हे.रचीर्रा।

पार, दे. जून, न देर । ने अक्षा प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प् ल्चा.त रेटा। क्रिट टे.ल्चा.त.रेटा। चार्थश.पार.ल्चा.त.रेट.चार्शका वट.पार छ. न्। भारता व न्या व न्या प्रता प्रता व्या मार्थिया वसाम्या म्या व न्या व न्या व न्या व न्या व न्या व चर प्रव.मी चे अस सूचिय वस सिंह रह उसन मार्टा असिसानायसा स्टान है हा प्रस् मार्टेस मार्टिस मार रट. पर्वा च नाश्वमा नर गार मीय क्रिया मार्थ क्रिया साम्राथ सम्माय स्था हिर तर ह लूर हु था रि. च रट. चेथ्य. चेथ. खें क्षे. पर्ये क्षे. परेश की लूर. च रे. क्षे. च रे. का लूर. च र चक्की त्रास्त्र स्वाहुची चाहु च पूर्टी चत्र्या विश्व चिहु स्वाहु मुर्थे. पश्च मोश्चरा ताता सक्य विश्व चर्षे. पश्च चर्षे. पश्च चर्षे. पश्च चर्षे. विश्व चरे. विश्व चर्षे. विश्व चर्षे. विश्व चर्षे. विश्व चर्षे. विश्व चर्षे. विश्व चर्षे. विश्व चर्ये. विश्व चर्ये. विश्व चर्ये. विश्व चर्ये. विश्व चर्ये. विश्व चर्ये. विश्व चरे. विश्व चरे. विश्व चर्ये. विश्व चर्ये. विश्व चर्ये. विश्व चर्ये. विश्व चर्ये. विश्व चरे. हे. सब चिड्डर वही है. स.चजुर चिहुच रचुर रचुर रचुर रचु छहा होना ह हैं जा नहिना मीहर र्बेष है। रमुष क्रिंट है स केंश वर्जु स स्वीत व रिनुस् वह नहीं स स्वीत । वर्ष वर्जु र स नी नमीर जा हुं मा तर् । । इ. ला र मीर की रिवेश के रेचीर मि त्या हुं समीर जा । इ. सीर मीर मि तर् जा । इ. सीर मीर मि तर् जा । इ. सीर मि तर मि रवुश ने रवुर त्र त्र वेद वे वा वहें वे वा वहें वे वा त्र वेद त्र त्र वेद वा वा वा विवास वा विवास वा विवास वा व च्र- पहेरी । है स स्वा वस नुस नासुस त व निवर नु है स है वि न निवर ने की हैं.चैट रे.उ.चें चट्र होर भाषी वियानशिभानशिभानशिभानशि के.भार्जेन्,वशाक्षानानशिभा

त्र वह मिल्ट्र प्राप्त के प्रमाने में के स्थान दर्जे व. थ. थे थ हु है । चड़िश होर चड़िश ने नंश के शह है है। विसे हैं। विसे हैं। विसे हैं। मार्श्व भारत स्था ने विषय प्रस्ति स्था ने विषय ब्रस् सूर्य र्ट बस मिल्ना कर यर द्यीर दू लेश निर्वा ।रे य द्यी में हि ए य स्वाश य लेखायान्या रन्तु र केथा संस दूर द्वार कर स्मेर द्वीर द्वीर द्वीर द्वीर लेखायते वर से गायलेखा हेंन ही न्त्रम् मार्थित् मार्थित् वित्ता वित् यान्य कं म निर्देश यान्य प्रताय के त्र प्रताय के त या होती । हो दस्य सागुट कृत के नालिक को तें नालिक के नसाहे हुट हे हुट पर्मी नर्ने हुं ना पर्सेना ।कर त्वन न न दि झून साम सुका प्रायश सामे दिन ते हैं। न न के न न के हैं। न न के न न के न न न हों न न के न न न हों 95वें।  मीटश हुश स.ण.चाडेश हो। मीटश हुश साहा विस्ता क्ष सामत हु । विस्ता मार्थ साहा क्ष सामत हु । विस्ता मार्थ साहा मार्थ साहा साहा मार्थ साहा साहा मार्थ साहा मार्य साहा मार्थ स सामश्च मश्चिम चैटाह्। चित्रमा द्वामा मि न में हैं दर न में न सर मा कि न कि में हैं हैं प्रति हैं हैं। । ने न सर कि न विन में हैं से नि हैं हैं। नि पर्नेश बर्न म र्मिट ता नशिभ ने हुन हैं से स्टान निवा के या नशिभ ने हुन हैं से स्टान नशिभ ने से प्रामिश में निवास नशिभ ने स्टान नशिभ निवास नशिभ ने स्टान नशिभ निवास नशिभ निवास न तुनान नहिन हु हुर अट वह हुर वह हुर वह हुर वह हिन्दा पूर्व देव तप हु वर् ता लट मिट चर हू चाड़वा चाड़ेश मेड़ेश सिर चल कून सूर क्षेत्र थे। भेट. यदे र्माकेश नाकेश नाकेमा नुः क्चें र न्याया कं नान्दा यदा कं नहीं नानु ना गुहा यदा कं नहा मा ना नाकेशः के दर्बे रें। । । मन न न न के न न के स्थार के दर्बे रें। । ने नका न स्व परे न न न न

हुंश क्रे देश शे. शु रूं राश शुर उचीर है। श के चेश कु चश देहर उच्चा ।क्ष. च. वे शु रु हैं है जिस श प्रीर प्राय हैं र प्राय हैं है श के प्रीर प्राय प् म्रेश.प्रम.चश्चेर त लुब लट बे हिंश.में .टैश.में .मुंद्र.में रथ हर रचीर हो। कि में हिंदा स्था कर रचीर हो। यथ्ट. ये चन्द्री स्था के त्या चेश तर वेस्। । हेश वा नाश्वेश की नाहेश नाहेश है। वेश हेश की स्नाधिश के स्वीति वा स्वीत वा स् वि. चंत्र पर . पर खेल पर प्रायम् क्षेत्र पर क्षेत्र क्ष यास्रेय वरानुन्द्रं । विर्नुस्त्रे त्रानुसासुन्तर्भित्रायास्रेया)ने वराणकाय निर्नुरायरावयर यश्राद्यात स्राक्षेत्राय। र् तु.रेशःश्री इश्रामी.र्ट्शः त्.र प्रीट.श वेशशः वृष्ट ट वीट व.चालेशः ह्री तश्रः न्यार विकास के स्था विकास के स्था विकास के स्था के स् य.र्टा. नर्स.(स्थ.मु. नर्प. द्राधाणिट.द्रे.भप र्वेचश.संब.भट.चश र् वि.च.र्टा.वस.वा.लट.।

नश्चम नदी. वैश्वान प्रश्ना द्विन लाइ है नश्च होता । श्री वेशश्चिश विश्व होन कर् ५ ना ना वर्ष पर प्रश्रेम स्नर् रे। वर्ष प्रश्रेम प्रस् प्रश्रेम स्म प्रस् पर प्रश्रेम स्नि । मु निर्देश के निर्देश यत्र बेश त है यश ह बुटा। ट्रिट्स हिट (यहर हैर हैन ) ने येट य रह्सस यस ह स हैट स बहुत्। विकार प्राप्त क्ष पर मार कर्ष स दे में प्राप्त प्राप यन गाव स्थाय न स्थाय न स्थाय है स्थाय स्था से दे हैं न्यु : झे र व न स : य देश : य न ती दे हैं के र य है। के स : य है : हैं स : य है ज स : य है ज स : य है २८. ७ म. १ वर्ष म. पर्वे में में में प्राप्त पर्वे का पर्वे में पर्वे के प्राप्त पर क्षेत्र क्षेत्र पर क्षेत्र क्षेत्र पर क्षेत्र पर क्षेत्र मनुत्र नार्केश ग्रीश सिश्राया से भायर होते दें। वित से सु सुरा मार्केश मार्केश मार्केश पर्दाना संस्तर सम्निश्य प्रतास्त्र प्रास्त्र प्रास होन् पदे कुर रों । वुष पायकुर कु देना अप्यार सुव कं हैं यह सायद गव से से पर होन् पदें। त चारी भ. चुंश चारी थर. मुहेर। । क्षेत्र श्री मार्चेष चार्चेष चार्चे क्षेत्र चर चार्चे होर द्राय चार्चे होर. चार प्रश्नित्त मुक्ता स्त्रिया मुक्ता स्त्रिया स्त् शुक्त प्रतृ श्रुम प्रदि नाश्चिम मुक्त महीका प पश्चित हो। सिक्ष प्रतृ सक्ष हेत दि क्षा सहका महिका परि । वित्र गाव सिका परि सक्ष हेत दि क्षा सहका सहका सिक्ष सिक्ष

मुर्मा दिय मधु लिख यदी मु मलंब दे। दे य द्रा य वमुद से दे य मधु लिख गुट यन्त्राक्षान्ते। ल्यू न्द्रमा श्रम क्रीट स्ट्रम् स्ट्रा । व्याप्ते सिर्यं स्ट्रम् स्वायमा सर्वः चिर् तर मी वेश भवे रेट क्रव. तर है। वेश प्रवे विश्व. येथा विष्य. योर मु.सुन.मु.सुर नर स्रूर.सरी बुश.चेट्। वि. यश श्री.यश्रीय त्री चारश क्य.पंचर. पर्वेत। इ प्रम्याश.मुर है. सप्. हें यश.रेट हार य परा.स्र्र ही र प्रवेत होता पर्या हें र मोर्श्य.ता. रे हे. मि. मोर्थ की ह्रेयका जाया चीट यह ही र ह्रेयका खेल ये ही वि का मार्थ से का पर रेस. बर् माल्य सेरा । नसंया देर मार्थे सार्थे सार त्र हुर् भैर.मु.स.मूट.पटे वर.वशत.वर.श्रुत.प। पश्रुत भैर.मुश.क.च.द.वशत वर श्रुत ह्या। 

च.शुत्र.चर्च चोडेच. त् हो। ही हेश। चोहें यो हो। हचाश्र.धेच। लिश्र.धैची. के.बेर्। क्रि.च वु.र्धिट.लट.च.श्रंत चर् चीकेब स् ही घ.२.का चे.स्था यहशास्त्र यह मिने के प्राप्त है। से मुन हिंदा से प्राप्त मिन स्था मुन स्था नुनाः ह्या वय हैं न य स्नाय प इसस स् मा सुर ५८। इव.८४ २८। मो.निट.५८। द्रेम.२.हूर लुच ल श्र्मश्र.न. स्थश श्री। स्रेन्यान सर्मायर स्मिश्यमित्राया अटानदे नारेन यर् नम्तरण्या परेराम् स्रेन्या श्रम चर्मश्री है। सीट्य के कि मीट्य के कि वासराम्बर पदे सिवश दा। मिर क्र्य सेवर्ग सिन दे सिवर्ग सिन दे सिवर्ग पर्दे सिवर्ग सिवर्ग पर्दे सिवर्ग सिवर्ग पर्दे सिवर्ग सिव कु. मु. म्ह. । क्ट मा मुंद मा मुद मा मुद मा मुद मा मुद मा मुद मा मुद मुं दुंद्रा कर दरा वंद र दन ये द्रा हैं के न महासा हैं से न महासा हैं से

नद्गान प्रस्था पार्ट प्रमुद्द प्रस्था (श्रूर श्रुष्ट प्रस्था पहुंचरा बुंश नेशिट्या वा हिं त्य से च ला कैंसा मुंश परेंगा सिंद्य चारी च ला कैंसा नारी च ला कैंसा नारी च ला कैंसा नारी च ला केंसा नारी च ला केंसा मुंश च नेश च ने ट्र्-चक्ष-ध्रिः (च) ह्र्चक्ष) उद्द्यश्र. तप्। विषेट च वध्ये तर् क उद्द्रे हुः रीट ट्रे-च वश्य तश्च व्रीत्र प्रे विष्ण व पर्वि.चर होरा देंद्र हीर पर्वि.च पेर श्र् श्रू लता। चिंद्रेश र चहुचा ग्रेश रह्मश बिश्व मासुम्ब है। क्षिस य देश द्वा य ना वेद य स्मय बुर्ग यदे । प्रस्य प्रस्य प्रस्य पर होता । प्रमुर प्रमा हिन पर्य पुर्स मुह्रेता । ने सुर प्रह्म प्रदेश हो. लहा। विशेष मू दिय याचित्र मीश प्रमुश किश चीश्वर हो। विश्वर स्नित्र माने के प्राप्त स्मित्र स नार्ट लिस बेर है। सन दे न मास स्र प्राप्त मा मुंब त हे.वे.म.सं स्र स्र.पहेंच.तय पहुंच ह्या १८६ हे.वेंद सं त.हे.लेंद से प.हे.लेंद माने में ने स्था त्रा क्षित्र प्राची क्षित्र प्राच में मारेश में भी श्री का हो साथ है सहसाय जार ही पर से से या पर हैं ने मारे हैं लेश नितान। श्रास्त्रसमाने शामी स्वाप्ति प्रतामाने सामिश महीस महीस महीस महीस महीस र्दर मिट्ट न म थि है। सुन दे ह यह गुट न म बुब म से न द से य म है। सुन देश

मुंबेर च स्था तर कुर ने कुष च हैश से प्रहुष चर कुर यो स्था र हैश प्राप्त व स्था र हैश प्राप्त व स्था व किया व नित्र तथ द्व म दे दे न मुंध दे निह्द निह्द क्षेत्र क्षेत्र स्थाय नित्र व्यास व निहित्र दे। हैय ब क्रूंट खेय न दें प्लेंब न्द्र न्द्र स्व स्व क्षेत्र है है नाख नाम य प्याप्य स्व महीयात् । यहीय पही पात वाश्याही वेशाय वारात्मश्र विद्यात प्राप्त प्रमित्त प्राप्त प्रमित्त प्राप्त प्रमित्त प्रमित प्राप्त प्रमित प्रम चीरामस बैट चर्र हुन पर्देश तार्था हारची स्थित क्षेत्र महीन महीन महीन स्थित स्थान हिंद सार्थी हिंद सार् य चढ़े. तथ हो. तथ हो हो अप तथ स्वास स्वास हो स्वास स् 

पः (र्येच, तप्.) रेटः र्येच, त्यं । पश्चित्रा । पर्येच, प्राप्ता पर्येच, प्रीट हो। श्रि. या। (श्वि. रा.) स्था। (पश्चित्रा) यर्थेता। (प्री. रेटः त्या) पर्येच. या। हाशास्त्र स्वकृश काश स्टात्यशा श्रा का स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार् प्रह्म चर्ड्र चंड्रे. लूज केंट. बंट्र सुजा | जि.चयुज. चर्डेल. अप्ट्रे. चर्ड्र लूक्ट. चर्ड्र चंड्र लूक्ट. बंट्र सुजा | जि.चयुज. चर्डेल. अप्ट्रे. चर्ड्र लूक्ट. चर्ड्र चंड्र लूक्ट. चर्ड्र चंड्र चंड्र लूक्ट. चर्ड्र चंड्र चंड् म्केश यात्राह न वुटा हे मकेश स सवुन सर तवन सह न तुमान हिंद हे हैं सरे कुश यहिंद है। हैं सा के स्थान के स ब्रा १क् ब्रुब्रियाचारीय चीरायाच्चित वार्याचार वासीर का स्थानशास्त्रीयाचर वासी हैं या प्रेट पार्थ ट. स्ट. हैं या । या प्राक्षित हैं यह प्राक्षित हैं विष्य हैं हैं। विष्य प्राप्य द्विय पार्हे प्र के हुन। १नहुमः सह है न हें नहां है । हैं नहां में मान । हैं हैं हुन मिंस सर-पंतर-पश्च से स न हें र है. (चिश्रेश-न जग्न-देन, हैं पश-छ-पर-प्रीक्ट-स्टा) श्र-पर्दे-प्री स्थान स्याम स्थान स्याम स्थान स्य 

यहाः स्वाद्याः स्वतः स्वाद्याः स्वतः स्वाद्याः स्वादः स्वत के. जब अधेया वैदाई मैं वेश मानकान हैं जाया प्रस्ता से हैं वेश मानकान हैं जाया प्रस्ता से हैं वेश मानकान हैं। हें हैं हुन नाओं निवेश नि गार श्रेमा हु हुन हु हैं नाह्य मीश हु द निर्मा है निर्मा सरेब.च.चारेश क्रिश समिश्र.च.श्रम.चर चर्चर क्रिटा पट्टर.झू ट्रेड्स रट.स्य.चर समिश च. यह र लेब वं विश्व य प्रमिट लेट ग्रीट स्व ह्या शास है ने प्रश्न है। विश्व य प्रमिट लेट र वर हिंदी (रे.केर लटा विश्व के के के ट.वर हो । क्षेत्र पश्चीय र प्रताम न्या । विद्या स्था के स्था के स्था के स्था । विद्या माश्री माश्र लेश पः)ने कु कु ए ने के साम हित्या कि या कु या कु या ने के कि या कु या कु या कि या कि या कि या कि या कि या कि य कु. मुद्दाना है स. मुं . मादा न संय न संय न सारी व. दे न श्रया न सुना दे होया है है वेसाम रे. मासु स. प क्षे. प. र्यः मी. र्यः म्या भर यामी हु शायवा या शाया या श्री वरा है । यैंचाता उहारा चेटा प्रैटा ची ची हैशाया द्वियाय हैंचरा माहेशाय विवाय वर्ष द्वियाय है यह सामा हेरी मित्रामी वृष्यायते सम्बद्ध साम्राय न्दाल्दे न्दाया श्वापानी हैस द्वापा साम्रापा हें न्या है न नशः क्षेत्र पर चेत्र पश मायारे अविधाया सेय पर हिरायक्षेत्र ने कुरायके री स्थित में भुः भुंभ भव्यं भ्रभः लटः दे रे बंबादा प्रकृत यद कुर दिन विद्वाण टामीट यहारा मी वृधः यह शाह मा विद्वाण टामीट यहारा मी वृधः प्राप्त क्षा विष्यः प्राप्त क्षा विषयः विषय

त्तृः नुः न्या अतिश राश्येभावते नुशायात्त्व र्षा मानायशानुः न भेन ना 다. 현소환 용 때다 | 나는 보고 하고 한 수호 등 하다 | 함께 대한 젊 구 호 현소환 등 함께 | 하고 한 구 보고 한 구 되고 한 구 한 구 되고 한 고 한 구 되고 한 고 한 고 한 구 되고 한 म्पट.चर्चम.वट.स्ट.व्हेन.दे चर्चमा ।श्चि.श्चंश.यट स्ट.वेश.च.श्चर। ।हि.सर् सक्रेन.टट. प्रकृत ने क्षु प्रका विष्ट्र प्रका के स्वर्ध प्रका विष्ट्र प्रका विष्ट् है य अद्भारत वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या विकार के माना वार्या के माना वार्या माना त्रश्ची च तथच तथ श्रीभाग ह्र्राट श्ची चप्राट हुर्व चालू चार स्टाट स्टाट मोल्ला चप्र च्याश दीश तथ प्रसिश (ह्रियश प्रिश टिश हे ) श्री श्ची श्ची श्ची श्ची चार श्ची चार श्ची स्टाट स्टाट मो. श्ची मु. भश भेच वर हूँ व वैदः वश केंद्र वेश व. वह. चशिम. उत्त वैद्र वेश व वरे हैं विकी र. है। लट. हुन हैं के भी नाल दीना देहा जेश नर पर ही ना है। सर ह ला वर ने रू ट्रें र ही सर है हो स्रोह्म नद्भ नहीं के वित्र मुक्त का के न्या क यशः मुद्दः सदे दे विश्व के विश यः से हुँ टाकु टा थरे दें। । । । । । । हुवःयः वटः ख्राः विवः पुत्रः विवः पुत्रः विवः पुत्रः विवः पुत्रः विवः पु र्त्रवश्च श्ची । शु. तश्चे स्तान्त्रेच पर प्रीता । लित् स्व क्षी. मुल् रावेच । स्व. भुष्राक्षात्रेच स्तान्त्रेच प्राप्त स्तान्त्र प्राप्त । श्विम पाविष्य । श्विम प्राप्त स्तान्त्र । ब्रीर मर गाँव माहेब स्ट्रंस मन्त्र। । इ.नर्डे ह्रं ग्रीब ख्रिट मी माट म ख्रीय। विक्र ह्या प्राप्त ल= क्रिन:श्री मार्श्य श्री वर पश्चेता । वर्षे मानेश में श्री श्री मान मार्थिश मान पश्चिता । वि. हुंश बल कुर में हैं हुर पंचीर कि। बिंश चिश्चरक क्री) ट्रांचक्ष त है स.रेट हैंट जरा चीर त लार तथा का. य वेश.त.रैं च. वेंर.ज.रैंच. है. पर्व. चेंर्रेश.ल्र्.च.जा इस निर्मा मिन की अर क्षा निर्म के के दें ने दें में दें दें दें मिन के मिन मिन के मिन तर प्रवास वृक्ष य मेरा वित्र यह यह यह यह यह स्त्र में मी किया में प्रवास है प्रकार हैं प्रवास है क्षिया क्षियां यही य नार्ध्य यायसासदी नार्डेसायायदेश यार्ड्यसाकी स्रमायास्य सामाहेसा

स्थ. १ स्थर हुं हुं ये चीट लुंश लट छट. हुं। चिंट श्रंप. यं युं हुं र स्थर युं हुं ये चीट लुंश लट छट. हुं। चिंट श्रंप. यं युं र प्राप्त प्राप् यर्गार् कुत्र यर्र श्रेर्याट कार भ श्रिर्य हो। य्यार प्रश्नेर यहेत मार्थ पर्य प्रश्नेर प्रश् ह् । १३.ज.रेटर.च यक्ष चीश्चेस चर.चीर.ज.स. चीर्ट्.व क्.चर.खे चत्रा ।क् सैर.चस्र. मारीय नर मार्थाल कु. त्र वे बे. हुस रूटर नर बे. बे. मि चर. खे. चर्री ॥ पश्च क्. चाश्च श. चेंब्र्स के खे हैं स. क्. चं चर खे. चर्री ॥ चरर. न्यात्र क्ष्य स्थित स्थात्र स्थात्य स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स सरीय तर त्यीर यथ शु. ४४८ है। विशास कु. थर मी. यर खे य हे हु ज्या प्रीतर है। विशास कुर पर है। विशास कुर पर है। विशास कुर पर है।

वेश.भवी वर्चेट.त् ट्र.ज ह्रेचश के क्ट.ल्ट्र टेश.भुट.कु.बी ल्ट्र वर्ट्स हेब.ट्री डे.लंट. चेश्व.भव प में बुश यश ह्रेच्ट्री जिंदे क्षा.च क्ष्म चारीश लाट.ज.क्ष्य वर्चेट.ट्रेच्टि.जा चित्रसे टेटर.च चर्नेजा जिंदे क्षा.च क्ष्म चारीश लाट.ज.क्ष्य विचेट.ट्रेच्टि.जा क्ष्म क्षेत्र प्रा.च वर्षेत्र हिंदे हें। ल्ट्रेच्ट्रिय क्ष्म क्ष्म चित्रसे लाट.ज.क्ष्म जिंद्र क्ष्म भवी वर्षेत्र हें। ड्रेच्ट्र जाता क्ष्म क्षेत्र प्रा.च वर्षेत्र हें। ज्ञेच्ट्र क्ष्म चित्रसे क्ष्म चित्रसे क्ष्म क्ष्म चित्रसे हें। ड्रेच्टर ज्ञाने क्ष्म चित्रसे क्ष्म क्ष्म चित्रसे क्ष्म क्ष्म चित्रसे क्ष्म क्ष्म क्ष्म चित्रसे हें। ज्ञेच्टर ज्ञाने क्ष्म चित्रसे क्ष्म चित्रसे क्ष्म क्ष्म चित्रसे हें। ज्ञेच्या चित्रसे हें। ज्ञेचेया चित्रसे हें। ज्ञेच्या चित्रसे हें। ज्ञेचेया चित्रसे हें। श.भु.चोहुश.पश चैट चश भु.ज.झैं च भुट.मिट श.ज.लूट.जश सैंट च.ज.झैं.च.लूटी ट्रे.चश. प्रिट.शुज.चट्र.वेश च कुं.श्रेंश चाहेशा ट्र.टिट.श्रेंडिट जव.क्रे.चश्रेंश.लूच चशा श्रेंट.च. पश्च हैंद्र्। । पर.कें यश.मीट रेटर.य हैं है रेटर य श.कि.चेंड़ेश.पश वैट यश श.कें.चोंड़ेश.मो. या क्षे न स्प्रेर हो। क्षे माने शामहिम हु मह्मिश यहा क्षेत्र हु क्षेत्र स्वर के माटाना अर्दा य दे दिह्म सायर होदाया भारत्य वसाय कर कु बुसाय हे हैं। दे हैं दे हैं दे हैं न्दर याम विवानु क्षेत्राचार्ये गुरावक्षेत्राच स्वित्राचीक्ष मूदाच वहिंसकाका वुका सव मुरायसात्तुरानी नाद याद्वराद्धते यस्त्रायाम् रेसाम्हेना नु द्वीयायसात्त्रि नु न्यस्याय स्वर्ते । पःचक्षशःचम। है: इर प्वस्ताः अद्भाव राज्द गुराक्षः स्वेद है। स्विधः प्यसं प्रदुषः पदि देशः हो। स्विधः प्यसं प्रदुषः पदि प्राप्तः स्विधः प्रदेषः पदि प्राप्तः स्विधः प्रदेषः पदि प्राप्तः स्विधः स्विधः प्राप्तः स्विधः प्राप्तः स्विधः प्राप्तः स्विधः स्विधः स्विधः स्विधः स्विधः स्विधः स्विधः स्विधः स्वधः स्विधः स्विधः स्विधः स्वधः स्विधः स्वधः स्विधः स्विधः स्वधः स्वधः स्वधः स्वधः स्विधः स्वधः स्व

भू पर्यातमा हुर हुर। जय कीर रे. हुर भू हुर मूं। ।रार पार्र सा किया कीर पर्या यहैंस य. छु थूं। र्य ब्राबिट ब्रा वि. यहां यहां यहां यहां स्वित यहां स्वाचित यहां स्वाचित यहां स्वाचित यहां स्व रे.हेर.त.त्र्र.पचिंगरा कर वस वस पार्टर व.चर्ष हुरा वहां वर्ष वर्ष । १०८ पार श्रेष यर बुब य भः स्टुव कं हें बहुश रें कं श्रुर यह नाशुक्र से मा माहुद वशा हुन कं मि नहा के या या या स्वायर निवार के या स्वायर निवार के या स्वायर निवार के या स्वायर के या स्वायर के या स हुन कं मि नहा के या स्वायर या स्वायर निवार के या स्वायर निवार के या स्वायर के या स्वायर के या स्वायर के या स्व ब्रिंचरा ख्रेंगरा न्याः नाटा परीय मार्थे पानासुमा र्येन्य ने स्वाप्त क्षेत्र प्रमीति । विका र् केट नम्भेर नमे केट के मक्रा केर रट क्रम मध्य पर्या अहम पर्या कि मान कर खेला क्र-मिट अम्रिस तपू लील रे.श्र्ट तश वि.यपू.यश्रुम च यश लट द्विय मुरेश ह्र्यशक्त प्रायर प्रायर प्राय लास्तर निर्दे। रहीर नर गार निर्देश श्वराम न महेदार न नर वहीं ।रे नलेद हुट.) मैंट.च हूं चका छुट्। भिंट.च.म लट.च घट चका की चका की चका चुट.च मेंट चका चका (ईच चूं.च मेंट्रेश लट.च मेंट्र च च मेंट्र च च मेंट्र च म पर्चास्त तथा प्रस्त तथा प्रस्त तथा है। प्रमान के प्रस्त के प्रस्त के प्रस्त के प्रमान के प्रस्त के प र्ट. लंडा के के ज्या के के ज्या के का मुंदारा ने के के ज्या के का मुंदारा ने के ज्या के का मुंदारा ने के ज्या के का मुंदारा ने के कि ज्या के का मुंदारा ने का मुंदारा ने के का मुंदारा ने का मुद्दारा 

याय पश्चाय पर्वेत स्थाय पर्वेत स्थाय प्रमास्त्र मान्य स्थाय प्रमास्त्र स्थाय स्थाय प्रमास्त्र स्थाय प्रमास्त्र स्थाय प्रमास्त्र स्थाय प्रमास्त्र स्थाय स्याय स्थाय स्य पक्षेत्र हे. श्रुप्त व्याप्त स्था के प्राप्त के प्राप् भक्षेत्र प्याः। कुर्ते वार्ते स वश्याय वर्षेत्र नहा। गारा सुरसा सुरस दिर पर 수는 전 수, 는 대학. 다음학. 구. 다. 다. 다. 다. 다. 전 다. 첫, 첫, 난 글로, 된 1모도, 날 약, 다리하다.

बुक्ष.त.टूर्र.टे.पर्वेट.व.रेटा। ट्रांच लट बैश त.क्.वर.पर्वेट.व डे.वेट्रा विक्र. वर्ष. र्यट. बु. बंट. खु. इ. प. वे. ज. स्थाश. च ह्यूर. तप्रे मूं मेश. मी ज. वें श. च. खु. क्र. प्रे वें श. प. हो। हा. प्राया क्राया मु.सर्वेद.च स्चा.सर.चूट.स.इस मुक्ष चोष्ट्र.हा वेस.च ट्यट कु.चस.वेस.चस वे.हस इस. चचिर.चपु.ऱ्चाय.के.चे.चार्ट्य च्याट्या.सथ वेस.च स् स्.के.वेस्। हिस वेस.च चयर कु.चस.वेस.चस वे.हस इस. हुश नशिषा ल्यू २२ प्रव प्राप्त के दें। निव का मूचित का मुक्त प्राप्त के विश्व का निव का मुक्त के विश्व का निव का मुक्त के के विश्व का निव का मुक्त के के विश्व का निव का मुक्त के के विश्व का निव का मुक्त का निव का मुक्त के निव का नि पद्मा हुंद श्रेय पर सिंश पश्चेर पर्ने रूप के विष वर्ष पर के पर वर्ष पर के विष के विष मि. वर्षे. थट. बंश भ्रम्थिश. व. श्रंजा वर्ष. मि. वर्षे. वर्षेट. वर्षेट ट. रंगे र त्र्रं ते. वे. व्याप्ते. थट. सर्टत द्र सं वित्र । इत्वित्र के स्वर्र । इत्वित्र के स्वर्र तर हे स्वर्र त सम्भर कि हिंश । स्वर्र सम्बर्ध समित्र सम्बर्ध समित्र समित् क्री.पश होर.त ही र.ट्टर.लट वर.पोर ज.श चोर् य.चश्चश.वट्र.चे.झ.वी श्रीर.व.शमिश. त.ज.भू.चेष्ट्रत.भज.त् हारी टे. हा.लच हे.वेष्ट्र विश्व विश्व विश्व के चट्रावि ज में चेष्ट्र व.चीश क्षे ही. श्चर क्रुं भे वा वर नर नर नर नर नर नर ने रें राज के रें राज कर के वा वर महीश या माने के वर त.च.च.च् इ.च। क् च.चर पोर.ज.झ वर च.च.च.च.झ.कं.चेट्रा विश्व च.घाच्रेश.च.छ. यथेट. त केर तथ. तर. हु वाश. त. ज. चार्ट्र मार्थेट. र र हु वाश. त. ज दथ. त हु। रूटर. य. खैट. पर प्राचित. पर्येट विश्व प्राचित विश्व प्राच प्राचित विश्व प्राच प्राच प्राच प्राच विश्व प्राच मार्चर ना नेट निर्म हो। समिश्र न ता मार्चर न न मार्चर न न मार्चर न मालव.लट.स्र्टर.च.स्मा.चे.झे.चे.माकुचा ।भाष्ट्रेश.च.ण स्थ लश.चेर चथ स्था ल. बि. हु श. में जि. तथा तथ वार्ट्र मेरी चर्याप्य प्र वेर नथा तथ है र तथ तथ है र से व

लाहर गुराया विष्य मुद्रा । ने सराविष्य यह मुख त्र हो दे यह हिन यह हात स्वर र् ह्येर हर र नर्नेनश हे सुर नश केंग्रायश हिश र र बुशाय नर्नेन से र्नोश सी यर यर में भी शार के प्रत्य के क्षेत्र के प्रत्य के कि प्रत्य के कि प्रत्य के प्रत्य क के.चर. नज़ेनश बंश कीर र्। विश्व नश्च तार होते. न क्षेत्र हे कीर न नज़ेनश हे कीर हो। क्षेत्र भारत का.च्या तार हीत की विश्व न नज़ेनश हे कीर हो। व. हेर. पत्र देश। चेरेश प. रू. वेंश श्रीर व. ज शर्र र. मेंश श्रह्म वाश्य ही। स्रीर.च.रंटा क्षिचर.स्रीर.च.रंटा। येच.च.र्रा विश्व.स.च.रंटा। चंच.स.स.च.रंटा। चंच.स.स.च.रंटा। चंच.स.स.च.रंटा। चंच.स.स.च.रंटा। चंच.स.स.च.रंटा। चंच.स.च.रंटा। चंच.स.च.च.रंटा। चंच.स.च.रंटा। चंच.स.च.रंटा। चंच.स.च.रंटा। चंच.स.च.रंटा। चंच.स.च.च.रंटा। चंच.स.च.च. पत्र-कृत्वासुर्यातामान्त्रेशकान्त्र-वाहेना हेशायस सूत्र है। र् न्रेशस सुन्धि चायान्दर सुराष्ट्रा मैंर.व.ल लट. मैंर.व रट. लर के मैंर। भैंर व रट वि.व. मैंर स्वाश गीय. ज. पंत्रीत्।

मीले. चेश बंश. क्. चंश्र मोश्रेश जा. प्रं प्रं हो। येट र. सें र. जि. मीश्रेश. क्. चंर. सें र. जि. मीश्रेश जा. प्रं प्रं जाव. क्. चंरा नव. के. चंरा मीश्रेश. चंरा मीश्रेश. चेश. चंरा मीश्रेश. चंरा म

पद्मना है। प्रमास के मिन्या मुख्य है निन्या मुख्य है निन्या के प्रमास मिल्या मिन्या म र्टर त्यत्र कृष न पर सुरा र्टर त्यत्र कृष न पर सुरा क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क रे. थ्र के. प्रवेश में १ विश्व त्राप्त । भिराम प्राप्त के. प्रवेश ने. प्रवास ने. प्रवेश के. प्रवेश में १ विश्व के. प्रवेश मे. प्रवेश में १ विश्व के. प्रवेश मे. शुरायायम् कृषि यानाश्चराय निविध्यायाक मान्त्रेमाना के सायारे हे सुरावसा शुरायाना के साया प्रति लब के श्रुरान मारेश हैं हो रे रे रे नवना यह श्रुरान से मुद्दात है रहर नरे ही राम होते यत्तर य है स्पेन क्षमाना महिल नल हुन नी ना नर पुर्श्विर परि हें हैं र त्या है पह सह सह निर्ने हैं यन्तर्य स्वरं हो | रिप्ते हेट्रि मुट्रिय होर् वर्षे वर

क्रिट्च है। चाहेत च क्रांच हैं स्था हैं स्वान के स्वान हो। क्रांक ने स्वान प्राप्त प्रमान निर्माण हैं स्वान प्राप्त प्रमान निर्माण हैं स्वान प्राप्त प्रमान निर्माण हैं स्वान प्राप्त स्वान प्रमान निर्माण हैं स्वान प्राप्त स्वान प्राप्त स्वान प्राप्त स्वान प्राप्त स्वान हिस्त हो मार्डेस मं हो वर्ष मार्डेस ह्मेट.च.हे। नाकेव त्र कर्वर सना स स सेना है। वर कर मकेव रें हिना ताय तमायान

वै में हिन्द में बेद हैर मर्दे नाय दे दे त्या निद्ध हैर महिस या १२ वर्षे व देश अथये वे.केर.व तेर.वंश। दे.जुंदे के.कि.वंद्र, केंबे.वंचश जा अर्ट्र.वकेंबे.स्थ्ये. मुक्ष नम्दा मुक्ष नम्दायादी द्वार्च ब्रह्म हैदाये बार्च है हिकारा द्वा दे हिन्दे पा में सस किर रहे साम मिडेस। । यह दार्स स प्येदा है से दार प्रायेदा है से वार में कि साम किर है राही। सर्वतः केर विश्वायालेश चाय है। हैं नियाने मी सर्वतः केर वस्त्र कर महारायो विश्वायते । रे. पुंत्र. तथ क्रूच. बर. दश प नहेर रह व लिचार रहा। अश क्रूंर. वर चार्ट्र चार्ट्र चार्ट्र चार्ट्र चार्ट्र चार्ट्र ता.श्चाश.पट्टी. मेर त्र हेश. तेश हैर ह्याश. १श हेंद्र. यर त्यार त्या रेश हेंद्र. यर त्यार त्या रेश हेंद्र. यर त्यार त्यार वा मु मक्र र केर या म वस वि र रहे स यर मुद्र लेस महेच सुक्ष सु मारमस य ये दि । । रयेर द क्रिंट पर्नुष य इसस देव से निशेर रहिया य स्निश य पर्नेश विट मेरिस यस सेना निहेर मी ..... पड़ेश्रचिश्रायाजश्यवैष्या चहेर् पहुश्याचिश्रमा चहेर्य प्रेश्न प्रश्नाय विष्या चहेर्य पहुश्याचिश्रमा चहेर्य पहुश्य चहेर्य चहेर चहेर्य चहेर्य चहेर्य चहेर्य चहेर्य चहेर्य चहेर्य चहेर्य चहेर्य त्य केशन लट्टर्मेर च चलेक है। मोर्स हैना मी कट क्या है हिन्द निम्न च चलेक के साम है होट द्रा वर में रनाय वर्गिसस वर्ष व लेश वर्ष द्रा कट वर्ष में अवस्थाय व सिनोश ह केर.प्र अश.श्रीब.कु.एट.न्येट.। श्रीब.न. बर् खरा कु मार ब स्पर लना नुः से ना हेर्न खुदः नर : इन सः ग्री सः हन : नहन : महा য়ৢয়:मेर्ड्स। त्य.पर्टे.श्र.र्रम्थ.त.भट्य.तर.पुश.त.पर्वैः.ह् । । विश श्रेर इट ववश.श ल्य.हट चढुना.चयशा दे.चर.प्रिश्न.स्ची.भार्लटश्च.(चर.वर्च चत्र.भ्री चर्च.)चीर्चातारचीर.कुबाताबी वर्चात हुंब्र.रे.चैंट. ने स.धना.त जना.त ज नक्टश.ग्रीस ग्र.पहूर (१.यक्.चर्य.प्रीर )तरा নই বুৰ শ্ৰা संधर पृथी सर्मी प्रेर स प्राप्त व्या विष्ठ स समा स्वाप्त स्वापत स ह्मानी ह्या समान नियम समान माने माने माने माने माने माने समाने समाने माने समाने माने समाने माने समाने माने समाने इ.डेर.इश हैंर.तथ.चब्रे.श्चाश.चेवाश.ग्रेश.ट्र.चर.वेट्रा विदेश.यश. È 명지·제

ट्रैश.र्चश.बेटट.पद्मेचीश पर्ते जा शट.स्.ट्रैच वेटट.पद्मेचीश.प्ट.चशा चारेश चार्थ. मुक्ष नर नवर ता इ.इ.मोर्ड्स मोर्ड्स महिन नहीं वि मेर् लट सट में से ने ने नामा हे.च.डे.ज्रंट हैंश.च रचेर.ट्री रिवार जेस.क्ट हेंनश.चर.चेश वश.चार्रेरी इ. रे. छ. हैं र न दश में क मार दें नाश सर्व में नाश लेश नश हें न है। वर न रे ने लेश ल मान्र होना न र स्री मुच पर्दे व के मु प्येव खेब मदे मर स्त्री गामके गामी सामें राही। वर्म में प्या में प्या वर्ष व लिमेश झे भु उर्हरी रह में लहास हूं मेश बे ही से क्षेत्र हैं से भी की सार प्रदेश में बेश पर पर पर में बेश य स.बुदा वहर्य नर्ग्य है। अर्थ महिना सुर वर्ष पर तर्ना में लेश मि से नासम नर वैद्य चॅर क्षेत्र प्रा देर बद प देरे दर नीय में श्रुप हो देरे हर व वुद । र्षर पर् वेश रेव्या १ ह.रेव्या १ विश्व तर जाय देश मिर व्याप विश्व हर जा मिर वहर. न.चे। म.चड्ट..बुंश.चे.म.डुचा.सॅर.त.रेट.बुंश.त.वंश ट्र.भक्ट. हुर.बुंश तपू वर.चुंश. र्में है। रे.लट मूट मी. मनश मीस हैं नश व.वर. न. नाडेश में प्राप्त हैना रट खर. प रट। पर्वेचाक्षित्र.य.चिट टे.क्टर तर येश.हे। हिर.रट कुर् तपरे धु.रेग्स.झेर तस.६.चर्स.तस. पर्वेचाक्ष्य.य.चिट टे.क्टर तर येश.हे। व लचार.प्च झुंस तपरे त. १ स ही स.१ पर्वे पर्वे तथ. १ 'चेश वंश ट्रां. चीशी नि.स्ची र्चेर. हुची. चेश. वंश चट्टाश. ता वे. पीचाश टेट. चश हिंदे. यद नविंद् पर दिन वेंद वुस ने मि न्यायय पर वोहर पर ही वें इसस दें सर्वर है। तर्ना चेर परे कुन मून्या र्व पा । श्रि.ज.मार्च प्र थे। श्रि.ज.मार्च प्र म्य स्तरा मुक्त प्र म्य र्न ने। हर ने निर्माय में इस का मुस्य कर हे हे निर्माय स्मान कर ने ने निर्माय स्मान कर ने निर्माय स्मान ८२. सर. श्रेप्र । श्रिय तामावयान्यामास्य व १६ क्यालयास्य प्राप्त भरास्य व देशाय र सर

भ्री. प्रथम से रेभ भूच. व इंब त. व्य मुक्ष प्रचार तर वेच कुंब तर चेच व व व चें चेंच व व वें चेंच व व वें चेंच व व पहना वनका स्प्री किन किन हु पहर पक्ष मि सर मार्ट का वित्र हु हैना समिस पर प्राची हैका मीर.त.पर्वेट ह्रा वयश द्या.रे.चंबिय तथा वियश द्या.रे.चंबिय त.गीर.ची सर.श हेरा । ध्यः रा नि.सर. परेचाश महिट म.चेश देश राश हेंद.है। हे बेशश.पीय.मीश सेर.श हेर हे. वर.हरा. स.चुर थ। दश रा.च सर टै चटचाश.त टेट । ह्र : प्र.सूश.त.च हेश हा। विश. नवर है। रः स् भार स्राम्य मिर्म मिर्म मिर्म स्था । भर्म मिर्म स्था र्चन हेश मर्दे मर हैंन नशुम्र मुक्ष केंद्र है। र दरे बल क्षेत्र स दर्द स न न न निर्म मिन मिन दगस मोर्ने देश चु हो। दे हैं दे होर मोर्ने ना हिंद समास ता से ना मोर्स स्था ना मोर्स स्था ना ने से स्था ना ने स गुद दंश में बेर परे बर दे स्वर पर्य ग्री बर पर्य वाय सुनाश या है ना वाश में श सेर परा या य झ. मोट्रेंट्र नपु श्रें सब न स्यानश योट्रें अ. श्रेंग वर्रे विर्या विश्व स्थान कर दें स्थान स्था श्रुट. (बुंश. त रेश) स ह्र्याश. मींट. भोपश. मिंट र ींव मी वर. कूर्य चाश्रिभ मींश. ह्र्य मीं. वर मीं. मैंट.भु.भध्याची,चोश्याशि बीचाश्याचा चरे. चि.मी.भीमाचि वश्यासिमाचार्या द्या. भूट.लट क्रिय.कर्.(ट्रू भक्ष चढ़ी बीचाश्वेर.)भू.चीचाश्या.रा. स्वाधानम्रेरानास्य पर्यो) । सिराधार हर कर से मानाधानि राम्बर मी धार से विधान नारराया र् द्रित्यश नावर रहास्य हिर पर्नेष विष्य श्री । नर्ने हे क्षेट से प्रव प्रन पर्ने रामाश्रह लव लचा.चा.झं.च हो। झंब.च झंब.च बट.चाल्च इस.च.चश्रम हेस.च.चशा लब.लचा. वडः न्रेश सर्व न्यं न स लेबा नदी नर स्मान्नि न हैना ना हुम हैन है। दे पट लब लचां.मु.झु बेश.चोश्.सि.च.ल झैर.चर्ड.लब.लचा चढ़ा झेंब.चु लब.लचा चढ़ा बेट. 

चब्रे.ब्रा चार्वेट इट.चर्शश ह्या चिट.ए.लिट.श.ब्रेट्श.ब्रेट्। ब्रेसिश.टे.स.ब्रा.सिश. यते.श्चित्र-देव्हे शट.त् हे.हेवश पा.टाइचश (धरा.चश्चित.कुट.श्चिटश.)त रटा। वाबिट कुर्व त्. इसस मुंदिर वेश विट सिंद्य य दर। यन पुर में इस व व व सर्वेट लेट मिंदस य तिश द्या.लूरे.चश्चिर्या,चल्.ची.रदा.क्षेत्र उड्ड्ब ड्रेच.चड्ड.चीड्य श म्ब.चडू.चेद्र ह्री. मलेर स्राक्ष्य या समिश्य हेन दि त्यस्य दूर नहीं हुरें। । हुन नी प्रकासना मले है। स्वर मी देन प्राप्त के स्वर्ध में स्वर्ध स्वर्य स् श्र.भ.कुट.त.चडु.सिब.श्रभ.कूच्मश्र.त.रेटा। र्वेश.च.डी.हश.चाश्रभ.उ.सूर.तर.सैर.च.चडु.रेट. चोट.लाट.श्रुज च.रेटा। स्री.श्रर.सुवा । रेश.श्र.चर्वेश च। स्रेभ.संर.ज्याचा च। स्व.तपु.श्वे लूर.व.वेश त.कृ.च कुन प्र. पश्चामा श्रे श्वे ही श्वे था. १.४.७.१.५.५.५.५.५.५.५ मोबंदा-मिट.र्रेट.मि.ह्यूर.र्ट अश.रेट.शैंव.ज.श्चोश.व.र्चश्च भ्रु चोव्ट चर्रु.ट्रे.शश श.मुंश.चर.चोव्ट.. ह्यें दिर स्वतः यः प्रविद्यः स्वतः विद्याः विद्याः केनाः देर यथ मिर्शेः स्वायः स्वी यह नाकेश में हे नि स्व द द द नाम नि य हा वेश यन हैं। ।हे अद दर नाम ना अश्रीय मार्डे कें। अंब प्रशस्ति यामा हु के प्रशस्ति हुं सारा लावे हुं। विष्टा अवार प्रसिक्त सी मिल्बि लिट नुत्र लिख स क्या देश देश मिल मिल्बि स्थि स्थि स्थि सरी मर स्थे गाना हैना मोश बूर्व है। वर या दे । अद क्षेत्र ने वर्ष निर्देश प्राप्त क्षेत्र । वर्ष निर्देश प्राप्त क्षेत्र चिश्रमात्रेय साक्षेत्रकार्टात्रका **अरार्**चर में कर्म स्था स्था स्थान क्रिः झर्यायते पर्झे याक्षायते । तर्यकायमायत् । तर्यकायमायत् । तर्यकायमायत् । तर्यकायमायत् । र्तार व रूसका प्रतासा स्थापन में स्थापन मे

न्ता अन् र्था दिन व ने वित्र व ने वित्र व नित्र स्रां त्रहूमान्ति। चत्रमाहे दसरात साबुन्धानान्ता (यस बुर्) नन् मान्निसा स्राह्मानान्ता (यस बुर्) नन् मान्निसा सर्वेद्यानान्ता (यस बुर्) नन् मान्निसा सर्वेद्यानाः मोट.प्रिट मो लीम.पे श्रिट.बर.भ.बिचाश.त.रटा। स्थर श्र क् चोर्टेट कु.च.सम्रिश.तर्जू लीज.रे.सम्बिश. हैं तथा वर्त है जाद है हैं दाल दानों हैं है साम हैं दाल दानों हैं तथा वर्ष हैं तथा वर्ष हैं तथा है त कुर.ज.रे. इंशश हैं विश्व विशेष दे अर्थर शत विशेष है। वर है विश्व विशेष है विश्व विशेष हैं मानेत्र सं प्याप्त मानेत्र मुन्दर नाम हेना पुरन्दर नाम हेना साम हिन्दर्ग । १९ हिन्दर्ग हर नाम दे हमस मामकुन्याक् कर विश्व कर नु स्वान का ना केव में मित नहि गानु मित्र से पनु न पस नास नाम नाम नाम । वर् क्रेंच्य वर्ष या ने क्या मर्द्धाय महित्य वा राष्ट्र प्राय क्रिय क्रेंच्य वर्ष क्रिय प्राय क्रिय क्रेंच्य वा यह क्षेत्र मामक्ष्य माने के क्षेत्र या के विष्ठ क्षेत्र या क्षेत्र या के विष्ठ क्षेत्र या के विष्ठ क्षेत्र या के विष्ठ क्षेत् |प्रथानिक ने दे प्रहिन। पर में देंने स् ने दि ने विन का मिट पर हिनाहा पात है। मिर य रे.वर अव परेश शे.श श्रूर. य. हे मिर परेर वेश तश हुन य प वेर्र विश्व र प वेर्र विश्व र वे.वर. स हैं द्रा स हैं। विनास में ने किट स न न हैं से स न न हैं दे स से दे स लम् नहेना ता मुद्दा नामर य वि हे वह नहेन ये दे इमस नहें हैं नदे कि दें। विव गूद देश 

रेसस रामा हेर हु। न्द हम य दवस यह सुर हं चार्ने हे सुर गर्ने हो साम प्रमुख सामर्ख्या यानन् कि ने धामानुस सु नेसस बन मुद बान सुदे ही तिनासा बस क न हीर हेव नुस बैर.शुण.पिविश्वश्व.प्रा.लूब हो। वृश्व.ये विश्व.प्रश्चा हु श्र हुच प्र रट के लाट. ख्र्र. प्रा. प्र प्रा. प्र प्रा. प्र प्रा. प्र प्रा. प्र तर.पर्चेर.स्। विश्वामाः स प्यामायाः दः सादुचाः सं प्यामायाः दः सिटः स वि.प देशः पः प्या শ্বদেশ বিষা दे বিষ বৰ্ণনাথ বংলী বৰ নার্থ বন্ধ বার্ণ বার্ণনার বর্ণ । বি নার্ভির দুলা না শ্বির वे क्रिट्य व नांस् स्ना न हो नांसर यदे नुस ताना येट कनांस वस स्पर् य ने स स सिना येट कनांस वस स्पर् य स सिना स वश्वासकेव नास्त्रामा अत्राप्ता अत्राप्ता अत्राप्ता केट्रापा केट्रापा ने दिस्य सं दिया निया स्थान स् र्ने.चं.पंचा चात्राचाट के वा वर्ने.चं.चं क्षेत्र चरत दात्र के ही वर्ने.चं क्षेत्र हे.से.स.चंश्र.श्र.चंत्र.लयं मी क्या त्र क्या त्य क्या त्र क्या त् हीं दे सक्र हैन पढ़ महिन । हिन पर ही कर्ष हैन महिम है पढ़ पह के केंद्र या पूर्व केंद्र यर्तु म केंद्र य सु सु द क्राक्ष में नाक्ष य र्गाय सु यर्ते या से । ने हुन हीर मार्श न र गत थ। वयश सद या धुर रेद यश व मार्श र गरे यते । वयश रमार विश्व मुत्र। दि स्वश्न मिन स्वा स्वर स्वर हिन। कि स्वर स्वर हिन मह्म महम्म म ह्येर् य य होनाहर य प्रत्या पड़ ना हेहा चें येन प हो। हर् य हिन य होने कर यह से प्रत्य से प्रत्य

लार भु ना ने निर्मा निर्मा के ना निर्मा निर् क्षेत्र मन क्षेत्र पर क्षेत्र पर पर मिश के विर । वके वर पर पर वित है। निहरी यामिने से नेद सर्वेदान बुर यर ने में हिर देंद क्षेत्र साथी वसामि व हसा देश हैं यर पुः ताम्बर्स : व्यवस : व्य **ल्रॅ. मेर. वर्षा वर्ष** र्श्वेन नहेंन् दन नुष्य ने सुष वहुद व झ्र लेश वर्ते वर केंना नशुम मुल हो व ने। स्र नर निन्दार देन होत हैन हमा लेन हुन सम्मान र्वमानु मान्य वरा क्षयामानेरामी देनामान मुना प्रमानिक प्रमानिक पानि। निविद्यं नेश याद्यार्या भीत ही। निविद्या निर्धिया से स्थापत स्रीया से प्राप्त स्थी मार्थित स्थी मार्श्व वर्ष स्त्र मिट सिट पर प्रवर्ग व स्वर लेश पर रू दूर्य हुन मिश हुर हो। सिय में हेर्ष हिट त्र्री त्राच्या वर् भाक्षः वर् क्रिया व्याप्त क्रिया व्यापत क्रापत क्रिया व्यापत क्रिया व्यापत क्रिया व्यापत क्रिया व्यापत क्रापत क्रिया व्यापत क्रापत क्रिया व्यापत क्रिया व्यापत क्रिया व्यापत क्रिया व्यापत क्रापत क्रापत क्रापत क्र व.च.चीश्र्यात त र्रेथ.रे.श्रु.त्र्याचर्यन्थ्यातात्या चीरेट रचा.श्रु.हेर.चतु.हेट.रे.स्र्य.स्र्य. य वा मार्या पर्क्षेत्र वर्षे से मेरास देश है वस्त या वर्षेत्र वे वस्त वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्ते वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्य 

वञ्चय वरि हिट नु मुर यरे कर य रे इन् व स स्विन यरे रू न्वार न्यार वहार वहा वोर्त य छेर न स्त्रायान्ता स्वाप्तायस्य विष्यान्ते विष्यान्ते स्वर्याः स् श्रं यर में र हिन ने। विकास महिल ने से निर्मा निर्मा पर्व प विद्युत्त है। মहन ধুর শ্রী স্থব मेर नपरंच्या लामें केर रेची तर हैर लार अक्ष केर नपरंच्या वयश पा भट्ट व यह येत्र त्रियाया क्षेत्र मा विश्व ये ये हुन या मार्थ हु मुक्ति हैं। नम् नर मुन्निक नरे कर माने हे क्ष्यक स के क्ष्यक स्नुत्यर से मुने । र् १ असर सर् रमें शासरे वर माने रे समह पास नर मेर म होर म हिरामर मुर्गे । । पार हिरास येथा स्ता वर्ष महिंद्र महिंद्र वर्ष महिंद्र महिंद पश्चात्रका प्राचिक्त स्वात्रका स्वा पहेंब.त. केश त. पश्चिम. बर्ट. त. पश्च पट विवस श्वी सिना.चर.भमित.चर.नाश्र्रीर परी सिना.ठद्रुम.मि.पश्रुप.मोर्ट.मीश.प्र्या १९५४ रट. र्द्यासदे प्रमेष बर् है। विर्णाद प्रमेष विर्णाहित विर्मा हैत

स्म मर्शि । भ भी बद् त्र वेय त्र क्ष्य । । मू न बद् र र हरा मर्शि । रायर वासरायाना स्थान ह नहिना यानु नेराङ्क रायरे नास्थ यह यह नेर्रो । यह याया द्वा नालुदः। अतंत्रः मुक्तिः विद्याप्यः भेत्रः विद्याप्यः प्रदेशः हुं व.ट्री लंदिइ.चिवः। हैं य.च.चहीं श्रव्या लंदिइ.सक्वेत्। निविदः पश्चितः त्यरः विश्वः त द्वा दे, वशः यटः श्च्रूटः लूटे जल श्रेशः ग्रेशः पट्टे श्चरः वशः वशः विश्वः श्वा । ग्रे. प्राची वश्चः तथा वश्चिवः त्यरः विश्वः त्यं देटः । दुर्यः प्रवेशः वश्चेशः तथ् । । देः लट यटः त्रः त्र्रं सहर श्रीर प्रत्र की व्रव्या महित्या या की प्रत्र स्रोत्त की व्रव्या महित्या या की प्रत्र स्रोत्त की व्य के व्यव्या महित्य की व्यव्या महित्या या की व्यव्या महित्या महित्या महित्या महित्य महित्या महित्य महित्य महित्य  म् राम्य स्थार में के मार्ग महिना मिं नहें नहें सर्ग ने में नहें ना में नहें ना में नहें ना में ना में ना में ना में ना में ना में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार रे बर्ग नर्ग । रे ला में में के नं नं नं ने ने में ने नं नं में नं नं में नं नं ने नं नं नं नं नं नं नं नं नं र्स प्रकर पर प्रचुर है। दे बुर ह्वें नशुस में देर हम के मुंदुन में बुर बुश सर्हेन प्रवें। नश्यात्रान्यार नार वेट कवाणी श्रेश्यात्र ह्व पर वे ही। हैंर वर्ट्यानि अहिन यह रूट त्. थे। रीचा प्रहार प्रस्ट प्रस्तर पर्त्यास रेट व रेटा विषय हित हैं प्रस् भक्ष्य प.ला ।श्रेट्श येथश त.ट्ये रेट.चरेट श्रेंशश यक्षेत्र। ।श्रेंच त येट.क्य नम्निश्चर नम् लेट मिन नहें अर। । देन नो स्थ नहें सट में नस स रम् निस्त लेश नश हेंन. है। पर्ने ता प्राप्त सर्मे मुक्ष मिने स्था । । सर्मे नम्बन है। यससाय निम्म य व.कुची.ज चेत्। हि.लाट चेश तर न्तर था हैंट य हैंच त.क्रेंच त.च्हेश चेट हैंच. बेश त.जा चेट हैंच हाश्रम में मेंचेश हट त.चंडश तरा हैंट य हैंच त.क्रेंच त.च्हेश चेह छ्व. सक्ना-दे-सुभसा नश्चीर त रेट। रेट्स-मोडी पर्या कर्मा कर्मा से सिंट य रेट। मिश्च श्ट. क्रिंच शासी वर त्या श्री वर प्राप्त प्रत्य स्था वर प्राप्त प्रत्य श्री वर प्राप्त प्रत्य प्रत्य श्री वर प्राप्त प्रत्य प्रत्य श्री वर प्रत्य श्री वर्ष प्रत्य प् र्ट्स मिले था वर्प मुद्द पर्दे पुरा सु हे सुर पान मे व या लुना सा प्रा के महा सु प्रो । लट.भ्र.क्रेर.लट स्व. १९८५ भ्र.चेर.तर. २मो. तर. पर्छे. पर्। दि. हर. पश्चा तर. पर्छे छुट.। हे. व.बर्.त.रं.चंश्.शं.शं.लंट.पश्चर त् पर्वेट.चर्.तव.लंब.ल्ट.चंर्रा ।रंघ.शूच.रंट. इंब.त. माबद्द्यामुक्षानुकानु मान्यामुक्षानु मान्यामुक्यामुक्षानु मान्यामुक्षानु मान्यामुक्षानु मान्यामुक्षानु मान्यामु नर्शेट वे.बुंश.तपु.चर.मुंश.हुंब.ट्रा ह्यंत.ट्रांब.ज शटश.मेंश.ग्रे.ह्यं चंबत १८५ मंशेट.

मो र्से मोलना स र दिन मो ना हिर नर है नरे र से केना मोहेश में से से से हैं। स्थान प्रमुक्त के स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान हुंश वि। क.चेर धमश ज.लू.रम.चु.सेच.सक्र.मे.विर.चवर.हे.मु.पचमाचराह्।। पश्च प्रस्त प्र स्रेच चालकाका २ : द्यारा स्त्राचार क्षेत्र क्

सार्थ जुश क्षेट हुश ज्यें सक्या पर व क्षेत्रश्चा । यह स्वार प्रकार प्रक क्षे. बंभश गुंस है : नर्रे दे के ने रेट । विटार्से टाइसश गुंश नहरे जाने के ने हो । विट्रांस हैन सब हुए संस्थेर कर र व कर हु कर व कर हु कर व कर हु कर कर के हैं। में हु कर कर कर के के के र के व कर कर के के के र के व कर के के के र के व कर कर के के के र के व कर कर के के के र के के र के के के र के के र के के र मुने हीर में त्येन नर्न नम् में र्ने नन्न स्था इन दे नर्ने हैं हैं स सेर न नार में र्ने नम् स्न त.बेट.चेट.चोट्बे.बंश्वश.बट श्रुज.च कुची दे.जैज.चीश.चश्चश.जा सेट.जब चीश्वश.मिश.वीश. प्रस्ता है हैं निर्देश मुन हैं निर्देश में ने हैं निर्देश में ने हैं निर्देश में ने हैं ने निर्देश में ने हैं ने निर्देश में ने हैं ने निर्देश में नि यश्याप्त वश्याप्त वश्यापत वश् पश्चल्यार्ट्रे. बुटायमा प्रेशान्दापर्स् विश्वशासुरासुरासुरासुरास्त्रासुरामा कर्मियामा स्विपाय प्रमान

इस.त.पच्च्.च ज.सर्ट्र मील.चाकेश.ल्ट्.ट्री क्ट्रंट.चक्रेश ही देश.त.पच्च.च लिख टचा. विभी निःस्त मुद्य पर वन्तर वा सना वर्षे वर्ष द्वार वर्षे वर्ष वर्षे वर्ष वर्षे वर्ष वर्षे वर्ष वर्षे वर्षे वर्ष ट्या क्रिया क्रिया व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्यापत व्य ने वेश वर्ते दशक गुन में देश दु त्यूर वेश पक रहेन है। अब वर्ते व के समा या हो। क निर्मुन् मुं निर्मु निर्मु निर्मु मुंदा निर्मु है निर्मु है निर्मु है निर्मु है ने निर्मु है निर्मु है निर्मु क्षेत्र चें न्य नुस क्षु वेस यस दन या क्षेन वक्षेन दस यदे। । धरेन वें चात है मेना या वस खिट दना भेर के प्रे प्रे इसस भेर के कि सम्म स्मित्स प्रमायम स्मित स्मित स्मित कि दि दक्र पर्टी ने 'सूर' इस'य वर्चे 'प ने इसस' वेश' व'यर्चे 'श्रम्भ 'उन ग्री' **न्**यंत्र नु'द्युर' ने। ने 'इसस' से 'केंस' मु नि के के नि नि के नि रु प्रमुद्देश । वुष्य व्यापहें न्याय व्याद सर्दे मुख्यान हैस है। अर्दे नह्न प्यापे। मुद्रिन्दित म्निस य वह दिन्दि मिस्रास्तर महर दुट लेख पर्या प्रिन्दित यह वह दिन या महिस है। मूँचा,श्रध २ २ कुंब, चर. चर्छेंचा । कूंब, चर चर्चेंद्र, चर. केंद्र बुंब, चरा। चूंच्य प्रायम्भ चर्च्य, चर्य, चर्च्य, चर्च्य, चर्च्य, चर्च्य, चर्च्य, चर्च्य, चर्च्य, चर्च्य, चर्य, च हैर नहें र्युर वेश पर कु रहे में न फेब पहा वह में नामकर युव पर पहारा नाय के ही नाम हे स्थान सामन मु देवे देव स्थान न्यत्मक्ष यते हर् में केंद्र दे मानशायर में विवसायाधिक वी । यदी त्रींना मधर है वा कें केंद्र दे 

सक् हैर रटा। । नहेर्यायदेश सम्बद्ध सम्मास्य हेर महास्य स्था। महास्य मुं नर्रे प्रेन वर्षेत्र करा निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश करें है। दे स स्टान्सुस ह्मिन निर्म के महिन प्रमा निर्मा महिन प्रमा निर्मा महिन प्रमा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा कुर यर प्यत्र वा दे पर दर वे क्षेत्र द्वें के अरूव हैर वै। बहेब यर द्वींब - दीं स इंद हुन में कु:सिस रट.सर ट्या करी | LEC रूट.मूज क्ट यहु.स.चर्मर ट्रंश यहुर.खेश.तश य वै.क्ट्रेन.ज.भवश्यक्ष.व.व.व..व..व.च. ह्यं ज भवश्यक्ष.जन जूर हुर वा ह्यं ह्यं मक्रिश मा.ज.श्रोमश पश.भथ.टमा.नाश्चर.रे. ह्र्य प.ज श्रोमश.च रेट। श्व.टमा रेट झेश.च रे. निबिट मिटाला नहेबादासा खेबादार हैं नास किटालाई बाहे न न महिता नाबरा ने स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित टना र्ल्स् हिटा क्रिंच यदे रदा रेटा न रदा मार्सिस याय मार्ला क्रिंस क्रें चेर यर मार्नेट वेर्न हेराय क्षेत्रम् न्या स्ट्रांच न्दानग्दानर देशान है। वर्षेष वयस र्वास य सेर् रर सें मार्र मा বন্ধুৰ বন স্বৰ্ম বী यर मु लेश य हो। । श्चिर या महिमार हर हे प्ये खुमार दार महुन । दिन हो ते ता महिमार दमा से । विकार प्राप्त प्रा व्च प हैना दें द ना के कुम प स्नाय मु भेर वे केंग रद वेस वु र सेर पर। हेर. २८. म्र. हेर २८.। इंर. २६८. जुर. २८ म्र जुर. २८.। इंच. २त्र ८६. जरा हैत. अर्द् क्षेत्र.चर व्रिश्च.मुश्च.चर्यायाया विष्य.चित्र्य वर्षे स्ट्रिश्च वर्षे संक्ष्यः नाशुद नो दें अर्क्ष नश्च नश्चर म्र्यून मिना नु निर्देश ने मेर मुन्य मिना मेर यर नाट नक्षें नते नु न नक्षुन यर नुदे। ।दे नलेव नु क्षेंद्र य बस्स उद गुट क्षेंद्र न वह न्तीसायदे खुमान् यमुन है। श्रुराह्मान महासम्बद्धा है। के ने के ने हेन य द्रा मिंद झूर क नहें ब व न द अदा ने हैं व व के ब के ब ने । मिंद की केंद्र के न दे निम्म स्वीत स्वर होता प्रमेन स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य र्नार वर्दा। क्रिंग्यार्नार वर्दाः हेर् रहें यार्नार वर्म स्निर सर्वे स्त्रिंवर् सेंवर पहना हिट मीश तर वेट्रा ।ल्यु १३ ज्यं वश मी हैट ल लट है व रे क्टूर पर विश ला

भ्र. वै यर भ विवश हें मा माद पर्चें र मी मी विशेष क्रें 'चु रवश' सम् ঘই বৃশ্ধ ঘ বী न्में श्रायासुर पर विवस न्यास्याप स्माप्याप द्याप विवस क्षिया स्थाप क्षिय न्यें न सक्त केरा वर्त दे वर्ष रे वर्ष राष्ट्र वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्षेत्र वर्ष वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर समिश्र पर लूच्य पर रेच्य र लूरे ही । मूचित्र प्राप्त मुस्य पर हु थे पर मि मारेरात्म वरातु महिंद्रायदे द्वा और यशायहिंगसायर यशुर रें। ।दे वहेंस वसाहे हिंद्रा श्चिं न्त्रे मु द्वा नलेश क्षश्र अर्वेट प रहा। व्याप्य म्या म्या में स्था ने लेश हैट प देश प रहा। हे त बब हब हो हैं राज्य हैं साही मिल्य भेर व से नसस नम हैं र तस इस नहें (वर्ने तर ७ भ : २ ५ मा भी तुस सु : प्याट स : प्रेस : यर : र्वे : पर्य स स स्रो) । १८६ मस्स्रेस : यस : लेव हि दि से स्रोस : य निया त्या असार सेन पर निर्मा व्या विक्र से स्था से स्था विक्र से स्था विक्र से स्था विक्र से स्था विक्र से स्था से स्था विक्र से स्था विक्र से स्था विक्र से स्था विक्र से स्था से स्था विक्र से स्था विक्र से स्था से स्था विक्र से स्था विक्र लेश.प.ही मूर.केर.रट.मी.चे.च प म्राश्चरा.पुट.पुश.तर.चेश.वश.चलव मुे.चे.च प. पहेंच पर. नु दर्मिक्ष है। माल्य माद ले वा वद य दमक्ष मुँ नु व है। वद य दे मार्थे पर मार्थ मिट्यं वर्षा रे मार्थे पर्रे हिंदा माट क्षेत्र या क्षेत्र या के व्यं पर्य स्वर्ध हिंदी हिंदी हुँ र हुँ र न्याय श्र्मिश रेश वय में रच रच है। अव सार मीटशायर हिर पर्या हि पर रचेर वा स्थाप वर्ष सार हिर पर्या हि पर रचेर वा मी.चर.मी.ची.वीय स्. होत.ज.स.स्ट्रं.चरश श्रुंच.रेत्रं.शुश्रश्चरं.चंचं.लं चाड्डवंश्चरं.कूरं त.पश श्रां बिश नाशुमा देर मुल चे दे निम्द्रस माला ह्येन निम्दर्भ सिन् सुस नु नहीं निम्दर्भ निम्दर्भ होना

वेत् वर पर्ना विवास हम वा क्षेत्र वहा वहा वर्षा देर हिंद वही य हुंब स् चेड्रेच मी.लच रे (भर चंडे चंड्र.मि.च.र्स स् )ह्र्र.त चाट.च रे बंहा उर्ड लहा हिट. बर्.मिट.श.म् चर-मिट.म् निर श्र्य खुन । निर्माते म्.व. हिर्मे श्रुन रेट उर्चन ह्या ह्या वेश चरेट. रेपे. हिश श्रि.चीट रेप्र. ब्रे बेट वशश पर टे. म्. म ख्र. रेट केर श्र् प्र. में. येचे वशी रदः नदेव क्षेत्र र् क्षेत्र व क्षेत्र व दे दे ने विकार ५८.१ र्नाय.चार्थ.४८.वंश.वंश.वंश.वंश.वंश थ १ वंश.वंश रें। लब.कुच.कर बक्ष.चांस्र्र.झ.चरेच तर्.क्रेर.चेब.वे.चड्छ तः चेत्। ।भुप्र.क्र्स सिच्स. य प्राप्त विश्व विष्य विश्व व क्रे. मिर वंश बरे. या बार्श भारा वेश येर उपया याम राम होरा यर रे मारे में से से से मिरा पर रे मारे में से हो। रत् सम् स ह्र्य.मी.चर टे.िम.स्रेय.चर.चेश.यंश ८मूट.श्र.चैट.करं.ज.पम् प्रेये ज्येश ज.वंश. स्था स्वयं स.म्रीट चुंश प्रयेता. रम्बंश पश रटा चुं लूब . येथा सम्म् ह्या क्षेथ मीमा त्र्या मिटा पर्ट्र मि क्ट. रे.ची अ.पटा पर्वेश पश पर्ट्य चीश पर्वेश प्रम् ह्या क्षेथ मीमा त्र्या वयश्चर य देव हर पर्यार परे रे शि.मिर सामक्ष्य व है स्पर हेर रे में पर्य प्राप्त मार मार मार स सनारणर दट ले मिन । अ.मी है ने शर र ने र ने र ने र ने हैं ने है वे ज हुई. नाश्चर्यं सम्मा स्वर्यं प्रश्ना स्वरं स्वरं प्रश्ना स्वरं स्वरं प्रश्ना स्वरं स्वरं स्वरं प्रश्ना स्वरं स्वरं स्वरं प्रश्ना स्वरं स्वरं स्वरं प्रतं स्वरं स्वरं प्रश्ना स्वरं सम्बद्धाः न्य यद्र सम्बद्धाः नुष्य स्त्रः नुष्य स्त्रः नुष्य स्तरः मिल्यः स्वरः ह्मिश पर्वीर (ब्रिश तथा) क्रिश तर हिंदे. य. ये। विश्व तर्र हम्माय क्रिश तथा सर्वे स्वर तथा सर्वे स्वर तथा स्वर म्याबाराः स्रातः स्रात्यस्य । यर दुः दर्म्यावारा सरेः यरः मुः ५८. ७५४. हेंचे. ज ब्र्ड त. ब्रैंब. चरच चेश.चट. चेश. त हे. जं. श्रे. ८ वट. ब्रेट. व्रट. चट. चहेर. हेरे. तहां । सर्व अर्थ केर. तर वैद्। । विट रच. श्रेष कुर तर स्वेश स्ट्रिश स्वेश स्वेश स्वेश स्वेश स्वेश स्वेश स्वेश स्वेश स क्रें प्रदेग वर्षे द्वारा है। हैं संक्रिं हैं नश्चारी मिलन य यह व्यासाने न मुदासी न मुदासी मा देश मुद्दा न महिता विव क्राट.पा.वु। विव क्राट.पार क्राटश पा.क्शश.पा.वी.चीश.डुश.पडिट। ।शह्ये.ट्रा.क्शश.पा. रट.ची.पर्ट.च्यं चर्चेत द्रसात हो। रस.पर् हींर.त.रट.चहेंय.वश.हेंच प्र्ट्स.क्यं क्रमस. स्व त्यस्य विश्व क्रिक्त स्व त्यस्य स्य स्व त्यस्य स्य स्य त्यस्य स्यस्य स्य त्यस्य स्य नार्थः सन्यान्तः सवरः विना नो तन्त्रात् वे क्षाये नारः तन्ति । नारेशः तः स्रान्ति दे वे। रे.क्र त्र्रा ।रे.ज.इ.र्चाश.७ंश.चे य.वे रच.चशा वच्चेट.रेट.श्वेप.श.ज.श्चांश.चोट. लट.मूट.रे.क्र.त प वेर् हुंब चिंद बंब चंतर की त्व.चंब वे.चंब् वे.चंब् वेर.ह.कंर.चंब्र्त नार्से च चें चलेदे सद्ध केंद्र है देनाब यर मिंट र् कुर य हैना य झुर यहै टि व लेश मुद्री हेश क्रूच बर्मा हे यह मारास इट प्यट झुन यर से प्रमुन निर्मे मेरा हिश क्रूच प्रमुन । सिशास सर् सर् से में हिंद हैं। अर लिश नि से के सर लिश नि से के सर लिश में में में में में में में में ह्य. गु. ७. थ. त मैता. ग्. ध्या ग्री. भूट. झे. ७४१. च्रें ४. हे २. ८ विर. श्रव.स.बुश.ची |मलै'म'क्रुव'मदे'न्चे'म'स सर्दर'मुख'महुन'म्ब्रुस'हे| नश्र झे हैं : लेश : मुद्रा मर्न्रायम्बर्ग्वा र्वे व स्वर्ण्यास्वर्षेत्रयार्गा । १८५ यम छन्। प्रायम्बर्धायाम्बर्धाया

हे लेश यश हैंव है। । मुर्यः सर स्वतः व स्वतः स स व स्थेतः स की जुना नासुस मु रस्य वर् শ্লুব্'ব'শ্বম'ঘর্ बर्गी मुँ रेंग नाश्चेम रट. चडश. च.रे श्रेम. चंद्र. झब्र च. वे श्राटश मुंश होय में [= व से न हे हा यहा नेते. मूट व झर न मलिय मट लट सर नर है है र है व से र नर हैं ने শ্লুৰ শ্ৰী শ্লু শ্ৰেৰ चिष्य. हुचे. शह्य. चुश. चैश अ. केष यह सूर हुँ ह. बुश संश 新4.1 日子 コエ.84 g1 मी.पिश्चारमा.लूर्ने.मिश्चेभ येर.मुच्चाचेश.मो७१ हम मी.शुर्य-तर.पुश्चार.श्चार पश क्षश ग्रे. केश. त भ श्रेंशश. त। वसिरश. वंश श्रेंशश तर चिर. तप . दे. ही। श्. श्. भ्रे त्र प्रस्य तामश्रास्य त्या प्रत्याश्चायश्च सिर्त्यः क्या मी स्थित र् . कश. प बिट. सूचा.ची.ची जेर. दुश. य. हो। इंट. य. रूचाश की. श्रेय च लेश चे. प दे। र्चनश.ग्रेश.सं. व. वेर वर वार्ट. व. वेर वंश र्वाश. वर्गेर. रेट करे. व. ही मी. व. श्रेर व. पंट्र यहेर.वश श्रेंच.रेत्र में सेमा.चंड्र महिंद. हिंद माश्रश.त.रेत.। रूट.मी.वेशश.शेंट ज. म्सिश् नपु श्रुव, त हो। चट है. श्रूच, तथा मारेज, रम्पूब, हेब, बशा श्रवत चले. पर्रेर्निय शास्त्र या नहीं न शास्त्र या ने सामित्र वा ने स्वाप्त का स्वाप्त वा स्वापत वा स्वाप्त वा स्वापत वा स्वापत वा स्वापत वा स्वापत वा स्व मोर्टिश र्वेण ला श्चिरंक प्रविद्यं विश्वान स्थान र्व्याय प्रस्थ प्रेट्रिं के स्वर्गा या या प्रयाप्त प्रमाण के प्रस्थ प्रमाण के प्रस्थ स्वर्गा मु झेर तार्ट चलेहें। ।रे.पा.वर.च.चव च्या मेर च्या मेर चारी हर दर.च खेर.हर.चेश पश देते वर्षां मश्चाय प्रदेश स्वरास्त्र वर्षा स्वराय स्वरा रदाला मुदानि कर ते के सं भेव गुदावर निवर निवंश के भेवामर ने वंशामयान भेरासर त्मीर है। र्व्नान त्रम्भरायनेत्रणे क्षुत्रायाके। अयायसासेत्य रेटसायामान्द्रन वितरे रेटमानेसा मक्षिरात्म श्रित् निर्वित् मी सर साम्ब्र गिट निर्वे न ति निर्वे निर्वे स्तर हो र ने वहार विस् पर निर्वे न

देश'गुद'दये' ह्म य स र्येट्स यन वर्स मंग्रिस गुट त्य्य द्वे य त्य्य राष्ट्र ए के व्यक्त य है। र्मा अधिराता के अप तेश मिटा के अधिरात्र अधिरात्र के अधिरात्र विश्वास र दें दे विश्वास व.शन तर हैं . तथ च पुर अर तचीर र्। लु में पड़े प्रश्च व में पड़े थेश त. व्याप प्री में पड़े थेश त. व्याप प्री में पड़े थे तथ हैं एत. यनुषायान्ता अवान्ते द्याकृत्यापर वयाणिन वना यान्य यान्ता हना यानुषा वया अव.त.चर्ष्य तप्र.रन्.४ विर.रटा। लूच बै.वेट.यह्ब.चैश.वंश.वंश्व.वंश्व.ताल श्चांश.तप्र.लूच. बना य वब मुक्ष नक्ष वक्ष प्रक्रिं या है। रचे ह्ये ता व्याप्त मुक्त निव्य ही अव दाना अ हिन मि.स.स्मार में ल ग्री स्वर पे। यशःमानेदःसरःदगुरः री वर् यदे संस त्युय न विर सर वर्षीर पर नि हैर। वर्षे प्रस त्युय न हर स्वा मी मी विर हेस यन्तर्रा ।रमुः पर्ने सहना पर्ने पर्ने प्रमान स्थान स्यान स्थान स्य मार्ड प्राम्बेर प्राप्ति । विष्य विषय विषय प्रमाय प्रमाय विषय से सथ है। माश्रीय सेतु माल्य मी देव या मार प्रदूर श्रेमदा । मार्श न्यु न मुद्द या से दिस ह्यू न प्रदेश से हैं मार्थ से प्र हिसायमा मर्चर हेर यह नशुमार हम यरे भ्रूर यरे स्वास हेर्न प्रेरे हेर्न प्रेरेन प्रेरेन प्रेरे श्चर.त.री टम्. च.वर.त.क्षश.मु. अम्ब. च.व.वी । इनश.ट रूप टट. शूट.क्षश.मु. क्षेट्र.चकु मशिमार्टर.क्रे.सपु.श्रेश्र.ता.ट्रे.श्रदश.चीश श्रिश.चेट्र.श्रेश.ता क्षेत्रेत्। विट.श्रेट.चचीर.सपू. चचीर.८हूर श्रेश विश्व प्रकृश राज्य स्थित स्थान्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य याद्यायते क्रिन्यस्तायत् । क्रियायर ययत् व। त्रामे सेवायायकुत् सेत्यते क्रिन्ये

रे.र्डर.श्रु बच सवर.सर्ड.श्रुचा ।रूताल.चर्चेर सुर.तर्ड.श्रंथ.त.र्डा ।स.लूब.चेज.ब. यड्टाय सर्। ।गुर्न गुरु श्रेष्टे वर्र वर्गुर क्षेत्र यहा **स्**रुप्य यहा वर्षेत्र क्षेत्र प्रस् न्दः से इन् हे सबर सर संद न मेंदः हु क्षेत्र यदे क्षेत्र नह नहुस संद हो ।नादः ले ना ह्मार्था स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य भ्र.(ब्रॅ. मॅ्र्अ:र्ट:क्रेय:त कृत:) बर्ट्य:ता स्वर्य:पात्रय:मी:रूपार:पर्वेट:शूर नथा र्ट. शुट मी. त. स्मार त. मार्थे. मात्र्ये. मात्र्ये. मार्थे. भेर. हैट देश. मीट. प्रिंट. दे कु. पर्ट्र त. पर्ट्रा मार्डेश त है। मार्बेट, र्ये. पुंधा स्थित त.री । रिशिश जूट, रेची, त हश चर्नेय, तब्दी । पर्वे.चर्चे.६.पर्वे.ह्स.भू.च्या वार्श्.हवस.स्या.पर्चे.रैंचा १५.जया.जुर भू खेला त चहेब लटा रेतुर व रेशिश जूट जार इर श चहेबे त रेट उरे हैं भू खेश हों । विशेष त बी व.मेंब भुर. दुना. नम. रे. बिनाश वशासम विचा रट. रेर व. में क्ष्मान च रट. पर्ट्रा । निर्ध त वी वर्ना ववश से विश्व झूर य रे। । नाकेन सेर वेश सु र विश्व या पर विश्व या पर दे विश्व य नहिन में प्रतृर विश्व यश नहेना अवश से प्रेश क कर मुँ देश से बेक हो। निहेत्र च वेश मेर्-यदे वेश्वनार्दर्नु वेर्न हें वेश्वन नहेन कुर मे द्वूर्न नर्द्रों । स्वाय है। इ.क.भु.चुस.श्चर.त.री ।चे.तराचे चोर्ट श्र.चुस.ट्रा ।क्.चीट वर क्री.सेर.भु होर. लेश'यश। पर्ना'यवश'र्मशरा'मु '४८ दश मुट'र्झश'रु' ह कु'नाहेश य'वर्नन से 'वेश द'र्स'म्ह मी वर् नाट भी अप की धेर है। र्येर व मेर्ड में वेश यरे मुर यर्द वर्दों। तुना दार्जी! मिसर से 'वेश क्षुत्र वारी! निर्हे वेश क्षुत्र विश प्रता । १८८ ही दश मीनीश रा.एथ.त.सून्। दुश राजा अ शर पर्ट्नाश.श जुल थ.पि भर.परेचीश.रा रेप्र होट रे थे. पर्वेट.चश.रट.हेर् मि श्रेटश.पा रेश.श्र. तेश.चर पर्वेच इश राष्ट्र मीचाश.त.टथ.त स्व.मी न्येर क्र्यु क्षेत्र मदी मर्डि में न्राय न्या माय ने मूंब महें का अराराय विकास मिरि स्ट्रा यन्त्र यात्री वर्ष्ट्य द्वय हो स्वी शाञ्चत यात्री । शुक्र मुद्द द्वित त्यासन्त त्येक त्र हा मक्रिंदार्यं वर विमाधायया से त्यूर लेखायस। महेंदिया से भी ब दामकेदार्य वर हिट रू से स्वा है।

र्यर व खर्मिट रे. सर्प त्याच कीट क्रेनिया सर छ स्त्री यारा प्राप्त । वसीर वी वसा हैंर. श्च वेश श्चर यहा । १८ श्चर र्या य ल्या या पर्या । १४८ मुँ हें यहा श्चेर खरा हार प्रस्थ हें य यथ। अश्र हिंद् में यद निर्द में प्रेश द अश्र हिंद में निर्ध कर हिंद में निर्ध हिंद से प्रेश हिंद से स्था प्रस्थित यर मुरे य हो। रियर व रह श्री रिया य स्माय रह पर हो। अस सिस बिह्स स.सर.त. दे नोर्बर पर प्रमुद्द य द्वार पर प्रमु । देनु पर देन विः हुँ दे से से सं ह्वा य देन । ह्वा वस हो वेस लिट:य:पद्या अत्र स्वरायम् यस त्र पश्चिर प्रमुदः वेसःयसा । अत्र मु ले:मु ने से प्रमुद् य.रट.केच.य.रट.ज्य.य.यथ.वं. टे.उचीर.ट्रा वर्ष वर्ष थ्यं वर्ष चर्ड.बुट.य.ट्रंब.वं.च. मुन्त्रके वेशः स्वर्धः वर्षः । । । । । । विक्षाः वर्षः । । । वर्षः वर्षः । । । वर्षः वर्षः । । वर्षः वरः वर्षः । । वर्षः वरः वरः । । वर्षः वरः वरः । । वर्षः वरः वरः । । वरः वरः वरः वरः । । बिट्स.स केटल तर चेर. हे है तस पहुंचा वितः व ने सहे.ह ज.ह. तन व ह रट है स चे स स्ट ता. सेर व बर. सं. तक्षा । त्या महिमाय वे। कत्र सं. तक्षा प्रता प्रता प् मार्थिय है. खेना हा जी स्थान मार्थ्य मार्थ मार्थ मार्थ्य मार्थ नातर मि नद्दा से सामाजेश से भीश न नद नद नद नद्दा नु न हिंया दे में है। বম:প্রীম:ৠয়:বলা चालुब है. बचारा त हुं चरायस वा हिंचा मी. चाडी. त. लुब चंदे. हुंदा वित्रेता चरास वी त्रिंद्र-इसस् सिट हुं न्या चेंट ने ने ने में हैं ने ने क्षेत्र क्षेत्र ने केंद्र ने ने पर हैं। बर् हैं.य ज लंड. वर हूंचे बंश चंश् च केट. टे.चेश चंश में चंश्याला लंडाचा हैं. वर हूंचे. बंश. म्र्राच र्नाम्बर्ग्यर वर् मल्य स्त्रेर चर् सुर्रा लियाश्र श्रु श्रुवारा प्येद प्रश श्रुवारा प्रति य देश माजीत हिते विवाश रा ह्यांश दश वर्ष ता परे देवश यर ने ने ने हैं व यह के में दे परे महा है दे व यह के यह व यह महा के स्वर्धिय

मुन्द्र अन्तर्भ मिन्द्र अन्तर्भ मिन्द्र अन्तर्भ भिन्द्र अन्ति अन्ति अन्तर्भ भिन्द्र अन्तर्भ भिन्द्र अन्तर्भ भि न'नाढेस'र्से: । भूर'यर यस य सर्र मुस नाहेस है। सर्र नहर नहर है। अर्र पदे प्रश्नाय विश्व हिंद पर निष्ठ के के लेश प्रश्ना विश्व हिंद हिंद में हिंद पर हिंद हिंद पर हिंद हिंद पर हिंद हिंद দাধান্দ্র বিষ্ণার্থ বিষ सुका गु क्रिक निर्म कर निर्म वहां । वह राषे व नामार स्वि देव दुः मारेर विहास महा त्र'य स्थानुषायर्थे स्थान्केर्यस्य प्राक्षेत्रस्य प्राचित्रः स्थान् । स्थान् यन वश्चन । वर्ष चःचर्रनाःचः प्रमेरःचःद्र। श्चरःश्चरः च र्रः। र्युरः चुर.च.बसब.कर.देश.जब थ ४८श चर जुरे दे चड्ड्र चर.चुर.चर्रा ।टना.ची.जब हु मि.रेशर. म्रान्यकार हे लेख प्रमा निःसरः नाकेश सुःमार्नाश च र्ट। माशुसः रू नार्नाश पर्दि। मि.भर मोडेश.श. मार्ताश च हा <u>ह</u>े माश थ.सिंस. टे. टेट ठंगेंट. जंगेंं से ग्रेंट मार्टाशा ।उष्ट्र. यर मिश बिर प्रकृष रेश मोरेन मोड़ र खेश ने यहा र क्रू रक्ष्य हुन कर हैं मेश के से यह तिम्स वस्त वर की सर्वेश दे मि सर नामाय मूर पर्वेगाश च ही नश्र चर पर्वेग व उर्व हरे. मुक्तित्र हैं वर मिन हिन है हैं हैं दश से रहें लेश संस वर मिस हैं। से पर्ट, वर्टन पर्टी के उन्हें, त शरश मुश्र झूर खंश चाड़िर ग्रीट भे . २ क्र. रंबन क्रें . चश हे अर . जेश चर . मीश जेग ड्रेश . देंच रहेवश . य.है। ट्रे प वु.म भप्र. वश टचा.र च में श्रिट च चश्र्र. वश्रश्र में ह्रेंचश्रामा चाश्रिश उह्त देश्र है। र्वत्राक्षे.लूर्यत्। १३मश.भ ज्य.व.स्य.व.स्य.व.सं.वी.चीरचाथा ।चारेश त.ब्रि.वश.चीट.च≡ट. हिट.रे. उत्तर खेश दी हो। पक्र पके माट लट् स र्चाश व ह्या में हो सट मां इस वह वर्ष ने नार रेगा हो। बट. भू. देशश्चात पश्चा वेश त्ट. बुचे ही। ही. भू देशश्चा के प्र प्र हीश पश्चा पश्चा यक्ष रूट. मुर. पर्ने में के अभग नाक्र. लुच. यर पर्ने में बि. भु. क्ष्म त रट. हु रेश हर. वट भू क्ष्म अ. प. यहा त्र झैंश परें या क्षेत्र ता प्रवेट हो भ्राप्ति परें ता वि १ ति । ता वि १ ते वि

ME. 1. ST 34 सर् यष्ट्रव वी सर मुसुस रु मर्मिय य य यह मर्रेर कुंच महेंस है। । मुं क्ष क्र्यं च त्या प्राप्त मा र्द्रा च त्र में यर क्षेट पा.चाद्य मान्य हिट। क्ट्रिलीय देट पर्देश तप्र विश्व तथा अर्थेश हैं रायु हैं। भू रेचीच तप्र विश्व रायु विश्व रहा हैं भू रेचीची तप्र हिंद ता प्रेंश हैश तथा अर्थेश हैंद चंश्व पर्देवश रायु विश्व रहा है 필환. श्चर्याश | विद्या यह सहैय व हे हुट विश्य यह पहेंट हुश प्रश्न विद्या है प्राप्त है विश्व है विश्व पर प्रति है विश्व है व यदिश नुमा नु द्वाहा य हिमा ता ह्या यह मा ता ह्या प्राप्त मा नुमा नु देवाहा हो महिहा सह न पर हूर न पर है ह्माश्चर त्या । त्याल्य न्या । त्याल्य न्या हुन हुन हुन व्याप्त न्या । व्याप्त न्या न्या । व्याप्त न्या हुन हुन हुन हुन हुन व्याप्त न्या । व्याप्त न्या न्या । व्यापत न्य यर मार्श विश्व यथा यर मार्थ में क्रिय प्राप्त में क्रिय में क्रि रे र्ना र र लेव. रे. झर. परा नाल र. रे. चडिर र. वंदा हैं हैं। महिर पर हैंदे परा लेव.य.श्चेच त्.कं.वे लार.लट.मिट्र.मे.वर उर्ड.मिट्र.स्.ट्रेचश व.र्डर.टे्चश व.र्डर.टे्चश व.र्डर.टे्चश लेशाम् दू में रूपान में लूर हुश वशास्टामा रूपान हुश लेगाश हु श्रेय. रेत्र मा क्ष्र-ला नेश् २.लूरे तर.झी छिव.क्ष. क्ष्र-ला.चे.र.रेच्श तर झी जिर.व.पहच. हेब से क्र्स.चर्नेब.च.च.बुस.बुस.चे.च ला बर च रट.सेब ज.चे.इस पेर.चस्र.चस्र.चर.चीर. सरीय. में रे. पहूंस से पहूंस मी रेवर मुंश हेब के बुर पक्ष. वर हूं चोश याता तार. वर्श्य या. प्रे.प.लंट पश्चित्र.लंट.ग्रिश यश्चरा.पंटे.प्रेश यश्चर.पंटें विस्त्र.पंटें विस्तर.पंटें विस्तर.पं पर्ने या त्यार नियम प्रतिय वहा ही त्रित हुं त नुष्त 34. PL. GE. U. E. LE. L. L. L. A. ME. I

हैत भेरा ये यं र्केर नहिना य हीं र रहें हा नाइ स्थेत हुन र वार में होर हारे भ्रूर रह हुँ र यम नहीं व मा हि देशरा मिर रहा महिंग गुर रहा प्रच बुक्त मिर्ट मुक्ष प्रच. तेय ट्रेस्थ है। यर व श्रु द्रश्च प्रच मुक्त प्रच मुक्त प्रच मुक्त प्रच मुक्त प्रच मुक्त प्रच मुक्त पर प्रच मुक्त हैरीं । भेर गुैं भग है। भेर है स द सुम नहें नय नयम हिन महिन्द देश मश यर प्रश्न मान्ति हिर्म मान्ति हिर्म मान्ति मान्ति स्था मान्ति स्थ सर्र र नहर है। इर यर प्रस् य है हैं य नहर वहा है व र र वहा र्झें अ'य'र्कर'सेर'यलै वर्झें आ र्धेर मं में ने वर्धेर हैं र ने वर्धेर हैं र ने वर्धेर हैं र ने वर्धेर हैं र ने मुद्रायर प्रत्राच द्वा द्वा द्वा द्वा द्वा द्वा । द्वा द्वा । द्वा स्वा । द्वा स्वा । द्वा स्वा हीर हुल हुना न रूभा न रेस न है। हैन सहर जूना न रेस न है। हैन सहर जूना न रेस न है। संस्था । वर नोर्स पर नुसास वर्ष कर साम्बर्धाय ने नुसार पा वर रे हर वस वर मालर हिंदान रम्बर दे ना मुक्ष दि विया विश्व अदादना यदे नार्की या वे द्वा स्वित विद्या विद्या । क्रिस या वे। म्निंस च रंत्र सेत् चित्र प्रें प्राप्त क्रिंस चर्चा वर्षा वर्ष बर् च नाश् की श्राट त् नीट बर् नाग के व्याप के स्था के स्था नाश के स्था के स् है. प्रश्न पूर्च विर.त.ज. (वर्ड व श्रदश.वर्डा) रेविट श्रें विश्व.व.रेट.। वजट में निश्च दर्शन के निश्च हुम न न न दि हुंस से सेना न कि ने हैं ते ने किस में हु है दे हैं है है है है है है

र्नि'न' के 'नढ 'हे। वर् नदे 'केर' रु से सस' उव 'न वव मुं सून में 'नहें र हैट। नहें व 'द मुंध' चैश व नश्र्य हुश नह वर्ष ता जा जुर जुर है । मुल्य वर्ष हुर हुश है । मुल्य वर्ष हुर हुश है । मुल्य वर्ष हुर हुश है । वर्देर् मद्रैर्द्याःमीशः मार्शिक्षीट की वर्षेत्र पाये बद पाया दे विष तु हो मार्थे हुन की तु लिटा। रे.चश.ची.उचेश प कुरं.रे चड्ड.च.बंशश.चु.वु.वश.वीट रे.डेर.लेश चरं.चेल् लेश.चीश्रीटश.पश बर्.च.ज.क्रुंच.चसचाश.बे.लाट.श्रदश.चेंश.ज चश्चाश तर्ट विरे भुर.जा बर्ट.च ज.क्रुंचश. यश्चाश्चार्य प्रदाश मुश्चाया पश्चेत्र प्रणु र प्रचेश पान्द मिन्सेन पर प्रणु पर प्रमून हीं हिन्सुश्चा श्चर्य महिलायर दुः नहमायदे दुर्शासुः रहायस समस्य या हैना मुहार देवे देवा दुर्शा महिलायर हैना स्ट्रिया नहे स्ट्रीय प्रति होता होता है स्ट्रीय होता है न्य है त्र्या में क्षे न्य न्तु पर्न पत्या क्षेण प्रोत् पत्या क्षेण प्रोत् पत्या क्षेण प्रोत् पत्या य दे अश र्वर हुर वर्ष वर्ष स् र्वे ता प्यव व्या महिंद हे वर्ष स्वाप राष्ट्र वर्ष के प्रति वर्ष के प्रति वर्ष के

व. भर उक्ष च ही क्ष चंबर है बार है व चंद हैर हा । सब हिटब चंद हें व हें च हैं. भ ब्रीमा व मि भी हैना व प्रक्रम न भी दे है। राज्य न महान स्वर्ध न से न हैं न न हैं न महान से न हैं न महान से न ल रहार में प्रे के हैं हो वि के हैं दें राम हुआ देर न है। नक्ष्म के शामित स्थान स्थान के शामित स्थान स्थान स्थान के शामित स्थान स्था हेनाब च र्चे हे केवा विर इब से दाने देहें र देहें हैं के की विश्व विर्माण के सिन् हैं. ब्र. लूब. है। वर्श्च वंश्वशांच वंचेचा. तंत्री हीर. हो। १८८ ल ब्रेट इश वृल्य होरे तंत्री. वंचा. यो. ५८ है उर्कर के वें हेर व वें हिं भी है। बूद र्गर या वर्षेर पते हैर में । श्वर म मर्गे हुम क्सशाला हिरानर्सर हैर कर्षे के लिक है। रह से ना से ना रहे हैर री । रेन हिरा ना समर्रेर मा से मुक्षात्मारम र्वेत कोरात रैना ना प्येता । तरात्म स् यमिना भेर तरीना न प्येता । रे त्याञ्च रास्त्रीर मुर बद्भा य ध्येष खेश मुन्दे। बद्भा याया द्या र शुन केर मुक्ष देर मिन्दे देव प्रमुव मे विश बद्भार व्यवन्ते। रहर्षेवरक्ष वरार्षेर वर्षेष्ट्वराष्ट्री ।वरार्षेव वर्षेवरामान्त्रः मिड्रा यदै नुसः सुः दर् भौदः दम। दर्भः दर्भः दमः सुमा यदैः मि दिन्ने सेन यर सुनिसः महिनाः या लेब व देना या प्येव है। वद में में व्येव लेट प्रा पर्देश श्रम में हैंर नरे मुरेर हों । पहें देश या में भू खरी बनाया आबान धुना चेना वा स्थे है। में सा कं नहा चेन में में । प्तः क्षेत्रः माश्च मार्चे मार्चे प्रकारमा क्षेत्रः मार्चे प्रकारमा क्षेत्रः प्रकारमा क्रकारमा क्षेत्रः प्रकारमा क्षेत्रः प्रकारम क्षेत्रः प्रकारम क्षेत्रः प्रकारम क्षेत्रः नालूर.ब.झब त.एबा विसे त रंत लुख एक्स.ब झब.त.एब धुस.चे.ही झेर त सभेस. में या हैना विश्व में हार्नु के राज पा प्येव है। रहा समें सार्चेत्र परी खेर में । अब पारहा मी र्क्षेत् व मेन् यर क्षेत्र द क वुन मान्द या नायर मक्षे न्में र यह र द य ये व है। मालव. प्न नीस वर् पर्ने सेसस नोसं प केंस गुे ही व पा निहर पर्ने सेंस पर्ने परे पर्ने पर्ने पर्ने से परे से पर्ने से परे से परे से परे से परे से परे से प गुः श्चित्रपर्श । नार्ल कुं ख्य प्रक्र्य गुः दे समान ने सान ख्या हिम्स गु मर्स्य पु स्वा प्रमा दे.चंबुब. रे.चंट्र.चंट्र.चंट्र. घ्रंचुब. ज.चंब्र.चा चर्चा. रविर.चंब्र.ज ज.चंब्र.ज ज.चंब्र.ज च्रंच्य. प्रमुख गुँग्य र् व.पृ.खुव च प्रवेश क्षें प्रयो वि व क्षव य य यसस्य मान्व प्र प्रेस र य से स्

रस.बु.च। क्र.च.भवत.चाश्वस रट चंज च र्.चुंश चच.ज.चन जिश्व.चश्च चुंश चच.मुं.सळूचा.लुंबी क्रि. सेर् चि पक्षेत्र पा भागित्र साम दि साम प्राप्त महिन पर हिर् पक्ष व नहास महिन परि है। ष र्भ रु धुन प तुना महिन्द्र पर चुर पदि। ।तुन प क्षुन पदि त द्रश तु य सर् र कुर निहेश निहेश सर्- पश्र है। अन-पर-प्रमा स नाम्य स ना स्रवस ग्री.पचंत्र वे.र्ट. शर्वर वे.व.. वे.पचंत्र वे.चे.केंब स्र्रा वे. वे. लट.चेंब.तर. वर्षटे.वे। नाग्रथःस्रेनशःकु तत्र्व युःयःनार्वेशःह। तत्र्य युरे हः व नहा ने नसूनःवरिःयदःयना नी मात्रस स्निनस त्र स तु हैं ' ५ रे र : सुर पा दर । । । नियह रूट सेंट्स : सुर र निय र निर् स्व.तर पर्वेर.बुश तथा व्यवश स्वर क्षेत्र क्षेत्र के.च्र.पर्ट्र.पर्वेर.क्षे रट.ज.वर्. श्रेर.तर.विश्व.दे श्रु.थ.वर.चथश्व.त.ज.एकू चंद्र ग्रंटश हैंदे बर. तश हैंर. चश्च खश्च हवा लूर वाशिश... र् न प्रायम मिसस् निरा हिं की स्व हे न स्व हे न से हैं है र ह से मुद्दे स्व में प्रायम स्व में ल.र्चट.ह्य.त रेट क्रु.ज.रेचट.ह्य.तज् । जिट्य.ह्येर.चु। चथ्य सेव.शिस.क्र्येथा । अत्य सेव.शिस.क्र्येथा । अत्य सेव.शिस.क्र्येथा । अत्य सेव.शिस.क्र्येथा । अत्य वेव.शिस.क्र्येथा । अत्य वेव.शिस.क्र्येथा । अत्य वेव.शिस.क्र्येथा प्रोमें र खुर खुर खुर कें मारा या केंद्र सुर खुर खुर कें मारा या केंद्र स क्रुर नु केंद्र मार्था । दे मुन यर नेत यह यमाने। दे नामान यर नेत या नावशाय है प्रायशासा । दे मान वर्षा मुन यह स्थान वर्षा ने प्रायशासा । मो ल्य-१४ श्र.जापतिरा विहा(पर्वेद निर्देश मिरानेर हे हर मी पर्वेर भी पर्वेर श्रापा मह्त हैर यना स्व या । परेन हिट हैं र सिट हों र पर पर यह था। रे प्रेश पर्श व्राह्म व्राह्म माना स र्व-लब नहर-बस्ताम से स्वालिस नम। व्यस निस्ति मुन्ति हिन्दि के मिर्स निम् श्चर दे.पाश श्वर चीनाश हुंच तर वीर त है में क्र्रा भीनश त पुर त हार रदार्चर मोश्राचा प्रेश दश्चा पर्वेत पर्वेत पर्वेत प्राचा प्रविद्वा में प्राचित प्राची नार्श निन् में हुंद बुब केना झुब में देना स में निने न बस्थ उन हैं ता नर्खन वसा तंस्याशासान्दामात्रेश माश्रुमात्रक्षां पादे शासीय त् द्राम्य प्रमान्ति मान स्था स्थानी क्रिया हिना स्था हिना स बिट भर्ने मार्श्वन्य पर के क्ष्याय न्या नुषा द्या पर दे मानु प्रेया श्री विश्वासना श्रुव सं रहा चढ्रा प्रसाय विद् । अर्थे व द्वा के के प्रमाय प्रमाय के के प्रमाय प्रमाय के के प्रमाय के के प्रमाय के के प्रमाय के के प्रमाय के कि कि प्रमाय के कि प्रम के कि प्रमाय के कि प्रमाय के कि प्रमाय के कि प्रमाय के कि प्रम के कि प्रमाय के कि प्रमाय के कि प्रमाय के कि प्रमाय के कि प्रमा

रट.मीथ.रेगे.उ.वैच.वैश.लियोश पा स्थ्येश रा भट यर.यहूरे यश मु च्.क्सश दृशःगुराःल्ट्. यर पर्ना मी हेर वर् मानाश य र मुन्दे । । दे वस खुय हुं नाश व वर य नार व्यर् य दे य रहे वर हे नरे में दशका या श्रेरें (वेश न यह श्रु नरें शिटा) रहम नेंश श्रुर है। इंतर हु स्री वहेंबाण नार स्रम नुय लेब वाया होनाय लेवा हु हैब या है बबा परे मिर् श्चिरी । वर् देने मेट य पर् मर् ग्य प्रवा श्चर पर दे दे तु नट प्रश्च हो हो । समा द्रें ने ने साम धर हो राया द्रापा द्रापा द्रापा है समाम से द्रापा दर्भ क्षेत्र देश के के के दे दे हैं भी दक्षेत्र सामदि के के स्वीद सक्षेत्र निष्ठ सामिश सामित्र । दश गुदः पट्ट. मुनाश.पा.पाना मुथ.शट त् विश कुश. म वर विवा हिट चना बन नशा है : भ्र हेश हि पा पि. कूर चिट्य. हो पक्र्य मु. प्रहेच तर ज़िय. दे. ट्या. नब्य. प्रह्म प्रहेच मिट मीश प्रमुख ने प्या प्रमुख प्रदानी मिर प्रशान मिर मीश प्रमुख्य प्रमुख प्रमुख व मिट निर्मित निर्मेश हे तम्मीनाश नहे नर निष्ण य नवश हो। । हे से व निष्ण नहां मा नहां से ब्रू. शु ८ट्टे मिट. तीयाश . प्राप्त र्शंश किट त्वर लेने या नहेन नशं नन नट सन पर नुशाय वि १ नन नहें जेन यह वर्ष पर नुर्रे । भामश मिर दुवा होट तर तरीवा क्षेत्र हो देश च हे ते पदे देश हो। स्टानी सर्वा रहे देश हैं रिका व यर मुस या उर्दे के पर्दे | मान्दर मा सेक पदे पुर मुस मुद या का में में महिला सेद। च.रट. चेल. थरा. थरे. चिले श्रुट्य ग्रेश. ह्ये. चप्. टेंश. श्री। श्रुंथ. च प रे.टेंट. र चे. जरा. चर्. 🖑 चरा. श्चरम् स्वाप्तात्त्र स्वाप्तात्त्र स्वाप्ता । विद्वास्त्र स्वाप्ता । विद्वास्त्र स्वाप्ता स्वाप्ता । विद्वास्त स्वाप्ता । विद्वास स्वाप्त स अयर श्रीचा.ची.पचंश.चे.बुं हूंचोश.तर्जु.शहश.चीश.बुंच वर्षा |८ु.वश्चैच.वर्जु.बवश बु.चोश्च.च रची. सार् में के स्वर्ष विकास कर में में निर्माण कर में प्राप्त स्वर्ण में में निर्माण कर में स्वर्ण कर म

र्ने त्वर लेग ह रसेग्य हे बर् वर्षे अ यथा रेवे कुं प्रवस्य गुरु की न्दर होते होन स मिं न्दर ही रे क्चायाह्मायाञ्चेतायानुदार्वयायद्यानुयाञ्चर ह्वायान्याय्यायायायाया र्वे वेश वर मुर्दे लेश व हो दे लेर वर्ष मुर्दे या हारा यह । यह समा वह महिमा नावश वडा येतु शुम्र ह रों नाहेना नु नगर सुत्य वसन्दर में अद्य शुरू वस शुरू वहा नहीं मैं रे. यहे रे. क्र. त रेट. सेंपु ने बंश शे. हुम है. शरश मिश से रे से में हैं रे त नहीं से तत्। वि वि सक्र है। न्दः सं नवर नावेन नु नक्षेत्रसा । नाष्णु क्रिना समें दि में ते नासुदर्स से से । निन्द दस निन् मैं रविष द्वीत. प्रांता विश्वस. खट चार्या. पर्दे स्वांत स. पर्दा विश्वस्य. पर्द देवी. प्रांति स्वांत निश्च व व के व्रिन्थम वशा विना नेव व व मामशानुर न्दा। मिट.चे हेश.बर पश. च्राँच चीर.हे। ।उ.मुं. गीर.वेट.केंच.केंट ह्य. केंच व्या ।क्रुंचा रहेंचे. मी. २मो्य यर वर्गिर् व मानु र कें म सर रु ह्यर दर्मेश यदे सुर २ में <mark>या या प्र नुसा हुर मासय ह्</mark>यें व वेर नुदे । पद्गार ह्या लेया नेत्र । वियान पर्मे हैं यह रूट विया मार्थ यह राजा स्था में साम मार्थ हैं। यं २६५ वन १ वेट होट उस हट य हैं में से निव पुर से य इसस गीस में यर सम्मानी रें लीय सर्रित पर्वा सेर विष्ट्रिय पर्वा के हे हैं। यर लूरे ता पर्दे स्थल स्विस तार्वा परित्र मुक् বহুল,ব.পুৰ,বলা সাদল ইমল,ইনীল,পুচ,বাহ্,বদ,পদ্ধ ন.ভী ାର୍ଚ୍ଚ୍ ସମ୍ବର୍ चर्र-र्गुवाक्तरार्वा ।वर्गु-गुर वर्ष-वर्षे द्वारावहर वर्षे। 

य स. ८ में ज़ुन नरे या २ मेर्न या ५०। 외본.네

हैं वर्द्ध मु.स.मुनास निर्मेदस हें नास स.स. १ नाश् रिविट. यहेब. त. मूट. टे. मीश. त. रेसशा । इय. चाडुच. ह्यूंब. तम. यट्डेच. तस. उतीय. तम. खूचा।



## ্ত। ।हर्नः वर्ह्मिन मोन्, श्रःशेय दोर्मरः ये : বलुनाशा ।

## ्रा । शह्याः मुखः द्वातः सुनः त्याः सुनः त्याः । भ्राप्तः सुनः सुनः सुनः सुनः सुनः सुनः स्वाः सुनः स्वाः स्वाः

मूर्मुयायर्र् हैं हैंदियं यह विष्या विष्यं हेंद्रियाय्वेन विष्यं हेंद्रियाय्वेन विष्यं विष्यं विष्यं |मोनाशःश्रेयः हुँ न तिम्र लें हो। । दे यः द्र से हि श्रेर हो श्रेपशः श्रुः अव लचा.चम्चेर.रे.चिश्चेरश.परेचा तथा तथ लचा.चा.क.च.चर.कूथा ६.च ग्रर.चर्.लथ. यमादिद्यासम्माद्यासम्भा देवै यादा प्रमाय निकृत मुक्त न महिन्य सम्भा मार्शे वर्रेना यात्मा द्रमें सायरे कायना कंटा वर्रेन् वरे हुराध्य त्यन वनुत्र नासुद्राय प्रेति है। मर्सित हैमा प्रसामाद मार्सिक। वर् सुसा हु स मासुसाद वे भा मार्सिक मार् **र**ट. च्. जिश्च चीश्. चर्ड. त्यचा. चे. चीश्चरशा जिश्च. चीश्. च. चे. त्य. त्य. चीश. चर्ड. सुकामक्रिं न्वेंकाया ने पिलेकानु सुन् सेन् मुक्ति प्राचिकान्या मार्नेकामुका मार्नेक मक्ष्यं मुक्षः ब्रेषः पदः सक्षः पदः सक्षः सक्षः पदः सक्षः सक्षः सक्षः सक्षः सक्षः सक्षः सक्षः सक्षः सक्षः सक्ष म्ब रादे. खेश. रटा र्रे. इ.चर. वे.चंरू. जीवार्टा चर्रे थ.चंर्. रे मोश्र. रे मोश्र. रे मोश्र. पर्वे प्राची क्षे. या मीश्रेटश है। हेदी क्षेत्र व प्यव प्यवा वक्ष हो हे हे वा हो है व हे वा प्य प्य प्य हो प्यव प्यव प्यव है व प्य व व य-इ.च.रात्र.लथ जर्मा.लूथ.बुश.येत्। १८ हेर.लथ.जच वचेर.टे.चिश्चरश.त.जा व्ट.चर. हुना च है। लब सना चनु द है दन् था नहीं खुय खुर सर हे दश প্রিশ্ব-নার্থ यदै प्यतः सन् निष्यः केना सेन् केश मिल म न्दा । प्यान निष्यः मुन्यन निष्यः स्थितः स्यतः स्थितः स्यतः स्थितः स्यतः व निष्ठेश सु १८ दूस हेर व दर्भ अप पर र विषय निष्य स्थित कर मिर्स कर मिर्स कर मिर्स कर मिर्स कर मिर्स कर मिर्स में वर्षे वर्ष यते वर नहें त. नहें स. स. पर्या त स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर नेते पर्ने । तेन्त्रस्य महिसान् प्रमान हो। तस्य महिसान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान निर्धान त्यास त्रस गुमा स्था दे नार्य स्मन्य निर्मु निर्मेश निर्मेश निर्मेश निर्मेश শ্বনূত্

नुस्य प्रमा क्षेत्र प्रमा क्षेत्र प्रमाणका प्रम लट.चर्चेट.च्. टु.ट्र्सूश.चर.पर्चे.च.चश वकुर अधाकुट द से वर्व रेव वर सेव पते अव अना नरुव ये दे या विश्व से स्वर्थ निव्यं पत्र पर हेंद्र या ÞĮ. बर् ता. म्रा ति श.में ट. ता. ता श. श्री चा श्री चा ते ही र । अव. ता ना हो र भर ति हो र र हिश ह्या वा रेंदे.ला.चेंद्रा चीक्र.चे.ला चीक्र.चेंद्र.ची ला.लच टें.कंब.चका लीय. सेच. स. प्रेश तर देर सेट सर से से पहेंचे है। रेगर ४. में . या प्र ले ला पि चे हें था है। नाइन् ता नाइना तास्य मि इना त्यक्ष हो। सेन सार्वे स लटाम्बर्गानाक्ष्राचश्रक्ष्यश्रवस्त्रवस्त्रवस्त्रवस्त्रवस्त्रवस्त्रवस्त्रवस्त्रवस्त्रवस्त्रवस्त्रवस्त्रवस्त्रवस् रे.टर्चेर र्. बुश.स्ताया देव.लय.री विनश मेश.टर्चेट.मेट.देश वि.च नक्षेत्र सिवाय. गु वर् से से ता दे निक्र विषय मार् पुर निक्र यदि हुर निक्र निक्र सेर पर्दा । लट सट नर हेना न इसर दरी र वर्ष वर्ष न्ते लया निर्मेश वा लट.रेम्सा चेथ.व्रेस.मेंद्रेस.मेंद्रिस अ.चेस् चर्ड.लश.जच रम्स.चे रट स.ज लट.रेम्स तस. ल. हीर. मिय. मिय. मिर. तर. रे. हीश. तर. रासु. जिश. नाश्. तर, त्रुर. त्रुर. तथ पढर. प्रमीर. पर्यु. हींर. सेर्'त। अस नहिं नदे 'अर 'यन दे सेस न सद सम नहिं नरे अर 'यन 'येर गुट'। लब्रायना सु साम्रुवास साम्रुवास दे सुब्रामुद्रा । माव्यास सुद्राय में साम्रुवास से सेन्'नसंर्'ह'नप्न'पदे स्वार्ध'प्याय लेवा रेंह नुर'सेन्'णूट रेंह नु पर्न् पदे प्राया ध्येष त्या वु नर्द त्य नर्दि नार्क्ष वनस वु न सेन् त्य वु न ने क्षि हो। वु न सेन् त्य सेन् व सेन् व सेन् व सेन् लार्चि स्थेन प्रश्नास् इतासुन स्थेन वासुन प्रश्नास्थे वास्त्र स्थेन स्थेन स्थेन स्थेन स्थेन स्थेन स्थेन स्थेन [দূ·ব·দৃশা×·র্ফ:অ·দার্ক্ত প্রবর্ক:অস্ক্র্র্ণ ব্রহ : র্ফ:অ্রার্ক্র্র্ मुर प्रमाय भेव सेर रें लेश मुद्रा पर्चीर ता ही . त्या ही . दार प्रचाया विच र अर तु ता . अर . क्षेत्र . कष्त . मीर्व.कूनाश.भ.मीय.ही मैंदे.पर्ट.शहश.मेश.श्रद.संश.मेशहश त.पर्शा **55.** 

ब्रॅट नै वयर प वार्वहर होर वर उर्ना वरे खेर हुँर हुँर । । अट वर्गुर व रूष खेर हुँर वा अव लट. वर्चेट. वर्ड चिंहेट में मूर्य के बहु मार्थ. वर्ड लब लचा. म क्ट. वर उर्चेच वर्ड होट. व लब लचा. में ट्रेंट भर चु-सुक्ष-५८-महिम मिक्ष चु-मार्थ व में मुक्क व मार्थ चु-मार्थ व मार्थ व मार् मार्श रचिर ग्री मार्थित स्थान वर्ष स्थान स्थान मार्थ य स्थान वस चाड्रेचा चाम्रास वस्त्रीय वशानह । । व दस्येय चर चाह्रेचा चार चाया से विचाया के विचाया कर व प्रमानिक स्थान स् तम्भः तसः महिना ४ निले मा तम्भा निर्मा पर्मा निले । प्राप्त मिना निले निर्मा नि

च महिन व नार्थ रचिर कु मानुद नु मानुमा नाम मह्मय किया र मानुमा । मानुद रद क्षा मानुमा स स्ट्रिं श्रुसःमीशःनाश्रय। पश्चनःविशः नःनार्रेन व नहेन् यः मान्द्रवस्य से वेट परः स्य वे । देते कुर व नाश्चम न में तर्रमा प्रमान हैर है सं वर्षे विष् विष्ट में प्रमान निर्माण के मार् मिर्शित में क्रिन म नेश नेश निर्म यर तिनुना यहा ने नहार नेश यर होन सं नाश नहार हो ना लिट न्दः सं मार्शे नित्रे खिल स्थान्द वन की स्थान केने निस्न वा निस्न वा सामी विस् नाकेत सं क्षेत्र निष्ठ नक्षर निष्ठ सक्षत केन निष्ठ माकेत सं ति होना है नाहें हैं सर्च हेर् नेस नर्ग्स मर्दे हैर ह्मर मर्दे हेंस नहर पार है। रे नहें में पार मार्स निर्दे में निश्चिमः च सिसः न्दः सिस समः चुदः नदे नदः नहिस स्प्रेन दः समः सिसः मु दे विद यहैं सुर री हेश पर अहीं स्थापर वर्ष हैं। देश हैं हम महेश स्रि हों वित हैं हैं में दि महिश मर्गा विव हैं। बर-वि-त-मार्थित स्थान्त स्थान विश्व क्षित्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य ल वु= नते वर रे मोर्न हो र में दे वर भेवा रे म न न वर ने वर रे में हिंद समिल मन ग्राम् मी सळव हे र मह मी मह मलेव व सम म नु मान मान मिले हो है हैं में दे के वर् ने हें स.च.ज. हें सम च.ज.बं। ने चंबेच ने विश्व ज लट. विश्व हैं है ने सम्बं ् सम्भारमें ने निष् में में निष् में में निष्य मार्स निर्मे निर्माणी से निम्मिन में निष्य रेट. ने. प्रस्त वे. पर वे. प्रस्त हो ने. प्रस्त व हें में श्रायल व हों । । अट. पर प्रस्त वा

श्रेटामी वरादे वर्ष अर्वेव हैरायर श्रे तर्वा वर्षाश्रायायर पर्वापश्रावर पर्वापश्रावर वर्षा यर स तुर यासड्य सर्डें वार्षेत्र यह यह वह नामाया से ने वह गु सड्य है हिट से ख्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त वह नि तम् वत्या इस वर मुर या हेश या स ह्रिस्या मार्वे हेरे हेरे में दे वर में अवव हैर है। दस्यामुन वर्णो सर्व हैर सम्बुव णूट। दस्य सम्यास मुन्दा वर्ष मुन्दा सर्व हैर हर्ष देश तर स.चीट तपु.चेर में सप्ते कुरे हेर्टेट हार तहा चर.चेर.चेर में पच्च केर टेट हा हार हा । वाकेश त र क्षा चीट वर्ष कुर हेर टेट हा हा हा । वाकेश त र क्षा चीट वर्ष कुर हेर टेट हा हा हा । रियेर व वह व रुना गुट रुना मी अर्डव हैर रट स्वर यह रुना रु स हुर गुट रुना खेर पर हैना स्वर पर से तनाया ... वःचल्व व्रा । प्राटः वः वन्नारा यः मेट नी वन् ने। क्युं संह्व हेन द्रा वन्नारा स्रमः र् स्वाप्तर वहार निवास होता की स्वाप्तर वहार निवास है। वर हिंदे सक्र हैन हिंदा सहिहा वस बेर थी वस्तर निया निया वस्तर विकास दिर समाय हो। वस्तर निया वस्तर वस्त में व नदे रे वा तर वर वर वर वय होरा व नदे रे मार्थ वर्ष वर्ष व वर्ष रे मार्थ वर्ष वर्ष व वर्ष रे मार्थ वर्ष व य सिट मी वर य प्रेव यस वर सेव यदे हिंव गुट सेर या। वस मुन्द केश य स हें सह यदे वर् क्षेद्र यहा द्र वर वर वर वर वियाया वर हा मुत्र वी वर्णे क्रिक्ट वर वर वर्णे वर हो। हुंसर च प्राःसेन्या हुंसर्च सं के सर्च सर्ह्म सर्च प्राःसेन्या कराय हुंद स् हुंसर्च प्राःसेन्य हुंसर्च प्राःसेन्य स् हुंसर्च प्राःसेन्य हुंसर्च हुंस् बर.च.ब्रीये ट्र. च्.के ब.च.घ.श्रेंबब. हैं श च हैं शश श हैं शश नहें श मा निर्याप कर्म मर्जा । चलि च लिश की दें च बर लिश हिरा ट्रे.स.मिश्चेस इव र। विवास विश्वस.रेट.मिडिनेस.सर.ग्रे.पिसस.रे.पिस.सुर.पर.सपा सेन पर पर्नेन व सेसब उद न पर्नेन प न प्रमाया सब प्रेन व न मिन में सब प्रेन न बेर-वा देवे-लव द्रा दसेन्य स्थल दुः हुस स नुस स्थित है। सुस मुद्दे में वेद

तिश् बिटश. ट्रे स चीसेम केंबे. पट्टे. पिममा चीसेम. मी. मुभग करे मी. रेट. पिश. मी. सप्ये. हेर टे. चीबचा रा. . क्षेत्र है। ममस में स न्द्र स नहीं क्षेर मा नहीं क्षेर में स न दें दिन स न य य न दें ळ्ट्रत्यस्मार्स्य नम्स्याणुः नेते वटावस्याणुटा। संमार्श्वसः नेवाहुन् यरानुस्यायायान्सेत्रवसः मारमी देवानु गर्शकातु वने लेटारेटानु मार्शकर प्रायदे देवानु सुरा सेन्य रे निर्मान प्रायदे । चाके श्र.ज. जेंद्र मिश्र मुंश शे. झे. श्र. ज्या चेंद्र। । इ. व श्रुश्य १०४ विश्व के प्रथा १०५ विश्व के प्रथ म्प्रामाकेश पा वर तिश्व डिप्य है सा मिश्च सा त्रिय के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान यक्षेत्र प्रशास्त्र स्था त्र के श्रेष य नास्त्र स्ट के त्र के त् यर श्रुव राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र स्वा ब्रुव राष्ट्र स्वा ब्रुव राष्ट्र स्वा ब्रुव राष्ट्र रा क्रान्याश प्र वर्गेश्व भूभार्टा न्यु भाव यावर्ष्ट् वर्ष्ट्येना यवीत वर्षे हु र् । विष्य गुःस्ट क्रि. में चर्र क्षित्र ब्रि. में चर्र क्षित्र ब्रि. में चर्र क्षित्र वर्षेत्र चर्र क्षित्र वर्षेत्र चर्र क्षित्र वर्षेत्र चर् मार-मार्श्वेस मी सिट क्र्य-चह्नेर प्रयेचा यहा। वर क्रुय-व-तिश-बिटल मी-स्रवह श्री वर्ष्य-व-रट. सुर ब्राह्म क्षेत्रवात्र पुरम्पर पार्टा प्रमाय बेरावा कुर सिर्ध पर गार् गुद्राध्येत्रायात्त्राध्येत्रायम् स्त्रास्त्राय्ये क्रित् स्तर् । ।देवे क्रियात् स्त्रिसायद्राण्यात् । लिश मु हि. म्. भूर नर होर हे नाश्वरामी कटा कर मिट रम् श वश माश्वरश श्री लार क्था. तर वीर वे. जिंदा की बादा कीर विष्टे . तर वेटे . जा भीर वे के शास कीर जिंदा ने वे शास वीर शास वीर ब्रह्म क्रिया मिर्दि यम क्रिया विष्य प्रमाय केर हो विष्य प्रमाय क्रिया क्रिया मिर्दि यम क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया श्चिंद्र पर पर निष्य के त्या है पश्चिम विषय मानि विषय मानि विषय स्था । ल्या वर् के ले के में भिष्य वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष दे । से प्रति प्रत

मवित् पु । प्येव व व व व पु । भ्रम्य शु मन् मोर्व र हिर हेश य माशुम नोर्बर् मु खुब हुत्य है संग्ने हैं संन् य.र्ट प्रचीय.बुर बी महिन य महिन पहेंद पाणेद परा देवेला बदा दुनु मुर पदे दुस द हे साच स ह्रिस्सा पदे हुर लेदा मोर्बर मु प्रवि गुर पर्में न वर रु पर्में हो। रियेर व मि न बर सिमाय निवेर वी बिटल प्रमुख बर् रे मीर मिट वर रे हु झु प्रमुं र रू स सर त्यमी मुद्रमार प्रमुख प्रमुख हो। रमीं च.बर टे. रमीं लह लुब च.मुब्र. टे.लुब चडु. ही इ.बह यह टे. शह यक्त. चडु छुब हुर र्रा १९८१ हो र व द्येया वर दुः चुर व नाट सुर गुट क्या पर सुर पा व प्रति स्था कर प्रवास वर दुः दुर्जे [र्या.च जिंश.ग्रे अक्षे केर ग्रे में सेवहा ही। क्ष चर स ग्रीर जिंश मेरश ग्रीर. यश.प्रसंश हेश.चोश्चरश परीचा.तशा रेष्ट्रे.चे.च व वच ह्रा.चेर.हेश.पर्ट. वी. क्रिंट अप्तिशः मनः गानः नाशुस्र त्रशः सर्वन केनः केनः केन्या हे क्रिशः द्रवेत वनः वनः बिट-नार्ख तथ. हेर्-नु-नावश यव आ वव नव हु-तावश यव हुन् नु-नावश या स्थाप यह हुन् नु-नावश या स्थाप यह हुन् नु-नावश या कुट क्षर पुर प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति विद्या व खुर वा दे त्या हैन के स्वार प्रेट के स्वार प्रेट के का मुख्य के का मुख् নাই স্থানা নাব্য মা मिट. बर्ट. स् अक्टर. ज. पंचय. चर. चीशिंदश । अक्टर य. सिची. ज ब्रि. किट. चर्ट्र था शमिश च पश्चित पश्चर्यं नावस है। अदे रा प्रेव पश्चर च र्स् हैं हैं प्रवर वर मासुरस स् स् पु.माबर.चर.पर्ट्र.कर.मावस.च रे.जास.चैर.चसुरे.चपु.कुर झेर य.चायस.ट्री माल्.चस. गुरुनु विच नर नाश्चर्य हो। । यह समिश न हे नश में हेर्ने या। नन गर नशेया नहास. प्राची के प्राच भु श्रीमश य.लुब ब्.मंश्चर र्। ।लट मिट श्रीय लुब यश प्रिट म्ब श रिमि य प्यापा अमिश. यत्ति य स्त्र वहा क्ष वहा है सा वहा हा ता त्रामा वह गार वह दाय स्त्र वहा वह गार की सा ही मा ब्रामन्द्रम् विदान्त्र त्रुद्दान्यवेयामायात्रुद्दायाम्बर्धनः वेदानुषाः विदा P451 च दम्माय ले न।

न्त्र वट वस मूट न ह्मन्यर रेवेम वस हूर कि रेट व्र हे हुर से म ह्वें वस कुर कि रेस हु रे यर प्रश्निम स्याप्त पर प्रस्थ हे. बैर श्रुण हें यश भेश श्रुप श्रूप माश्री महासास स्वास्त्र स मु द्वी क्षेत्र भ मु तथ सर वय पर दे द्वी का प्रमान के लिल के से में पर हैं पर ्र .ल्ये. तर वित्र : इर वी इर ल्ये वित्र प्रश्न अंश : श्रु. क्युं वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वि म्बर्भास्त्रिंगुः। अट हुँ वट गुर्दे प्रदेश र्ने वर्षे हो। व वर्षे देह व हु माया मुहूर चित्। ।लट.पिश.मुर्च, वायक ह्यूच वारीक मु ६ च.लुय.चश ६.लुय.व. हूर्.मु.च वा.र्थश मिट. तिश्र.चारशःश्र्चा चाश्चेशःची क्ष.चः परंचा.तशःश्र् च्रमःच। र्ह्हेर ग्रे.व च *इ*.र.चल.ट्रे। प्पट्ट में इं अ क्षेत्र पर दु ह अ वाहरा परा देने क्षेत्र में दिं । विकृत पर कि कुरे स्वर क हे. मैं .सट. मैंट. सम्रिश परं. प्रेय प्रीया त्या त्या त्या वे लट. मैंट. सम्रिश वरं. प्रया प्रीयः व मैं. पर्यक्ष. विर. तर प्रचीर रू. बुर थे। जब रे. ब. कुश विर अमिश्व पर जीव कुश पर श्रुट रे विर श्रुर जी सक्य. १८ द्या तर मुर स्य मुर मुं मुं मुं द्या तर सुर से मुं प्य से मुं र से सेन ने निया । अह नन में दें वे केश या सार्श्वेसर्थ या अव व वन सह कुरास हों सरा या अव वसा भक्ष. हेर. भ हैं सहार त. लूबा तह के किट. श. हैं सहार त. लूब. बंधा सट. हैट सहीं सहार . यास्त्रेन्त्रा कुर वर्षास्तर्तु मन्द्र सहिर्या मान्त्र मान्त्र मन्द्र मन क्र्रिंसस.च.लुब्बा र्वेट.ज.टैंचा.जस.सुटी चर.सप्लिस.चोड्रेश.ज.चरेब चरेंब.वैट.चस.वसस. व्यात्र व्या विष के किट संश्रीमा स्तर के प्रति विषेत्र से प्रति विषेत्र से प्रति विषेत्र से प्रति विषेत्र से प म्यात् । देवे त्यत् देव त्यत् हेवे से । देव त्यत् के विष्या विषयः वर् गुर्दे वे केश या सं हैं सरा या लेश नु नदे दें वे केश या महासा दस पर गुर हे तिये या नर हु .... वस.इ.इ. ह्वं. तथ.क्य. च्या. च् भव् ब कुर्-मार्टुमा बसा कु .र्वि नम देनासा नाम हूं वा ग्रीम क्रा वाम प्रमीमा नाम म क्र्या.पा मुर्द्धा विश्वायाम्बुमानदि निम्ब में व निम्हाय वन्त्रोन यमा वन्त्री व निम्हाय वन्त्रीन यमा विश्वायाम्ब कृत द्वान्यरे हर बूंब द्वांश्व सर्व र केर केर र रे र त्येय अर र नु मुर या स के वर त्युर रे लट.चंब.कु.कुट.भ.ध्रुंभश्न.च.ज.चुका.लूर है। बंधा.चर.भ चीर.चन्नु.चंब कु.कुट जश्न.रट.चलुब. पर्वेद.ये प्रचीर.जा देश तर.चीर.तपु.पंश.कु.क्टा.ज मैट.त.र्ज्नेद.पर्वेस.प्रवेद.पर्वेट.पर.चीश्रेटश. म् । तिप्रक्षिर प्रश्न के के हिंदा अपने से देश प्रश्न के देश के के प्रश्न क हेश यात्राक्षेंश्रश्चायाप्त्रीत ब्राह्म प्राह्म नाहे श्र माह्म स्थाप्त क्षा माह्म स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्य स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत यर प्रमुद पर क्रिंद सेदा कर सबुद स्पर यस दि य सेद पर क्रिंद स्पर सेद दें। । सर रदः चलेंद्रामाद्रश यामिदामो हेशायाध्यदाहुद सिहेशायदाग्रदाधित या श्री सुरामेंद्रा स्वराम् बर् त्या स्मातिका वर् मात्रा त्या व क्षुं सेर् यका रुक्ते वा सार्वे का सेर रेत्रे वा सेर विकास स र विक्रम्बर्स वरे कर रे दुस मिर्देव बस हुँद नवेदे मुन मुंस दि हैस पा वसमाय वस हैस .... शुःस्ट वःस्वर मा कुर में वर वर रहेर्न नहिंद सर्ह्य में कुर में र निया सिया हिट्य क्रिय तर.विश्व के के अ.व.च वर्षित व.लूब.तश. भ्रेंब. यूरे ट्रेचिं। विचेश्व परिचेश वर्षियोग. में सिर.कुश. उन्ते उन्त्रम् वःलटः दिम्नम् वः प्रतः विनम् वः प्रदानम् वे नेरः व हैं र.जश्म बर्र. में ब मीस.पिस बिद्ध प्रतीयश.वस.रेश न नश्चर. न.जबायश न.जुबा मोर्स् वर्षः ह्येर् प्रिंग केर्यः प्राप्ति वरः रे प्रिंग वर्षः वर्षः वर्षः देशः वर्षे साम मोर्स् परः केरायः विम्यं या के वा या मुका वं सामा मुनायर व्योत विदेश । या विदाय विदेश श्चे में त्रिश्चा में त्रिश्चा सार्वदाचर प्रमें ।रेरेश या भेंद्र न विषे वर्तु हैं विषेश सार्वदाचर पर्वा । बेर का वर सेर व सेर केर केर केर केर सेर केर सेर केर महिर सुद्ध वस महिम हु म वर्त हैं। है समा बुद कर महिम सुद्ध वस महिम हु म वर्त हैं। है समा बुद कर महिम सुद्ध वस महिम हु म वर्त हैं। विस्त महिम सुद्ध वस महिम हु म वर्त हैं। विस्त महिम सुद्ध वस महिम हु म वर्त हैं। विस्त महिम सुद्ध वस महिम हु म वर्त हैं। विस्त महिम सुद्ध वस म

में भी सम्भाति के प्राप्त करा अंदिर हैं नियं भी स्था वह नियं की प्राप्त में नियं में नियं की प्राप्त में नियं में हीं सके द : द वाया के दनाय क कर तस्य द : वहीं द के खुर वर वशुर होर का हो दर र् रमद झ्ना विना या परे हूं स ही सहेर प्येदाया है स हिंद हैं। चन्द्रत्न । मुन्द्रित्न् वा स्टान्यं वा स् ट्. त्र श्रूट. चश्र. प्रचापा रट. चर्श श्रुश वश्र वर् हे. हे. चर् हेश हे चश्र के वश्र के विष् यर.प्रचीर.पा कंट.य टे.पक्स.श्रथ रट.पबुर.गुंश.बु यर.पचीर.य ४.हेर.कुट पर्वेय.यर्र.सुर. विंद या नम्दारा स्मेक मुन स्मेक स्मे त्मु यः क्केंत्रायमः कृतः तुष मात्रः स्मनशः क्केंत्रः याम् शुं ये विते से त्रामत्रः यमः केत्रः यदे क्किंत्रायमः स्मितः वा केषारी हिंदी यादि दुस दुना हिंदी दिनेना पर पर्वना पराव दुरा हिंदी दिन पराव देवा यद्र.क्ष्म.पर्ट. पर्व्यक्ष श्रा विश्व. पश्चित्र श्रा लित व. पर्ट हिंदे. प्राट्या. रेपा. प्रेश श्र. व. वर क्षे पर्ट. हिंदे प्रम. लूर हा वर्ट ग्रेश व वर श्र. प्रचेट. पर. हिंदे. प्रम. लूरा व. वर्ट रेश. इंग्रे जव. ही श्रम वर्ट राष्ट्र रेश व वर श्र. प्रचेट. पर. होट. पर हिंदे जम्म. लूरा व. वर्ट रेश. पर्वाचा द्रमान्याम् केष येतुःमासुसानुःपर्वाचीः मुद्राः । प्याः ह्युनः प्रसामीः स्रवसः प्य अस.श्चेत्र.रट.म् वेश में चहेत्.वेश.रट.चहेत्.ववश.चलर.तश.चांश् ववश.रट विर वर.सुर.तर. हीर हो वि पर्ट नियं नियं हैं। वर्ट नियं हैं। रेश हिर कोर रे प्रीय के र में र वा विष्य हिर कोर जिर को व मारेश ता हिर चरा विष्यः मोट्टमा च्रा क्रियः स्ट्रियः माट्टिया वर्तु द्या परि प्या वर्षा वर्षा वर्षा क्रियः क्रियः वर्षा वर्षा क्रियः क्रियः वर्षा वर्षा क्रियः क्रियः मिट शु.शुल. तथा हैं चथा मिट. पश्चेर श्री वेश पर हीर बेर वेर वे वा तथा रे बश हैं श्र किट पर पर हैं हुं हुं हुं चल्किनेक्। वि.स.वेश.च.सुर.च.सुर.च.सुर। क्ट.चटु.सुर.लूब.चश.स्। हिंच.कट रेट.

चर्मेश भूंच श्रम. खूट बिंदा. हूंचश. चश्चेर. मैटा इश. श्री. भ्रारे में ति ন্ত্ৰৰ মন'দেই'ঠিছাতৰ। नान्त्र क्रेनाश क्षा की सर्वत्र हेन नद स्वालिट क्षा नु हुन वर्षे खेर में हुने। वि. व. ह्यन खे. सर्वर हैन नि हे हिन हिन है है है हिल नि हैन हैन हिल नि हैन नि 1৴, র.ব হুন য়ঽ প্রে ব ভরন দে ল বারপ ঋবপ দ্রী ভর ब्रीट कें ख़िना स यन प केना भेन मुद्री श्च रम् पर पर्वेच परा अश स्त्र मिर स्त्रेर. वेर प्र ७ व अश ले व मिर स्तर स्र स्र स्र स् मु अकर हैर र व्यव वस झर र सुर व झर र रमें भर भेर पात्र पात्र भर प्रशास्त्र सेर र स्था हुँ व सेन ने । व्यव मा सूर्य व्यव ग्राट नाव क स्राचय सु नहर ग्री सक्रव केन निर स्वर वक्ष नहर स्वर मा द अशःशु २ में 'अट' अदे' य' श्रुर' अदे' यश हि**र** से र' नू राय 'यदि' श्रुर से ने रें। । रयेर व' रेम् 'मासे य' मु मारेब.यबुब ब्रा १८.व सब.प बर.श्रंज यदु.वेंब त.शक्र्म.र्बय.रे.यटेम.पश सब.प्टातार. स.सर. तर. तक्र. य. तर्. श्चर. स लूर. तर खल. बर या 🎈 हुए. हुर. वेश. य सक्र्या क्र. प्रतियाल. हें हुंग या. स्टास सब यह . हुर रें हिर हो है । यह यह सर है। वर वह सर है। वर वह सह सह रहे वर्ती. १. चेट्टचे. केट. ची. वर. लेव. वश्व. च उट्ट वर. ते हू. चरा सेव. म्र. टेव् त्व गुरायाय वर्षे वाव मुंदा वर्षे वर्ष वर्षे वर्ष वर्षे वर्ष वर्षे म.लुब.चर.मु.उंग्. हो बर.कु.श्रुब.लुब केट.जल.कु.श्रुब.चर.मश्र.मु.चर.स.स.स्टर्श.चर रेचीश.सिव.चार्ड्रस. बर् चर्च हामहिम व्यर्गन दे यायदायस झान स व्यद्गायते मियायासामीय हो। रेपेर वासे याहा सुनास व स से नि स से नि स से नि स स मि स से नि स से न मान्द्रभानराञ्चर योदानु से पर्दे न गुष्टा नार्द्द मूँ या दश विम मिन झ्रद योदा नदेश ना पर दिन दिन साम "" ल्ट्री विद्य स्व में स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध प्रति व स्वर्ध व स्वर्य स्वर्य स्वर्ध हुन्यः दे त्यीर प्याने, येशः श्रीतर क्रिंट व्राट्यं सामान क्रिंट प्राट्यं प्राप्त क्रिंट प्राट्यं सामान क्रिंट सामान क्रिंट प्राट्यं सामान क्रिंट सामान मिथ. चक्किर. चर. च निर्धा ची. र भ मी शामिश च श्रम बिट र र मी शामिर मिर श्रम पर स्वा १ सिर्मेश ग्रीट पर प्रति पश्चिर पर प्रता व लेश मिया । व व पर भेर है। है हैर दें मिर

मीब बर्न नद सेय पर्दे पदे देश वा इ. द. पत्र में वे. पत्र में नशः क्षित्र प्रश्नाम् व स्वाय स्वय स्वाय स्वय स्वाय स र्ने हिन्दा मही निकास का मिल्या के का मिल्या के का मिल्या के के निकास के कि का मिल्या के कि क श्रीत्रवाद्य के त्या | त्या क्ष्या वाद्य वाद्य के वाद्य के वाद्य के वाद्य वाद्य वाद्य वाद्य के वाद्य प्रसासी के स्वासी के स्वासी के स्वासी प्रसासी प्रसासी प्रसासी के स्वासी के स्वासी प्रसासी प्रसासी के स्वासी के स्वासी प्रसासी के स्वासी के स्वसी के स्वासी बैश.तपु.सेवश.श्र.लट क्षेव.चोर्श.ग्रीश.मैंट.वस्त्रीरं.ब.ट्.क् च.ज.लट क्षेव.वर.वचर.वचर.वश.मेंट वसीर्... तर वला ८५५ व.स. ५५ सेच से वर्ष्ट स्था प्रथा प्रतासक त. या सट्च स्था मी सामा ब्रेर्वा क्षेत्रं मुक्रायदाय हुन गुटार्दे वह कुट मी मूट व होता के वा हेना या याद्भवाता स्थाप्त स्य स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्य स्थापत स्य नते होर नार्देर नत्र् र्दे न र्दः यह नदे कुंब न्दः स्त्रं नवः नदः गावः स्वरं नदे । ।स्यदः स्वरं नद् नदुवः मुक्तः वदः मुक्तः वदः मुक् भक्ष. हेर. हे. जै. पहुंसश. त. पंचाल हे. भट. हैट. में मिर लियाश. तश श्रु हुर थे। श्रुंस पश श्रुंस. वर् नाकेश श्रेमा नाल्य प्रस्मश्र ग्रीश न्त्रेश श्रेमा वर्ष प्रमान समस्य प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रमान समस्य प्रस्त 

र्द्र वश्रः से क्षेत्र है। इवेर व हैं हिट हैं है संसे विट व बहुर है। हुं अरख वर्ष हैं मास लट.पंचेर.प्रमा.११ र्थं प्रमा.११ मीश शुलाय.ला. द्विय.बुरा.बी उचेर.प्रमा.११ र्थं.प्रमा.११ विर मिंहर् य श्रेयाय। विर मिं नमें विष मिं नमें विषय में मिं मिंहर मिंहर मिंहर मिंहर सिंहर में मिंहर सिंहर मिंहर सिंहर में मिंहर मिंहर मिंहर में मिंहर मिंहर में म বং য়, বेंश हा। । শের বঋষ বাঠুগ বিগ্র ব বা ম্ব মুখ বগ বাঠুগ নাগ প্রমিগ্র গুল ব্রেনাল ট্রা स्रोत्रस्य य क्षेत्र'हे हे नाहेस नाहेम त्या स्रोत्तर्हे स्रोत्तर्भ या स्राप्त स्रोत्तर्भ या त्या प्राप्त स्रोत विद्या नाहेम नाहेम नाहेम त्या स्रोत्तर्भ या स्रोत्तर्भ या स्राप्त स्रोत्तर्भ या स्राप्त स्रोत्तर्भ या स्राप्त व नार्देश स्त्रित्या दूर यं वत्य मानुश वत्युश दश दे हैट व्यमु नार्देर नार्देर व विकारी देशकात्त श्रेयाच कार प्रचायाते। श्रुम नमा क्रिंत प्रश्ने श्रेश निर्मा क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग क्रिंग हे.ल. पश्चम से नेप्र कुं.चार पाद्य चीस स्मानुस है। ह मार रमाहतस न्र प्राचनमाहितस भूभः पः पः सरः चीशरः के प्रसः श्रीः वेशः या। विशेष याः सरः चीशरः पः भूभः पनाः स्र्रीयः यक्श पश्चिरः पश श्रुम पक्श यः श्चि पवशः पढ्रः तहरः से दः म्। विः मश्चिरः पर मितः विः हेशः । यहः विः हेशः मु अवश श्रि.रटर स्निर प्र चारीय हु रट ले हुश अरीय तर परीची त जब क्षे रटर वर पही क् नश्च मार्थिय न्यर मुं महर्षे महर्षे भर्षेत्र में स्था निर्देष्ट्र मार्थिय निर्देष्ट्र मार्थिय में मार्थिय में महर्षेत्र में मार्थिय में महर्षेत्र में महर्षेत्र महर्पेत्र महर्षेत्र महर्षेत्र महर्पेत्र महर्पे र. वैश. ७. हुश विश्वभ. वे. भवेव. त. देशश. भवेव. तर ४ ६ छ। भू. भवेव. त. देशश. भ्राभविश्तर प्रधा नेतर मालेर मार भ्राप्ता स्था कुरा स्था कुरा स्था कुरा स्था कुरा स्था कुरा स्था कुरा स्था कि व.स.क. पेश.कर श्रीर. पश.रेटर पर. बी प्र. में क. में) व. बे. रें श. खे. यें श. खे. पंथा कु. पश. वि पर. बे. यर पर्दे य दर हुर मि नाशुस दर में हुे पर दिवुद म यस से मुंद पर दे हिस हु सर्व नर म्हेर क्रिक्त प्रस्ति क्रिक्त क्रिक क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क दे.लट.क्वैद,जशा अथ.क्वे.क्वे.थथ.थट.क्यू**श**.४च्चेथ.त.रट.। लुव श

सह ला।

सह ला



## (E) । अप्र.क्ष्मश.क्ष्ट विच चढ.चड्चा.ताश.चट त् १८ ह्यूट.विच.चढ्चाश। ।

## ्रिका | प्रत्येश.त.४ हम देवल.ज.सेची.४ क्ष.जाू |

हर् हैं वस बर् नर्न नर् बनस नहें न तार्व नह नि संसूर्य प्रति में हुश मीडार यो पष्ट संस में हा है स स्वर प्रा | रे पा हुत में हो तथ । प्राम्यक्षान्त्रः स्टास्त्रान्त्रः स्टास्त्रः स्टास्त् रैनाय गुः से वय पुत्रे न प्राप्ता हैय गुः से वय पुत्रे न प्राप्ता ल.चाशुक्र.हे।

चलेब में क्षे बंध रेंग्रे.चर्रा । इनाध में बंध रेंग्रे.च है। इ.र्यार (प्रीर.च.पाश प्रीट.) रत्याश्चिमास्या ।देव.मी स्.पन्न.पेत्रे.च वे। स्.स.स.चेट.केच स्रामान्यस्य स्। 

शु.चत्रत्रा हिंचाश्राचर लाटाश्राची कट श्रुचनेट चेट्र वेचावश्र कटात्याटशाचर हु ले.वा श.बंट.सिंचा.चेंट नहेश.शे चैं चंद्र.द्वेटा शक्य.श्रं चें चंद्र.देंच्य.क्र्य. टे.श.लेचोश वा बंट.चा.टिचेचेश द्वेट श.चेंश.वा चंट्चेश.शं श्रं चंद्र.टेश.टे.टे.चंद्र्या टे.श.लेचोश वा बंट.चा.टिचेचेश द्वेट श.चेंश.वा चंट्चेश.शं शं चंद्र.टेश.टे.टे.चंद्र्या क्रेप त्र भू.चे चेंद्र प्रका.शं.चे चेंद्र येट चंट्टे चंट्ट प्रट.क्र.चेंद्रा ।टेश.ब्रूट हूंच. सिना ति के के अधार तुर देश हैं यह तर दिनी हैं वर्ष नह दिनी हैं वर्ष नह दिनी हैं वर्ष नह दिनी हैं वर्ष नह दिने हैं वर्ष नह दिन हुँ व दे तथ हुँ मा में । हुव पदे केंद्र केंद्र व तिमाश या अर्द्र या दहराया सकेव पद् । अद् में स्वावित विष्य मिन स्वीत यते स क्य की केंद्र से मासुमा मालेपका है। दे प्या है प्या है प्या है प्या है। माश्चरासदार् पर्वेश पर सर मेट मी लट मारेश प्रतापर पर पर है। र्रेश हैंर वश्वर के में ह. पर्दा ह्र्र्ट्रिंचलाची पर्चेंद्र्याची व्रम्चेंद्र्याची व्रम्चेंद्र्या व्रम्चेंद्र्या व्रम्चेंद्र्या व्रम्चेंद्र्या व्रम्चेंद्र्या वर्ष्याची वर्याची वर्ष्याची वर्ष्याची वर्ष्याची वर्ष्याची वर्ष्याची वर्

ह ने के जन अन्या वा साय वी साय हमा या प्येत है। हे हैन विश्व यश वन उत्त वी साविश्व यश विश्व यश विश्व यश विश्व य द्य क्षट ब्रूर.ची जूर प्रज्ञेश्वश.रट.। मिं वैर.ल प्रचूंच रहा। क् रूट बैट.क्षश (जूट.लश. पर्र.हीर.क्र. पर्य.तर्च. तर्च. पर्य.च्या. । नावर.लाट चीर.ची.क्.र्च. क्र.रचे रट चार्य.क्रा.ट्य यद्र रदः नत्ते उत्रें । विक्टा नति वे नाप्या वर्ष वना वर्षे निकुर वर्षे पकुर विन वर्षे विक् स्वर-तर्ता । स्ट्र्स्, वृःक्र तप्र. झ.र.। सीट तप्र. झ्.र. ता स्वर तप्र. झ.र. ता स्वर तप्र. झ.र. ता संवर तप्र. चि.र. चि.र 

रट.स् वस.श्रूर.झ्.सश्या.स.झ्झ.सव्व हुट.। ३.५२ेच चार्च चीट चहु. १.१.२.५ची स पा र अर्थ नर्ना है नर्नाय नश हिन नर अर्ह्य है है र तथा हैन हो है र या है न है। र्म कर में अक्षेत्र मुं अ कं न की युना में र्मा कं न विद्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप सर्वे.चंत्र.विरं तर् चंल्र्यं तर् संपूर्वे स् चीट वे.श्रुंट जा. य्. चं. चं.लूर् हुश.चे। विरं तर संपूर्वे हु. चीट.च.भट चतुं.कुर.ऱ्। डिश.वशश.वट.चंगुश.टे चुश.चर.चेंश्। विर.चुं.चच.टे.चट्ना. चीट.च चैं.श.चंट.खंश चे हो। क्षेट चीट.ल चैं.श.क्ष.चंट.लो क्षण.कुर श्रेट.क्.ल.चैं.श. तथी श्रम् मश्रम कर मी (मन्द्र के ) ह मी रहेट ब्रम् में प्रमाय से मिय के निय पर्वेच य देच व्रिंग क्षेत्र य क्षेत न्द रुक्टि शे ह्रेंशश पर दे मूर् लियाश ग्रेश परेत त. हे वे वे वेंट व यहरे मी हत्। लिए व हैंस र्म (नामश्रम्माम्बर्म) मुद्दाना निर्वि मी हाडी यते. से प्र रेगार. परेना. नार्ट्री शकुब. ह. प्र श परेना । श्रीय श्र. नार्ल्य ज. श्र. ही व. हीं मिंह जाम वर्षा महार हुन् हुन् हुन् हुन् हुन् हुन् ता. चूट चु. क पार चीच श्रीमान स केंद्र रची कें सेट च किंच्या । हरा पार पार चुट्या । केंद्र पार चिंच्या केंद्र पीच स केंद् (स्रेचस श्र.कृश.एरीट.ए.सर.च.) ४२.च। स्रिंचा.च श्र.च श्र.च श्र.च श्र.च श्र.च श्र.च श्र.च स्रिंचा.च श्र.च श्र परं.व। चिट.श्व.हेबाश त अबाश.त.(स्रवश.श्व.श्रेश.वर्हें र.बाशिस.वर्हें र.जूट.व )परं.वा र्र. हैं 'श्रुंट. (श्रु २ 'प्ट्र) मीश महीर य ८२.व। हे स् (हे स्र स्ट्रांच ) है मिलुमा कर य २५.५ विर.तर.रे.भू.रैच ववश्वाताविरु (४४२ वि क्ष भू.)इ.श ४२.४.४थू। अष्टुब.त. बिटश.बर.लीय.हुट मी यर.जा. १ व.प.हु। बर्चा बर्चा वर.ची.वर.जी.वर.ज १ वहांचीश व.प.हु हुं. ७व.चा स्राक्षः प्रते दिक्षः के इते। देवः क्षेत्र के इते समानु स्राक्षः प्रकार स्रामः हिन्सः प र्गात वस त वें र त वे य वें स स केंद्र व वें स स केंद्र व वें स स केंद्र व त्रुत्। मि.स.स १८.५ झ ल्सन्नात हैतन। झ बेट.में झैं मीब.दे.सून । झै.रेडिंद कें बेचारा शें में स.स. १८.१ में ल्सन्नात हैतन। झें प्राचार्य चाच्य में झैं क्यारा है सेंट.टे. त्र क्ष्र न्त्र क्ष्र न्त्र क्ष्र न्त्र क्ष्र न्य क्ष्य न्य क्ष्र न्य क्ष्य न्य क्ष्र न्य क्ष्य न्य क्ष्र न्य क्ष्य र्बेन्यान प्रति र्बेन्। निन्द र्बेन्यापके र्बेन्य मुन्द्रनान्य से र्बेस्य प्राय देश सेन् नु र्बेन् संस्ति हैंन्। हानु क्रिंस्य प्राया हिंसाय हता हु क्रिंन्। । यह क्रिंन्

## **&&&&&**

্ত। ।ৠ৲ ফু্মধ রুঁচ্ রীঝ-মজ-নাতুনা অধ নাঠুধ-ম জুখু-রুঁচ-রীঝ-মভীনাধা।

२०। विषय दर द्वार्श्वर य निया । श्रिमाशुम नीय यस सुना वक्ष मा

भ.बुट.(मु.क्) प्र.लाट श्रीर. ह्या विष्टि जन्ना चेंस्य प्रति हुर प्र.चिंस्य प्रति विष्ट प्र.चिंस्य विष्ट प्र.चिंस्य प्रति विष्ट प्र.चिंस्य प्र.चिंस्य प्रति विष्ट प्र.चिंस्य प्रति विष्ट प्र.चिंस्य प्रति विष्

म्बर तार्थित है हैं य लुब ख़िश या हैर हो। मुख्य है। कर देते नुस शु नहम च न्दा मुद अय मु नुस सु नहम च न्दा। मुद यह नुसासु यह न दि। निह में ता यह नासुस है। हैं (है स यह रह्म सर्थ रहें। मि( गुर गुर्स गुर नुदे ) र्ग रदा । अ (ग्राय के सुर व्य निम्न च सु नुदे ) र्ग रदा (श्रुंश क्रेंच रे.चेंट प्र रे.) पर रेश श्रे पर्चा (श्रेंच रेश श्रेंच प्र रेश सेंच पर्टा) पर रेश श्रेंच रेश सेंच पर्टा पर्टा) पर रेश श्रेंच रेश सेंच पर्टा पर्टा सेंच रेश सेंच पर्टा पर्टा सेंच रेश सेंच पर्टा पर्टा सेंच रेश सेंच रेश सेंच पर्टा सेंच रेश सेंच सेंच सेंच सेंच रेश सेंच रेश सेंच रेश सेंच रेश सेंच सेंच रेश सेंच रेश सेंच रेश सेंच रेश सेंच स ल्म यप्रे हिस्ताय यद्या (र्णराम् श्राय मास्य याने दर स्रेरायर् )यर् । हिन् नु हि सु तु लिम

निष्ट मार्थे स्ट्रा मार्थेश हो। की मार्टेटा। यह मार्थेश हो। की मार्टेटा। यह मार्थेश की मार्थेश स्था की मार्थेश मी. भीताश के ये. भाषत भ हर मी बरी किरल रखीयल जे.ये भट्टर मीर्ट्र वर्रा (श्विट.इ.च) ग्रेंबर। वि.स.(११मा मे च.) ते व भारता १३.२म.(वि. वि. वि. व. व. व. व. व. व. म् तुर्व स्था बुर्व स्था के स्व तुर्व निर्देश । श्चिर्व स्था मुरुष है। श्चिर सामिश्व स्था स्व का स्व दि स्व सामिश्व स्था स्व सामिश्व साम पर्येच मीर.या । १ वर्. १२८. मीश. शंस. १३८ थ. संस्था १ वर्षा १ श्चिषां स कर वाश्चव वर प्येष विश्व यही। । मूराये हैं। स्वापित से मुहेश हैं। सिना परे तमा व विव दरा १ मन वी विना थे खें । याना हैं । या हिंद अहा हर है। यह हैं । स्वास मार्थित स्वास स्व माल्लमा हुन वामान में मानिक देश मालिए नामान मालिक मालि पर्य में वर्ष मोर्चरा । स ने मारम सम दिम रस ही मोर्चरा । से संह र द न सके ह्मद मोर्चरा। यद्वीक.उट.(चेर.चेर.च.)ह्या.चरचा चांष्ट्र.इस तत्। व्रिच्य.उट.चलुब.टेट.ह्येचांक.कु.स्.चस.

नार्व देश महर न है। नर रु मिर मी देनाश दे दम नर मुर प्या में मिर नर्वा ब्रिक्स वर कर पा) प्र वर्ग पर्। मिर्मा (क्रिंग्रीट पा) कर्ना के के निर्मा (क्रिंग्रीट पा) कर्ना के के निर्मा के निर्मा के के निर्मा के के निर्मा के के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर्म के निर कर्ष व प्रकृ.)ल.रेट। मुंश भाषा परेचा.(शिट टे.भ पर्ट्र.व.टव क्.)त्त्री विष्टा पर्ण टेश. पान्त्रेश है। क्रिंमा पर्दे प्रत्रा प्राप्त हैश शहेश या कर् (श्रिक्ष या ) पर्दे प्रति । प्राप्त हैश स्था । मू वस वर यहना तर वियस करें ( मू य. हे.ज जना रे मिट मी सर तर हैट वेब बुस स्.) हिट ... । निविदः सेन्य प्रेने में दे से से से से से सिका नहीं मिला। वुन वर्गेर्'य हॅन्ब सी। मालव.रेम. जुझ.रा. घट.लूर.मोट.। निविट.मोरेशश.रामा. पुरेमोट मी. हुंस्था.पा.लट.।। कूर्र द्य कुर्चाय द्य य. मोर्चाय इ.चेर लूरी ।र्टेट शट व.च.च.च.वर में कुँटश.पर्ट.वा र्के मेर् स्था पर्नामी रोग्या भारती । भ्रिन पा हेन यम येन मिंन महिं। स्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में स्राप्त में स्राप 시청된.외본.네 नेश प्रेय हेन स दे ही सर यनाश।



(ह) । খ্র্নিং মুখ্য র্ন্ন্রেথ-বার্থ নার্থনানার নার্থনার বার্থনার বিশ্বনার।।

्रा । १९८ माले दे . देश च. देश च. देश में गीया । भट्टे. श्रीय त्या भारा मीट. मीड्र स्था प्रदेश।

भूक तम्बेर तात्र भुर ने । अथ के से तार के क्. चपु. बर. रें हैं. अर. प्रिंता ज़्रुं। हिंश. चंडिट. चंड्र आ. चीश ही ही र. ह्यूंचा. पर्ह्च

प्रसास कर का स्वास्त का स्वास लट.च बट.ज.झेचोश.चश्च.च वृष्ट् त्यू.चि.ब.लटा। ट्रं थर्थश.च.बट.ज.हेचोश चश्च.च्यु.छु.ज. नुषायदे के याद्रा द्रायदे के वाद्रा नुषायदे के वद्रा । दुषा गुः के वहर न्ने न न कं न न कर न दि हैंदा पर्ते। किश परे ही नश न्ने न ने हिर नी कं न न्दा 

वश्चान्यायाय। इ.क.ज.चर्चान्य हैं। ब.ल.८.ज.चर्चान्य वा । इ.क ज चर्चान्य वा च् यहेर् नपु स्थ पर्चा ता है हिंद जशाने क्ष्मश्च चेश्व पश्च वर्ष पर्चा नपु । । । । । वा ची चु अपन्य ही हिंद अशाने क्ष्मश्च ही हैं । व्याप्त के व्याप्त के व्याप्त के विष्य पर्चा वा ची ची के स्थान के विषय के विषय पर्चा वा विषय ही । । । वा ची ची ची के स्थान ही । हिंद ज चर्चा वा निर्माण के स्थान के विषय के विषय के विषय पर्चा वा विषय ही । । । वा विषय के स्थान के विषय के वि स्थान्त्र नहेथ नह नहेगे है। अहार स्थान्त नहेगे है। अहार स्थान्त्र नहेथ न सूहा पर्स्त नहेगे न सूहा पर्स्त नहेगे है। अहार नहेश न सूहा पर्स्त नहेगे हैं। अहार नहेश न सूहा पर्स्त हैं से सूहा ने सूहा पर्स्त हैं से सूहा ने सूहा पर्स्त हैं से सूहा ने सू स.चेश.च अश.सिंट्.चश्चा.च्यं.चश्चा.च्यं.चश्चा.चश्चर.चश्चा.चश्चर.चश्चा.चश्चर.चश्चा.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश्चर.चश  द्धान्य स्थान निष्ट्र के स्थान के निष्ट्र के स्थान के स् क् .चर्। वि .च.चर येथे रेट.चर्छेटश था वि.शट ला शकुत.हैंच.शट.। अश शु.उहि.हैंचा। माहेर् हो। जेश य हुँ कर ने नर गर मुँ के नर्रा । विस्तानिन रिट वर्षे वर्षा सेने छ नमर। र्.ह्रेर्.चड्रा ब्रह्म भराच के सिवा.क्.चर्रा ।क् व.के कुर रेट वर्ड्रेट्श. क्ष वाराचीश लामीश्वरात देता वे ल मेशाना है ते सि मेश में क्षेत्र वा स्तान के ल मेशान है के ले सि मेश में के ले के ले से लिया है के ले सि मेश में के ले के ले सि मेश में के ले के ले से से ले से से ले यान्ता द्वाना द् पार्थ कर य माने था। क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा निर्मे क्ष याच्चा ने ने ना ने क्षा मा ने क्ष यश्रान्त्रेश लेश यश। यश्रीय नहें न गुर्ने । यह स्वर् मार्थे में ने स्वर् मार्थे में स्वर् मार्थे । मिल्ला त्या होता है। जिस्सा का मिल्ला का मिल् क् क्रिंग न सार्श्व न पर देश क्री । वर्ष प्र मुद्द पर मुद्द पर मुद्द पर सुद्द न मुद्द पर स्था

इ. ह्रॅट.ज. मैं में १९ रेशर.ज. मोर्ट्र हैं से हैं रक्षेत्र ज हैं ये के अप के अप सहेते में दे के से हें र क्रें र्रेट्सर्स्या वस्त्रियः नामेर्रे न वलिन होर् गुट होर नस नस्टिस न सन्। हेर्ने सम्बन्धः श्रेशः वेद ग्रीवः वश्रीदशः वः वर्षितः । इः दबद दश्यरः य महिदः मीश्रशः व्हः हैं व्य क्षेटः च श्रदशः क्षे. तथा च चे. भर्ग क्षे. संस्था क्षे. संस <u> १८.स.५२ विश्वास स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्थाप</u> चीर-वेर्ट क्षेत्रका-श्वाः वेश तथा वेर-वेर्यकान हक्ष-तःश्वरा मित्र चीर-वेर्ट क्षे-श्वरः पूर्ट। योशका मे क्षेत्र वार्था विर-वेर्ट क्षेत्र विरामित्र विरामित्र विर-वेर्ट क्षेत्र विरामित्र ट्.जुरे.थे। विरे चीट.जुरे.लेट चोश् च.झे.च चर्चर.ड्र श्र्म । चोश्.रेच.च.चु. चीरे.तिच.कुरे। विरे चीर.जुर.थं.चार्च के क्टा कि श्रूचे.शर्र चोशज.कुं.कुंच. श्रूचे.श्रीच.वार्च चोश्र्यं.च.रटा चोश्र्यं श्रूचे.शर्र चाशज.कुं.कुंच. श्रुचे.तिच.कुरे.वे.च.च.च्यूचे.लेट.लेट चेश्र श्रूचे.शर्म चाशज.कुं.कुंच. श्रुचे.तिच.कुंदे। विरे चीर.जुरे.ये.विर.लेट चेश्र श्रूचे.शर्म चाशज.कुं.कुंच. श्रुचे.तिच.कुंदे। विश्व चीश्रीचे.विर.लेट चेश्र श्रूचे.शर्म चाशज.कुं.कुंच. श्रुचे.तिच.चेश्रीचे.वार्च चीश्रीचे.विर.लेट चेश्र श्रुचे.शर्म चाशज.चे.विर.लेट चेश्र श्रुचे. ८के देश सर भी में क्रियंश के ला । ये में अर प्रीय सर प्रायं पर प्रायं स्था वर्वित प्रवेशश्च स्वान्त्रवामे वर्षे स्वा। वर्षेत्र हेन् के त्र प्रवेश्व से वर्षेत्र से वर्येत्र से वर्षेत्र से वर्येत्र से वर्षेत्र से वर्षेत्र से वर्षेत्र से वर्षेत्र से वर ति सूर्र थ. तथ्या । तथ्य सूर्या थर. तथ्य सूर्या तथ्य सुरा तथ्य स

प्रद्रेचंश.प.रेटा विश.पुर.कर.रेण हेच ज उचेर पर. पञ्चा विश.पंत्रेचश. देश'मार्डेश'र्थेर'यश दे य वर्ड्स ग्री'मार्डेन में यन निके प्रते देश प्रमेर है। निक् ग्री'हर' पश्च. केंब्र. केंद्र नका चर्चे ल क चकुचा. पश्च होर चया. चंस्य. च दश. बुंश. चेंद्र्। र्मेर.लट.। टु.लट.पर्च थट ह्यूचाश भरीय चर्ष्म.चश्चिर.हा जिष्ट संब बैट.लट.चाउेय त्. लेब मुर वा । अदेश प्रदूर ब्रूट भेष कुर नार्ख वार्य से विद्रात की दश राष्ट्र तक्ष्य स्वर मार्थ निष्ठ या में वह स या ना सुरा में हो वह स प्राना है। वह स प्राना है। वह स प्राना है। वह स या ना से प्राना है। वह स प त्रास्त्र त्र निर्देश की मान्स्य प्रति निर्देश विष्ट्र मान्स्य प्रति निर्देश मान्स्य प्रति निर्देश मान्स्य प्रति निर्देश मान्स्य मान 15८ स् वर रट मानेव से ह्येर यह रहिश द्वाराय मार्थेश ही ব্দ নাহ্যুষ্ণ হৈছি ब्र व.में)व.म् श्रु. प्रतेश । व. ज. च. प्रत्य स्वर वर्ष्य तर्ष्य में वर पर्द्य पर में विश्वापार प्रति चोश्चिम : म्रा १८ ज्या १८ ज्या १८ च्या १८ च्या विश्व अत्तर्भ विश्व अत्यर्भ विश्व अत्य याष्य रेट. ब्रैंस. वंश. प्रक्र. प. रेट. चाडुचा १४८. हुंचश. रेश. रेट. ब्रैंस. वंश. प्रक्र. प रेट. चाडेश न.मून्यंश.ग्रे में वंश पर्वश.न रेट नाश्ची । नचश.श नवंश ग्रे.में वंश.च्र्श न.रेट.नब्री मार्श्, बुक्ष, माश्री ह्या, तथा विश्व, बिद्ध पर्युट, सूर्य दूर, मुक्ष, पर्युत, प्रह्म, प्रह्म, प्रह्म, प्रह्म, ल.चर्या लिश.बटश वबट प्र्टेन सर्वे क्.च.बश हिंद हिंद दिन क.चलेश ह्वा प्रवस्त ही प्राप्त बिटश.एय. पटाचिश.तरी. थ् च बश.चीशर.चीश.चीश्.चीश.चश्च. पडाया. पडाया. चीश.चार्ष. खी वर हें नश रूप न र हैं नश नहें श न हैं नश हैं नश स्वर नशर स्वर के न हैं न नमश नशर। वर हिंचरा हैट यर के च मार्च मोश मोर्च है लेश मार्च मार मासर सः माने सः नहार मी संस्था स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप नक्षेत्र नहार मुक्त स्वर्ध व व निर्वर्ष । विकास मुन्द मुन्द मुन्द मुन्द मुन्द व व निर्देश सन्देश শাৰ'ঠ' ব শাৰ্ম শ্বুম'ৰ্ভ্ম দু 'বৰ্ড্ম। ।মন্ত্ৰিম ঘম ক' ঠ' ব ৰদাম' শাৰ্দ ৰ্ভ্ম' দু বৰ্ড্ম। ।মন্ত্ৰম ঘম ক' ঠ' ব ৰদাম' শাৰ্দ ৰ্ভ্ম' দু বৰ্ড্ম। 175 प्रमुद्ध होटा प्रकार प्राप्त के प्रमुद्ध के मासुद्ध प्राप्त प्रमुद्ध प पर्ना वर् गार मी कं वः वः वर्षे य पह सः मी सं यः यः मी वस्तर ने विष् विष् मी कं वः वट मोश्राटर सिना खे. ज मोर्ट मीश मोर्ट्या के.श्रेट मी. के मां है त्यां ह वहा सिट्यापा सेया सेया सिन्य मीश पड़्शा हिंद मुै.क.च.इ.सिंश.चट्ट मुैश.पड़्शा हिंद मुै थ.पड्श.पट.पी । पड़्शा हिंद मुै.क.च.इ.सिंश.चट्ट मुैश.पड्शा हिंश.पट्र.क्.च.दे.क्.च.देट.पींश.पट्ट पींश.पट्ट पींश.पट प्रविद्यक्ष ग्रीश्च नाश्चर्या निवास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्य व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास ब्रिट्स.तप्रे.क् च.क श्रूर.स्ट.सर्चस्या ब्रिस.चेश्रूटस.चस्र श्चर्यते क्षेत्र वर विश्वाय यस द्वार विश्वाय वर्षेत्र वरेत्र वर्षेत्र वरेते वरेत्र वरेते वरे नर्नाका किएक पत्रे कं च लव पत्रे है नि मामा नत्रे हैंय नु पर्वे का नर्नाका केंद्र पत्रे कं म्यान्त स्थान स्यान स्थान स्य लिश.बिटश.पंचीमश.रा.न्ट.शून्.चिबी.नपू.क्ला.टे.चकु्स। **주기원제**. चिश्चेटश.राम्।

२३ त नर्रः मुर्थः ५३८। इ.स्टब्स्य पश्चामीस न्यरं तस रिर्मिन्यः तः भ्रेस तर् ११५ म. रे.प्र्या रेशश हर ये मूर्य क्यारी निषय है हैंर यश पहुंशा रेगा हरे ता मारे हैं हैं हैं। तर् न त्रिम्बार य क मरेम पर्वा पर्वे रही । वि मूट तर्वे पर्वे र वे पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे पर्वे प र्टी. नेश मी केश म्यान स्थान हेर्र त्येय चेरा । त्रि क्षेत्र तर् क्षिर कर क्षेत्र तह तह विश्व । यह क्षेत्र कर क्षेत्र विश्व नहीं । यह क्षेत्र वह क्षे र्भाक्ष्म निक्षा त्राप्त त्री व्या क्षा क्षा वर्ष वर्ष क्षा वर क्षा वर क्षा वर क्षा वर क्षा वर्ष क्षा वर दे.चल्बाचा ट्रॅ.प्रह्माचर क्विंच्यो देश श्रु चर्टा यस चर क्विंट पाक्रिंस खेला ममिलाक्र में तिल्या पर वित प्रश्न प्राप्त प्र प्राप्त ल्य द्या पानी देश ल्य है। के पहेंचा मूट पर सुत्य व क्रिव महिना । अव दे ही दर्भ मश्रास्त्रीं वा मित्र में प्रति में प्रति वा प्रति । से पा क्षा प्रति वा प्रति । विषय वा प्रति मुंब रें मि.वंषा ब.क्.च. येश प्राथा परेंच यह प्राथा है.यहा ब.के छ.च.च्ह्र्या वंशा इ.वट.अक्ष्यक.श्र.रेश.कूर. इर च चढुक.श्री ।चय.क्र.चेट.चर अम् सर.स चरीश.या ।चडेय. त्वर में ह्या दे प्रत्य प्रा नायः यदे क्षं यन् क्षित् मादः यदे ह्रांचाः नुः व यः नाय यः भेवः यदा कः यदे सम्बन्धः यदे मादः

कुंट ने बस क्वें हु हु र निन्न विलेश हू या मूट हुट नहाय या वन हुंट स्थान व साम निन्स कुट्य के प्राप्त के प मुद्दि से इ. च ने इ. सं. प्रमुख के स्थापन के नक्षेत्राच्या के तेत्रा र्द्रिण्या के तेत्राचा के के ने ने के ने के ने ने के न क् चीट.पर्ट्रेश त.पर्ट्टेट.श.जंश व चक्क जुब.टे झ पर्ट्ट्टी पर्ट्रे.श्रेट.टें। क्.चीट पर्ट्य प्रथ. वंद्र्य प्रय प्रय प्रय प्रथ. वंद्र्य प्रय प्रय प्रय प्रय प्रय प्रय प्रय क्ष.च.भ श्री र तर्र. र. वट अक्षभ श्री तर्वश हेश तर्र हिंद कीश केर तर्र । वर तर्य सामा वर तर्य सामा वर तर्य सामा मान्द्र-न्द्र-न्द्र-न्द्र-नुस्र-नुस्र-स्वर्त्द्र-न्द्रम्। क्षर-मुस्रस्र-ने नुस्र न्द्र-नेद्र-न-न्द्रम् नु

तर्थाः । दे.केर.चेर.च.जा.चर्षेश.तर.चेरेच.चहुंच.केंच.वहुंच.केंचा इ.रचेश.वट.ज.ट्रेट. प्रसा न्दः ये नात्र दुः च नव यरे कं च दी विंग स्ते दुस द होंना य देश यर में या । ने त्य बर गुः केंद्र खट्य दुय त्य य प्रत्या ।दे सुर हिर है यहै यह यो या वेंद्र वि है य प्र परिवास में वि.पा चनश बंश खरे च टेरे पिर पि च.एथ। इथश भम्निश च.पा चनश चर्र भम्निश. इस् स्थान । भून द्राप्त कर्त्र स्था कर्त्र स्थान स्थान विकास स्थान विकास स्थान विकास स्थान विकास स्थान विकास स नस्य प्रसान्त्र प्रत्य प्रते वर्षे वर्षे के त्यामा हेन विद्या क्ष्य प्रस्था वर्षे वस्य स्था वर्षे वर्षे स्था मिने क्र-स.ह्यू. तथाली प्रट.रे.विष्याचर तथा वेश वेश रेश पर्य पर्या वेश क्र्य पर्य पर्वे स् **न**र्मिश है। व प्रशास्त्र का गुण वर्ष सर्व य प्रसा | यहे प्रवित से हे र गुष्ट महिष्ट कर स र्वे व पा । के प ब्रिट्स.चर्.रेस.लस.४८४.यषु द्विरा । विक्रेस त्य. भू.विद्यः स्क्रेंट्स तस्त्रीट्स.ल.विर्टः। । बुशाय विट्रा । जिना पशा नुशाय दिया ने हो। निया की मान प्रमुख की हिंद नहें व प्रस्तिक स्ट्रिंग स् हिंशाचीट.च.भुंश.च.चोंदेश.च.चे र.चेश ट्रे.चंशाकूर.च रेट। चंड्य.चो्र फ्रॅंच.चश.टेंश.लश.भु. प्रमुक्त प्रति । क्ष्य प्रति प्रति

मीश.तर्र.क् य.लथ लच चिटा.चरु बसा हिर चेट्र.क्टिंट.ज.हर्य.त्रीय.तर्ह बसा हि. यर्र.बस.चक्रेथ.त ज.पछ.चेहच च्रुस क्र्येट्रा चिर्य.च्या स.क्ष्रीय.क्.य.जस.टे.प्टरस तर्ह.बसा क्रम देश या नक्षेत्र या नवर्त अन्ते अवस् । विद्या या ने विद्या ने विद्या ने विद्या निवास । विद्या निवास । र्बेट.उट्टेश.त.िक्तर रेग्रीच.तपु.७४। चित.तपु.२५ च.४५। द्वर.ची.दपु.७४। छिट.तपु. क्.च.बुर्य त द्वेत्र चर्च ब्रह्म। नियाद्य मि.वंत्र.कु ट्र्र.चिक्क् चर्च.बह्म। विक्रांचिक्क्षामि.वंत्र. वहर्णुं सक्व वर् वर । । विद्य वर् कर व स्वर वादराद्या। कं वाकंद्या अनुवाकं द्या विवाद के द्या 551 भु तथा र्कें ५ ५८। वे पुना केंद्र से ५ तथ प्रश्न वश्यान वश्यान वश्यान वश्यान विद्यान व वना दस रेवें र गुप्त के न हो र पर र हो र र हो र हो के विश्व के स्वास में के स्वास है र है र हो र हो हो है। द्वान क्ष्या प्रति क्ष्या प्रति व्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या व्या क्ष्या क्ष्य क्ष्या नन्त। दे:इससः नहुन्य से नान्य हे कंन नहुन्ते । दे घट सर्वस्य सुनुत्र नि यत्राम क्षुनाय यत्रा क्षुनाय यत्रा व्याप्ता क्षुनाय विकास विकास क्षेत्रा क्षा क्षुनाय विकास विका त्य श्रीनाश वें क्ष्म न न न न स्था सर् सर् से वें ति पा से वें र वें जा र रि सर र जार ही है द हिय:५०। विश्व पत्रे द्वः वास्त्रेषः वश्च ह्वंदः द्वन नुः वहंश मानद मान्यः वर्तेनः श्वंदः वः द्वनः पास्त्रं प्रसः वर्षेयः मुकानह्या पर्तत बेर मेथ मुरेन केर मुरेन मुरेन केर वर्त्र में रिकेट केर में रिकेट में रिकेट केर में रिकेट मेर पडर में के प्राप्त के मान्य। विश्व मान्य। विश्व मान्य प्राप्त में मान्य मान्य। विश्व मान्य। विश विवाद थना न न न मान्य करान न न के किर माने के किर माने के किर माने कि के माने

न्त्रे.चोश्रम्। श्रम्.चोश्रम्। कृत्याचार प्रदेश। सूचा.क्रयःचीर्टा। कृत्यःचिः सर्वे व्याया चैयाक्ष्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त यात्रा तक्षेत्र मुद्दा निवास क्षेत्र वा क्ष द्या पुर गुर व्र्न पुर मेर नहा अहा प्रदा देट पुर य निरं न निय है। व्युट हेर हो हा सहा हो र्द्र १ अस्य १ वर्ष मी १ अस्य १ दर ही दाय होते। विस्थान वय वस से वर्ष हो द्रे में द्रे वर्ष हो द्रे बर सं यह श्र. भु. में च च दुर त. कुर त. कुर त. में स. मे स. में स नुर-नुगर-सुर-व-न्दः। नश्चर-वें-नश्चर स्त्रेन गुंस सुर्य-वेंद्वय दर्शेश य-नेंद्वय पर-नुर्रे। । ने द्यर तर्दे र अर नह न हम वारे अप सार निया सार निय सार निया सार न क्ष.च.भ.श्ची ब श्ची ब.चे.श्चीच.चटा । विशायत क्ष.च श्चा चेत्र श्चीच.च.चटा । वि न हिं ता वर न न न । हिं ने हिन की वर्ष न स्तर न न न में तर्सि न वर्ष न स्तर क्र-र्या म्य-क्र-र्या विश्व चिश्वप्रया क्रिन्य यथा क्र-प्राचित्र यथा क्र-प्रचित्र यथा क्र-प्रचचित्र यथा क्र-प्रचचचित्र यथा क्र-प्रचचचित्र यथा व्याच्य यथा व्याच क्र-प्रचचचित्र यथा व्याच्य यथा हुंस पढ़े ने स्था सं पर प्रायम स्था सार्यार सिर्म क्रिया में प्रायम सिर्म सिर्म सिर्म क्रिया में प्रायम सिर्म सिर 변시·ୂ 및 숙 화·顏 E. E. I । नारेश त हैं र तथा में हैं वंश नहेंश त न ने हैं है। अहुन पदे लालामिक्षान्। क्यां मिरायाम प्रांत मिर्मित्याम प्रांत मिर्मिक्ष पा विक्रा मिर्मिक्ष पा विक्र मिर्मिक्ष पा विक्रा मिर्मिक्ष पा विक्रा मिर्मिक्ष पा विक्रा मिर्मिक्ष पा विक्र मिर्मिक्स पा विक्रा मिर्मिक्स पा विक्र मिर्मिक्स मिर्मिक्स पा विक्र मिर्मिक्स पा विक्र मिर्मिक्स पा विक्र मिर्मिक् मुन्ति । विद्यानिक्षा विद्यानिक्यानिक्षा विद्यानिक्षा विद्यानिक्षा विद्यानिक्षा विद्यानिक्षा विद्यानिक्षा विद्यानिक्षा विद्यानिक्षा विद्यानिक्षा विद्यानिक्षा विद मिंट हुं. पश्चमामिंट वीर्था । मश मूर्याया. श्वीशाया. हुं पश्चमा. या. प्रांचीशाया. हुं पश्चमा. प्रांचीशाया. च न स.स्पेब.कुर नोकुर.चर्सिट.खेस.श्रा ।श्रिंसश.नट श्रेंट्.तमा.चहेब न.हा नश्राम.चीन.

क्रिंबश वर्ष मान्य है है नीव सद्धा । इन है राम येव संयो रेन ने ने राम प्रिन स्थापित स् मा.ज.भू.भरीर वश सिट वर वेत्। विश्व वः स्थान्त्र के. प्रति विश्व वाह्य विश्व वह्य विश्व वह्य विश्व विश यश्च प्रश्ना यह । द्वे मा अप्राप्त नियम में । विद्यानी स्वर्ध । मुश्रास्त्र मुश्रास्य मुश्रा विद्यानाश्चरका कं. न.स क्रेंड परे पुर शु निर्देत न्याकेष सानु चलेश्वर हें तहसामानर। चर्णा न्य के व स नु नर स क्रिके वर मान्रा कुंदः वश केव की देश द्राम् मार्नित श्रा माद्रा सिश य वश के के देग दाना की की देश की ट्रेश.चिश्वभ मी घट नार्ट। विना.चश.क.च.च.चश्वभ मी.घट नार्टा ट्र ४ हम.मीच. पर्देश त के बेश रट शर उहूच । श्रि २ रू रे श्रुम मीट मुश पत्र प्रिम हव सिम रव सिम रव सिम रव श्रुमश के प्रस्त स्मान्त वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र उट य स नु नस न्यार में हैंदायायन्य परि वहार प्रति प्रह्मायन्य सं व कुट में सास्य गुन या नेरा स चीशर च.चे.चेश चीशर च.च.चशर.चपु. वेट स.चीश्रिभ.ही हे.च.कि.वेट हुशश क्रेट. चीश. क्रेंश.च.पंट्रश | ब्रिंश.चीश्रीटश तथा है.च। ख.च.ट्रा जु.च.टेंटा च.पंट्रश । ब्रिंश.चीश्रीटश तथा है.च। ख.च.ट्रा जु.च.टेंटा यर म हा यहें त्य हा नक्षेत्र माट है स्था केंद्र सेवा केंद्र सेवा व जाना है सर चीतास्तान्तराज्ञात् विराम्भवित् विरामभवित् विराम्भवित् विरामभवित् विरामभ ८:२णर ये वश्चरायरे:मा:युर:**र**मु:य माहेशकं व रव:ग्री सबदास स श्वर:यदे। वि:य:द्वीर: स्ट्रिक्श से न्या के नाटा मी ग्री में सिटा खेरिया त द र रेश रेश रेश के नाटा मी ग्री में सिटा खेरिया वर्ते । वं वः सवरः सः यः वं वः दवना वशा वः ये गः दः। वे दः दः नगरः से वहूवः पदेः स्वार मा स्वार मार्थ के स्वार मार्थ के स्वार मार्थ मा विदान्द्रमा विदादान्त्रमान्यन्द्रदेश हैंद क्ष्यातास्यामी सदा हैं प्यास्त्रमान द्वर्याकेश्वर्यं स्थान विकार स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स क्रिया में प्रदानीय देश स्था व में प्रदा कि ते सके व माना कि के सके के सके व माना कि के सके कि सके कि

क् य.लूर बर.कूर.मू सकुर.चेरुश.ण वयश वशा अकुर त ज.चीर ग्रेश मि.ज.क.चार. स्वास्त्र क्रिस्त्र स्वास्त्र क्रिस्त स्वास्त्र स्वस्त् स्वार्थित स्वर्धित स्वर्य स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर् पटा खे. स.ता. क्षेट्र ध्रुट् थ. वेंद्र स्था तें स. तें स.

चर्ड्स चरुन्सःचरे:रुसःसु:नार्टः ।रे:अट इं:वर्दे:मुःसिसःच:भेर्दा सिसः यते न हे प्र स्थित के स्था विश्व के स्था वि मि.स्वर्था सुन्दर मा.सूर्या हुट टा.स्मिश्यातावश्या स्था.स्या स्था.स्य मा.स्य सुन्य सुन्य सुन्य स्था सुन्य त्र क्षा के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्व क मीट. मीश की मीट. । व्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र नवर् वा इ.सैनश हूं ए. तर टूर् चना व्यान्य गीए क् च मधीर तथ ना ना ना तर होते।

य में हिंदे अभश व लिया ते देटा के श्रीय रेटा यश्र र दहम रेटा से र में देश हैं हैं र्। भेमेश क्रे. में हैं एश हुश ला यश्रम हैं रच प्रमुट नर खेश पहुंद पर क्रेन स मुन्यर्ग । इ य हुटाय सब याधना देव दाय या हिन्य हेन दे सब हाय होने समा क्.लूश क्रि.क्ट. मुट्ट प्राप्त प्राप् . मुक्षाप्तमारक नुदूर या भेराभागा यह माना हिंद वर्गी नहें का मानी न्दायकी वहनायके उद के उद्योग द्रामी वद्या यहे। स्या असिका वद्या प्र क्रिंट्स.तर प्रचीर। वि. तर. रूशस.चेरेर चेट.चेर. र्ट्स.ल. त्यंचा विविधस.स्चित्र. पर.चेश्चेंद्रश्च चे.लट.। वि. च चोरेर. ट्रे.स्.चेट देश च.चरेंचा वि. श्लेंचे.स्ट्रे.त.चोरेर.चे. व्यासना स्वीत मार्ट्स वित्र स्वास्त्र स्वास्त बःश्चिंगः हैव। विश्व माश्चम्य यथा दे द्वर पर्व यें माइरः रु से उत्ते हो । मार्टर रु उत् न क्रन्यः श्चेत्रः नुष्यः । हिनः पर प्रमुख्यः प्रमुण्यः सिमा नाडेरः मान्यः प्रेयः। ।रेश्वयः नुमाः मा१९मा बेर हर प्रत्य के के मा१र। विश्व माश्वरक प्रया त्रम्य प्रमुख्य गुः कं यः क्षेत् क्षेट्रमुख्यायास नाइराह्या देशस द्राप्त नाक्ष्याम् हर नाक्षात्वाह्मिर हेर बेराय द्रा सिना ह सेट ल्यूर ग्रीस ग्रीस गरे रें स सिना रट हुर व्या नारेरा शहर गें स दिए हैं। मान्त्र मानेर ता मान्त्र सेट मोनेर इट सिर प्रस नेत्र मानेर स हैं मार्थ व मार्नेर हो। विद्या य.प.सिट्य रेंथर.प में.का इ.उचेर.प उचेत.व.सि.में.पश मैंर.चश.मेंरेर हा ।मेंरेर. नेश श्री मर्ट. हा । मर्टेंट. तर्म त जा नार्टा श्री हुं तर्में त के हुं त्यों त के हुं त्यों त के हुं तर्में हुं तर्में त जा नार्टा श्री हैं। हुं तर्में त जा नार्टा श्री हुं तर्में त जा नार्टा हुं त नार्टा हुं तर्में त जा नार्टा हुं तर्में त जा नार्टा हुं त नार्टा बर-मी-नर-धिर-रर-रथ-सिना-हो.ता छे.चयु. ह्यू रज्मूं छ.ज्मुता-वह्युर-लेट ल्यू होर् क्याश-तर-मार्थः स्त्री न्या स्वास्त्रा स्वास्त्र स्वास्त्रा स्वास्त्र स्वास्त्र

माकेश है। है दशसा नहर निर्दे लेखे जारा नेश चार होते। ।हे लारा द्वारा समारा हिस य.जब.भ चैर.च भुरे हुर.। भधित र हिंगे.ज च 'श रा.लूबे.चसा क्.च.चेब.च.रूट. क्ष च गुरुष्य नार्र मुंब विचा खेर तबर च विंद र खेश बर च विद्रेश । नार्र च र नाहा विद्रास पहरी हैंद हैं में हुर रह वहा हैंद वर वेहा विश्व के व व हैंद र वेहा व हैंस यत्रै क्वाय क्वरायश्च मिर्देश या पर्देश या विक्वराय क्वराय स्र म्यान्त्र विश्व वर्षे वर्ष बर्-ह्रियका कृत्य रहा विश्व युः माधुकार् दाका बुः यहै। यहै स्व सुव सुर हेर् पह्यामा हतः ल. चूल. ग्रुव. ग्रुवा झर बि. बंब. वर्ट. में या वर्टा के चूल वर्टा चंट. वर्चे. टें. वक्ष्ये. प हैं ल. रे बेर है स है हैर या यह नहीं नहीं नहीं नहीं नहीं ते हैं। हैं दें प्रें प्र वह हैंने यर त् गुर रें। | विं य मुल य य कं य नाश्य य ये वर खें। नार रे नाश य रे नाश ये वर खें। ग्रेश निवंश य श्रेंब. बे.च.रेट. हें य. बैंट. वंश क्षेंच च. होंचे हुंबे. वंश क्षेंच वंदे. रेवल चेंह्बे. वंद्रे । ह्रेंट.क्रेर.प्रेंट.क्र्र.पंबरश्र.च जा चिवेता.क्टर चु २०.च.चे.श्रुर च.जा क्ट सेज.चंट ज.चर्झेश.जा र्ते मि व बेल होर. माना से ह की महा में महिल हो हैं हैं हैं मान से महिल हो महिल हैं मान से महिल हो महिला हैं महिला है महिला हैं महिला है मह क्.च.चाश्चमा चडट.रीची.चाशिमा श्रीम.क.श्चिम.ची सीट.ह्य.चार्याः बुरिक्रिर्द्धायाम् । के स बुर कि का मानिकाय मिनिकाय करा के भेना क्षर चर्टा चन्ने हिंश ता में श गुरेश में वर्ष ता हुय मार्रेश वर्षे । य र्र चन्न स ता ता वर्ष या ता व  ख्र. सेर परा. चोड़र होट पर्टेचा. मुं. वि. परा. प्या. सम्बोद्दरन्दर्ग सेन ने कर्या में दिन महस्र हुस नम्दर्भ ने ने वे विदेश हैं। सुर्च है क्यूश चट्ट, जैस्स स्था चट्ट है . जिप्ट स्था स्था के जिसस स्था के जिससे स्था के जिससे के जिसस स्था के जिससे स्था क प्रस्ति स्वा स्वाहराजा व्या स्वाहराजा हिस्सा सा व्या स्वाहराज्य स्वाहर स्वाहराजा हिस्सा स्वाहर स्वाहराजा हिस्सा सा वित्र स्वाहराजा हिस्सा सा स्वाहराज्य स नर् हुश.म.१. शम.ट्रंश.म। नूच नर् कट.श्वर.सेम हुर चेरट.म। हु स् सेन स् सर. चन्टर. प्रसारम्बर्ध सक्वरक्षा सक्वरक्षा विश्व वि वना सक्षत्र सहय श्रीट नर्सेन । इंट्रम् नुन सुट तर्स प्रश्न न्दर हेश प्रश चिर नहीं विश्वा पर्दे के व नाउन होना नाउन र्वा नाउन राम है से विश्वासा दे से विश्वे से में नार्या लिट. तर् शर्. रेचीच विश्व रेशच श्रुश र श्रुरा होट रेचिश सेचाश रेचच. त्र्रा नाशहर्षा क्षेत्र नाशह नार प्रवस्थ पश्चिम ना । रे क्षेत्र राष्ट्रिय प्रविध पर्देश य द्वेन । स्म हे पहुंश त्या विषय प्रेस हैं पहुंश या पानी हैशा निवास स्म से प्रेस य र्टा वि मा%न होर यु : वर्ड्स यही । रिच्चे : वर्ड्स : में : वर्ड्स : माला रिटामी वर्ष मुँ २ दि. शुर हे. पहेश त. २८. । वार्श स्रवस मुँ हवाश २८. शुर हे. पहेश तर्रा । हे ब्रथ बू चढ्रा क्षिम मी स्वरा रेट हैं। चढ्रा चर्ड्य चर्ड्य मार्थ नेश हो। । विरे पर मोर्थ सेच्य ग्रेथ. स्वार स्ट्राट क्रिंग स्वार स्वर स्वार स्व र्गार में इट कु लें ब्रूर हुन । नाट नश क्षेत्र कु ब्रू कट क्षुर नाइट । मावत हैं है लें ले नार ने समिल हेट. नहीं क. नश्च. चेडेट. लंट. व मा. हु. सर. रेगेट. जिस ल. चैंच । हुंच. करमीरेट. 

प्रमु मार्शुक्ष मीं खट मार्गि मीं मीं मार्गि मार्गि मार्थित मीं मार्थित मार्थित मीं मार्थित मीं मार्थित मार्थित मीं मार्थित मीं मार्थित म भूगंब ना देश संक्र्यंश व. गंद्रार. मुं. भुंद्रग में यत्य ना रच्य हा संक्र्यां नाशर. स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्य समिस पर्वास नार्टा सर्ग र्टर हेर्डिंग सर्वा । मा हे पक्ष नहां हिर है। के.र्नारा क.रंग.ता मरा झूट मी रूप वे.श्रा झूंस.रं के.व स.वे.वे श वर्श्व. स्रा नार्दा समित्र ह र्रेन्स नार्दा नाचेर के तार नार्दे हेन हैन ह हैन है से स्रोधित नार्दा नाचेर के तार नार्दा हैन है हैं से स्रोधित नार्दा नाचेर के तार नार्दा हैन है हैं से स्रोधित नार्दा नाचेर के तार नार्दा हैन है हैं से स्रोधित नार्दा नार्दा है से स्रोधित नार्दा नार्दा है से स्रोधित नार्दा न माइटा। म्रें के उन्निनान। हुन सुनान माइटा। के न्या त्रा ना न्या स्थित। माइटा। म्रें के उन्निनान ना न्या स्थित। माइटा। के न्या के निर्माण माइटा। माइटा। के निर्माण माइटा। मा शुं विद्या वा निर्दा के वहा के रमाग्राय है विर्यास विद्या महिता के महिता है स्थापन ब्स्ट्रिश्म द्राम स्वाग्य व से त्र्यु पड़े हुर। न्राम ल रेट्य सु संट व सु स्वय प्राचार प्राची हिंदा के प्राची हिंदा के प्राची हैं प्राच हैं प्राची हैं प्राची हैं प्राची हैं प्राची हैं प्राची हैं प्रा

বর্ম বতুর বুদ লৈজে। অনুষ বুদু হ বুদ বহুষণ বুদুদ ম বুদুদ্ধ মা र्ट. श्रेंट्रं प्रथा श्रीकाचा पर श्री हो पर प्रश्ने व श्रेंट्रं प्राप्त निवास स्था व श्या व श्रेंट्रं प्राप्त निवास स्था व हैना नहीं सन दि सेसानाउदा के कोन दि हैन है है दस दस सद हो सन दर। बुंद्र न्द्र सेश मुख्य हिंद न्द्र केर मुक्त मु सेन्द्र मुक्त मुक्त मुख्य है। नायुम भर क्रि झ्ना सेर यर वर्डिश क्री । क्रिन झूँ रे ब्रिट मुन सुन सेय हूँ व मा नेस न न [[최표 회를 대] 美山紅.蚁川

## **\$30** \$30 \$30

त्रि। । श्रूर भूशश हूंट वैथ. पश्ची. पश ते. येचा. यतु. हुंट. देथे. पखेंचाशा। (≡)

वि.य. हु. येच. तपु हुं त्रिया चित्र स्मायत्र हुं . येचे . 

मुद्रानाश्चर्य है। वर्गानश्चर मुद्रान्त स्था है निर्माण मुद्रान मुद्रान स्था है। वर्गानश्चर मुद्रान स्था है। वर्गानश्चर मुद्रान स्था है। वर्गानश्चर मुद्रान स्था है। वर्गानश्चर स्था मिनाश्चर स्था मिनाश्यर स्था मिनाश्चर स्था मिनाश्यर स्था मिनाश्यर स्था मिनाश्यर स्था मिनाश्यर स्था मि

हीं दि वर् नर स से व व वे। विद्याला वरे देश क्र न हिर मेर वर्डे मा बर्मित बर्म मिना स् म के उन्न न ने ने लिस मिन नर ने ने न श्चिम क्रियम क्रयम क्रियम क्रयम क्रियम क्रयम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रयम क्रियम स र्से व रा.रेट। यर. येथ. सीश स. र्से व. रा.रेट। कीश प्रेंच. सीश मी सुंदःनीश्रासाञ्चीत्रायत्रेःहनाशःद्वा। नद्गान्नानीश सञ्चीत्रायतेःहनाशःद्वा। न्तेन नीशःसः चिश्र ही। इसश्र ग्री क्.य.कट. के. ही व.य. ये.य ट्टा प्रचेशश्र प्रिचीश्र ग्री. क्.य व.य. ये.य व.य. प्रचेश प मोश्रान्द्रशासाया रहे हैं साझी तापि के नादि के लम्ब न मुन्ति । पर्दे । पर्दे स स्वत्स मिन्ना भी व मिन्न मिन्न पर्दे व मिन्न न मिन्न पर्दे । पर्दे स यान्द्रमासुला प्राम् नीशाला ही वार ही वार ही वार ही वार विवास ही वार य-निर्म्यक्ष्री । निर्म्यक्ष्मे स्वीतः स्वीतः स्वातः स्वीतः स्वातः स्वीतः स्वातः स्वीतः स्वातः स्वीतः स्वातः स्वीतः स्वातः स्वतः स्वातः स्वात

र्मुं मुंद मार मोश मुंश य द्वा य प्राप्त । सर्व र भेर मार वृत्य मुंश य दिर य र स ।। गृहेक य कुष यदै कि य दे स' अद वर्त है। ह्मिश श्री द्ये के दूर प्रतः रूर मुँब च'र्टा मुबायदे द न म'र्ने' व रू' व्यंर्टा मुब चदेः त मार्नेन्य हे ब्रूट प्रतुट य.रट.। वर्ष्ट्स.राज्य विवयः वाद वोस वर्ष्ट्स व देट तुस है श्रीत नु वर्ष्ट्स वर्ष्ट्रा ।दे प्र.दट. वर्षे हु मुर्नाम् माथान्त्र व। रट.यहुर्मानुश्च च र.रटा दुशामुश्च प्राप्त द्वामानुश्च मुर्नामुश्च मुर्नामुश्च मुर्नामुश्च मे' भे सुद में पर लेश की । प्रेने पर प्रेन की हैन स' ग्रीस प्रेने पर प्रेन स मुश्च त्रुप्त त्रुप्त हो । व्यवश क्षेत्र त्रुप्त के राह्म क्षेत्र क्ष्य क्षा । यात्र क्षेत्र हो । यात्र हो । र्ने.श में श.क्रं श्रंटाम नवश.व.र.। श्रॅ्च. इंट.ववश.व.र्टा में ल.चवश. त.रेट.। शकुब.च ज.चचश त.रेट.शकुर.च.ज.चचश.च रेट.। श्रीचल.शर.चचश.च. रेट.। क्र चर.चचश्र.च.रेट! श्रम्लिश.चर.चचश्र.चर्यू म्यिश.चर्यु.देयोश.ला हुँदे हेग्बर्टा हे ह्या मी ह्या श्रीत । हुँदे हेग्बराय हा हु य वहेंग् व द्रा व वाय व य.रंट.। र्ह्रेचश्र क्ष्ट मु.रंचाह्य.ह्या विश्व क्र्र. ने चेचा मु देचश्व.ला हैंट.ल.क्.च.चेश.तप्र ल.चरंच तत्र्। वि.लि. ज उर्देच.त ज टिचिश्र चेश चरेच च.रंटा हुश्रह्य.चेश.चरंच. हमार्थान्ता ह्यम हर्षात्र मुद्यायदे हर न्या ह्या स्त्रीय मुद्याय न्या स्त्रीय स्त्रीय न्या भक्षर.तर.येश.त.रेट । श्रोत.शर.येश.त.रेट.। त्र्.चेश.त.रेट.। श्रष्टेश.तर.येश.तर.येश. देयां श्रा वियश्यां प्राप्त क्षायं व्याप्त स्थायं स्यायं स्थायं स्यायं स्थायं स य-५८। माने में मार मी अ-वर्ड अ-वर्ता । व्हिम हे सुर-वर्ड अ य-म-वि है। क्री हैं वहा क्रेन रेट रे में हुंच वचहा ही. चेहर ते हैं वहा क्रिय हिंद हैं वहा है वहा वहा है । र्येष्ट्रस्तर्त्। विश्वत्त्रं चीर मेश्च चीश्चरत्त स श्चेत्रः निर्धेत्रः चल्लान्त्रं चीर मेश्च चीश्चरत्त स श्चेतः निर्धेतः चल्लान्त्रं चीर मेश्च चीश्चेतः चल्लान्त्रं चीर चल्लान्त्रं चित्रः चल्लान्त्रं चित्रः चल्लान्त्रं चित्रः चल्लान्त्रं चलान्त्रं चल्लान्त्रं चल्लान्त् म् स्थि ता है तथ पहुंश प रि । सिंदा पहुंश प मिंदेश है पश पहुंश प मा विद्रा । मुक्षा वटाल.रमु.चरु.वट.रटा चक्षर.नपु.वट.चक्रुश मु.स.ल.ए.च.रच ल. न् सुर मी से का कं न र दीर या हव दव मी सुर मी से का कं न सहर संया मुर गुम हामार स्टिं के ने से प्रति । रिसिर् ग्री पर्वेश राजा नार्य मार्था है साम मुद्दा है साम मुद्दा ।

मूँ त. मैं श.च! शरूर. नर मैं श.च। शरूर तर मैं श च। शिवज शर में श.च। सूर्यर. भक्षश्वास स्वर, तर. ते. ते. त्यूश त्यू। रि. वट. भक्षश्वास त. चेश्वास है। सेट. चुश खे. प्रति. चीश ता भूतिश. तर मीश त. त्यूश तत्। रिश है. व्या. ते. त्यूश. त. यू। इ. वट. मुच मुक्ष ह्रेंट्या येटा चार्या म्यूया मिक्या में मिक्या में मिक्या में मिक्या में मिक्या में मिक्या मिक्य . र्ट क बर स्न वस हिट में ह.व.वैश वहाँ ।रेव हैंर्ट वर हेंट्स व.सन् हें सप रेट मिंद्र संस्थान हैं वे न प्रसार लिया सार्थ हैं सार्थ हैं से स्वार में से स्वार में से स्वार में से स्वार में से

स्वरं तर्र। क्षिट्यं दर्रण के। स्वर्ध्य वर्षा प्रत्ये प्रत्ये क्षित्र स्वरं के स्वर स्री.चीट.थट.थ.क्. प्रथा चीच दश.चे ब्रेग ह्या विक्र ह्या विक्र हु. हेर चीच.थी चीच.चन्ने.क्.च.हेश.तप्र. चीट.चैट.चा.ग्रेग्रेग क्ष प्रचेचश तथा विष्ट्य.बेट.स्च टे.क्ट.ध्चश.चचा.ज.केला विश्व चीच व्यट्टा चीच.चीच.च्या चीच.पश्चा सं रूट २५ वेध र्श १५ है रही दम महेश हैरे ५ड़े न समान यह हैर्न हर है नायः च मौट हुँ यह हर मो देश हों । चै सनानी रिग्ने स सामा हुत हो। हुँ दायानाया पर रहा। हैं यह नायः गर्ना स्वितः स्व नायः सहितं कि है है स्वर तिवृत्य वायिले हो। वितः या वित्रामा हितः या वित्रामा स्वरामा हितः या वित्रामा वित्रामा हितः या वित्रामा व द्वर वर्षे. वर्षे । वेचारा क्री हरा चिंदर वर्ष हैं है वेचर देश। हैं चेचर प्रेश हैं वेचर प्रति । वेचर चे राज्य विद्या विद प्रानाकेश्व. है। क्षिप्त हैं क्षेत्र पहुंश प्राप्त । मीर्ड प्रानाक्ष्य प्राप्त । क्षिप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त 

यक्केटरू. च ता. रेची. व रे. त्र्री वर्षेत्। वर्षेत्र व. ता. व्याय हे. केर. प्रविट. यी व्यय. चीट. चीरा वर्ष्य. य.लुशा । तिथ रूट जूर हुैर क्.च.च्छ्रैट्य. बुश.चे बुश श्रा रिन. हु.रेट उर्च. च्छ्रैट्य. बी. वर्थ. च्छ्रैट्य वर्था । अक्ष्य. हुट्य. बी. वर्थ. च्छ्रैट्य वर्था । अक्ष्य. हुट्य. बी. वर्थ. च्छ्रेट्य. व्याप्त. चुर्थ. चुर्य. चुर्थ. चुर्य. चुर्थ. चुर्थ. चुर्थ. चुर्थ. चुर्य. चुर्थ. चुर्थ. चुर्थ. चुर्य. चुर्थ. चुर्थ. चुर्थ. चुर्थ. चुर्य. चुर्थ. चुर्य. चुर्य. चुर्थ. चुर्थ. चुर्य. चुर्य. चुर्य. चुर्य. चुर्थ. चुर्थ. चुर्य. चुर्थ. चुर्य. चुर्य रवे.च ल.क्ट्रै.चट वे.चच चारेशा क्रिट रवे.च.ल केट कर विट.संय.चटा विट.संट.चेंश. र्शि मुंदे द्वन मी र्ने प्राय महासाही महेदस सर् प्राय महासाही इसाया लेव य द्रामाशुस्र में। विनास है द्रार त्युदाय या प्यार है है नास दि। वे स्वामा म्ब.मु.स झटश.रात्र ध्या.टे.य.क्शा चर.टे.वज.क्ब.क्ष.चंब.राष्ट्र ख्या.टे.य.क्शा संवर. चट दुश श्रा । स्ट्रा हुन्स खूर श्रा । क्यू हुन्स खूर श्रा । क्यू मुम् हुन्स स्था क सुमा हुन्स स्था न्या स्था स्था । स्यु हुन्स खूर सुन श्रा । स्यु हुन्स स्था सुन हुन्स स्था । स्यु हुन्स स्था सुन हुन्स स्था । स्था हुन्स स्था स्था । स्था हुन्स स्था हुन्स स्था । स्था हुन्स स्था हुन्स स्था हुन्स स्था । स्था हुन्स स्था हुन्स स्था हुन्स स्था । स्था हुन्स स्था हुन्य मुर देश श्री १८० है. हेर हूटरा था के भून हूटरा सम में क्या ने क्या ने क्या ने क्या ने क्या ने क्या में र्ने च.ल.श्वी.रट.ने.सेच चढ़ेश क्रिये रेने च ल.क्.क्ट्स.रट.चेट.क्ट्स.चड़ेश.श्रा नि. 

मुन्ना द्वायान्त्रा हुन्यान्त्राया हुन्यान्त्रायाः हुन्यान्त्रायाः हुन्यान्त्रायः हुन्यान्त्रायः हुन्यान्त्रायः हुन्यान्त्रायः हुन्यान्त्रायः हिन्यान्त्रायः हिन्यान्त्यः हिन्यान्त्रायः हिन्यान्त्रायः हिन्यान्त्रायः हिन्यान्त्रायः हिन्यान्त्रायः हिन्यान्त्रायः हिन्यान्त्रायः हिन्यान्त्रायः हिन्यान्यान्त्रायः हिन्यान्त्रायः हिन्यान्यः हिन्यान्यान्यः य. अष्ट्र-. त श्रीचय. अर. वयश. तप्र हेचीश ह्या विवश चीट. चीश चढ्र्य च.जा ही देट ही. चीर मुक्स पर्युक्ष पर्यु । क्षित्र है त्वेर पर्युक्ष पाया दिय है वेर पर्युक्ष पाया वित्र है वेर पर्युक्ष प्राप्त वित्र है वेर पर्युक्ष पाया वित्र है वेर पर्युक्ष पाया वित्र है वेर पर्युक्ष प्राप्त वित्र है वेर परित्र है वेर प्रतिषक्षः ची भाः प्रचीयक्षः ची भाग्नें स्वायक्षः चा भाग्नें स्वायक्षः चा स्वयक्षः च स्वयक्षः चा स्वयक्षः च स्वयक्षः चा स्वयक्षः च स्वयक् र्स् । विश्वन्ति । विष्यान्ति विश्वन्ति । विष्यान्ति । विषयान्ति । विष्यान्ति । विषयान्ति । विषयानि । विषयान्ति । विषयानि । विषयानि

द्वीर पंचित्रश कुश.चे थे। रेश ग्रिय अश हीर्रेय प्रकृष ग्रेश ग्रेश ग्रेश प्राप्त मित्रश है। स्वित्रश कुश चर्रा प्रमुख श वर्ष कि स्वर्थ हुर हीर प्रमुख है। स्वित्रश मित्रश है। स्वर्थ हुर हीर प्रमुख है। स्वर्थ हुर हिन्। स्वर्थ हुर हिन्। स्वर्थ हुर स्वर्थ हु बर्ट से बर्ट प्रति वर्ष प्रति वर्ष प्रति वर्ष से प्रति वर्ष प्रति वर्ष प्रति वर्ष से प्रति वर्ष प्रति वर्ष प्रति वर्ष प्रति वर्ष से प्रति वर्ष प्रति र्यूट निश्च क्षा । प्रिम्निया सामित केर हैं। । इनाका है हिर प्रमुद न सामित की की य.क्.इस्स्री चाक्ष्यं हैं। श्रीत्राच्या क्रंस्यस्य क्रंत्रें स्त्री स्त्री श्रीत्रा क्रंत्रें स्त्री स्त्र भक्षेत्र या अक्रेर.या अस्ताःशा अधिशःया हःया हिर.या खर.यः अक्षेत्र या अक्रेर.या अस्ताःशा अधिशःया हःया हिर.या खर.यः र्बेट मी निम्म मार्थिम मार्थिम मार्थिम मार्थिम प्राप्त निम्म मार्थिम म मारेच स्मारामीश पहुंस पर्जा विषा है किर पहुंस प.वृ। वैर प्राथा देव्स व्या क्षःत्रमुक्षश्च देवात्रम्याः विद्याः चित्रः स्त्राः चित्रः स्त्रः विद्याः चित्रः स्त्रः विद्याः चित्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः चित्रः स्त्रः स्तः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः

न्त्र । प्रद्य रसिन्ध स्था पर प्रत्य न्य न्य न्य स्था न्य स्था । प्रद्य सिन्ध स्था न्य न्य स्था । स्था सिन्ध सिन् सिन्ध सिन्य सिन्ध सिन्ध सिन्ध सिन्ध सिन्ध सिन्ध सिन्ध सिन्ध सिन्ध सिन्य सिन्ध सिन्य सिन्ध सिन्य सिन्ध सिन्य र्ना वर्द्रायसन्बर्भयान्। मात्रसम्बर्भवान्। विवस्तान्त्रस्त्रम् हैं स्ट्री नवहा वैचान द्वाल नवहा चर्षेत व देश त जा चवका तर्रा हिशान मिश्रेश च ववशान जा विचान प्राप्त ववशान विचान प्राप्त ववशान विचान प्राप्त ववशान विचान प्राप्त ववशान विचान प्राप्त विचान विचा

नुषान्य मुद्रिया मुद्रिया मुद्रिया मुद्रिया मुद्रिया मुद्रिया मुद्रिया मिद्रिया मिद्रिया मिद्रिया मिद्रिया मिद्रिया ता. क्रेश्च ता क्रेश्च हुन्त्रा वित्रा वित्रा प्राप्त क्रिश्च वित्रा वि मशियाही रेट.त्.स श्रेर.त.ज श्रेर.तर.वे यो चर.रे.मीश.त.चंशरे.तो सवर. श.इ.वट् भक्षश्चानाश्चर्। ।वे.वच्थानात्मानाश्चर्हो प्रवस्थान्येवे.वट.क्षेर. ने नहें स्वा देश ने सुर ने नहें स्वा क्षिर ने नहें से ना कि ने नहें से पढ़ श.च.णा हेश चहुं शंच गुंध चहुं शंच शंच शंच हें चहुं शंच ला चहुं शंच चहुं श केश.चर्र.क्रेंचश.ग्रीश.चट्रश.च.चा केश.च.चीश्चेश हेंचश.चीट.क्र.क्रिंग.च.चट्रश.च.चटा सक्रम व नर समित हिंद मासुस देश पर पर पर के साच पारेश हो। । वर हिंदस मुस पर साचाया मूं पर्स : के दे व पर्म : सु न स द द द । सूर्य स : द द द स : त व स : स द द द र द द स : स द द द र द द र द द र द द र द द र द द र द द र द द र द द र द द र द द र द द र द द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द र द

हीर पढ्छ त ल पड़े हो। रेट स् एम्स पड़े प्रत्मानहास। माध्यामानाहेश स् रटासर मासरी नाश्चिम या १५ में हे श्वरा। यही य इंद क्षेत्री है यर विहास विहास या है स्वर्ग राय या सम्बंद स्वर्ध ব বর্তুয়'বা শ্লী'ব'ম ববয়'ব বর্তুয় বা য়৸ম'য়'ম ববয় ব'বর্তুয়'বা देश तरु .चेट्ट त. यश भुभ .यंश ह्यू . यंदु . प्रयुश . यंद्र . पर्र ही र . प्रयुश . यंद्र . यंद्र . पर्र ही र . प्रयुश . यंद्र . न्त्रि व त्र्युम्नः स्व न्तः व न्त्राः सं नार्वे मार्वे मार्वे मार्थः मार्थः मार्थः मार्थः स्वी प्राप्तः स्वी म्री.चर। भूच भर्म म्री.च्रीमा भूच ते.म्ब.कुर्। विच.त् प लट.चशिश.ही 문·영소·성급·대영의 변리·대형·대한 학교 교육·대한 대학 교육 याचिर व्यू क्षेत्र प्रमुद्दा वक्ष प्राप्त मुक्ष मुक्ष मुक्ष प्राप्त मुक्ष प्राप्त मित्र प्रमुद्ध प्राप्त मित्र भुत्र वर्ष्य यात्र पर्वे हो प्राप्त मुक्ष मुक्ष मुक्ष प्राप्त मित्र प्रमुद्ध प्रम स्वाक्ष प्रमिट्योक्ष प्रदेश पा सिनामिष्ठाक्ष प्रति सिनामिष्ठा प्रति सिनामिष्ठाक्ष प्रति सिनामिष्ठाक्य सिनामिष्ठाक्ष प्रति सिनामिष्ठा मिश्चेत्र, वश्च श्र. वर्ष् । विचश्च श्र. दे. श्वेर. वे. वश्च व. वा श्वेट. ज ववश्व वा पाणा मैं.सोच्रां चै.एस्रां चै.एस्रां चै.एस्रां मैं.संगंशःरेट.संबुंण् ।

पित्तः मैं.सोच्रां चै.एस्रां चै.एस्रां चै.एस्रां चै.एस्रां ।

पित्रः मैं.सोच्रां चे.सोच्रां चे.एस्रां चि.एस्रां चि.एस्रां चि.एस्रां चि.संगंशःरेट.संबुंण् ।

ये.संगंश्रेरं प्रेत्रं से.सोच्रां सोश्रेरं हुए से.संग्रेरं हुए से.संग्रेर

ह्नास हे हिर प्रतित्वा ही हेनास र है हिनास र है स्वास नहेंसा है स्वास नहेंसा है स्वास नहेंसा है स्वास नहेंसा है स्वास है हिर प्रतित न स्वास नहेंसा न स्वास न स मुक्त प्रति । अधिका सप्ट्री से पाक्षता मुक्ति प्रति । क्ष्रिय होश्चरित्राश्चः । जिश्चराञ्चर्या विश्वराञ्चर्यात्या । विश्वराञ्चर्यात्याः विष्ट विश्वराञ्चर्याः विष्ट विश्वराञ्चर्याः विष्ट विश्वराञ्चर्याः विष्ट विश्वराञ्चर्याः विष्ट विश्वराञ्चर्याः विश्वराण्ययः विश्वराञ्चर्याः विश्वराण्ययः विश्वरयः विश्वराण्ययः विश्वर्यः विश्वरयः विश्वर्यः विश्वर् प्रचूट न रदः सुर व स हैं न क हें न से हन में इंग रद वहीं वर नह रूप रद सुर व न न न भ्रात्त विक्री निमा यात्र श्रीत्र हिमार हिमार हो स्वास निमा के स्वास निमा स् भ्रष्टियां।

भ्रष्टियां

भ्रष्टियं

भ्रप्टियं

भ्रष्टियं

भ्रप्टियं

भ्रष्टियं

भ्र

्रा । सार नदे हिंद बुक ल रेंक प्रकृत गुर हेंक रहे। सार पते क्यु रहा। सेंक रेंक रहे। सार पते क्यु रहा। सेंक रेंक त्रा देश्व द्रा देशकेंग्रद्या ५ ने निश्च द्रा वर्डेश्यवस मुक्ति तक क्षा । ह कर क्ष्मिक क्षार श्रे सेन प्रश्ने । ने इर वन की मू वन हिर मा केश श्रामा मान प्रमाय मा दमा पर मुर है। मूर यते वर होर यदे हो नुसा मर्दिश इसा हेरि यस न्दिश । ने स नुसःमुक्षःभुन् नदेःमुक्दःदे। न्नुकः नक्षयः नक्षः नद्ये वक्षा न्युनः लुः नकः स्टः यस नद्गाद की दद सद नद होत है। । की की दे ने की नद सी नद नदे हैं ने दे। नद लाक्षेत्रसाय के मीट चतु बेट.हा । हे.लट.चिंट.चांट.च.क्षेत्रस के स्वरं चेट्र चेट्र के चेत्रस चस्र मार्च वट्ट. चेट्र केट्र चेट्र चेट्र केट्र चेट्र चेट्र केट्र चेट्र केट्र चेट्र चेट्र चेट्र केट्र चेट्र य झेनास द भट मूट पर भेदा मूट नसीय मोड़ेस गा झेनास द भट मूट नदे द द भेद दे।

चौट,चयु,हुश, भूचे,यु। अश मु भु रूर्र,यह्त्य,च,जन्में धुट,चश्चर,चन्,युर,चर्,ख्रीर,चीट,च,ख्रा, ूरिय स्नित्र शु.मोनाश.पशया.या हिंद.पा. हु च.प्या मार्च मार्थ मार्य मार्थ मार् गाव प्रस्म श्रु निह्दा निर्मा भेदा दे निर्मा सह्य निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा यदे बर क्षेर य त्रवास के का है वा खुक्ष रवास ग्रीट क्षुट वी जार य दर यह गाकि के वा वाके कर हैं निश्च शरीय राष्ट्र होर। इ.च लश्च ज्ञान में च न्यूय से द्याय हो। मेरे केर मेट नश्चय. मकिश श्रध्र द्रभाव। मूदानामदार्थित्वः हव अदाम्बिंग्सुकार्थित्। वस्य व मूदार्थित् व पहला के पर्व मार्थिस लूट हो यह मिट्ट मार्थिस करे पान वट मिट्ट मार्थिस मार्थिस मार्थिस मार्थिस मार्थिस याद यहा मिह प्राप्त में के प्रति स्था के प् वर कुंद स समुराय श्रेरा वर प्रमुनास प्रा निहना मीस महिना प्रेस माने वर प्रमा प्रदर्भा।) मारेव मीश दशमा मार्नेदः य द्वार्या विव माद क्षेत्रः भव व ( क्षित्र वे क्षार द्वार व व व व व व व व व व व व व व व मुंद ५५ वश हा। विद्यान्त्र हाय तथ वहायहान पर्यान्त्र में नारा में या प्राप्त नार्या हेश मा हुश. चिश्वा हुश. चार्थ माराजा जिल माराजा जिल माराजा हुश. चार्थ माराजा चिश्वा माराजा जिल मु सर्वन मेर् पर्या देने छैं स्पर हैं मार यार्ष कर मार्थ में ।मार पर रहे यार ब्रामिश्य केश य निर्मित है रहे न न्ता वि प्रमान निर्मित है रहे न न्ता नायर क्रिट र्नु स र्नु द र्नु व रूट । दे र में र मार्थ रूट हुर हे रहे वरें। ववस स मान्य रूट श्चर हे.रेवे.र.व्रा क्रि.च.सेमध्य प्राम्बर्ध नर्ष मीट.च। वट श्चि श्रेट वामव्य नर्ष मीट वा म् भक्षत् सर ता नावश्व नद माट ना नावश्व स्तर माट ना नर स उस कु मुंब त्य माद्य पद माद पदी विस्त है न दे दे हैं दे हैं दे हैं दे हैं न है। हि से दे हैं न हैं प

म् दे त्रमायानम् सार्यः सं महन न्ता हिनासः गुः न्त्रकः सबै मुद्दः स के बद्द दृद्दः। । स्थल केश स रटा श्रुर हे रही त है। किट मूर न रटा। सम्बेश स मूट न रटा। सिना-मीट-व-रटा वर-भार मीट-व-रटा की श्रेर मीट-व रटा श्रेर मीट वर्षे। सुर्वा मूह्य निष्ठ निष्ठा मूह्य विष्ठा मूह्य निष्ठा मूह् मित्रक्ति व स्वर्ति व स्वरति स्वरति स्वरति स्वरति स्वर्ति स्वर्ति स्वरति स्वरति स्वरति स्वर्ति स्वरति स नवस रूट श्रुर पर हेना ये से हेन रूट श्रुर पर हेना वे हेना में हेना में हेना में हेना में हैं। प्रश् हनास। मुःदन्तस देस र्ट सुर प्रते हनास। नासर हिट पुस रट सुर प्रे हनास। टे म् रचीश.रेट. सेर पर्र हेचीश स्त्री ारे जरेट म् चंचवश.श.चीवश.रेट. सेर. चर्र हेचीश.जा ही.त. মিনাধ টু.মান্নে (মান্ন মীন্নের ভ্রমন্টু,ধনধাপানীনাধা,ফু.মি.নান্নস্থীন ছ.ধ মান্ন বস্থীই,বারু, च.र्ट च.ज.चीश.च.चाडेशा) दे ह. डेर.उचीट (चरट रचाश.च ट्र्ट छटे ट्रेच.च क्याशा) च.रट. हीर.लश.चेश.चश.चहीरा) हे मैं केश.चंट चीश हीरी रेज़ ब टे लूर (चंट च.चचश च.ज.चेशश. महास्रा वर्ष्ट्र के मूर वरे मुं (मूर व महोद मा अर्गे दरस स देव हिंद के मा हु 

य. नश्चेर. तर् श्चिर. तथा विश्व प्रशासित। हिरा न्वे. व. (इ. विमान. र्टा विश्व प्र हिरामा केश र्शे ।) र प्री हनाय है हर इत्र इत्र क्रिय हेंद्र केद इर वा) वितृह व दूह ना वि म् हेब रट हैं . चह हे नेश या महीमा लई व महा वि मेर में लिखाता (वे चह मेर के में हैं सक्यान्य स्था स हो र या क्रियायर गाय ग्रीया होर पर्यो ।) मी साहिर। रहे या (साया वर्षा इ.वर वङ्चरेवा अयःवर्रमी अव धर्रः रूचन चे छत्। स् वर शिष् हानाकृषा ययानवे वर्षानमु नदान ले पह वसा हो। ।) नु स्प्री हमाय है स्ट्रा (से वर् खुस इ इ.चड़ेश.मेट.। धिंट क् च वैचा दश चड़ेश शे ठटेश। चेशर.चटु टेश.व विचा क्च.इंश. श्चर गुँ ड्र<sup>8</sup>.यामिं साले दार्थ। कुलयश कं या है होरा रें कुमा सर्वेद मी मा≡रा यदी अर्थ रिप्ट क्र.त.चे.कु टयेटा) टिवेट.च.देट नशिष:श्रा हित् हैं हैं है. से. इ ध्यशः क्ष् बेट प्रवेता भिरात सिता पह्नी सोश रिप्टेता प्रिंट.क्.च.क्श.क्.च हित् ही ही हैं है. से. मार्थायर मार्या व व्रामहर्गाता हिमा हुना मार्था कर्रा में के मार्थ (वर्षा हुन मार्थ मी हुन र्थे मर्क् दर हैना यर हुना स प्रश्नित्। ने में भी होता दें हो के (वें मर्क् में में में ने ने ने हुँ ना सुनास या सुद्रा सहिस पर्ना ना सुरु हैं ये गुर मारे व गुर मु हुनास हुना।) रु र्थिन। ् इतः मार्थिता क्षेत्र माराम्बर्ध के प्रत्य के प्रत है. या प्रहेश प्रत्येश । वे.स्व के रवे.प्रत्येश प्रत्येश प्रहेश प्रत्येश प (मु.सूर च मैं.ज.वर.भक्ष केर.देवाश.ज.जन्नर.च तर वार्ष्ट व्यासकातका वर वार्ष्टा ।) अवैदः सिना र विनास या र दा सकेर सकेर सामाय स क्रिंग सिना र विनास या र दा सकेर सिना र विनास यो र

र्वे.क्र्या रेचेश.हे.क्रेन पर्वेट. (ब्रिट.बंचक.क्रे.पर्वेट.च.चोश्चेका )चर.परि.चंचे.क्रेय.चेट.च (र्न मर्क नक्ष क्षेत्र महेक नक्ष नक्ष) मैश क्षेत्र । रुचे क (मक्ष मे रुचे प है सना नर नाम है है र न महिलाय रहेश य महिला ।) र लेर्। हनाल है है से प महिलाय न महिल म्यान्यक्षात्राह्म । अवस्त्र वर्षा स्वार्थ । म्यान्यक्ष क्ष्र च स्ट. क्षर चतुः स्वार्थ । म्यान्यक्ष च स्वार्थ स्वार्थ । म्यान्यक्ष । म्यान्यक्ष म्या । म्यान्यक्ष म्यान्यक्ष म्या । म्यान्यक्ष म्यान्यक्य चीट.चश.सट.ह्। ।) वर्चैट.च.चेट.चीश्रेश.श्र्। वि.चचेश रुश च टेट.सैंट.चट्.चेचाश.ण। प्रस्ति प्रस्ति के प्रस्ति व प्रस्ति ।) कुं कुंद नाम नेश होता त्रे के प्रस्ति के प्रस्त स्यान्त्र जिला हुं के क्षेत्र में क्षेत्र क्ष ल्ब.च्र.पर्के..हाू ।) उर्वेत.च.रेट.चशिथा थ्र.क्.क्.क्.क्.क्.म्. भेष्ट्रीर.ख.ट्र.केथश.च.

यस दिः मिर्ड मिर्ड मिर्ड क्ष्मि कर्न क्ष्मि क्ष क्ष स्ति क्ष्मि क्ष क्ष स्ति क्ष स्ति क्ष स्ति क्ष स्ति क्ष स् 1) 취짜용기 5월 4 (45 중 क्नारा है स्र त्युहा (तर वे स्र द्य द्वी हिरीमर न्युर नाय होत वस विमा दिर सेर रहेरें। ') नव् । न्या है द्रान्द सुरावदे हमास वा मूद वामासराव (तुस द्रासुरावाका स्वाप नीशर.च.छ जुर्थ.च्युट्श.च.लुर्थ ह्या ।र्माश.र्ट श्रीर.व होर.वे होर.क्षेचाश.श्र.केषश.चाश्वेष चीशर.च.लुरा) स्र प्रचीतः (रत्र रत्मी स्रवस्त्र नास्त्रा) यूर्। । योत् यः क्षेत्र या क्षेत्र स्त्र हैं। इते क्षेत्र या क्षेत्र क्षेत्र विकार क्षेत्र विकार क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र। इते क्षेत्र क्ष (न्याणुंस वहुत्सायादी सिंदायर्ग । रेट वहुत्य व दे सावलु यायावहेदा सुनास हेना से हेर्न १ सम त.चाश्चिम.रेट.च्रेम.रुट्रेम बचाश.पक्तिम.यं प्रचेट हो। रे म.स्चर.स्चिम्य रूर चाह्र हुरे पर्वेट। दे.ल.रश्च के.पर्वेट हूर्। 1) दे.लूरा क्यांश ह कर. (रह.रह.मूं.श्चेयश के.यांश्चर जूं। (श.खे.च.चट्र. प्राप्त क्रिंट टे.क्चाश.चश.चेश.) हैश.क्चे.ची प्रेच.चार प्राप्त हैं। टेचे व. श.पदी उत्तर प्राप्त क्रिंट टे.क्चाश.चश.चेश.) हैश.क्चे.ची प्रेच.चार प्राप्त हैं। टेचे व. श.पदी उत्तर प्राप्त क्रिंट प्राप्त क्ष्र च.केशश.च.हे.चखेरू। ।) टेल्ट्री स्वाप ह.केर. (चश. शर.चश.लेश.चार चश.चश्रुण क्ष्रेट पश हैचा च.लश.हेंट्रेट्रा ।) चे क्चे.चेर.चार प्राप्त हे.चेर. (चश. पर्वेट.चलु. एट् च्.इ.चाश.चंट.श्रीर.चलु हेचाश.ला चेर च.ल.चश्रुण. चिर च.लेल.चश्रुण. य.यट.यट प्रथ.श्रीयाच्य्र ।), त चाश्चेश्च। म्योट.य. ७ व श्री के त्या है तथा छैट च प्रत्या प्रत्य प् नाल्य रदः। कं न्यते वित्रा नु नाल्य मान्विक गुक्त मु क मुक्त के ।) नाद नोक सुदा प्रमे का  तर गर्।स्य ७ शर्र हैं हुर् स्रश्र हैं स्प्र हें तर तहीं श्र रा तर से स्राप्त हैं हैं। ।) य मैं मुेर मार नीश सीरा पते वे अपासनाथा पट हैं वहाँ पट देव हैं प प्रमान नासुस नाय गी रहे.चरा हिनाश्राणे.रहे.व.पर्वश्चर्टा.सेव.चाहेश.हा ।) टे.ल्टा देनश.ह. तेर (हा बुट.पर्टूज. सर विदेशन न्दर पर में से दे के सर विदेश निर्मा ।) रु से रा पर्वैदःच (स्.स्ट्रिय स् स् लिट पर्वीटश. उस्त्रेर. रट. स्रीमाश.च म्र. स्था) माश्या योट च हुँ श (क. शेर कुर मेश मध्ये हैं हैं हैं श्र या यश व हुए हैं। ।) या कु कु न मार मेश होता रहे न रें (हैं। चन:र्ट: लूर बेर. चोडेश.चा) लूरी देचां ह हेरू. (शर्मा जिल चे. सिंचश.वंशश.वर वेंश.च. मेर. मेर केर केर केर केर होते ।) पर्वेट प्राचाशिया सेट. (जिस बेरस सु ट्रेंट वेशस प्रस्टर . सन्तर्भः शुः सः क्रीतः व १ वरः नः गुतः द्यः प्रतिन्यः परा क्रीत् र्रा ।) व वन्य यः व्यानित्रं ना वीवः रचे करें करें। देनाश हे हरे. (के देनाश हे बेंदे करें। । रचेंट च नाश्चेश।) मेंट च नक्षमश्र.न.चैं.में र. (रेटब्र.स स बें.नर्. १.मुमा.रे.सैमोश.रंमो क्याशान रेट १.स्मार.मी.तुर.३४ श. तथ विश्व श्रा ।) चीट चुश्च.वशा २वु.च. (श्रिश ग्रीय.पश्चेशश.त रेट.सुरे.चश्चेशश.त.ध्रा ।) र स्त्री देवा ह हैं र सिट ह सिट वा स्वार स्था ।) अ खेर संदूर प्रेश हैं र सिट व स्वार सिर हिल हैं कि स्वार से सिर विश्वा के सिर ना%न हो सं त्व सा होना सं त्वन म कु पड़िया प्रान्त नित्र ।) रे लूर्। रेट. हि.हेर पर्वेट. (म्र वेर.टे.वेच चेड्र.टंच.त् स्थ.क्यांश.भूट.च.पर्वेट.।) व.रंट.चस्य में स नहर हैं। निर्म नहरू नाकेत में नार नी सायहरू । प्राप्त है साहे हैर पहें सार है। है प्राप्त मा नर इ देश में स्टाप नेपार समस मैं मेरा से हरा पहेंस। निर्मे ने मेर ने हैं र में मेर न हैं र में मेर न हैं र में स्रेक्ष वह्न । वर्ष स्रेन् में मूट वर्ष मून वर्ष मुन्त में प्रेम के लेका में मूट वर्ष महत् नुनास न्यु र गुँस वर्ष्य। व्हिम नी मून व दूर् वहर से 'ओस सवन। सिस वर्ष मून य. छेश. चेरे लेल बैट.ज रट. ची. चोर्स शे. चिंची । सिंची.ची मीट य. वंट रट. रैनीस ग्रीस. चंचे. ज. वर्षान्त्र प्रतिन्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्य वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्ति वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षानिष्ति वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वर्षान्त्र वरत्य वरत

य. ट्रॅर्. पढ्र ग्री. श्रेंशश. ग्रीश पश्चश। श्रेंश. चीं. ग्रंट. च. श्रेंश. र ट्रं न्यश. ग्रीश. पश्चेत्र श्रेंश पश्चेत्र। होद निरम्भ व निरम्भ न होत्र नुमाय सेवा निरम निरम सेवा निरम से मिर निरम सेवा मुंश श्रुट। मेट य स्नि वयश ले श्रुट रियर गुंश निवर। मेट य सर दासर रिमेश. चल कुल प्रतित रे.चेलरी चे.च प्रेटल य स चलेश.रेशचे.चेल यसूर्.ज.लेज.चेर्थ.वर्सी रेट.। जीच मुर्चैर-पि.चक्रेब.ब्रा ।सिट घट्ट अश्र ब्रा र स्थ्रिश-इ.१वीश-ता स्वर-स्था सवर-स्र स्था वट्ट.। क्रिस्य-इ.१वीश-ता सवर-स्र स्था वट्ट.। क्रिस्य-द्वेर. स्था प्रत्ये. स्था-प्रा प्रत्ये. स्था-प्रत्ये स्था-प्ये स्था-प्रत्ये स्था-प म् स्वरं तर्श्वाका प्रते हैं के सक्ष कर दर्श व्यक्ष कर दर्श व्यक्ष कर स्वरं के स्वरं कर कर स्वरं कर स ह्या ह्या विद्यान क्ष्या क्ष् निन्ना व व व विकानात्त्वर्यक्रका वर्ति । निम्ना वर्षित् व वर्ष्यक्रका वर्ति । विकास वर्षित् व वर्षित् व वर्षित् । नाकृत्तरा कनाबायायस्य कर् स्टार्टा । भूव मीखाव व्याय या ले. वार्टा स्थारा मार्थित वि चेत्रवा केता देवाचा अत्या अत्या अत्या अत्या अत्या दे.काब्रट.कु। मेथा.कृ.चाश्चम.च.रटा। क.स३म.चल्.च.रटा। क्र.च.चाश्चम.

 स्विभक्षः ची। पेश्चनिकाः नाटः लूर्स्यः चर्यन् विश्वः प्रमुन्ये सार्वे स्विभक्षः ची। वर्षः स्वभक्षः स्विभक्षः स्विभविक्षः स्वभक्षः स्विभक्षः स्विभक्षः स्विभविक्षः स्वभक्षः स्वभक्षः स्वभक्षः स्वभक्षः स्वभविक्षः स्वभक्षः स्वभविक्षः स्वभक्षः स्वभविक्षः स्वभविक्य ष्रिमसः नु। नुसेनासः नादः अन्। किन्सः नुसेनास वः बुरः सः नु। कट रेट । क्षेत्र रेट । र अशेष्ट्र माजब कट मार्ट या के या मार्ट । प्राप्त समानी

रे.चिश्च १.वीयारायाश्चर् श्रूरावर्श्च यात्रे राज्य वे.वीयाय्ये विष्याय्ये विषये विष्याय्ये विषये विष र्वयम्बर्टः।) बार्वरःद्रः। इ.मा.वेरःबाहेश इ.मा.वेरःवापदःवटःमीःहः गूर्वर (गुर गुंझ कु खुना क्कें अन क्कें यह वार्ट्र हुन व्यार्ट्र मातुरस्य देवा वु सहया नु मातृर ।) रि नुदेश्हरम्बेर दें। विद्यान्त्रा विद्यान्त्रा विद्यान्त्रा विद्यान्त्रा विद्यान्त्रा विद्यान्त्रा मुक्त ना हुना शु दशेना के ना ना के ना ना किना (ना किना सब ताक्षाचनु होता तासुर। कुं खेना सुन। कुं चिना किरान किरा शुःबद्दानी ह माने र छ। अब अब अब ब ब व व व व छ । माने खाने माद्दा स्थान छ माद्दा स्थान छ माद्दा स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स अक्रुब:मी.बर.ज.वंश (४२४.७५) या ट्र्र. (८<sup>२</sup>८.पर्यंश झे.शंधी झेज.क्.य.बांशंश. र्बन च नासुमा) न्नु प न्टा . कं ह्वें र केव में (कं क्व न्टा) रें र क्व व केव मार्थ कर। म्रा.ड्रा) श्रैरा वृश्च.तश.८च८.रैचाश.वी वर्ष्ट् वस्त्रीर.त.२६.। श्रद.नह.श्ररेथ. चाइर. रीचारा वेशवा थे. इत है. (मैं. ७ वरा श्री. मी. मी. हैया. ये वहचा जा) रवन। इ.चि. (वट्टर.व.झेट.च प्रचीचीका) चर्चकका.व.पर्विचा.वेट ग्री टेट ट्रा ।रेट. ਸਿਲਬ. छेश. च रट. श्रुं र. हे. पर्थ्य. पाड़ी श्रुं ट. प्ट. च. पाड़ा श्रुं र प्ट. प्ट. पाड़िंग । विश्वास पाड़िंग पाड़िंग । विश्वस पाड़िंग । विश र् जी श्रेया समा मार्थ क्षेत्रा समा हैता हर हैता रहेता दहेता म्नेंन नर्हर। नाइन (भ्रम) हेर्रा इ.ह्रेर्-नार्टा ह्येर तम है। 비짜다. 2. 

क्ष प्रस्ति व के सक्ष प्रति । क्ष सक्ष प्रति व प्रति व प्रति व क्ष प्रसि व प्रति व क्ष क्ष प्रति व क्ष क्ष प्रति व क्ष क्ष प्रति व क्ष क् े. ह. च हित्र हैंथे थर हैंया हित्य प्राप्त मा क्षेत्र के मार्टा मा के मार्ट्य (ब्रुव.सुरा) है। ब्रुव. (ब्रुव.सुरा) धना स्निट.र्ट.रूज.वे.व्या.स. (स्.स्ट.मु.सुव.

ला) मिट्-नु-नान्। पक्रियः (सर्ना-ध्रेन वासान्तानः र्वा या) राक्रियः ध्रुन-चर्तः नु न होर नर्ने सम् ल नमी इंद्र हिंद पढ़न ल नहींने विर है ट होर पर्ट हेट हार क्.य.चाश्चेश मुश्च पूर्ट, मुरा चीश की चीश प्राप्त में की विश्वा विश्वास कीश स बि.च पह चर. रशः पडि: यद्र, स्त्रीचाश्वः श्व. पत्ते त् । । भाषे य कृषः स्त्राः स्त्रीयः मी. षे हिशः यपाताः समी स्थाः स्थाः में स श्चिटा। बर्ड होना स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान । त्राम 

पढ.तर् हे.भ.सूर। ह्यास.च.र्ट त्.चड.चश्चस.च.स्.चच्चेर च.चश्चेत ।३स.स्.सि.सि.च. खुन सर मार प्रहस माइटा। १ यन र में स द्वार सुर दु दु रस हेव नश सूटा। १व. माहेद्र में लेंबा इमा खूय में मुद्दें। विकार क्रिक्स म की र्हेर् मार्शि समामा र्मेरःना बुदासर मात्रद हैवा कर यहसे समाहर। हैद ম.য়। বহ.এবা) বহু.এর । রী.ফ্.ম্বেম.রনা.রু.রু.মে.রনারুল জী জ্ব হা ত্র্ র্থা বুম.এবা ট্র্যা রূপরা রূপরা রুমরা বুমনারুল জিম.রুমে.রুম্ন্রী. रूप विविधाता क्षा मेशारिया। कि.मा. श्रीया विश्वा पर्युशा कि.श्री विश्वाम पर्युशायान्त्रीया माठ्ठेश. स्. स्. प्रस्ता) श्रम् व. पर्येथ. पर नमार्कः नासः भारतः दुर्गः वितास हिंगा । निः भाराः (ने इससः श्रुसः कः) झेंब.den त्.रे ध्यक्ष.ग्रे श्रेथ.चहेक.ट्र.के ज.रंटचा.धबाश.वेश.चर् रुज.वे.संच भ.क्ष.वेश.चा हिं हिंद्रियर् रमी वह बहुन वह नशिम रूमा वह वहीर त्रामीरा हिंसेल मीश्रीर वीशाला । ल्ट. (ब्रिंट चटा) है। हा है. (चिश्वा) रा हा (ब्रिंट चटा के हैं।) व य.पर्सें त.पंटा चे हैं। ह्यं त्. (पर्टा र्चा.पें.. ड्रेरा) चाश्चमा झैट.चेर. (ह्यं व. इश्रश.बुत.तर.परेचोश प्र.पश्चीश.तर्च. वेप्य. वें वें। चेंश्व चों जिश्च.प्र चोरेट चा ट्रे.श.पश्चेशश. य.जि। इ.क्. व्या. वेंग्व चों चों वें। चेंश्व चों चिंश्व चों चेंश्व चेंश्व चेंश्व चेंश्व चेंश्व चेंश्व चेंश्व चेंश्व पक् कु. चढुंब स्वरेसा क्ष्यं करा) संश्वेसा कर स्वर्धा अर स्वर्धा स्वर्य स्वर्य स्वर्धा स्वर्धा स्वर्य स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा हैं हैं महेश महेश मंद्र हैं प्राप्त महिला महिला

चिम्न निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में अदः (नुमान् वायासुन् श्रुःसः से मे से से स्थानश्चेत्रणुदः नक्षमधः यानश्चेता ।) श्रुरा विन्यान्त्र के के देश विन्या कर के प्रत्या कर के प्रत्य के विन्या के विनया के विन्या के विनया के इन् र्। विवर:रुन्थ हा र्णु:अहे हुर्रा ।रे वश ह क्वें महूर। मालुना रे. श्रेश श्रेश मोरेट ट्रा विचार य. पट्टाल स.ज. ही. प सिमाश ज देश रा. पट्टाल यह पर्यंश ज सैसा स. प्रश्नित्र विश्व स्तान्त स्त्र स्तान्त स्त्र स्

है.चलेज. झ.चलेज. 98.15, \$८.से १४४.२८। ਬ. १४.मी ११.से ११. 55" न्यर । यन्य सम मुः श्रुव सरः श्रुव । इ श्रे व शः हः नुवा । मूरः व श्रेन रवसः है। व्हिन ब्राट वनकाले है। देनक नाट लेव लटा हुन व नुःचल कर्ना है हैं हैं हैं र दिए कें प्रकृता है। वर्षेनास य दे हिर ह्युर य निहर। निक् दे हिर ह्युर या निहर। 피5다. तिविश्तान्त्रिं तर्त्रेवशः हैं किर श्रुरः य नाइतः। हिर् ट्रेनश्चः है। वश श्रुर्दः तश्चेयः श्रुतः यः हिर् नर्सेर। विविद्यम् रह्मा विवास विद्या । नासर केट विस्तास स्वर्ध सार्वे। हें स न सुर र् |मॅट.च.<u>ॐ</u>ट.च.प्र| अ%अ:महेदे:ब्रह्मान्हा र्डेन्-नुनारः है। **र**र-र्ग केट क्षुन्स नश्चेदस ता वर्षेस। वसः ह्यें र क्षत्र र पुर पले मार्टे र र न स ह्यु न स त्या यथा.कट.च्रेश.यश्रम.ग्रा ।यूट.यदे. वस क्षेत्र गुंब हुँद क्षट क्षेत्र व नहर स्वतं हर। নাধান শ্রু প্রথম বর্ষ প্র वर हिंदा माउर यं वै। अद्य हिंद वें 5 मानवा ।।মদশ্বন্ম ব্ৰাপ্ত ইন্ মন্ত্ৰ ন্ হৈ প্ৰন্থ।। मूट'न सुदे सुट मुन हेना स र्रा। ଅନୁସ୍ଥା

8

ज्ञा । नूदः व ने नूना व रे र्ह्दा शुन त्या हुद दि द द न न न न है हा । सा हु व द द द मिट्ट हो पहि पहि हो र पर हिट मि हिश शु हो पहिशास हु य मिट्ट में स्व. यर होर. तत्। स्व. रट. से. चन. चार्रुश थी स्व. से. चन. देश स. स. ले. यह हा स. स. स. व. य. व. य. त्या स्व. य. त्या स. त्य स. त्या शु.पर्वीर.वशा र्ज्ञ.व.व्र. सं.व.स्था वर्त्वे व्रा विष्य केट.व.प्र. टे.पर्वीरा प्राधेट.व रेथि.हर. त्युरंहे। महिंदावदायमाख्द मुंगम्बरायुनाद्या हाये वाये द्वीरामये राम्याया मार्थे ह्वा ।देविस वर स्कुर सं यह नार्ड संह प्रायम् ।हे साहार विदेश कर के साहार सह है। दे साहार सह नार्ड साहार सह है। दे स पः क्षश्चः देट. कु. पश्चयमः खे्यांम्य चाष्ट्रचा. चीया । क्षिट. यह्य खे्यांम्य चाष्ट्रचा. चाम्य चाष्ट्रचा. चाम्य चाष्ट्रचा. चीया । क्षियः चीयां चाष्ट्रचा. चीयां चीयां चार्यं चीयां चीयां चार्यं चीयां ची

नम्भमशा । जैदःरेदःसुद वहरःवै व हे ददःसे। । श्र वद ददः वै क्वं सेदः हे ब्रुद्धःसर्गे । क्रूर.स.चाड्यांस प्रिसंस.ति.सू योट.झ.२८। ।योट.त क्ष्य लेख.चे के जैर.चन्तरी । दुस. नाशित्य ह्या रि.ज वर्षेत्र.तथ.रूचेश वर्चेर.रे.चन्तर.री अर्ट्र.वर्षेत्र.रूट उतिश्व. साबिनाश साना स्थान से साना से यश के खेरा । ने समा त्या के स्वा के समा का के समा चल चल में है है में विभावा सिम्म वास में निर्देश निर्देश निर्भ में सिम्म निर्माण निर्म 

हामहैदिरं ारे इसका गुर महिक प्रदेश गुला हो न प्रका मासुमा प्रदेश प्रदेश हि.सर्थ श्री श्रीम व केटश अश प्रश्न है। श्रीच न्त्रीय मी पि पि पि प्रामिता मीटश. क्षर मीर मिर मधीर दि.हा। मिरश श्री क्रेंस दे नवर्र र त्या विष्य र मिर म विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य स्थार ते निर्मा निर्मा के स्था में ते स्था में स्था मे स्था में स 

सम्रिकासार्टातर्श्वासार्के हुं पढेल्। नि.सेर. परं याके राष्ट्र करं का शिका के कर परं वेश विशेषाता के परं याके हुं पढ़ेशा परं याके पढ़ेशा पढ़ेशा परं याके पढ़ेशा परं याके पढ़ेशा पढ़ेशा परं याके पढ़ेशा पढ़ेशा

अध्याप्त अभ्याप्त विस्तास क्षेत्र स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत ` सर'से'न्ट संभ्य'पदे हुट मीस'न्टस क्षेम्स'द्वेर सं वृष्य'पस हुर साबु च बेस मुखे मार्ड द वर

त्रः प्रित्ताता श्रेराः ते त्वान्ता ते ह्याश्चार्या ह्या क्रि. प्रमुद्दाराया क्रि. प्रमुख्यामी द्वाराया केया है। इति स नियेर क्रीश पढ्डा पत्री अश्राप्त वर्ष पान है श्राप्त पत्रिय स्था पत्र पान है श्राप्त पत्र पत्र पत्र पत्र पत्र म् में में प्रत्या ता ता ता के स्वास्त्र के स्वास्त्र स  में सह स्वर कर कर के स्वर कर कर के स्वर নন স্থান প্রবাধন প্রব र्ने माराय सकेन यामारायवन निरा सकेर यामारायवन निर्मा हेर्ने मारायायी मारा केर.पचीर.प.स पश्चीय हो। क्ष्मीर मार.प्रधार। प्राप्त प्रधार। क्षेत्र.पचीर.प.स पश्चीर.प.स पश्चीर.प.स पश्चीर.प.स प्रधार। क्षेत्र.प.स पश्चीर.प.स प्रधार म्राता क्र.मात. पंचा राष्ट्राचीता सक्ष्याचा सक्ष्याचा सक्ष्याचा स्थापता  सम्भित श्रेब ट्रेल्विटा ट्रिश सम्म बिन क्ष्में में उद्देन्त म क्षम् से देन्दीना सम्म स्थान स्था

रे. तथा ता. प्रांचीश त सहत्र सेंचे. पर्चेश्वर्योर रेचीर र्। वि. प्रांचीर प्रांचीर प्रांचीर सेंचीर प्रांचीर रेचीर रेचीर रेचीर रेचीर सेंचीर प्रांचीर ञ्चर ने देनाय दे जे के राय है के प्राप्त के । हो झना मी हनाहा त्या श्रष्टिशःस्त्रः। पूट्ना स्ट्रिंस्स्या सटलःस्या ट्रेटःस्या सङ्क्रः स्रिता सङ्ग्रास्या स्थान्तःस्या सङ्ग्रास्याःस्या न्द्रिंस्स्याःस्या सङ्ग्रा सना मकेन मैंने सना धन सना **स**न्ता केंद्र में के सना केंद्र से नुमारा दम सुर है। नुमु नड्ये हमार नर्भ पर्दे । । वर्डेस पर्दे द्वस त्यः बि.स्येच.स्य-प्राचर-स्येच.स्य-प्राचन । स्थ्रिय-प्राचन । स्थ्रिय-प्राचन स्थ्र-प्राचन स्थ्र-प्राचन । स्थ्रिय-स्य-प्राचन स्थ्र-प्राचन स्थ्र-प्राचन स्थ्र-प्राचन स्थ्र-प्राचन । स्थ्रिय-स्य-प्राचन स्थ्र-प्राचन स्थ्र-प्राचन । स्थ्रिय-स्य-प्राचन । स्थ्रिय-स्य-प्रचन । स्थ्रिय-स्य-य.पा है.र्ट. में यं प्रहर हैं से वं ता प्रहेश हिर पहुंश पा पा के से पहुंश पार्टिश हैं। विश्व पहुंश पार्टिश हैं। विश्व पहुंश पार्टिश हैं। विश्व पहुंश पार्टिश हैं। विश्व पहुंश पार्टिश हैं। न्यन् नार्केश्वर्या । नार स्त्रन नव्हर्य नाया स्त्रन न्यन् स्त्रीन नवि स्त्रो स्त्रन नवि स्त्रन नवि स्त्रन नवि चर्स त.र्ट.। भष्ट्य भष्ट्र ची सिन स्थे नर्स म.र्ट.। शानव प्रूज में संस्थ

मुन्त्रन्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त मुश्च पश्चेट्या वेश.पश्चेट्या मुश्च्या मुश्च्या मुश्च्या म्या.पश्च्या य.बु। रेटश थ.स थे.चयु.एवं सिवा.के.सूर.मेश.च.च सिवाश.ज.चेर.च पश.सुर.ट्री दिश. त्रा सिनाल्या स्थान्त्रा स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य हैनार है क्र प्रचेट यह हैं क्या है। व्याप में हेनार में हैनार में हैं हैनार मा हुर-वेर-क्षे नेमका अक्षिक-वेरा विमार्वेरा वर-गाव-क्षे-वेरा यते. त्रा न्या हे. चंद्र चंद्र चंद्र चंद्र विकास विका र्शः द्वे म् म्यादास्य भीतः सार्या में वाहित हैं सा प्राप्त में में स्था के सा में स्था में स्था में साम माम में साम म मुन्त्र । । मुन्द्र दे.स.ले.च.रटा। चन्त्र हुर.प्रचेटा। चन्त्र नहर्मा व्यव्य नट.चेर्यः। वन्त्र नट.चेर्यः। मिलिमा.ल. ह्यूंटा मार्था चंद्राय ह्यूंट्रावयायार्था ह्या देवाचेशायद्वे हुशाया ह ग्री भारत प्रतास्त्र में भारत ਰਵਾਲਾਅ ਤੇਵਾਲ ਪ੍ਰਸ਼ੇਸ਼ਾਲ ਭਗਵਾਲ ਗੁ ਵੱਧ ਵਿਧਾਰੀ । ਤੇਵਾਲਾ ਅ ਜਿਹਾ ਤੇਵਾਲ ਸਿੰਘ ਤੇਵਾਲਾ मुन्द्रमाह्य वर्षात्र वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य वर्षात्र वर्ष्य वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षेत्र वर्षात्र वर्षेत् सक्र- अन्य संभ्या च अन्य संभाष्य स्था । ह्रीं अन्य संभाषा स्था संभाषा संभाषा संभाषा संभाषा संभाषा संभाषा संभाषा स 

शुः प्रेर हे छ सेर मुक्त हिटस दस इस इस यासकेद में दे हिट इ रसमाय। इकेद में साम मानुन यर ब्रेंद् : तु : बनाक्ष : य वे ब्रें यरे बनाक्ष हुर्दे। क्रिट : हुरे चु = : हुंय : प्यट दें दि न्दर्भ सासाल नासकेन नी न्दार्नि हेन ही ह सेना हु हिन हु यह से बस ह्या हम हम नाह ह से राह है कनाह्म है। अक्षेत्र तक्ष्म स्वास्त्र । स्व क्षेत्र क्षेत्र हैं स्व क्षेत्र हैं से क्षेत्र हैं से क्षेत्र हैं से क्षेत्र हैं स र्ने हेर्न गु. १. मुन क्यां वंश वर्ग व व के हैं सेव बचां नहीं कहीं। विशेष उन्यं सं यत्र तथा मैं चंड्र-चेंड्र वहंत तथा दश्न. वंड्र दहंत. वंड्र दें मुन्द्र प्रदेश प्रदेश पर्देश पर्देश पर्देश पर्देश । हिंद ही त्यद क्रम्य स्था प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश मायश्चाता के के रहा वहा के प्राप्त के प्राप मि.चक्रीर | चिश्रेश.त.चे सक्त् चोर्श शि चक्षेश | चिश्रंश.त.हार.चा वे च.चह्ला | चिश्रंश.त.हार.चा वे च.चह्ला | चिश्रंश.त.हार.चा वे च.चह्ला | चिश्रंश.त.हार.चा वे च.चह्ला | चिश्रंश.त.हार.चा वे चंचा.चे.चह्ला.चा चिश्रंश.चा चिश्रंश.च चिश्रं नवि य सर्वे सं खुर रु रुटा। । वि न ह य रुना मेन नविन नहीं - थे। ।हुट:मी:मुं:हु:नाश्यः न:पर्य। ।वी:अर्ष्ट्:मोर्थ:श्रं श नश्चभशःय। ।व्हः स्त्री । हिंद नी पर्दे मासे पायदा । हिंद नी पायदा । हिंद नी पर्दे मासे पायदा । हिंद नी पर्दे मासे पायदा । हिंद नी पायदा । हिंद नी पर्दे मासे पायदा । हिंद नी पायदा । हिंद नी पर्दे मासे पायदा । हिंद नी पायदा । हि 

पट्र.य.चड़ेब.त. हींट.पट्ट.चबबर.ब.मुटा विश्व.चश्चीट्य.ट्री के चलता.व्रा विश्व.चश्चीट्य.ट्री विश्व.चश्चीट्य.च्री विश्व.चश्चीट्य.च्री विश्व.चश्चीट्य.च्री विश्व.च्री वि उह्ना.वृ। ६ छ.चाकेश.या वश.सिट नर्। डि.स.के.यचना.पा.के.यचेता कृत मृ.रट। यचट.ताश वश.सिट.यन्। वि.सं.ट्रा.वृ। हि.स.के.पा.वश.सिट वर्षा वि.सं. यदेवी.त.रट. देवी. चीश.यहरे हो अवर स ६.प प्यांची शुची.चिंची.त.पा श्रेव.मु. पढेत्। ब्रिट-भु-सून्य-तद् ह्याना व्यक्ताना व् अव निर्धित प्रश्नमीश म्बर्ग पर्टी । निर्धि के निर्वेश निर्देश में निर्धि के निर्ध के निर्धि के निर्ध के निर 12. প্ৰথম ট্ৰা || 워퓸.啶 || मीट.च.मु.चन.तरु. ह्र्ट. बेंब. चर्बेंब. च.हूंचेंब. ह्यां

पद्रा अक्ट्र्यामा स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान बिट्स-श्-र में र स्ट्रें र पर स्थान स्टर्ग के स्थान स्टर्ग मूट में प्र स्थान स्टर्ग स्थान स्टर्ग स्थान स्टर्ग स्थान स्टर्ग स्थान स् भक्षेत्र. पर दर् सिमा मिशाया बिटशा श्री स श्रीटा पर अभेता प्रशार्षि पर प्रशासिमा सिशा है। (इ. प्रस्त स्वास स्वास्त्र स्वस्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वस्त्र स्वस्त्र स्वस्त्र स्वस्त्र स्वस्त्र स्वस्त्र स्वस्त्र स्वस्त्र स्वस्त्र स्व है। अन व राम्यामान्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य विकार के कार्य विकार के कार्य विकार के कार्य विकार के कार्य कार्य के कार कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य का समिकाणी के नार्षेत्रा में व्यापन मुद्दान के या निष्ठ हों स्थ प्रातं मूद प्रम प्रमे प्रातं । श्रद्ध १८वे. प्रत्रे. प्रत्ये. प्रत्ये. प्रत्ये विष्यं विषयं वि म्नन्दियम्

प्रा) सर.व्रेर.च। वश्यभःवश्चर. (श्रद्य विच ठक्केट्या) व्रेर.वर्षे व्रिट. म्बर-तर्ट्ड्रेट त. (श्रि त.९.१.४.५) चीर.त.चड्रिश.हा स्वाय क्षा. (श्रुव क्षेट स्व मीय त रटा था. (श्रुवा) चीर.त.चड्रिश.हा स्वाय त.र्ट.चिश्चेश.श्रा वित्य प्राय. (श्रुवा) स्वाय त रटा था. (श्रुवा) चीर.त.चड्रिश.श्रा वित्य प्राय. (श्रुवा) स्वाय त रट्ट्या त.रटा श्रुवा त.प्रायहेश त्रुवा त.प्रायहेश त.प्रा (श्रुवा) स्वाय त रट्ट्या त.र्ट्या त.र्ट्या त.र्ट्या त.प्रायहेश त्रुवा त.प्रायहेश त.प्रा (श्रुवा) स्वाय त रट्ट्या त.प्रायहेश वा श्रुवा त.प्रायहेश त.प्यहेश त.प्रायहेश नाह्यः नाह्यः नाह्य नाह्य नाह्यः ह्या नाह्यः ह्या नाह्यः (ह्या नाह्यः ह्या नाह्यः (ह्या नाह्यः ह्या नाह्यः ह्या बुटा) या द्वय वहना (झूर-ट्रनाश देशर ट्रेनाश-नाकुशा) या वर-हेनाश-या-पर्ने न (स्राम्भेषात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्य क्.चन्. (श.क.क्) चार्ट्र हींथा टेट्रांम् रचां । येथा.चं हुं चार्च्।) टेंश.क्रे. सैंट्र सैट्रां कुं चेंट्र थां) चार्था.चन्नुं कुं । टेंश.क्रेश.चरेच.च.ता.जा टेट्र स् (क्.यंविचा.चेट्र श्रुचा क्.शुट्रा) चार्था.चन्नुं कुं । टेंश.क्रेश.चरेचा ता.जा टेट्र स् तर. (थकुरे में स्.चेंच व.शुट्र २०.सैंट्र ट्रंटर चार्च्) चार्था.चट्र देवांथा चैं थर. स् चर.चार्था (सैचार्थ सैचार्थ चेंट्र चंट्र चार्च्) चार्था.चट्र देवांथा थ्रुच्. हैनासा नर रू (मूट हें निस मिट अंगिस मिट अट दा) मूट य प्रवास पर है निसा सवर स पर्यः देनाश्वःश्वा । द्रमाश्वःग्री देनाश्वः । व्रेश्च वरो। व्रेशः वर्षे। र्ट्सिन्द्रिया स्थानुक है। हुराय हुटा) त्या हुँ द्रनाय द्राया मा है सिन द्रा य महेत्य नहामधिम हैं हिए। महेश मुक्ष मा नहाम हैं प्रेम निन हिन हैं प्रेम नहाम हैं प्रे

त्त् वर्तुराव सूर अक्षर्त्र वर्षेद्रावर्षे ।) न्द्रशः क्रेंरावर प्रकेरावर (हैना: त्यवर्ष। ज्याप्त (स वे. पर्व. वि. प्राप्त के. प्राप्त नाश्चर श्वीट नाश्चिश नहुश । नहुश । श्वर श.मीट नपु, नेश.श. हुं र हैं । नश्च श्वर श.मीट नपु, नेश.श.हुं र हैं । नश्चर श्वर श.मीट नपु, नेश.श्वर श्वर श.मीट नपु, नेश.श्वर श्वर श.मीट नपु, नेश.श्वर श्वर श.मीट नपु, नेश.श्वर श्वर श.मीट निश्चर श्वर श.मीट नपु, नेश.श्वर श.मीट निश्चर श्वर श.मीट नपु, निश्चर श.मीट नपु, निश्चर श.मीट नपु, निश्चर श्वर श.मीट नपु, निश्चर श.मीट नपु, निश्चर श्वर श.मीट नपु, निश्चर नपु, नाश्चिम नेह नंतु वह नान्द साम् विक्ता निक्त केता ।) न्यूस नाता । हुनास निहास हा प्रेट सी हुन । प्रेस मुक्षःयः (झुनाःसं क्षःनदे पुरुषः द्रदः वर्षेक्षः घवकः ५५।) नक्ष्रा वर्षेकः व **리.**교황[ 지원 | 기원 [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 명 ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 R ] [ 1 । रुना रुट: झुना च देस तक ८ रुवा नर्द झूट हुव लेख नु न। वृद्धिम् अः श्री मार्थ व्याः सम्बद्धं सं ते समाहा ह्या ॥बज्जःया।

सक्षा श्रे हो स्टिंग क्ष्रं से स्वरं स्वर 五首報・日戌 | 日東によっている。
 日本では、ままれる。
 日本では、まれるは、ままれる。

र.रेची.त.ज.श्रीर.चत्। हि.ज.श्रीर.च ज.वंट ह्र्यात रेट। द्रंज श्र.श्र.रेट। श्रीट. चाश्चम स्रा । क्रिंट चत्र देश गुँ देश स्रोता मात्र देश मात्रेश स्रा । विचा देश मात्र देश मात्र देश मात्र देश मात्र देश मात्र देश स्था । विचा देश मात्र देश मात्र देश स्था । विचा देश मात्र देश स्था । मुक्ता में प्रमान के मुक्ता के प्रमान के प्रम ब्रि.न्द्रा वट स्क्रिंग सर्वा विह्ना हुल है. अहूर म है. डेर ल. महीर म करिस ल. पहना । 

 ट्रे.च.व्रीट.ख्र.हू ल.चर्सेट.च.झ.थ्य.पहेचा
 ।क्रू चर्र चर्थ हे रेटक.घर्ट.च..चे.

 ट्रे.च.व्रीट.ख्र.हू ल.चर्सेट.च.झ.थ्य.पहेचा
 ।व्रू चर्र चर्थ हे रेटक.घर्ट.चे.

 ट्रे.च.वेंट.ख्र.हू ल.चर्सेट.च.झ.थ्य.पहेचा
 ।व्रू चर्र चर्थ हे रेटक.घर्ट.चे.

 र्लिन समा समा समानित्य प्राप्त प्रमानित समाने नामा हेन स्मानित समाने नामा समानित समानित समानित समानित समानित सम अम्रिकः यर् गावः सिना कु. क्रेरः यर् देशः वश्वरः वर् तिसिना यरः द्वेरः यथा राः द्वः द्वाः ना वारः राग्रा यर.रे.चार्श्च.रेगोठा भवत.भ.हंश.चाउर.रेगोठ्या हिर्श चार्थिट.यपु हेचाश.ल.चाश्चेश.ही श्चेते दर्भका गुरिके र युरावि देश महिमान दमा वर्षे में निष्या प्रमान वर्षे के वर्षे प्रमान दमा नीबट.च.रट.। नाश्चट.च श्चेश.में सेनाश.हंश.च.श्चेर चर्छा ।रट च.श्चेंद्र.सेनाश ग्री.पर्टे. यर वद्देशी ताला इ.ज. पट्टेशी प्राप्त विश्वास ताला विश्वा

सर निर्देश पहेर पर पर निर्मा य निर्मा य निर्मा पर निर्मा 7.75.1 मुक्षान्त्रन्त पर्टा। देशत्वर मुक्षेत्र अर्टा। अर्थ र मश्चिम स्थान मुक्षेत्र अर्था। विष्य स्थान पर्दे पर्दे मार्थ स्थान पर्दे स्थान पर्दे पर्दे मार्थ स्थान स्त्रिक्ष क्षं क्षं त्रास्त्रा त्या क्ष्या व्यक्त व्यक्त व्यक्त क्षं क्षं त्रास्त्र व्यक्त व ५=। शे में ५ ने १ वर में श नहना य ५०। गुन गुंश स हें न श शूर श्रुव श्रुव गुंग परें। । त्रविष्यः स्त्रे स्त्रे त्राचन्त्रा वहात् वहात्त्रवा । वहात्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्रवा । वहात्त्रवा । वहात्रवा । वहात्त्रवा । वहात्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्त्रवा । वहात्रवा । वहात्रवा । वहात्रवा । वहात्त्रवा । वहात्रवा । व इना दु नह ना पर्वे । भे द्वना दु नह ना व त्या प दुना नी महना य दूर प व दूर है । पहना य ना के कर की।

ष्ट्रिं र्नुना यन्ना याय अटा खुदे हेर्नुराय या वन्ना य रहा। साय वन्ना या रहा। अर खन्ना साय वन्ना देशे । रेचा श्रुव वायदित । रेच विनश्च वायदिन वहीं । श्रे कु विनश्च वायदित । विनश्च वायदित । विनश्च वायदित विनश्च वायदित । विनश्च वायदित । विनश्च वायदित । विवश्च वायदित । विवश्च वायदित । विनश्च वायदित । विवश्च वायदित । विव रैनास नहना च रहा। वह स्थानद रेनास नहना च रहे ले दे नहना चरे। । यान्ता इस्रक्षेत्रभाषायम् यान्ताम्बस्य यह्नायदे ।स्टायदे यह्नाय । चर् बंधा श्रुट विंद वार्ट्रेवधा बंधा विंदा विंवा विंवा विंवा विंवा विंदा विंवा विंदा विंदा विंदा विंदा विंदा वि र्ने.च.च्ट्रस.च जा अध्यय.ग्रीश चट्ट्रस.च रेट.। अध्यःचट्ट्रस.चट्ट्रा १३.च्ट्रस.चट्ट्रा १३.च्ट्रस.चट्ट्रा १३.च्ट्रस.चट्ट्रस.चट्ट्रा 1多.ヨエ.イエ.単に. पहुस्तार्त्। विश्वीर पहुद्धा प पा मोन्नेसा हूं प्रकार प्राप्त प्र प्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त

श्चिद्यसाम्बर्धसाम नदा विद्यस न्वामक्केटसाम्बर्गः कं नाम्बर्गः केनाः हर्ने नुस्सामित्। रे मानेशामा पा रट. मूं नश रट. श्री मीशामाले पडिट चतु. क्षि. रे. मुंश पर. प्रेश हो हिशासट रे. स्य निर्देश्य प्राप्तः श्रिक्तः स्वर्धः स्वरं 

लामाश्चमा नर्श्वराचि हो रामाना वर्षेत्राच हे हे हे हे हो हो। स्वराह्मरात्व से ट्रंक्ट व द्रा। मर्बिरायाहमायात है हैं मुकायहमाने। दे यालट मुला प्रश्रा क्ष्म त्राह्म त्राहम क्रमानस्यान्त्वा । नित्रम्याः क्ष्मा । वित्रम्याः क्ष्मा । वित्रम्याः प्रमान्त्रा । वित्रम्याः वित्रम्यः व बद्र-हमाश्र मुं मूना पु महें श्र म दरा। व्रा हुर मुं मूना पु महें श्र मं पुरा पु मानुक म् मानुक में नियान क्षित्र क्ष्य क्ष्य

वर्डेश य द्रा । भेरा मुने वे वा निहेश निहेश निहेश वे य व वे स्वाप द्रा वे स्वास सम्प्रता श्राप्टका जिंदिन स्वयं सार्था च जिंचाल स्टा। स्था जिंदिन सार्था सार्थ प्रतिश्वास्ता श्वास्ता स्ट्रास्ता स्ट्रास ल.चर्ने.च.रट.। श्रीट.च.रट. ४२.डेबो.चाश्चर.च.चाश्चेश.चट्ट्श। चर.रे.रेचा.चीश.च.ला पश्चेतात्त चीतात्त स्थल क्ष्यात्व स्थल विश्व प्रदेश स्थि । । विष्ट निष्ट प्रति स्थल विश्व प्रदेश स्थल विश्व प्रदेश स्थल विश्व प्रति स्थल विश्व प्रदेश स्य स्थल विश्व प्रदेश स मिन्न पर्ने स्वास्त्र प्रस्ति प्रस्ति

। इत् मदी महेन यह न पहला हो । इते हिंद शुन या है। देव पन है। सर्वे कु कु व रहा। सर्वे हे से रहा। सर्वे प्रस्ता सर्वे पारका रहा। सर्वे पारका रहा। सर्वे पारका रहा। 

 स्वि. ह्य. माठ्य. प्रति. माठ्य. प्रति. माठ्य. प्रति. माठ्य. प्रति. माठ्य. प्रति. माठ्य. प्रति. माठ्य. म रे.अमश्र.वृद्धाः च.ज.झ.लुंश.चेत्। १८.ज ४६च च.इं.ट.क्ट्र च.सैच चर्षाः रटः चश्राः त र्वमः सः येव वे । में मद्यं न्दाः तम्दार्यः गुरः सरः त्युरः रे ले व। दे में देश हेना मीयः शुंच रा व श्वर पा व श्वर पा के व पा में व पाया । सिया पा पर स्वर पे प्रश्ना पी पर स्वर प मोडेश भ.ज. जूर. चं विष्ट. भ.जूर. चं विष्ट. म.जूर. चं विष्ट. चं विष्ट यश्च क्ष न व्यव क्षेत्र क्षेत्र हो । क्षेत्र मानका त्य नक्ष हो यमाका प्राप्त हो। क्षः न्याप्ति । इस्याप्ति । क्ष्याप्ति । क्ष्यापति । क्षयापति । क्ष्यापति । क्षयापति । क्षयपति । द्वय दृद्रा व व दुर्द्रा वेव विवास स दृद्रा क्रा वस दृद्रा संस्त्र दृद्रा संस्त्र द्रा संस्त्र पर न्त्रेश रेन्सा गुर्ने प्रायम् । वर्षेश्य वर्षे सा

रय.रे.४वेट.चरु.भा केंट.चरु.भा मुन्य स्त्रे हो। सुना प्रते हिता नाह्य हो। हो नाह्य हो। स्वर् हो। त्यः श्राटः सः श्रीटः यहनाः श अः रेदः सः रेदः सहनाः यत्। । माश्री द्राप्तः वः मान्श्री माश्री द्राप्तः वः रैनार्रे गुःनार्रे दगायः वा गुरि गुःनार्रे दगायः वःद्राः नार्द्रमा देः वः नार्द्रमा त्रेन के निवाद । विवाद । नेर्रिन्। हैन्स्यहंस्य १ हुन्। यश्र-देर्-त..रेट-चंबुज्रा ।प्रमीश्रश्च-त.पा.बे.र्ह्नट चुंश-प्रमीश्रश च रट.। येथा-पीता.रेट। के.स.र्ट.। वश्ररा २.रट। वर्षे.चेस.रचीश्र त.रट.वै.च्. विश्व.रट.। क्रि.रट.। क्रि.रट.। क्रि.रट.। व्याप्त व्याप्त व्याप्त विश्व.  स्रमी स्ट्रा स्



নাধ্য, মী, নাধ্য প্রিনাধ্য, ୲୰୶୕୴୕୳ୖ୴ୄୖୣଌ୕୵ୢ୕ଌ୶୷ୄୖୢଈୖୣ୵୕୶୕୳ୡୖ୳ୄୡ୲ वस्त्र प्राः न्या न्या न्या वस्त्र वस्त्र प्राः वस्त्र प्र वस्त्र प्राः वस्त्र प्राः वस्त्र प्राः वस्त्र प्राः वस्त्र प्रा ल्बा ब्रुंब चहुब चर्चा र्दः में न्दर ग्रे न्दश्य स्वाध वस्तर या १०० न्दर न्दर इस यह मंदर रटा। इ क्रूब ग्री मदर क्षेत् सुद्रे मात्र रूटा। इद्रे मात्र रूटा। पावर लूट.हा । श्रुचश तर्दुः श्रुच्यः विश्व चार्धशः ल्या सं हाः चार्थरः लूट हो । श्रुचशः विश्व चार्थः स् विश्व स् विश्व चार्थरः लूट हो । श्रुचशः विश्व चार्थरः विश्व चार्यः चार् कट. चडिट. होट व न मूर् ग्री. चवर. लूर्। चं. मूं. मूं. व सहेच. महंच. महं नाबर : स्ट्री शुरा में दे नाक्ष्य में दे नाक्ष्य में दे नाबर स्ट्री इस्रायान्स्रायहित्नाटायर्थाय नक्षामा देनम्बत्रार्थेता देनस्रार्थेर दुनायर्थाय नक्षामान्द्रित होटा 'चरुत'व'पक्री) मी'नार भेरी नार्रपड महिनाचें रे'प्यानायर मेर्य नहामहिनाचें रे 'चरुत'व'पक्री) मी'नार भेरी निक्स स्थानहामहिनाचें रे'प्यानायर मार्थित नहामहिनाचें र नावर निकुर स्प्रेर हो। क्रिनाश र है नेवाश सहस्र श खना ने दि र देश र निक्ष र कार नावा वि.सर्गे.क्रि.ल्र् ग्री.पर्जे श.इ. ४४ श्रू. के पक्त प.र.झेर.व.झैंग. (परेर र.उड़ा) र्थे व्या रीक्ष. धू हु. बु. मु. कुर्याक्ष. भक्षक्षक्षः वेद्यामीव. रे मह्य चीट चडका. च.वे वेची. चक्ष चिक्षः (क्रेवे. ची..... न्गर में भेरी) व.प.डी हे वश लर ज.शर माश्चेय पवता य व ह्यू ता सर्ची मारेटश. (रमी ब देश) य र्थित्। नाबद नवि च दे या नायब नाथिब नाविब नाविब ने वर्ति च दे दे महार विह । इदे नगराया कुट इटा ब्रॅना पर्देग यद नान लेन ने क्विटासमा नाहेश नर्स्स्स नरे प्यर हार्टा नास्स मिर्टी हे ता हिटा हरे नास्ट ता पड रें

नावर प्येव वे । । हान हरे नावर य ह्या हरा । ह्या हरे नावर हरे नावर यहा हिस हरा । अहा सहिर हरा। अहा सहे हरा। अहा सहे सहे हरा। वल व्यर् दे। क्रिंग्रास र दूद द्युद्दासमें वि वर र स्मित्र समित्र समित्र मी गाया महिला क्रिया क्रिया हित मानेर स रेट र्व के सिहार है से रेट मानेश हैं पति में सिहार कर हैं परि मानिर सेन हों। सकेंद्र सदे नद्दे नदे सकेंद्र हो। यना पदे उ हु द नहेंद्र। वैद पदे सकेंद्र स दूसर मशिषान्त्रेश हूर्ता. (जया तपु द त् कु.जूरी) मोड्रेश ह्यें पु द ह कु.मोड्रेश यमुर चें रे सिवा. (श.वीयः वाकः वाक्षेत्रः व.पक्षा) पक्ष्रः यपुः नवि स्थितः क्ष्रं । । पक्षरः क्षः व्यामान्द्रामानेका हो वे दे हैं हर सहेर यदे ह नम महासार्थ्दा समय ह व्यामान्द्र चाहुश। वर्षः द्वीःश्वेषाची श्रामा इ मीटा प्रदेश माहुश। यक्षः स्वामा स्व दे निर्मा मह माह माही पर माहर प्रेन कें हि स्टर मिना है निर्मा के से निर्मा निर्मा के से निर्मा निर्मा के से वित्रायियो चाड्रेश वर्ष्ट्रेशश राष्ट्र श्रीत ६ ४ सर रवट् रविष्ट्रे सी १ विष्टु खे। किया वित्र से ह्मी) व सब्देय पर्देश (इ. चश्चिम व पर्देश) में नवर लेरी च्या में र व प्राप्त र वन वें वे नवर : वें । वह क्षेत्र व बुनाय की ख़ब अवे : नवर केंन । रेर निर्दे य व मार्दिः इन्तमः संदे (पर्कुर् व पर्के।) नावर् व्यर्ग स्दे विष् नावद लूटा है मिट ब क्रिट. इ. क्रुंग रंभर मी नावट. (नाश्चित्र व पंछा) लूटा याना. पक्ष क्षत्र मान्य भी क्ष्य प्रत्य प् सर्दः मी मान्दः व्यदा । दे सर पढ मानेश में मायश मायन मानेश मानेश है। है पु ह मलें केंद्र मादे पर में माद्र केंद्र में । इस मदे माद्र माद्र माद्र माद्र माद्र माद्र माद्र माद्र माद्र माद्र

स्वाहर त्याहा। त्र श्रम हो स्वाहर त्याहा स्थाहर (स.स्या ।८८८ व्यक्ष (त्यक्ष)) त्र श्रम हो स्वाहर त्याहा स्थाहर (स.स्या ।८८८ व्यक्ष (त्यक्ष)) त्र श्रम हो स्वाहर त्याहा स्थाहर व्यक्ष हो त्याहर त्याहर व्यक्ष हो स्वाहर त्याहर व्यक्ष हो हो स्वाहर त्याहर हो स्वाहर हो स्वाहर त्याहर हो स्वाहर ह स्वाहरा ने स्वाहरा ने स्वाहरा स्मान्त्रा) मान्सा हिमा यःमान्सा र्टाः प्रविद्या । निर्मा प्रमान्सा र्टाः प्रविद्या । निर्मा प्रविद्या । नि बना निष्ठेश इं चें के निष्ठा निष्ठी के निष्ठा निष्ठा है निष्ठ निष्ठा अ.सोबर् पा खूट. तपु . हे तो थ रेटा के ब.से पा खूट. तपु . हो ता खूट. तपु . हो ता चूर . तपु हते द्रम्भ ता ही द्रा ने ने ना सा निवास मा है सा सा सिवा हते दे ने ना सा सिवा हते दे ने ना सा सिवा हते दे ना सा सिवा हते हो ना सा सिवा हते है ना सिवा है ना सिवा हते है ना सिवा है ना सिव इस्र-स्त्र-हेन्स्य । वियर हाया हुदि हेन्स्य विदेश हेन्स्य वित्र हाया हिस्स मान्य होते हेन्स्य वित्र हाया हिस्स हो । विद्या हाया हिस्स हो । विद्या हाया हिस्स हो । हमासा मदःयेव वर्षे हमास स्रा विस्थायदे प्रवस सं हुमा श्रेस हिद हुस हिद

है - वह्र प्राप्त न्ता विकास निवास ह्मर हे वहूंबायाया वाश्वराही रह व बिवाय व हिना मी देश शि श्वर हे वहूंबाय देह। वर मुक्षा महामा महामार स्वराह्ण स्वराह्ण स्वराहण स्ट्रा स्वार्थ।) रे.चिंचेच विरु रे. (क्वां विरु रे.चें रेंचें रे.चें रेचें रेचें रेचें रेचें रेचें रेचें रेचें रे 

चतुः चनका नेटाना श्री का निर्मा चन्ना निर्मा निर्मा निर्मा श्री निर्मा ह्रेष् नर् जून ब्रंप ने मंश्रम ह्या । हिना नं द न जा जय नि ह हुन हिना न नि नेश्चर्या श्रद्धः (क्ष्म्यतिष्णियः याजा) ठट्टेब्र व्ह्या श्रे मश्चरं तर्ण् । विः मश्चरं या श्रद्धः विम्नान् । विः मश्चरं या श्वरं विम्नानं । विः मश्चरं या श्वरं विम्नानं विम

त्रा, ध्रुंश.क्षेट्र.चोटेट.च टेट्र। क्षेत्रं क्षेट्र.चोटेट.च.चोक्षेत्रः श्रा विच ध्रुंत्रः चेट्र. २४.६ डच देषु.क्.च टेट.चक्षेट्र.चोक्षट्.वचश.श्र्रा क्षि.चटेट.च.चा छ. (श्र.च चेट्र. चंच.दे.चोश्वर.च.चा चेट.क्ष्य.चटेश.चवच.क्र्य.चढ्ढा सिच क्ष.श्रुंट.च्चा.क्ये चेश्वश (क्.ि.चूर.च.चेत.की.की.की.व.कश.च.चश क्षेत्र.चाशेशः) तीला चवश.तपु (च.इ.च.चश. ध्या.चवर.च.ल.कि.ही (श्रेंटश क्रूंट्रचेश ठक्केश प्रिश श्रश श्रश श्रिंशः) ध्या.चुंश चर्णा चर्या.चेशः) व्येष्टशं श्रींटशं चित्रं चर्णा व्येष्टः श्रेंटशं चित्रं चर्णा व्येष्टः चर्णा व्यवेषः चर्णा व्येषः चर्णा व्येषः चर्णा व्येषः चर्णा व्येष्टः चर्णा व्यवेषः चर्णा चर्णा व्यवेषः च कना पर्व सन्त्रा कन हमाया वहेद रहे समय हेया रहे लेना वर्ष पर पर्वे । सद्य सःमादर ग्री : स्वा क्र नम्हर या भा विषे (क्र माल्य माट माल्य माहिसा) मावर. ता.चिष्ट.च रट। (र्रे.केर.सं च जा.ष्.चीट.ची३ था) सिंश.च चम.च.रंथ च. (र्रे हेर र्ट्सर्च मुक्का दे.ज.क्रुका दे.ज.क्रुका दे.ज.क्रुका दे.च.क्रुका दे.ज.क्रुका दे.ज.क्रुका दे.ज.क्रुका दे.ज.क्रुका दे.ज.क्रुका दे.ज.क्रुका दे.ज.च्यूक्त प्रचार कुर्मश्चरमः (कुर्मश्चर्द्दःग्री.जूर्मा कृषःजा) चार्चर्याः, टीस्टरःच चर्नशःचरःचे चश चर्चश्च। चेरःचः (श्चरच्चरःग्री शषःजनाःम्,षथःजा) चर्न्ना छिट्दःचःचश्चरः चर्चशःचर्द्दशः चार्चश्चरः। स्थिराचार्चे श्वरःजनाःम्,षथःजा) चर्ने छिट्दःचःचश्चरःचःचे चशःचर्च्छ। चार्चश्चरः। स्थिराचार्चे श्वरःजनाःम्,षथःजा) चर्ने छिट्दःचःचश्चरःचःचे चशःचर्द्दशः चार्चश्चरः। स्थरःचर्चे चश्चरःचरःचे चश्चरःचरःचे चशःचरःचे चश्चरःचरःचे चश्चरःचरःच चश्चरःचरःचे चश्चरःचरःचे चश्चरःचरःचे चश्चरःचरःचे चश्चरःचरःच चश्चरःचरःच चश्चरःचरःच चश्चरःचरःच चश्चरःचरःच चश्चरःचरःच चश्चरःचरःच चश्चरःचरःच चश्चरःचरःच 

चर्ड्स चर्ते : इनस द्र मार्थ वर्ष चर्ष चर्ष चर्ष चर्ष चर्ष चर्ष चर्षे चर्ये चर्षे चरे चर्षे चर्षे चर्षे चर्षे चर्षे चर्षे चर्षे चर्षे चर्षे चर्ये चरे चर्षे चर्षे चर्षे चर्षे चर्षे चर्षे चर्ये चरे चरते चर्ये चरे लिबारा जा क्रिये, बार्स . लिबार रेटा। वे.संबा मो बार्स . लिबार बार्डिस क्रियार प्रेयार प्रेय प्रेय प्रेयार प्रेयार प्र मर्गे र्वेतस र्वे पर्रे से रेम्स स स्ट्रिंस के रेम्स स स्ट्रिंस मिल्ला स में स्ट्रिंस पर्रे से रूटा पर्णा में से रेटा द्याच्युः साहस सह द्वार सहते । स्थित स्वार स्वर स्वार रेंथ.चेंद्र.चेंद्र झंट.कुंचश शवंट.चंशेंश.ची वारंश.चंशेंच.तात्र। विश रूचोश.ल ह्य (परींचा.ल. र्म में स्वाप्त के स् 

यानः विदः। ने सः प्राप्ता सनः यानुः माने सः स्वर्धसः ग्राप्तः वर्धसः ग्राप्तः वर्धसः ग्राप्तः वर्धसः ग्राप्तः (स्वः स्वरा) विदः वदः निदः बुमः ग्रानः वर्षे सः ( १ विदः प्येवः) । १ वर्षे वित्रानः १ वर्षे हुं (प्रदा) चार्रेश्च-वर्श्च-प्रदान्त्र-प्रदेश-प्रदान्त्र-श्वा वे (मूरा) चरु.चबक्र.लचक्र.ल चक्रर.च रेट क्रु.चक्र्य.चळ च.चक्र्या ट्रे ज.चेक्य.चरु च.चब्र.च्छ्र.चर्ट. य.चडु.लूर.रो हैं.चिश्चन मी.च.चड्न रिम्रेल त.ठरा शक्च्मं.भट्य.च चडि.ल.चर्नेल निर्मायदे अस्यामिक्यामा स्थापिक अस्यामिक्यामा स्थापिक सन्।मयायहेन्द्रायाद्रायाद्रायाद्रायाक्षायदे वर्षे ।देश्यापद्रायद्रम्याद्रायद्रम्या य: ५८: ५५ हो। की मा% ४: पवि । इते : माब्कः श्वाचारा या सुन ह ५८: इतः इ.च.इ.च व्या व्याप्त व्यापत व् खं हा माहेश्वा । १८ हें १८८ में १८ म हुश दार्टा। साहुश दा चाडुश। हुश दार्द्र चाडुरा हुं। हुँ नार्थ्या आहुना श्री हुं। हुं नार्थ्या आहुना श्री हुं। हुं नार्थ्या श्री हुं। हिश्र झ ल सर्टे हुं नाश्र सा स माडेका शहर में टे. माडेका तमाडेका पर्याप्त हैं। माडेका माडेका माडेका स्थापत हैं। पर्यापत हैं। प रे प्यति है। नाम्बर्धियाया सेन् प्रकानाद्याया प्रवे क्रिया है स्वास्त्र प्रकान है प्रकार से क्रिया से माक्रिश्राचार्स्वनात्पदे प्युत्पात्य। विमान्त्राच ब्रह्मा दे प्राप्ता ह्या प्राप्ता विमान्त्राच विमान् माशुक्त क्षी विकार्य पत्रमान के पर विकार माहेश पर प्राया पर माशुक्ता क्रिया के किया स्तर्भाराम्याद्याः । । त्रायाके सुद्रसम् निवे क्वर्यं के कृतः सेद्रायम् द्वर्वे । त्रेष्ट्रम् मु होट नारेश होट सेना त्र्र नारेश सार हेंद्र सेना त्र्र नारेश सार हेंश अत्यास नारेश का कवा कवा त्री द्रा सार न र्वाः १५ इ.र्थश ग्रे हिट.श्चर्था श्टर.म् र्ज्ना अर.र्थे विचट ट्यं मेहुश शे घ.राइंड. न देशश ह्ये.श.एड्रेट.तू पूर् । निर्चेया.गर्जु.वंचश.ल.चशिष्ठा.ही। डिची.इ.प्रकूष.ल. ल चर्ना स.ल.ल.। अडूब.मी श राचरेचा त रेटा। स्मा क्षेत्र ल चर्ना पर्टा। टर्म्स मोरेश.डिमा.मोशिया में था.ज.ज.लुब देश.लुब.री.मोध्नांश दा ने हूं माश.रेश हूं होश.शे. ह्र्चिश्चा निक्र्टिशक्ट्र टे.नक्ट्.नह्या हि.स.ल.लट.चेश्च टि क्चे त. क्व यात्राक्षेटार्स्नाक्ष्या बेटार्स्न वड्यायर क्वायर् । बेहेटार्स्ना वड्यायर क्वा य.के यो पंत्रम.पंत्रा केंट झुंजा हूं .चचैच.च.कें.यी पंत्रम.क्ट. सुर्थ सूर् हूं स. कुंभा चा. ची. ची.ह. केंट हूं जाच.रेट. चढुरा पंत्रम.चेंथा पंत्रम.क्ट. सुर्थ सूर्य स्था चा.केंट चींभश चा.केंट चींभश चा.केंट चींभश चा. स्मा प्रेक्ष । स्मा है। स्ट्रिंग प्राप्त के स्मा है। स्म क्या निमान स्प्रीय सार्चे दे हु। दे माश्रेश तथा में हुं मा दे हैं या दे हुं । । देश न स स्यान्त्रम् स्याप्ता क्षां स्थाप्ता स्थापता स्थाप पहेश हुर मी पर मी में प्राप्त मार्थ के प्राप्त मार्थ मार्थ के प्राप्त मार्थ मार्थ के प्राप्त मार्थ मार्थ मार्थ के प्राप्त मार्थ के प्राप्त मार्थ मार्य मशयानायान् स्वाप्ताना सर्वे कना नहेना सामिक सामि 

र्टा। भ्रमायानम् वार्टा। श्राय वर्गायार्टा। क्रेय वर्गाय रहा। श्रुखनाह्यः हीश जा हो है जा हो है जा है जिस के लिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिया है जिस के लिया है जिस के लिया है जिस के लिया है जिस है जिस के लिया है जिस है जिस है जिस है जिस है जिया है जिया है जिस है जिया ५८.। बूट. बिर. भुश च ब्रुश है पड़ श हैर हैं चेश गूर. में सी बीश हो। बीचश हो। र्ट. त्र्विमः अथा वर रे. चीशर. चक्षर. भवर . भ. च कट चक्षर. ग्रीश्व. रेवीमः ज्ञा । श्चिर. म. रहा भु.लश्.चरिव.राज्या भि.श्य वहीची त.ल क हो चीश.य.वहाश.राजु.हा वाज्या । श्र.श्रम् वहीची त.ल क हो चीश.य.वहाश.राजु.हा वाज्या । श्र.श्रम् वहीची त.ल क हो चीश.य.वहाश.राजु.हा वाज्या । कना च र्स्सूर प्रदेश र्सेश प्रदेश पर प्रमुना प्रदेश उस समें देनाना पर सेरेश । भ र सेर् त्य न इ. महीना च.रटा। इ. इ. क्रिंग सही । इ. हिंद् ज इ. क्रिंग व क्रंग व क्रिंग व क्रंग व क्रिंग व क्रंग व क्रिंग व क्रिंग व क्रिंग व क्रिंग व क्रिंग व क्रिंग व क्रिं ने नेर न नक्षा माना है था। विकास करा मान क्षा साम मान ह निरा न इ पश्चेन प्राम्बा के नेर प्राम्ह प्राप्त वार्ष इ होर प्राप्त प्राप्त वार्ष है । नर्ते अन्ति व र्या मेर्ग व र्या मेर्थ प्राप्त मेर्थ मेर्थ प्राप्त मेर्थ मेर्थ

त्रुम्पा व्याप्त स्त्राप्त द्वाप्त स्त्राप्त स्त्र स्त् यदे मिन में । श्रित्रंसश महिट या। देश भर्मेन में श्रित्रंसश है भ्रम में श्रित्रंसश माद्वेशः श्रा वित्रः वचाः क्ष्रं वकाः ग्री श्रेषः न्यः क्ष्रं माद्वेशः श्रा वित्रः वच्च श्रेषः याः तः वित्रः विवरः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः विवरः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः विवरः वित्रः व में स्वार्थ स रू स्या म पर्देश पान्दा। अन्यासुना पापहेंश पान्दा। हिन्या व सुर्था पानहेंश पान्दी। सर्बाखुनाचानर्वेद्याचाया सर्दे सामदान वर्षेद्याचा न्या प्रसामान्वेद्याचान्येद्या

सरेदु:सोर्-पाय क्रॅट केंस नु**स**रो। रे-य सर्केन प्रस नहेना परिना प्रवेस नुना वा र्टा र्टश क्रेमिश प्रमेर हेट मु थेश मर्टर प्रदा प्रदा प्रदेश मार्टर प्रदेश प्रदेश । सा.चु.सच देश स सा.च. १ चट्ट्या स स्टा.चंट्या स्ट्र्या स्टा.चंट्या संट्रया स्टा.चंट्या संट्रया स्टा.चंट्या संट्रया स्टा.चंट्या संट्रया या बटार्ज्रामा इ माइकायर्वा ये क्रिंग्मार्व्याच मनामानेश में मन्त्रा महेर इदी महिद्द द्र वस्त्रे नुवाद मुस्या दे दी महिद्द दे । हि य. प्रत्ना. मार्थ्यः यक्षेयः या. प्रामाशिष्य हो। प्रामा. राष्ट्रः म्बी. रहा। प्रत्ना. राष्ट्रः म्बीशार्थः म्बीशार्यः म्बीशार्थः म्बीशार्थः म्बीशार्थः म्बीशार्थः म्बीशार्थः म्बिशार्थः म्बिशार्थः म्बीशार्थः म्बीशार्थः म्बीशार्थः म्बिशार्थः म्बिशार्यः म्बिशार्थः म्बिशार्थः म्बिशार्थः म्बिशार्थः म्बिशार्यः म्बिशार्यः म्बि यदै देवाश दर्। ल्या नार्दे दार्ट वहिर्दा विना पदे देवाश ला न वा नहर वार्ट पर्सेश.त.रेट.वुर.य.पश्चिम। १४.त.ज.सुंश.वुर रेट.जुर.वुर.च्रेश। १.ज.वुर.य. र्टा अप्तिसः यः मार्त्रेका प्रार्टा यार्च यार्च यार्च यार्च या प्रार्टिश स्थित यार्च या विरायर नुष्ट्रेर या महिसा ने त्य स्मर हो। ह्रोट त्या समस्य मिराय म य देटा। अक्रुबे.चर.चवश्र.च.देटा। अप्रुर वर.चवश्र.च देटा। अप्रिया.अर.चवश्र. नद्। । त्रान्य स्थान 'य'म' ह भी नाहा है या में नाहा में नह में नाहा में नाहा में नह में नाहा में नाहा में नाहा में नाहा में नाहा में नाहा मे ल्मा महिन याता महारम् हो। यामावराय यहा। हीं य महिला हेरा यहां या ठशाय वक्षमानुराय स्टानुरार्देर गुँशार्युमा । इ. नुरायक्षेत्रामीशार्युमा । मानेर होर हो दर हे समामाहैस ग्रेस रमुना ामा देर होर व हे सस प्रस रमामा अहार स्प्रेस वश्र श्रेव व व व र्वुन गुरू द्वान व रूट हुन ने । व ह नु र व से रूट सुस्य गुरू र्नु । क्या हा हो राज्य र द्वार क्ष्रवा ही या र सुना । शिक्षा है से व व देवा द्वार है से व व देवा दिया है । है । है ।

यूर्य न्त्रित्वः से न्द्रः न्युवः न्त्रीयः न्युवः । यूर्यः संस्थान् । यूर्यः संस्थान् स्थः न्युवः न ন্ত্ৰিব অ'প্ৰমন্ধ'ট্টীন অ'ৰ্ট্ৰ নান্স:শ্লুব:ন্রীঝ বঝঝা ह्ये नियान नवना सुनाय नि निवेशन निवेश मेर्स्य स्त्री । ब्रुंब:नक्षेत्र ५८:र्रेन् ग्रैब:मक्त्र ।।विर मिन मी ब्रूंट सुन या ही द्व पति हो। भर्ते स् प्रे. ब्रेंट ब्रेंचे ह्यांश श्री। বহুগ ঘটু ইবল বর্ষ. मोबेश जिमोश चर्नेथ च.रंट.। हुश.पहूर्य देमोश चर्नेथ.च रंट। ल्या-मिर्द्य- नह्य राष्ट्रा । १८८ स् मिर्शः सिनासः नह्यः स सः द्वनाः हो। विश्वाक.स.चेट्र चोवश सिवोश.सहेव.स.चेट.। त. २४ चप्र चिष्य जीचाश. चर्ने थ. त. रीट.। रचेताता कर वार्या सीचाया सर्वेष तार्टा या नाउत् च हुँद् गुै नाद्य सन्य सन्य नह्त च न् में चीर. चीबर में चीबंब. पीचीश. चर्नेथ. तुर्। नाहर स्थाय नी नाब्य सिनाय न्यू व न निरा दुश रादे : देनाश राजी र स्मेर हो। साथ हैं नाश . रे.ज.यहेब.च इब.चट्र.चब्ब.जीचाब.जा चंट.वंश.रंटा कुच.श.रंटा के.व.कु.रंटा हुंच.वंश.व.रंटा 55.1 य.रेट.। रेतु बिंबेत.र्वेट.रट.वच्चेर र्रा ।श्चित.कूबेश.मा श्रीचर.रेट.। श्रीचर. ८५२.२८.। वि.४५४.मा १५.४४४.मू महि.हेर.लूर है। यथित.च.वच स् चाक्रेश। वट. सुमःमः नृदः ५५६वि । ने सः नार्थेनास यः नवे वानसः वानसः वा यथिताम्ब्रेश। माव्यान्य माव्या प्रमुखा प्रमुखा न्य पाव्या न्गर व निष्ठेका वुः न प्रतिरं च निष्ठेका हैं न प्रका है न प्रका है न म् क्रिट निर्देश के दे होत् द निर्देश क्षित् । सक्रिद मी दूर देगार मी स्थित व दूर सके्द्र-मोु:प्य:नङ्ग्र⊏स:वस:म|वस:र्स्र| श्वट.रीची. |सक्र-न परिन्न पर्-ही र्गेय स्वःम्। विन्दे ने ने स्व में प्रतिकः व स्व स्व स्व में स्व में स्व में में में मिलेकः नः सकेष-नित्रे सिन्। से नित्रे नर व निष्ये स्वर्थ स्वर्थ से सिन् मु स.प.मूर परेनाश वश है पर, हरे. गर नावश। मूर प ही स.परेनाश वश. सिर त.मी. जेनश मी. भरेथ. थ. त्येश भाषता भाषता भ. हु न. हीर प्रेम. य. नायश मुन अर व नवस नसमः नस्ति केनासः या पश्चः नासुमः यदि । तदः तः इति । सनु दः नातसः। प्रदः सेन् इससः या। सेः स-र् सिट-नदे-वर-व-वे-क्रूर-वावब वर्षे। रिव-क्रूर-वस्थामाक्रव-वस-वक्र-वदे-वावर हो। विद्येत च इते मानस अमासामा चु इ. र ८ द ६ माने सा हे . या वट इ. या श्रेमा इ. र गार विमा নাইখা र्गर में दूर्वाश नपुर सिट द प्यर नावश है। अश हु हु । य हुन । स्यश इ.मिंबैनार्टिं में रिश्नाभूमार्टे हिंगांस् । श्रिमां इ.यमा स्ट्रे भटेयाया में हैं। भक्ष्याता रटा सके दे में दे वे वा दे का कर है में है का कि का में वे वा है है में यम् य महिस य पहि मुसार्सी । सर इस्मिट य महिस य पहिन सर्वत स्वा महिन सर्वत स्वा मुह्म तुन दुन दुन दुन मोश ह्या । श्री नद्ध वट इ सूचा सूथ का तक्षा न्यू न क्षा कुल प्रश्न न कुल प्रश्न कुल प्रश्न कुल प्रश्न कुल प्रश्न कुल प्रश्न प्र सिट.तर डिच.म् । तथश शुपु.चालश.चालूर चूच त रेट वे.हूर्.ल ६ इ डच म् त्रि.स. मैं सूच्या.तर वशश वर .६श.विच.तर चयश शूर् । मैं लूट.चालूर थ.थर .थ. में .चपु. ६.चाडूच. सैनाश नि तास नैट नतु, मैं मैं वा मानेशा सह हैं तास नैट नतु, हैं ता सामानेशा ने मुना तास नैट नतु, हुं स्तान नानेशा ने मुना तास नैट नतु, हैं में वा मानेशा ने मुना तास नैट नतु, में में में हैं ने सामानेशा ने ने सामानेश महरात प्राप्त हुए हुए हुए हुए हुए स्टर्स मुर्ग स्टर्स स्टर्स मुर्ग स्टर्ग स्टर् स्त्री स्त्री स्त्र स्त रे.ल.चिन.ग्रे.क्र्मश्र.च चले च.चश्र.मश्रिश.चप्.वर.ग्रन्.स्मा.माट.चढला य वस न्या पर वर्षा पर विद मार वर य पर विष मार्या देवे मायस मार्थे नाहेस हु

चब्रै :च:र्टः चक्रुर् :चर्रे :ब्रेट् :य:ब्रिंग्य:ब्रिंगः चर्ते :च्रें :व्रिंग्यः स्थाः क्रेंर् :व्राह्यः स मह्य श्चर् नाश्चर स्टर नाश्चर नाश्चर नाश्चर नाश्चर नाश्चर नाश्चर नाश्चर नाश्चर स्टर नार्य। নান্ত্রী ने त्य ह्या न सामुद्रे श्रुत्माना केसा नाकेसा नहार देह्स है। सून सर्मा नाकेसा नानियान्त्रेश ड्रेनश नाकेश अनुष्यः श्रीमकेश हे. प्रवित्र स्था वित्र ह्रा.स. में ख़ूर मकून नार मूना क्या वित्य माध्य श्री मी नशियारे निया माध्य निया मि ब्रासन्दर्भ क्षेत्र मक्षेत्र मादाया दा क्षेत्र हेदा यह या स्त्री य सदी ख्राय हो। वि सदी सम् हिता होंगा द्धाः सम् र्यः देः नाशः स्ट्रेन् दे। । द्भानाः यः यद्ध माध्यः यः वद्याः द्वे यः वद्यः वद्याः वद्याः वद्याः वद्याः चटा भी नका शु तरे के न न हो के न स्था व हर है व महं मक स्था शु हो न न न न न न के पर पन्य स् पर्ने ख्रियाओं देवे सक्षेत्र सिक्षाणे 'अवार दे होत हा तहा सक्षेत्र माटा मायहा हा पहला न वंशासनी न में तेत कर प्रमित्र ने में मुंशानी र प्रमूर न मार्ट के निर्म कर मार्ट के मार्ट के मार्ट के मार्ट के मोशियातकमान भाष्ट्रियात्मा हो । मोल्याची कुनाविदःयशाल् बिरारीःश्र्रात्मा हो। भाष्ट्रान्ता सक्ष. नर्स. नर्स. थट भागता अप स्था है. पर्ने हिट स्वी. शक्ष. नास्य. वास्य. मार्थे सक्ष्य. याद्वे स्वी. सक्ष्ये सक्ये सक्ष्ये सक् ह्मर-दे देन बट-चन खेल ह्या । ह्मन क.च.चढ दैन.कर-कर-मिंबेन वैट-बर कर-छे,कर-टि. चढ़ चढ़े-छूट-में लेल ह्या । जूट-में ट्र्न-क्क.वैर-दे-कर्ष्ट्य-बट-में के अष्ट्य-हो, क्या-देट-मेंबर.मो लीज.लूरो ची.मोर.मोशर.म्रो.मोर्थं अंत्रोश.ला रूट.मोशर रेटा अर्प योश्वर. नार्थेश द्वानास्तर्दा म्युःस्त्रेश ने नविद्वा । सन्द्रःनास्तर्दे स्युवः सुवः वार्यः न्युः र्नेब या में होया या महिना विमा मार्था के महेंब कुर मिना कि सेर हेंब पर्णा । रेडे मार्थर श्रीट नाश्चर हुना द्वाय मिन। विनाश मिन दिन। वि देना होना दिन महिश महिश हो। म्न.प.प.बर.पाश्वर पार्वेशा मुचित्रम् प्राप्त प्रमित्रम् प्राप्त प्रमित्रम् मुक्ता प्रमित्रम् मित्रम् मित् ल.भरेब:ब.झुटु:बाशट.बाडेशा चीन.ब.शांचा.भटु.बाला.भटु.बाला.माडेशा लाट.भुवा.ची.चीशट. न्यस्य विकास देश यह विकास सम्बन्ध सामित्र सामित सामित्र सामित सामित्र सामित्र षायहना तर्दा सर्हें में त्रों न्यस यहना य दि । दि सर्हे भास यहें भास पहना साद्दा

८४.वि.च. १४.व.४.४ वर्षः वरः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्ष त्रकेते. प्रव नृत्ते प्रवेता या वाक्ष य नृत्य वाक्ष प्रवेत स्व विकास व दुश र त. चीत. क्रुचांशा यट. देशा चार्बेचो. श्रीट चोश्रीय. चीवेचो । वेष्ट. चीवेचे बेशश नाअव। वट इ गीव नाअव। ही इ ल. स. रिना कूनाश उचाशहर हेव ही य.ची.था सिना जूर.। जू.पर हुथशा 出て、セグ、上、生せか. ना१ इ.स्. नीर् नाश्च नावब के से मा१व राष्ट्र त्या मा। हे लाट ना१व सर से ना ग्राट श्रु ना%व. तंष्ट्रतश्र त र्टा। श्रि.ना% व. शर सूच ग्रीट चा%व शर हुव तद्र तंष्ट्रतश्र. श्री नाश्र. वृश्र. वर नुत्। सर्ह्य मी नर्ने र तथा नि व नहे नर क्षेत्र के ने के नहीं वित्र म नहे नर कि ने कि नहीं वित्र म नहे नर कि ने कि न ल.एक्र्यश्र.सिवाश्व.रविंदावश्व हे ल हेब.क्र.क्र.चंड्रा.चंड्रा.चंड्रा.चंड्रा.चंड्रा विंदा.वहल.स.चंट्रेल चहेबी.च ली क्ट चहुँ संचित्र विकास में संचित्र मार्चे मार्चे संचित्र मार्थे संचित्र मार्य संचित्र मार्थे संचित्र मार्थे संचित्र मार्थे संचित्र मार्थे संच वर्षा वर सिंद वर्षे मिल सर्वे । विद वर्षे व य स्ट्रें मु विद वर्षे हैं मु विद वर्षे मिल हैं मिल हैं में बर्ट्स स्थान व्य र्वि : बेव : स्व : स इ.र.। ब्रे इ.नशुमा ब्रें रूटा ब्रें इ स.चेत्र यामा हैसा सकेत में रूपार ये रूटा। शहेत मेड्डेश अंतिल स.ल संतिल सेचा ।सिल हुला संचल संची सू.च. लूज.च.सेची.च.मोशिशो शकुर.च.रेट.। संकुर्य. झ.च.डेशा शकुर.चंडु. झे.रेट. प्त.सिमी.या वद्व.त.षूर्.त.मिश्चेथा अप्तिश.यपु.चद्व सिमा त.मोर्था सिमा सूर। होत प्राप्त विकास के स्वाप्त के श्रीर का पहुंश पत्री विच में श्राह्म देत श्रीर है। पहुंश पाया में श्री सार्टा विच में श्री सामा से देत से प्राह्म पाया में श्री सार्टी से स्वी सामा से देत से प्राह्म पाया में श्री से प्राह्म प्राह्म से प्राह्

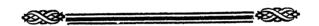
क्ष श.चश.चर्चेचे च रेट.। सिट.भग्नु.कश.रटा। छे.श.च बेबा च देवेटा श्राह्में च वेचेचे च हुर व नहूर हुँ व रोय वहा हा है स नहिं य दुन मौस मर्डेस मर्दे। । सन्स सुना महै स नहिं स सा भरेति तम च रट। स लेश च चाहेश्री सालिशाचाला वट चहेला साचहेला मीहेश्री वट. क्स. भुर दें चड़ी हूर्र नर प्रेचे वे. भर भार भार प्रकरी भर चूस हुर प्रकार प्रकरी हुर चड़ी हुर प्रकार प्रकरी भर चूस हुर प्रकार प्रकार प्रकरी भर चूस हुर प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रक्रिया प्रकार प् सब्ब य.र्ट चिश्वस च्रीश्च प्रत्येश श्री विश्व स्त्राचिश्व हिंद च य.खे. प्रत्य य.चेश विश्व हिंद. बट ट्रेंड.रूर्.ज हूर् वर्षा विष्ण. ववसाल. द्ये.रेचास.ग्रेस. वव्ल. वा वट रेचास.ग्रेस. यद्याय। न्यायाद्यायद्यायद्या । न्युटाश्रम्भागः न्युन् गुरान्युटायान्यः। क्षुन उहुत हु तर्राता क्रिक्ट ब तहुं । विकास है न हुए प्रहें । विकास है न है न हुए प्रहें । विकास है । विका ब्रुन: ने: पड्स: प्रेंश: ने पर्में प्राथम: प् रेट। सिन् वनश्च.त.रेटा रे्ब.ज.ड्रुब.चर्च.चर्ट्स.ववश्चा विट.चर्ट्स.सिन्.स.चरश्

त.पा त्री्नश.भ्र.भ्र.प्रश. अश. श्रुच्या स्ना पर पाय प्रीच्या श्रेश ह मिन्यम्स्य। देव महिन पहिन पहिन पहिन । इत महिन निहर निहर निहर महिन । इत मीर्ट्स हैं सहासाहता । देश कर पहासाहता में स्ट्रा पहासाहता हैं स्था में स्ट्रा सहासाहता हैं सहासाहता है से साहता है से सा गुँस वर्ड्स वर्षे। । १८ वे सिना ने नैस मा वर्ड्स वर्ष है। सिन मोडर नेबना वर्रा । न्यकेश क्र्यासक्षेत्र नद्र हेनाब रटा। सिना क्र्य नाबर सद्र सम्बद्धा । नाबर हुर् ६.२.२८.च.ज.चरेर.चिर्.६.रश्चेश २८। स्चि.स रहीर वेचशाश्चा । ब्रेक्ट्र ६८. व्या । ब्रेक्ट्र ६८. व्या । व्या अस्य व्या अस्य व्या । व्या अस्य व्या अस्य व्या । व्या अस्य व्या अस्य व्या । व्या अस्य व्या अस्य व्या अस्य व्या । व्या अस्य व्या अस्य व्या । व्या अस्य व्या अस्य व्या अस्य व्या । व्या अस्य व्या अस्य व्या अस्य व्या । व्या अस्य व्या अस् श्चिमका ज्ञेलान्द्रा निःक्रेन स्र स्र स्रेट र्लेट निय दिन क्र निय प्रमानित किया है। क्रिक्र भार्युः क्ष नाश्रद में केंद्र पर्वे मुनास मध्य मान्दा केना केंद्र भारत होनाया देव होनाया सर्षे पर राष्ट्र द्वेपारा पराया स्वास द्वेया स्वास द्वेया स्वास द्वेया स्वास स ह्रेयाकन्यस्य प्रदेश । दे देशस्य नाम्य प्रम् क्या मुह्म प्रदेश प्रदेश के प्रवास दि। जाम प्रवास दि। सिना, प्र्यून, प्राप्त के अंद अंद अंद संप्राप्त के अंद संप्रकारी के अंद संप्रकारी के नम्भयात। ह्यूरायमान्त्रीय नम्भया। स्वर्त्तीयानभयात। ५५५.ग्रीयानभयान्त्र। स्वर्त्तीया नम्भर्भात्ता हुरानम्भरायात्मानुसहितातुसहित्यात्र नम्भरायाद्मा हुःहोरानुसहित्यस्य नम्भराया बन मी दिस अर मीस प्रमान वर निहे दिए व से प्रमान से प्रमान पर निहे संख्ये खें साधुर न नियों कुया ब्रिंग भवदस निया के सामित है सामित है सामित

बुं बर्ग । हि गुरे हुँ र र य हम हे गुं हे मु र । छ वेर हे गुं र हो र में र मीर्। १३ श्र्टर थ.सांख्रेश.च.चंश्रः च चंद्रांच नंदर्भः मांच्या चेश्रः च नंदर्भः मांच्या च चेश्रः च नंदर्भः च चेश्रः च चेश र्रास र्टासहिसारा प्राक्ति वर्षे वर्षे वर्षे प्राप्ता वर्षे वर्षे प्राप्ता |ব্রুব:শ্রীঝ'বর্জ্ঝ বা:ঝানাব্দ ব্র:ম্বব্**ঝ'ব্**মা कु.यद् चि.धयश **श्** च बचल हो। विचानी देश या चट्टेंचा च देश राष्ट्र च च या नाहेश। चट्टेंचा च य य मार्थका है देया ह लूरे है ल चेब रहे य रहा। बहा है मार्थ देश देश मार्थ प्रश्नित्त स्वाप्त स् चर्ड्स.च.। १.च.चर्च्स.च.रेट.। १च. ह्र च.व.र.च्य्रा १च में रेच्या.च.प श्रेय.च.र. पट्टेंड मुक्स म्योग्रा प्रथम प्रथम प्रमा क्षेत्र मुक्स प्राप्ता क्षेत्र मुक्स म्याप्ता क्ष्र मुक्स म्याप्ता क्ष्र मुक्स प्राप्ता क्ष्र मुक्स मुक्स प्राप्ता क्ष्र मुक्स प्राप्ता क्ष्र मुक्स प्राप्ता क्ष्र मुक्स मु प्रत्याचायात्रक्षेत्रम् । व्यास्यात्रक्ष्याच्या प्रत्यात्रक्षात्रम् । सक्ष्याचायाः सक्ष्याः प्रत्याः प् भक्ट-.च.प सूची.चट्ट.चर्ट्य.वंचर्या भीचप.भ प.सूची.चट्ट्र.चंट्स.वंचर्या भीचप.कूप. वास्त्री पर्देश अवस्। स्त्री स्त्री स्त्री पर्देश अवस्। स्रिक्स अवस्। सम्बन्धा स्ट.जू॥

स्ट.जू॥

सम्बन्धाम्मामान्त्र्रेस्.वेर.ह्मकाश्चा मिष्ट्राम्चाम्मान्त्र्यम्भाम्मान्त्र्यम्भाम्मान्त्र्यम्भाम्मान्त्र्यम्भाम्मान्त्रम्भाम्भान्त्रम्भाम्भान्त्रम्भाम्भान्त्रम्भाम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्तिः



म्या विचार में स्वास्त्र में स्वस्त्र म क्षेट.भाष्य मा.म्र... (ब्.च.चश्चा । ब्.च.चश्चम.व्श.चन्द्र.च.जूरा । र च दीः च क्षेट.भाष्य मा.म्र. (ब्.च.चश्चम) । ब्र.च.चश्चमा व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त र्थार व सर हे हैं दिर। विश्व र द देश या (हे हेर श्रेर होर हेप होया विश्व ग्रमानाश्चमा ।चंद्राच्यानान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्यमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम्यमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान

न्गर वें नुरुष: १ १ ने त्या हाम नुरुष: देश है। १ है र न्गर दन है। र नुरुष: १ मी.मील.रेपार.थेचा.मी मील.माहेशा ।ली रेचा.रेपार.थेचा खी.रेचा चाहेशा ।श्र.सा.मी व पर. के.दिर.। ।श.च.चर.के.चर.के.चश्चिमा ।) इ.र.म चश्चिम ब्रिश च । ।(च्रिम च्राह्म. म देश सु मार्थिश ।(मार्थि, पर्येश । मार्थर, पर्येश । प्रष्ट्र ररेश ।) पर्येश से. मार्थिश लेस मन्दरम स्पेता । हेंदु:देर: से मुंदेर:दर:देर:सर मुं (हे दुन ।)दे सु:स दर: है सु सं (से पर्व तम्बराद्य मुक्सा। ।) से देन देरायले तु वर में प्रा । स्मा प्रा हिमा र वर सुनास णु नाशुमा । ना ३५ शुप दम य नाशुम हो रा । ने दम म हो रहे हैं ने निर्मे म्नद्रम्बद्द हुँद्रस्य । अर्थे (यक्षेर )इ.व. (१६२१) से दर्श (बर्श) ख. खुरू (अम्बा) नरक्षा (बुदा) बेद्ध न बे (दुरा) श्रेश (व बे।) ग्वास स्थान्त्रमा (सम्बं) स्थान्त्रमा (स्थान्त्रमा) म्याप्ता (स्थान्त्रमा) स्थान्त्रमा (स्थान्त्रमा) स्थान्त्रम (स्थान्त्रमा) स्थान्त्रम (स्थान्त्रम (स (체험소, 리) 구.역. (건강대.역) 3. 원화. (외 강비 1) 건.환. (네항소,봇;) 길리. 저고. 유다. (건강대 चेत्र । श्रेट.ब्रॅश.श. (थित्रेच.टा) ने.लट. (ज्रे.क्रेंजा) चे लट.पी. (ब्रुटी) तैब.चे.च्रुचा विश्व.च.पा. (चे.ब्र्चा.चा) टे.लुश. (त.जी) खब.टटी.ट. (क्रेंट.) (बेब निहं से देन ।) र मृह्य स (है न इते ह न।) मिला (स्निम् लें न।) ह है स्वरा) २४.२. (२४.ऱ्या ।) च्रं च.या. (४च.४.४८.।) च.या.च. (चयाथ.२.च.२।) व्रंट. (च्रं.च्या ।) च्रंच.या. (४च.४.४८.।) च.या.च. (च्राय.२.च.२।) व्रंट. (च्रं.च्या) व्यंट. (च्रंच्या) व्यंट. (च्रंच् पर्चा) मानुन (र्माक्ष करमा) ख.र्. (क्ष्य मुदा) वर्ष स्था मानुन (क्ष.सा) मानुन

च. (चर्रीच.यो ।)चलित सैंच.च. (सैंल चा) हूं ए.इ.जूल.च च्या स्वार (मा.यो.च.च.वा) शुर च्यार (मा.यो.चा) सेंच.च्यार (सिंचा-चेंचा.वा) स्वार प्रचेंचा सेंच.च्यार (सिंचा-चेंचा.वा) सेंच्यार सेंच्यार (स्वाया सेंचा.वा) सेंच्यार सेंच्यार (स्वाया सेंचा.वा) सेंच्यार सेंच्यार (स्वाया सेंचा.वा) सेंच्यार सेंच्यार (स्वाया सेंचा.वा) सेंच्यार सेंच्यार (स्वाया सेंच्यार सेंच्यार सेंच्यार (स्वाया सेंच्यार सेंच्यार सेंच्यार सेंच्यार (स्वाया सेंच्यार सेंच्यार सेंच्यार सेंच्यार सेंच्यार सेंच्यार (स्वाया सेंच्यार सेंच्यार सेंच्यार सेंच्यार (स्वाया सेंच्यार सेंच्यार सेंच्यार सेंच्यार (स्वाया सेंच्यार से ब्रेय:ब्रेट: (ह्रॅब:ब्रा) बर: ब्य.यम.च् (सिय.भूम यम च्रा) पट्ट.रहम्म (मी.यील.यम च्रा) हैं स्थार. (मी. नुष नुष मा मा हा विद्दा (स्ट है।) गुर नुन से (स्ट है।) हेंद्र हेंग से (सके दाया) कुट. (मुं सिवा.सा) वेश थूचा.वजा.च (ला.चवा.चे.मा) खुट दे.शू (जुट.जा.मू.चुट.गुंटी) का.पे बु (का मुं.ची) के थूच सिवा (श्रुचा श्री) काट.व (का नजुन्वी) खुचा. कु.चे.चुन्चा. (श्रूच्चा.चा) व् श्रष्ट्रिंग. (चिट.की) स्वार (स्वारा) से प्रचार (स्वारा) में र्यार (म्वारा) में र्यार (म्वारा) स्वार (म्वारा) स्वार (म्वारा) में र्यार (म्वारा) में राम में रा भग् भ्र.ज्रट. (श्र्मा.रार्ट.भ्र.ज्रटा) विट.स्रेन श्रीम राष्ट्र.पर्टेट.क्. (१ म.१) इ.ल श्रीम. प्रूर.चं.चर.टू. (श्रम.चैय.च बर.ट्ब.चा) श.चडर (श.ज्ञा) ट्रंचडर. (येचा.खेबा) स्थान क्षात्र क्षात्र

य २५। मा हे में दे होना सायर। रिस सिहरू हो धरे होना पर्या । सिहरू मुभ रु २५। । ब्रिंग रण र १६ र सम र १५ । ना मुल दन में दब में ८५। । खेल.२.र्वेच.तपु.बट थ ४२। वि.क्.क्ट.कु.चक्च.त.४२। विषय.व. यदन य. पट्टा । । प्र. व. कें हें . कूर्य पदमा य. पट्टा । इत. व. कें. ये रक्ष यही नाहा पट्टा। दै. क् र. ट हो. श. तथा । । । । । । । व्या के स्था निष्टे हो । । । व द र विष्य हो । । व द र विष्य हो । । । व द र विषय हो । । व द र विषय हो । । । व द र विषय हो । । । व द र विषय हो । । व द र विष पर्या शिरचेश कैचोश ग्रे.केट पर्या विष्ट्य.प्रचेश प्रचेश प्रचेश केट पर्या शिर्म प्रचेश प्रचेश केट पर्या शिर्म प्रचेश प्रच  यु.पश्लभ अ.च् पर्या विष्टा में श्रायक्षेत्र स्वर्या विष्टा विष्टा में श्रायक्षेत्र स्वर्या विष्टा व स्ति । स्थान क्षेत्र स्थान स् लूरी शिभ.क हुना नालर नाश्चर झंट ज.ही। ग्रिश.लुन.कुट मू थ.ही। ।टर. क्ष.च.रेबार.चू.चू.च.लूर्। लि.श्र् थरुषे.जचुर.सचं न्यां सुरा.चूंच. श्रुंच. श्र क्ट.तर्रा मि.ट्रेच.रथर.शैंच.र.चंचर.पर्रा चिंद वे.च्य.चिंत की म्यूज सं. म्यानीय. व्ह.तर्रा भि.ट्रेच.रथर.शैंच.र.चंचर.पर्रा चिंद वे.च्य.चिंत वे.च्य.पर्रा वा विदेशन न्त्र स्टर्म न न्त्र । । इ.म.श्रेर व.म.म.म.स्त्र । । १४ ल.मान श्चीन व लेश ये. व ।श्ची नवश यह दह से नश्च श्ची विश्व प्राप्त के प्राप्त प्राप्त स्थित हिए

श.पाश.भ.पंत्रचोश.ज्रेंचो.त्र.श्री। १६.च.८चोर.त्र्शिचो.च.परी १५.भू.च हु.खूट. ल.श्री जि. तर्य श्रेर. कर. तर्य जा जिर. चे.चे. स् वे.चे. श्रेर परा प्रसाम स्था । ज्ञान प्रमास 전: 왕 | 전: 전 대용대 : 조 대왕 (교 대왕 전 대왕 (교 대왕 (고 대왕 (교 대왕 (고 대왕 (교 대왕 क्षे त्यक्षे व पत्रता । जिर जेश देश । वि. क्षे प्रत्या । वि. क्षे प्र श्रमान्यर त्वेच | श्रिट्यं नर् श्रिंट्यं नर् नर् श्रिंट्यं नर नर् श्रिंट्यं नर् नर् न् नर् न् श्रिंट्यं नर नर श्रिंट्यं नर न् नर् श्रिंट्यं नर् नर न् श्रिंट्यं नर नर श्रिंट्यं नर नर श्रिंट्यं नर नर श्रिंट्यं नर नर न् श्रिंट्यं नर नर श्रिंट्यं नर नर श्रिंट्यं नर नर न् श्रिंट्यं नर नर न् श्रिंट्यं नर नर श्रिंट्यं नर नर श्रिंट्यं नर नर नर श्रिंट्यं नर नर नर श्रिंट्यं नर नर न् श्रिंट्यं नर नर न् श्रिंट्यं नर नर नर श्रिंट्यं नर नर न् श्रिंयं नर नर नर न् श्रिंट्यं नर नर न् श्रिंयं नर नर न् नर न् निंट्यं नर नर न् श्रिंयं नर नर न् श्



। त्रः म्दः म्रामदः दर्गे देः र्ह्णम्यः यः सुनाः दर्धः वि ।श्चित्र दर्गे त्या स्वरा विकास स्वरास्ता के स्वरास्ता स्वरास्ता के स्वरास्ता स्वरास्ता के स्वरास्ता स्वरासा के स्वरास्ता के स्वरास के स्वरास्ता के स्वरास नाल्यः न ब्रे.इव व्य. विष. न.न.न. देश. नाट. न. देश. व नहीं शहा. वुट. वहां शहा. व्य. पर्ह्मिः लेट ।

। व्राच्यते **व**या वया वेश या यनाया । प्रतेते प्रयुटा या प्रतेते प्रयु सर प्रस्था वा क्ष्या स्वा स्व के प्रेन हैं जा का प्रस्ते के स्व के से क र द केर हैं है क्य पहेंदर ধर.पशुरुश.या स्मास वै यरेवा । अँ है इ र न व सूत्रा वःश्वेष हेन पर्ना । र्रेन् वन्ना अमें श्रेव वन यश श्रेयः विश्वः वर्षे াট্রঝ'বদী শীমহা 型に対し ह्य रहश क्र रेट श सेरे वर कि.बेट.बेश कि.टेट वडश.चंट्र हुं विव्या. 지점도 다 <sup>교</sup> हुन मुक्ष स रेन पर विषय महेते. है महिनक नक हुन पर प्राप्त स हैन से प्राप्त स है से प्राप्त स इटा कु 'ये ब' यदी ' दुस ' खु ' यु द से दे ' दट ' स' खु दे पा न्सर च ते सिन्दु मानुस्र सामानाया दु निन्ना सामाना समाना समा यु में निर्देश के कि का निर्देश के स्थापन के क्रिं देर श्रीट योर क्र खू न इ.धू.शुरू शुरू

बिरशः प्रहमाः यः पश्चीरः स्था वश्चीरः श्चीत्रं यः प्रत्येषः। व्याप्तः ग्रीस् यः प्रत्येशः यः। ।। মন্ত্র মার্ল বর্ণ বর্ণ প্রমার বর্ণ পর



। भेरे. तर्र . सष्ट्र च ल सेच ८ इस ल्रा ामिर.मित पर्रेर.कृ क्रेट. **SO** विक्र नुके कर वा केंनाका केर रेंका विक्र के के सुक्र वे निक्र विक्र विक् र्वे यहा रट में अमें दे जर में मार्श स्वरं राजना | Ac 2cz 외소 Nu 를 털어 띄구. 92. 15 대 |कर्ना:वणुक:बूर:वुनक:यन्:कुट:अर्ने क्**न**:श्रेत। ट्रॅट झर मुंबई सर र केंट्र से या या थेश ।यद् वद् के प्रमूर क्रिय समिश समी बूर श्रेला यु रम्भाग र भर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मुहा चित्र. कुं यर् से पर्दे । यो भी द्रार प्रा 17x.37.841,4.9c.8x.8.84.984 |মর্শ 15.4. x dad at \$ 1. 3 4. 3 4 भ्रमास्र स्माराज्यात्रहें त्र त्रस्य सेया वि.क.चार्बर त्र.चं त्री है निहेश सम् र् मर्ब्नाश सुर व न न सुर परा सेया 1<del>व</del>.रश.पुट.रटर.य.र.शर.थेच श्रुर। कु. ८ हश सिव चश चर्ड्स चर्स्स अम् वर श्रीय। मि नेदे पि निश्च हैंर ज़र हैं ने ने ने इ. श्चर. भग्र. वर. गीय. जा अष्ट्रची. दे. तथी াধনা. ाञ्च मलर मुनाब न ऋ में क्षे मर मेरा নধু.পঞ্জ.বল.৮প বিদু.প্রম.দি বীমা Mr. । ट्रॅर अन श्रेना पर्सेश श्रेना वर समय १८८ श्रेण। BET. शुर-सूर धेंब-5-5-18-5-7। बि रेपार मिर विर वर्षेनाश वता भ्रेना श्चर शक्ना र्श सिंद श त.पिंट.जूट.वे.क्शश |रिचर.यश.धृय.यर्देटश ध्रुष्टीर.खेची.चक्रुची.य**खे**ची | बरश सुनाश होर्- नु खुराय में में किटा |वडर'झ'मुब'क्'वे'ट'द्रार'शेट **ब्रॅब'छे**। मेन रु चुनास व हु चुर सेन वर सेवा हिंद रूश मीश के वेच किर क. व.च शिश धर श्रें वा मि नश्च हैंद वो श्रेना दर श्रेया प्रिट र्वेमा ह मि.पर्वेर-च.रच.इ.च.श्रेप शुर पर मिक्र श्वर तार्मे भागी पर्रा 国堂. । के श्वर सेना हैं सिनोश के प्यट हूना खेला 1-95.752. खानकं या दें मामहिशानही कि. यस. भूबी. बर्ट. बिची. बुट. चोड्रेट. य. शुर्जा IÉC. वर्डेन न्दर र इंब केर बेंब वर्ग |€.ध.चु. 155·왕4·왕 때 주제·경·다루도 다왔다.이 र्शासिट शुर मिथा थै. च. च. रा

1-95 55= 7 । द्यार र्केट द्वा शे. शेंदाय **इ**सरा सेवा **たらいれるといっている。** । भे य होर गादे. । श्रुव सर से मुरा हे नश्रेट रव रेव रोवा 도 3 취= & 외3되'리 मिटामी हैं है मिन ारु'त्रस वर्त्नात मि'नशंसेण सुरि'सेय! शे य न ह्ये र न र ।मुझ के श्वर सुग |अ.द्या श्रेषे वारोश माट दिट वि यश यहाँ श। মুৰ্'বাহা মহুনা विवासर में स नायर से रहास यदे हर। ।इ.चर.सुना.व. इ.नद्र.वर.म् व रातः |८ हम श्रेंश सुना व **व** |र:बुना:रुव:कुं रु ते निन्न| बुना केंद्र माबेर य यहसा क्षिण सु रु रूर् मरेश मि हे महिन र्वी 195 75x.2 5 95. यद्र हिना गोडेर तिह्रा [중·돗·끼 독대 Ag · Ar । सर मि झर सुन झ दनाना स सेय वर हिरा उट दमा नीश है। ।श्रेर.धिया श्रे क्ष प्रयंत्र प्रवृत्र. विशक्ष पढ़ में है हैयासर क्षेत्र मुंदिन रहा रिय सर वर्ड्स स्मा है ले. | ह्वे : क्षंट के 5 या. इ. ट. वंश चरों याश खणा नु न शेया ।स. ब्रुन क्षे रूट र ब्रेन् ढ लेश. ।इं.सिंग. ४ वेटश. १. शर्जे. ज थे. झें ग. ३। न्य श्रेया वि: न य नीय परे नालेंच गुर पिह्या थर्रे अर्चे य वैचा पर्र से पर्य्यका ला 디콰디 ।श्री २.भष्ट्रश्र.श्रे मी श्रेमश्र.पि. 13.七台.白.山.七日至二等.之 स्मारा शु. माउडा । तत्र्यः नुः नाशुक्षः ५८ः <u>च</u>्ति । तत्र्वः ।इं.सिम.सूर.रेट.सिम.रे.सैंच.रा.चाट्र्री বধ্য:ধ্রুমা [A. A. E. JUE. H. J. N. G. श्चिर ना हो देश ह सायह सामा मुं.ष्ट्रं या 1名552.2.2.2.3.4四日初日 र्दिन झन झना झेलाना दूर है। उदाना ইমা ।धर. र्सट. चाटुचा चर्चेश सू बेट. थ. शिश्च. र्वेह र्वे स्वय निट केट गुर के क मासुस । विर वगिर कें हार न्याया वासेया वि सःविद्युद्दरः देवास्य प्रम्मितः वः भेशा श्रेय। |지형 '독도자' 유진환 집 피시지 '독다' श्चिद्रास्त्रास्त्र स्त्राह्य द्वार्थः में स्त्राह्य ٦٤. ١٢٤. ٦٢ [최.울.성c.ld 원.노회·외소.년. शि.ल इ.चर चम्रेश.तश्रं ज चरेवी ব.প্রুখা किट बि.रेच परेज. हे अस. श्रुरे. विष्युः हा वर्ड स ने स्त्रान के सेन सेवा AC.1 ब्रिट य.चब्स.च.श् लू.चर.रे. म्ब्रिचा:मु. केट.गीय मा.कु पर्चे.सर ें। ইথা किं के नियारें में हैं इ.स. रू ।वि.क्ष्यानु न्दः गा नश्चेश सं श्वेष संगा 三刊 ।स्वा क्रेंब रु. रु. रु. रु. रु. रु. रु. रु. र । त्यत्र हुट् नस्रेन्य वा चरा स्रे हुट नवस न सेवा 절지 [충.) 청도의 ·다. ·다. 왕 · 拍 · 왕 · 오. ।ड्र<del>ी.पर्व</del>धश.ड्री.क्षट.प्रतथ.प श्रुप्त। ন প্রধা । भ्रुवः सः सें सुः नायेरः सः नें युरुः मि.इ.मे.क्.हे.क्.ळ.२.४ 775 श्चिम्द्रिम् लेव व द देल दुन के कुमा । इ.सी. सी. त. ती. त. इ.स. सी. ती. ٦ï

र्द्रा बहु व गुरुव वह तुन क नहेन वहूंका मूर्य भैटारे याखार वेंद द नुगर। 155.33 म् दन इ है का इ ला दना रवा तुर्व लेंग सरे वर् दस्य स एय सेया र्म सहसामुन गुम से वै कंच महुसा प्रमाणिक प्रमार यक्षर क्षेत्र वर श्रायः iΨ.₹. INT 전다 되었던 국다. 전다 전다 길리 मा १६ में मुख मुग्र स्वाय है या दर सेया 1हें 35. ल् यहि क स्ट महिमार हो। 15.2. में हूल. मुंश रेंगर. थि. २ है। الكاديم ساء. गीयी हाजा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र चर हिन्। रि ल यह रम्बर यहर यह अर! ।गर्दर शेर इन देव सर नहीं वर्गूर दर। हि मियश रविश हर मेर्र : नप् वर गीव श्रेमा IŜ. नमुद्ध शुन मूद स् मिन स रूदा । हा भुर बहुर र स व र रोम वर है। !জ্যথ इ.हीर. यह वर्ष मं वे में मूट मं शेर। 1성도 및 2는 및 3·서 의로 및 결과 1년 ﴿ 2·2·3·됨. म्र्रिस्य क्ट. द. द. द. व. व. व. व. व. व. व. कुट-म.म<u>.</u>म् अब सासितः नाजेर द्रा विर मुश क्षेट में मेट मेंट. विर मुश क्षेट में मेट मेंट. हिं हैं के हैं स हैं दि नासुस मीश मर हित् य भेवा |रे'से हेर रु'सेर गुरु र में से'सेर'। श्रीयायर हैरा हिंद में ईव वर् होया यर 12 है न महिन है हर म न खुरा मीश श्रेषा'यर'ग्रेरा |AT FE A 41.9 至に । ख र न चढ्राम. २ क्. श्र मार्था ग्रेद्र म : प्येव 175 हिट मार चुर हैट में वर [환급.비드.너. ろ고, 지수 최소 외소. 교수 গ্রন্থ গ্র नित प्रतुस स नड न ने हिन 1ि.वश थु.पर्.सूब.वर.शुल.वर.वुरा 48181.2c.1 निर्मेश पर हो नुषा हो बन हिर् सेर रोस ह जो र निमास दस है। है नन्म्या 13 조회 축원회 취원론 전 19c. 9. 4c 2cz. R 2. g. g. g. g. ह्येला नर नेता 15 5 5 5 7 2 2 2 2 2 ां ब्रें ब्रेंट रेश.शं.चरेट.व श्री वर श्रेण। स्वयः यहे सन्न। । द वेश ह ना न्त्र द्युम ये ये वित्रक्षे क्षेत्र प्रशानित वित्र श्री वर् श्री AL. 1-9E-9EZ-8-MH-8-4-4-ब्रिंक सुर नगर ब्रिंक वर हुट खेवा १५ २ ट्रेन् झन खना श्चे माना धन नित्रं देव संस्थास्य सन्दर्भ सुवा 351 हिर्मेश्चीयार्थेयाः स्ट्रीयः स्ट्रीयः ्यार महिका त्युर सुर पका खर दा होया

|२५८.थ.ध्रा <u>इ</u>ल.त.षु. । तुः स्त्रेन्। सः वर्भे यः सूदः है **व**र्वा WN:251 ार्श्वर : नर्दः खुर् : नः र्नुन्। शः श्रे : सैंट च है। । छ चर्स्न संदेश चर्टर संभ्य चर्टर संभ्याचर देर। । इस देश हिन स्था । रिया प्रसामा विश्वासी स्थान ।यश्चेनाशः वतः सन्दः ह्युटः मीः होत् क्षेत्रा । वित्राप्त के ह्राच्या सालु के हें त्र होता । वित्र के त्र के त्र हिंदा ने के ति ां श्रे सदा न्य मात स्थान कर से स्थान कर होता । इन उ के त्र ता सा किट र्टर संबु पुरम् पुरे रूट। विभाग मुँब केट सु संचित्र रहा |सर मुँ 'प्रहम' हैं 'सूर' हु E' में र्से स'र्E' ब्राट क्रें नाकेश में सानाकेश प्रचीर नक्षेता श्र्मांश्वामान्त्रीयाक्ष्यं वि न्यासीना वि नि नि सी नि सी नि सी नि नि सी नि

र्देर श्चिम प्रेम प्रमास्थ्य वामहर्षा ।में श्चिम वामहर्षा महिंद्। । ये पुन में में प्राप्त के मिन पहें मिन पहें मिन पहें के मिन पहें के मिन पहें मिन प मो भे है मा ह छ मा द मा ह छ मा ह मा ह छ मा ह ह मा ह छ मा ह ह मा ह छ मा ह ह मा ह मा ह मा ह है मा है मा ह है मा है मा है मा है मा है मा ह है मा हुँ खुर प्रतुमा उद्या कर्षा । श्रा कर्ष प्रतुमा कर्ष प्रत्मा । श्रा कर्ष प्रतुमा कर्ष प्रतिमा निष्य क्रिश श्रेष. |न|**र.यवश्.** 155 निंदः होत ।ना-सुर भी भी देव सम्बंध नक्षेत्रस नहाः नोडेर मुख **८ हरा।** 周 द्ध नाट नार गास रहें द रहें। IB. विंदः स्रेबः शुःद्रमा दगारः चें रुना से कुट । אָר: קַּ'צַּׁר'ִבְּ'בּ'ר: קַּיוֹבִינּ לַ קָר: ן बुँदे वट चूब इंश्वर बर्स अ. खंब खंबा ।स.च.चलु.बर.टूर् झब्.घ.क्र.चन्व। হিসম. 15 वेंद्र:श्रुष्ट वृत्र:श्रु:श्रेत्रे:गु:व:फ्रेश्चा 195ुवायः बर केट लेट के निवानु प्रमुद्ध दिया ।म्रा है वु ल्बा B. 본. 최다. 네 너네. 전호 전대. 다. 본다. वःचनाशःवर् लनाः रे श्रुवः यद्। स्त्रीय प्रमा । प्रति स्त्रीय स्ट. स्त्री । प्रति स्त्रीय स्ट. स्त्री । प्रति स्त्रीय स्ट. स्त्रीय स् मिं हेर् सर | 월도. 홍. 월조. 덕취. नि.श्रुद्धेता. उद्दर्भार संन्दर वे सु उरदी नि अश सेंश. वर्भेषःमिर्देरःचगुःभ्रमः ५५ सेषा

15.5 श्रेंब नगर नु:व:श्वेष्य तु सेया 135 \$4.480. न्नः श्रुवाः श्रेष वरः हेना । ह्यूट र्रिट र्रिट र्रेट र रहा ही नहार है र ।मेश के श्रद माद्रमा. क्षण'र'क्षु इर । वर्षेत्र वर मि.चश ही बाश वे श्रेय वर हिरा ।म नु नरत र्ट दे सर स्ट मारेश ।भ्रैनशासु नमुन्यसासी यहे र स्था यह होता । यु हमा व यो 왕·왕 호 월·· · · · · · · · · · · !द्युनाहा से परे परे की मुनहा यु:दिह्म यूर चिदा ार्थे.श्र<sub>ट</sub>.जे. व सेय वर हेर। यरे.य श्रेया । स. २ ट्रं स्वर सर देश नीवेट प्रयुश्च श्रेया । नेय रट. सिटश ग्रेर. निबट्नी तर्में या दिना पह्ने निक्र निष्ट्र मक्स । में में प्रत्य में में प्रत्य निष्ट्र में प्रत्य ब्रिं लेब नहीं मि वर व रहा वहवा । यह दश वह ना द ना व ना हिन प्रति । र्व.स.स्.क.२.६ इच.२ क्। ट्रिट.य् श्वी.श्चेल ह्या च.श्चेर चेट वजा । श्वेश स.कट. रेब.क्याचाश.स्य पर्ते । जिट.य् श्वी.श्चेल ह्या च.श्चेर चेट वजा । श्वेश स.कट. 13. स सरे त्रीय कट सिर के प्रमायक श्रेमा [걸전. र्ट हिर पश कि देन ने ने श शेषा ानु कुं:व5्व:वश:कु:द्रणवाध:शेव वर होरा ।श्लेंक: यान्त्रेत्र वर्ध्य वर्ष विवासा |नर्मुसःवटःसुट हैरःसुर तस म्हेत्रह्नेःसेत। म निट-नटः मा सिट ए न सामा निया ५ व्रे५:५सेम्ब च ५क्रेय:य:सुनाःक्केय:५८:। न्त्रे न् कं च नाह्युस ५६ मुझ कुँ ५६ । । ।ସମ୍ୟ ବ୍ରଂଞ୍ଜି ଅଟ ବ୍ରଂଗ୍ୟ ପ୍ରଦ୍ୟ ଗ୍ରୁଦ୍ଧା **泽**姜. मु कुं मि ३ कुं रेट ईंग होन रेटा । हें हैं देश देश देश हैं दिया। । विश्व विश्व म्बर्ने हिर वु हुन् मामय वर् सेया IB. ल. चल. रट र चल चांब्र्च. ग्रेंब चैंचा ांश्रामद. श्चर नश्चालिट होन श्रमानर नेता च व्यःसदे:र्नास ग्रैस:मोश्रूस:च:ली ार्केन'य'सूरब य'ले मर'नेर'य'ळेन। ।र'ठ' ।इ.क.स्र. वस.चरेट.चश.मीट.स्वस.श्रमा नेर-कुं'वर्षन्। वर्षेन्। श्रम्। श्रमः न्यान्। |নুম र्क 'द्र के ख्रम हें न दूर बैदरा <u>|र्</u>ट्र-पद्र-इत्स-वृक्ष-ब्राट्स-इत्स सेस वर वुद्र। हानु देश में न सेना पासेया । भीट गुन रें निर्देश महा १ सेना । भी है सु रना ।श्चना दःक्षेत्यःने दःसूदः हिं वें वे हैं ता से मु निरम यह ন্যু ন্যুম ভ মৈন হামা · 3 ' 스킨노 · 호· 4 ખ4. ।पर्मिः यं. हो. प्र्याः श्रूरः यह्न द्वाः यह यह यह यह य नु मध्येमा मद्रो हिंग्स य स देवर्वस दु इस ही द रवेवर বিল্লান্ধ ইচাহার ସम रहे ये छै। वर्षेट्य य मान्य वर है। म् श्रिंद म्र्रिशायतं सु सार्द्र सर परवा ।শ্বৰ ন্ৰী শ্ৰন্থ প্ৰদশ্ধ. ।य नुसर हें सर ह्या है खेंब बर सेया ।घट.<u>र्</u>चेश.८म.ब्रे. रट.बुर.चार्रेट.च.लुबा |मूद:श्वेष: इ.शेर: व स्वा: २६म धर:सेरा ।वैदःगुन रद नै कट र्ट वे बर न्त्रा मि.क् फुट... श तश श्रू चीचेश पालार ये डुट ८.. शिटात बेट.चें.क.कें चीशेश चेट.खें चेट.! शिचा श्रुचा शिचा श्रुचा से. । के सिया च ब्रे. या ब्रोट टे. च श्रेश या. च रेट । मु मुष इर तु महुम। श्चिर श्रुंश द्या है। श्रम्भ ग्रुभ सुर च न न न नश्रस्य मुँ विन श्रुर न्येन रम् कर ह्यू र तुर् सेर गु। |त्रवृत्स यस स् नायन यायत सु हुन त्रसून। 리.월.청도화.김화.네 मिंक विषक इं ष्ट्राच दें र 195,4.22.4. वस्य वस दे दि पर् | \$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} \sqrt{1} \frac{1}{2} नुय देन वकुद में थै। खना याना हुरी । १८ मुट्टेर देवर मन इन म वि से उर्हेश । १४ प्र से से प्रमा देश साम देश [ [ [ [ ] ] ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ] [ [ ] ।शुट सूंश लीट यश.भटप. । प्रवर्ष द्वार स्ट के के स्ट ८मु दे च इ ज मुख्या ।वर्षर्वपुष्ठ के भी ह में ह दूरा । १८के सेन गर श्रुं महिंव प्रमान वर्षेर महिं। मुन्दर: नेत्रः क्षाः क्षाः क्षाः व्या । वाः नाकुषः नक्षाः नव्य वट नुः क्षेत्रः न्याः नन्ता । स्राद्धः स्थाः ने र्दः चन्य वर् सह वर् हैं हेस सेमा विकार्गराय महिन सुदस य सेवायर प्रेना मळेवं चर हेल द्र स्ट्रास्य संस्थान सेमानर मेर न में सरामरें के प्रमास सरासिया है। विस्तर ममेर रेट हैं से महें साम सर

।कुं ब्रु माधुमा न्यः ह्या थी कुं न नासुमा 100 L. J. र्र प वर्गः सन्बन्धः वर्षः सः स्वतः स्वता <u>िक्स्न</u>श.चड. ार्य हव मून्स्केव कराया द्रायम्यात्। 59 5'र्नुन होन हैं'.5'ण विध्या:३शः 1.7 इ. देश च धुर. छष. चार्ष्ट्र चंद्र शक्र्य নাধ্যম নত্ত্ নেই ই ম নু ঊষা । सेता मित र्थ शहर थे.र वाहर तपुं शहर वा MA रेटिल बेटा चर्च रेची वज च रेटा। हिं देश हैंया. l회, 및, 최도, 역설, ID4, 상 최도, 김화, 데 म वेदियु मार्टि क.च रचारा 19년 1월4. ।वर वु रे खुन न्यु मेंद नवद वे नुन ल. १२८ वश ह्रेंच व.उह्रा 周.奚. M2.리.욬도 리.푈도착.리 리비.너.칍네 चारश ब्रेच्यश मिट वश माना ब्रेंचा ब्रेंटा। 15 स्म 12 कर झैर वश वैनाश पड़ से नाश पहुरा। हून कर इन्म्सुस वे दे। रे सुग |सर हिर कं भ्रेर मिर य शेय वर नेरा र निर्ध्व सिंह्म च ये त्री निश्च श्चित व न र्ने यःच धरःमुशः वे य श्रुणा वयान यु रना रून वैरार्टा नि लच ज्र भ वर वे कि है. र मिल्न सर है ८ सु हे सु प से ला হ'মহ'নই'রনা । स्ट. पीय क्षेत्र. चट्ट. प्रचंश. चे. क्.च. ाह्य के स्वरः हुनः .वुः वः खेत्यः वरः हेरा । यैच य. येश ज. घ. पर्स्वेच. 551 |मीं क्षेत्रमाधेर संकट प्राप्त स्था 111. 음. 외고 . 역시 최고 역회 김네회. নাধুমা |म्रोब:२ल.वल.च.मे व्रिव चे.चल.भा য়য়য়য়য়য়য় lat. 일 디 M山 네다. 오다. 최대. । के सब पर्वेचेश. पश्च. भु. तूथ कूर्ये. प. शुर्णा १क्रव क्. में डिस वर्षे नश बय है. न 다.다 मिर सुर नुन्त्र य में र्र रे हे सह पर्न इ.स्ट.इज.भ.चेच मूंश.के.स. TAI ।इना कं नु लें सुर नुनक्ष सेश हेंन सेया ME 4.2E & EE 4# BE. 4 EA .. 55.1 र्ने देन बुट र्स्य में भेश हैन न रेग! ।सदर स गहेन मुंध ट्रुग्स रहा दहें 22.1 १स वाद की सकेर यानी हुँदानीद्रा वि.प.चेचा.श्रिश र्श श्रिश यो र. 31 |७:न्द्रम्यःगुरुःत्रहेःस्ट्रस्यःद्गरःद्दः। ।धुना.सै.८चंश.लूश.पो.र.भर. 231 ।सर हुर नुनकारे झ'य'यन्य राज्य नर्जन्य ।यासुना देट स्व ले दट 551 |अव.जना.कना.रट.रज.चर्ड.भ.र्थश्र.पश्र् । यह व नुषा हैं न दें छ 롸. 원기 |ॐ'र्ट'मि'नश'न्दा'सन्।'सुर्'रा'शेल| हुर चुनश वस्र वि.च झेन्यश.सुर.३. |मृ:सदे:मोडेस:८८:न्ग्रेस:स नुस:वस:**८**ङ्ग्| রীনাধ্য-নীধ্য দা l 대학보 원 년리 대 경보. ।गा-म नुत्य-हुना-हुक्ष-वर्गु-वृद्द-वुन-हु। ब्रैनश.ब्.सैर.वैन 版:2.治古.契正. ख़ि:कं:नार्ट:सेवा:कुस:सुर:विंट:रु:नार्टः। বধ্য: ইথ বহ স্বধা 15ु**र**-य-ग्रन्ड्रेट-द्रे ।ि क्वेंब्र-चीब्र-प्नडाः हिः फेंः झूः नासुकः चें। पर्व पर देश मद्

हि.चट.चुर.गुझ. 15्ना:ल्रेन्:ने:ल्रेश्नास्टायम वर्गुम:वर्दे। कर, श्रुर, यश भीरी विसः सुदै से देवा िस. शक्य . धरा ग्रेट हें . हें . हें . श. र I उह्व मा है रे रता रूर। [글 휫 4.억字.그.크.퇽. ।गा.र र्या.रट ब्रैर.ज यरंट.चर.दी श्चीर पुत्र शेर होट र्टा। [륏천.너 ỗ선.너 됬다. -वहेंद्र य माइदः। किर हिटार्स्सनामहिमाः । श.ज. उराय क. शिष्य. पश. चर् में . चर् 지지자 되다' 제5다' श्चिशाग्दे खुस तु हैय न्ति खेर क्ष वर्द वस क्रिन् में सेवा सु.क्ब.धी.कु.रटा र्षेत्र.ये.इ रणःहे**च**. | ख्रिनाट खुर नश्नित्र नश्नित्र क्षेत्र। क्र पर्देश.वट.जा N. 2c. az. 2. 42c. ।€.चर्स्रतःस्रयःयःगन्दःचद्रेःवहुःस्रुगः**नु**। न छ नाट नि डिना के प्रभानि है. 14 र्न व वर मारेर क हिस नर्म বধ্-প-বুল-গ্রমা ।य्ट.धुना.चे.कृ किट र्टर के लक्ष च र्ना ने त्नाना सेवा スロる 可に 5に 1 14.2ेचा कि.सचाचारा. किंग. व. प्य ये ब्रूट. जुब क्रिट. व लूश र्शे हमार्श्च मार्लेच दरा। 川、土、蜀土、白松、子、 |महिषायाकं यवसानु वारमसन्दर है। श्रेयाचर होत् पर्रे। कि.एक्र्र.इव.ड्व.खेट. ।इटार्बेट इसस ग्रैस झन नमुद्दा पदी र्ट्ट सिय.च.श्रंया । गुन व से दें हुट या केंद्र । ।न्द्रक्ष:५५५ गुद्र-स्वर्वर 可识引 ||#E.U प्त. पर्वर मी निरम्भ स. म. ह्म् श स्था



। चुँ ५ कुँ विष्यः वर्तु ५ हैं । कुँ विष् । श्चित् यरे स्वर्त्तना त्यासुना त्वर्यः व्य विन विन इसर हिंद सेन इद नहुन। اوو श्चि: वेश सुन वा वश्य पुरे हुँद। 리크는 및 리스 제국· 플레· 프리스 캐디워 링크 [이라 리스 : 레드워 링크 : 레드워 : 레드워 : 링크 : 레드워 : 링크 : 레드워 : 링크 : 레드워 हे या रट में बर गर हुन चंद्र स्वाय हु। श्रेवे :श्रम् :व्यः लेवः च दम्मा ।दे :वले :विरः चरः मी श्रुवः स्प्रेव। रश्यत्रु न हें स्था नार नुमारे व स्था है मा का नुमानी वर्षेया के इव मी कारे व के र क्रामा श्रीट वीर मुन्यर हिंदे मा वे.य. माथूम चरच मा चमश क्रामा श्रीट वीर मुन्यर हिंदे मा वे.य. माथूम चरच मा चमश क्रामा श्रीट वीर मुन्यर हिंदे मा वे.य. माथूम चरच मा चर्च मार वे.द चिमाश थ मा.क. मुन्यर मा.च. माथूम चर्च मार वे.च. माथूम चर्च मार वे.च. माथूम चरच मायूम चर्च मार वे.च. माथूम चर्च मार वे.च. माथूम चर्च मार वे.च. माथूम चर्च मायूम त्यर वर्षमश्रक्ते त्रमे त्यर वर्षे स देर मु न नहेन वहन या বর্ষপ্র থ

रे. बंश. सें र मं शूर. चंडुचा. द्र मं वंश चंडिट. ल रेंचेंचें श र्ह्या. टे. चंडिचे ल. टेश चंडुचे. ज. रचेंला क्षेट समाश सेनास नम के देट। युर हे . भेर र सम र सर सर सर मिर में मिलुना । दे . स स.सुन्थाय लट विर. हु. ज श्रुट. विग. विन छूट एम. चर्त्र ला विट. न रट लट है स हरे. रेविन. म् १४८.त. तुश. च र्रिंज रश.र्येचेश झूंश भ जुंश. य ६ श कें. चवैच व.चेंड्चे संचित्र देवेंच. यस र्टट्स श्रूट.च रट्सेंड. स हेर च.रेंश चंड्रच.रें चेंड्र. 19 हेंट चा ०स पश स हर्ष मेंट्रहेंट. वे हे वन सम्बद्ध न कर न कर न कर न कर के ति हैं। मह न वन वन वित्र सम्बद्ध के ति हैं के रियमानिम । मर्माय वर्गय कर वर वर वर्ष क्रिंमा के स्वयं सर प्रियों । के प्रस्त प्रसास वर्षे प्र.श.क.श.पट्टंश.च चोश्रंश.धंचश.पा। हुंच बट.टे.क हुंचश.च.ट्र धेचश.चश। छेट. बट.प्र.श्च.प्र.पट्टंश.च चोश्रंश.धंचश.पा। हुंच बट.टे.क हुंचश.च.ट्र धेचश.चश। छेट. क्ट.प्र.श्च.पं.क.चेश.च.चाप.क चश। हुंच बट.टे.क हुंचश.च.च.च्ट.पं.चश श्च.चंचश.चश। छेट. वर्ते.वश्च. कुट. वे वक्ट. वे व चीर निर्मा ति स्था में स्था मे स्था में स्था मे बर पडेबद्ध व'नावन ।देश कु रूप में हैं प भेष हैं। ।द्सु कु नार्य घरे वाने होते किया साहीत प्राप्त स्वाधा । माय हे खेंत नगर हे दिये कि नुमाय हा । लेक्स मा ह्या वर्षेत् में 'द्रान हिंद या मुद्दा वर्ष प्रति प्रदे प्रदेश या प्रदेश वर्ष में का चर्रामा ने सास्त्र में त्रा स्वाप्त में त्रा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स |되, য়ৢ ঽ. ড়. च. जभ, ঽ৸ ড়ৣ৾च. য় ঽৼ. | | 라스. 라스. ড় ㅂ ছে ৼ 같. এয়, च. ८ . | | मुश्यम् क्षंत्र में द्वाय न्वनाय द्वा । विक्वेद्य यदे क्षंत्र क्षंत्र वहे व्या निर्देश ल्.चर्सूर वर्ष.रथर.प्रिरं जा व्रं इत्श्र क्षर.श.श.मुश.रा.ज.क विदश्या ट्रिश्रात्मानहेर नुराखुन महिनानो मिडार्डन नुरातिन मिटार्डन मिटार्ड हिन्दिन निहेना विता सुर माराः। वश्याप्ता स्थाप्ता स्थापता स्यापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्यापता स्यापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्य नुषा सेर्मान्या व्यापाद्याच द्या क्षेत्र च द्या माद्याच द्या के के माद्याच माद्या के के माद्याच माद्या के माद्या म संयक्तिः भेराया वात्र हरारे या स्वार्मा विद्यार से त्रा स्वार्म के स्वर्म के स्वार्म के स्वर्म के स्वार्म के स्वार्म के स्वार्म के स्वार्म के वर 95 वर मिटिट | रि.म हैं हैं बरेंदे हैं वर वर वहार मि हैट रे में हैं हैं प्रेंट दें। न्यात्रात्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान शहरा व व श्रेन पर्से पर्स पर पर कर दे पर्से पर लेगे विश्व हिंद से संस्त स्त्री हिंदी क्विंदःनासुम्यःनुस्यःनाहेनाःनुःनुद्दान्यः हदःयःश्वासः त्यःलेवः यः इदःवशःनिद्दानः त्येवः वी वित्रः ह्विंदः

मी.लम जुब.कुष्टु। ।लट.क्र्य.मी.स्रवश.श्री २श क्रुट.वर्टे. क्रु. स्ट्रिस्स. च्टा-च-भून वे.स.र्भर स.ट्स.ग्रे.झे.वे.लर-भु-चोटा। चेट-चश्च-वे.चान्चेन चि.ल्ना चट-च-भून वे.स.र्भर स.ट्स.ग्रे.झे.वे.लर-भु-चोटा चेट्य-चु-प्य-चोटा। चेट्य-चु-प्य-चोटा। चेट-चल्ना चे র্মুধ শুৰু নবুন । বিষধ শূন্ ব ব্ৰ লে কু. দি. স্ত্ৰই দেন ৰাষ্ট্ৰা বিশ্ব প্ৰ বিশ্ব না ये क्षेत्र के के विकास मार्थ क्षेत्र स्था मार्थ स्था मार्थ क्षेत्र स्था मार्थ क्षेत्र स्था मार्थ क्षेत्र स्  हिल मुट्टे र्रा ।मोड्र- चन्वा मुँ अम् 'पोद् 'छोड्री । इस्य गुँ स्वयं शु ण वर्श्वर.ज.चटिर। मूर्श.गुंश ट्वेबर.ज.रंबेर.। स ह्वेब व बुटेजू प्रट.जिस्स. रीट.क्ट टेट.श्वेर.ज.चटिर। विश्व राश.जा.जुब.जा चा.रीट.के चेट चो.स कर. प्राचित्र क्षित्र क्षा स्ट्रा अन्य शु। था.रू.र.र्ट.र्स.सिंस.चे श्रेनास.र्ट.। । श्र हे.वेल रूना छ नाद्र.प्राप्त. लास सि. प्रम् वित्य प्रमाण वित्य वित्य प्रमाण वित्य वित्य प्रमाण वित्य वित्य प्रमाण प्रम प्रमाण प्र पर्ना न मार्रे हुर सामहना माँ । हुर सामु से प्रत्य पर्ने न वरका गुँका लेखा माहुर सरे

यर प्रतित के क्रिन के के सहित के प्रतिक त्या वित्ता महिना वित्र के मिका प्रतिक वित्ता मिका के मिका प्रतिक वित्ता मिका के मिका प्रतिक के मिका चै। देश. पूर्वा.वे. वटश.व विव हुश पूर्वा वे.च वेश ज वेंट. श.ह्री. बट टे.वश्रेज.ज.चीज.श्र् द्रे.हेट टे. ने के बर हे वे सद में र व तर ने के में र व तर ने के में प्रमान के में पर में स्थान के रक्षर भूष ब्रकाल मूक्ष का उड़्या हुड़ हुट हुण झुं केष घुट ता चेताश जा हुए सार प्राप्त का उड़्या हुड़ सार हुड़ सार क्ष्य का उड़्या हुड़ सार हुड़ सार का चेताश का इड़र सार हुड़ स सर। देव, भर श्रीय, रेट, राया, जे पूर्ण स्था, श्रीय, रा सीच्या । भ्रोय, रा स्थाय, रा सीच्या । भ्रोय, रा स्थाय, रा सीच्या । भ्राया सा श्रीय, यार. यं.रट.सेंर.त चर्टर कुट.नर्ट्रे.ज.च.चलश.चल्य्.टे.सेंट.भ.सेंर.ज.सं.ज.सेंच चर्टा अर.रेचेर.

। श्रे क्ट. चयस या नावर वह रसर हिरामा श्रुमाराण स्माराण स्मार **ব্দের্ট্র প্র্যান**ির:বীনা मामार हा निया हुन प्रत्य प्राप्त निया हुन स्था मामार हो निया हुन स्था मामार स्था स्था मामार स्था स्था मामार स्था स्था मामार स्था स्था मामार स्था मामार स्था मामार स्था मामार स्था मामार स्था मामार क्षेत्र चार्श् (क्षेत्र ता प्रकट स्त्र प्रकट स्तर्भ ता प्रकट इ'सेर'चर्दे'सु'चर्दे'सर्ने चेंन्नि हे नदे रमें पूर्व रु सूर सम्मर वें हेन सूर या माश्चर य या । विश्व स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध । विश्व स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध । विश्व स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध । विश्व स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स यः यःवर्। इ धेर.अषु.िम.धिंशश्चारः वर्षेश्वारा वाश्वरः व.श्वरः चिल्तरः बिल् वि सैर रेट.भ.पंड्स.वं सूचा.भ.सूंश.सं.रवं.स् भु.४२च रा सेटश ज वेल्। वि.४चचीश चासू. प्रेटा ट्रे.ब्.सं.सं.रचंड्रट.ज.मैंश.च.रवेंटा। ट्रे.पीजा.चर.क्.उवेंट्रा। विसेंत. सुरात रटा। शहेंच.स्थर्थरवेंर.क्.स्चर.संचा.वंट ट्रे.रचेंता वेट.सुंच.च.रट.सेज.मीश. में निर्द्र हुंद्र विश्व विर स्वी विश्व के प्रस्त के प्र र्शर स्थ्रामानेशा गु । यर प्राहेतु : इत पर्दा हिंदा व : सदा सुना मा व : सर : सुवा : या ना ना ना

सर्द्व से निकृष मु निर मितृवस था द्वाया दे सद द मु त से दिस मु नि से द र से सु न मुन्त से दिस सु न मुन्त से सि मैं मिन्नेद्वित पर्वा व केना र्भेर नव रे वर य रह में बहुन के बार के नहम या देने यः मर्ने विभाग्यहैयः म्रं पद्य म्रंभ द्याय मर्ने र् याम्हिन याष्ट्रिय स्ट्रियः यसः हैयः देशः स्थान्यः । म्रोप या रे प्रसर वुनास य के के प्रमास य वुरू रहा के प्रसाद के विकार में प्रमाय

रे.वे.ह्यूरे.लेचो.नपु. हे श्र् ल्र्ट्र.चित्र झ.पर च.रुजू रेग्रील.वे.चक्वेचश.वश सेल.चशा व. च हुँ नहना सद सना लेब छोड़। ।च छट स हुंब स मोर्ब स सा अर्मे में केस बस अ. ह्यू था। है. यद् . बर् . यो मी. मी. यह मी. या. दे. हैं। र मीश मीश मीश नह दश या. मीय वश . यूट. येश. स्त्रियः यश्वास्त्र हुन् । अहुत्य वश्वः हुन् । म्याः यः वीत्त व न्याः केत्र व न्याः व न्याः केत्र व न्याः सम्, स् यक्ष. ता. मार्ट्य ब्रा । तु. वंष. कु. येश. मीट. श ह्य व. संघा. ता मीट. भाष्ट्रा ताय ता. मार. भाष्ट्रा ताय ता. बनश रद्भा हिंद हैं भे नर कर त्युर वेश मा मिंश.यर्देटश जा कट. वेच च. कुच जा. बचा. चाडुचा झंटश. वंश टुं. खुच चर चरेचांशा ह्य. हैं र में बैर के क्षेट वे वर्ष में विष्ट में के किए वर्ष में किए वर्ष में विष्ट में किए वर्ष में विष्ट में में क्षत पश्चेनाश. त रेल. च रेट. र्स. अप्तिश चरेच. जा लना अग्रुश है श. पर थर हैं से उश त र ट. भूर तर देश त क्यो त जा चीर रहा हो। रेश व कि जूर तथ कि जूर तथ के होर होर . चिन भी भूर कुटश रोत चारेटा। कुटश ग्रेश वर्षभश तथ सिनो प्रीट र पेर तथ के हो रेप . चिनाश प्रेचीनो तर बीरो होण भी श्रीश रहेर चीर चारा जा भी वितर हो हो। रेप . ने पर्मे । अ. अने व.कना ग्रेट के क्षेत्र त्यमक देना ने पर्का वका अने देट तका नगी पर्ने अंति व

वत्र क्षे.त्य प्रमाणित प्रचेत प्रमाणित स्था क्षेत्र क्षेत् इ...वथ..ची..२४ त क्या.तपू वर्ड्ड ज योश कट..य ज होट.चोर्येट.चर्चर.चश..क्र्यो ।नाशकः इ.व.द्रनाः मार्टः खूटः नार्वेना र्वं झर्टु : वर्ट्र : याः नाश्च छूरः नाश्चेटः सुना नार्दे । नाश्च कुरा नाश्चे : स्टिं द र्णेय रे यर्र ता माल झर माश्रेट येमा मार्ट्रा माश्र हट में ता लह रे डेर ये। गुँ है ता है है दे से नद्वी निकाह में हर के के प्रति नदे हैं निकाह में निकाह है मीकृश मा हुट निर्मेट में प्रति देश में प्रति म रू. २ त. थ. मार्श्व श्रेष मार्या हैय. वश्च होत. प्रेमा महेत. यह मार्थ्य मार्थ मार्थ म यद्र : त्या निर्म स्ति : त्या मित्र : त्या मित्र : या मित्र : या स्ति : या सित्र : या सि परं पश हेनाश हर। हैं र पर्ण देश देश करा स्थे देश प स्थे पर्ण स्थे स्थ प्रीर.त भु.सू.व.२श १ व.भू.र्त्यूश रेन प्राप्त मिर.त. स.सूर्य वैनाश ज. वहरशा प्रीर.त. 198 क्यास प रट इस क्या हे ये हे स मिल्मिस मार्थ स्र र्सर य रट मिर्ने इस मंद्र वसरा उर ता कम सुनस दम हम ह वेंद द मारोट तुम के रमेंहा के वेंद द रमेंहा रिक्यक के न प्राच त्रा निवास द्रा निवास नि ल.इट.वट रवेचश.शहे ३.८ट. ४२.५८ में ल.ला मि. छिर वर्ष . हेन हें नेश वहेर ने नास. रे.रे.कर.चर्ड्स.ल.रेच रेवैट.। प्रीर.त.ह्स नर्र.सेच वैचास.ल.चिंचे । 51

हुर सेर. में . कें महम नियम के पार हो या परा के पर नियम महिल पहिला के पर हो । ८ व्रसः व्रमः याचेम हृद्यः पाद्येम । ८ देदः व्रमः याचेमः हृद्यः व्रमः व्रमः व्रमः व्रमः व्रमः व्रमः व्रमः व्रमः 
 क्ष्रित्यः गुःश्चर् लेश
 श्वरः गुःश्चरः व क्षः गुःश्चरः व क्षः गुःश्चरः ।
 श्वरः गुःश्चरः ।
 श्वरः गुःश्वरः ।
 श्वरः ।
 श्वरः गुःश्वरः ।</th मश्चिम निर्म त्या त्या हे सह ता द्वा दु त्या हे ति हो । ।द्वा ति देव की त्या हे व कि र्से. व्यापान्तर स्थार हूरा चारका कि हूँ तूर रेश. खेशाना क्यां चार्थेट च हुरा था चार्थेट स हूरा था तर्हा. रेसे. विश्व वर्षा चोर्चेट स्थार के हूँ तूर रेश. खेशाना क्यां चोशान हिंदी. यह उत्तर स्थार चोशा चार्चेट. न्दर-वृक्ष-दे। क्ना-प्पर-यदे दे के प्रतुन नका परित्य के केना नुका-यक क्ना-प्पर-व माश्रदः नुप्तवसः स्पृतः। इना से दे तुः हो। त्रम् नुस्य सम्बद्धः मार्द्द्वः सः तुः मार्द्धेशः तह्न नः मार्द्धेशः तह्न नः मार्द्धेशः तह्न नः मार्द्धे सः सद्धानः स्वतः स् सुत्य यहार हैते सहुंच हो दे सक्क य रे प्लेक हुता वेट । रे प द्या गुर व हैंन ৰুবা অন্ বামানে গ্ৰন্থ নীকাৰ গ্ৰন্থ নীকাৰ বিশ্বী ৰুবা । ৰুবা गुै :बद्ध नर्ल्ट नबेद यो निर्मिना देना निश्न देने निर्म त्या थेद रहीहै। । । नर नु हुद सहस्र नर हेश दे से शहीय। । चह्र स.ज.चर्ड्यश.जा सच् चू.चे.भू.४८८८.चरु.ही.हर.चेश्व थशा हु.ज.रूट्चे. बुश्न.च.कुश्व.चेर्द्व, जच्चे.जुर्द्व, जच्चे च्युं च्य मी से स्वाप्त क्यां प्राप्तिं वक्षःक्या कुन्धः सुर्वः क्षेतः व क्षात्व केरे व सुर्व हेर्य ही व विकास क्षात्व क्षात्व क्षात्व

मि'न्द्र'नडन्'र्पेन्'रवस स्वन्ध'प्रदश्च निक्षायाम्बुन् ।देदान्न'र्द्यन्ने में संस्था शुद्ध व वट तु विद्यु कमार्थ वरः वनाःमे वेदः स्ट्रों 'स्ना नीःसेम सुदे नमरःहित्ने सनाःसेदःसेही। लब.लच म्रो कूचोश.चैट.लूर.चिचे.तपु.रंदर हिर का रूट.सू कूचोश.मी.चंदश.सेचोश.रज्येश. चार्नः। वार्रेश्वाशायद्भाशान्त्र हेनाशानः। वार्श्वाशायद्भाशान्त्र व्याप्तः। व्यापतः। वयापतः। वयाप र्सेना पान्द मो से बसायवेब ता में पर्वे दश समी वहा सहित संस न्युता है ए खन् गर त्वेब मा है र .... मि.चंजान रेट होर जान्यावावा स्तिनाचेर हिट डिमा.यहा. तमीटा वश्चेशका हेवावा हिना हो। हॅ (वर्षेय प्राचित्रेन्। वर्ष्ठमा त्यातुर अद्येया गुँका र्युटाहरा वर्षेताया में) क्रीं है वार्येन क्राया करा मोक्ष.रन्त्रीय म्यू । मो.स् स.याबे.सब्या.मोक्ष.लर.टारीट तक्ष.हीर.ह्व.स.स्टर् ा वर. र् द्राप्तान्द्राध्यासम् स्रीत्रात्यम् स्राप्ताम् स्रीत्रायम् स्राप्तान्त्रात्यम् स्राप्तान्त्रात्यम् स्राप्तान्त्रा वसायवेषायाः क्रमाना मान्याया पान्दा दुन माने वन महियासे सानव साम सामे रसुदारा था सुनारी। रेत्री सक्षे स्वर् ना केश क्षेत्र स्वर् ना केश क्षेत्र स्वर् ना क्षेत्र स्वर् ना क्षेत्र स्वर् ना क्षेत्र स्वर रेत्र स्वर् ना क्षेत्र स्वर् ना केश क्षेत्र स्वर् ना क्षेत्र स्वर् स्वर् स्वर् ना क्षेत्र स्वर् स्वर्यः स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स् कर.चीर्रे.र्.। वैर.भच्र्यं संयुक्तं भा क्षेट.प्रे.प्रंच्यं संयुक्तं भा क्षेट.प्रंच्यं संयुक्तं भा क्षेट्यं प्रचान स्वायः संयुक्तं भा क्षेत्रः स्वयं संयुक्तं भा क्षेत्रः संयुक्तं स इश्रासम् हैदायशासन् वि ।मूद्रिक्षास् से मिद्राय स्मानायशास्य मुन्द्रिय

मालश्माल्य नाटार् व्र माण्डामाटा सव्य रु विद महिना सहेदशा या वश पहुंद ल.रचींच व.चहुंच च्या व.चहुंच च पा.च्रीश्रमीट. श्रु चार्ट्च च प्रश्न च च प्रश्न च च प्रश्न च प्रश्न च प्रश्न च प्रश्न च प्रश्न च यानाकृशान्त्र सरास्त्रत् सुनास शुन्त्र यो । क्रिनास सुन् नी दसर मित छोड़ी। निव्न मुं में निवन वेनिक प्रेनिक प्रेनिक प्रेनि मी इस य तर् य ये के समा न हीस महस्य पर्देश सा य चोड़ेश्रानशास्त्रे नरान्। यह मानुहा वह मानुहा मानुहा वह मानुहा वह मानुहा मान रे.ब्रेट.च.चड्डेचेश.ज.वट.च्रिटश रंट.टेंस्। ्रिट च ज.श्रुं देव वश्र हेट.हेच.चड्डेचश.ग्रीट.चेज. नेन्न्। । अतः सना मी केन्स स केन्स सेन करे न्द समुद परे हैं स पहें नस है। इस शुःनिहान स्वाद्वा स्वाद्वा शुःनिहान स्वाद्वा शुःनिहान स्वाद्वा स्वाद्व स्वाद्वा स्वाद्व स्वाद्वा स्वा यात्रमश्चर्तः मुन्तः मुन्तः मन्त्रः मन्त्रः मन्त्रः मन्त्रः मन्त्रः मन्त्रः मन्त्रः मन्त्रः मन्तः। क्रेट्रः रश रेट बैंस राव म.चे हो। चेट ह्ना.म.खेट ब्र्स मिश्रम.सम् लय.एम हैं र सर मार्श्या में चेट के चेट के चेट के चेट में या कि के स्वी के प्राप्त के साम के साम राम हिंद में चेट के चेट स्त्रा ते व ते प्राप्त के के द्वा के त्या के ते ते के मुनिश्च पहिन होने ने द्रमाय पर पर पर देश होना ना सुन पर्रे मा कर परे मा

मीरेट हूं। रियमी होट. टे.कुटल ये ही। शस्त्र हुं श्रेटल हो। सी. उसर से क्षेत्र की मु:कैदश:५६:। मुदे:ब्रॅब केदश ६६:। माट मेंद्र- मीट ट्रिश क्रेम सम मी.माश्चेश होता सं.श्र मेंश्व त्या इश क्षत्र स नहीं न न मेंद्र न मेंद्र न मेंद्र र्ह्स.बुच.तहच त वेश त.रेश.चढ़रस है। रहम में द दम मी ट्रा.वश सम् र हिर चढ़िम पर्सेर.ज.रेबे.चर पहुँच जा होर.श होर.श मी बीर लश श्मीया प्रिंव रमेंश हे हर सीट शर्रातर. र्गोर्ग विस्र केटल याल्या सनामहेलाल दे कर हैतास मुना मुना न्या हर नायश शु हिर या देश इ हम द्वेश देश देश हर मायश शु मीटा। दे बका से मी डिरामी के दे वह के से के मी किया है वह है किया मार्थिक है किया है क न्याया हर मार्थे व पुरा निर्मा कर में प्राप्त व पुरा में प्राप्त व मार्थे व प्राप्त व यर क्षेत्री.तर चरिट.। डे.बंब.बॅट.बु.इंट्.यर.बुंचब चेत्री चत्त्र ।रं बंब.लंट हेच. य वस नम् निष्य से म् मूर्य मुंदर मुं दे.ज. केची सैंचेश शक्ष्म में केश शें में चीश दें प्रत्य केश हैं ए के हैं से हुन हों हैं । पहेंद्र-तस्कुत्रस्था ह्ना वस हुद्रस्था देवस्य ह्न-वालस्य बर-नार्ल्य.ये। ट्रे.वंश.झेंव.सेन टे.वंब.पं.यं वं त्र्या.यं त्रिं त्रा.यं त्रा. मर्विन्द्यात्राचेरासुर्कर्यराजुर्वे। । इत्यः इत्यः च र्ने वराचरानु सुर वदान्द्रः मर मुर्दे। १रे त्य ह्या रमोदास १ व ह्या हमा मी सहत स नहींद मीस मार्टी मानेश्वर्यायायात्र्याय मानेश्वर्याया मुन्त्राया द्वी मान्य र यहाया क्षेत्र मान्य याहराया याहरायाया त्य नड्स स्रों | इस कुर व स्ना सुनस सर्हेन र न न के स में हिर द तयर। पर्येः य. इ.इ.हेच.रे.चोरेट प्रा श्रीवश.हेट.ची.चे.पोथ चार्वश.ल लट सेर.च.चर्स स्र् क्टालसालूटासायहूसार। रे.ड्रेन्ट्रे.क्टर मी.मी.मीसार्क म् ज.नेटाने.सहेय स् १स.म पटियो जा स्र-वि.चेड्नेचेस-रट.च् स्र-विद्वा दे.चस्र-र्भेर। देवसार्श्वे वास्तार्व प्राप्त देवसार्व प्राप्त प्र प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त इ.हेची.चोलश.श्री.णूची.ज.चश्चूर्। लट ही र स्ना र लेना थ।

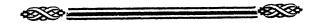
दे.वश.चार्च्या.ना दे.वश्रास्टाई हेचा चार्ल इ.टे.ज्या १८ वश्रा हेचा तरा Iğeri.M.den. ला क्या यर ल्या १६ यहैन स वर्ष सः यर र रेगी यर विशे यर मि प्रिंशश व अवत अ श्रूर मी श्री रवह वर्श्नर ता है हिना पर केट व्रश्नर विश्व वर्ष ट वर्श्नर है। |WE'ৰ'ন্থ ম'ন<u>প্</u>লি'-'ল্ৰীৰ' नेते मुर विष्यु से वर्षेय नते सूर वुस र्षेत्र स्ट है स्रिंस से चर्ट चत्रु.क्रेट.टे.र चत्र.ची चीश रेश.टे.रेच्चेश.वंश.ग्रेट.क्ष्य.ख्र् विट.ह्य ची चंगु प्रं प्रं रं. स यर्थे अ. यर्. है बर. क्षेर'य' बद्ध' खर्च 'त्रमा नाु'माठेम' रुगो। 왕드회 길고 네 ने से निषेते वन मुदे से निर्मुत मानेश रूट हे हर मानेश याचना मा नहिरे र्गीय नहीं ता भर गुै·धुव रु त्र हना भें र रे रे रे प्रेश थ। नाबुन प्रन मु नवि से र 4회.청**년**.월대회.대 रे क्ष्यश्र तात्रह्या में द्राक्षेत्र नु हित्साता वहेटा श्र्य य.प्रमूर.ध्र. ।क्रुच्य ग्रु. च्रिस क्रेटस पु घ ता ट छोट्टी केटश.२८। वार्ज्ना क्रीटश केटश.वार्डश र्याटा प्राप्त होना केटश.५८. श्रिमः श्रुम् कित्रः मानुस् मानुस् या स्रमः केटसः श्रूयः केटसः मानुस। य.प.र के.कृष्ट्या है.य.र.चचेत्य.कृत्य.र.से.केंब कृत्य चोर्था वीथ.ध्र.प. शेट मोदी दुना केटस द्रा हिंदे केटस नहीं दें हिंदी पहें नहीं नहीं नहीं महास केटस महास क्रमाशासाम् वर्षान्त्र स्वर्ता स्वरता स्वर्ता स्वरता स्वर मों में दे. में ह. वंश पड़ हथ वंश महिना हूं श में अपकर हुना में व पहुंचा ता बिद्ध मुर्व नहिट पर्वे । निर्वेन निर्म हिट्स है। दम् वेट सेट सेट पर सहव देन ये वस.पशुटस.वश.सेचो चर.चडूँ ज.डे.चोडुचो.ट्र्स ग्रेश सक्थ.ट्र्चो वस घटस.वस। टिरीट.चपु वस.मिटस.पुट.चडुट.ट्र्। ।रेरीट चपु.सेचो ग्रु पु.पह्ंभ कुटस.वूं। जच्चो.चपु खेर. शिया सूचा कुटबा है चाड़िया ट्रिंश ग्रीश रेसंट. होट व प्यन झुब स न इंस किना ने छेन पर्रा नाय वना मी क्रेंद्र में नाह ना नक्षें वस स्ट्रिय व वस नहित्सा हे वना मी हे या वित्स मी व स्रम क्रेंनास स प्रकृतः पर्यो । नो स् द : मुहमा नुक्रा । प्रमा ने स् ने स् महमा नि स् र मो से द । प्रमा ने स् र मो से द । प्रमा ने से र मो से र मो से द । प्रमा ने से र मो से र मो से द । स्रे.वे.केंत.वे.वेट.चर्] वित्र द्वारत च रे.भ.वे. ड्रेड्ट.वे.वेट.क्रंस.चेहेल ही.क्र्य. नाकृश नि ने हो । अप्तिना सदे रे खे केटश के नहे चंदा सहेतु क्टा मी हा क्या सिना साहुना साहुना पर पर्द्येन त्यानहित्यात्रमा मानिना मान्यानुन मुन्या मुन्यं वारे हे हु था सु नर्ग्यः

वशाया मिन्नासायारेश नर्सिर। रे वहा महिनासे होन सन् निष्यायानिर्मर निर्मा निर्मा । हीं प्र मिटश केटश व व वे। स्थार्स दे मिटा वस होर न्येसा माव्याः किट होट अ अर पहेंच दे होर न मार्चर ह नहीं रा ही ही होट कर हु मार् स्पर में अर मार्चर हो नहीं रामा वक् मेंद्र मेंद्र में प्रति । विष्ठ मेंद्र मेंद्र मेंद्र में प्रति या विष्ठ मेंद्र में सेर.क्.शह. शह. वंश.चहुटश.वंश.चिंचे केट.ज.वेंचे चे चड़ट.चहुर् ।चंश.भू.ज.श्रंट चोटू.चेंचे. रट. मु वे ब. च. बंबा क्षेत्र हैं नाब . पं हट . ब. र्च त. च र मी कृत्य.चे य.ची सिश्चा नहेन ने में श्वा शहर भ्रमा मा केश ने । दे त्या क्षेत्र में ने हुं ने भ्रमा त्या प्रश्चा क्षेत्र में भ्रमा मा क्षेत्र में भ्रमा मा क्षेत्र मा क्षेत ह्में र मार्भे व हिंद मार्केश है। दे व का हिंद की मार्केश हैं। मेर ही मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मा नक्त रट हैन य नाहेश य विश्वाय रे रटा। श्चारदे नाणश हुँर नाणन हुँर नाहेश हुँर मुट बैसी.चर.पश्टा मिलिसी.ल.हेंर भूसी.सिहेश.ग्री घर टे.मी.सीभ संचय साबुसी.पश्टार् है कैटरा है सह सेन हाट माउद मेंट नाशुस दु हुस स देंट नदे सेंद केटरा सु दर्ह दर्दा पर्य प्राचित्र গ্রুম.ছ. श थर. पढ़िट्यः द्यः परः क्रूंब्यः परः ख्र्रः मासुमामासुम प्रविमा द्याः परः पृग्ने। दे द्यः सर पृग्ने हे 12.44 श्चे- स्थान्त्र वित्ता । त्वित्र प्रश्चे स्थान्य स्थान्त्र । स्थान्य स्थान्य

विटानिकेश प्राप्त विद्या में प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क कुटरा चे च हु। वार्या देर क्यांच चहुट वाट चर् च हेर टहुट चर चे हुं हुया चय रचेर चर्णा है चार्य हुं। श्रिट्य चर्या क्यांच चहुट वाट चर्च चे चर्णा श्रिट्य हुं। श्रिट्य चर्च चर्च चर्णा वस्रकार्ड वेर सुन् सेर या द्वार में प्रमास माना हो। सुन् यह सुन्ह ता से प्रहेना पर मुन्। प्राची रे. प्रेट बे. ची संख्र अस खेट स ची वह य सह य हैना मिना वह यह ये या नहें ने य ची है। ये ने प्रेन रहें से स मार्थेश महिंदा हो। विद्या होट नी मार्थित प्रेश महिंदी हो कि मार्थित प्रेश मार्थित मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित प्रेश मार्थित मार्थित मार्थित प्रेश मार्थित मि स्थ्रंस मु नियम् मु नियम् मि नियम् निय त्याः रेवट.वी.चर्च चर्च.४ मिन इ.इर.वी कि.चर्च.चारीच.४ ट्रेचेश चरित्र सूर. वर्षे भर्च इ.४ हिरे चेट. चर्ने कि. चंड्र चेंड्र चेंड्र चेंड्र चंड्र  ल. जैंचे अंगु ब्रैंचेश लो हि हूंश च्री रेयट वी ज. यथिये. जा चर च्रीश वर्षेश शुं ाटचेंश. क्षत्र केंब्रब्र त ने न क्षत्र ने हिंदि हों तमा क्षत्र वा |त्नाम झेर नाकेश ग्री लेट स्र्र मले से दु स्र मक नले। सबैता वेट ले हेट म्न नास । म.प शर्वेषा.रेट.श्रेभा.तर.ची जन्मेश.ईच रेट भर्वेषा स्वेट.पंचाम चेश.ज उसेट.तथ.चंद्रभी प्रामविष् माश्रुमा दनाय परेनाम माश्रुमा हैट प्रय दिन मुनाम श्रुम् प्रदेश । श्र- श्रुंश खुश रहून. कर्नु न्यावादा ने इससाय धरामिट रेटा शुटा या के हुटा क्ट्रानुस यदे हेट नु त्रम्याय सन्म मुन् नुस न द्रिय के देटा ם. מר עַב. שאו न्यस्य दशः पहुंचा वे स्वादः स्वदः स्वादः स्वदः स्वादः स्व महन्न जन्म विद्या विद् श्चीत्रा मान्यकेमा । प्रस्ति विद्या व मीड़मी मोट्रेट। श्रूमेश मंत्र श्रूमेश मं ट्रेट क्षेत्रमा मोड़में मिंग्रेट हुन हुन हुन स्थान प्रमान श्रूमेश मंद्रमा मोड़में मिंग्रेट हुन स्थान प्रमान प्रमान स्थान मोड़में मिंग्रेट हुन स्थान स्थान प्रमान स्थान मोड़में मिंग्रेट में मुद्रमा मोड़में मिंग्रेट में मुद्रमा मोड़में मिंग्रेट में मुद्रमा मोड़में मिंग्रेट में मिंग्रेट में मेंग्रेट में मेंग्रेट मे 

विना दिश नाहिना मी दमीत : विद न इस व उर् दर्दे पर रहा रहा महार ही । सबे वें दें नाकृद बेंद दर। सबे तुः हर मी दान परेरे **र**मुनस्रायम्।य र्टानस्रुत्। য়য়ৣ৾ঀ৾৾৽য়৾৽য়৾৽য়৾৽য়৾৽য়য়৽য়য়ৢ৾৽য়য়৽য়য়ৣ৾ঀ৾৽য়৾ ब्रिंद्र.पर्सेज. श्चिम् सामा दिना विद्या हिन हिन हिन स्टिश श्चामशेन तुना हता महिना । किंदार दिना मु मार्केश ता कुट त्येय हो। वस दे ही कुट सिट किट किट महिश्र बट हिर मी नहिमार्ट वही। हे र्थमं प्रमुद्दायम मुन्तिम साम्बन्धा । यीश स् हु त्यंत्र मुन्तिम मुद्दा सा सिन.मिल.क्रें अस्त स.चेड्ना.ट्रे.क्सरा.पर्वेट.तस.चर्त्र ध्रा ।मि.क्र्मश.मि.परंतित ह्यें नश.ता सञ्चल-प्रैट-सञ्चल-८ट-सञ्जा-व-निर्वा ।दन्त्रस-स्व-नाकृता র্ম'দ্ব নাইগ। हैट.चिन.चीहुंबा है.इंशब हुंब्.चंट्र.थंच्.डे.वे.वे.जा हे.ज.टर.चोहेंट ची.वेट.टर. मर्दि: बद: वैदः। वैदः पदे स्थै: वैदः। वैदः मिन विदे केंस्रसः सामिव । दे दस्रसः सूनास लालबेट.चर्था वर्षेत्र.श्रेचिता.श्रेचिता.श्रेचिता.केट.के कु.ल च्रिट चेश्रेट.चेट्री भेट.चे. जेट.र्थश्र र्शेर मने प्रमानी लेट कर दुर्ग वर दुर्श निर्मा निर्मान में मारेश निर्मान वर वर निर्मान कर निर्मान क वस्य न र किट व स्था के के स्थान स्था निया निया निया निया निया स्थान स्था पक्त'यर्गे <u>रिं</u>र श्रेंनाश'वे'वस'हैं'ग्टर्नश'व श्रेंब श्रेंमशंत्रकश'वश'श्रेत पे वट'प्प्रिनाश' नार्नेट नार्से। ।नार्केट क्रिनास है इना हु पहेंना यर नार्बेट चुना ऑर् यर चेर पर श्चिम् श के के ते पर प्रमुर पर्दे श्वे श श्चे मार हैं के श्वे मार हैं के हिंद है के नियम के नियम पर्दे नियम पर ्त्रेट नीय हेट नुपर्ने पद्मा । ग्रिन हीं नाय के कट नुपर्ने । श्रि हीं नाय हीं या हीं नाय हीं

मीर्थाताक्षां अप्रेपिक्ता हिट मीर्यट क्षियं सामाक्त्री मीर्थिया मि व सर पद्मेट ये. पट्टेश्च ता. सेरे. पेश प्रार. प्रा. पुंचे पर पट्टेश प्रा. पट्टेश प्रा. प् प्रिंट क्रिंशश वर्ष हु. हुट मूं। यट. पर्या प्रिंट ह्यू दु. बर. यार. येचा. च. मुहेश महेश सेचा. पर सेट. तथ.वर्षभ.श्रा रिवट.वे वे र्ष्यश.क्ष है। ह्यूचश.चबुर चबिट.चुट.चकुश.चकुश. व्याः न्याः नुप्तः नुष्यान्यः निष्यः नेत्र स्था द्वा प्रमा विवासमें ना स्था त्वा स्था विवासमें ना स्था ना र्ट्रेनश.न्द्र, सि है। ध्रुंत्र, ब्रेस्ट, व्यक्त, व्य मायामार्थेय द्या नात्रमान्य संस्कृतमान्ता है.या.र्यटासी वहान्या है.सह प्रस्ति संस्था स्ट्रिंट स्ट्र स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्र विन यानुसाय ह्या विरामिता। कुंच हु यह कैदामिहेना मान्हा। द्वहावु रहेंदा क्कि हुंदा क्कि हुंदा क्कि हुंदा क्कि म्ना सर्मे मिल्ना । देण वहर ल सरे दे उत्ता । सिना सेर य मे हिस वहर य ता हरे. र्नु:वेट:खेव:केंच:न्हेन्नंप्रम्याम्बन्धःन्य्याः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः र्वः कुट्यं श्रुवायः वाश्ययः मुन्तः स्त्रम् । । प्राप्तः स्त्रम् स्त्रात्तः स्त्रम् । । प्राप्तः स्त्रम् । स्त्रम्य । स्त्रम् । स्त्रम्



चिक्षत्र त्र तेथ त्र तेथ त्र विकास वितास विकास वितास विकास मुक्ष.त.४विधान्तेश.वितात्वत विधा ।२८.श्रूट.चाल वृत्तां सर्चाव.त्रं हुंबा ।र्ट्व.मु

स.श्रुक.लूर रेश सहर। विह्याचे श्रुट.ये.चेटश ट ब्रेचा विह्याचे श्रुप्तशाश्रीम. पर्चे प्रचेषालूचा.श्रेट.यम्। विह्याचे श्रुट्याचा.पर्चिच चाह जात्यर यङ्ग्या विषय.जा. च्रिचा.पेचेच.श्रुट.वेथे.शहरी विह्याचेचेट.जाश श्रुप्तशा.हो। विविध.जा. रे.चीश्वर.वेच ग्रेश। डि.लूश.ट्श.चीच ह्य.त् चाश्वर। विश्वर द्रांत्रची विश्वर द्रांत्रची विश्वर द्रांत्रची विश्वर विश्वर द्रांत्रची विश्वर विश् रेश.पनीप इ.स् ह डि.ज.इंश इश.पनीय.स्नेंग.स् ह सैनाश.शे.इंश । इश पनीप.क्ट.नाश्च. हुन्य। रिन्ने पूर प्राची स्थान स्था क्ष सन्ते नुद्क्ष प्रकार मान्य वृत्रकी निवास मिल्या । दिनास मिल्या दिनास परिवास । विवास परिवास परिवास परिवास ।

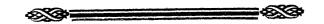
पर्ने भी सर स केरी । वि बार प्रमिर ता है प्रेश हुँदा। विनासर पुरा सेर पर्हे वा न ध्या । श्रमः ये नाहेसः द्रः न यः नाहेस। । द्र्यं क्षेत्रः में दर्भः हिंदः हिंदः द्राः । निर्मस्य पात्र थे। विष्य हिंदा विषय हिंदा विषय हिंदा विषय हिंदा विषय हिंदा विषय हैं। च श्चिंच इस्र । ।य य श्चेन हेन श्चेन ।य ।य य श्चेट । व व स्त्र व हेन। जाता हर महर् १६६ विश मेरा विषय मारा मिला मुद्द कर स्थान द्वार मिला मिला मेरा मेरा मिला ।य यायमाये वस्थावयायम् ।यायाम्बसान्दान्ति । मान्स्रायात्रे राष्ट्रा स्ट्रा ואבילב. सद्भूत्र पार्श्व पार्शि । स्राप्तश्च याना शु र्वेना सम्बंद प्ते : यो । नात्रस्था पार्वे पार्थ ष्यास्त्रं रहेम। । नास्यु हेन नगान ननसः नन्ना सः ननस। । नहें नेनः नाल्कः नुः नुंदः स्वरः णुटा । अबर ५ छ ५ छ दे ५ ५ म । व ५ म अबर मुनस व से ५ ५ म से ५ में भ हो। म् सःइटःश्रॅटःदर्स द्र सहय। ।नाद्सःःद्रनाःसःकदेःगःववस सेद। ।वःश्लॅपःवेदः भु.पक्ष त रहा। विमा त्रुका विमार्थ माराव्य माराव्य माराव्य मार्थ । श्रिकामानाव्य स्था <u>|মূক:র্ধ্র</u>ন্ধ: व्यिव |र्ट ब्रूट रूचा राष्ट्र ल.चेब.चग्रेच.लब.ग्रेट.। ।श्चर र्ने.चंड्र. इ.चं. सर्टिंची क्रिट्र देता 1分配 तपू.मी.रीया.क्र्याश.राष्ट्र.श्रेषा.कंश जा 15 में र केंद्र में केंद्र क्षित यर से मुन्स यर दहें ते से द्युर् मिट भुश नद्र भूष. में स भू. में थी 17155 सर्मिर्मे में बट्टा तथा नहीं वा नहीं ।नार्सि रेम नुर पर् होर या नारर या थेता 195 यदे.हूँद.रे.कंब.तर.शह्र वीर.बश 195. विंद्र सु देव हेव सु सुद दर्नेश पर्दे (प्रसुद । कै से हेंग खु नुस्र म र नलेक ने नि । इत मि.र्टट श्रूट हिनास हिल ज्रेद रा ह्येद। কূর **イに、知を切、力を、過く、過、新日 コモ、毎日** किंश दः पद्या में सूद केट वर्डेस य फेंबा 赵C. मु वश मु क्रिंग प्रमासन् य प्रेत्। विव. प्र. ज. वे श्रुव जेश की हिंग। ष्ट्रिं क्षेत्र ह्यू निषाल हिं या ही न ही न বিশিল্পত वियाल हु. पश्चेर ल. ३स स्या श्वेयल अम्रोर अहूरी य निर्देश य रह मी हैन देर मुन म् |नाश्चर-नायु-इ-सिन-सर्वेश-नदी-ल्व-सिन-व| दुना केंग्र पर के क्रिं एक प्रवृत् केंद्र । ואדם. ारे व्हर संस्थित से हुन नगत नु मार्ग क्री मी.रंभ.चक्रत.भवेर रेट.चक्स.त.हीवी

|यम्। रृ. दर्मी वर्षे देणस य विव रृ. र्स्सस MEN. ३नाऱ् ब्रूट:मॅं.कुट:म.र्ट नही 19 4. 4. 54 . SE SEC . SEC . 32 . 5 4. 8 . . . 13× W शि पंत्रमा व मिया हा सिंव अह परी |गान नीय नेय व सम्बद्ध र सु येव र हैन| ILMA. किर अ क्रिंग्नर केर के निविदा । म E' त्र इन्हें चार्ट केंद्र श्रेनश मार्डम विव वहा यर श्रुप स'नाधना'ना प्रमा में पर्। 13.यहीर क्य क्र. मि.पहस.पर्टेर टे.लूबा নাব্যায়. देवशम्यमादे के दराय में सेरा । दसः हैं गः क्रमक दरः सः क्रमकः मि ताः से दा ।दे.ब्रेंर ব ব্ৰ-ৰেগ শ্লিব ব্ৰৰ্-ৰীব ই-বশ্লীন ।वर्व य वर्गाय:मुंहे दुर वर्वःय:वर्षेत्। 1황이 당.같다. मिश्रस यदे देवास यः वैवः दु वार्सेट्स। বিশ্ব ক্র বব্ধ ব ৭৭ স্ট্রি-শ্রী ম শ বর্ ושחק. ब्रॅट र्ट बेस्स र्यट रु रुंग्रा ।८र्र्-म् पश्यायासुन शुम क्रम्यायर द्यीर। मु : धुव : द : दर्श र : दशक : हुद नाम श : ध्रें ना । हिर गुँधः नार्के देन नुमुद्द पदि सम् देन नहा वरमानी सम्बुद वरे ब्रिटाय मान्दायाधीता हि.ज.रश्चेनश कर रेमो स.माट विट.च पहंत्रामीट में र मीट में अर देवता रे रें में । न्यं न्या थारे द्रारानाय मुंग्रा शर्वे तथा श्रंभश वय वेश्वर ग्री द्वे न नहीं ।यद्याःचीक्षःश्रदःमाठेयाःस्रुतःनकाःश्रुतःद्येषः अहेका। कुषाने स्वया में के बर पर्देन पर्दे ह्याँ हैं। रेमा यदे थे ।।ह्ये.घ.ट्री दे-द्यः ह्वे-वदेन ह्वेद्-देय-वग्न-कु-वर्ण्या। किर जश भीश है । श्रेंच र्चेद में हैं जनाश 125×1. वेश न्यु वेन सर्वे देव सन्धा रत्य के मित्र मिल्न के जिस प्रेश समाया । के न्यक्ष चिना संस्थेत प्रते क्षेत्र न्येत समाका । ।क्रूट्-स्य-पर्मा त स्य समाप-दुव-के। म् सप् रहुन्यः हेशः मिं चं चेत्र य प्यम्रा |८२. में २८ मी क्ष कर हो व मी अ हिरसा। खेश: दम धोर मासुस मुख चस: मा**र्से**य च: पर्नेवस। श्चित द्वित हैन में प्रमुख हो हि द्वित है। मिं से वर्के ने रामित वु भे मेश गुरा |सद.टच| मुँद.रट.गुर. चश्स.त पंचेता देन कुर गुँ कुय में प्रकर यर्टा विवाश ज क्रूटश ज. ३म. ववा शिवश भवार । न्दं न नहें स र्यं स कुन गु कु ता व दरी |नग्न मुं न्नर्व थ मूर्ट स र्वट रेवट रे क्वा मा र्ह्ने देशकाता हैया ने से प्रकृत के ।रद म्लि देव क्ष्मश्युव शुम्र केंन्श म दि । चग्र-कु: श्रुच क नश्र हैना सर्ग वेंक है। शिवर .लट ह्र्मेश .चर् अटश में श्र वर्ग तर. नम् वैधःसुर् हेन्। नसमः रः नुवः पः ५०। ।विह्न वि वर्षेट्.तत्, धेथ. धर. चया ४. मी. ८८. चढ्छ. च. प्रचीश. ह्या



सनुद नर सह या नी पले क्षेत्र में होता नी होता थी। ते सा से प्राप्त ने प्राप्त प्राप्त ने प्राप्त प्राप्त के पा कि से क्षेत्र के प्राप्त प्राप्त के प्राप् रेप्रे मो सर होट र वेट हमा याया मुझ पदे मु हिट सर्हे व माट यामहिमा मालमा इ.ज.रंगर मी.रश मे. रश्चेर जा श्चेर श्च.कूर्यश **15**도 중 열 । इ.८४. मेट. ची. मीट ये. चीडुचा.चीडेचा मी । रे.४४. सेट. डुचा.चीस.हूँट. पर. ন'নাগুম। I文호, EE 대학·소소리 황스.최도학, 현학·취·원·리·리아학·황석·회·평正· 리크리 지정점점 A इष.स्. कुत्रु.स्तुष.सुष.यसुष. यर**.य**श्चेषा नार्भे झुर में में हो द्वार महरम् या चालश.चाश्रिभ.च.म्रीट.ची न्द्रन नी सर्व रु क्षेत्र मी इसे के कि स्वर्तन रु ना के ना खुक नहीं रा मार्धेद मार्थेय द र मार्थेर सर्देन प्रश्लेष्य । रे मार्थेय मीर्थ पर्ना मे रेंद्र प्रश्लेय पर नश्च हो। श्राम्य प्राप्त विकास के स्था के स्थ मि र्के नि हैन नि हैन नि से के मु जेर नि पर पि के मु जेर नि पर पि के मु जेर नि पर के मि के से मि से म रि.वीट व.रेट.शुअश वर्ष वसल वर्.ग्री.वर.ग्री रचाश.श्री.ग्रीट.व.रा.वंशश. 単には以てい कर यर्ना नीस यह केंद्र यह तमा यह हैं स यह तम यह तम मुक्त में से प्रति पर हेंद्र हैना हे स यह रहें मृनास ८६'लना'नासुस'नु'न होते क्रिं'से ने'गु' दु'सेना'स'स'नेट नेट'ही निये दुस व विवादिव व वयस उद् है वसम य मिश है लिंदि ।रे.वश.र्चनश नश्चिम.म्रोप पा.वना.मश्चिम.प्रचिम्। क्षट्याणु र्च्य हे दें द दें।

नेते नुषान इस्यान निष्यं परेन्या याना हिन् णुराह्मेरानी सार्त पारणा व नय वेदा है तेरा है। हिंचेश.चेशेश.चूंजात हेंट.कु इ स.क्चे.तर.चचेंत्। १६ के.चठु.टेश.शे ता दे.र.ज चचे. व्स. टे.वंश.चुट.हेचे.चंट्र भु केट.टंटा इश क्.चूंज उ चूंट चिंचे टें चेंबेच १३ व इ.ज. इ.चर्षर ल.धु.रे च.धुर च.ज.चर्नेच विष्युक्त है ते हैं.चेडुचे चर्षिश हो चर छुवे. वान्दा । यात्रामु कं वि नदा सुदासाया संनासाय दें सहर मी सावनुकान्दा। वन पर्देश.(हैंब.ग्र.ज) येथ. बुद्ध. बार्डिबाश. दीचा बाट. चा घष्टे. खेल. हूं लाल. जु.च चाडुचा. चेश जा (네짜와·亞·환석·전·호·제·윤) 열. (네음네叔·보망) 네따와.왕·네ঙ네 '뭐니면, सवर स. क्षट स्वाट हुटा है जिया हु हुट स. हुटा हुटा है जिया हु स्वाट स्व  मार्ट्रा वश्राला-रंज्यं-पर्यक्षांशाला-मार्ट्र-प्रा । । । । । । । । स्ट्री । स्ट्री । । । स्ट्री । स्ट्री । स्ट्री । । स्ट्री ।



ोमुंदे.चंश्र.चंद्र, वंचश्र.जा १. <u>१. ६</u>श.च.जी भथ.टचं.चोश्रेश कुर माहेस। ५ केट मासुसार्सा १ देश सह। मार्स है। सह मार्स है। पर दे दि न स्था पर दे दे न स्था न स् नश्चम नही हैं नहीं नश्च नहीं हैं नहीं म् स्वार्टा स्वर्टा स्वार्टा सक्यो चर्-द-पर-मु मुस्ट-द-प्रालम म्याट्स-ह- प्रात्म-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह-त्य-ह स्वत्। वर ह वर में में भर दे मालमा भावत्र ह दे स्व हर से हैं र्वना र् हिट र मिल्ना में । र के युट व मावका देने पर्वेश यु माख्य में के का मान्य। प्रथा क्टायर त्या पश्चेत प्रात्म स्वास्त्र स्वास स्वा बुधा यदम्बा राज्य राज्य यी मार्ट राज्य राज्य हिं (क्यू हिंद ब्यामी र.लब.करा) य. अहा. र्जिट ख्री क्षत्र-बार्टिट ह्या । वि.क्ट ८ट्टे. अ.ण्. प्रकृट पर्वेट परवेट परवेट पर्वेट पर्वेट पर्वेट पर्वेट परवेट प क् नम झेना च मीश केना मुझ ता नाइट दें। हिन च च च च देहे हैं के ता च व के सु माइट दें।

<---->

।श्रदश मुंश झर मुं झर अपाय वित्र के साम मुंदि मुंदा नर्दे हैं हैं हैं. اعو | विभानी निरम्य न मि नम्निट क्षेत्र। | WE: स्रेस निन न नहें निन्ति न निर् गुर प्र यद खुर ने पर न। निरास महित हैं के सुन प्र मिन प्र महित हैं में प्र प्र प्र मिन हिं लिये प्रभाक्षित माहिता है । में त्य कें निर्मे निर्मा प्रमा हिं ते कें বল শ্লুৰা बुरा ध्रुंब कुट रास्या व ने में में स्थार स्थार होता विह्न में ख्रुव स्थार होता के ने में में प्राप्त स्थार स्यार स्थार स्था स्थार स्था स्थार स य नाश्चर्स हैं र पर र र । । निष्य कुं निष्य कु चाड़िया । ते माहेश्वरस ने वहुश्वरम। ने स्थल में हैं । हा स्थल माहिशा वाहिया। हो स्थल में हैं । हा स्थल माहिशा वाहिया। हो साहिशा वाहिया। वाहिय  प्रमु, साहश्वक्ष त्रा, श्रवह , विसा, त्रावक्ष श्वक्ष । क्ष्यं , व्यक्ष , व नर्न न्या हु स न दें देश न र ने निर्मा के मि हो न र महि न देश के से हैं है है है है से हैं से से स्राह्म वाह्म वाह्म क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय वालन नासुकान्तरा स्थाप क्षेत्रात्रात्रा क्षेत्रात्रात्रा क्षेत्रात्रात्रा क्षेत्रात्रात्रा स्याश्वर्धा न् स्टा हो। स्थान्त्र हिंग् ने स्थान्त्र हो। क्रिक्ट य नार्टा यहेन क्षेत्रकार्यका निवास विनास विनास विनास स्रोता हिं ते स्थान्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स द्रान्तिके से निक्ता मिल्ला म हुंब.ब्रा रि वश समस मिन्ने. विश्व प्रमान मिन्ने वश रूट हा मिन्ने साम के. स्रोतिश स्थान्ति । ते स्थान्ति । ते स्थान्ति । त्रिस्य न्यान्ति । त्य धर्मश्री त.जट.। धष्ट्रता भुः झुमः श्रीयः नशः १.८८.त. २शः नश्रा । श्रेयः है कू चेश सभा भ ट्रेच है.कू चेश ट्रे.केश चेश वेश चेरेचेश तस हैं र शु. हैं चे चेरे चित्र हैं वित्र चेरे 변환, 학교 및 제공 : 보고 대한 교육 : 보고 전 경우 : 보고 전 전 경우 : 보고 전 전 전 : 보고 전 전 : 보고 क्षेत्रभू मा मुद्देश्य मुद श्र-दि-श्र-त्य चिट् वर्षे सर वैवास हे हे स व वर्षेचास व सामार साम के में हिर रेशदश वंश... प्रहें स्थ रणर वन वह स स्थ मार्स् मार्स स मार्स स है सर् ष्ट्राच्या प्रति विषय र्नार स्ट्री सुना र्स्र सहिशा नीर गुरा गरा सर नासरा से सेंट.

नुष्टुर व नुवार र कं व रोग में। विद र्श्वा य र्श सहित्। ह्या गाना विक् त्रविरामी ब्रिटा श्चर ता सेना मां । अया स्राया स्थार में प्राया स्थार में प्राया स्थार में प्राया स्थार में । सेना सेन शरश कीश जूट हैंचा रेट. एक्रेंच रा. शंज लूए । (भूचा ल ब.क्. भू. मंद्रे तमुद्र मुं न र्भेदा गरा है या कर हैं न से में निरम्भ मा श्रेण। मि. चीस्र्य स् प्र. थ. चप्र विचा बश्य क स्थेश जा। जुट हुंची जा चेर भरे चिद्र भ ने किट प्र ने वस्त्रस्य यर विव य दर । दसर सरस दर । वर्षेर य उद्ग मुद्द महिंद स्त्रि परिव परिव परिव मि ख्या. चाडुच्च. चाडीचा त्या. चीड्या व्या. चीट्या व्या. च्या. च भर मिल कुद्श्य देत। हुना श्रुम श्रुम हुना हुना मुक्षा यह निम्म हिन दे ले साम हुना स्ट्रा स्ट

मि.ण.ब्रेश्वश्चरत्ये ।श्वर्मिश्च श्वर्माने श्रेमिश्चरत्ये । श्वर्माने स्थित्ये श्रेमिश्चरत्ये । श्वर्माने स्थिते श्रेमिश्चरत्ये । श्वर्माने स्थिते स् श्चर सेर त नहीं नाहीं । श्चित्र ने निक्ष प्राचन हुना हुन रे रे ने विकास या सिंद से निकास वा सिंद से निकास वा स चै रम.र्ट. प्रथा वि क्र. चर्या खु यर 'दु 'त्र स नवर्रा ।देश' इ नरे 'वर 'शेय मर प्रमुर 'दे हे 'हैं स से र 'दें। । ।।लट.सेर.पचीचीश.चट्ट झैर.जा इ-वदे वहें अप्रकानाय यायपुर यदे।। श्चर कुर न्यार में। इ.यार । विट न्दर ने दस्य वे स ह या र स्थाय र क्रिया मार स्था भारत मार्थे सामा मार्थे मा यहारश.या.वीट.थ। भ्र.जेट.कु.च.चाकुचा.चाका माट.याद्र घाष्ट्रिया.श चाकुश.यश यहार यशा चि.यीच. र्ट. चैत.रे.पिर ला अर्ची श्र ल.श.रुचा.च.ही. रु.पर्स्ट.ला चट्टचा.चीश हो रचाश ल.ची.ची. रेथ म् रूप प में स्वर्ग थरें र नाट लूट नर में मा के समा थरा न हिट में निर्माश महीर बस के.च.च सिना.श्र.चे.हिंस.चाटा। स्त्रें.चेंब.रचेंच स्त्रें सिंस.चीटा। स्त्रें स्ट्रें सेंट. द्भाना नीहेश २.५.भडेन. कूर्यं श.व्भानाद्वती देशसा की में या या नहीं से वेशा इव च म। छा हु र मुसे र सर्देग र्द्र संद य: ५८ हें हेंद्र: व: ५ बुद्र अंद केंद्र सह। वै.वै.क्षट.क्ष्ट्रं नाटा कृ.बुक्ष.नाट.ज.वर्षुक्र.क द्वत.खेंद्रं क्रंट.च.रट.

वं यव वें। । अन् नार्श मन मन मन मन मन मन मन मन मन म् संस्थातक्षात्राचा वेर स्थेर स्थाप वर्षे में वे स्थाप वर्षे में स्थाप भट्ट. स्वयंशं मा.स्ट. (ब्रं ता श्रिष्टेता सिट. में ये प्रकृत्यः प्रत्या स्वयं नम्भस्यत्या न्यां विता य हुर्यायाम् हिर्मा सकेव याम्हा न्यस की हार्या त्रिया न्यां हैया द्वाया महेंगा सहेंगा सहें

91 मुंक्। मुग्नःक्। भेटः पहा दे:याणे पे ५४.पड:याडी है। P.2.की त् किट्स मिश्चेश्व कु ल लब लमा.स्। भूमा.स्ट लुना.मुद्री भक्षेत्र.यु प्रह्मा.स्ट्री क्रियायु प्रह्मा.स्ट्री क्रियायु प्रह्मा.स्ट्री क्रियायु प्रह्मा.स्ट्री क्रियायु प्रह्मा.स्ट्री क्रियायु प्रह्मा.स्ट्री क्रियायु क्रियेयु क्रियायु क्रियायु क्रियेयु क्रिये म्री सब त्यात्म। येश श्चरमी द्वेर तथ्या येश स्थरमी द्वेर तथ्या येश स्थरमी द्वेर या व्याप्त स्थरमी द्वेर या व्याप्त स्थरमी द्वेर या व्याप्त स्थरमी द्वेर या व्याप्त स्थरमी व्याप्त स्थापत स्थरमी स्थापत स्थरमी व्यापत स्थरमी स्थरमी स्थरमी व्यापत स्थरमी स्यापत स्थरमी स्याप स्थरमी स मिन्न मुन्न स्थान स्थान

ব্ন'অ শ্ৰা ব স্ত্ৰশৃহ্য द्यवश्रक.भट उष्ट्रा विष्ट.बेश.प्रेट.लट इ सूर्य त ल श्रद्धाः सार्थ्याशा प्रिट्टे. य श्रद्धाः साम्प्रत्याः हेष् श्रद्धाः साम्प्रत्याः हेष् श्रद्धाः साम्प्रत्याः साम्प्रत्याः हेष् श्रद्धाः साम्प्रद्धाः साम्प्रद्धा सर्व तार्गर। दर प्य गाव। गार इसस मार्रिं। से दे ही मासुस है । तुर है सिना-२८ कि.सुन। क्रुचा-पर्टूल-टै.चर्ल च.बू। पर्टूट च् टे पहूट स.ग्रे हैंर न हेश. चक्ष.चक्ष्मा-वर्षा क्रुचा-पर्टूल-टै.चर्ल च.बू। पर्टूट च् टे पहूट स.ग्रे हेंर न हेश. मि व वेट च र नामसान। सह स्मिर से दे ले द बना नासुस सुरस। दे वस् हुर अप अस नश्चेश्वर पर पड्डा ला ट्रेय्य अर म्या हिंद्र पुर वर्डे व्या महास सिंदश.पा.चर्ड्। देश.चार्ट्र में ब्रेंट्र क्या.चार्थश.संदश.पा.चर्च्। दे.बहा.चीच.चश्रेशश.चेश. चर्म्स वर्षः सिष्ठ सिर्धा त्या स्ट्रास्त स्ट्रास स्ट्रा डे.प भर केट हि.च यःनादः। ष्यः इः रः नाक्षेरः सर्नेनः त्यः नह्युकः यदेः तिः यः सुय सुन्। र्वेट.च बेल.ट्र.चैंचे.जा ध ३.चेश्ट.उर्ट.श.रेट बेल.च.ब्रिट.चेट ब्रुच.चट चेटचेश वेश.चरेच. नील कुर्ता । भाष्ट्र बाब विश्व विश्व विश्व कुर्ता नील कुर्ता । क्ष च कुन्न वे नि कूर वित्राह्म वित्राह्म वित्राह्म विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्यापत व मुहेश वर्षे॥

न देर। ह्या, रहा तहा प्रहार क्षेत्र, क्षेत्र, क्षेत्र, देश, क्षेत्र, क्षेत 
 वशा
 श्र.२।
 प्रिम.ची
 श्र.ची
 प्रिम.ची
 श्र.ची
 प्रिम.ची
 श्र.ची
 प्रिम.ची
 र्शेष व नार्रेश ग्री मार या लि. सेर लायना व र वस्त्रशार्ट हैं या नार्ट हैं। । अहा व नायार। चतुः हुश मः झामः चर्त्तान्या छ न्याः शुंबः चे द्वाः स्टाः स्याः स्टाः स सम्भूष्-प्रत्ये, प्यामीश्रमा चर्चा या मंजू या यश्चर तर्णा परिस्तिम्य प्रत्यामीश्रमा चर्चा या मंजू या यश्चर तर्णा परिस्तिम्य प्रत्यामीय प्रत्य के पर्णा परिस्तिम्य प्रत्यामीय प्रत्य के प्रत्य क

स्वास्तर्भित्र स्वित्तर्भित्र म्यून्त नाम् स्वास्त्र न्त्र प्रदेश प्रदेश प्रदेश स्वास्त्र स्वास चीर बर्डेन मुंची अंदर मुंची वर्डेन वर्डे हैं ने मुंची यस हमा मुर्केट व मुना प्येव देश हो। । हैं मुना य वेंट द नुगर यें मैं है हुर हुर या मान्य। र जा सेर ग्रेश ३.ज.७.च.मश्रेथा सेर.श्रू द्र.चा द्र.ज ता उता. मि.ड्रा श.इ.ज.चीशश्चरीता सेता रेश्चरा रहेता छ त.च.हुन रेटा छ .ट्र. त ज.मेंट.चत्र.ची हुंच.त ज.सेंट.श्चरी रेश्चराता चड़.ब्र्.चा चारीता त रेट्र.। सुंब.चेंद्र चा चेंता चेंद्र.श्चरी सुंब सुंच चेंत्र ची सिंज.त.ज रेश्चरा चारा चेंट. 

निहमा के सार के सार का कि सीय है। सार है स्था के सीय है। सार है। सीय सीय में की कि सार के सा कं यारेया संस्कार वहव या में रहस दह हैं हूंसाया महिए। दहार्य झूब यह दिनाया वासे स्तर अत्यक्षिता विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र क्ष ने विद् द्रम्य के विद दें के निर्द दें। हिश निर वर विन वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष के दें कि का के रह्मः तर्ते मिर्मकारा नोयारा मक्ष्यं मिर्मा पर्ता। क्ष्यः वार्यः मिर्मा पर्वे मिर्मकाराः देनाः विकास पर्वे मिर्मकाराः विकास विकास पर्वे मिर्मकाराः विकास परिकास परिकास

समिश मुहे। श्राटा ्त्रा क्षेत्र त्राची स्था के न्या क नुस ने हेंब नमें या लग महिम में द वह परे र सहा हि है। ने देश मले बद रर. चाट.चरीचीश.च.पा। त्य.री.र.चोशूर.शर्र्च चाडुच ।श विद्र शर्र्टश.चाडुच ची.वज.च। विद्यानित्री सैनिशासी ये.स् ज्ञान्त्र कि.सपू.सकृष.रा.ट्राइसशालान्य ये ये। ह्या र्टा पि.श.ष्ट्रं स्टाक् यानीक्षमा । ष्ट्रातमाक्षमा । व्यापमाक्षमा । व्यापमाक्षमा । व्यापमाक्षमा सक्त रटमी.के.का.श्र.म। वि.म्यान्य विश् ब्रिट्यान्य वी विश्वामा नविश् मीयाया विश्वामा विश्वाम मंश्र्यः वट । । । विट् हेर् मह सम हो । । हे हि हि हेर विद मो हे न से । न्गार है कि है र व प्रका । महिर वर है लिए होटक व र । । महिर र एक व है महर भंसू सू ब दिट खू. च ड्रिट श्री तिट . यो में सुनी बिर्याश तः देट । वि श्री . या मा श्री स्था वि स्था . यो सुन हो स्था वि स्था च ग्रं बर श्रेमा । जिस ग्रं रं रस में झेंस हैंद हें । इस स न र र में हैं हिं । हैं 

हैं.र्माम.ह्मम.एम.स्मू रेट हाला विषय हैम.समू हाम होर.च हाला वि हार. होत्र विश्व न में ८ हर्य हैं एक लेस है। । में क्रें हैं . भें . सं न न होगा। । वर वे से ह हूं . रायः न रा ना व क क्रि.वे. श्रु भ.रा व. सर रू. हे. श्रु. भूट ता वि भविश रट. वेर्ट रर. क्र्यंश यथ्या । व.सन ६ चटना । अ.संचा । हेना च झ के स हैं दस हे स हो। सिन प्रम के महेना सु नहिन। ।मुं के मुंध परे कु.ज.झूर। अर् नगुना ह मि.से ज.मोरेटा। वि.क्तर श्रेटश रि प्रामाश राजा। स्यो. इस. चि. पश्चेर. प्रह्मी विद्ये स्था. वेस. प्रत्ये विद्ये स्था. विद्ये स्था विद्ये स्थ यम् लेश.च.न प्रेश । ।म्ला प्रमुख्य । ।च द्रा स्था पर चेरा । ।च द्रा मी कुं र्व. रनाप्ता । इन्द्रेशप्तारपुर-पुर-पुर-परा । ११ व प्रत्येखा इन्ता । दे के हैं सर्र व सर्ग हो व स्था । वर्ष मा है वस हो देर केर हैं । । वाल की से वर परे वर्ष्य रोमा ।देव हेर् नाह्मा चन्त्र वेश नुर्हेग । श्री है वर हु हुट वर्ष रा प देवारे खुन कार्यक्र मा । देशायदे तु यासुर यान्दर! । ना कार्या क्रिंना सदे. मत्थ रणर (बु: मत्रे हे या महींका । महिका रात्रे हींका रात्रे होता । प्रमे हे का मत्या (बेका में) । प्रमे हे का मत्या के का महिका रात्रे हींका रात्रे हींका रात्रे हींका रात्रे हींका मत्या होता । प्रमे हिका रात्रे हींका रात्रे हींका स्वीता । य.कु.र्ट. म्रुर. नश स्था। ॥म.२०. मार्डर् ग्री त्रवयः वेश्व. तु। ।म्र्रेशम हिमाशः यः सूटः नुव-५गारा ।विद-५८२ ७ ५ ५व र्स्य-५८ । विस्तिद सुर-१८ सुर-१८ । g.22.1d वि. बर्. मु. मुंद्र प्रत्य मु. म्व. मं प्रत्य मु. मह मुन्द्र प्रत्य । ¥ न्य यान्ये निक्ति । ब्रिंय निक्ति निक । गुन य क्षेय रु स्पेर सं प्येता । रे क्षेर नास्ट लेट स्र पर हा मोर यगेर्। । तसम्बार्के देर महिराधार् हुर्न यर जून र्ह्सेन्-नाये मु हिंन हमस मुन् मुल नर्र है है दि वे दे महस्स य अट हुर मान य नह नमुन हे स नु न न्तर मूर्व र विद्युद्ध । ।सामक्ष स्वाना सम्बन्ध स्वाना स्व IINE. UI 美山村 刻川



## 102.यर. वर. र. देश. महीश. र बिनाश

**\_\_\_\_\_** 

र्रे.चर्ड से.चर.चे च.कु। चिट्टां तार्ष हमी.मीश रेट्रां संस्था । विशेश नश संस्था तार में ती ल मो.चहुर। महास.चरासुर.चसुर। ।चहु.चर्.ज.ज.चेरा च.हुन ५८र वा प्यन.चर्न.च ५८. पहेंद्र प्र त्या स्था मुंद्र हो से से प्र त्या से प्र त्य से प्र त्या से प्र क्ष्यश्र.ज.सैंश्र.चाट्ट्या.रैं.चेश्व.राजु.रींश्र.चाश्रीश्र श्वा े छे.ती.६ चाट्ट्य चाथ्य चमी.६.उमीर टै.चेश्व. प्या ।दे.क्सक. अक्ट्रं हेबं कूबं मूं दे वटा ने विविध्याता अक्ट्रं च प्रविधा ब्रिट्-वर्षित्रा चार्ष्या-च-वर्षा हुर-वर्षा-क्रीट-वर्ष-च-वर्ष-चित्र-च F.

तर प्रीर.स्र क्सश.ये.रथ मी.र्जाय.येश.य.कट.चींब विजाल चीरटा। स.सूचाश.य हूंचा हींवा मी.कूं। 

स्रिम् चाला स्रिम् चाला स्थान स्था स्थान स्य श्रेम राया भ्रेम र् चक्रीर मति क्षत्र को विष्ण मार्थ के महिमा मार्य के महिमा मार्य के महिमा मार्थ के महिमा मार्थ के महिमा मार्थ के 

स्ता हो। स्वा स्वाह स्वाह हैं हैं तह क्ष्मां स्वाह स्वाह हैं तह क्ष्मां स्वाह स्वाह हैं। स्वाह स्वाह हैं ते स्व स्वाह हो। स्वाह स्वाह हैं ते स्वाह स्वाह हैं स्वाह स्व बेरा हो। यन । नड़न न वन मी हैं या तुर्व हुन रहा हुर महे रहे से तु हुन पर रहे । ।

र्मामी महारक्ष.का) व्यक्त मार्थ प्रसिक्ष का है। हैं कि मार्थ पर पर (के हैं।) रमामी महारक्ष है। विदेश की विदेश জা নার্ব. (নীমন্দ্রা) বইন.বইল. (বইব টু জ বর্জা) বহু.জা (জনাম.ব বুল. हिश्र-मार्क्टर-त-२८ किर्जा ट्रिक्ट क्ष्म क्षेत्र प्राप्त कुष्ट्र पार्थ कुम श्रेत प्राप्त क्षेत्र श्रेत क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत् क्ष. २. र. मार्थर. कर्म । व्यय. प्रमा १ र. मी. १ नुकार्या अत्राम् अत्राम मोर्ट्र व. मुंत ने व. प्रत्या व व. प्रत्या व. प् बन्माना नुनार्मन्य वसस्य तर्नात्व रेपुन यो ।नाय नेपुट व मे र्वे र्वे स्याया सुना में । वहना च ने हैंना स सुया सुदा । देया सु व वहुना में र सुना रेया संसाम हैना । रे.चश्चिमःक चोद्धेशःश्च चर्च्सःय। स्रेरःक्ष ख्याचारःयःश्वरःयःचात्रः। स्रेरःसरःद्यारः महिना नित्त हो। दे नित्त हो। दे वित्त नित्त हो। वित्त नित्त हो। दे वित्त नित्त हो। वित्त नित्त हो। दे वित्त नित्त हो। दे वित्त नित्त हो। दे वित्त नित्त हो। वित्त रे वॅट में झु रश न्युम्श प्रश मिंक दश दें ट टें ने ले नदे हिसामा लगा र मार्म न में है में पहल केंद है तुन के मार्मिन ने पार मुहारे। चनसावी वटायर विसानसाक भारति सेर विसान महेता वा विसान विसान वा विसा

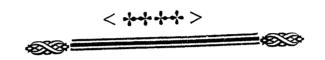
लग'र्डस लॅर्र'चर्रे'रेय युरे मूट्स ग्रद्ध'यस। या<u>स</u>ुद्धारु स्रेर व्यामीस प्रवास क्षित्र चीर च टर.चिट्ट चल सिचा लावर हुंच कुं हिंद्याचा हुंचा कुंचा लावर हुंच कुं हिंद्याचा कुंचा लावर हुंच कुं हिंद्याचा ने कुंचा लावर हुंचा हुंचा ने कुंचा लावर हुंचा हुंचा ने कुंचा मी पश्चार प्राप्त क्षा मुक्त क्ष मार्था दि.यंश ट्रंश मांध्रि, श्रिश मांध्रि स्था मार्थि । विष्य स्था निर्म्थ मार्थि । विषय स्था निर्म्थ मार्थ मार्थ मार्थ । विषय स्था निर्म मार्थ मार्थ मार्थ । विषय स्था निर्म्थ मार्थ मार्थ मार्थ । विषय मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार सिना में सकेन या मासुका प्येन क्री । वाका दुना मी प्री सा है दर । वाका र सर्ना मासुका र्ट. यु. यु क्षेट. । । वु. यो. यु क्ष प्रट. प्रचा । । वु क्ष यु के प्रचा । विष्ठ क्ष यु के प्रचा । विष्ठ क्ष प्रचा । विष्ठ क्षेट्र विष्ठ क्षेट्र । । विष्ठ क्षेट्र । । विष्ठ क्षेट्र । । विष्ठ क्षेट्र । । विष्ठ क्षेट्र विष्ठ क्षेट्र । । विष्ठ क्षेट्र विष् त्रमुर्मान्द्रा । है प्रवेद यहमारा मार्सुसार मार्ग्या । हेसाम ह है शुद यहिया निर हेल ह से म ह्रास्थानाहर। निर्देश महर उद्गास्त मारेमा नाहर। 755" हेश गु. पर्वेट. ये. पर्वेट. या । ते रूप घट. श्रीट. येटे. सुट. येटे. सुट. । श्री. सुट इ. वेटे सुट. 5- 회 1시호 정기 시·5=·3·시 월드! 1등 대·출기 5= 대 취=·월=! 1흥리· नर्से स.र्.च.पट्टी । वच.तुर.चंबट यह सीट टे.संसा । विट.चर.वच.चंट्र ह्र्स.चूड्रेस. पत्र. क्ष्र मंश्रेय. क्ष्रं ची. च. पुर. टे. अच. च. हूं चाया हूं चाया हूं चाया हुं च



## ্তিত। খিনিধ.দিই.চ্. প্রথ. বভু.স্থী এথ. বভুনার।

त्रवयश्च प्रदेश वा व्या अपन्त के स्वा के स्व विष्ण के स्व बै क्विम् द्विवः द्वेदः दमः। \$5.22.1 म्री.चार्क शे उर्यवश.चट्र.भ.खे य महिकारा पहानु ५ १८ । बुदा से असका माहे का बुदा से वा महिकार महिका <u>र्</u>ह्म द्वार न्द्रे म्बाट्स्यसः (श्रुमः च्ट्रेन्स्य न्द्रो) रटा सर्द्राच स्त्राच स् र्ट। श्रीन च समिश्यः यस्त्रे हेना उर्वः (स्रेना श्रेरः समिशः यनावशः तनारा) तर्या:चर्या) म् बर् (श्चन चंबरमुक्षरभ्या) यन्त्रम् मी महेटरवेर छन न्दर् चर्.िस.मीब. (क् मीट.पंडचश.चशा) नावः (२५ ह्युःमी ढं वः हृः स्र वा) ह्य हैं। स्रदेः हें र स्र्र स्व र्पः। मैना शेर छन रहा। चर्.पार झिंच चू.पह. संभक्ष रहा। सञ्चर सैंसारचा चू.रहा। क्रिंट संदर स्थात रे.पा. संचार संच यादे द्या श्रुम् य यम मुंश केट मुंध केट। अर्थ केट मुंग के प्राप्त हैं पे पहें हा मुन्न पर्नर के बद गु में केट क्ष्मिश प्रशा बद गु मा केश मा मा के स्वर्थ गु केट हैं कर्दर वर है। प्रश्निय में केट में कर कर के कि स्वर्थ में कि रे.चस.बर चेश् वयश खुश. हिंद बद नार्श न है सद देंद होर। **65**95 নামুল'শীল বৰ নাই ব'নবুৰ है বুল'না अश्रार्क्र न्याः से दे बर मार्के च दूर मारा में द हो। मार्से च वर्तुन हैं ही वने हैं ही ना नाशदः नदे वदः नश्चितः नदे वदे प्रतिन र्यो बूर्न गुः वर्भव्य न इव च वर्ष्ट्यम्बया ञ्चन हैना सुक्ष यदै वर् न्यू व र र है वर्ना लन्य नहेंर्। मुद्री: ब्रु: नार्के च सु: देना उद्देट: ना वैश्वर पदे बर् नाश्चर क्षर रचर रेन पदे हैं हर। श्रें वर नाश्चर वर्षेर पदे हैं सेन

वर् नार्के व दें हैं क्विंच हव। अडेंब वर् नार्के व वर् रहें देन क्वेंच। रुना वर् नार्के व वर् प रदः मुला म्बार वर् नहीं न पढ़ में के हिल दिन में दें हैं मुहें न रेन पर नरे नहीं । र्केर-व-गर्केर्नुनु-में बिट ट्रबड्र-उड़-है-पु-ह महिम मेश-८नु-नः ह्यें-व-नहीन-प्रस-ट्रबड्र-उड़ ने हैना शुर में से हुए ज्याश (मा राट प्रथा वा के प्राप्त के प्राप्त के प्रथा के प्राप्त के प्रथा के प्रथ रेन हेन लगहा (मास्य नहाने ने निर्मे स्था है र न निर्मे हैं र न निर्मे हैं र न निर्मे हैं र न निर्मे त्युत्रानी ह्यू र न न्दा। दे द्वारा ह्युत्र य यया नी स के द ते स्वर हे नही म पत्री विश्व प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प न्यतः व्या । श्रिकः वर्षः चर्षः द्वारः दिनु वर्षः वर्षः वर्षः । श्रिकः वर्षः वर्षः । वर्षः श्रिकः । च्रिन्त्राम् च्रा वक्षः त्रा सक्षाः वक्षः विष्णाः। वेष्टः स्राच्याः वक्षः विष्णः वक्षः विष्णः वक्षः विष्णः विषणः विष्णः विषणः विष नुकायमे वयान। मा है देया द स उदानी यनुद है खद स लिया है। देसमे खूट में द र्ट श्वर नदे रेम मु नहरस नलन रेने खेट र मुन प मुन स सन



चे.चं.अंट.चं.चंशट.च.भंद.टचं.चं.चेंदे.कुं.ट.ल.चें.वें.लें.चं ट्रंश केंवे तेरेश शहरा. चे.चं.अंट.चें.चंशट.च.भंदे.टचं.चं.चेंदे.कुं.चं.चं.चं.वें घं घं चंत्र केंवे तेरेश शहरा. **SO** वॅर्भर्र्। मिश्र श्रिष.मी संसु देरे प्र.मी.मीलं स्तातिन पश्याला । तर्र. क्याश्रात्र श्र्मश्र संस्था न'षी'न्त्रा सुना सेवा सहर पदी ष्मि.षिश्व.च्.जा ।श्च.थे.चेथ्य.चर.चे.चे.च.च.चेश्चा ।क्च.इ.ट.प्प्ट्रश्च.व्र.चरे.च.चश्ची । विचास हरा क् चौट : चाकेष : चाक्ष दश : या था । चाह्य द्रावा गीय : गीय चैदे:बुरा नगत्र-द्र-नमृद्र-वर्डश्-मृहेश ।क्क्षुत्र मुी:सुट:न्द:मुक्षेत्र:व्ह् **न्**क्ष:य **न्**ट:। |गुर्से न्युनः प्रसुक्षः यः व्यः स्त्रां स्वाप्तः प्येषः ने। ।इ.र ग.रट.धर् रि.ज.श्र्यश्रा ब्राइट ब्रिट मीस सर् पर्देश पर्देश थेवा ।दे भार सर हे के व प्र पत्रे हैं माना यदै सर्हेन तुर द्यय इद समें य तुरा । गुर तुर तहूर पहुर प्रमा मितुर पर सहरा । र्वे. चेडुक्र. च.क्ष. कुर. चक्थर. कैंट. ब्रा । श्रुंट. च् त्य चीट. श्रुंट. चूरू. टूंज. चप्य हुंच श. चर्य। । स्व. चीव. प्रिंचे. च्यूंचे. चर्चे. च्यूंचे. च्य मारमश म २१ थिश गुद थ में श में र में श |बर् अर्च्चे वर्म्याय **र**यम्।सेर् गु८। र्थोदसःसु मुनासःयः वलै वन् सु वलै रः वहेर। ।नार्मसःयः पर्ने र कै स वपे सर् हेर रेव र न्यु। ।कुश.चयुर् दवे च चकु.रेट १.घरेश.लूर्। । लब् लन् मदान्य के के के निष्ठ सहित मार्से देन मानेन से स्ट्रेंट न्द स माने स गाउ ।मांस् वयस जमा जुब श्रिभ ट्यो दैसा थ.लट.।। स्वासन् इन्ने हेन् नुस्नान्त्र न्तृ न्त इ.पट्ट. ह्यूच. क. तथ् ह्य इ.पड्डा । चिश्च. चत्र चे मू वयश परे व क. कंट्रा न-नेनी निश्चेर-तत्र-में जिन्ह दिलामक्सा निष्य अस्ति। निर्मेर-नेन स्टार्ट स्टार्श-त-निर्मेश निर्मेर-नेन स्टार्ट स्टार्श-त-निर्मेश निर्मेर-नेन स्टार्ट स्टार्श-त-निर्मेश निर्मेर-नेन स्टार्ट स्टार्श-त-नेन स्टार्ट स्टार स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स्टार्ट स्टार्

मु महामा । बुनार २२ छम में भन्य गु रही र महिसा ୍ୟଞ୍ୟ:୬**ଟ:५स:**ମ୍ୟୁୟ: । ইনাথ মথ ২ইখ ব্⊏:≡ব্ ম র্ষ:খ ন্}্। सह ए है ज्ञा नाइड! 1최도 21.4. रेता नाश्चित सं च च च मुंद्र प्रमाश है। । यहूर प्रमाश है। है से से प्रमाहें के ह्या है। । यहूर प्रमाश ारे के केश रा दश मासुस सर्देर र सू**श** भेदा ८८ अद्विश च चर प्रश्चित्। इस रूर. । इस दिया देश स्था स्था देश स्था दिया दिया हिता। ম শূম প্রথ:নাব্র ৡ বর্ব:শূ। إهر. यरे दः वर् प्य स्मा य नावशा । द्वेर व नुना उव वेद ने क्षेत्र स पर्। ारे असः रः यहैत दुर वर्देर केत यें सर्वेन मि सडेर्र्रिसर्देश्य के के स्ट्रेंर्य सम्मा 17814.25. म्बास्य द्वारा द्वेर स्थार त्रुटः। । इसेर म र्बेस म इस् हेर्स रमुन हेर हार ।মীশ न्द ना हुन्। सं न्दर स्ट स्ट स्ट सुर। । ଓଷ ଦ୍ୟ ଅଟ୍-ମ୍ୟୁକ: छुट य: द्यव:य: है। াষ্ট্ৰৰ ।देश होत क्वेर-दर्श मध्यमा खटा वै या ध्येत। है सेन दूर वेद मुझन रहें। 122. क् न्यायम्बर्ध ने से सहुद स्रेन्डिन स्रेन्डिन मी मावस सु दर्भ य र मार्सेन य हो। क्र यालेन यह तम बिनाम र ए ने नाम केंग | इस मानसा सक्ता या केन ने ले पर्या ांट रेट लट. क्षेत्र श्री.च.च हेव रेचाश रेटा। BL az .Ус az . 을z. ay 회 m 회의 SE. क्ति नहार कर गुरान्य दर नाष्ट्र साथेन वर तिनुना दर अमिडिन, दुश्च रेशी ।ञ् श्रीर जिस के हैं हुँ उद्ध**र त**हेश रेचाश । अ ।टियो अवाश अर्थि श्रीयोश रेचा**श रेट त**हेश रेचाश। ।अ इन्। वहेर दर १० १ व इमाब य द केंद्र चार्टेटशःस्ट सं.चयोटःरंचीःपीज चेत्राः ।वस्त्रशं चर्टेटशं मैं.क्रुंशं श्रम्निशःक्ष्टेःशःसिशः यसुरे। ।शटराम कु.पश्चरास्रियानायहरारचित्रारा। ।थि.पर्यात्रास्याने पार खूट चर चुर मैं .लुरा मिं ज मुेर मेंश टक्स खेनाश नाप्त खूला ।रेटश श. रट हेर सहर जून ।अ.इस ट्रेश सुर ब्रूस रट मुल इंच प्रियोश। ।सेट स्ट. चर. सिना.च.कुळ.२४१.म्ट.सि.च। विश्व विद्यान्तेच.लूच मुध्यत्तरान्ते हैय। विश्व यदः र्वतः यद्वेतः यदाः यहना यरः वेश यरः व। । वहना ह्ये वनायः यः नायः नायः वः वायाः । इ.२.मैं अ.र..११ । १११ मा वर्षात्र हैं रे केंट्र वर्षा

185 25 ट्ना यर हिए व नावस है हिन यर नावसा नानशासाहीयान हें न धेन। । मुँट वार्थ स्पूर वि न इस केनास रेग मु नम रे दे हैं। बु नरे पक्ष र होर न रहा 19 회소 로너 Hal. शिमिश निश्वाले न स् न-नद्य स रहा ने छन यर विंद व नावसा 周日58.美元 । बर् गार कुर रूर समुख या झू हु देना हिर यर कुं सर नावशा (월도,설,옵디 ME. । हु = द्र सिष्ट स यद ग्रे सळव है द दे। स बिद्र निवंश ता निवंश ।वर्.यात्र श्रुधः भिर्मिश्व त के हैं है सर्श तमि हिट माने =। 리트 최. 강청 之도. 비 저 때 शिहिश यस पह रूरे निर्मेश १८। विश्व डिट्स सेन्स्य मुद्द सेट्स वर हेर्। 13.台山、少少 । यन ग्राम वन्त सुस सहेत ना वहेर यह होना विभाश हो है र है व है सर हो दे सर्वे विभाग हों न दे हैं है है . मर्वेद:सर्नानासय:बुदा क्तिंद्यम् स्थासः पहित्र त्त्वम्य ह्व अस् सेदः वेदा मार्थः चंट.रेट मुं.तर मुं। चटः नावब इं क्रेंना है पर नु विश्व वर् न न यम केर ने भेर हैन नेतःक्षेदःनादसःस्यसःगुदःस्त्रः मी | इस प्रेन प्रसः क्रीमार प्रेन हैर पह पर नेपा भेशरा बिटश क्योश.जा.चोरश.वट हिं<mark>मा म</mark>ी ापि न खि. अय्ये च नित माड्ड प्रश्लेष हूंचा हुरा । मुर सेमाना पर नावस सर य मर्ज सर मूर | वश पह राय स्वाय मुख हुर से रमूर यम् पड छेर कु मदे बूर न्या में देंर छेरा ाञ्चय छेन क्षेट मादश हो नि पर्ने प सूचा । सबूर गुरे.धुचे.ल.चोबश.बंब.चंडचंश सब्रूर.गुरे। ।शर्म चंश मत्याश चंबश सच्या अस्ते. अप्रिश त.बैंर.गुरे.अष्ट्रश.चंबश.पिचा.दे.बैंदा ।श्रिंव.गुरे श्रेट.चंबश.प्रिंग । समिश या मूर होता सके वा नावशामन हैं चूरा नाबस नेवट व्याप्त होता । विष्ट्र होत् होता । विष्ट्र होता । विष्र विट. उन्नुष. च. नर्सेश. भर्नेच थेची शर्मी. मू न. इस. वृश्चिम. प्रवेश. चर्चे. देवीश चर्चेथ च भिन् तिश देश कूर्ताश श. तिश. त्रविद्। । वालय सट वेश म ने त्य नेट कुम नेत विश्वानीट मिट पर्टर केश च लट क प्रहीं निकेट हो रेटर हो. मार्ट्राः श्रृतः डेर् मिल्रिका च त्येये द्वाहा मि मि मर्ने चि की मिना ह्ये के प्रतिक क्ष मुख्य हैं नहिंग छैं।

াবনুষ শুষাপ্তির হ'নাৡ৴ছেলই'মাবশ্বমা सर्म हैं हैं महिम्ह सर्म रेम प्रवेश १नास ८६:२गा२:झेनास सुनास होता । प्रिंट क्रिंससः ख्रस हैं :सुन: ५८: मारामास! । मर्नेन नगर सुस मूद महित है प्यंत सम हिंद। । हित हर हूं हुट रहेंस हिट रहें से ।यन् गाव : बन् : य वर्षे : यहें दशः सम्निश वर सर्ना असश सन्ना में रूर हर। तथ.र्जट.रेश.जुला ।थ.कूर.कुष ७० जल ब्रह्म ह्रा.रावय.रविल रेटा। ।रर.प्र.सिंच भट्टिंश. तथ.र्जट.रेश.जुला ।थ.कूर.कुष ७० जल ब्रह्म ह्रा.रावय.रविल रेटा। ।रर.प्र.सिंच भट्टिंश. च.र्जट वेश.लुरा विच्रहरू ट्रह हैं स्वर मेर वेश की चलेटा हिस.स बैस च.रट. स्वर.च.र्थेट मं.रेथा हिंद रेट.के ट्रें.पर मेर वेश लुब है। छिब.सीट.श्रष्ट्रज. ।नार्ड र्वेक्ष र्नुं कर्र म् मुर गलक मुन् उदा । **२मे**)य.कु.५ेश.षश.४ईश.षश.चैंट। कुर उन रे मुद य रद देनास नास्त्र्या । नालन कुर उन ता सन रेस हिस सार प्राप्त । सन विष्यं र अध्य महिलामहिना र पा सेना पा मुन र्टायनुस्य यानानस्य र्ट हे म्बंभायनेश पर्वेश जर भर्ष्ट्रिय दुना रच प्रम्रेश नाश्चिम श्रीर यैन । नाष्ट्रच नाश्चिम नाश्चिम नाश्चिम नाश्चिम नाश्चिम IEC मध्य झें.यश.रेते.य हे.यट.मोर्थश स नगर रक्षे में भी भी भी खें ये न नन्। ।तूदः अप्तिश्च २५ ग्वनः खुश्चः **ग्री** वदः प्येव दे। 1955 म्, वर् जा प्रश्न श्रमक्र रचे च चक्रेश । नारक गुँ दर्भेष चका खब हुव नहेम वा मोर्बेर्। क्रम्ब ले झूट गुरे खुना सेमब गुँ नेना क्ष र ५३) प ५ पना ५ के प्राप्त है। 13ेश.च. वै कर ह्ये वर तस्य क्रेक्स स्ट्रान्य । मुः य अत् पृथ पुः अदे देग्य प्रमुदः यहा मर्बर मुक्र मुक्त स्था ड्रिया.दश. नन्गान्यन युक्त ने क्ष सर युद्ध के मुंद केसार नहेंद् मु सब में दर्दी اِئِ**تِ**، IKC. न्त्रे में व प्रश्न श्रीम में तुर हर देगांस माहेसा यम् रवे य वर् नाहित्वर रहा बट रचे.च.देश.तर हुनाश रट.नावशा । हे रू. नपू रुचे च विंट अधिया नर गाय ना खेया 를. ।स्रहिश वर सक् मक माठेना नर गान वर सके है। वर् प्रत्य मेर मर्ट प्रमुख है न हा मन्द्र वर् म्रे. सर र वे क्य रूपा म |æ.∆. बर इनाश्रक्तामार हर व देव हैश शर् निट.च.भ ७.भ ३सश झैनाश.टेना झैवा मु क.टु.येचा.पचेमश.पर्विचाश रूभश **图**4. हिंद व भूष रेट सेर जनाब कर रेट पड़ी नव वि देर र्ट रख दूर सि.चन ब्रमः न नर्ने।

मिट वयश होने वर यसि स्निया है स प्रमाणका। त्तुन्थ में वरे ति ह्यें वेत्रवहेत वेत त्रा विष्ट्रिशःसदे वर् रूट हे सू महिमा महित् प्रमास महित् हैं। र्हर प्रमु र्म मुख रम् किं तु से द्वय न्वः यतुमः केन ह्युन् इन्। हन्। सेश शायवंश दृष्ट सुर आद्रा । नातस गुँध द्युं च सर्गे सेना इ नः মর্ম্বর মার ব্রি বর্ম ব্রু ব্রু ব্রু হা বর্ম বিগ্ৰহ্ম বৃধ্য সমূহিল বা সু সূতি কু 5= 1 हैं। भि.रट भवीज.त.धें हैंड्र-.भकुर भकुर.भिया सन्दर्भ । अद्य सहस्य तर् स्ट्रिं सळव तर् मह र्मु र्षि क्रेन ब्रो तुर मर्दे र्मा सर्हे: 1755 है हैंद में नहार सकेन नही । विश्व सन नमुद्रस स्थानमु नृद्र नहुन ने क्ष्म ।।ना३न 16.토화.외도소. म् स य. मुं त्या झुन मुं र्। ।हेन न मुं न मुं हन सम न महेन 黄马克四季科。 विश्व.य.क्री. क् लाट चश्रुष प्रहश्च रेट हिंच। र्ट श्रुर.च वि च.चाश्रुश । ब्रुट वनश्र वः सु से मु रेल सु रूट। 三元 夕陸 नमुर् हें से तथ पश तमुहा ।य छोश हेव. हिन में संक्रियं के विष्य समित है। श्चि ह्यूश. [출다회회 월수 경우 제다 구다. 홍리 다 모델다 ] ਭੇ**५**-ਭੇ:५८:वर्जुय:व:५र्जुट:। 138 \$ 95 6 5 5 6 5 6 6 1 A 5 6 1 るだが 123 리·엄도도, 휄로 대학, 현 H·호, 그렇 मामतः में बतेर न्या केर रें उ क्वेर। ।जब के छे. यामर कनाया लेक लेट न्यर में न्या | भूर य से हे क पहना क्रेन पहल में । हे जुना बद मार खेल **प**र्छे त्यहा य.श.मा विश्वासीय श्रम्थाने प्रवेश प्राप्त है। 13. श्रेट थ. मर्ट्रेनेश खता कुर चर. चर्चर.त। । श्रदर.व.र्. लूब.धिट.२८.सप्त्रिश.व.श्रुपा। किं न मन कं नर कें नर कें में कें में कें में ।श्चर-चर्य-वर्-गाव-संव्य-मेर्-माल्य-से-श्चेरा শ্ৰসন্ত্ৰীনা

। नाशुक्र व्यं का नार्ने नाश्वास्था केर अहिशास वर्श्ने **ना** म्निन मु मुन्न रहं नट है में ये ये । ारे दलेकाळ पारबेकार्यास समानेमानूदायामिका। यन कुं न उर महेन र्नास मन मन हे न 'यर हैंद सहस्र है सहस्र हैं हैंद. यह हैंदा। मीट कुंग मीथ किंच नहां विश्व के प्रति इ.क्। वि.क् रहे के से के लायन मा वित्य हैना के ल मा मा नित्य में नित्या वित्य य १ पर १ ही १ में भ मुन्ना । या ये १ १ हमा १ मन १ में १ करा । सर्व क रव देना

 
 कि. जून. ना
 13 के वि. जून. ने ना

 कि. जून. ना
 13 के वि. जून. ने ना

 कि. जून. ना
 13 के वि. जून. ने ना

 कि. जून. के वि. जून. ने ना
 13 के वि. जून. ने ना

 कि. जून. के वि. जून. ने ना
 13 के वि. जून. ने ना

 कि. जून. के वि. जून. के वि. जून. ने ना
 13 के वि. जून. ने ना

 के के के ते हैं.
 13 के वि. जून. के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 13 के वि. जून. के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 13 के वि. जून. के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 13 के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 13 के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 13 के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 13 के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 13 के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 13 के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 13 के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 13 के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 14 के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 15 के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 15 के वि. जून. ने ना

 के के के ते ना
 15 के के के ते ना

 के के के ते ना
 15 के के के ते ना

 के के के ते ना
 15 के के ते ना

 के के के ते ना
 15 के के ते ना

 के के के ते ना
 15 के के ते ना

 के के के ते ना
 15 के के ते ना
 कुं.रैचोट.ज.शूचोश रेंश.च.चुंश.चर वे। विष्य पाट सर्व.चाकुर त् हुंचश हे.श्वर। । यहेचा वरका हे मा अर्बेट मा केश मुक्ति बद्देश मा हिटा। । प्रस्ति माले वास दमाना न के स्पेक्ष हिंदी । पर्यट.चन्ना । नाम् वृष्य रेनी.लाम वर्ट नमें त्र में हिरी । जना.लाच मक् पर्ये पर्ये हिरी मुद्दिन निर्धा निर्देश रेष पर्श्य वर्श निर्ध मुश्र पर्टेर हुर मौजा हि डेर त्राये. त्यन स् न न मुं स् न न मुं स् न न मुं स् न मुं स वर्षियाश.चत.वर.की.याच्चर.याता.हेंचा वर्षेश । । । यक्षेश.सर.वयायश.सर प्रवेश रवियाश.स. वर्। भिन्यानुः श्चे र्रा वहेर नेर्नामाय क्के.च.रटा । १९८ वि होना मुझ चनाश वर नांस् च.रटा । मूं वर हिश च प्रमंश रटा 

है क्षेट स् नाकट र सन में मुद्द सका चार्रा वयर स्पर्टें यह व स्व र यदे र यो द र हे । महिस ।।ইল:মধ ই্গ.মাই::এইই:এইই**:ম:६।** বুন্ধ শ্বন্ধ প্রমন্ত্র কর্ ।माले क 'तुश्च ह व' सर बद देश'माहुट'। । प्रहे ह गर्ने ह देनारा पट नह भेरा रहेवा । व देन हरा लेंग्या सामर स है पर द्या रम् य मार्मिश होत्र रम्मिश ह्रिंसह र्स देर नहा । वि:म्बस सहिश सदे कि वह प्रदेर ।सर्च्य-मार्थ-सेना नाश्वमास उर्देश-श्र्रेशश-नर नार्थना च् ए.श्रेवरा सर्देर मुक्ष रामाक रामा मुक्ष स्वा ।सुना नीक रुक्ष रा दे विकास माना स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स 之意. ৰ্ত্তুস বৃদ্দ অন্ত স্থান স্থান বৃদ্ধ বাদ্ধ বাদ্ধ। |मर्कें मीं देना पु क्षेट प्ट क्यू मदे हा 1म्ब मु दिंग र अक्टेर य व परमा । युना मी दिंग सार स नार्थे व राम य सेत्। 192.रहे. व्यन् नायकाः क्षुतः यरे नार्भेतः यथः वस्। । सर्देतः देनाः मुं वेदनः नुः सकैत सिह्यः ह। । सुना देना स्रायय स नाथस र इस र चर्ना ।रे.रमा व के.स.सेय हेंब. ह व्नेन াট্রগার संकृत मिन में या विक्षेत्र वर्ग । दूर्य स्मात्त दुस यह मिसस स्मार दुने। । दुनेद नासुस सकेदः त कुट विश्वश्च यामुं श्वा । रिचिर मिश्व श्वेट ६ मे विश्व हे ता श्वेस। ার্কুর নার্থুম স্থ্রু. च क्रेचाश प्रभवः क्ष्टः जः क्षेत्र। ।रेचीयः (इ.व्र. स्ने**र** डेरा) चीक्षेत्रः श्राप्ता भः क्षे.पि**थ**यः प्रहम तार्मा । सम्मक्षा (लना पर्य प्रमुद्दा साम्बर स्वरा अव स्वरा अव प्रहेर प्राथन प्रिम्म रीट यात्रह्मा । प्रिन्द्रिय (विद्रमें क्षेत्राक्ष क्षेत्र देर में वा अर देर में वी वा अर रतमोशाश दताष्ट्र ठ वही) स वु-त्नु-न्न्निश-वहिसाय वहना ।स-त्र र ह वुर-द (सारकाम्मा करा कारकाम्मा करा कारकामा करा कारकामा करा कारकामा करा कारकामा करा कारकामा कारकामा कारकामा करा कारकामा कारकाम कारका क्रम् भी । दे वर्षुक्र मीट क्रम् मा क्ष्म मा स्थाप मा स्

हि तम हुँ के कुल हैंद हुन के हैंद ! | 京臣型。 विवः विरः विरः यामारः श्चिवः वः वः वर्गम । यह लाह सु वे हिंद में हु सुना वे तिदा اعِيدَ. ह सं. मूंसश सिन ६ परीर . ज. पर्ने ज। | तर्मास्त्राचित्र स्वत् स्व सि हिट स्ति स्त्रोस्यः। 175. क्र. हव न हु ह वे हुँ द य कुन | देशक एटे. कि र पुर के से अमुर्याक. योज् المّ: ١٤ क्ष सक्षायरी ह ने छ्रा यान्या । हु र नुना हुन हु र प्रनुना स सर्गुनाय लर। ।श्रेवः मुंशःसःर्मा छैरः मूँ ससः स मुंशः ाश्चमः वर हेर् वर ति वर है **इर** वरा 13 59 इ.पंग्रीच कुट. ध्वा. ६ परंगः भ्य श्वा । त्र इ.स् अक्रुबे.सेचा. १ स्थापण श्रेट श्रदा (ग्रे.बर.चर्चा) महें व हा में केंद्र वेंद्र वद वहना रि: संश सद्य म स दर्श-वर द्श-महित। षर हर सर हर रेन ह रूर रूप हा महिन (८६८.४) । मिलिन (८८८.४) है हे नश् (क्रुन हिंट, होरे ता) इ.स.क्ट.कुंच बचात्रचं क्वांश्चा । अकुर (चालात्रचं क्वांश्चा) । व.स.क्ट.श्चा । व.स.क्वां । अकुर (चालात्रचं क्वांश्चा । व्यांत्रचं क्वां चात्रचं क्वांश्चा । व्यांत्रचं क्वां चात्रचं व्यां । व्यांत्रचं क्वां चात्रचं । व्यांत्रचं क्वां चार्यं । व्यांत्रचं क्वांच्यं चार्यं । व्यांच्यं चार्यं चारं चार्यं माड्डेच. (अष्ट्रव.ता) माड्डेश.माश्चेश कि. (अष्ट्रट.ता) वच्चेट. (अप्तिज.शा) तथा। संदेच.श्चेट्रेतशा शिप्तिज.१.श.ष्ट्र श्चे.प्टे.थे.व प्रचेटा हिंदेन. (श्वेटा) विचा. र्बेर्प्य वर ब्रॅर्प् पके ब्रॅर्प्य के ब्रॅर्प्य मुख्या ।वर ब्रॅर् माद वर्ष के प्रय व रुष ब्रेर्! ।वरे ब्रॅर् (\$\frac{1}{8}\pi \text{Q}\text{1} \text{ | 12\frac{1}{2}\text{ | 12\frac{1}\text{ | 12\frac{1}{2}\text{ | 12\frac{1}\text{ | 12\frac{1}\text{ | 12\frac{1}\text{ | 12\frac{1}\te पक्षेत्।) मेन्यम हेन्यम हेन्यमे । पार्निक स्ति (पक्ष्म क्रमोर्नेक स्ति।) अस्मान्य न्या पक्षा । प्राप्ति प्राप्ति क्षित्र प्राप्ति क्षित् वर्षे वर्षे।

 
 अधिवा ।) स्र शिर्व स्था । विश्व स्था । र्ब के पर रेबा हूर (बर्च म ट्वीर पर्टा) बु.मार बुट्ट में एवं बर रेविया र्शे द्र प्रदेश (पर्शे परेचा ।)रूपो सर्मा ।एट. (स.मीट.प.जा) त्राप्त र्थे प्रदेश से ग्री त्रा विश्व वि हुँ र य बहुन । नार देश हुँ न देर सून हुं श (मार्डेश मा ला) वहेना सर दे। ाहर श्रुंशश विप श्रुंश श में कि दश। हिंची. (इट.बैट.।) ट्र इट (श्रैजा) वैट.सुटे.चर. ट्रेच पर्च सर पर्वे पर्ट श्रुं ट्र सर्था विच.स.३ क्ट.लेश र र.सु ट्रेच.श्रुंशशा वि.स. सबय विमंद हिंग ।(क्रा व स्य म दा हिंग ।) में ने हिंदा न्याद क्षेत्र दाकार बदा होता । ड़ेर कुट लूच इंश.श्चेंचे ल चरा ।चेंट.कि त ट्च.रे.बर रश.र्ज्ञ.ल.श्चा । वंट च.ट्रे.श.केंट. ल. न व कुट में ट देश मा मि. र्नेन र्नेन हैं गु प्र यहुना च दे। । द्विर ह्विट न्नेट (शर्नेन रगर श्वेर हैं हि गु प्र सेर ना) भर महिरात कर्ना । निसंस सेन हैं हुं गु अ सेन पर्ने हु। । ख़र हूं राकं भर रिं र्च मूह्त भीता । व द में हिंगा भेर द विंद केंद्र हुंदा । मूह्र द के हिंगा मेर द मूह्र याद हिह्हा। ·원<mark>년</mark>회.열. होर नुनाब हा न स य द तुना हिन द हिन द हिन कर ने र र के हैं होने र स्टा 175 प्रमुन्थ रुसर केर है कि गु भ के। । ब्रेंट इंट नेशर मोरेटश मोरा इंट मि.ट्रेंग ह्यां । वेट. । क्रुंट कॅर्रन्सर क्षेत्र क्षेत्र क्ष्य स्थान लय स्थर हराणु स्य वश्चन वर वर्षा गु.स.र्. है. ५२ वर्षे से देव बच । उक्र वर्षे छ ने छन ५२ में इस बच्चा বিভয় गुट वर्से र से द र दे र हैं ह प्येता । हैं लेट दे क्ट गु प हों व से दा । । वर्डेंस गुट

भू प्रमीर योर यह ४ ४ ६ ६ . लूबा विंद्र संकद् वर् क ह कर वर् दर् | | おおこ あち बिट अप्तिश प्रिना नट नर नन तक है औन। । इसमा के कन : वर्त्र व्यान ने न वर् । সামল বৰ ধাৰ বাৰ দিব ব্য মিনা ব'ন্ঠ। ২<u>५ বুলা</u> ব**५** ২ঐ:ক্তু:অঁবা १५ ६ ग्र.ल. । कु दे श्रेद पर्दः मिर्देश ह मार महर देश दे पर नु मही। ধ=ধ-ধধ প্ৰ.জুন পত্না । सर्ग वें क्षें र नम्बद वेंग नवदे स न्ता नाउना ত্রমাস্ত্রম নারাক্রমানের্ব। नियःश. 1294. नासुस्र झुन्स से नार्व मी स ।नार्भेत्र नासुस नुर स निद स निद नी स। ार्ज हें देवी कू ट्रांडिंग प्रधियाश मध्ये १४४। हिंची. माशुम य सेस रट र् तु ढंदै हा मुन मेंन इ रेट दट से स्नि रटा ि भ्रम श्रीमश्रापर सि मानार वैद नि । । अस्य मुंद व नहें द पते झ सुद्धा नहें का । अ बर वर व नहें बर नहें ह नहा । । य ातु करे सर तुर वर माहेन स सुदे करी। है हैंद.त् नश्रद न.सर् दम में मुंद.लश.सर्वेद न श.ज्र के म नक्न नद लेत हैं हैं मर्टो । 🏂 । । तिसिमाना बु. नाय प्रनाना निष्ठे क्षा प्रसार नहाया । । ने नहार पर स्ति ना है हा माने हा |हेमास: द्र ट्रें निकेश मा नाट प द्रा । र्रे ट्रें नाट ता खें हेनास कं न निश्च स.केंद्र बच्च मुंच नहीं । । निश्च स.क.चीट लिल. नेस स्था मुंद्र। । । निश्च स.क.चीट लिल. नेस स्था में हुंद्र। । । निश्च स.क.चीट लिल. नेस स्था में हुंद्र। । । निश्च स.क.चीट लिल. नेस स्था में हुंद्र। । दर स सिंह प्रा हे दर हैं द न निवा । हिन मुट सक्त मुट ले हरा न न मा अध. हुर्- पक्र. लीव. वे. नहीं तथा नरेट. तथा िक्र में ज हुं रेचीस में ल परीयां ार्ड. त्यः अस्तिकः नः प्रकेतः नवे क्षेत्। । दिनाक प्रः दे विकेशः गाः के व क्षेत्। । दे त्यः यर श्रूट व्येष वर्रे हनाश श्रूट वा वि देनास मार प्यर हें में के नर मानसा निन् हिंद नुक्केर यह हों त्यु नक्षेत्र य रहा। १८५ वर इर वर खुल ५८ ५३ ५ ५ १ ५ নি ন

र्ये वैश्व यः यह गृद मूद व्यव हे। । क्षु व गृद्ध के दि हैन वन र्वेम अधर न खेड्र नेया विषय या विषय सेर दश्य इस की 'ने दहेश माससा कि. हिं हे मिट हिटामाणु थ मेर्। ।रे य नर कुटरसेयानरै हैन्सार्थेर व । 'हन्स रहारे में नहिंसामा नहीं न भेदा । दे त्या सहिस म द्वेस मदे हनास झद दा । मु हनास हम स्टि में मूम पर नादर। नि कुं होर क् य नाय रार्टा । ह्यां यर यर् गाव क्ंयं यर यर नाय रार्टा । ह्यांस्य सर द्रां स्था म् चार्थस में जिसे चार्य विश्व विश्व विश्व के विश्व वि हुत नार्निश्च द्वार राष्ट्रेश ।नार्नेट कर्ने हर्नेश (स् ह्वेनाय प्रहानाय मूट नार्था) माकेश ल्ल्ट्री | वि. च.मीट. पप्रे. देश शे श्रे श्रेट्रा | विश्व शे श्रेट्रा प्रस्ति श्रेश विश्व प्रस्ति प्रस् प कु लेश व में त्या । विश्व में स्था में त्या मे त्या में त्या मे निश्चः च अर्थ ह्या मी क्रिंट.जहां प्रस्थि चालें.चाल.पंचाचा.चहाल चत्रं लांदे हें.रैंचा सर्हा। ।।वर्डसं कुं में दूर राष्ट्र में कूर मंदी । । स हैं वाश हैं वाश वर्ष मारेट स र्वेन अव.रंतिर अश. श्रेर वर्षा । अचा. हेर् थ. प सर सर सं. वर वर्षा । हेर्चश. कि वर प. अस. श्रुं र स्थ्र रेट रेत्रे । अस बर्ट सं. वेर अश पहुंचा इथा तथ चर्ल्सा । मिट त्ये रे चत्रक्रा वर्षा वर म् ल्या माइव हो व प्यस् स्मित् च हिंदा । सिना प्रसिना स ना हेर वर प्रस् सर् स स व प्रही। श्चर पुना वर त्या नवर सद्द नव्य स्था भारत । वर्ष मात्र प्रदेश मार्च नवर सद्द मिन्स्य च स्व दे दे निष्ठ विष्ठ व श्चर-य-क्टर-दियु-पश्चर-श्रद्धतः विद्या विद्या-पर-संब यश्चर श्चर गीय-पर्श्वर ता न्याक्षेत्रः lb. 왕노.왕.퉑 la 吳ơ 오c 리노 궁녠소! 135. में नार प्रेम रे केर मर्डेश या मारेशा र्याम्बर्यायम् स्रे वसून् र्वेटस्सुस्स्या । वर्षः य हेर हेरः वर्षे वर्षः 1953 प्रेने : भेन : नः सं : प्रेन : भेन : नक्केन |उद्ध. ा ह परे न अवय सहम परे उपयुरा गाप्तर् नेत्र क्रिं क्रि ।मानेवः |WE'4'शे र्व'दक्षे'लेश'म य मानम्बा मिंत. ।यन् हुर मूर्वाबाब ने घर मौब नहे यर है। त्येय प्राची के व के न विषय हैन 195

। २ ऱ्**स**-मासुस्र : इ.मी**स** : ८३ हृत्य : चै : स मानुसा यिना बद्दा सिना स् स खंदा पर्टेश पर्टा ने दिराय होना मान्य वाह्य स्था |বৰ্ণার বুল| **ভব টুন বংবছু**খা**ঝাল্যব**। नहुस नावे व र्येक स नार्के न ह्यान य हैन। 'न|च'कद सूद'चदै'अभे 'सुर'र्देद'गुैब'स्यू**स**। । है.क्षेर.चंट.चन्ने,चोड़ेब स् जाब स एचीर। त्यपा मी. हूं व. पर्ये झव मीश वर्या होंटा। बर अ श्रिट बेश तिविवाश ह्रेच कि.उ च्यश उर् । इत नामाल व ही श हूर मार्डेश वर य रेशः। |বুলৰ বহাৰে ম জীৰ নাট্ৰার্য বহীব। न्मवःवःस्मानाम स्माःच सेनासः यन्नासः सः। लेन्। वस वर् निव वस वर् निव के क्.च.झ्रंचश.७४.४८.ज.क चढु. (च चेर. १५ वी छी हैं हि दशुद गुँ है। द्वेश यर रहरूद य नावक गुःहा अधः यथः यान्यः नातः यान्यः अवः गु हर्ते । हिं ते वि गुवः अवः से से। तुनाकः व्या ।मूट्य क्ष्रिका ठव वर्ष ता अ नि क्ष्रिया । ने ख्र स स्मेव वर्ष मुका क्ष्य । मूट्य स ।यर गार वर वा म य वन के रहेन। বৰ শ্বিদ্ৰানীপ শুর্বা ।य**५** णवःसःवे:क्रुमः**५**मः | अम रुक कर के निव कर माल के केंद्र है। ध्रम्रेश.धर.ध्रेंच |XEZ. - LE 대신 호환·별다. |୶୮ଽୄ୲୴ୡ୲୶ୖୄଌୡ୲୳ଵୖୣ୶ୡ୳୳ୣୠ୕୴ୄୢଌୣୖ୳ ର୍ବ'ସ୍ୟ'ୟାଧିକ'ଛ୍ରିୟ। क्ष.चश.चर ग्रह. ।ଜ୍ୟ.**୧.:∄**ചി.ଡିଏ ୯.୬. किं रेश. बर. ज. परे न कि हैं श्रुश या बि वस हिर महिरा हिरा |नावस न्यत्निनिने से से दे हि दहेत दे। न में 2 श्रेमधा निवास्त्रीम वहेव मा वें वृ त्ये व है। स्ति सम्बन्धि स्त मु । शें द्र न्येर मी में देंना ।र्रेग स्वेत पति धेस र्रेन् ग्रेम तहें र भेता ग्र.यं.यंटा श्रिमिशास्त्रे मिक्ट्रिं हैना ह नाक्षेर से हेना |ন**্**শার্কার তথ্য নম্ভদ নাধ্যম। । सिना मी हिंदिहें देंद से अपन प्रा ।<sup>©</sup>.श्रंर.।घ.४हूब.धप. उ.श.रेर.वे.चश्चा श्चित्राद्यानः श्रॅ सः राठ श्रेटाख्यः दे। **河(美)皇(ち)** । भार्ने व त्याम पहें व हा है मा |मी.पू.महास क्षेत्र मूट नके हिः वि: यवे नि: यहें दें ना सुर र हें व रगार। माय वन

| शे. पर्ये शेंचा. श्रीय. जुट. क् न्न नु जूर | विशेष के प्र 2. यें. लू प्र बूर्व बूर् । বহুষ । তুর ব বুর ব দুর বি নার্চ। रे.रेच.चार ल चार रम्ब् १ कुंश.तर.वी लाट य.का क्रीट. इ.श्रंश चब्रुश च हुं। ।क्रूर. श्र हुंय च.त्री । व्यूर. त्या हैंय. त्युंश च्यूर. त्या । व्यूर. व्यूर. त्या । व्यूर. व्यूर. त्या । व्यूर. व्यूर. त्या । व्यूर. व्य इ.च.स्य व.मुच लूच चेन्था लूच २४.चार्च श्र.मुच. वे वाब ८८४। वि.च.ट्स. नेस-चड़न ८ हुन ल्ब-चड़ेश । कुर-चीट भक्ष चीट सम्रिश नतु क च-चाशन। । प्रहास चर-स्थाप व हुन ल्ब-चड़िश । प्रहास चर-चड़िश । प्रहास चर-चड़िश चर-चड । शुर्र रम् शुर्रे व्यवित्र से दें र नासी । दें र ষ্কুর বর্ষ ম রহা মানুষ বই বুশ বৃহ বেইবা अक्ष.चक्षरं श्रेष ह्यूर चेतू. प्रेंट. श्रे. भववी । श्रेच. व. ताट. श्रेच ट्येट कट त श्रेष परी। । क्रेट. ब.चाट.कर.चर्मेर्ट रम्ब्रा.सं.ट्र.पटा ।र्डस ब.पटे.च.केचा.कर सुर.चर.सकेसा ।तिस. बिट्यान् मुं पर नम् रहरे से नास्या मिं न विट मं तर नम से हेर्न नम् । ने सर नेम व. तर्षु चे दे श्री व. तर प्रचीरा विचे दे हैं हैं ए च्. चीश ट. च. श्रव टची ची. चीर प्रश्न प्रव्य व्य वकु गुः वर रामके में हूर यह लेख है नर्व महे। अव्यास है। । अर्थ निर्मा निर्मा । विष्य निर्मा । विषय मुनारा प्रहम है वे उ क्र.ब्रें-.क्रा ।रिवेर.क्ष चर्र-.पद्मेच रेचाश.सिश्च विच तत् ।रु ल.रट.म्.बट.ब्रेंन. मूर-**र्म** सम्बद्ध **१**८८। ार्चेर गुज्ञ नद्देन इति स्वाप्त हर्म स्वर पर होता । वना हिर सेट. 

मिश्चिमा समा प्रमा समा प्रमा कर होता । देशस इर ही के हु दाह य मोकर हैंद प्रह्मियां। स.चे. (स चे.चब बः। अ.से महे.म.इ.२ः। ।श्रे.इंश.चर्डेश.चि.इं.पंडस इसस.क्टे.श्रेता। हो के क क से य नूद से य निकेश । हे से य न सुर हु य में ते हुँ र र दर । न्तुर गुर रहत त.स्री निव.दे.चश्रुष. क्षेत्र. कष्टे. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. क्षेत्र. कषेत्र. कषेत्र.

न्मु मःनाःसुर ढंव न्व छःनाः न्दा । नुर गुम्र न्सः स्त्रिय हेन न वि नाःनुर। । विद विदः मु से नास मारस त्यासस विवास करी । हिंद्र माडेर खुद च दसर सेर दूर मि वहिंस। । यक्ष पहिल्ले (रेब के बनाब य लेब मु प्रदेश) य के ना सुर य अट र्य हुना । को द रव दक् न्गर में छ ग ड। 15 ग र छुड़ या ह्या है ये मा नुर। १ रेस स नुस के न में न ह्यु न से य नर ने न । महिं में वा हिं है है दें भारताला है। । इन् महेनसामस हैंदानी कर्म सेवा। इब-र्ब-र्यार-स्ट-र्-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र्वेट-र महिल्ल स्वालिक नाकेर मुँ से दूर्वा वेंद्र द रणर। दिस स्राप्तिक मुँ वेंद्र सर्द्र बर स स्र सेवा विंद्र वेद सिट है र् में न न । सिना र् ब मिट न र्नेन सिना प्रिना के न रोय। । नेन न र्में सिना 

र्शे महिं में केंद्र केंद्र होता । विकास केंद्र होता का केंद्र क क् ब्रें व से खेट मा सर प्रदेश । शि सर स्वाधान के प्रतिर राजा में र प्रदेश । शि प्रतिर स्वाधान स्वाधान स्वाधान न्माय व वृत् पु द द वश्ववा । शित् य द्य व द्य महिष महीय महीय प्याप प्याप प्याप मील भूच के शुर ल. अ. ब्रु श्रद । नि.स. (जूल.च्. पू.मीश.दा) चीश्वर मी.श्र.ह्वा.ह्य मी.श्र.चां विश्वर मी.श्र.चं विश्वर मी.श्र.चं विश्वर मी.श्र.चं विश्वर मी.श्र.चं विश्वर मी.श्र.चं विश्वर मी.श्र. मुक्त प्रति । प्रति मुक्त प्रमुख प्रहम प्रमुख केंगा खें केंद्र । । । प्रकेंग्य समय सिय केंद्र ग्राट द सेया वर हिंद्र। ।

विट.स्र्यः सुरः वशःश्वेदः दि नीटः व सेवा बै:उट:ला-इट वैट:गुन ह्या है दर। गीश के बोट किंदिज, बो सिंट यहाँ वहा ।इ.स्ट. ४४४.१ कुट... .रेट घ.४चेंरी اظِ عُ. नीर मीथ में मूं ज.रट.से। निर्देशकाराश क्ष्र शक्ष्य हूरे.में यर (यर केंट शुजा यह शाय है अपने वर्जुरा) हुँ द वहूं शक्षा १५ हैना म चेर घरम में देख हैं। स्वान्त्र स्वान स् यह में रूर्-वर्भेर-कृट-म.बे.पड़ा शिवन वेर-कृत्य वेर-कृत-सेन विधिय मु बल झन हा दे में में हा । मुका दें ह ल में हि ह ना में नि यः सर् त्या नी सुद्रायक्षेत्र । । विश्व स्ति हो रहे ते नी ये ये हो रहे ते नी यह ते स्वर्ध । । यह सह स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य ब्रैंद:क्र्य:क्रेंद मार्ट:क्रें.पश्चेंट:बुक:पक्षेंद:रेट:। । जिन्न ए सक्र:रेट:क्रा:रेसी: पेक्र:तर:वी। पश्चरः त्यानायतः निर्मातः निर्मातः । वित्याना । वित्या

 वैश्व द्व. ८व ८ तार. ट्यर. ट्टा
 । श्रृंश २ तार. वय ता र्ट. ह. श्रु स र ।
 । र्ट्य प्रविश प्रवा
 । र्ट्य प्रवा
 । विश रेचा. व्य प्रवा
 । प्रवा
 वि.चाश्चिम.रेट २,२ श्चिरा १६२ क्रेट क्रेट्स.१२ व्रेट.क्ट.उप्सम राष्ट्र.थरा १८वस. (च.वेट.कुट.ता) च.सू.वे च सूर मोश च.टा । मा.फू.संट दंश सूनश मुं.च.थवंर. इ.स.चेंश मोट. तर्च. वेट. मेंथे च सूर मोश च.टा । मा.फू.संट दंश सूनश मुं.च.थवंर. त्रा । वि. में कु स्वा १० प्रा मिंथे हुन में कु स्वा १३ (वि. मिंथे माश्रिय कु ट्रा) स्था मा.स. ति. मा.स. वेट. कु स्था । प्रा मा.स. वेट. मा.स. व (अ.ग्रेर.कुब.ग्रा) य.श्र.मै मैं मैं मैं य.रटा ।च.मू.श्रेनेट रंभ श्र्याश.मी.य.भवंत. का. (ता २.श्रेना है) ज. ६.च. चश्चम. वे.श्रे. चीलूर. च. च्रेर. वचा हुना रे मू श्रूर हि द के हुट दे होना .... हुं. क्ष्यं. क्ष्यं मीट श्रंय मीट्रेश। विद्यं से. चीट्रियं ची मीट्रियं मीट

क्षि मुर्घ सेमा ४५ ५सर.कमा.रय रूप.८हरा। कुट:न्दर हुता व सर नासर हिट। हैन ह नाक्षेत्र मुं को हेना वेंद्र द हगार। ासः बु से से थेट: प्र च के गा । अर मासर: हूं है सुनास हुँ सुर हु सुर से नासर। । से मुश स्त्रें कर वसस कर से तार हुर। । सक्य र्ट खिर य मी प्रमान्ति क्षेत्र भीरा। । हे र गार्ट भीर राट्ट सर मार्थ हुरा। । में में सिनो नीश्रायर देट सिनो बर नार्शे । इ. नाट तो की देव रेव रेव रेवर रेवर रेवर हैं ये ५:इ:सर मासर स्रूट हे ५८। । विसायते स्र्ति ५८ स्र्ति ५८ ग्राहित सह। । सर्वा सहन स्र ग्राहित ग्राहित सर माधर हुर। । सेना मो वर राष्ट्र सकेव वर्ष के माद खेला । हिना य होव व हा है व रस रहे। । श्चिमाञ्चीय मु दं ह द नामाय वर देशक श्वा । । मीट श्वा क्र च मेश्व र द त मेश्व र द त मेश्व माश्व । हु २.या ८८.वे ८८ जु.चा.पैर। वि चक्चिट क्षेत्राल हु.ची.चील क.चचीट क्ष्मला ।श्चर. हुर्-१८नाना-रचिनास-स्र-तर न-स्रोता । नर्नुर-हे हुर व् नास्ट-व-स्र-व-मी क्रु-प्रस स्रे मुद्रे सेतु-है पढ़ महै म पर्ता 🐐 ।। ह्व सर हे दव द से या मार से या महिला व नाश्चम स् रहा। वि.स.च.सर. क्षेत्र ज.च च.जहा। वि.सं ह स्था (स्थार प्राप्त राजा में में हैं हैं से र हो।) नाशिश ति. प्र सैंट रेट हैं हैं । वि. शुर . दि. प्रेंच श्रेम से में से मह् ४८.श्रमा ।च.चाशर.रशर.श्रर.अम.कचाश.क्षे च थी ।त् श.ब् रट.शर वर्षेश. (美元·싱美姓) | 124.3,3,3,4元.세필.知 第.日.之に | 1加.전.hb호 文 知.성급.知之.년 | 1如.女 대文. 1 | 1월. 3년. 1 | 1

(क् चीट ग्रीशक्ष) तथा विश्वस होट. (श्रीची खीची हीचा हुची सी) टे खिची खैची उन्हारी प्रथम साम्यास्थ तर साम्यास्य साम्यास्य त्यास्य साम्यास्य त्यास्य साम्यास्य साम्यास मक्ष महिट हुट मुले वर महिका वहार। १३ वर्षे हिंद द मूँ लगा महिमा हे स्द दमा

मन दिल हैं र प्र याद मूर्र पद्र। । अब ग्रैस मुद्र स्वेद में दि के केर्र महिता । प्रह्मा सहस् स्वास्त स्वास स्वा त्त क्रिंश क्षा । रिक्ष क्रिंग क्षेत्र क्षेत् याब. ह्या । १३ मा ५ मा श्रेट में १५ मा श्रेट महीश बद् ह्या । १५ मा श्रेट ह्या विश्व ह्या विश्व ह्या हिंदा। 

'বুশ.শ.লুথা 1野からかに、というといれたか、 ारे 'अट'मार्ट रुख'र्चे 'रट' देख रा 'थेव! |श्.चर्चशकार्य्चो.क्चैट श्रीरे का.प्रसिं.चर.चशका ।दन्धक द्वेचका. ।प्रचील.चर्बेट.ब्रा.केल द्वासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्यासी.व्य नगःशुः नरः नु। र्हे. मुंदः श्चे केंदः ५ र्रम चाकेश.चाश्रेश.पविश.ष भूर.च.श्रटश। ।<sup>©</sup> धूज झैच.च्रेश टर्मेंज.ज.झैट.चर.चै। ।বন্তু: রূব: রূट: শ্লুবাশ: ট্রই ব **বর্**য়: প্রন: প্রবা ।রূচ ক্: ব্রহেশ: রুব রুব রুক: ব্রহ: প্রবা य.चेंश.ज.चंटश.ॐ डीचा रे.चोरेट.। श्रर.क्र**र** केट.कि योट क्षेत्रा च्रीशःश्रीटः। ।गह्यूर यर् मा देश घट सेर किश में ट हैं अववा । मार्नेब ढं**र** इस य सम्रिक्ष य न्दर गाद है। ब्रिश्य. स पर्वेट.रच रूथ.चश्च.चंश.चर.ची ।बटक.बर.वर कु.व्रव.कट.केंचे.च्राक.चभीता 199. |रूद क्र श्रेथ. व बाट. खेर. ए टेबा. ग्रेट बार्टर। कृट बर्न के बहरा दब रब केंद्र महिटा। रियो य. चार्ट्र.च.पंचीत्रा.च.पंचेत्रा.चत्। ।मार्ट्रेन् व अन्यार्ट्रेन् लाग हो न महिन । 195 सर्हर मुक्त व श्चर प्रवासितर सर है। रिमीटश.४.जू.चर.रैचोश.चे ब्रु.एश.चश्ची 12954. व कं प्रमुद्धान्सर सेर दे साहे। |रे'त्य'र्ना'कुट'वल्'वर्ष'वट'वीक्ष'नाठर्। אַר. ८६८४.क्र.,५ष्टि वेर.५ष्ट्रेच.ट्र.स.च्रा किंद्र-म् बुद्र-सर-र हैना रहन स नहित्। [콩.틀쇠. ोप्तश्च. नोश् बर् स्माप्तरेर हैं । क्रुं स्वर्ते नर्दे । ।नाबक ट्रॅब नाकर २६६ रेस च महीद सानादर। । विश्व रूद हु मूँ न नवे के मि रूप ब्रिं सुया प्रसेया प्रसामा वर्षा । वर्ष क्रिटा क्रिया प्राप्त स्था मार हिंद क्रिया मार हिंद क्रिय मार हिंद क्रिया मार हिंद क्रिया मार हिंद क्रिया मार हिंद क्राय है क्रिया मार हिंद क्रिय मार हिंद क् 교실 외.토화. ल मुद चक्चो.कु८ अश.धूंभ.क.लुश.चधुंर। ।२ चक्चो.कु८ अश.धूंभ.क.लुश.चधुंर। ।२ निर्दे हैं. श्रुट म् चंशट न घर ट्ये में चैंटे. लश तथ. हैं. र्देश नाले हेश । हिंद पर्मे दर नाले उट रट से उट माहेश lधु.2्ट धटश.≅८.थेंट. हे. में . कि. प्रमाना । अमा प्रमान से कि. वर्ष मिल हे. वर्ष मिल हे. वर्ष से हिंदा 12E.च अ.खे.हुब. श्चर स्मार होना कनाय। । १२५ समिय दुन स्मार स्मार स्मार । 1型×.セダ. र्बेन पर्ने में बन निर्मेश के जा निह्म निहाने मार्थिय वर्षेत्र केश्राचम निहम्मा निहम्मा निहम्मा । श्चर श्चेर मार्व च्चाम पहेंद इस च मार्व हैया झुबः ह्यु<sup>क</sup>र मानुदः विव**शः हुना 'न्**दः र्क्षन्। |শর্ভ: में केंब्र गारे खुट केंद्र में भी । । गुर हैंद्र भी मुंबर केंद्र में द्र में देश । । प्र देहेंबर 

र्श्वेष या श्रे केंद्र वर्ष्ट्रेनश ने नानद नर है। । यहर देश वेश तादश देश यहर यि विश्व पार शुः इर्षे स चीट. बूचे. वीट. प्रेचे वट. वी श्चित्रायः वश प्रदेश पश्चिम पर्येता.व.स्वरश.कुर.पुर्यः। । 1젊. = 크로 성. 역소 및 나는 옷에 다음 1종에. दे तब समें | युश संस सं मिन होस। 5 Ar 85 3 455 35 731 । ह्यू रेट लग्न. य चेट. भ्र. भर थर टेट । । । अथ बिटश लय दश रेट श्रुज. मुर मेर हा वर केंचर शुर वार्वेन कर नार्वे। বিপুর্ব:বর্নাব মন্ত্রিশ্ব:ন জু বুদ নাপ্তাশা সমন্ত্রেশ: ।सर्गे व हिंदः श्रुमाशः होत् हैदः विश यहेना ٩٩ **٦** ٢٩٠٣ هـ ١٩٩ عوم ١ 157 सके नाशुर दर ह्य लेट घट मोहा ह्येन मिक्ट रने हैं श के हैं ने नियम दूर सर्वेट्या **३४.८८.शूर्य प्रथ.८ पश.शूर्य पश.**र्श्चर 1नर्रे. हैं हैं तर् नंशर न शर दन में मैंरे जर || Na 5. 4. 2. 2. 4. 1 1 2 6 8 1 . 2 5 . | क्र भी में में में हैं नह नहीं नहीं। यव : भूव : श्रुर : म : हे : श्रुर : म 5 द : ख्रु य : लें। ।श्चरःश्वेत चोबरःश्वेच ४म्नि.च.४चैरश्व.च.**र**टः। |यन स्प्र ह्म र नु सर्हन स्प्रा हुन नक्ष र । में ट्रेंर असरार्ट सार्व मुन्य वासा মান্ত্রবর্গ টু.জ.বর্ষর.বল.য়৾ব.ড়**৾ব.**বল.। नि ही स रमस है ए री ब बर से स नर हैन ब्रू र य र् र मुर बुन य मान के नियम | 13c 4; 27: 1:4.8 4x 4x 2x 5 2 3 1 ववशःश्चे स्ट्रम्बर्भः स्वाम्यम् ।श्रेष ता क्षेत्रा सु स्ट्री हैं से सामानित। मूर्य श्वीता क्र्य मूट या में मि पश्चीर। ।मार्ट वनश में छेर में डेर उस र नर्शे 123. बर हर हैन हुन य ब्र्न र निरा विना पर अही वृष्ट में का की । श्रूर नाशिश मूर्ट यह विट. दे नहीं ना वर्षी न मिंद्र-यदे मि'य रख' अ'र्सेर'मिडेम्'न्ग्री हि सॅर सर वुनास में र पते द्वनास पर्दे था [질장] इन्निर्यार्थर मले न्यूरश श्री मलिम कि नि कि तुर में प्र मार्कर स महरा किं. त्र्वा ने**ल**श नार्ले होट हें ना क्षेत्र ता वहें र। |झेना.भ.छट. बर्च. श्रेंचाश श्रे.मोरेट मोर्खना । । नीर्जुमाश नाम् द्ना नक्ना तथ मारेश तथ मार्थिश. रश श.सर.र्जूना झुंद्ध.सुर.या.नोर्ट्श ह्मिन ।सै.वुन:हम्।सुर:लह्स:लाह्स्-नु-नु-हा। शिक्ति पर्नेर म्रीट. खे. कूष्ण मिट. थे होना । । श्रुव र निष्य खेर ल श्रुव मार महार । । निर्व अ.ह्येच.क्..वे.वींट.चे.चश्चेर.ज.चरेट.। 44.6.4E4.8.2C.4c.8.2c.4c.1 । ଞ୍ଜିଁ - 'ସ'ମ୍ବ୍ରଟ' ସ୍ପର୍ଷ 'ସ୍ଟ୍ରସ' ବୃଷ୍ଟ 'ସ୍ଟ୍ରମ୍ୟ 'ଷ୍ଠି । <u> २८.त.कृ८.थर.भ.तथ.पीर.ज.चर्चाश</u> ।सिर.चर.हे ह्यूश.जूट.पर्स्चिग.ज.च≥टा

सूर्य-चेंट बूर्य-चंट-ब्रांड्रिका वट हुर हुटा। । । । । । चेट-चेंबर प्रांट्र चान हुट को ट्रंट्र पट्टा । वट्ट-चेंबर पर्य चेंबर केंद्र चेंबर चे रस्याः इत्राह्म हरामाद्दा । यत्त्र हुराम् नामाद्दा । यत्त्र सम्प्ताना नामाद्दा ।

। हेर्न पर्ने मार्य वर्ष सिमा कर्ना प्राप्त । मार्ट हैं है स मार्ट पर प्राप्त । ।ছ. २ ते ८ . ब्रे अ ३ ४ . खें बो श.ज. सो सश. पर्चे दश । । श्रवर . उ च्रेट्श . हर सब नाट सेना हैं. चर्च्मा वैहा । ही मीट्र नेट ही ते रही हर सब हर देया था चक् च लेचा सं.चेच दे.लेश.ल चक्ट.चर ची। ।विट लील.४ चीशश.४ विचाश.औटश.४ ¥.ल. র্মনারা । খ.ব. দ্রিনা বেং সাম্রী ম. বারী বেং ন নার । ोभ्र वृट.मोर्ट्ब.छव.बटश.च**ट**. चूट रीश.चक्दर.ज.चर्चेश। । हे. कृष: नामक्ष्याम्य नाम्यः निराम्य 赵.玺岁. नीश श्री. प्रमूर मीय वंश पंतरी । क्षे .स. क्षुना नम्भमा**न्**राय्येषा नरानु नम्बेषा 1555 इ.धियः मिलिना ट्रां ने. वे.चीश नर्मश |यमायामी सं में दार र सं मार्सिस पश्ची ₹. त्.षु.ज.वंद.भद्द.चोट.कर कि.ज्र ज.श्चेश क्षेत्र सूचे प्रकृत सर नर्मा 1775 ग्रेट.श्रेल.बेर हेट.टे.श्रेल.धर्मा.मुश |বন্ধ.ন.প ৮ছগ.ছ গ্রুপগ.২প.নম.বর্ষা শ: ক্রম ম মার্ম ম এইনম এই মার্ম মার ।श्रुपः हे**स.**४.४मश्रायम्। प्रस.सहे .ब्रेटः पश्चित्र। इ. कुब् झट चीर्यचा १ चिवर होट हेश जुब होया हुन चीरीया |Hul. 다회. 맞도회. 점험. 욕 | L. 속 다고, 집| डिमा झ श्रेर मिट प्यर होट हेमा मार्च मार्ग। ।मळेंना नासार स्रु सळसस मीत र्सेर पले रू नाइर। गु.रूर चर्च चरम चर निर्म। हिन मानुमा हैर य सेन सहंय मार नु:मान्न! 12.82 मिलु सर्हेमा झु दश सें र मले मिन्र। । गार्र मा प्रमा पुरके मिर् हिशा के वेदा |अर्मे मु लंद हानशुकार्य मूरिकी ग्री ानल्ब रना <u>सना कर र</u>ुष व क भेश सूर् ব্রিহা मोट. बुर. २८ घि. ५ क्या विचा में पर्वेटा । सिना सर्नेना पुनास द्रना स्र स सेर दुनास ही वि.यट बीच.४२.सें.च.२५४.च.२८.। १६न.श्रेष्ट्रश्च.क्यांश.४.४२.मोट.लूब लट.लवा ।वटश. र्म्सर यः । नार्ट्र स से से दे यह व्यव व्यव पहला व है। नाअतः रेटशः स्नाः श्चे तन्तुरः रागतः स्ना हः नाऽर। !**ব৴**'মট্রিথ ই্র'ব্র'মর্ল'র্ नबाद देवे। ।मने व सेन दसर हु हे दर्श ह न न न भ हु द कर न न भ हु . ।দ্রণ গ্রীব র্মাণ বৃদ্ধ বৃদ্ধ হাল ক্ষাণ বৃদ্ধ হাল বিশ্বনাৰ নী হাল ক্ষাণ ক্যাণ ক্ষাণ ক্যাণ ক্ষাণ ক্যাণ ক্ষাণ ह.च.५ प्रचाचार्थाः सर्वतः सः चार्चः। ার্ল্ল ক্ল'কুম এন্থ্রনাথ কি ক্রমান্ত্রনা ।মন্ট্রিক্রম माबेर हैं ल्यस द्युट हैं मार्टी म्ब्रियः क्षेत्राक्षः ५ इ.च. ५५ . थ. द्वा सर्वे ना १ । वु सहेद ब्रदः मी वर यः क्रेर्न म नाररा ार्थे सकेंद्र'सकेर'यदी'द्**र**'य'ठ 'ह्रूर'म्हर ने वर सर त्यान र वर त सर ह न र *।* शु. **१** : नि. मि. यनामास.घ. प. हेट. चार्टा मुं मिंट सदय हर मुंस य ह हेर गर्रा |ୟଞ୍ଚି**- 'ଇଁଟ୍'ସମ୍ୟ'-ଦ୍ରି'ଏ**ଟ୍ ଲ'ନ୍'-ଅସ୍ତ୍ର-'ମ୍ବର୍ म्मान्यः भ्रुरः क्राट यदैः वर्षः यः व्रीव वाबुवाः वार्ऽः। ।कुं.जूर सिर.चठु.बर्.ज कटा स साहर नार्टा हैं के तर्न चेंब स्व में हैं समार म |अर्ट्र वर्षेश्व,थर.रट.चट.३.चट.चेश.चरेर। |2ेचश. हुश.वेट.सूर्व बिटश.सिना.चैट.व चावरी |ਫ਼ੑੑਫ਼ਲ਼੶ਫ਼ਖ਼ੑੑਲ਼ੑਸ਼ੑਜ਼ੑ੶**ੑਖ਼ਲ਼੶ਸ਼ਖ਼੶**ਸ਼ੑਫ਼੶ਫ਼ਖ਼ਫ਼ਁਖ਼ੑ੶ਜ਼ੑਫ਼ਫ਼ੑ श्रेयाः भ्रेयाः महेदाः में शासके लेट हे गूटा स्वाता ।रिच.भ.ष्ट्र.व.हुट.च क्र.चक्रवा.सेवा हिंश. सब.रेग्रेंब.ल सम्र्.४.७.विन.मेरेया l®.रॅ.च.<sup>ख्र</sup>र.ठुट.चश्चर.रॅ.ट.चैंच.त.चेश [광c성. ४.६ धर.मु.मब्रि.उचैना.तर.ची [M. Ha. 12] 1422. g. \$\text{g} \text{m} \text{s} \text{m} त् मेशट.च.भथ.टच.ची.चीर.पश.रेचेरे.कि.चीर्य.चतु जुन्ने.चक्रू.चमीर.चर्ज्या 7ुन् स्कें इ सु न दुर के दुर। मि नुसेनायः नान्य ध्वयः धु हेयः यदः छवः पन्ता 12.4. हुं व. ' ' व. पंतर पंतर पंतर पंतर प्रति । |म कर्-दीना सेर्-२5 वा वा महिन्स राम हैया 12.4. यहें व हैं से से प्रे प्रे प्रे क्रिन्य साम्ये साम्याम ह्रिन्स दे हे से उसा अर्थे.रूट. ારું ક્ષેં 'વનફા' બ'રેલ' **હવ લેવ** 'ક્ષેતા पन यमा पर्न र् रामनेतु हर हमा 13≅श. विश यर होन इर खन सम्बाध सं 12c.Au.41. 년·월4,대.配.오.고.옥범 김 |में:इप:मिन्।अधिश:स्.स्.प्र. रृ श्रूरं:इर:श्रूप। । ।त्रद्रनःरश्चेन्सः কু চেকু কী মান্ত বিদ্যাল वर्णीशानमृत राष्ट्रम् नरासा | बन् मुरेश नह्रव माव नदे नुसेनाश स्पेन ता ।अवव व. । श्चे प्रशायक्य पाला र्दे दिन्द में । हि महा र खें प्रदे यद क्षेत्र मुरे य महे य हे स दे र पत्रे सेनाश ग्रंब था नार्या |न[केश.च.भद्रिश.न[श्रट.नीट.भट्रिश.**५२**.ज.न[न] चिश्विद्य. |२७,न ब्रॅ भ.क. म.च.च्या.चेष्ट्र.चाश्चर । 順去:學上 य पर्ने गान मूट परे नर स पर्ना |5्वा-च-र्स्चा-इ बर्व-च-श्लेट-बी नाबटा । पर्छ तर-स्ट्वी-रट. चर्. योष. बित्ताश्च. त्या त्यवी |वर्तिर्मारासकेष्रम्मे द्वापारासकेष्रपदे वास्ता त्र्मा नर् हिंद बर या मार्य [필미점.

|यद्य स.भ्राष्ट्रीस चोशट.भ खे.भूचो श्रुट.शुप्रा हुनाश सन नर नर हुं हुनाश स नहना । च हु . मा केश स् मा श्राट स हि से असश स्रोता। चीहिन सङ्गर नाश्चर क्रें रिप्त दिर ल.चार्या ।यकु.यह्ने समिता.चा**स**ट समित हुने.चीट.पा.चार्चा । বঞ্জ,বারীল বল্ল গু মাঁচ ইিন্মীল,ড, মাইব। । उड़ रेंचो सूर चश्रद पर्सिचो. छेर सिर. रा. शुणा वर्षे हा देव हूर ही नश्रमान हुम रोया ंचर् वसीर सेट चेहर मेंट च कि दबोबीश शुरा। वढु:वरुक हुं श्रद:सूद:कुंद वसु व:महिंदा 19 न विद्र श्रेल हिंद ही है व दनानाश श्रेमा। ব⊛,৴নী নি বর নাশে জুঝ,৺≅শ,৺রীনাশ, গুস। वि भर् रमुल वर इर रविश रमर बना अक्सरा। मुः मुंद श्रीट पर्वश मो च नममाश या स्वा नि चर रविश्व रट. हेर झर सक्र्य चाश्वश. चा वर्षे वर्रा है एके प्राप्त वामान्य पर छ। । स्व देव से दें र अस्य या मार्च यर हा। स्व न्या स्व न्या सार से रेंद्र कुरु राष्ट्र म्या सार । रिं दश नापश नायें द सर्दे ने वेंद सुद ता हैं नदी नायब नायें द महेंद रे वेंद नी हर। म्रि.पर्सिनी.पसि.य.पह्साल नीर्यासर.वी । है. य. दश है. है. . टें. शकूर चीट शर। । चील**श**. । भारति प्रचीर स्पार स्पार्थ सर स्था । मार्लेष् वि.चाश्चेंश्च.कें. कें. कें. कें. चें. कें. 15. | मूद नश्र. हु | P.श्र. हु । श्रेष. पर : चुर त्र्या.सञ्ज्याचा वि.चाश्रिक्ष.सिट.राष्ट्र.चाश्रटा दियाः । हैं सिय तर्म्य व माउद ह हैं उद्विय पहुंग। विट.भग् रिप्ट्र.प्रमीय.प्रयेय.चोशट.चोश्रेश.पर्ह्येच विदः ल्ट्रायटार्यटा होट मी कु. पर पर्शेन र्षे सर्व भी मिट श मूर् अवी राजी TIE. | मीट. श्रुल मीट. श्रे**नश**. चर्च. त्यु. सु. श्रीता. चर्डुमी नन्यः वर्षे वर्गादः वर्षादशः यः श्री [월데. मि अंट सं ब्राट ह थे हेट र र रहेन र्टश. श्रृचा स्रिटश. श्रु ४ त्य्चा स्रुश पश्ची NYCH. |मार्व व्यक्ष'मार्ड वर्षेमाः स् र्ट र्ह्म्मा य पति। र्ट्स भी माथा सामित्र होता होता है । मही मा > 4 | तर्नात्र के स्रोट क्षेट क्षिट प्रकास का स्रोता | पर्यात्रा माने सामार्थे प्रवास्त्र प्रवास्त्र विशायके से ता है य रे रे मान्या |में येगमः निश्चेन. जुनेश चूरे हिंशश कि.सें र श्रंश टक्सर। ब्रु नार्वः र् वः कर् व माह्यः। 124 बिर व. बिना नार्या विंट वर रि त्रव. नार्व्या ल्ब.क ला.पम्बाराज्य प्रधाना पर मेरी 121. लुप्हालेटा झेना झनामानेना परा छेता |तर्मश्रान्दः मन् न श्रेषः एव यः महिन्। 장다와. १र्न क्रेन क्रेन क्रेन क्रिन क्रिन क्रिन क्रिन क्रिका गुरा अम् निर्दे के हो ने पर्दे ने से स क्षि.इश भ.चू.सं.चेट.एग्रुच.चेश.चट्चा । म्बर्भित्युत् मालक्रम्माक्षाः स्वयः हिरः क्षेः प्रेक्षः मार्थे। 1424 \$.\$c.a.uac a. 44.ca. 41.42.cas. न्स्राय प्रमृद्र महन्स्र दुव कु से वर्दा। · ¥ / ||「JSJ、B. Gav. a. 2c. 2c. y. 2c. 2c. ii श्चिर खं से हैं ने लेंडे से नह रेगी नहीं।

चि.वंचक.कथ.ल्य्.वंख.जक.द्राः.लेक द्राः ।इटश.वंचीकथ.श.जु.संटश.टं.संश.स्य. |स.१८८ सेना पर हैना स देना निहे दर। |स.१८८ से निहे से हैं से से से से বহুব.পতু হু জিমল টুল। াুন্ধ নাু.বে. ইংলাইন কেব. পেনীমল. ন.পুনা ামানৰ. य चीत रेचे स्व. श्वर. के शिषश ग्रेश । श्वरम्थः श्वरंशः रेटः वि रुट्शः दिश्यशः व श्वरः। । लिश्य क्रेश. ट्र. खेर. प्रचित्र प्रचित रीमा वर्मामा विमान क्ष्या मान्य क्ष्य क्ष्या मान्य क्ष्य मान्य क्ष्या मान्य क्ष्या मान्य क्ष्या मान्य क्ष्या मान्य क्ष्य मान्य क्ष्या मान्य क्ष्या मान्य क्ष्या मान्य क्ष्या मान्य क्ष्य मान्य क्ष्या मान्य क्ष्य मान्य क्ष्या मान्य क्ष्या मान्य क्ष्य मान्य क्ष्या मान्य क्ष्या मान्य क्ष्या मान्य क्ष्या मान्य क्ष्य मान्य मान्य क्ष्य मान्य क्ष्य मान्य क्ष्य मान्य कुराम्येत । मार्चा भारत्यां वार्यामां वार्या मार्चा का का का वित्ता मार्चा का वित्ता मार्चा वार्या वित्ता वार्या वित्ता मार्चा वार्या वित्ता का वार्या वित्ता का वार्या व बि.श्राम्य ही ।सिना बोड्र क्.सीट के रू.चेट शब्द बोड्र्य ।चंट क्ये नाड्डर ज.क्ये ब्रिट.

स्वतः रूपे चे.चेष चटेचा । प्रसंत्र टे.चीट है जटश. च च्ट चश चटेचा । चांबट हुं थे. जूट हुंचे. वचश बे श्रोचर देट। । त्रा.चर के जू किर हीटश चढ़् श.चश चटेचा । भांबे.चीट हैंबे. ব্ৰথম ভী প্ৰচিষ্ট বৈছে। सीर ज हैं चरेंचा वी । चिंह चहा कि पत्ताचील पंचर क.ची.चेंहा चरेंचे । शिंह चाड़ार देयार . सीर ज हैं चरेंचा वी । चिंह पत्ताचील पंचर क.ची.चेंहा चरेंचे । शिंह चाड़ार देयार . म्रि. सुर् छर. छर. चरे वर्षे । इ.स. संस हूने श्रेनाश न्यूर पुर ये हरा । हिर त श्रेय सर श्रर त्यंश्वर हर सिर्शाल कुं. चीश वैचा । भ्रा श्रर यर योष श्रा कि यद्भ राषा बेरी । प्रश्न हर योषा श्रा केरा केर र्मुना रेंग फे.म.पर्थं त.पा । शिंभाचीना मु.में मी.श्रंट.में भूषा ।ये वयश भू.खेंब.भद्रफ. नुस्ति । क्षिर्यं न्या । क्षिर्यं न्या निस्ति । क्षिर्यं न्या । क्षिर्यं न्या । विष्यं न्या विष्यं न्या । विष्यं न्या विष्यं न्या । विष्यं न्या विष्यं न्या विष्यं न्या । विष्यं न्या विष्यं न्या विष्यं न्या । विष्यं न्या विष्यं न्या विष्यं न्या विष्यं न्या । विष्यं न्या विष्यं न्या विष्यं न्या विष्यं न्या विष्यं न्या । विष्यं न्या विष्यं न् ने निष्य पर ना । बार्ट्र. शब्रु. टार्चेश. पीय. र. श्रुष प्रेचे क्रिया व्याप्त । श्रुप्त प्रदेश प्राप्त प्रेचे प्राप्त प्राप्त प्रेच क्रिया विश्व म्बर् द्व रखर। १२व रेव स्वा क्रियाम् क्रिंद म्हा देव में व्हिट बर्-रुष-लुनाब-। मार्ने र से सा हैं चारेट.क्ब.क्ट.क्ट.बा विक्य.क्ट.चे बर.क्टर वह वैच वर वी रसर रगर समें अस युना । हि.मी श्र. ह र रीना र उते निर्वा 14 रमासे हियानगर व नीटबाक् ब्रैन। निर्माय वर्ष क्ष. त्राप्त प्रमाय वर्ष क्ष. त्राप्त वर क्ष. त्राप्त वर्ष क्ष. त्राप्त वर क् शि वृ.ष्ट्रस्य रे यः ब्रि.चेंब.श्रम क्रूंश.वे.ब्र क्रिम. लिट्ड गर .च.रच.चेड. विव दव केंद्र मेर मे हैं [월·2·영동대·원· 신네다.

ଔ**ଷ.**ଐିଏ.ସିଁଲା ।E्य'त्विदसःदेशसःदर्कंचःकुरःविरःसेवः। 15 5 8 4 8 7- 33 ंदेर त.क् बर.ह्य श्रद श्रद श्रीचाश.हा । हे.शश.चहुराश.व.झ.प्रसिना.मूर ती. 즳미 되지 ইাম। । इर्षे सार इ. पी.रेचा पर्यक्षायी. चेश्वरा ार्क्षे : इंश. **च**. खे. श. श्रम ट्रेंग उट् प्रवेश । श्रिक्त ने स्ट्रिंग ইম| 7A] हेश-५८-वद-व्यद-व स्रेन् मॅर वसा सिर स. सिर य. मर्से स. चर्चे स. चर्चे सा नीसा । सिर गु व निय गु |पश्चमसः हेस सर नगर प्रति प्रतः नगुः सके खे । हे स्प्रान्त ना । हे स्प्रान्त ना । हे स्प्रान्त ना । हे स्प्रान <u>বর্ম ব.লথ.র্জ.হী</u> माध्य प्रमा हैं हैंट नमा प्र मान्य। । निःस्म यः स्वायः मा सः स्वायः प्र स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः 顺文字: 195 ্হ'ঞ্চ 15EN. माले होर राषे के मा हा स्वरंश द्रा । । । तहें दें ना नि रहें ना नि रहें ना नि रहें दें । र्ट व्युट्यये के मानबट हर महम !र्ना,र्वेट,शहस.चश्ता.च.रेट.ध्य रा चारीशा । नत्रदान्तरम् स्थान्त्री द्वर श्रद् नाश्चेन नाद्या । वर्षः कः हुन पुरानी नाम वास्ते । । दर्षा प श्रेर मि लूर श्रू है जू शर्र नेश्रेय ।ਫ਼ৼ৾৾ৼয়৽ঀয় য়৾৾ঀৢয়৾৽য়ৼঀ৾৽য়৽ঢ়ঀ। वै पर मार्वेन नगर में हमा अके नुमा । । पहल पर व वे सूर समुनिक मानिक निर्मा का निर्म का निर्मा का निर्म का निर्मा का निर्मा का निर्मा का निर्मा का निर्मा का निर्म का नि सर्गे दर मद सम् कर् द दर प्रश्नेद्र कर । प्तः लेटः सम्बो म्हार से पर्दे स् नाइटः। ।हुः (इः वशः प्रदेवः प्रदे नार्दे विः प्रवा) 십七성. विद्यान्तु (क्वि.दान्यद क्वाय्टार् प्रविन्या व क्विट्यदा हामायवेदा) के क्वेना हो रामक्या ।(बना चःचल्ले नमामा क्रास्ट्रेन प्राप्त स्थेन सामग्रीमा (हुन माहेमा हाप हुना) नामामा र्निमान्द्र ढन् रेस र सून्यर होना) न हुन है प्रकेश महामार मान्य स्व स्था द्य.रे.श्रुणा ।ति.८हूर श्रु श्रुट.शकुर शबुर.श्रामताश्र जा ।श्र.नाट हूं हे.सेना.खेर नाश्चर.श्र. र्नेन शिना श्चेल देश के माट नार्ट्रेट हो । या निहासी शिक्षेर श्चेन नार्शिस है । श्वेन स्थान निहासी । दे प्रतिक कर वा मादः विका मार्गेक परि दे हुन। । । विका हुन प्रका कर विमाय हिन पर हिन। नार्ट वर्यस्त्रमासुरार्भेभार्द्रसार्द्रमानुत्र। ।नाटार्भ्याके वाकटानीसासुरायानार्टा। । इ.च.कृ.व.ह.रभ के. कि. सेवा । १८.वंश.त्य.कृर.वंश.तार.रेश.व.तुंचवा

ारे पर्वे श्वासायतु दश श्वीःसः म**र्**टा। न्यारेय नुःमशुस दंशःमहः। |ব্র র রবর 'বু র' ব বা ধুর 'বা ধুর 'বাঁহ' ব**র** ব বা বুহ' | वंश सद्ध रेया ये कि वश चर्टा। ·बिट यद् रेचा ब**र.रेश**.चोडुचा श्र.पवीट.पश। । रे बर रेय व क्वब हार्वर न्तर वका । भर भर ग्रहः तर से भे नेवस से से हो है। दर् यः हुना हुर द नानाश सदे र्रेनाश स होरा ने ख़र से जेस रेस नु नुस ना हैना ना न । । बर् पर्टेटशकेर प्रवृत् स पर्टेटशमर र नारा । इ यम्मान हम है मा सूमा प्रके **या** : श्रेन। विद यदे नुना भटक है केर नुस नहिना सुमा मि विनशः क्.रेश भक्षे भ क् ब्रेटः शसिटः। ब्रेयश हमास सुब ह्वीर बर मार स्पर् सर बा । दे देश अने वे वश्री स्त्री नाश्चर वश्ली वश्ली श कु दब बेगकायायब्दिन्त्रायाया अदायबुद्धा लट लट.पर्वेटश.तश.६ तथ थे.जश.पर्वे बुःनाद नाबेदः हुँबः शुँबाकद व्रवः पर्ना । श्वेदः श्वेदः नाद य श्रे वनुद्ध हुँर य श्वेद। । दिः सुरः 
 로 그 성 구 구 명 절 이 기를 가 하는 명 기를 가 하는 경 기를 가 하는 चिरः श्रु सदै वट रे. नासन। । शेर में श्चन में निन ने इन श्रेनिश वर्ति । 195.21. रितानु तर्से से गहेर् यर सुना रहा सेवा ब्र्यान्य स्थान स्थान स्थान 1 । सें प ८ सें पार र. प से पा. मी. पार र पार र में या सेर-इन-स्मास व्य विट वर-दनावा 15 १ना५ म मनहार दें ता हें हा मा हो हैं न लुटा वशास्त्रमा तर्से माउन या से हेश माउन। निया । हे.विर व.ज्ञ्चा.वाब्य मात्रात्वाच्या हिर्। ोर्यचाश्वरप्रमुद्धः रचिद्धः यःर्येच जःरच्याय यःद्रो। श. मेनश स्त्रीन व. सबब स्तर हे नियम परी ामी. खेयल सक्षेत्रस. डीमो इ. रेमोश **ग्रीश**. यरेमो । اع، ع هد حد هد الحد الحد المادا देश भ. ष्ट्र्येश थ. ये. ये. वे र्ह्म में हो थ. ८८.। الي الله विंदः दः द्या र वे कदः द्दः सूरः त्य नातृदः। विश्व गुदः सः क्रेन्स कः नार्रः सम् र्ने नाश्वसा । होर. थ रूक चै. पश्चेर. क हेर. च. च द्रा । प्रम्माशः मः क्रेंग्रा प्येयः अदिः क्रेंद्र स् गद्रा मिया पश्च प्यामास व सहत् स सके लेट माल् त.श त्रं भाष . र्ट श्रुष . पर्वेश. राशा <u>ब्रि.</u>च रूश प्र झेंद्रेश.सिट.चर्-चश्चेषा स यन कुं कें ठ र पु रना रूप। रिम्रीटश.वे. वं न नर्से लेट र् के नश्र । | प्रमुद्धात के के प्रमुद्धात महिला पहुंचा भी के के के के कि निर्मेश हुंब चेंट केब कु.ज चेंबर उह्थ.रेट.। इ.क.रट धूना र्षेत्र अप्रेश नवरी युनाः ्र निर्देशम् नाज्य देव क जेश पश्चेत्। वि.च.चश कु.स्थरा चर्ड.कूर.सि.रेट.। **4** 

ळं क्षेत्राचार छ उटा वर्षे र्वा नाउट । ।स न् न स न र न । हिट हु हु दे हु दे । स न न न न **ॲंद**'दमुस्रस'र्म रैस्स'र्ह्न'हुर क्रूँसस'र्द्र' ।ट्रेन| रट:सूअ:वु:२.स्थ:रट:३:५.सुन|:र्नट:| । ।सर्ने द्र इ**र** हिंने फ्रेड सम् हे हेर द्रा भाग झ है दायहूर है । यहूर या रहा। स्ति । । त्रीत्रामें अक्रमानी स्तिरास्य स्थापना । । स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स् । स्थापना स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थाप क श्रेर सिम्पा बर्न कंवश श्र्मीय गुर य सहा নাধ্বম:মহ্যা न्दाकी द्वार विकास के कि स्वर्ग के प्रमाण के स्वर्ग के स्वरंग के । २ न वॅर स्व स्व स्व न स्व न स्व न दिन न यहेम व्यवस व्यम् हेर्द सु हमास द्रा 图5. स तयम्ब हु हमानदे क्रांच है की। ।ह्या हमान मान मान स हु हु हमा । कि हमान स्था है हमान स्था है हमान स्था है हमान पहिमानेमान्द स्ट्रास्य पान्दा। । श्रिनान्द्र कु:सेना कु:सेनास कु:सेनास। 1गर् <u>ব্র', নার্থ, ই নার, রল, ছুহ, পর, নার্।</u> । भै: उद भैद: नु सं सं दूर है अ: य: दूर। । প্রামান প্র. প্র প্রমাধ্য, প্র. প্র প্র. শ্রীব্র নার্থর। ৽ৡ৾ঢ়৽**ঌ৾৾৾৾**৽৽৶য়৾৽ঀয়৽ঌ৾৾ঀ৽য়ঀ৾৾৽ঀঢ়৽য়ৢ৾৽৽ঢ়ঢ় ब्रॅना नक्षा मक्द केट हुर सन्दर्भ स्टायर हो । इ हुर दुवैयक कर्र समार व समिक वर्द्द स्थायदी । ৰম'ন্ত্ৰ গ্ৰহ'ম গ্লি শ্কুলমানম-মহাল্**ম।** । स्य सर्गे ५५ व सहैव सह र मु विदाय। ।য়ৢৢ৾৾৾ঽ৾৾৽য়ৢ৾৾ঽ৽য়য়৾ৢ৾৽৻ঽৢ৽য়য়৽ৠৢ৽ঢ়৻৻৻ঢ়ৢ৽য়ৢঢ়ঀ &'मो'.पर्'.पश्रालब'.प्रमा'क्रेर'स्त्रेशती वर देश रा मिश्रमा । श्रामिश्र ४५० हिय अर्थ में पर देश रा मिश्रमा । मायश मिर्स्य सिट हुन अकूर नीट परण प.श्रेट में जूनायां वि. शुर ने में सिट न र प्रिया नार्य नाया । वि. शुर ने में सिट न र प्रिया नाया । वि. श्रेट ने में सिट न र प्रिया नाया । वि. श्रेट ने में सिट न र श्रेट ने में सिट । वि. श्रेट ने में सिट में सिट हुन श्रेट ने सिट हुन दे.वंश.रेयोर.वेची.अक्थर ट्रंश अक्रूर.चोट.चंद्रश । मिं क्रुंट.उर्देश.चंद्रा.चंद्रा.चोर्शट.कें.चोट.वेंट.चोर्शट.।

व रेनि श्रेन विर सर्वे न निर वर या न स्थित वर मेरि देन में हिर महर। मु मूं दाना र मिट भे मिट भे प्रदेश प्रदेश माश्रदा । मूर्र मिट रचनाश महेनाश माश्रद श रे मिट रचें। |मकेन मीते'मकंमस धेन ने देन हैन मदे'नन। | व स वस वे हुर न सर्हें मार मरमा म्पर्सः महासः सङ्करः सुनः म्पर्वः महासः सङ्करः सुन महास। । इनास य वहः वहिते मपस मर्पिनः सक्र्य रेष्ट्र. सर। शिमित्रासप्. स.येचा चीटा सिट. खेवा सात्र सर्था हि.येश सक्र्य, चीट. भिष्या प्रयं निष्या । । अपिया कूमा नामा है मौट है विनेश प्राप्त वर्षा । त्र न से प्रमुद्ध ने मार प्रमुद्ध नायर प्रमुद्ध न दे.ह्नां म मेशिश भ ट्रेंट् केशक तपु चीशटा। । त्रिंटिश चोलश चोल्ये अपूर्व हे.हे. ही ये चोशटा । सक्रव मुक्ष सं नदे खुय प्रस्ता श्रुर स श्रूर । वि नदे नायक नाय कर महि र वि ने वि न ने क्या नाया मार्भे मर्द्र में लेट स्रुव माया। । वि नाया स्राय क्रिया क्रिया है वि से हर हें या। सह.ची बिट.वंश बेची.मू कु.ली.कुंटा। । अड्च.चोट.वंद्यताच.र्ची.लू प्र्र भूची.कुंट। । हि्चेशः क्.वींट.चाश्चिभ ब्रु.क् वींट.पीट.ता रेटा। वि.वींट ग्रीभावें, मीटावींट.क्ष्यं वींट.क्षेत्रों विट.वींट.पीक्ष्यः बु.चीट.बैर.मीट तर्टा। विहार्बर.मीडा.बु क्.वेर.चीट.बैर.सीच जिहा.मी.क्र्र श्रीराश्चर्यं त्र पर्वेच श्रितः ग्रीटः चक्षः प नर्च श्रवेच वैशः सूरः स्रीय। विश्वः सुरः दे मूर वहुंबे.ज.वेर.स.पत्रदश । १८.वे. भरेव मित.वेर. भ.पत्रदश.स्वश.लूबा चलेव स्वरायना संस्था मार्था दक्षेत्राया । । नावर राष्ट्रीत हेनाय देना यश रियु रे বর্ষী বিহ্না.বধু.৪বগ.জ.গু.২৮.এু.খনা.ন*ুগ*া भि 2. चालश दाश खेथ. चाट. भक्षभश्च वश्च महिरा । निर्णेष वश्च श्वर महिर महिराल द्वर मिर महिला । ने वश्च खुक मुर्बेर.कुट.र्ज वे.लूबा विचाय.त.चे.श्र बट.मूल.लचा.कुर्वेशिटा हे.वेश.म.बेथ. श्रंब मान्य भेन् हेर्न महेबा विन् हुन महेबा विन हेर्न महेबा सैटश्र.ग्रेश.सूर्य.तर.प्रचीर। ।येट हुल.यश. सूर्य.तचोश त.से प्र ठंड्य.त.हो। ।ये त.श्रे हे प्रैण.ज्ञिश पर्ये प.लूय। ।व्य. हुल.प डचा य. संचामी चेथा.सूर्य प्र प्रहेय.य.हो। ।चेला. ह्या प्रचीर प्रश्न प्रदेश व्याप्त प्रचीर प्रकार प्रदेश व्याप्त विचा दे.वेर.डु.क्ट्र्य.दीश.पर्ये रिव.ल.वे.व.पुश.व.चेश.व.चेश रिव.क्स्थ.ख्र क्षेच.वे.क्ट.

|र्बेर्-द्रमसःयर:पर्नेदः ॲव व:हू::**र**:'प्रा |२५.वैश.द्वरानः রুল.ভিনাশ.৫হ। रैसस ग्रेस प में। । सम्बानिया के प्रेस प्राप्त से दें ने प्राप्त हैं ने 到9.5二 |सर्गे रदः १६ समा द्वराय द्वराय मुन । भु दिनास हुदः स्र-व-रेना-व-स्र-य-प्येवा पष्टिम द्वा हु: पर्ट्स सु: न्या । न्या प हे: द स्था सम : न्या गुर्स प्रेस प्र 휠워'두드워'두다'요독조'레씨의 휣리 각조'링기 | श्रिम द्रेष प्रिटा हुस महीर महिन नगु अहे छ। | वु रस दुस वट मार्ट हिट हुट मार्स स्मान्ता । ज माट दिस्य रट हुट वर हें मर हें मा देनाश रट. पहुरा वेवक रट. रट. सेवश श. जुरा । रूप. हूर नायर मुच स्थापहुरा सेवश श. हूरा। हुन् अदे ख्र प्रंत के मान्द्र पान्दा। । मान्द्र वे देन वक्षेत्र अत्य वर्षेत्र अत्य वर्षेत्र अत्य वर्षेत्र अत्य मर्केना सुर मादे रहेतु हो हेर नहीं नहीं। ें राष्ट्र विश्व र्दे-वर-व। विद्यान्त्रिय मी-श्रेष राम्भ्यानम् अर्थे । स्रिस्यान्यम् अर्थे । । हिंदा के रथर द्वेच दक्षश्वाता तार वे नाबना । शहिकाचा क्षेत्र वाक्षेत्र वाक्षेत्र । শ্ব:**ব**শ্ব:২ম:শ্ৰু प्रते. चढ्र- स्था । च्रिट- स्था । च्रि- स्था । च्रिट- स्थ ষ্র মৃহ ধুনা গুল প্রনাম বিশ্ব প্রামা নির শার ব্রহ স্থি বিশ্ব প্রাম্ব প্রাম্ব 到了 मी'यम्ब'सर्ना हैं प्रमानमा'य' हुय। । सिर्धे य दसर केर यद गृद हैं य प्रहा । 

हि.च.बै.मुब.हेश.च.चट.चहुर.जेश 13.2्थ. व्यासक्षरा शुस्तव्य व व व व सिंदा। |र्टेश क्रुटे.वंश वंश केंट.चंडु टेश टेसी खेश निट. व्यव नीश वर में नशर हैं द वेश 15. हिन्दर व धेस वर् कु त्रवेस हनास किश ব.ব প্রশ্ন সম্ভিন বর্দ্ধ সূত্র প্রশা । इस होर यह मार्वेर ही वस महमा म है। ।स्रव् यः इससामितु द्रा चेर्रा पह पर है। IE र्ट.चार्थर. | [ 교·영·피도 55 디 교 활 5 5도.| इसरा.वे. चोर्च चत्. सेचरा व.चाराजा 劉拉美。 किंद्र सम म प्रेट कर देशका वर्षेत्र म पर्टा सः खुद स मग्रेशः क्षेंस मविद्। |सर्ह्य स्ति बर्जा नासमा सिना न कट की BHT. वित स् मोर्टेर क्यां शंस्र सामार्वेरा । ह्यें र मा में है यर्वा मार्ट हैन नहेर सेवा वर्द्धः त्रवासर सर हैए वेंश व नवेंदा ।यर्'ग्राव,वर्'क.य.र्'र्षु,त्रं श्र धर। 19 खिश.टचा.रेचा.सैज ७ ईट. चुब २.च<u>ब</u>्री الَّمُ جَامِر بِمَ جَدِ هَدِ عَلَيْ مِن مَا جَهُد عَدِ اللهِ الْمَعْدِ عَهُد. र्र. थे. चीर व मीर.र समा.सा 图5. बुट.वर्-१४८.वर-१४.व.४४.वि.च.च.च.च्य.भ्र.चा ।४८.कु.च.च.च्य.भ्र.ल.चा ।४८.कु.ट.च. क्षेत्र क्षेत्र स्त्रीम नद्रे क्ष्रिं मन्ता । क्षेत्र प्रस्ते मन्द्रे मन्द्रे मन्द्रे मन्द्रे । क्षित्र पद्रे क्रमा स्मूना निष्ठे र स्मिना में श हें र निर्देग्या । स्मृत र र महिन महिन में निर्देश मि र र । सप् मि.च.चेला मिका के स.चेट चढ्ल चप्र में स.चीट । जिस्स दे.चील स्ट.च.लच वर्ल चप्र में स.चीट । जिस्स दे.चील स्ट.च.लच वर्ल चप्र में स.चीट । जिस्स दे.चील स्ट.च.लच वर्ल चप्र में से चर्लें ाज्ञ सर क्षेट. चश्र. तथा ग्रीय चैं चीश्र. ता. घरे। । चांड्र शर प्रचय. ग्रेश.४ हम है.ये 

। भूर वा वर्ष र सुर वेद मूच वे नार्श द हिटा विष्टः क्रेंद्रः क्रवः क्रेंः सुः श्वना मान्दः। 16 प्यांसश यसेय सर से दिया रय यर हिंदी । क्कब वि : इ.ट. हे : कें ट येव खुमा चेंब नाटा। हिं लें दें अ नु निहेन हैं रूर मान |श्चे× घ∙शे° म्र्रिः मिथ्याम किटा। ।यद्देरशः क्षेत्र पि यः यह्येशः मीटा मीहेशः यहि हा महिस रेमस २ हिनास संप्त नासर है ट सेम। । १२ इस छ नासुस ५८ हो हेस हेना ५ ५८ । म्री होश्रामा न्या । प्रश्ला भ्रम म्या । प्रश्ला भ्रम म्या । प्रश्ला भ्रम म्या । प्रश्ला । प्रश्ला । प्रश्ला न्या । प्र्या न्या । प्र्या । प्र्या । प्र्या न्या । प्र्या न्या । प्र्या न्या । प्र्या । प कि.ल.पर्विजार्पात्र्यं नास्त्रा विष्टाचीशाक्षात्राचा चीशास्त्रीया । निर्मणन बर व्याप्तः इस समा निः निः मध्या निः मध्या निः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः क् भूज स्वयान्तराम् अभावनाना । १५५५. र्मुन्य निम्यान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स कुं रूट च्ट्र-व.में . भूचा चर्ल्य चर्ता चर्चे वा विद्या साम विद्या साम विद्या साम विद्या साम विद्या साम विद्या सर्- न तुर-न-प्रदशक्ति चर्डन कुर वर्डन ।পদ্ভিশ্ন বধু ধর-ল-ব-পূল-ব্ বন্ধল দ্রীশ-বহুল। | वर् हिट. देट. शहूश्व. दर. केथे वा. वश्चाय वश्चर. चीर्टर. । यर ग्रेन वर था स्निम्ब र ट र र ग्रेस वर्ड्स वर् महिस ख्र व नसेय रूट आट वस नहेंस। विर स्वन न <u>र</u> जा पढ़न पश पर्श पर्वेश पर्वः वर्षः वर्षायः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः निन्दु हैं हैंद वें नासदान सर्दात्म ने मुन् लश्चर्यंश र्रेन वर्ष्य ववश्चर्य नदी लेतु हो हे न ह वर्षे। 115,44. । खबाया वर्षे वर्ते इ वर्षे दे वर्षे दे स्पूर्ण व वित् वर् पर्वे सं यत् । वयस प्रमुक्ता ारे व विरायर क्विट मी वर गुब क्वा इ.च युटा अप्तिश चर् गाव नाश्वर रे 'उर्वेश मह्मेश्र ब्रद्धरम् नित्र दे सामित्र केरा पर्देशशा ।रे.ज रुचे.च.रे.चेंब.रेट.चंड्र् श.स्टब्स.चोश्चर्था। । अर्र प्रमुख हुँ न्द हु स्वा दस य गहेसा न्द्रे व सर्वो व वर्तुन् हरी मूटस सु नर्ने । ानावसाणे रहे वासालु लु यादरा श्चे वान्त्रवाद्या प्रतानिक विकास वि

। छ : मुख देव : क्रेंद : ता विनास : न से न हे स : श्री कूष रेश. धूबेश. रेट. रागेश.रा. थे। हिर्देर मुझेर प्रहेंब र्या दा प्रमेन पाइब य प्रमेता । गु रवे व रटश.पित्र.पश्चरश रट.धूरा **夏**. |से सक्तासूर शेषान निष्ति डे दम र्सेन ५६० छैन कु छन डेर ५०। 劉 विद्रात्तर देनाश या हु दिर हो ह्या माहेश हूंच ३.वे ६ ५४.वुश तर.वी 155.5 ।यन गर्ने नस हुर ही नस पर्ना मदे। ह नाह्य ह्येंद्र न्वदे कुं त्य नहना न द्रा हिंश या व व कु हा व न में वा विश्व में विश्व म 124 25. 19cm |सर्वन केर विमानित पर्याय देनास वह नार्क्स है।। अर् प्रशेष हुन द्रनाश हेश हुर हु रमुर रे.रेचा.सु वश्र किंट.हेचाब जुबानर हो। । विर चर अम् जिबास जिबा रेट.श्रेश होरी יקר קרי । क्रेंन्स च स्वसंस उर् मुँ च स्र- सेसस द। श्चर त्यांच प्रेश श्चित्र हुत्त मान्य स्रे ८८.३.स.सर बुट समें मू.र्यहर सम्बायान हमा हे विश्वासीर प्रश्वीत नार्टा विरम्भाष्या वेशमा वर्षे विष्मान्य प्रेश वरेवक। र्म कुराम न लेट कुर कुर पर्री हम में द सद द द में माद द से द सि ही। हैं दिन हिंद कर हमा है कि सार ही। यव मोर्बर अर हुँ हैं। पर्डश स्नियश पति व पहुं । । पर्सिर से पर्सिर स्म हैं है में हेश म हहें दें। रे.बस.चे.चच.चच्चा.च बेचाश.च.चेंटा। ।श.बेट्र नावश.बेचाश.झेचाश.सेंचाश ल चा.प क्या। म्नन्द्रम्मन् म्र्यान्तः के विद्यान्त्रम् स्यान्ते । विद्यान्य क्रिन्य क्रिन्य विद्यान्य विद्यान ।नाबर हिट ह्ये पर्सेन पनि पनानास होर पाना हे.च.भर-कर-बि.चर्-पोर्श-बिन्धा-वस्त सिन बिनास नाकेंद्र के अस स्नेम सर्ना नमर विदा । निर बिनास र्सर पुर मार मिन सर्ना से होन । सिश्व. हो. तमाश्च य. हैय. ज. प्रचेश. दंब. प्रचेट । । प्रूच बेमश. ज्ञ ना. पर्व बुट. होब. व.भुर। विश्व बिनाश.डचा नाड्रर.कु.बुट अध्य क्षेत्रस.पह्रा ।सप.कून्स.प बिनास. २ चाव.वट. टे. उ.ची. । त्यां क्र्यांच खेंचाथ.चमीटल चर्मेंचल चे च.ट्यांटा । त्यांच. हैं निवस तिश पर्ट हैं प्रमा हैं निवस हैं हैं प्रमा हैं से प्रमा है स महार् मिंब दर्गेद्र। अनुबार या बूँचरा दृष्ट इत अवसा क्षु की मेंबा । जे इना बूँगा

पहुर्थः क्षारचीरः शत्र्रात्र्रा ।५क्किं,चर्ड्र-४.५चुन्,सार्थ्र-१न्ग्रनः हिटः स्रेन्।य.५८न् ब्रेंट सुनाय रैना सुनाय ही रगाय मि सट हो। **प्रियां मेर हीटा पर्क मुला प्रस्ता ह्या पर्का प्रहार** निष्यु पहिं निष्यु हुट श्रुवाय नाश्वय मिना पर् ाहुर से अ'**ञ्च**र,'२ईसं स'न्युन्नस'न्द्र'हें रह क्रॅस्। । रे द्वा वर्ष्य व्यय सु दूद है ज्ञान निहेश हिं वर्डेश क्षत्र रग्नु इश र्ट हेंर सम वही ट्रॅर्-नढ्र गुँब-नढ्य-नश-चिट-क्षस प्रह्म। 1रे नमाये ३.३ मु स यर महाया वर्ष्क दे वा.में. यंबा.कं.िंच वश्चीरा ।म.बि.श्वर.वेचायाक्षीचायाते <u>भ</u> ट्रॅट्रपक्षीरा 16. म्बर्ध तह्या है सद्याम्तर लुब सर हिरा विना लिनास हुस हिस ना ५ मा है। न्द बुनास झूस दर दुनास दर द्या सहे हा। |द्वापात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्या र्श्य.बिनाश.स्रे धट झ्रिंस.चर्ट्स.र्थंस.टेबाश.ची। । तत्रीक . खेनाक . प्यु. सर . प्रृ सके . खेना . प ये। । र्रिव प्रमास पर्व प्रविद्य : ह्वव स्मार के : स्मेस प्रमास म्बेश.प कुर्माश.रेट.इ.र. खेर्चाश.४च४.रैचीश.ची र्बेर सिट प्रहार है सेर कर से अ |इटश प्रतिभक्षःश्रीभः <u>पर्ष</u> चे बुटः शिषश क्रेशः सर्वेच । नश्चेश्यायाः श्रीयः पर्द्याः सः प्रतायः छ । स्थयाः न। म्मिर्गामार्सेमायकुमाम्मामाराचेला विज्ञा प्रमुख्यान्त्र्वा सुद्धाः स्राप्त्रा मन् निक्सा |म<sub>] च</sub>र.म.४ नर.क. दशः हुटः नुम्बरः गुरुः महर्स। । | मिनाश.रा.श्रेंश.पर्ट्श.पंहश.कृ.श्रे.**लेश.**रशय। प्रमुंश य झर पढ़र पढ़ी प्रम से भेश सर्वा र्भेना पहेंब कुटाय देवासर द्या सके छ। ार्चेट.चेशट.**१भश.**शे.भु.लूश.घरेचे.चर.ची । वितः होतः हूँ की की कार्या है । वितः होता होता होता होता होता है । वितास होता होता होता होता होता होता होता ह मैं श्रेव.तर.?श.ति.च.हेन.इट.वीच 18- sur yer. g. 9-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1 क्षश्च-रेचिश्च-वि.शु.पर्वे भ लुश-पर्ही देन्द्रम् क्रम्मी वर्षाय वर् मेन्य नुष्या ·मिटान क्सराय हुस नहेंस नुन्स नटाओ । । सिना सिक्ष पर गान सन दन द देश धर पर पर्वे हा । यहर गुरु में के के के या हु ट वर न्यूट अट मेर् |मर्मिश्व-क्द्र-वनु-हिट-वन्-ग्राद मुट-व-वर्झ्नद्रश| क्ति वे कं मूर मुहेश मा बर नु नहम ।वेर-वर्र-वर्र-णुब-इनहिर-कुर-नेब-वेरा र्टार्व वर्पनसन्सन्तरायटास्ट्रा क्र-मिलिमाश्रास्त्रा क्रिंग स्त्रीय मुद्द मीश तर्नेग 'ଽୖୢ୲ୡ୕ୡ୕ୣୢଌ୕ଽ୕୕ଵୗ୕୕୶ଽ୕୷ୠ୕ୡ୲ ୲୕୴ୢୢ୕ଽ । त्तृ के वित्व ने वस समित वर्ष निर्म प्रमान वित्यमधासम्बद्धं स्त्रा अस स्था हासूर दास्य । रे मृं सुरु त्य नावस यदे सिह्म य ता म्रे.पंत्रं म.बे.म.च.च.तरंतानाल्याः नथा मिश्र-नेग्नेत अम्बिस-यदी-बर-इसस-मुन-यर-होन्। । ार्डे प्रानावश्वाचीर कि अर्थ क्वेचा नाश्वश्वा न्वे न हैं न वे त्रन स्याय महेश

।सर्वेट वेर सर्वा नाशवा दर र मुन यर् वना पड़ वेद सद्दर वर्षुर ह्युव वेद द्रा । ই । भे । ह नास । भारतीस । या के नाद । ना है स। ने प्र हनास या श्रु नि ही सना ना हैसा 1म<sup>3</sup>र-किट.ि चि.पिश.क् श्रुश.रर.क्री सम्बद्धाः वदः वः चः च त्वः मार्वः यमाश्चः श्रेमः श्रेमः 18. Jan 20. 8-122. 122 34. 54. 41 भर्षेष्ठ. रा. पर्वि श्रीची, राचीश रा श्री ६ अ । भेना ह्वेष हु : सेर । हुद : यर दे स दलर। म्राट सिंध द्वार मिंट सिंद र मार्थ सिंद नि क्रिंग-१५ र्दे हिट पहार्गाय परीय सेंग्र मार्वेर। । ট্র-রবা বাধধ বীশ্ল সামুধ বা ধ্রম বা বার্থ সা |मम्बारायाचीरामार्डेरादरावराचेराययेय हेर। क्षिट रेट.स.बि.सिचा चूक.सस्रिस.वर.बिचारा ।म. लु. नादशः मुरः तथः क्षेः पर्ना क्षेटः पर्ना विट.ची.चोबश.चीर.स् ठ स्वेचा.देवा.त.चश्रश मिया.मी वावश्व.मी र.चर.गाव श्चिया.स् प्रा ८६.२७८.श्रेम.१८८.श्रेव श्रेट्र.१५म.२.वा IE.सर. से में अप्तिश्रासिता प्रस्तान व.रट.। भ्रम-कि.शुर-पर्वेट ट्रे.श. श्वेंबे.तश. लुशा । भूत में ' खुम स्नाय म खर स्वतः हमाय **ये**र्। मम्बिस-पर-स्नुक-बुन्स-मिस-प-सुर-अ-पर्ग भिट्टिशःश्चेत्रःश्चर च ब्रेटः दृदः वि दिनायना दे.लट.चेवस.रेट.सूची.के.सूट.चस.चुंशा |मर्प्तेश्वरातः सः मृत्रारेशश्वर्षः वदः वद्यश । केर्क ट.चन्या हर वर् वेव वरे वही मही इ.म्युन् भून कु.चर्षर अर्टश श्रुर जश जेश । गुन गुट सुन रेट मुन रे केन पर दुवा ।सर्ना दमा अप से देश देम हेम दक्षा ्वः <mark>षः दवाः वॅरः गुरः हे न्नुः श्</mark>चेतः वडी। /ସ୍ତି ଅକା:अप्तिश्वःयः स्ट लश्वः एडः युर हो । पक्षे.यदवाः विर क्षेत्र क्षेत्र व्यक्ष विषयः विषयः विष्य l퉑고 ð**5**.황다. |त्राम थे:यरे:क्वें:क्वेंद:कंक्द पर्म। नकः र्युमाशः में रिः में सः र्रः है। ।सर्वर नेर कर चीर अम् ४.१६८.४वेट मोनुरा ।शूमा.शूर.शूम मुश्न.शूर्म.जूरश.रूट.श.शुर्ट.। |মর্ন নার্ম্ম ৰ্ব শ্ৰুম: শ্ৰুম: শ্ৰু: রূত্র কি:। 14. मिनश र्जे बना झ प श्री राज् विश्राविष्यः श्री । हैं प्ले वर्ड्स वर्स समिस वर् कं मूट माहेस। ব্দট্ৰ প্ৰশ্ ৰূম ন শৃষ্ঠী IQ.A. 

मु. भु. र्या. च.क्र. सिटश. यीश. रविणा । ४८. ५२ थ. भूना छ. यत्ते ४. २ गार. २ ८. १२. ५ नान मि क्षेत्राने नु श हिंदानु कायाना। |न्सेर गुैंसे र्नेन्रेहरूहर अन्तरा नश्चेत्र हिंद भेर हिंद हुना हैं यर दी। । मीट शहिश वर प सम हुण वहीं में शहरा हैंदा । म्रील श्वेट ब्रुट.चर्छ.चर्डुचा.चर्छ च्रेड्स.चर्ह्यच ।भूव महिसाह रेन अलिट यहितात वा श्रष्टिशःच.क्षं तथः प्रश्चिट्यः प्राः । विश्व दृत्य वट चीटेटः चोड्यः स्ट्रीचश्र ग्रीशः रेटः। ।श्रट्यशः ≡्रशः स्त्र्चा भ्री ग्रे.स्ट्रियः प्रिट्यः चीटा। ।श्रीयः वैचा श्रवे श्रव्यं स्त्रिचा श्रवे श्रव्यं ।श्रदःशः वर्षे यदे ववस वहूर या । निवे य हवास निर्मा वर्षे ववस निर्मा । निवे य ब्रैं दर में सना क्रायानी । ब्रिंग्या सुर केर में ख्रुना में नाश्रमा । नदाना सुर से

| वन् गाद सेन वें सिन्नेस यदे हि सिन् स्पेता । नर् गार ह्मना चे क्रमी विस भेवा |কৃষ:ঘ**ম**'শূৰু 13 मन वहेन छनाश सुँट केंस पर्वेर छेर हा चिन में हैं नहार अली । हुन्थाः ताः नदः नदः नदः नदः न्यः । श्चिदः नेदः कुः स्थः स्हिन्यः । श्चिदः नेदः कुः स्थः स्वरं नदः न रे.बर.र.श्र<sub>ट.वर्</sub> जित है. व ह वर वर्त व ली । वर्ण व किंद्र वह हैंद्र रहेद य लशा 5.51 चित्र ने हिल व व यन गर्ने के वे यन मन्त्र । तिश्र मुँ रूर किट हुँ हुट टुन किट तकनाश। 19135 लेट:यडम्बाय:यदै कें न यदे य कें न |सिम्याक्षेत्रवालेटाक्षेत्रयाक्षात्रवाक्षी । उस लें कु: चेश य.भ्र चाश्रम प्रद्व.च रचारा । त्रक्ष न्दः ह्ये दः त्यसः वस्त्रेयः नावे दे दें नः दर्से ना 135. च्य.वेश.६य.चेट.हश त.थ। 195 गात कोर वॉ मॉ 'ऑक्स ख्रव'रुट'**र**ट'। 12.4 ग्रवःश्च व मूदःवदे द्रन्त्वसःसेवा 1रे हिर के व हेम लेट रट हिर प्राप्त שב לאב. र्खेच मीट.श्रर.ध्रेट.क्ट.ज.श्र्चश । इ. व रजाजा हिंद ब्रेट के अरेगा शरा 121- 4.9. इर् के सर्केन संस्म दुस न [최·포도 2대.ñz., 토화.남화, 상년, 저도 밝기 नर्गान् ञ्चना 월도 회년회 그 월이 이 그 그는 विराद्यासर्वे वर्षेत्रासर्वे रतायम्बीहरू व द्या احدُّ ١٩٠٦٢ च्च दे बर्जायानुबायान्ता हि.लश.रट त् श्रिया.त् यीश.त.ही ब्रि.च.भक्रुब. पर्वय:र्टर चेट.चट्र.क्ट्रेट.कर.चर्चेरी ।न**र**.पोब.म्रीक [नर्-णक् सिन श्रमिश सिट-न्बे-श बि नश यासु सार्ये पि मु 155.2 IP र्ना रु हर मुर स्था श्रुम र्वर वर्षे नश्चेत्रम्ना सम्बद्धाः स्टूटर्गा ভি'মর্না रि.क.चर.ग्रव झून च.चुक्र.ख्या छ। मिन भर्मेश हैंनश हैं के नदे नेश । ह वे ब्रिंग इना निर्दे ब्रुग्न केन क्वेन रकः। IL. L. 2c. श्चना वना दे 'दर क्रट य' हो। क्रिक्त सकेव में भ्रमिता प्रेट मारेट । Jaj.∠Ľ.§. मि से निर्मित्र गुट है। 15ेर न लेखानु त्राह्म प्रशासाधिक াই দ্ৰিব প্ৰশ্ন ক্ৰম্ম सर्थ.र्ट्रेश.ष्ट्र.विटे चर.वी ାଖ୬.ଖି.ଖି**.**୧.୯.ଖି. ।इ.रट.की.चोडेश.कट्ट.चर.क्.च.रटा गीय.ज.बिनाश.च.लुरी सिय.क्रुचेश.यहूश. |सर्में दिर सेन देश सिना तर व व दिर <u>ब्रिट-प ३सश.पत्री</u> र् मुनः हेव स्निश्नावाना निः लिटः दिष्ट्वायान्दा [파드·디디]. न् वन क्षम हेर न रा शिवितास्य प्रति हिन् हर है व रूट। हिंब सेर व व्यायाचेत्रपरि शृत्रमणान्। |मर्के नर्भ नु न में नर नश्नाश नि कर्। मि.यन्पय. ले⊏ मुर्ब कोर'रूमा'प**र्वो** |मर्के रताय के लिंद सुनाश यसनाश यदे करा सिंग दिया. र्नि.सिना रे.श्रिनाश्चर त्रुवा पिनीटश.स.धुंश.चे.सू.च.मी 1नर्'ग्रन्त्रम् 55 हि धुर 5 यह नवीं

श्रम्बराष्ट्रास्टराक्षाया । हु सर्वा न्यर सेर ख्रेंचा य प्राप्त य प्राप्त मुद्रायास बेदायर्थ र द्वा । दुरु ' के क्वेर च क्विर ' क्वेर देर मि ' देन न |राईब:ग्रें र म्बार वर्षे वर्ष वर वर्ष प्रता । क्षेत्रेनास न प्रमुद्ध होता क्षुत्रास के सक क्ष्रेस हो**र**। 1型乙刻. श्.कृ.श्रुर.या.मृ रक्षाःश्रीयाय। ्रियः चार है प्रहिनाशः चार हेश ख्रीर दनश वे। । स् व प्रमिट ध्रेट. कि अश्र प्रथित र स्मारी | महिमान में लिट ह्या में हा दू कहिया निवंदा. रेम व वानानेम लिए सबब वाना [कु:रम: ह ग्रेसश:मि:त्रश:सः ह न<u>हि</u>न विश्वय रा. सिना असिका नाके का नटा नर सिटा नाके का ।वर-र्-ुक जूद वेर्-ह्रुबंश-रवन यासे। 1241. |बर दर्वर रहेर पर्वर क्षेट मीक्ष देर हैट मी श्रेष क्विंद.रे.धित ववश.य.च.रेट.। 133 यर क्रूंबोश तह रेश.च यरे.चर.क्रूरी । सर्वेद से प्रमुद्धाः पदीः नुषादः विवः नुः वा .4.9. । अधर अर मिंच अप्रेश हैं यश डर यर केंट उन्नी तन्त्र नभ्भः ह. क्रिश ह न विद्या मीर याक्षेट करायाला नेबा लुंबा है। । इस हिंद नक्षेत्र नार्दे र देंद न हिंद न हिंद न हिंद न ह्यं तहन पह नगर ह नय ह मर्ने ही !ने दिर नर ग्रह श्रुवा से दे रे मुख नकुर था मुं द्रम्ब व सक्षेत्र से यदे र मुच मानेदा विट के क्षेत्र मुद्द लिट क्षय के नहात्। २० श्रीर से श्रीय घर है ट. नेवन से दटा रि. पे सर वर्गा प्रिर च श्चिमा श्चि महिरा ने नग हुन वे त्युर व हु हनशासना १ष्ट्रायन बर्गाव हेव छेर वर शुर वा रत्ति से परे हेर् प्रतिहरू सर्व मुन मानेरा ।त्रम् कं कु क्षुर क तुम लैंद क है व द्याया छ गरा नेर तह दाप प्रमुद्ध के प्रमुद्ध के प्रमुद्ध के प्रमुद्ध के देश के कि दश्र हेर सम् विस्तरसम है है से हरी । पर्वेर नेर न किरस न सुस्र स र जार त्या के नहां मार नायाँ। यर् गात ने देसस्य नहेंश यदी रेस य दी। नित्र व नित्राम् श्रु व र् र् र् र् क्रिय रहेश। वस क्षेर् क्षर रचित्र हो नवि खराय हुरा । हैं। पर्वस प्रेयु होन होन प्रेस पर है। 175 ारे. <del>व. इ. व. बार्श र. मी. खर च. र. ।</del> । मी. बार्स र. येव श्रुर तूर श्रु.पर्चे.चब्चेर.च.श्रैरा च च क्षेट में श्रुमश्र ग्रु द्वा 

15न-5-न-न-न-न-न-के वहु द्वाता । सन्तु तु हु हु के ना र 'र्ट 'त्रम 'लुन र्ट । | 발전 성·호 소리환·성 리험도·저희·성 소리 | 1정실·완. | 환전·취·통한·너 건석대·취환 최근·너고·김 | 연구. चत्रद र्वेच.च.र श्वर.च.क् श्रूच.रवेना म नुश के म नदे लें दूर दूर। चिट.च.चंब.कु जिच च.चंबर.च थे। ।शहू पिन भट.रेश क्रेट चीचर.मीश.पर्श ।मूट प्रबुध मुब्र बश र्म पील ट्या मीट झट। ह्म ले रमावस होटामानन हेन महेना स्य मेट बेट म्रीश प्रज्ञा । त्य है. र. रेट. द्य म्रो सिट रेट.। । प्रश्चानाश्चिमः हेमा रे. 2.일 다 신.山 [라山.G4.山.노.뤎고.네之다 다시다.귀화 륌다.] [2.집 토 첫 니다 편화. सिन श्र-, नार्टा छिन श्र- श्रेस् श्रेस् श्रेस् स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत र्टाम दम्माब नदे नुब सु हु नर्दे न । विश्व सम्बद्धः देशः विः हे त्वरः तम् विमा न्द्रः वनाः वद्दारायः सेः नार्वेद् द्रामः नद्री । बटका बर दिए। मि. प्यांचीका व प्रधास करी त्त्व : इव: मेर् : वर् : वर् : व्रॅट्स : मेर् : केट ! |र-विच-पदेश-लूश-च-र-क्र-ब्रैर-चेट्ट-। बृत् ने त्य रव दव दव दव दव दवर द्य से त है। ।इ.ह्रेंट.के.रेशर.जें.च.षु.च रेट.। 47. [24] : 32. 12. 15 M. W. SEN. [34] : 42. मिंस र्र के वर्तु दें के जर् महिते नगुना र्वेर निर्दे केर में या में द नाओं ।भक्रू.रज.मी.सैंचाश व रशश.रा ते.यो र्गि.भक्रे.श्रस.संट.चासर.चक्रेट.चाश्रस.मीस.चार्स् वि.मट.चर्रेश.पिर र्था.भडिश ही लट.गी। । इंदर ने क्षेत्र ण र नित्व नाइट निड्दा िरमुद्धारमः मारमः सुनासः सन्। खैर स्य ?.रो स. बर्- श्रं पकत प्राञ्च हुन हुन वित्र ह र्नेम ममिस खट न है केन नटा |मे.पिट.र्ट्भ.श्रष्ट्रिश.श्रु.११ । तर्सेना तनु र ति हुम ने देव मि अस नही। वबर वैबा.बा.स.ब्रिस.च के.ब्रुज.रेवेजा अव विव क्रिन ने निन्दान्य नदान्य निवा निर्मा 

ليات.ا |ਰੁ:੨ਸ਼:ਲ਼ੵੑ੶੶ਜ਼ਖ਼ੵ੶ਸ਼ਫ਼ਸ਼੶ਫ਼ੵ**ਸ਼**੶ਜ਼ੵੑੑੑੑੑਜ਼੶ਸ਼ਸ਼੶ਸ਼। |ਲ਼ੵੑੑੑੑੑੑੑੑੑ੶ਸ਼ੵੑੑੑੑੑੑਜ਼ੑਖ਼ੑਖ਼ੑੑੑੑੑਜ਼ੑਖ਼ੑਖ਼ੑੑੑੑਜ਼੶ਖ਼ੑੑੑੑੑਜ਼੶ਖ਼ੑੑਜ਼੶ मुक्र श्विर। 12.वीर जूर ६.चब्र.ज.रब.स्व रहैता । क्षेत्र ब्रूर चढ्र सक्षेत्र कुं हिर चक्षेत्र.खे.सु क्षा ।क्षच्या ।क्षच्या होत.सु उचे.चीया कुं हुसा रूथ स्नैता ।च्या चुरेसा. चक्षर.चस्र.चह्या ।खिर.चर चर जार हुश होत.सीचासा.चेस हुला ।धु.उचें श्ट्र खे. चाक्षेत्र श्री.चह्या ।सबर.स चीर.च.चर.भर चीर.ता.सा ।धु.उचें चचीर.सिंस.हूर.मा. ব্ৰা.ব হু বহু এগত জ.বর্মা ।शुर्: हे**र** दर्ब र.ये चा शंभ. तट हो.सी श्रेरा اچُرَ: त.रट त्.मे ब्रेट.भ क्रश.रब्रुच १४४.पुर मैंचेश.पे.मैं श्रिय पश्चा पशट.रप्रे। १४ प्रेट. ।दर्दे श्रेट म् चंश्रा च भराम्या में मैंद क्ष चर योश चक्र चर प्रेड है है है नम्मेर चल्रा रे.रश.भ.बे.चह्र्य.चर्.यंचय पर्वेय.मा हि.चंब्रु.चेह्र्ट.ची.श.च.भ बे.लाय ্ৰাকু:কুৰ: र्मेश्वर मुन्दर्भ हो। ।ये.सिंग्नेश्वर मुन्दर्भ स्थि। ।ये.सिंग्नेश्वर स्थि। ।ये.सिंग्नेश स्थी। ।ये.सिंग्नेश स्थी।ये.सिंग्नेश स्थी।ये.सिंग्नेश स्थी।ये.सिंग्नेश स्थी।ये.सिंग्नेश स्थी।ये.सि |दङ्गेष:रूट'स बिर.मीर.नश मीट.बेर.भ जिस मधीर। हिंद मीस.भू.४हि.मीट.पिट क्य रट हो। विदस. ८४.मृना न मृत्यस नुप्ता । स न्यस न्यम खुराना अस मुद्रा । स न्यस न्यम खुराना अस मुद्रा । निते. तश भु. पर्तेर. वैश्व.त पर्या हि. च चेंट. प्रथा महीय. हो छिट बु. क्ष्य च. पर्तेर. चेंद्र. केंद्र. पर्वेर. वेश्व.त पर्वेर. चेंद्र. केंद्र. पर्वेर. चेंद्र. केंद्र. केंद ब्रिंग् । क्रिंग विकार के का किंग के का किंग मिंग के कर के का मिंग के कर के का मिंग कर के का मिंग कर के का मिंग रिते देशक हे द दा नाकर होना हिंद.त.दंद । । श्रा.क्रेंक.उट्टेनाक.हिंद.चक. हुदे.वता. ন.পুলা স্থিনাল দ্বীর মর নাধ.বনা নাল.ফীনাল ল.বঁহনা !८**६** २२.धैर.रहे अहिंश सम्म बि मार्डेश। । सम्म केट मार्थेट वट्ट मार्थेट वट्ट वि पट्टा । मूर्चियः कुट मार्थेट वट्ट वि पट्टा । मूर्चियः कुट मार्थेट वट्ट प्रमान्त । मुन्यं केट मार्थेट वट्ट प्रमान्त वि प्रमान कुट मार्थेट मार बर्गाव समिश्यामाश्रुमा । १२ में नासर दि है द रूर विमुद्द र केंद्र 15े.इसस. रदःस्र-तिश्वःचःला । स्र चर चरःगवः उत्त्रेयःचन् में स्रवसःदेश। ब्रि वस.पर्ट्रेषा. |चूश.बूची.मीट. दशक्तियर निवस य हो । विद् हुँ सस सिश है अर्ग व र वि पनीनी वनसन् बुट झुनास-व-५ छूट। ।ट्र.स-८ग्रेट बुट ईट ८प्रीय स्वयं श्वेर प्रि 185'45

13ह:ब्रेट |५८स'स'स'**लु'न५'ग**ाव'सुन्य नु**े५'५**८'। नाट स लु नरी अश ने मार्चे । । स स्वास स हि दर क्षेत्रास स से दे दे। । दर स स दे . में १मम मुद्दानी स होन पर्या । अकेष यदे निष्यः सु मुना पु दिनों र स दर्दे। IEd. इ र श्लेगशासार्ग्र परेशा |मिट सूँस्य पट मि.से.चरे प्.पिश चस्रमशा स्न कुष ने एक हिरा हुरा हु र रही | विं मके के से परे च्रेनिस यामा के दस या । निसेत हुः चे र कि मेर मिर किर के प्राचित्र वा ।स बु में झनश बेर नु स बु नदी । नन् नि ने न्द्रस् सः वंद न्य वन न्द्र नडस ল্প প্র ইমধ.মূ লম.ঘনান म्मिनाशास भ र्वे मिट म्र्रेमा चेर खिना थ। । नाश्चर वर. । বিং প্রতা প্রত্ম বর্ম বর্ম প্রতি । में ब्रेनश.वीर.शुज्ञ.ची.जश चर्णान नित्र ५५: से ३सर्य वर्गान मु लस वर्गान विट.ष् के ष्वर श्रीचार्य चेट श्रीचारा च घटा। किट रेन.बर रेन केट ने कुन.लूनकाथ। से अस्य स्वय व्यवीक क्षेत्र खिना**रा** जीट. यमीटल परी । इ. धून, प्रें ने ने में कर पुट चहुंबे. च. है। नुनाय में वर्षेर्म बुर्म स्थान ।मूर्मास वे सुट सब ह्ये ह्येनास ८८४ रेटस वेत ष्ट्रशःमाटः क्रेशः से 'दर्बेर्' भ पन्नस्य हो । तर जात हो नाहा सुनाहा सुनाहा सुनाहा । । तहा सुनाहा सुनाहा सुनाहा सुनाहा सुनाहा सुनाहा । ममिलासन हिंदाका प्रमि कुटा क्रेंस २५ छ। |८८४.स स खि.सकुर.तर चेरक.तपु.रेश| नशर यः श्लेमश्रास्त्र सं वि स् रामः मानशा |पक्रेटश.वस क्रेम्श.स.स.ख स्रूर.दे.पट्टेमा मूट मी.स्याश जिय. याशर राष्ट्र रेश बुंश दी। ८८४ स स ब वे बेर रे केर र देन बन ४ रे वे। ादमुटस-६८ अन्यः यस श्चनः वे - न्यु रू नमुद्रा। दम्बा, दर मुक्त सु केर कर बनु द वर वनुरा वित क्रम स्था द्या हिर प्रदेश स स बुदे प्रस वर्तेय व सून बर् म खब नहीं व ही। |माबर यह रेंब.४ कु.४इंट क्ट.माश्चेश.हो । स वि.चर्स वचस.मोस= केट.रेंश ग्रेश श्रीन । বুল কু'বৰি সংশাদ্দ ৰিচাৰ্ম নহা। सः लु छु द दु ख्रु केंना र निर्मेश क्षीं से ही। । वि: वदे अनुत्र: कुव कं: वर्षे अ नुश्वा: गुरु: वर्नुषा । रेश मालु वेदी मालु यहीद में मा न्यक्षेत्र क्षेत्रां गुन्दरायव्य द्वाधास्तर। । १२ हे स्रे हे दे कर् कि त्य क्षेराय महिला। हर्मा श्री भार्षे चिट क् नक्षेत्र पार्ट के प्रवेट। भार कुम सा ले कुट ले स नर्ट सा नक्षेत्र प्रवेट स्वाप्त प्रवेद स्वाप्त स्वा

नश्चेता ।पन्न सर.स.वे.संब.कर हो.ल्झ एहा ।सर स वे.स ब्रेस-टे स वे. । र्ट नशायह. मेर्ट. य. कर किया प्रदेश । हिं स हिं या हे से हिंद में से यहा । हिंद साहि से से से से से से से से स नश्चर न हो। । व नार नार निर देश नश्चिर है श्रेंस रहमा ारे फेश खें नदे हो. । झू ८ ट्रिन . ८ कुट : झैम. १८ अश. श. श्रुव . ८ दि। । रे नम्ब खबः कुँ र्हेन् हुः पहः से उर्हेन्। सस मान्य से दें दें के दें ने अप के मान्य IG A न नाडव.च च न दूर होना.च। ।हर ३२ हुर दर हो छ द छ छ। हर च न न्नेर पर नामे हुट विगर्भ पर्गो। न्यू द हे विहारण र प्रवास व हुट। पर्ग है श्रीद में निश्नदान अव दर्मा में मुद्रायश में ट्रेंद असश दा चहेंश धरे होतु श्रे श्रुमा हु यहें।। रे बहा सुमास देमा मार्शे मा मार्शे मार्शे मा मार्शे म् सर् नर ग्रेस हैं। ने हैं त्या ने हैं त्या । विनाय हेना कर्म स्था है स स है है स है से स है है से हैं से है से हैं से मिन्नका ह्वा कर्त क्षेत्र । वित्र मिन्ने कर क्षेत्र क

वयः स्वर् हें दे व हुर। । ७ क्रें यः युवा वर्षः वर् गादः सुनार देना तर्नेन 日.温约.3.七. वैदः माश्रम् । अहर र्ट मात्र हुँ र्ल्ड मुना कुट प्रदा मार्ट। मुक्त महे तेत हैं के स्वाहम महें। इं के स्वाहम स्वाहम महें स्वाहम महें से स्वाहम स्वा वैर्ट्स यह लेतु हैं से महिम यदे। ।।रे.वहा.चर.णव झेव.मी वर्डेश. ब्रिट्टीय च.भूटा ।रेट.िंच भू चट्ट क्ष.चंडा व=.य.००००० रे.मूचीय.च.पाथा ।श्चेष खेश.चे हु केशश.त उद्वेष श्चेष.चुटी ।श्चेट.ट्रे.ब.च श्वेष श्चेष्ट श्चेप विशेष खेश श्चेप श्च नर सर्वा । यह के पर्वा विवास अस हिन स वि पत्वा । हुन के के प्रेमीस पर की हिन प्राप्त हिन लट. ४. वेश चेश्वय. १. चर्. १ व श्वरा शिव. हुरा शिव वे. हुंच वाशट. वंश्वरा वंश्वरा वंश्वरा वाय हे. क्षेत्र दे कुं क्या व दर्रिया य दा । अवव व स्था किंद्र य यर या यहें द य हरा। । । अवव व स्था किंद्र य यर या यहें द य हरा। र् के हेर ड्रेंस दर् सुन १८२ ता पर जार सुर सुर लेश न हो। । हिंद ले स्था पर से से से ।स.बे झेब.सब.वय.चर.ध्रुवा यर.वेटा ण-रक्ष-दे-वैद्य-के भूज-सैज-वर्गः वी चर्ने महा सुरामा सुरामा सुरामा स्थान नर्र है है दिंग निक्षा न सर देन में किर जाया नर् निव केर नहीं महिल नहीं है महिल नहीं। ने विश्व स्तु व वन मोर्शे न वे प्रवश्च मध्व या। । सन् सम्बंध वर ग्रह्म स्त्री में र वर्डेल। रट.मू.मी भी: रटश.श्रीमाश श वि.यश। न्ते य न्य र अन्दर रेग्य न्दर हरा य ग्रेश ।नावस ग्री नने व से में नरे सेवा বিষ্ট্ৰৰ মূল্য প্ৰত্ন কৰিব বি सकें सुर समय सुर ये उदे सुरा NEW. नी खर रूप में वर्ष महेना में ।देनाल में रहे महिल पर सुन 195 गुक् । भुव भुवर हिं से शेर. में से रेट क्य या प्रमेरी भुव न्यास्य भुव क भुव न्या । ही देवाहा चाट व.लूर. होट. ट्रेचा च.क्याहा ||P ≥衫.扚. ला है। दर है ज्या माहे हा । श्रुमा श्रुमा श्रुमा श्रुमा अट व ति। प्रहाम्प्रय म क्रीत म त्रा 1句.白뷝紅. किय सेंच हेर्नाश के. भूना पर्वेट र मुंचा IZ.ME. चेर्-छट प्रमादश व छिर धर वा |मावशानेत. किं सुब कें नीसस के से गु प्य पश्च क्र.स्व.तीट.स्व.११४.११.ता.ता.वेश । । इर्ने नहर नहर्ने नहर्ने सुन भेन पर स्पन्। क्षेत्रं सवव व तयर न न [케다

सुन ह ने लन हैं दि सर्म हैं। । শ্রম देर युट लेट रशेय उ परीय और देर्देर। |ব্যব্ধ: तर्र स.प.स्र वट.वर.रेट चशिया | भुँ सदःश्रेना द्राया स्थाप्त स्ट्रा स्थापा 云之. अव. में में ए. नेश. व. जंदश ने १. भेजा ।লেখ বহু জুৰাজ,বহু,ফীट,<mark>বহু,ফুই,বহ,ত'ৰী</mark>হা वट.व.चावस यह देवाश य ट्रांचिट वी 1इ. चेर. चूर दि प्व. बर श्रूर स्ट्रेटश। ८८.७ भू यहे.वश सूत्राश लेश सीय ब्रिंदश हुट मट वंग सुट्य व से दहें सूट। रे सब में स्निन्य केर नर्के वर दनुरा NE NE क्ष्याक्ष्र हर चराय हुर हर ठवेट। श्चिं नदे हासुनाम हैं सेंसाइनाके। IN NE म्ब्रिं नार्या सद्द क्वि वहेस द्व व देंदा वर्गेन नगत क्षेत्र के खास वहेंदा ।शङ्गेत्. 14. कर्न्ना क्रें अपन्नस्थर प्वेट श्रेट सुपासूना श्रुवा चढे.सिंश सुब हि.सर्ना सेना हुँब न्सर। मळेष चरी सेट.रे.री.री भवेर भू.रास्री ।सहर मिन नार्ट य स्था व सेंश वर मार्छा ब्रें ब्रेट चोडेर या डका छेत हैं पर सुन |र्याटल.क्रुचीश.क श्रेष.पे.चश्रेशश.श्रेट चीचा देयाया । वि नदे हें भूक शंकित्य के प्रमूच हता तिश्र हैं . ह . रश्र . र्ं . हिट के पर्वट हैं न मिन्त्रायाम व्यव्यासम्बद्धाः होन म्राट लेट प्रमादशक्त व य से निष्य व य दे। 185 | खेर पर्दर हैं ब बहा खहा गुवा अति । हों प ग्री अप्रिश भेषाया है भूमा के शुरा हिंद में किर से र से पर से मार के पार में प होता कि. अप अधिश श्रेय. इ. म्रीशश. भूता कि. शुरा ब्रुवःस्रुवःन्युःमुःवरः पट्टेतः खटः द्वाःव। ।सिट. चट्ट. हे. सेंब. के. प्नामाश्र डमा. मांचेर हो। बिट सद्द द ना हेर के दसर य भेदा ।जदश.कू व धुट.श्रेचश.श्रे सिना दव पह्ना भटल.मी.सिना.सेंच.मी.७४४.र्ग.४५८ पा.मोड्रा ब्रि.ज.क्.स्रब मोट.स्रब.ठर्श.च चाहेशा चर्स चर् .वंचश्र.च ही.र्ट. छे.चना.नाहेश। æ. |र=ट.र्चेब क्षिच्य.प्रेब २.झै.२.४। ञ्चन'न्द्र'त्र'त्र'न्त्र'न्त्र्र्र मार्केर मुँ हो देना दुना हो कुटा। । इ.इ.च. च.च. व्हांचे चे यदः। ।श्चेंश.रग्रन्थंट होट. ।यशे ठ.चाठव.चाडव.२श.स.चालवा.म्र्र.म। र्वेट वि में द पश्चेम् स रटा 15 影刊 यर म दे इसश से ईवा मध्या बि इ.म.र हैर.ज के सूत्र रवेता ।ने हेब **ञ्च**न'न्द म्राट डि.चन्वल. १ ल.चाट द्वाल स्रवश श्रे चार्टः। ोट्ट्रचाहा अस. प्व. क्रेवे स्यामा क्षिमी.चे.नोश्चर.त.रेट.। विद्यास्य विक्तित्ता ভিত্ৰ নাধার সূত্র র<del>ীবা</del> সে. १५०.सर. र्. १८.४६.२०१८.२०१.४०.स्८.१ IEN N.A. श्र्वाश.पश्रुज.लट.पर्हेश |ळं नदे सुन दे सुर दर्भ दंश में दर। INH4.리.튀다. सम्मान्त्रम् । योषाः या प्रदेश

। मोट अर्र. वण अर्थ. ब्र्य ज्याक्षिश चाडेश ला। । ब्रट. खु. च चे व ब्रिट. अर्ज. जिश्र श. ग्रेश. ब्रच वे. ट्योच । श. प्रिचाश. । च व व विरायदे : स्वायः ग्रीयः देना व रायमा क्रें: हो ह में क्रेंन: ५०। क्र.च चहार य शे.शुर महेना ।शे पर्वे.युं,रेट बेट वेंच.ईचा च हैंर। ।श्चेंब.युंचांब मूर वर्नवाश शिंध क या.च हीरा [मैं के कू ले क.च.क्स.च.चशिषा ।च-चल श्रेय: कूच र्टामः प्रवानास्य यः कं न हिंदा क्षिय. च.चेट चलचा. मूट हुंचा चाश्व चांत्रव सा الإ.ك. র্য:শ্বহ:এ শ্বৰ:ই ব্রুচ। |चिश्र-,पंहरा चश सूथ,पहुंच कुट,पश्रंण त्रुंचश सट.। | र्सेर् वहन नामक हेर्व हिंव सर हर। वरम रट हैं या नर्द महद मानद सू र्माय वर्षेता । मूट वर स्व रे हैं रे प्रतर सर्द ना । ।রুম বহা ধরিম থ. পরধ. ধয়. ধয়. ধয়্র ম য়ৢয়. বয়য়। नुस्राय कर स्वा स स्वा वा द्रा । ম বর্দ্র হু হুন বর্ব । তা ব্রহা রুন বর্ত্র। र्म्यायान वहार हे से के प्राम्बर्ग म सूर। ।इंध.श कुश्चं थ.वेंट्र.शंश चंशंट टें.चंक्च ।बंदंश वंज चंश.वें हं.वें ट्रंश श्रम्लिश टेंट्र। 19. ने सन श्रेट नढ रहेया है हैर से रहारा 5· 주도 현숙· 편속· 되다. 월드· 월드· 다취지 रि.यश केर.वे.क्वें.वे.मृ.मृ पुट । 155.95 चतु. इ. श्रुव धूच भर के जिसश. वी ।भक्रु ४. स्र ४. रंग विष् श्रेट स्ट्रिट द्युरा मु माश्रुया निर र्टर विय र्ने शिष्ट हुर मिर्ट । lmca. 4성. 김. 소성 취소 건강 등 네 네之다. 12.82 ग्रमःकटः निरंत सर्गा मिकेर पते स्र द आदा दे पति द पर्देश स्वर शा मिकन हुर मि.सिर्चा.२८.झैर ज.चे2८.। मिल स्वर कि लिसस निसाल हैन मालुमा मान्ता । । न स मिल है ते लिसस ग्रेस दमा नु नमुमा । सिवार ब्रेंबार प्रवास प्राप्त विस्ता में से वर मा 135 ल् वर्ष हे सब स्वा सब हुर से हिरा 15 व श र्वेर वर्षेचास वया चै ये प्रेट। मि अमिश अव भेर वन वन पर मुन ।श्रे त्यु च व व द त्यु च हुना च सूर्वा । मार्टर म च व व व र्म मिल्ला मा र श्रुर क रूटा र्ट कि. जिसस चहुँ वर. छ। विदःने प्रमाञ्चन स्र न्तु लिनले नहा । चि कं लें मानेश दे श्रे.श.वे.८८। । ।।।। २.४८.श्रेर.का च च च च स माना ने ।।विमा वश्र हिंद. प्रिंट म सिंद सिंव सिंग सिंदे सिंव सर सिंहा 15 विना चिट लट. व क् चर्त्रेचीश. हैंर। 

लि. मानेश सेना सेन कंप नासुसा |क्रुक्र.प:तु:रश:क्रुर य:क्रट:प्रैक:**र**नुवा MEC. श्चेष वेष. चश्चेश. क् चर् प्रजा वेश. चर्चे च 13.य.वु.धुक कर.स.स.स्यापना **हा** 14.22. विश चीलेर. १ चीलेर. श्रुर वश मिन रू. ७ र्था মুদ্ৰম মন্ত্ৰীয় ঘট্ট দুৰ্গ মনুনা क्ष च द्रेयाः क्षेत्र मि.चर क्षःच नाश्चक। 13.xx 8x.a. Ec. 2 42c. 4x. 31 图4.42. गुन य भ्रव गुरा पर्वेया व वर्वेन I통회 대 웹식.文 라서터 Ĥ회 Ac. 라고. - -गर्चा. र्ने भ्रव स्वत मूट नदे स्वव र वर्षे স্ত্রণ মান্ত্রণ স্ত্রণ ক্রণ বর্ম স্থ্রণ বর্ম। 1955. हैं हैंट र्य नश्रद न सर् टम में मुद्द अस सुर वह यह सं पत्र में दें में स् मास्त्र वर्षा 学 !! ने नस न्स न्स कि न के साम मिन्न मा 'कु' क्रें न दे न दे न स्टार न दे से प्रनस दर। 회문네.너 네스스 h 다양이 를 . '라이 | Lu. - 라 : 투화.너 역. '와도 어렵다.다.나는 | 대학. 무석. ह्रेट.र्. ११य.च.ण स्वांश ग्रेश । व.चर्. भं भंशाम वि च.पश.विटा । १२वे.च.वे. छट. चनाब कु प्रक्तिय कु नाक्षुया । ने प्या कं कु मूर कु मूर कु पर्दे । । नावस गुरेस से कु र्टश्र.भ.भ.वि.च.त्री १८४ सिची अष्टुब.अष्ट्रम् मीश.चश्र.ध.व.च.च.। १८४.चूट.अचीश. |दे.चलेब.स्टश स.स बे.स् च स्ट। | भक्केब.सक्ट. कर. বধ-ছ-বদু খনাধ-ছ-জুধা |महन नुःश्चन हे वा ह सेर जनास य प्रेता ।दे वलेन बिनाश प्रमानन सेंबर ने पर्ने जा ।इर्-अर-१८४ स.स.वि-नुस-व-२६न । सू च जूर किर. के: देन अध्यान में विदानी रि.रीर शकुर शकुर स् ल्रा.स्येर.वधारातश च**न्ध∵नदे मा**⊏ नु 'ऄबा 13기성. ।पर्मेश के खेब **ये** घर हैं। यर प्रायमिश 15.842.2. ସନ୍ନ ହି.ଜ ଏସ୍ତି .ସ ଜି ହି.ଟଶ୍ଚିତା क् मी. चंद्र १ सेंचरा न्यांचा াখনাধ্য হেনা. ।सिना भ्रमिश लश.मीर.क्.पण रेश.क्.लूबा ह्यूरं ग्रे हें रूज के लेख रे में ट्रा 175.95 त्रश्च चीर.मीर.चठ्र.रश्च.र्<u>थ</u>.लूबी ब्रिक प अर्ट्याचर व नविद्यान है । बर् क श्री ।दे.देनाल. ।चर.क्.चे.हुर.चनाश द्वा.विच.चर चार्था ज्रास् यदे बर.ब.पस् रिट.स्.वैट. र्म्स वर्त्वा रहाना निर्मेश |सर्व सं मुस र्ट पर्के पर्ना पर्वे। |द्वम्बसःश्केटःपश्चेनःवः=सःग्रैःप्रहःस्ट्रेनसः&टः। क्षा-वेद कुर से य हेमा

वित्य मिंदान्द्रानिहास्त्र के से मक दूना सर् 12 अरु कैय: नगार पर्मे पर्ना नासुक्ष: या ।ভ:ঊ'মান্ন বরু**ন** স্থুঁ:ঔ্দ নার্জ ব:ঊ্বা व वट्दिगुँ अपाय मार्ने ट स्रोमा श्रुमश न्टा | नेस ट्रंथ: क्रेंच: ब्रंथ ह्रंथ ह्रंब ह्रेंब ह्रेंब ह्रंब पर रे.के वे.झेब.बश चीश्रेश.च चिटश इ.रेल.क कू सूर्य रेट कर। कि च सूर्य सूर्य हैर इर. संघर श ति लय लया सिटश कु. भवर पील ट्रा । रित्र व हार व त्रे दिन्द्र प्राप्त कर मि.से करे हुना य दूर। ह्या अट.सेना सेर दिन्द्र में अदि हैं के दूर है। चश् विद्यान्य स्वरा स्वरा विद्यान्य स्वरा स्वरा विद्यान्य स्वरा स्वरा विद्यान्य स्वरा विद्या स्थान्य प्रता । क्ष्मिं स्थान क्ष्मिं स्थान

র্মিম: বর্রিমা । বি: वे: कं: नवे: कु: सः येव: नु: न्हूं नहाः । । বর্ষ : বু: কু: কু: কু: কু: নু: मानारा। श्चीनाश्च त्रम्य त्रम्य व नाश्च । । श्चिम श्चर क्षेत्र क्षेत् विट सदर स्व करा । कं न न सुम रदा सुम न दमसा । है न दिन न न न य शक्षे श्रे खिर पु उदर व के । असू प्रदाह के नाशर वृश्य नाहना यर है। । प्रदास में में स् |পর্মুব.বল.≅েগ. म् वह महमान है। ।मूट सन्तर देन मुन् सुर सुर सुर गुर न्यू। ाम्चे द द द द द ब्राक्ष.मु.च्या व्याप विषय बर् न्यान्य व्याप्त क्यान्य व्याप्त क्यान्य व्याप्त क्यान्य व्याप्त क्यान्य व्याप्त व्याप्त क्यान्य क्यान्य व्याप्त क्यान्य व्याप्त क्यान्य व्याप्त क्यान्य व्याप्त क्यान्य व्याप्त क्यान्य क्यान्य व्याप्त क्यान्य क्यान्य क्यान्य व्याप्त क्यान्य क्या त.र्रेथ वेश.र्रेर चकुटश.शश.लर वर्षेथा । श्चीत व्रीट.पूर्य.ररेथ.र्रेथ.र्रंथ.प् वर्शेट.। । ख्या नियान्त्र यास्त्र व्याप्त स्थान स्था पक्ष चर्याय प्राप्त हो । प्रियम प्राप्त हो । प्रियम प्राप्त हो । प्राप्त प्राप्त हो । प्राप्त प्राप्त प्राप्त हो । प्राप नस्र हु : ३५ व िह्मास पर्दा पर्वे नहें स्र पर्वे महिस पर्वे न विहें पर्वे पर्वे स्र न्यायर न्युका साम्योग । सकैव सकेर कु वा केंग्याय पदे रह नासह वर्शेना 15'55'89'

|अश.रट.धूर.लथ.ज्ञ.चाड्या वर टे.चाउच। अधुध. म्रार भिष्य भर शिषा बिर्ह्य नार्श |मालुमा नु मार गाँस र्रेस सहिस से मा नुर। अन्य कर कुर रुदेर वहेन वा मैना क्षेत्र न्। । निरान्य निर्मान में लिटाहमा परेनास हो होटा प्रतिन । क्षे महा केप न्टा मुद्र श्वर पर ग्रेश श्वर । ।रे. वंश उर्वंश से मंश्रेश प्र्य में वेश हां या। ।प्री श्वर से बंध से से प्राप्त में श्वर प्र प्राप्त में श्वर प्रा १. प वर क्र्य. कर क्षेर. प नशिम. ल्रा । कि स्रुंग ४ म. त्. केर ना हेर क्ये हैं विरायन स्रुं रेर स् क्व रह मार दर। विमुर गुरु सुना होय र येश हो प्रतु रता। श्लिमेश हो ग र हुर य मार्ट पर हा। हे हिम्झम्ड मार्ट वेद्रम्यु हार (छ इ.र.रूर हैर वेद्र र्टर स्य रेम वेद्र ।) मार्ट । हैशाया द्विनाशाया पति है सं प्येशायश्चेन । सकेशाया हुनामार गुर नास केटा द्वा । स्थान्ति के श्री श्री का प्रमान के निर्मा के सम्मान के 

नक्षाकुराञ्चर। विदायन्भी क्षा क्षेत्र के स्था विदार्क्ष मा अंदिर के प्राप्त स्था पर्याञ्च नदान्त नम हिनायान्तरा । विकास ह्या वार्येद वार्यन क्ष्या ह्या हिनाय ह्या स य.वैंच.चर्षे श्र.लुश.भवेषा ।चर्रे. हे हें ह त् चीश्रर च.भवे.हच.चू क्रैंट. तह हैं। यदे से हु हैं हैं सू यहें। । ने वंश इं न स है वे न हिंस वेनश दहेंगे। मुनि न्ते न नेनासन्द नहेंसा स्वसाया ାନ କ୍ଲିବ:ଌ ସମ୍ପି:କୁ ବି:ସମ୍ କୁମ:ଭିବା ।यदःगादः क्षः नत्रे दर्मी मदद होर स हेर। ार्क्टर मोहर माहे दे महा १० <mark>समाहर गाँह मुन्सहा । ५</mark>८८ हा ୲ୖଽ୕୷୕୷୶**୶୕୵୷୶ଽୄ୷୶୶ୄୖ୷୶୕୵୴୕୷୶**୲ यार स्थर प्रबेद सिंश ग्रीद सिंग पर मादश। ळ वाञ्चो रात्रासे धेर मुनि नासुस स्पर् ।२व्रे<sup>:</sup>न:२८<sup>:</sup>१५ श्ली ब:५८:श्ली ब:बॅट:बे**र**। होन नुःसः ५६६६ च ५८:इसः च मह्या । अ द्वीर देयाश तम ही दिस्ती स्वापन है सा [월 주미科 ह के स बिट मार्थि या सर्ग्रेमिका ार्षः व रेचाश. प्रेट सं. म छूंचा भा द्वा [응.원.황다. मुद्दारम्बर देश प्रमुद्द । |ଖଣ<sup>୍</sup>ଟ୍ଟି-ଅଂଞ୍ଜିଅଷ:ଷ୍ଟ୍ରି-ଆ-ସ:ଖଷ:ଌା |ग्राथ ाम मः मार्दरं द्रा क्रें कर माले हिन् कृ व। मामार हुन नेद्र हैट हो दूर है स होंग | NA 3.3.21 U. SEN 1.28.29 <u>ାଣ୍ଡିୟମ'ନ୍ଦ୍ରିକ୍</u> [1년.hrsa.应네.버틸리.너희.말ુ,말,\$nan.네 | 약 리.터네.버틸래. श्चेष यद् .क्.च.ही क्रुट'म्बिक्स ननस'य प्रेवृ। । इश**्र**ट: ब्रॅंट्र- यय के. युट: या स्थ्य | [영미취·刻·독립도· यद्भे कं यामुदाय ध्वेता । वित्रा नासुक्षः स्थायनुव नुष्यः वः र द हेर ह्ये व। ।श्चे व द्याधासुः हेटा 'न्ग्र-'व'ह्युट २ तुझ' झेन्। ाड सूर कुना हैट ड **श**र रखन मार्गेस्स ক্তি'মর্না नुसर सेर गु.ल केट मीस पर्टला । रहें सेर पर्टर खर ल है पहुट न्यट में नहा 155 यर मूट हुम कर् व भ्रेत प्रेत । ।दे प्रस में दके मुक क्र पहें न दें क्षिव र् जै पर्टर्वित्र मिश्रशामार हिर है। ।हिर दर दर गर् गर् ग्रं म्राह्म स्टर्ग पर्टरा |∃≰**N**. ह्युद:पहाय:गु:गुर य दस प्रेले.**लेखां** प्रमानहीय:पु:में हेर खदानु:ह्युदा 155 2 यट्र.पट्ट.ट्यांच दिश.ट्रंट्र केटा । म्हिटानावेश यटका व.श होब.भूना टक्टश शह्य मोट.प्रेंट.क्र.पश थ.शेंच्या । कि.शटल श्रीना.क्रट.शञ्चल श्रेंचश शट य.ट्रंटा। 155 E.S. اجتح. इ.मैंग.१८.४४२.चालल.हेर्ट.सैंगश हेरा । पर गात्र मात्रस सु : चयस : दस स हूं। द : दा |मर्रेयाङ्क्यसासायान्स्याय स्टबायरानुत्। व व से परे पर्कट होना हुना य पटा। ।गुर गुरानुरावसास्याद्यात्वानेदार्स्वस हटा। क्ष्यम् ल् रूर रशेष श्र मार्र प्रम्य संग्रा क्षि व लिंट सेन् पर कं यायन क्रिट मनम् मुद्द लुब देश प्यें देश बेद है असे

ह्येर.च.कट.रंबा.चेज ४र्था.च.लहा । श्चे व प्रदे विंदा से दे हों न व स्थान । ध्रिश र्ट हूं वर्ष र्ट द्वर व दे मुझे सर्ट स एक्टर । इस ह्रेन विश्व उर स हेनस बस देरा। पर्द्रश्र.चत्र, वेचश्र.ज ही दे ही वेची.चिश्रेश। । ही वर्षे भेसायासानु वर्षे प्रतामा १ বমাম দেখিনাধ দেখন বি নার্থম ন্রী ষদ, নার্থ পরী। | १६८ तुन नुस सु ह र्स्स्य नरुष्ट नर छ। । क्या क्.बंश रीया श्रुंजा चीट. के ज्ञा चीटा। । र्या त्या देर वढर श्रामात्र महिस कर ही। ल र्रः दश्चिम् स्था मार्रः यर् क्रूं मार्थ । मुंब रूर मुंब a है मौन सक्सब सु न**स्ता**। । १९९ में व हेर के व सम देश पर्हिर। मीर में देर वर्षा में दि वर्षा में विश्व वर में स्था चिर.पश.ष्ट्र व चे.पूर.वैश.ध्र.श्री ান্দ্ৰ শৰ্ম ক ব সন্ত্ৰিমান ন'ব জ্ব'ৰ বীম। ढें खेर के त वेर के के विकास कर प्रमुद्धा । अहार हु के निष्य मेन महामार हिं। नबर में नशुभादर है देश सु भेय है। ।व.पी व्रे.क्र्र.<sup>2</sup>था.प्रि.सीय ज चीर । 185 1575 139. मुर्शित चर्रेष ल.क.ला प्रिया प्रमूर नर्सर। वित क्र्यूश क्र. व.र लाश मुर्खेना चर हिंशा बर् ह्रेंचश. कु ब ह्रीय चीर चश्चा. कुश. पांशर। निया हु ही रिया हु ही रिया र हो था। ह्य मिश्रास होत हो है श तुर घट महरा । वर महास होत से प्रतु ही हैं हैं री 'तुल.कु ल वर्षेत्र.बट.बोरटा। मिुर.ज़ेश.वुर व.चुबा तर कट ब्रैर.बोरटा। मिं.स् रीक्ष. पिट.बाक्ष.भ्र.श्रेष श्रि.चंत्र.बट.बारटा। वि.चं.बाक्ष.भ्र श्रु र री.स्वे.व्.रा सि.स्वे. में सन कर है 'से मन कर ने ।रे'भे कुरे बटायर खिलागीय सेवा १८.वला प्रस्था प्रस्था प्रस्था प्रस्था प्रस्था हि इससः श्ची ब म्हमाशासा प्राप्त प्राप्त प्राप्त हैं । श्ची ब मिर्ट सेन परे के व वन कुट पर्देश स्वया । नु.चस ट्रेट. खुट श्रुंसस पा.च डे चरा । वर. रेट. श्रेंच. रेस श्रुंच. ज. श्रुंच. च्रेंट. सट. चरेट. श्रुंच. येश. चश्रुंस. च्रेंस. च्रुंच. चरा ।श्रुंच. रेश. चर्त्रर. व श्रुंच. येश. व्या ारे खूर मा ही कर या प्रें के व रे। ।कं व गू क ता स्वय केर त्यू ता वस ना 351 सःभ्रीत नृगसः द्रारा स्वतः या श्रीतः नु लेखा ।स झें व मानेव यें नहेव गुर वर् हैं मार्वित्। न्येर व मि र्न क्षेय सर ने ने न र र र र र र र र र र र र ।श्चि थ.येश.क्. व. वड्ग.श्च.पक्ट् च. निर्देशका मार्टे के क्षेट स्त्राची की देश मार्थ का मार्टे के क्षेट्र स्त्राची की देश मार्थ का मार्टे के क्षेट्र स्त्राची की देश मार्थ का मार्टे के क्षेट्र मार्थ का मार्टे के का मार्ट श्चेना र्मायवा। कुर्नम्यापके पक्षापक्षाप्रमाय विश्वास्त्र विष्य विश्वास्त विश्वास्त विष्य विश्वास्त विश्वास्त विष्य वि K.

다. 대회 12 및 및 마소 및 로스 최도 대 플로스 1 대학 .. 를 도착 . 발로 . 다고 글로 . 다리 . 교회. ।শ্বীন ম বশ্বীম ব্রীনিংশ গ্রী ব্রীক মব্র। । । এই হলাক লান ব্রী র श्चेंश ५५.छ। च शूची ge er। । चारेर सिंच अक्ष्या र दे बचा श्रेंचिशाला र दे स्था । विस्त राज्य स्था चरा विस्त स्था । विस्त राज्य स्था विस्त स्था विस स्था विस्त स्था विस्त स्था विस्त स्था विस्त स्था विस्त स्था विस नार्ट्रमा नार्ट्र पर रे. में में नार्य के प्राप्त के प मासिर की साम प्रस्ट क्टा कार्या । ज्यार य बर हुँ देश ह कार्श स्वर कर मास्य । ज्यार य बर हुँ देश ह कार्श स्वर कर मास्य । ज्यार य बर हुँ देश ह कार्श स्वर कर मास्य कार्या । ज्यार य बर हुँ देश ह का यार प्रस्त कार्या । ज्यार यार कार्या । ज्यार प्रस्त विचार प्रस्त कार्या प्रस्त कार्या । ज्यार प्रस्त कार्या प्रस्त कार्या मास्य कार्या । ज्यार प्रस्त कार्या मास्य कार्या । ज्यार प्रस्ता कार्या मास्य कार्या । ज्यार प्रस्ता कार्या मास्य कार्या । ज्यार प्रस्ता विचार कार्या विचार कार्या विचार कार्या विचार कार्या । ज्यार प्रस्ता विचार कार कार्या विचार कार्या । ज्यार प्रस्ता विचार कार्या कार्या विचार कार्या विचार कार्या विचार कार्या विचार कार्या विचार कार्या विचार कार्या कार्या कार्या विचार कार्या कार्या विचार कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार् हेश वाहुवा न्युटार्कन हिंदा वित्र न वन् र्स्ट्रिश है व ध्यश्य स्वर्ध मन्त्र। र्ब्निश हिंद बर्ग स ह हर सका प्रह्म मार्ग । हिंद गु नह स स द हुना सर्वे मार्ग । अत् मी वदः स में अपन विकास किया मार्टा विकास में अपन में केर इ म के व बर वंब देनाया । हि. गूर हुम मेर दर स दन सर हुर। 12-43. [파:교육·윤리·爰·건년· '역 경제·영화·영· '년다.] | 1년·통화·왕스 홍리·민준·비 경· 학화·의왕시 াস্থ্রম

|च**र्कर**'ची चर्छक'चीच कीन क्रूट मुन्निस'चर्डेस' सदी '-134 रट वड्डर से**र** वर्षाय मीश वर्षा केटा। । इन जुम र्देन नहन नुना नहन हुन नहन । ने नहां नुह कर हु हेह नहिं न है। । विद्यास मार्थ विद्यास मार्थ । विद्यास मार्थ । विद्यास मार्थ मार्थ । प्रस्तिय ता क्षेत्र त मि.मी में हुंट्र ने स्ट्रा । अहु ने सह स्ट्रा । अहु ने सह साम हु हुने वटा। । अहु ने सह साम हुने सह साम हुने ने ने ने सह साम हुने सा वुना १९ यो मिंद हैनाश बुन व लु प्रमिनाश दक्षशा ।वुर लें रे र्नाश क्रेंग व सर नुबर-दूर। ।वुर-दुग्द नुबर ८६३ क स्त्रे वुद-त्य-नाग्न-। ।र्वद झुन नुबर-क्रीर नश्चा से प्रस् में नावरा १६व मीट सक्य मीट रेश व सेव र मोट । १८४ स. स्म स्म प्रहा । स्म प्रहा । स्म प्रहा । स्म प्रहा स्म त्रिया स्म त्रिया स्म त्रिया स्म त्रिया स्म त्रिया स्म त हैंट सु चीशर च.भर टच. चु चैंट जश चेश.तर क् च चक्र. तर जु है सू चटेंच. तर्हा। कि ना तर्ह के प्रधिवाश पर्दार पा टेचीची तर दी। ।चट. त्रीर के प्रधिवाश हें हुश चारूटे तर दी। ।घटेंटे हूं. रेचका ।क् च भू: पर्दे शु उर्चे कि च सैंट। ।ट्रे जेर मैंट चुश के उप्तिचाश हूंच. वश प्रशि । श्रितिश. मीश.क्.च वेश.तश.ब्रेंट.क्च बोड्टा डि.हेंच के के हिंट केंट केंट के ता केंटा डि.ब्रेंट विश्व हिंट के ता केंटा डि.हेंट के ता केंटा डि.हेंट के ता क क्रिन् हर क न न न न से । । जिना ह हैना हैना न ह वि । मिस परेनश जिमा य.

माहेर सेर पेराय रसे लिट सेना रयदस सर्वे । अना यहर यन हें स अलिट टायके सेर ने इसस वर्डेश वनस न्दर्भे इर्डेट या । न्दर्भे वर्मेश यस हु नाईन दुन य दर्भेन ने के त्यूट मका नाकों यक मक्त मने हुंय। 15 वहा खा 5 र न्द हूं है र- र- ! इयार्स्य नगर् सुर व नुर मियार्वया ामावर क्षेराले भार् हुर्ने नदा । इस्मेर द्व द्व व ना ने बर दर्। । मा र ह्वर र हेव मुद्र अर्व नीट मार्ट । । शुर्रि हिंद देगार वना नक्षय न्य केन्य यान्त्रा । से भेषा मन्दर लेपासर निषर क्षेत्रा भागिता । कं व हिंदा भागी शुर देद शुना र देदा। । इस वद देन मीस नासद सदि देश वर्ते या हुस.त.चक्रेट बस चिंचे किट कि.चटेर बसा विस्ट हु.चेटे.ल चहेंस ि.सेम.चेट.टें। 17 हुने चीश्वर-प्रहाश-प्रति चीरेटा। श्रि बीच देम् श्राप्त-क्रुचेश च चैम च चर्ड्य चिश्वर-प्रहाश-प्रति चीर-प्राप्त विद्यान-प्रति चिश्वर-प्रति चिश्वर-प्र ंश रीच टेब्रास <u>श्चाश पड़िंद</u> ग्रीश बोश्र्। श्चिर. हिंद नुर कर धोरासदे कं वाद्या। 'यदे व वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष के हा च== नर्डः । निकास वृक्ष वर्ष वर्ष के हा च== नर्डः । न्य- गुन हुन वन वर्ष हम वर्षा । स्ट्र है हैं हम वर्ष न्दं के लेव हुर वर्षे हुद नु कुया रस श्रेर.ज.चीरट.चर वी 

तर पूरा । इंश स ह्यांश थ बोरंट की. सैयांश बीयांश हो । श्रीट ल याय र हुँ रे वि योरंट. सं स यो या या या वि वि वि यो या ता प्रीयांश वि यो यो ता प्रीयांश वि यो यो ता प्रीयां। पश्च पश्चा । त्र पर नापक र मुद नापक र पश्चा । श्वाप्य सर नाप के चिक मां कुन मां कुन मां कुन मां कुन मां कुन मां বধ্বেগ্ৰম। । খুনা প্ৰস্ত্ৰিপ্ৰ এলেব কনাগ ধ । ব বহ বুল। । বুল, বুল, স मुक्ष अर्थ अर्थ सर्थ सर्था । १८ में म अर्थ हुर नहर हुन्य नहर्था । १८ में मूद य वश्य वश्य वर्द हों किद। । ।वर तु वत् दर नहेंद्र व मूद पर होद। ।विक्रुन सुरी शिक्ष कर उपक्ष कर वार्य हुए तार कुर जो है। शिक्ष के प्रीत कुर से में कुर से मे में कुर से में में कुर से 역·리·너트비 Ib·크리·그·노망 연구·· 디 기는 라이 기는 라이 시는 다 오고 속 비트리 요. 1यर्रे हैं हैंद से निधराय सर दनानी मुद्द सरानाय परे के मानहरूस परे से हैं हैं नधेत! यास्त्र म हैं स्म लेड य है। हिंदा य हिंदिन ह सेर नार्थेश य र्थेदा दिनाहा मीट खूर्य था थे (कुट हुर् निया प्रार्थ) । कुट ब क्रिंग प्राप्त के क्रिंग । कुट ब क्रिंग प्राप्त के क्रिंग विश्व निवास कि कि कि क्रिंग के क्रिंग के क्रिंग के क्रिंग । कि क्रिंग के क्रिंग । कि क्रिंग के क्रि

। हुं है या शेव से नगुना विंद ह्या क्षेट प्रदर्ग 周· बु.सं.सर्ग्रेचेश.कु.रेशर.ची.चर्चे परी । भीर संस् य मिट लिया मिया मिट मिला । महिला श्चीद त्यर ता भीत हुद ह्यें हुद वरेग्रा ।श्चे दे देवा ५ . ८ वस व . व . व स्था व स्था द्रा 層 व्यक्ष हैंदर कंदर दूर ये वदर में श मार्थ। पर्वथ्या। विक्तान्त पर्वथ्य विकास प्रतास पर्वथ्य विवय्य पर्वश्य विवय्य पर्वश्य पर्वथ्य पर्वय पर्वयय पर्वयय पर्वयय पर्वयय पर्वयय पर्वयय पर्वयय परयय पर्वयय पर् रे. ४श. ४ चेशश क्र. में में चे चेश देट. चेश्च. चेश चेश चेश चेश क्रेंश चेश है. चेश हैं से चेश हैं स न्य-बिट मानेन-प्रमा ।इन-ध-स्य-मान्य-नु स्ना द्वाना-मानेन। ।मा-सन-

भि खटाई दे के भे के दिना । अर द र दिना । র্ব্য ব্য ব্লাম ব্রাম জে লাভা नियम्ब में निर्मा । सिर्मा निम्म सेर सेर से किर हमा है सबसा मा सेर ह मार मुर गुरू से से न्दः। श्रिक्षेत त्रामस हेर् कुटस के ने र्टा । मिन प्रमा सके से मिन प्रमा समे हिर मिन मिन स्था सिन प्रमा समे हिर के मिर मिन स्था सिन प्रमा सिन प्रम सिन प्रमा सिन प्रम सिन प्रमा सिन प्रम सिन प्रमा सिन प्रम भक्ष-प्रत्येशका नार्ट्ट ट्र स्ट्राप्ट्रंच भक्ष- केट मोत्रा । नित्र ट्रिंग्ना स्ट्राप्ट स्ट्र स् सीनाश्चर स्थान स् प्रमाश य.ज.३ हैं ए जिथरा में श.चर्च । विश्व प्रमाण प्रमाण के में विश्व प्रमाण के प्रम नर्मे नश्च त्यों थहा से व. ए विश्व संदेश वर्ष र में कुटहा है। है व. श प्रयोश ह है से देश देश है से से से से से मि: विस्तं क्षः प्रत्येष्ठश्च मिं स्त्यं प्रक्षः स्त्रियं स्व स्त्रा । स्ति स्त्रियं स्त्रा स्त्रियं स्त्रा । स्ति स्त्रियं स्त् वट निर्ट निर्ट है निर्देश मानिर। अंग निर्ट है नि व है भैरा मन् इ रन्बर्ध्यान्द्रः नम् विना द्रेट ह्यू । । त्यर ह नहीन हिन ह नाइर नर न्। १२५२. हु. हुट न् माशट व सर्टित्मा मी मीर पाश पर्याश्वर पट य प्रमुख नते प्रेष हैं ले महिना र्म चील हे स्ट मर्च भीषा । अधिक न प्रिम्ब के कर सिमा मक्केर न प्रमा नाकु मार्जूद शिक्षा । सिना रेट भर्षिका प्रदेश न में का न सुना । हिंद प्रित्यका प्रसित्यका प्रतित्यका प्रसित्यका प्रतित्यका प्रसित्यका प्रतित्यका प्रसित्यका प्रतित्यका प्रसित्यका प्रतित्यका । में का प्रसित्यका प्रसित्यका प्रसित्यका प्रसित्यका प्रसित्यका । में का प्रसित्यका प्रसित्यका प्रसित्यका प्रसित्यका प्रसित्यका । में का प्रसित्यका प्रसित्यका प्रसित्यका । पर्विचाश पर्विचाश. चर चर चर चर वा । वर जार पर पर सम् सर्व स प्रेरा प्रेरा । है ल मुंश रिविनाश रिवे व देश नशिष है। ।क्.रिचेशश.क्र रिविनाश क्.इशश देश.व.नशिष्ठा । भ्रम् निश्च निश्च हो निश्च निश्च हो । विश्व निश्च निश्च । विश्व निश्च निश्च निश्च निश्च निश्च निश्च हो । विश्व निश्च हो निश्च निश्च हो । विश्व निश्च हो निश्च निश र्नीचा.रचारा ।रवीचार्त्र मूर.जिर.च.रभर.शुर.रीट वि.जी ।ग्रेट.चर्ना प्रमेश.क्र. प्रमेश. न्ता मित्रेन तस्त्रित् च तमुन व्यामा मित्रेन स्त्रित स्त्रित स्त्रित स्त्रित स्त्रित स्त्रित स्त्रित स्त्रित स् कट्ट ज. पुंच. प. पुंच. प्रमुख प्रत्य व्यक्त प्रत्य च्यक्त व्यक्त व्यक व्यक्त व्यक व्यक्त व्यक व्यक्त MA

मूट मार्ट लेट के अर वहर य मार्ट । मार्ट मुंब मुंब मुंब मार्ट बुद्र नहीं र नुद्र के र देश नहीं र ना ना ना ना ना ने र हे द्रा कर र दे हैं है माद संस क्ष-इन्नर प्रस्त ये.चश्चिम.चीम रेग्रे। ।चा.सिर.चक्र.चल्रे.सिर चारेट.चाट हुचाम.चारेरा माइब मानेर ख्या उ हो देश पर माइद । । दे वस वर वु कु ह प्य नुना द्वा 

नाकृत बद्दासार्स्य ना सुराष्ट्रराष्ट्रराष्ट्र द्वा । वि द्वाना रासी नातृता स्थाना वि ना वि स. क्र्यंश चंश्वर चोर्टर चोट हुन । ह्रीरा ାକ୍ତିୟ:୯<u>ଞ୍</u>ସାୟ:ଏଟ.ଜ ଖିଟ.ସ**:ଦି?**.ଖି.ଖା व.स ह्या.वश. ह्या.वर. चाडी सर्ट्या अससा विद्या पर्य सीर मार्चे पार्टी । सर्था । मा.संर.३ में ६ क १ क मान क्षेत्र नाग्ना । में ए.माश्रा शुश्च भवेष.हेमा.२ हु. क्षेत्र. । बर्टेट कु. क्षेट त् बालट व अथ. टबा बी. किंटे. जाया. उर्धिबाल क्टे. चकुल. चट्ट. जाउँ. हु. सर <u>सु</u>र। नाकेश पर्दे।। ।।**ব.**৺৺.বল.৺৺.ৼ৸য়.ড়৴.৺৽ৢ৸ য়৸য়৾৾৻৸ৼ৾ঀ৾। र्ट. लु. हे चोश्र प. ही थेट. टु. चंचा. चोड़ेशा । क्षि. जं. श्र होंथे. चंट. कुंट्श. च. चांश्र श्रा होंथे. येट. जं. यंचा. चोड़ेशा वार्थ अप. वेंश्र होंथे. वंद्य वार्थ अप. वंद्य वार्थ अप. वंद्य वार्थ अप. वंद्य वार्थ अप. वंद्य वार्थ वार्य वार्थ वार्य वार्थ वार्य वार्थ वार्य वार्थ वार्थ वार्थ वार्थ वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्थ वार्य त्र भर्गे रट. द्वामा पर्वे था । सुमासे राख्य रेटश समासे ही ही र महीर। । इ.वे.स. मर्गे पमा ट्रें कु। । ट्रे.बश रूथश.बंट.चे.चंचा.चहेब.च.ट्टा । विट. रूथश लेश.पॉब.चार्टेटश ल. २श.पंट बा। । जि. कुंट.ट्यर.ज. वैंच.कुट कुंट क्रैंच श्रेचश.प्टा। ।ध्या. श्र्ण.श्रें. लुट. तेंड. ग्रे तें कुंट.चतु.टेश। ।धर्म एड्र्य.बंच शंचाशट वेंट झें.कु। ।च्रेंडे केंट लिश.द्रंग ट्री झुंट. मोहेर.भरे.पररा ।धूना.क मीट.पा.श्चें रत्त्र श्चेंच.ठ्जा.श्चा ।शर्षिश रुशश भूना.चलुंच श्चेर. हुट. ध्यो. सियो. ७ ह्या । सम्रोत् म्योच्य कु मि. संस श्रुरीया. ७ छ्यांशा । यर सिंह श. रेथे. यः 역: 다.네-너는 병, 환지 1명의 축, 광범죄. 환니의 내용 3. 댓네 ㅋ 글 먹는 1 1호 년 4. 따다. 먹는 뜻는 구. 형 네외머. 근 : '타. 너니니 1명의 축 및 머의 ㅋ 글 하네 옷 네 와는 . | 1억구의 등 외의 도 때 활.

पक्षेत्र ब्रह्म वर्ष वर्ष व हिंद्र। । इर्ने पहुने पहुने न हिंदे । इर्ने हुने । हिंत्र न्युं हैं ल न रें की बट.मरेट.रिज.शट.चेर्या ।चाड्र त्यमेंट.हेट.हें च.चेश्ट.शु रेंग ांकर श्री सट.चर.च. 5 हुर नार्टा । हर हे द रे हेट ना सुर न हुता । सर्ने द रहा ह नार या ह सन है। निहेर न र्वेर न निर्म खुर के किरस निर्ना किन कि है कि मैंन के रोम न क्वेर में किस में हैं हैं। विम नु के बर् हुर् देनेशा । ब्रैंट लेब क्.च झर ख़ुर नश्चर ज ब्रैट । वि चेट क्रेन संच चने हुर डि.चडिट.चेन.श्रेश.१५ निय हे. देब. च. भ. चश्च श्रुच हुत श्री বর্ষমে শ্রীর নারবা 14 32.9.4E 22.22. ম:মিনাস্থ্রীব:**ব্ম**হা ।व= न्यार श्रुर सार्निद्ध र र र र र र निर्टा গ্রম ব বাধ্রম। IME. & 11. EZ. . 9. 11 E EE. गान्य क्षेत्र व है र्ड्स क्ष्र हिर नहर। वंदः दगारा /토화·디 회 코를·흙·취회 रि:द्नाःकुट:कंद:दुशःम्हेम दह्स्सःय:भेरा 쥙지 다 55~1 ।इ श्रुव छ वे मिर व्यना । ही. ट्या चाबाता. क. क्टा. ता तिश. ह्रंदश पूर। ল্লন্থ প্রম্থা विना पर्वे हुँई कुट वना च 18क्ष के मार्चन केर त्यामात्र मिना नमरा শু অ'ক্রব্য विरंगी डिना क्रून श्रेट द्र. किं के न्य यानवयानय से वर्के सूरा व्यक्ष व्यक्ष मुरी िर्ध रा परे जा.कि.चीर्टश.के. जेर भेंश। । अं कें में में प्राप्त भेंश पर्तेची. 씨드 A 원기 1र्ने क्स में घट 197 सम् क्रियं देवां क्रियं प्रमा किर 5= 12-23 मिश्चर र्ट सर सर्वसम् सु येवस वर्षे दुस। । वे व्येट वट दूर वे क्वेट देश निर्दा चिट्टेस् वट विद्युषः वटः र्गर महैया प्रति य पहुँदा ।दे प्रस मान पर है देश में हुंद केंग है प्रस 12.00% 22. म्रे.९.म.९्म.१८.त.थ। ।चाशर.८६भ न्यासर सर.चार्थर.स्चारा पार्ट्स् मु ने न्या । अर्द्र्स् नु प्रमुन्द्र महाम्या महिन्द्र महि [P. 3회 원기.

। বরু 🕆 য়ঽ. च 🗟 ব বরু পে হ. বরু, জীবা প. च 🚉 थे। म्रें हर विर् मिर है सबबा اقِ ٢ ारे क्य रेमस कर है सना निर्मा की । हिट रेमस न्त्र त म मुंश पर्ने हैश यर पर्वेश ना उर र्ड्र नो भे रूट। । निर्मे य ना सुम हैना है ना सिंद निर्मे से हैंना । नुना हुट नेंद ट न्यार सं च भागा । सु. भेथ. हु. रह गार हुर य महिहा । यन मान में मह य रहा सं त्रेर्। । । तर्थ तर्थ रूथशाल मि सि में क्रूराता । नक्ष से पा वचर प्रेश्न स्र्राता 

[월·월 & C·길레·미호두 W· · 3 데· & 다· ㅁ 5 C· | 12c 12. रचर्यायात्वात्वात्वात् म्यात्वात् व्यात् व्यात्यात् व्यात् यात् यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् यात्यात् व चत्र तर् क्षेत्। क्षिंच क्षेत्र तर् | 국왕왕·통화 보드·머리, 실·성 회뇨성·열회 스녜 | 유. 노. 글·옥회 비스노·김·월도 성급구. ब्रेंट्य नु ।खाःनुनाः हैं सर वेंद्र दः ५ ग्रारः वें ५६। इंश-जुत्य में भेर प्रशः सुरु नार्देश नार्दः। स्रेश सकेन यन प्रमास महिल कर म पहुंसका ।रेग्यर टेट टेटर वन देन झर ट्रेटर वक्टर सिट्रा विषय सेना कूथ सेर ट्रेटर वक्टर सिट्रा मुं है ते. जेज. है। विश्व से प्राप्त के प्र न्युर्नान्यःकेनाःवुरानाशुस्र में वास्तुरा। ।रे हिशानिंद में खे सामार्टायर है। বিত্রা.

हैं तर्शा कि प्रिंग तर्र रेने न ठींट तर रेने पार्षेत्र रंगका निर्मेट पर रेने निर्मेट रेने निर । हिंना पर रमे न पर्वेट मार्थर ने ने ने हुए महार 및 지지!

व.श.के भु मिंट यहे। ार्रम्था<u>म</u> रहे व ।ଜ୍ୟ ସି.ଜି ଖୁ ଓଣ ସି.ଏହ ପ ପଞ୍ଜା |বইবা বতু.ধবধ প. में दि पर पर में देर! । मैं २ रूश, चंबिर क्रे बेर चंबर, यं गंशियां । क्रि. जं श्रीरश, रंग्रेटश, म्री ८८.मी.सन्। नीरेश। 19 हैं ज. र्ज़्य र्ज़्च हे च द है है ज हिंट. उर्रा 14 क्ट. वे. थ उर्र रेट. पर्चेश्व.त के वीर परी सिंदश. अश्रश प्रह्माश राष्ट्रा ু। দুর্বা বাধনা বাধা ধ্যার হল দি বুর্হ শ্লীরের। । ব রিও. मिस सेर हिर रा हैंगाय नवे रा। ।सर्ने दःम म तर्से वर्र श्रीटः से द्वाद। 19E. द्रनाथ ह रू रोना नु सुर श्राम हो। ।ह वै मि सुन नि दे में सह विद्या पहि बना मिट पहुंच गी.ल प्रिमिश बंश सूर। |रेव| यु कॅर से**न स**र'क' वर्जे**न**'य' छर । । जैक' विन. सरस स् हीन सन रट. च ही स्वेच । त्यन हेंट. नुः ई दश मूटः व विवःनुः दमुरा वे.चंब.कंबास.पाश.हे.च श्चेटश.चंबेटश. चेश पंत्रर.र्जि.शक्ष.र्थर हुची.पवैट। |न|बर:ह्न|ब:द्रम सं नाहुब:न|हर ह्यटब ८८२°धेद्।| अहिल सर्ना हर पदी समें में बना यर देंदा । में ह्वेंन नमर के मकर में न में नहीं नम वर्। । इहेंन नहम नहीं पह सुर है ची नहम नहीं पह सुर है । सेर नहीं ना क्रिं में में के के ये ये ये ये प्राप्त के ये ये ये ।रेयार स् अया कि ६.६ व्री लील यीर। । । म में हम प्रदेश के सेम स्टार्च होता यन स् बन कु. १. १. १. १ ले ले प्राप्त थ वि लग वयन सिट्य. प प्यर पविर ट्र्ट.। । जि मू स. परेथ. के अप व लक्ष.क्री. हेम.पहुंच च ड्रम.क्र्मका । इ.इक. सं. चे के.इ र क्रिम. हा । मी.मीम.चमा. मी.च.च.क्र म.मोटेट चर.चे। । मीट.च.चे.ची मी.च.च.च चे.ची । च्यूर्. देनका । च्यूर्. देवका । च्यूर्य देवका । च

वैन पर्यार बना बाइंबा देशका हैया पर रहीरका । हे हुल सिर्ध सहर छे. ही म. रहें हा श्र.सिटश. ७ विच च वेर. क्र्येश 

म् उन्नेर.पर्वेश. त.पर्वेश । १५५.वेच.च१३४. म. भ संस. ट्रॅ.च.च१४। । नीट.रट.चस्रूट. नुस विन ब क्षेत्र के परिन । दे बहा विर म वि म पन पन पन । पन पन पन स्था म्ब्र हे मान बुर याक्टा मेंब वर्जया में प्राटा चुवःळेना बुवःसर्वयः दण्रः दृष्टः। क्षेत्र वापत्रहेश । हिं है के जार मुत्र में में के देश के जान है जा प्रमुख या में विक्रे के जा पर में विक्र के जार में विक्र ल्या.चन्या विर्वेश ह्या श्रमः ल्या द्रे २.४५४ वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा चुट, प्रिय. कु. प्रे. त्येर ल्य. दें। डिश. श. कुं च शर चित्र घण. च चीरचा भिष्ठेच. विकास कि चित्र चित् कट. अट. देना. के. एकरे. रेगोट . लूनो. बैट. झट.। । नार्नेट वा सना केंवार केंवा केंद्र ह्येंद चर्। किष्य नाम्नेस्य नाम्नेस्य मक्ष्य क्षेत्र प्रक्ष प्रत्ये में ले निर्मे क्षेत्र प्रत्ये में ले निर्मे में ले निर्मे क्षेत्र में ले निर्मे में ले निर्मे क्षेत्र में ले निर्मे में ले निर 

व नर्द प्राप्त का त्या । अस्ति यानस्था थाने हेस नार कि नार्सा । नर्दे हे. हैंद स् निश्नद्र भ र द्यां में मैंदे लश हुंश रेर चड्डा नह मुद्ध है है व पर्येर वर्षा ने देश से र. ८ ची चार ची सू. चर्. विवश चे वेद यो । चिंद ची र से र प र स्था र ची च छो । जो चैर क्षेट रेटर मि.च बैर धर मैंट। ।वर.ज.चै कीच ट्र वज्र चढ़ा ।खेंश.कृ.वर्ड्स. हुश के क्षे चर्टेर.च.रेटा। ।क्षेश.रेचांश.चे.बुंट पूर् बेंबा.घर चरेच मेंटा। ।ध्रष्टिश. चर्ड्स.वंचंश.हैंट चीर सेंट.जंबांध.जा। ।उचंश.क्षे धर रेट चे.रघ.चंश्वा। ।चूंश. नर्सेल हैं हैं। वर्टा वर्ष तर्रा किया वर्ष किय व्यापत्रता विकास स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत वर्षा ववश २ वेषा । शक्ष १५ श्री : मि. हैव : स्मिन शक्ष : वेदा स हेर। । प्रतिनाश : मूर् लट.र नबिर चर.परीरा १८.लट शिर.कर.रवीनश १८.रट.। १९४.मू मीर. प्रमुद रेनाश पर्व है। । शिव ठ३ वर गव ह्यें सेना प्रदेहरा। । रे मुव हैव व्यवाश माहेर : बुट्रिंबा । अप.च स्राम्ये.च.पर्ह्रा । अप.च स्र. स्रे चरे.र चुनास्य. यहना प्रदा

रविनास कर रविनास रविद से मरे लिए। । भर ह्य मालुना कर नासर मार्म ह्या स्थान विच स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स स्त्री । पर्नाप्त हैं वैद्वास प्रस्ति । प्राप्त हैं ना प्रस्ति । प्राप्त हैं ना प्रस्ति प्रस्ति । प्राप्त हैं ना प्रस्ति प्रस्ति । प्रमुख ना । प्रमुख ना

सर्द्य केश्व हुर्व किट कुश्व प्रविण वेद। । । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर में हुर पर केरा । । विदेश चीर मिट में हुर मिट में हुर पर केरा । । विदेश चीर में हुर में हुर पर केरा । । विदेश चीर में हुर में हुर पर चीर में हुर में हुर पर केरा है । । मड़ेर-च-रेट.। १३.वढु . सें. जून स् न कश्यः मुंशया | ग्रिंग्सीट रीग र टंट. चेंट. कुर्ट च-रेट.। १३.वढु . सें. जून स् न कश्यः मुंशया | ग्रिंग्सीट रीग र टंट. चेंट. कुर्ट च-रेट.। १३.वढु . सें. जून स् न कश्यः मुंशया | ग्रिंग्सीट रीग र टंट. चेंट. चेंट. चेंट. जुर क् क् चा हिंद देन कुर क्ष्य जा हिंद हैन कुर क्ष्य जा हैन हैन जा क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य कुष्य हैन जा हिंद कुष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य कुष्य हैन क्ष्य कुष्य हैन क्ष्य कुष्य हैन क्ष्य कुष्य हैन क्ष्य कुष्य कुष

135四 今日、四日初、日本、子本、三四 137月 137日、 137 리치 팀의 지'리 ल.ब.प्रिंता.चेरा ।चड्र वयका.क.चयु.मीट वयकाला ।व्ब.रब मी सिट.चूट.ट.रेग्रा । हैना न निर्म ने के हिन न न न । इ बुद मिंद है 때다. 4. 최도 . 첫 보 및 전 전 화 집 . 같다. 1 | 집 도 화 . 월 로 . 교실 등 보 . 교실 는 1 | 전 도 화 . 월 로 . 교실 등 함 . 교실 등 . 교실 등 함 . 교실 등 함 . 교실 등 함 . 교실 등 함 . 교실 등 . 교실 등 함 . 교실 등 . 교실 यथर स्या में में रे स्था मीट वेयश पट्टश तंत्र जाये हैं से स्या में स्था मे क् वर प्रमिश्व हे रूच हिर पर्या । अमिश होन मार स्था । मार श्चिष स्थान्त्र क्या श्चिम स्थान स्थान । द्रामहार हैनाह्य त्या वर हिम स्थान हैना स्थान ह न्गर रव रवर र्ना मर्व वर दे रेनाय थेवा । विर वर अपन रागर वेश समें है रिष्टुन । त्रिस अर्थन स्ट्राम्य । जिंद्र ग्रेंच क्षेत्र न्यून प्रमान । जिंद्र ग्रेंच क्षेत्र न्यून प्रमान । जिंद्र ग्रेंच क्षेत्र प्रमान । जिंद्र ग्रेंच प्रमान । जिंद्र जिंद्र ग्रेंच प्रमान । जिंद्र जिंद्र ग्रेंच प्रमान । जिंद्र जिंद्र ग्रेंच ग्रेंच जिंद्र जिंद्र ग्रेंच जिंद्र ग्रेंच

सुरि कुंट तस्मेर तर्जा। कि । वित्त प्रमान के 

भ ॥ नहिंद प्रनानाश वद य सर्वत केद वहेंस बचल निक्रा। लेदुः हुं ८ नुगुः चले।। सक्ष के**र** वहीं रेट प्याचीश.त.चांकेश। । वहीं त.चीट.वहीं क्.वहीं चांकेश। ।चीट.वहां नहीं न सिर न कि. ह्यू था विश्वकाता नहीं वह सहून रेगर रक्ष ही विश्वका वर्षे व नमर खेर के. य श्रायटा । तिवाचाश च दे दुवे . यचाचाश न कर चालव यचाचाश । हिंद्ध स्तानाम मुक्त स्ता । विद्व स्था वर्ष स्त्र स्था वर्ष । विद्व स्था वर्ष स्था वर्ष । विद्व स्था वर्ष । वर्ष स्था वर्ष स्था वर्ष । वर्ष स्था वर्ष स्था वर्ष स्था वर्ष । वर्ष स्था वर स्था वर्ष स्था वर चाड्डिन त्युं दर्ख दर्ख तर्खन तर्मा । यम्बन हि स सर्बन स महेना । वाह्डिन में समक्षा स ला लाट.सूट.। विर.चार्वय.पचार्चेश ल चि.पर्षेश चिता.रेट । श्चिरश रट.चार्चेट व चिता. प्याचीश तर्। व्हिट प्रमिण प्रमुच प्याचाश त्याप म हूर् हैं प्याची हा । विस्ता व साम म प्रमिल प्रमुख मोटानशानाकुर, पश्चा विकास क्षेत्र प्राप्त विकास क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त विकास क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र রী মার্মির। । ছ. বর্ষা নার্মার্ম্ রী ই.খা । ইনা. এব নার্মার্মার মিরানাই না ब्रोन वे के ब्रा है पर। वि याना खुस पर कें हू पर्हेना स्पर्न राष्ट्र । वि याना खुस प्राप्त स् 

नित्र । विना तर क्षा दुन य नहना । में बर्ड के क्षिट नर होना हिन क्ष. अंच प्रधि. रूशका पर्ते वश हुर्। विदे. की. विवासी अधिरात विवासी विवासी विवासी अधिरात विवासी विवासी विवासी विवासी विवासी विवासी विवासी विवासी विवासी विवा 

बना. हूं रट हु स छ। । नर मार सी. प्री. प्री. प्रिमा मारा. सिना. रे. प्रिमा । म झूर सु सुना. छ. ख़ैंट चश्राता । । दे हुश श्राट.चीट्ट कैंट.चैंट। । विचा वचा व.रट क चतु श्रम। । स्ट्रीय जिश्राता विव्हा वच्छा हुम स्ट्रा हुम स्ट्रा हुम स्ट्रा हुम चहुर हुम स्ट्रा हिचा श्रम हुम स्ट्रा हुम चहुर हुम स्ट्रा हिचा स्ट्रा हुम चहुर हुम स्ट्रा हुम स्ट्रा हुम चहुर हुम स्ट्रा हुम स्ट्रा हुम चहुर हुम स्ट्रा हुम चहुर हुम स्ट्रा हुम चहुर हुम स्ट्रा हुम चहुर हुम स्ट्रा  सिट.ब्र्य.र्थार.रेशर.रटा। वि.शुर.सैंच.चंशेश ग्रीय.चुंर.चेला चि.शर.क्श चंशिश. पर्यश.चंशिश.सुं रेश.पर्शेश घट.चटा। वि.शुर.सैंच.चंशिश ग्रीय.चेंच.मिंग्य.चेंच.मिंग्य.चेंच.मिंग्य. यः १ म । अं देश देना द व स व मासुस। । व व मासुस। । व व मासुस। । व व मासुस। वुदे सिना निर्मा मुद्रा । हिट होट सि महा मीट माडेश निवा । हो प्रे ही सि महा मीट माडेश निवा । स्ट्रास्टार्स्या स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रास्ट्रा स्ट्रास्ट्रा स्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट् र्बर सेट र्ब्न 3 है रहा। जि.रच है कि मी विष विषय है के मी विषय के कि मी कि

स्त्री स्ट्राह्म स्ट्राह् मिंट. क्वम भक्षे १.३८. हो । १८४ च ट्राप्ट्रिस बिट श्रीट श्रे परे। । त सर्ट्स वर रेट सम् में दिस्। ।शम् विश्वःमूट अट शेय शैयः देन। । श्चि दिस्न शेन दर्गेन मूट विट न। । यहरे दश.च.रंभश चेल् बुट हैं री वि.सं.चर्षभश.चुट वा वि.लट.च.पिट. द्यवः वः न्दः। व्रिम कंत्र के कें कें कें कें कें विष्टा । व्रिम कंत्र मुं विषयः कं त्यः प्रच्या । मि.श्रु.भथ.कर फूल. हुट था । म्यू पर्वेट. रू. मैच सकुर. मैं. मोड़रा । भटल टै मिंच हिंचा हिंचा हा ना रहा।। भटल.सिनी.पह्नी.पिन्न.सिश.स.सि. । इ. ध्यश व्यश.बर.क्. व्. प्. हिन विश गीव कूर.सुर. क्.च.रंटा । षर्त्व रंभर त्यं वर्षेच तुर्व हु हो । धर्म व.इ रहिन छव.ट्रंट्डा । छव.ही.यूट. स्थानकर क्षेट. वहर स्थान वहर र्। । प्रह्म स्थानकर क्षेर्य प्रहम स्थानकर क्षेर्य स्थानकर क्षेर स्थानकर स्थानकर स्थानकर स्थानकर स्थानकर स्थानकर स ह. तथ्रा वि. कुत. नालेम कर. कुत त. रटा १३. न कि हि हे यथ र कुर स. हेन. त्त्रे सर ख़ु हैट हर वर वहाँ । रे हेट हिन हिन र वहाँ । वर पहें लिमाहेमा क सुनार में देर नहीं । क माद में नाद स नहार मुंदा । वि दे देर हमाय यनहा यर्न विनामासुस्र सर्वा ।त्यादश क्षा र्कः चः मासुस्र द्राः सुना क्षेत्र माद्रम। विन्यादश हि ये रक्ष. क्षर. में प्रतासीका जा. मोटेट.। सिंच, तक्षर द्वार क्ष. प्रतास ลู้ยาสัสสาครัสสาผลิารุสามาผิด ।ଜିଶ୍ୟସହିଦ୍ରଶିଧା ଯୁ.ହ୍ମ.୪.୯୩.୭୬.**ୟ**ଜା ।2୬. |ळं:२:नाशुक्र:५८:बीट:ळं:वॉर्डंट:**क्**रुक्:न**ा**५व| ١<u>ق</u>. प्रस्थापि यापाया प्रदेश सामा । हिन्द सम्बद्ध स्थ्य स्थान स्थित । । इत्तर सम्बद्ध स्थान । । इत्तर सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम शुरु दुर्श व मर्जे व रे नर्शेश य नार्टा। الْمُرْثُقِّ **च छ**र् क्षेट स्रू केंनाश कर्र रुग सुर मार्नु नश |कं'च'माशुस ५८'-वैट'र्क् |म'र्ड'र्क् कुट:गुंब:वर्षेनास:प:क्र्सं चर:वर्ड। । हे हम खमा:प द्ये:सर वर्षेस:प महिटा اقِ ٢٠ क्ष्यम क्ष्रीत वा नवम दासेवा वार नेता । समिया वह द समिया मार्क्ष नामा मार्क्य नामा मार्क्ष नामा । छ र र र न महे स स हु न । मिंद मी हुन त्यंशः मैं चाश्चभः र्ट भ्रामय भ <u>ब</u>्रिय रटः। होत वर्व व विद्या । विद्यान हैत इवहा समितासर ववहा व होया । विना हिना हिना मिश्रानिक: इ.चक्र में इस. में श्र पहुंचां विश्व हिंच पर्वे चर्या चर्या विश्व वर विश्व वर विश्व वर विश्व वर्षा वर वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्या व ह्र्य.चे.ल्ल म् सु.चेल्ट रटा। ।चीम के परेच ज मूर्र रटा ह्र्यटमा । स चेल्ट. ट्रिश चोब्रे.लेट क् स्थित स.स.स.२.२। ।श्रू श्रूर चर्नेम.यश चेटा यो प्राप्त । पेट.चुटे. सेर.चोरेट। शिरान्त्री सिना क्षेत्र हिनाक्षात्रा ।चीर.चीक्षाःश्चेता में क्षेत्र चे क्षेत्र निना । से.च.चेर.चे सिकान्त्री ।व.क्ष चै.खेनक लेव टे.चटेच ।ट्र.बेका.झेल चे.क्शे.ट्र.चेता । स्याता से स हीया । मार्च्या स्वया प्राप्त स्वया प्राप्त स्वया स्य च शिक्ष का) निश्चिमा (निष्टुना व रूना नर्ना ने न को रूना द्रात का श्रद्धार नाश्चिक्ष क. सक्षा) 

ल्य.रंट उत्तर वेश पष्टाम.त.थ। ।यट.त.वेश उत्तर में वट पत्रत्य वेश टेवेल। ।व.ह्यूर.तिय व.कट रेट. धर. में अ चर्री। रि. वंश शहेय. सूरा मुंग्रं कर वृट सिम. मा रिस. चट. कर. मूंश रेविमा म र कट हु र नार्टा । देश स केंद्र व वहा केंग मिन या। । देश समिक पि कं नर्न ल.चार्टा । अटल.बर.रेचा वयश बुंश.चे.च। ।चे. २ व्ह ट्रं चक्र ट्रेचा.चेत्र चेहा। न्द्रश्चर त्यानातर ति है। । अद्यय देर ह देय है की प्रामेश पार्टेश । । पर्टेश हैं है है. चीट.च.ही । मि.बश.भू.पंटि.भूचे.शर चोशेश.च.षु। । हु.पंचे के देट.चेश.ष्ट्रं चेर टेचेर. क्टा देट मि.पंचेचे । जू च कू पष्टिंची.श्रु.पंचें.चुंचे च.श्रेर.। । वेंश्रु.च.श्रु.चंचें.च.ता छुंचे हैं.प्चें.चेंश्रु.चेंचें.च.ता । श्रु.चंट चंट हेंचे हैं.पंचरा । वेंश्रु.चंट हेंचे हैं.पंचरा वेंग्रु.चंट चंट्रचेंग्रु.चंटें.चेंग्रु.चंट्रचेंग्रु.चंट्रचेंग्रु.चंट्रचेंग्रु.चंट्रचेंग्रु.चंट्रचेंग्रु.चंट्रचेंग्रु.चंट्रचेंग्रु.चंट्रचेंग्रु.चंट्रचेंग्रु.चंट्रचेंग्रु.चंट्रचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रिचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रिचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रेचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्रुचेंंग्र ब्रैर। ।स्.चर.रैबाक.मे.क क्रूब ल श्रैबा.बा ।पचक.मे.वीबा.च पाजा.सेर्.चरक.बारटा। क्.ल.चंडवा अष्ट्रेचं तंत्र,चंट्रंजाःक्.चंचश्च चेट चंचशःच्रेशा ।भूचः क्रुंच्चेत्रःक्त्व चंट्रः चु.च्रं पुटः चंट्रःचेट्रःल क्ष्यः चंच्यं प्रचेशः चंच्यं चित्रःचेत्रःचेटः । ।च्राःचः क्ष्यं च्यं सुन्ध'नाशुक्ष'न'र्स्स ।देंर्'हिट'र्ह्ह'र्ह्ह्'र्ह्ह्नन्ह्नन्द्रिट'नर देंट'। ।ढ़ं'नन्ध'नुर'गुक्र'ह्न नाट'न्नन्

खनानी सकेत्य सर पु वर्डें सामिस देन प्राप्त । किन्स य देन वर्षेत्र स्वाप्त से त्युं हो । वर्षेत्र संस्थित । किन्स से प्राप्त सकेत्य से प्राप्त सकेत्य । किन्स सकेत्य सकेत ववश झू. छेट. थश. चाट ववश. झ प वर्जेच । प्रतिर प्राप्त मुंहार प प्राप्त मांच्या । नर्रे. हैं हैं ह स् चेश्वर न से मी मैर जह हैं साम हैं यह मुंदे पूरे हैं है नर्रे नर्रे निर्देश ारे मुः।ह्मना न्दः हुः शेरः कुंदः नीशः नक्केषा। ই'ব্ৰ ৭ন্থৰ'ম' কু কুল্ৰ'মইৰ ম'ন্যুৱ। ्रे क्ष्यसः <del>श्र</del>्षदशः यः श्रुः यक्ष्यः व ः हुनः हुनः। न्त. इस. इ.ज. चेब्स. वस पर्यंत्र बर. च ही री त्रम र्न रचीर श्र.च. हु अमम. ज्ञा वि चचार प्रचेश हिंदा सार विचायात प्रचेश. सिमक रचे रचा प्रचेश हुर क्ष.च. हु अमम. ज्ञा वि चचार प्रचेश हुन क्ष.प विचायात प्रचेश. पर्से कि स पर्तिम हैं. हिट स्रा १८५ देशहा मोध्य सपू बर होट मैट व प्राम्था । पर्छ्स. विचश श्रीटश.पर्टेज.इ.चाबर चिति.चाब्र् च चोश्रीया । रिट ग्रू श्रीटश.पर्टेज भ्रू श्री थी बिर ही ही है है है जी पर्देश पर मेर्ने । विष्य प्रतिशःस है हिर श्रेस है से प्रतिशःस है । विष्य स्थित । विष्य प्रतिशःस है । विष्य । विषय । विष्य ब्ना मिनाश बंश नाश्चर या हा । या पिनाश के यह य स्ट्रिय स्वयं सक्ता ার্থ এরু: चीरीय कि.ली.चर.टे.चि.शु टेंडी । चीर्य्य चीर्य्य स्थान्य संस्थान विद्यान्य प्रस्था स्थान संस्थान विद्यान विद्यान पहुंचश ग्रीश रेट्य तथ ते र् चंट्री । छेंशश के सेच र्य में में में में से चेरें में से में में में में में में लभारत सिना मुन्। वि.श्रीर. २८ र्झेट द स्रामा मुन्। वि.श्रीर मिन स.श्रीर. लहा विद्यान्त्रमञ्जूषात्वस्य अद्याद्यायसा विवित्त नुस्ताद्य सान्त्रम् । युर में श । जार द्रान्ते नक्षेत्र ह सान्तर्था । स्वाप्त स मिनास्त्रसःस्ना । इ.न.पा.स्.च्या । व्या से स्राप्त हि.नपा निमा से स्राप्त हि.नपा निमा से स्राप्त हि.न

ला ला करेश पश है पर वैश । श है श लेश हैं श पर पहुंचा । लेव हा है रेपाद त्यंश. यह्र धर्म प्रेश | मिष्टे हुरे.ष् सैर अंग्रिस स्वि.पंत्रा ता | प्रेर्ध में सार्थ हुर तह्रा | प्रेर्ध में सार्थ हुर वित्रा में से स्वित्र में से हिंचा पर्द्रा | प्रेर्ध हुर प्रेर प्र प्रेर प्रे वसः त्यांश प्र मुर. य. लेवा । कि येर. भू लाश. यही याश. पर क्ष प्यांच शकुर. य. ही वा ांच हुस निया प्रक्र. यदी. जिसे हुं द्वं मोड़मां पर्णा है । । माल्ट प्ययम मु मुद्दे हुं देवं मोड़मां पर्णा है । । निया हुं संस्था संस्था स्था मी मुद्दे । । । निया हुं संस्था संस् 

र्थ. चोड़ेश नापूर्ण है । श्रिम स्वितास वर्ष प्राप्त मार्थ ने प्राप्त मार्थ शक्य हुट. वट्ट मुज. प्रमानमा प्रमानमा । प्रियम् स्ट्रियमा हुन स्थानमा । स्थितमा हुन स्थानमा । स्थितमा हुन स्थानमा । स्थितमा स्थानमा । स्थितमा हुन स्थानमा । वैरा । प्रे. हे चा कु कि प्रकार में कु कि प्रकार में कु के प्रकार में कु कि प्रकार में कि प्रक दशःश्चेर पह्ना. ७. ७ ट. हाटा । नास् वयदा सः श्चेर य क्षे देश। । प्रयंश ये नाशियः ये हि है । जा । अं है । अं है । अं है । । अं श्रिम्म के स्वाप्त । अं श्रिम्म के स्वाप्त । अं श्रिम्म के स्वाप्त । अं र्श्वसः अर्थः देविटः अटः टैं श्री । अः स्थान्यः टुं स्त्यं मैं जिलाः चैटः। । ड्रिं स्वानः तार्व् च् वयनः तर्वता । मैं में के सक्तः टेंटः ताः कटः। । टेंट्यानः आक्रेट क्या चिट ४ विचः स्त्या । पक्षः तप्र जाते पुष्टे से द्वः चल्वः चल्लाः । चिट्रेटः से श्रीटः स्वान्यान् स्वान्यः प्रवानः स्वान्यः स्वा

स्वित्त स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ नारेश सर्व मर्ह्म मि.से। । भूम स्था हुट रट मि.प्यमा । १८८ रट हु स.सेम तर था। खुर छ ट्य्त्या । १२ इ. म. थ्रंथ छार ता । १ व व र त्यार टक्षर खिर ता यहा । एट प्र स्थित हो स्  स्वार्थ होता के स्वार्थ । स्वार्थ स्व नुः हुन । रच रच बन् ने इं बदः यहन । देश यः चले यहन नद वें दे रें रु श्रद मुझ. चारा ता प्रताप । चारेश पर बिचा के हु. श्र महिंद ब्रा । हे ब्रुट चा हुर व येन्। अर्चेट्या १५ अट वन रेट हुट में अर्चेट्य १५८ दें न दें मायम नार्येष्य म्दि. बिनास. के इंद जानास. के नासला १८५. रेंस रच इंच दुर विर. चनरा १८, वंस रूस न.मंश्रेश तर बिमाना । र.रेश होट शब्रु- ट्र्म श्रू शब्रुट । रश ग्रीश नमान.पर.थमा. सर्न बूटा । स क्षेत्र क्रिं र दे दे दे वे ते ते नुस लेख हा । क्षित गुरास सेम हुर सम नहीर से मर्देश । रे.क्श.रुभ.रा पर्धर.सेक शर्वट.केशश.ने। ाचीज.स्. क्रियश.क्श लूट यर उचीर। ।रे.क्शश. चर्ट्स स्वयक्ष क्षेत्र पार्था । विष्ट द्रा श्रीक । निष्ट क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र । विष्ट क्षेत्र श्रीक । विष्ट क्षेत्र विष्ट क्षेत्र विष्ट क्षेत्र विष्ट क्षेत्र विष्ट क्षेत्र विष्ट विष्ट क्षेत्र विष्ट विष्ट क्षेत्र विष्ट विष्ट क्षेत्र विष्ट क्षे थंता. चंता स्वा लीच दशश। । श्रिट. कु श्रिच. ज चैवा चंच ची। व्य च चीशिश. मी. क्य मिट्ट ना सुर हुन । भिर दर हो र स गढ़ गारे के हा । सिट्ट देस सह र माद हुन। । खैर.चर्रिश्च रेशर.क्ष्म प्रमील.च हाला । श्रेश.क्षम.चर.ज शर खिर हुए। । श्रु.लु.श्च.रेट. াই) নাগ্ৰ্য । বৃত্তী ধ্রমধ্য প্রমানী বৃদ্ধি শুষ্ঠা মনুনা ৰেন দ্বনাৰ দেহ ৰ নৃত্ৰী नाबूर नर्नु. नार्च्य क दय न हीया । दे यस देश नवः कि हू क्षेट्र नाशकाला । यर ना ने ने र्वे चित्रक्ष हुँ व ग्रीट. वर्षा । वर्ष व. वर्षे व. वर्षे व. वर्ष व. वर्ष व. वर्ष व्यवा । वर्ष वाल्या. त् चद्द ज.र्ट्जा, चट्ट र ट. चोशट.र्टी वि. च्चा प्रचेत के क्षेत्र चट्टी वि. च्चा प्रचेत के च्या प्रचेत के च्चा प्रचेत के च्या प्रचेत य.र्ट त्र रवेषा ।वेश.बुंश.सैचाश.४% के.चय.पर पंचर.ईचा ।रं ४% वेर हे.पहुंर. है मु भ स् ही रूप. पश्चिम। विर्देशमधिस सक्षेत्र पर पर्देर प लेबा विर्देश स्त्र नाडिनाबासहित्ता ।सूर्वर्त्त्रासुं सूर्यासुं स्था । ।तर्ह्नार मीर वस समार् कृता। सर् सूर. मुश । स्मि. प्योण स्मि. स्मि. १ चरा। । प्रचत परीट है. स. पश्चर प सिर.। । धर र्यान. स्मि. । सर र्यान. स्मि. । सर र्यान. स्मि. । सर र्यान. स्मि. । मेना में सद दन हु ध्येद प्रशा । हि ध्येद वद ५६ हे चर है। । विना स व्यव द्या निना है र्जिन बन्ध सेन दाव व हूरी ताल दी। राष्ट्रची ए. डिची कु. के जावव रेव दी। राष्ट्रची. रित्या म श्रम् प्रमास के मार्था । मित्य मार्थिस की त्र्या के स सेंस्या । । नाकुस मार्थिस मार् त्रेच तर्। है गिर्देश के प्रति के स्वार्थ स्था विश्व के स्था प्रति के स्था प्रति विश्व के स्था प्रति के स्था प्रति विश्व के स्था प्रति विश्व के स्था प्रति के स्था प्रति विश्व के स्था के बूट श्रेश हु सथ। । अधिश मीर क्या मुर्ट के शुरापहचा । चर मीर अपप श्रेट सम् य रेट प्रथा तथे श शे. रेत्री। । धरा मीर क्या के स्वा निर्देश । । मीट व्य के एक स्वा प्रैयो पर्या। कि प्रकार के प्रथा निर्देश स्वा । प्रिर्देश स्व त्येश है। ।तर्श्याचीर देना तह्ना लूब मिट हूरा । ।त्य साझ प्रथा ह्य रट दासमाया ग्रीबर्भर स्विरः इ. प्रत्योदः। । नाज्ञवरः सरः देवादः चे चे सरः ख्रीरा । स्वितः स्विरः प्रत्येतः । स्विदः स्वितः स्

है ह्रीद व नश्रद न मन मी मुद्द अश ह यहे वह वह श यह मेतु हो देव यह व वर्षा में শ্বুত্র বৃদ্ধ মাম্মর্থ টুর্বেইর্ম প্রবশ্বনাটুশ। ।হেম শ্রুনাত্রাবামর্থনাবাহ বিব বা আ ।ধুনা বর্ষনা বা ম पहिंच पर्येच । जिन में प्रमाद्य मीर मीय देश स्थित हैं में स्था मीर्टा के प्रमाद मीर्टा के प च्रिंट संद याया । नामका नामक रहेका य समिका य मुना । प्र मुंबा एक समिका या निया सुवा है. ल. सिना रेर्नेट मी मील रहा । शुट ह्र्य प्रेट रेटर हो मी नैया । भक्ष ल यर प्रव सिना । पर्। ।८वर क. दशक्रेट सर मुख मर्मा ।दश वहर महास मी मिना

सम्बद्धाः स्टब्सः विद्यान । विद्यान वश्रमः भ्रुवः वुना । त्रत्रः तुः नाशुभः नदः । व न । ५ ५ कुं भ्रुनाशः भ्रुरः मिट्टा । न र यत्रत र्ट.पिर मेट.यक्ट.। ।यर मध्केषास्थरका ट्रे घरेश। ।श्चेर.य.लेट.य.श्रेट. हि.सि.मा.म श्रेष सेम वैस विसा । मेर बर सिना पन म से कि कि मनवा । हिंगी से महेर में स.मार्चा । वस मूस दु यहेव यर हा । अदः कर्ष सद्द हिद्य दर। । वी के से के या भग । देना ५ सिट कुर गार सुर। । छि सु हिरा सु दे दे नार्ट। । अर व सुर नायम दे कुर दिर। । क्रे वचर.स्.रैंच ।क् वर वक्क म घर.रे.वर्टेर। ।क्रै.चैव.वक्ष म.चरेर.चि.वी । चै प्रे.क्र्म.वश्च बै उंटशक्ष। ।क्ष्म.व.क्रेर क्रे.क्र.व चिश्व। ।क्र्म.व्या

इ हो खर हेंट. श इ. चर्चा । भ . चर १ हें र. मूर चर्चा । परंश हेर. टर्ने प चर्च. स्त्र है निर्मेर के त्रा है । हिंद मी बर त सक्ष है र निर्म निर्मे निर्मे । विर्मेर के किया निर्मेर किया निर्मेर किया निर्मेर के किया निर्मेर के किया निर्मेर के किया निर्मेर सक् १ हेर.क् मीट हुंबे जब मीट। वि च उ प्रियाश ह्या मीश क्र पंचयश। हिंब प्रेट विचर्याता. मेटा नि. प्रचीमा । द्वारा से महारा में स्वारा में स्वारा में सहर मुबेर। । हिं सेर ह यः नवः वः है। । शेर्र वः मुकेर छेर जैर मुकेर हुँ मा । मिर्रेटः त हुँ रे.स्. च वर्षे. पर्वेट.। ।क्ष्ट पर्वेट. हुश.त. र्यं मुध्या । भष्ट्य. च श्व. हेश हुयं. ध्र्यं र्यारः। ।मूट्य हुट रट यर्गावं था ।क्ष्रेट्य हुट लुन्य वर गुर वा ।यम् स हर है। । रेश त्वीय देश में त्वीय के प्रति।। मं व बिट प्र से देश से केट से प्रवाय । जिल त्वीय हैं के प्रति।। पर भाष बिनास मीर था । शुक्रस से नास से ना राम हो । त्या सा से बिट रिट से हो । त्येश सा से बिट रिट से प्राप्त भूची भट्टी देवा दुर सि.वंश जिब ज़ैव सर। । श्रीर पा.ह्मा एश.परी श्रीय श्र स्थानाहरा, क्षित्र भ्रास्टर कु कु कुरा, क्षित्र भ्रास्टर, वा स्थान स्था र्झूल.चार्टा विश्व के रेट के ज प्रता कि के के के से सूल बट चार । अंति मुं श्रूट.क्.च चीस्रेभ.वेट.विरा । विराम स्चिश.चवी.वह्सरा.चरा । हि विरास होट.  र्ट क्ष त. ट्येरा विट. चीर. मी. च. चस्रेशश. ल त्र र ट्याली विट. च. पूर्वासार्यात सि र्शिन् उदा । माने द स्पेर सेना नी स से देवस सद्या । सिम्रेस मुर माने द खर सरेरों। मि नभ्रम्भ संभाव भ्रम्म द्र है। । यह गाव खुद य हु दहर खा । सम् हु दि । मि मिर्स श्रुम क्षेमश्रा । श्रुन हेर १८ म महत्याय पनाना । विन सुर र वें हो । अर हुर नश्चमा । प्रद्रम श्चमा । प्रद्रम श्चम । प्रद्रम । प्रद्रम श्चम । प्रद् सम्ब्रिशः चुरः प्रशेषः पर्दः प्रमु क्षत्र मान्। । मान्य मुर्दे हिंदः छ प्रश्न मन्। । मान्य मुर्दे कर्नित्र मृत्र कुना हुना हि हेब नक्षम्य है तुर मिन नहेता । यह रह है से सिन रहा। बैट.कुं.भड़ेश.ज वेर.कट.रैंच । चू चू जूट रेट.कैंट ज.चारेट। । जिंचूब कू किट क्श. कैंट.कैंट के सिच ठबुज.चट.चुरे। ।थश कुं.चुं चट.चबुश च.जा। कि के टूंच.भ.ड़े. के चंदश। । कर भु.लूश.चांदर। ।धूं चुट्ट.वर ज.च चंत्र, की। कि के टूंच.भ.ड़े. के चंदश। । चूं कट हूं जू चश्रदश.च रेट। ।वूट.लर. जू श.चक्क्ष्ट श रे.चोरेट.। ।हुश.ज.श्रेष. न् द्रमश्र हुव। विर्देशक्षेट म् विषट मान्य मान्येर प्राप्त हिंद्र प्राप्त मिन्ने हैं मा प्रमाणिक सक्ष्यं वर्ते दे कर्ण । श्रित् प्रमाणिक स्थाण । श्रित् प्रमाणिक सक्ष्यं स्थाण । श्रित् प्रमाण स्थाण । श्रित् प्रमण स्थाण । श्रित् प्रमाण स्थाण स्याण स्थाण स्याण स्थाण स्य नना गान सकेन नर रे चलेन या । हो प्रचु चर्तुर परे छे स हुरा । सिंहेश सुर गुर गुर गुर नियं स्थान के देश मान्य मान्य मान्य मान्य स्थान मान्य स्थान मान्य मान्य मान्य स्थान र मोर्थ हैं. सूर विश्व मार्थ हैं विश्व सहर विश्व मार्थ हैं मार्थ मार्थ मार्थ हैं मार्थ मार्थ हैं मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ भ्रः कुर् इ. च द्वा विषय अपिय अपिय प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रम् व व विष् 

াবহুৱা. मिट.व.वन्य वश् ह्व र हिट.व.वर् श्चर्रु नवस् व नक्ष सुष्य कुर सुष्य न الحدظ. | नोडे सर्ने कट र्ट इ. चटे झव सर हुर। वयश् श्रायम श्रन् सिंट वियश मा |स्रायम नार्वेट ब्रेंट क्रूंट समाय सर स नर्वेश नार्टा । प्रस्थ के पढ़ पड़ेश हैं देना पड़ेना माने माने माने माने कराय। ।ति पर्याय हुर हे तुरम ह पर्व पर्वा पहल रस महेर नहर नावर मावर ही रैनाल ये। ।श्रीमा स्प्राप ए य जि रह है है। ।ईमार्जुन बुस य त्व्याचु न स्थान । इ ह्या प्रत्य सम झून सर हुर। । हुण से स्थान । न मून । हुण स्थान सम झून सर हुर। । हुण से स्थान । न मून । विट के बर से से किट । । इंड म ज रस रेम से मार मार । । हो से से र हो ट के प्र मार निर्देश यह गाव खिना हिंद क्षेत्र स्था । यह हैं क्षेत्र यह हैं स्था प्राप्त स्था । हैं स्था प्राप्त स्था । यह चन बिब् नीर ग्रीस श्री अप रेटा। स्त्रिस द्यासिश र्चा श्री विद्या स्त्रिस द्या सिव्या स्वर्य स्त्रिस विद्या सिव्या स्वर्य स्त्रिस विद्या सिव्या स्वर्य स्त्रिस विद्या सिव्या स्वर्य स्त्रिस विद्या सिव्या सि 

नरे नि क्षा । जिट गुन स से निट स्था । वि न स्था । वि श्रवी श्रीय श्रीय मात्म बीटा विभावी के प्रकृति कि माउ की विभाव से में में में में द्वश् २ थ्। । य र ब्रिट ब्रिट ब्रिट ब्रिट ब्रिट विवर्ष। । वे १८ य प्रति । ब्रिक् 

च देवाबा च द्वाबा च देवाबा नि देवाबाना नि बरासी हैं नार्टा । श्राम्य ने ने निवास में नी निवास खा भगर्वः य मुय वे रस हो माहेका । से र्षः कः यः महेमा पर मु। । १५८ वे छः बर बुनाय तु हैं नार्ट चर्टा। ।र्से यु ग नाशुम य **श्च**र केंस नु। ।तु हैं नार्ट य ह हिंद वा रिन्द वर सब विश्व स्ट रण सके वा । इस सिद सिर नार दे वर्ष नर्ने । हे बर्श वि वर वेश वर हुश । । शह्म वर्ग स वर्ग स वर्ग मान्द्र वर्ग । वर्ष वर्ष हुश मः वक्रीर। विरक्ष प्रस्ति दे विश्व या । वि.श्रेश क्ष स्ताना । वि.श्रेश क् के द्र शन्त्र श्रन् नत्र । विंद विदे कर रं नश्र श्रु मान्द। विने न निंद श्रुम श्रेमः पहराकुर उपतास के प्राप्त कर ता कर ता प्राप्त कर ता सर्भ केर न्युट में से संप्येता । शिस्र त्य लुनास नस न्य महीर हो। । शिस्र प्र हिंद

सर्थ्य स्.च.च.च.। । मंद्र मंद पर्ना विक न्व. मीर. पीम. श्रीम श्रीम न्या । प्राप्त मी मार्थ मी मार्य मी मार्थ मी म मोडे.मा.इ मुर.स रेट.। ।जिंद.५.स.मार्डेश.झू.र कुट.२८। ।टेम. १ट स.स्वेस वेर रेमर. डमा.कट झेर चीट.चलमा । धि शर्ष केर चन पहुंचा.चला। । धिट चेट अप्ट्रिस.च.सर्चा. विश्व वित्त केर चन पहुंचा निर्मा अप्ट्रिस.च.सर्चा. वित्र प्रति वित्र केर केर चन पहुंचा प्रति वित्र केर होता। । चित्र प्रति वित्र वित्र होता। । चित्र प्रति वित्र होता। चित्र प्रति वित्र होता। । चित्र प्रति वित्र होता। चित्र प्रति पर्छर् च साल्या । ह्, च नेक तह साल्या सी साल्या । मा ह्रिंट में कुर में के में के में कि सिंह में कि सिंह में में सिंह स्य में स्वास्त्र स्वास्त चर्मेल था। । अरम वर्षे प्रचेर वर्षे चर्मे चेरा। । चर्मे मेर वर्षे चर्मे चर्मे चर्मे र्वेट ज्या स्टब्स । । ज्या स्वा स्व नाट क्ष्म क्षेम्र क्ष्म । । निव प्रति क्ष्य क्ष्म हिन् । । स्वि व प्रति क्ष्य क्ष्म हिन् । स्वि व प्रति क्ष्य क्ष्म हिन । । स्वि व प्रति क्ष्म क्ष्म क्ष्म हिन । । स्वि व प्रति क्ष्म क्ष्म क्ष्म व । । स्वि व प्रति क्ष्म क् 정도·구매 한 수도 어른 대 영대 다른 대 다시 : 이 기존 대 정도·구 다른 대 정도· 다 이 기존 대 정도· 그 다 기 기존 대 정도· 그 그 기존 대 정도· 그 기존 대 전 기존 

त्तुर। विवर वर स्वर मेर वर मान होरा । है अ है सम हुर वर हुर । महेन पट्टर.थ.सथ। प्रिंट.पिटीट.श प्रंथ रेपोर रेथर श्रेथ। श्रिश.सप्ट्रं पक्टर.परचा.क्यांश.स. चीर.श्र्रं शुंध.प्रंथांगीय थ। विश्वास प्राप्त प्रंपिट स्ट्रंग्रंथां श्रिण प्रंप्ट श्रीयां श्रिण प्रंप्ट श्रीयां विश्वास श्रिण प्रंपिट स्ट्रंग्रंथां विश्वास प्रंपिट स्ट्रंग्रंथां विश्वास प्रंपिट स्ट्रंग्रंथां विश्वास प्रंपिट चीर. प्रंपिट संस्थान प्रंपिट स्ट्रंग्रंपित स्ट्रंपित स्ट्रंग्रंपित स्ट्रंपित स्ट्रंपि त्रेंस्। वि वेंद्र'त्त्य'स श्रीट'त्र'नाद्या ।यहेत्'त्य' श्रुद्धः ते देनादा ।यहेर् बिना लूच स्थान हुन त परी ।क्ट.रेट ये ल.रेचार हैंट.परीट । ।है.सक.पहर हूर. लियं श्रिमा । वित्र श नर्। । हे. ब्रिर प्रहा । विष्य विषय हो र ते स्वार हो । विषय हो । व मुना मिहेन के हमस है केना या अर्ह है मिन के हैं होना हिट केना या अर्थ नियान में पश्चेर। ।श्चरम् श्व.स्त्रेर्ज्य श्वेर्य स्ट्रिया । ।श्वर श्वर श्वेर्य प्रहेरा ।श्वर श्वर हो । ।वेस. य च म म्राम्य न प्रमित्र। । वस च्रम भ यर शिम विद्या पर्यू । । भूम प्रमीय मीलज शर हैं र. च शर। । शर्मे रेट स् भक्षेत्र मि. सूर था । त झ. प्रचील प्रमित दे नहीं । त रुटश. त श्रूचेश। । श्रूच्यश. ४८. प्रचैट. प्रचीर. र्ज्ञ्च, श्रूच्या. यर १४. प्रचेश श्रूच्या. यर १४. प्रचेश श्रूच्या. यर १४. य मध्या । ह्यं स्प्रां सिन टे.प्रिंग क्रिक्ट कु.संट.श चूर जिन कुट था निर्म पुरास पुर्स न स्था कि स्थ श्चर्या सम्बद्ध यह रूपा मुद्दा मुद्दा

हैट.चि कुरा विद्याता श्रीय के हेट । विद्या है. श्रीया कर, त्यीटश योर श्रीया क चोहेट । विद्या है. श्रीय यग्रिश्नास्य वितार मुद्रा निश्च अस हिंद सूद हे देश श्रीय वित्य क्ट हुस प्रह्र रह मूस दर्शित यह हु.सूर्य.से केट.चाढ्र.थर। ।वजर वैचा श परी मु मु मु मूरा ।शि हुमा.चर्छ. व सेचार हु. त्रात्त के स्वर्ध ता । विश्व के वास्त के वास्त के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर् च.क्ष्मंश्च द्वाल २.श्चर्-इट.रेट.। क्षिम. ६ नर्डंच तथा थ्. र्. ते. रे. हिंट.। हिंच अ.रेट. वाक्ष्मं वाक्षां वा क्.च.क्ट टभ.स् च.बुंभवा ।र्ज्ज क्षेत्रच । क्षेत्रच क्षेत्रच चर्था चर्था चर्था चर्था चर्था । व्यापाली । ल २ ८। । वे. के त ह प्राप्त म. वे. इ. ५। । । श्रे रहे. असिश न. वे. क्ये. चिश्व न श्रिम। म् हैं दम दम वन में दुम। विदः द दम में दे दस हरा हरा । हिंदा क्षेत्र दमद में देगार. पर्यम श्रीचार देश.चीट्ट. जिश्च क्रीश श्रीटा। विट्र. चीर क्रीं क्रीं क्रि.चीं। विट्राचार में स्वाप्त म हुर ववश देत. वे. देवैट। जिस्तर श्रीचाश वे. लाट व श्रीट श्रीचाश श्रीचा । १६ १. वचश थ. वर्षत्र श्रीचाश देव. चिरेर तिशश क्रेश श्रीट। वर्षर क्री. जा. ही. ही. वि. ची. वि. ची. वर्ष त्री, रि.डेर.चर्ने चाथर श्वेट च चार्थिश। ंत्राट.ताट चस्त्रीर.चरा थ्व.च चर्च्य। स्थित १ श्वेट चे। विचाय द्वेर.चचरा द्वा.चे.रवैट.। विश्व चचरा चरेट.कु कि शियम. हुर.बर.ज थ्र भू बा विट वर्ष्ट.वश.मुंश वश्चरश कुट.चशरी विष्ट्र वश चर्टर.त्राट. वल त्यें व वल खून वज देन । विष्ट हुन वल विष हुन के ल रेटा । विष्टि हुन हुन विष्ट के समिन् निम बिन रेटा । जिटान है के ला राहा । भू रेश नव्य साम है है। ।

निरं यं यं यं यं वं वं हैं से विदेश के ये वे के कि कि वे हैं के विवेश मुद्रा । असे वर्ष पट्टेल व मुक्र. कुंरेटा । वृत्य नश्चिम. मुक्त वा प्रत्सेवा । मु तथु. बंट चारेट चारेट तंश चरेंचे कि. ए चारे चारेंचे चा सिना चित्र नीत्र मान्य मश्चर जुने के मुने के स्वारा के निर्दे के स्वारा निर्दे के स्वरा निर्दे के स्वर

य म्राप्त प्रस्त प्रमान क्षित्। विषय भी प्रस्त में प्रस्त में प्रस्त में प्रस्त में प्रस्त में प्रस्त में प्रस् देश स्तर प्रमान क्षित्। विषय के प्रस्त के प्रस्त के प्रस्त के प्रस्त के प्रस्ता विषय के प्रस्त के प्रस् ववश थ। । । अश क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हिं। । प्रतित्र हिं। । श्चिटश.चरेट.चश ट्रेचो देशश.पंड्रशश । ।ट्रे.देशश चेट पंड्रश चेट श्रूश.श्चेर। ।८ट्रेट्श. न्यी. श्रेष. (मुष रे. ह्यून. में. न. ज. प्रचयश श्रुष प्रिचीश) भू चार्ट रेत रेट कर्ष्ट्रशा रिप रैना निबर्ना पर वार्या । इंडियनामा व के मैंर रेटा। १३ रेमार में के च्टा स्मेना हा. १९ १५ में राज परेट पर ये। । ट्रें प्यांचाश हु २ २ लूश रशी । शूचा प्योंच. क्ष.च.क्ष्मंश.वंश.चंश्वर शहश चोटेट। निचेचां चे चरः श्चिशः श्वरा निचेचां चे परः श्चिशः श्वरा निचेचां चे परः श्वरा चे प्राचाः चीरः श्वरा चित्र व्या । श्वरा चित्र व्या चित्र व्या चित्र श्वरा चित्र श्वरा चित्र व्या । श्वरा चित्र चित्र श्वरा चित्र चित्र श्वरा चित्र चित्र चित्र चित्र श्वरा चित्र चि निट.रेट.। ।च.रीट.मुंड सू.रेच बेर.रेटा ।चेडे.ज.सेच.व्ट्टटर्याटा ।धेडे.

प्रमा कि.रेट. श्रु. जूर संस् किर्मा कि. सर प्रमा कि. सर प्रम कि. सर प्रमा कि. सर प्रमा कि. सर प्रम कि वर्ष्य वर्षः स. चर्षः प्र. प्र. प्र चर्षेत्रः । स्य रथः रूटः वेटः चट हे महर। । स्र प्रवेदः व्य दुःरशः गुरुः पर्वेदः। । श्वः दुः सरः ह्युन सुन् सन्धेन । ह्यः है वेदः दः दण्यः व क्ष्र-प्रसास्त प्रसार प्रमार प्रमार प्रसार प्रसार प्रसार प्रसार प्रसार प्रसार प्रसार प्रमार प्रमार प्रसार प्रसार प्रसार प्रसार प्रसार प्रसार प्रसार प्रसार प्रमार प्रम प्रमार प् यद् न देवास हस ना त्र प्रतानी कि जहां सके प्रतान हस प्रति है स्वापित प्रता कि । विस्ताप स्वाप प्रतान स्वाप स् चिट स् मेट जन हेट हेट। । अब से न सब प्राय प्राय निवास है। । निवास वा स्व हैं मुखेर अर्देन दरा ।वर्र ए.रेगर व् क. अर्के दरा ।वर्र में विष हेंने हैं हर हुरा ।पर व 리드 레 크따 프레 드드! 1대 프 또 화하지를 열고 됐다! 1에드 아크트 레크띠 스펙드트 1대 을 구 드다. लिट म हीरा । हिर यरे महिमानाट कराला । ह्या रेना ला व हा होता । (नाइन व ह्या हीना अस्त स्था । निरम्भ सिन्म स्पा श्रा स्था तुर् हे निर्मा । निरम सिन्म सिन

।ना३व.स.भक्र्या.स. । मार्ध्यम् अः यदे - य मा३वः ५८ वे से : मा३वः मा३वः। इ.रट.प्रर.च चली । हेची. राष्ट्र. प. १ ३ विट. चांचुचल च. प्रयो । ही <u>चार्</u>च्या. प. वु. चलचा. मिनि य.मधिय.मोरेट ४२। । धर स्ट्रिप बे.लीचा. भारत पश्चेचारा तथा । भारता वे.चे.च. बु.चे. सूर प्रमुख न परी डिचा.घटु. । देश राष्ट्र मोर्थक भीचोश,क्षेट श्रुपक्ष**.भर्य** ४ माश्रीका অধ্য-বাৰ্ধ-ইধ্ধ-ধ্য **र**गुँभ दशःश्चैःस्नाःतुर स्र रूटः। । लेट 'र् क्रें 'पले 'उस यदे सट लेस 'उ। र्विचा. 图. |रे अध्य नायसःनायदः इन्ना हराहा यर्ट्स केंट्य केंट दिस य महेन य प्रेना 24. त्रते शवर लेब श्वर में र झे न छूट। । इत्रे निवस तिनास त. यस प्रीर १ स्पर्धिम। 19. ह मून रम होंन कि पहर होर न्दा |द्या ह महोर सर्टा**र्**डम सर्ट कृना संखेता 124. यर्रे स.ज. थरेट क्बाश पर्सर ४ जा में री | तिष्यका. तु चार्थक लाये सर्ट दिया था.चोड्ड हु।। हैं। नर्दन शुर हैं सर्देन स ही व रादे र देश ।दे दस्य प्राप्त देश मूद नावन मूदि रे पा 회. 'स्र र हैं नहिन कटक रावे सुर य निक्षा देशम्बेर हैं ५ ठूट सेंद में विश्व प्रवा 14.4. । सर शुर रूर मु रिग्धर वन वर्षः नाक्षस वा कु वट नक्र मी रे वन रखी। ।ग्रार्-यदे नाब्ध सिनाब न बर बेट क्ट प्रारा । विश्व प्रार लू रेट कू था वर्षेश 四万面型 মু-ব্ন র্থ মুগ্র না ব্রহা না ব্রহা दे न्नाय देन ८५० सन दन सूनया अ५ १% । |ने अट **स्**वा:नुष = = = त्वीता:वुच होन्। 네어도. 수 열. 여. 다르도 수. 계수 다 다르다 | 1别で <u> র জগ,জুনা,ব, দেখ,বহন প্রথ বহ, বী।</u> विनाःशः र्र ख्य हैं भारीर व पत्र पर देश | तकः च न्युभाव सेना दुस र खेवस ववाः। । । दनः स सून् य≋ट च टर च.४ चेंट <u>च</u>्र ताशिश। त् श क्षुचे स्वीत देशक उत्ति। ।क्ष्मा यद् हेमाश प्राः शक्ष्यः सः स्वे स्वीत प्राया । विमा है. म्में य ।सर्र से से शिट सेंग मूल नार्स डेना नार्सिम। सर्ह्य, मुं. ह्रें वश पर्ना पर्ना ार्ट् (भ. गश्च.राट पंत्रेश.त.क्यो त चोश्च**श** | चोश्च. विविधान्त ह्वीस न्त वास्त्र वास्त्र पार्टा नः श्रम स् वर्ते। । यहेम न यहेर ये केश से कि ह नायुमा । कना नः स्टेट कना विवां क्रमा वडका यर क्रमा । होत विवा वडका क्रमा मिलिंका मूर हैय यहीं स्ना हुय स्ना नद्दा व सारक स्ना व सारक स्मा के नक स्मा विष्ठ कर सूर्व से न विषय स्वा का निष्ठ स्था। कना देनाश भट सेंट अवब से मंड्री ା ଶକ୍ଷୟ ପଣ୍ଡି ଜୟୁ ବ୍ୟ ହୁଁ . ଖୁ ୮ . ଏ . ଥିବା ଜଣ୍ଡି ।

रस्मा केट सुनक होना वका मंद्र या प्रमित्। । श्रुना उद्या प्रदेश की प्रदेश की प्रमित्। वर मुँ श मु वर संग दशर हूं सिन पहन । दून मैं अर्द्ध प्रसिन सिनेश देव मा क्रिसा । म् उन पन्न प न नन्न केर् स केर्। । न निन स केर् लम नश्स स्ति नर्। । नमर सि रेन व हे न क्वें कोर रे। । क्वि श्वें न क्वें कम क्वें न महिर क्वें कर। । जान व केर वहा भूचा ज ह्या भू ह्या था । भू ह्या था के द्वा या च्या होत ह्या हुत ह्या हुत । वा या प्राय हेत ह्या हित सर्थन हो स्थ्यू हुन हो स्थित स्थान 승대 회는 열리,대:환,대 리앤! | 영, 외남 4, 湖, 왕는 젊는 髮 와 외도 오비 3월때! | 약 리앵 도. 오다. 남리, 왕는 외, 즉 '성급회, 같는.! | 티틴, 황호 리앵노 와 약, 요리. 현로 그 없이! | 당신 요리 정도 오비 중, 등의 같은요리! | [전, 왕고리 대, 다양 면, 음도 왕도 한 건 스템 | 남, 오환, 영식 외도. च्या पड़ा. जिस्सा प्राप्त के के प्राप्त के के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त गर रगर श्वर महरे जेंग रहा । । । समय येर श्वर समय श्वर मा

चि जुब. । भूँ ने केन स्नद झुन हैं भी मुख में पही। सुन्ध क यान्त्रायाक्षा हैये सर्वेत रिरम प्रते द्रश्रादहिंद् से देशसिंह्य ∤सीर ग्रीश्र. त्र्य इश महोर मुँ है स-रू-। ल चैना.चैट.श्रुक्ष रेगोर.रेशर देशका ।चै रथ क्रैर च क्ट.मुंश.पंरील.पा.चरेट.। ।पट. व चार स वैचास स्था कीच चार्र में दर। । से दूस सिंह्य चार्च मान स्था विचा दर। । विद ।कद हिंद दे श्रीक्ष सुयाय हे हेंद्र गहर। 1र्ने खूर ८ द्यार सं द्ध ह या रूर ह्यूरा ्रक्ष पर प्रथम पर कर्ने में प्राप्ता । निमर प्राप्त निम्ना में में प्र तहरा । नेना व हे बुट.डिच.स्चार लुवा ।चबद. (क्र.हर.परी भर रेट का.प्रेश.चरेचा ।)श्रेंशश (सिच. বরু ব্রম সম্ভিষ্ণ বিশেষ শ্রন্থ (জ ও ২৫ জেন ব্রনাব্রনার ক্রন্থ) (중 등, 건강의 취 취소, 맞고, 보고, 한 보고, 건강 보고, 건강 등 다. 건강 등 다. 건강 등 다. 건강 다. 건강 등 다. 건강 अव.ता.चीर.वीय देश.श्रिशं भष्टता.चीट हुना भटेट हु सिल चीया सिट हु.हू. त् पूर्ट हूंबे.सिंभ.ये. 로 도대 월 · 집대 중대 · 면 작도 전 다 이 점도 때 중 · 집 · 젊석 · 석도 집 · 끝도 구 도 집 월 · 콩대 ⑪ 워도 제 5도 집 ) र्श्य भद्देश अमित्र छ मार गुर गुर दर्ग । वि दर्ग सर्वय द्यार के त्य गार क्षुर। । वि इ वर्व वर्षः पुरुः हु वरः हुर। अबे केशः नदव रुषः मृत्व वर्षः नदवः वर्षः नदवः वह्यः । हुः स्रेरः र्चर व क्ष प्रबंद वर्षेत्र वर्षेत्र व क्षेत्र नाश्चित्र प्रति । विश्व क्ष्म मान्य । विश्व क्ष्म मान ब्रुष् मर्चर दक्षन । भून दूट ५ द्वर वद द्वर भूर वय वीश विश्व वीश वर सेर स्रूर ब्रिज्य अहर न क्षेत्र। ।(इ. इन कम न वहूं अ वह मा १३ नु मा रम्बिस म क्रिन ने हमांस तरमा म् सर्म स्न रस्ट हैं र र र मिन से रहरा हे नेस रस नद्मा पद्द व है र सेस । निवर सं वेत्य कवा मुन हरा। १९ रता वेंद पहारति वेंद्र या। । तार हैंन दल हैंन हे शुर ना। १८७५ मुद्द कें हुँ ब हों व हैं व है न नासर प्रार् हिर पड्ना य पडेर। १९ वस वर घर पस्य य दस हिंद पर्न

क्रचा.पंत्रेशश.क्टर.क्ट्रेट.चर्टेट.स्टर। नाब व र घट सहसब श्रामाशेट खेना नार्व। । छिट व छ सोर से घेव हुस व ग्रार प हों । त्रक्षेत्र व दिर। । नाहुना ह्र्य लूट्-ल-नाहुना ह्य-सूट्न व ह्म माह्रा। । मु-सून स कर. विश्व व क्र माह्रा । नाह्र-प्र सूच्-ल-स स माह्रा। । नाह्र-प्र सूच-ल-स स्थान प्र सूच-ल-स स्थान स कर. विश्व व स्थान स कर. मि मार्था । सर्रावलना वास्रावास्त्र पुर दर्ने । स्व व र्येव व स्व सिना रना र्या। 
 पर्गे
 विषा त्रुक्ष क्षेत्र क् सैनाश्चान्ता । ते ने कि. श्वाहे के लि. पद नाश्चान्ता। । श्वाहे ने कि. श्वाहे के लि. पद नाश्चान्ता। । श्वाहे ने कि. श्वाहे के लि. पद नाश्चान्ता। । श्वाहे ने मु श्चर्माम् न्यार्गा । मिर्यास द्वर्रात्यर या श्चेंस्य। । ते वृष्टा येनाया पदे ने नाया । प्रस्करात १०८० हर स्वास्त्र सामाने स विश्व. ब्रिट.। जिस्त रेट.क्या श्रीय चास्त्र सिया.सार्ट्रा विश्वल्य स्थान स्थित कर्ण सहा पर्दर विश्वस्थ स्थान स्थान चे चमुर अवर थन शिटा । हुत न हुटा रे जूना भारतहरा । जूना हुल भवन देश रेट पंत्रेल शिव हीश. न्त्रम्बंश । नद्रवः पद्रवेदः श्र द्वा प्रदेशः पद्या । ह्य सहर ल द्रश्र मूर् सक्षा । सर्वेद्वः नार्थः बन धर्य दे वस्तान । दे वस दस विद्यान देन में दर्भ में दर् यस्था अन्तर नाम मान्य मान्य विका । इस प्रदेश मो से प्रमुद्ध न से से सुद्ध मो से प्रमुद्ध । सार्य प्रमुद्ध ।

चहुरा वचरा सर्ड हिट चिंत. है। । शकुर देट सर्वेच च ७. चु सहुच. चे. चींचेच । । चि. पर्य ये हेन प्रस्ति में प्रस्ति में में प्रस्ति में प्रस्ति में प्रस्ति में प्रस्ति में प्रस्ति में प्रस्ति में स्टर्ट मि.पंजांचा । ने.रंज ब्रक्ष कु जूची. नंतु, हेचीश लूब ब्रा । जूनी. नंजु हुचीश. ता. विश्व. नेट्रा । चिलात. श्रद्ध श्रुट में प्रति हैं के प्रति वुर-५८ वश्चेर योचा । बार्ट्स-बे सिंचा ह्रि बच रथर त्रवितः। । सि सिंचा हीर पार्ट्स. 
 글러
 1월
 보고 글로 스타를 다 됐다.
 1년
 सर्वेट. में क्या के हे हें वर्ष हो। । विट. या मुं है रे राय क्षेत्रा स्वेता सर्वा । एवं वि. र. रेट. हे रेपाय.

इट. च. च ही । अंश है रट. च. पंचाचा ता है किट हूर। । च. सेर है. ते इ. ज वा यह ख्या माश्रा य माश्रा य माश्रा प्रयाश हुश हुए हहा।

या माश्रा य माश्रा य माश्रा य माश्रा य माश्रा या स्था माश्रा या से माश्रा या माश्रा या से माश्रा या माश्रा या से माश्रा या माश्रा या से माश्रा या माश्रा या से माश्रा या माश्रा या से माश्रा या से माश्रा या से माश्रा या माश्रा या से माश्रा या माश्रा या माश्रा या से माश्रा या माश्र या माश्रा या माश्रा या माश्रा या माश्रा या माश्रा या माश्रा या यद्भेत्। । मार्था प्रियाश त्य प्राप्त द्रा प्रह्य रेटा। यश्च यत्र स्वा । इ रटा खेला छ्रे प्राया में यह वित्र रट सूर्य रूप प्राया क्रिया प्राया वित्र प्राया क्रिया वित्र प्राया वित् म् स्वाक्ष्य स्वा । त्रम्य क्ष्म्य क्षेत्र स्वाच्या । त्रम्य क्ष्म्य क्ष्म्य स्वा । व्याप्त क्ष्म्य स्वा । व्याप्त क्ष्म्य क्ष्म्य स्व व्याप्त स्वा । व्याप्त क्ष्म्य स्व व्याप्त स्वा । व्याप्त क्ष्म्य स्व व्याप्त लिट स्माद्या पार नायरा । दिन हिन नान्या सुनाय हिन हिन सकेन मीय नही। पर्नेत तथ भक्षर मुद्ध पोर्श्व लाक्ष्य प्रदेश । हित हुन मुन् श्रूर पश्चिम हैन व श्रूप प्रदेश प्रवा । वित्त हित हैन स्था हैन व श्रूप प्रदेश प्रवा । स्टिन्स मुक्त स्टिन्स मिं इ. मुनाश तर (नालश नाल्य सकूर्य-रमी.य वित.शर मी.क्यात नही.तर्न हर ना.मावेय.ल्यू रह. स्नामिक्षात्मी क्षर केन्य या यह नहीरे घर गा ह कम क्षेत्र। हे दश सकेंद्र माट यह यह यह दुना नार्केश) भुट्टा । भुष्ट्र मुन द्वा द्वा प्रमा विषय वार प्रक्र मार मार प्रक्र मार मार प्रक्र मार प्र

नगाता) त अटश (अक्षर मिट. वंश कुच.हर हैं. है. उंग् वंश क्य चेर छूंचे. थी) स रेट.। 지는 1 1 기를 하는 취 의 기를 하는 취 의 비용 의 비용 의 의 기를 하는 기를 होत् ह उर्व म रहिम मी पर्व ह.रह.। ।रहिम. (सक्य मिट मारेश था) सर्टेर.वे इ.मारेश. हैं क्रम दश में हैं से दा में दिए दियं वर देशों) स्व द देश यामहेश । अहेर (में. र्वें नेश्रेच र. मेरेशा) त में में ट. भागण (मूनेश च नक नहीं नह बंट. र. भाष्ट्र्य. हें ये से र. नं व. ल्र दे.वश नानुश श मी व वश नानुना श्रुर त.नम् दे श्रुय प्रमेद्रा) अ.ह वना रूटा 중 4c.유.(최.회 2c 그旦) (유 h.리크c.유.네집회 15 유. (홍 외당 최리 최.비저의.네었던 그 सकूर रा) र्रीत मर्ग (रविश्व रहा सूर मश्रिया) मिट त है च रहा रीट मिकूर नाट ।) व्ह क्षेर माधुका विक क्षेर खल कर विना मी नारव खना स ने। **।5**सूद:सर्रे हर: नार्केश बर मार भर्द मीन नार्क्शा । नाद न वन प्रमेट. (क्रेनिश रार्ट विस्मी र्गेष व सर. नार्यः) वैन रखेर्वेन (नजुरानात्य क्षेट क्षर रे तथा सकेत मौर नार्य हैन हैत हैत रु. होत रु. माशुस्र बहुता पर्ये बरा) विकास बहुव वा । हर में होना मी देव ह्यें दें खुता क्रार बहुता। वे.स ग्रेश.थंश वर ूट.रे येटेवा । बिर येशिस म्यू स क्षेट मु लील रे.पर्ट्रा । ब.र.पिट. वस समार ने प्रेंचा सद्देश । इसिस न नने यस नाशिस न नचीर वस निवेश । वर प्राप्त सेना. नार बदम बहा होना नारव हो। । ना वहरा रवित म नाशुस मारेश नारवा । शुस नाहै स हे र रहे प सिंश देवां सर्चे दिर। सिर हुव: पर रेट अवाश हैते लीय ने पर्ट्रा विश सेट ने कीय हैट है से यर पहेंदा हि देश हैं यर परेय या सू यह लिया । योवश हुश योट प्रिमूर में श्रूश शकुर यह लिया।। श्चर रे अंट रें ने बेट ने शिया यहार नार लिया । के जून यहर नारिय यह रें में यह लिया। वि यह सर्म सूर सूर सु मु मह पहुँ वंसा । नाम माम व परेव पर साम कर सु खुल र मन्त्र । अट च.भरेब अर बाहे अ.मीच श्रीर नावहा हा। ।नाहार मी नावहा सिवाहा रह न हार सर्व वाहार. २६.। १२३ चालट.चाश्चेत्र.लूब.ट्र.ज.श्चेट.चालट रैंच १२०४-४चा सक्ष्मश.वंश.चेत्र.ट्र. सूर.मीट.चक्रमा निलंब.मोल्ब अकूब. इ. हैर. कूच नीबट.। हि हैट. अकूब नीट. चक्रम.

|নামধ্যনামূৰ ধূৰ বঙ্গুৰ বঞ্জন म्ब्रिय स.चंशर क्रूचेश.स.चंबु.स वंश व तु र्न क्षेत्र |वर्गुद्,थ्र.रेची वर्ष.वर पार.श्रह्मंत चोट चढल। ।श्र्य्वश.प्टेच. व बुझ मिन नाशना वि नाशट वे स नाडेश.वंश अथवे पिट सेमाश। 1刻下。 श्रॅर मृत्रेश मुन म्बर रेट श्रॅ धेवा चल्ने.चरुजा.बंश हे बंश.शर शूर चल्ना वि श.चंड्रेश चरुज सेचा मीट.बेर.चेशट.ह्य |केन|स यः यहः मृत्रेश यह मासुस सर्वस्य दमा वसा । युन प्रष्टित सहयः माद हैन होटः नि मासुसः प्रवेता । । সামন বাহনে বাই বাইমে ম ব্র মট্টির বান মা 135 श मुना नासर व देश ट्रेन मोश ारे वहा नायहा नायं वहाँ व र्रेट्डे हर छ! IZĒL. मु में निश्चर है.च.बैर.मधूर चारीश हिंश पहुंच ने नाश ज हैं। रेट है इन नाशेश 别 मेशर २८.धूर चढु.लु.हिर्श.श्.चवश । तद्यं स्वर्त्वा स्वर्त्वा यह सेव में या या द्रा । सिना दव ष स्चे.श लिय.ज.चरेचे च रेट.। र्वर दिर हुँ के वर्षा । निष्ट क्या का लील की मध्य से मध्या । इ हुँ हुँ रूप हुँ व लियानी. (ब्रेंट्रमीय दे. हे श्रूरा मिश्रेश मिश्रेश य. ज. हे श्रूर मिश्रेश मीट्रेश श्रुरा) 虾厂引作 लिय भूट चारा (रे.बरश.यज्ञ.रे शूर मिर देश त.सूर. र्वे न द्वाने वद्दायात हर रासेन। प्तक ग्राम कर सर सर सेना नावर पा ह्येंना हूर स्यांशावबद या भीवा विस् मेर्ने स् हिर् र्सी ल सर स्ट्र है। 13 ह्रेट खेन गुट र्चेय नश तहेत्र य सेर्। पित्य या मोष मेज हैं ने श श प्रमियाश स रह। नक्षम स्निर गुंध मालुम स रूट न रूट। 15 नर्न कर न'नर र् देल न भैना दर्ने वदे सुरस ल्ब हों दरेनस रचन्स हैं चरे। |वर्षादाकावर्ष वर् म महिस वर दे। पर् सेर व्याम स स पर् वा वर्षे वा वर्षे वा वर्षे | [ दस मित्र मित् 133 न्यास् इ मावन कर्नान्य उर्गमावन सम |मार्थ त. माश्र ट. कूट . र्मा वश्र स्मा श्र रूप। 15. माउँद क्रेंस ५५ डमा माडेर के य र्णना | दिन सिना पनश ब है हिट हैया सिना पर्कर। ।श्रञ्जेदः पथ में हैंच.च.२.चुश.चर.ची । बूची. सैं=. भू. प्रैंचाश ज्ञिश पा थेप भू. जेश। IP मी मिना सर होट होते हेन र पडेला नित केर सेना नुस क के हिर हैट ततुना पश्चमश्चर्यात्राच्या द्वार क्षेत्र श्चा वस्त्रम्था । प्रमास रूप होते हान हो में भेर प्या हैंस प्रमास। मोट.ज. इंब. राष्ट्र. श्रुचाश चोश्रट. ि ग्रे.च। र्श्चर नेन प्रवितालिट हीन स वट ने हैंग। । अं र्श्चिम है क नर्शे लेट सूट नुम हैंन। ।(रश्चन्धः वित्र में वे भाव डिनंबा लेटा) वित्र में में हैंदिन मेंदिन में हैंदिन मेंदिन में हैंदिन मेंदिन में हैंदिन में हैंदिन में हैंदिन में हैंदिन में हैंदिन में हैंदिन में ह सक्रेव (श्रेमा रथर रिया सन् सिन श्रीमा ।)यद्भर (मृ श्रीमा से यापना क्षेत्र क श्री रे रना पर्रा) य्राचया.श मिकेश.इ. (क्.उविश्वेच दुरा) त्र.च.सम्ब्रीश. 5-1 (स.च.च्र.इ.क र्म झर.वस्रा)

ব. (খুখ.ধুং.পঞ্ছ ২মং.২৮.। সূহ ২৮.দু ম মেন দ শ্রহ রবধ ধুদ্ থৈ দি শ্লীন.লুদ্.সূব. वहुन । इं छ वना क वनव इन हिन्स हनास निर्मा निर्मा न से नर्मा पहें व वनस नर्मा) र्टा। ।सर (इं इसिस प्राप्त रहें के कि सकेर सहर सहम रह हैनास पर हैं है दर य दशर ह होर नाबेर हमा के विंह हुना र रहेर मालुर ह मेर य हैं ह सहेदों। । सहेव मी ता सिर् श व्य भन रम देन होत प्रम र भने रहमश समें है वें देर दर्दा) सुन ह मि हे या दसशा। रे र्ना येग्र नर्न्यासामासर परे सुर गर्नाया । । इ.स.म स ननस मार्राय सामेर सा पहुंचेश कु रंचेंश हैं के किट तर्जे नर ही। । इ चेंहें कुट तर्जे कट नर्टेल सिना हन तर्ने । हेश कु. चड्र व शे. लूर. चर. विश्व चर्चा । सिचा चरश र्वेष हैंरे हुन सह पर हा । विचा सिट्र. वर ने पेब.शु. हुर. वर हैं। । रे वर क्ष.व डिग्.वाड्रेर शु क्र्वाश.कृट। । ह. ईर वर्ष्ट्र ग्रीट.वर्ष्ट्र हीर. शु पर्वेट यहा । जिह्न में हुंचहा क्रूंच अपूर अरदहा अरहहा । नर्नुट का ईंस क्राह्म में हुंच. र्वेग्र ट्रं ल्रा हिय के.र र्रं रके वर वि.सर.चर्यास्य । चिव राष्ट्रे सर्जातमा हिया हैया हैया हैया कुंश नक्षेत्र । १इ. कुंर कर व वेट हून सिंग सिंग मुंश चंट। । श्लेट ई मुँ वे अकूब. तह अपिय. टर्संश. म् ह्म् ४ वर. ४ क्ट्रूटर चिर्चेश । प्रिक्र म्ह्म् त्रम् ह्र्रमेष्टिः च क्रेम्। । पर्ट्स. १८। । स्टिश ६. क्र्रुटर चिर्चेश रेट। । शक्ष्र व सिट्चे त्याचित बचा सेचा व रेट। । हे जहा. मदे वनस सर पक्षे नर मि सर मिरमिस। । पर्देश वनस या आप इस न मि है से पे 155. म् च रट देश त के रेट संशिक्षा । च रे सिट क्ष वर्ष्ट्रिय तपू पहुनश क्रिश देवाला । थ. रीन सेंद्र थ वर्षात्र वर्ष. बिष रें बाबेच विश्वा. शुट. बाबंद थ से सेंद्र में ट्रेन. शबेश कि. मि. के व सा मार्श हाब मान्या । दिश म होंग दश हो य दश महोंग । निष्ठी नि के हैं य इसस अ वे अ दर्दा । । अ उन देंस सिंध नुर गुम रेट न न न न ने दरी ।প্রদিধ, ব. ভী প্রদিধ, মী. শীু এথ বরুই, বর্ষার, দিহ। ।প্রদ্রিধা, ব. वित्व नाय वित् स होत् स्वत्वा रेंग रेट ब्रैर वंश वर्श त.व्रा । बिचाश न सिचा रेंश नेश न के तेर वर्ष शा । मेंगान के. स्वान के के अ. मेंग्र रेंग ब्रैंट रेंग ब्रैंट रेंग ब्रैंट रेंग के प्रति के से प्रति के से प्रति के से मेंग्र प्रति के सेर दुस सु दुनो क्षेट दुर। । क्षेत्र यहना दुस सुन में सुन दुर वह सा । १८० चे सिना मो

। विना कर रूप र नाश्चर या नाहेश में श वहरी। ।र्द स् बिचा. नुश् ह्या माडेर महम ।ऊद भीः 15 स्नद्य सेर म सरम करें है 3 र्सा ন্ত্ৰ মন্ত্ৰ মন্ত্ৰ নাৰ কুৰ্ব না हिता हिंद्रा क्षानिहा. 'ब्रुट लेट वर्शे' इ' हु ५८ वे बर वर्श नि.वि चर्च बंध वं श्रः चर्च ट्रिश शर्प्रिश. |พर: व: २३ स्चा: ह्या : न्या वह प्रमुख: मृत्। ब्रिय अध्य धिट. 旧山台には東日野山山 मीर ग्राम:१.१ क् चरच:बरट। वित्र्यश्ये. पिश यट नक्ष या हूता पुरा द्रा द्रा तु वहेट । रश.कें पथ्सश.रा चादिना 135. 11 क इन्सि. हुर् छर् स्रिटा । सिना. चर्चाता क्या. चाड्र चट्ट. रंश च लूरा [파고 취정. मट. १९ इ.ज सिम शट. मोर्थ। ।सिम यगक कर पट्टेय रूप हुर हम मंत्रमा तमीर। IK A क्र-नाधर-तःभर्मेच्याः भ हो.भ.२८। । क्र.ल. प्रतिल प्राप्तः नाश्चेश लुब.भर्मेच्या भ हो चीर.भीभ.भर्षिश.रा मैं कूर्याश.रश.शे दीर। । अर्ट्च.उचीर केट मैंट मूंश टे चोरट वर दी। मर्जेष न्या नुष्य व निष्य कर मिन्दा । । वर्षे य । वन केन समेन वय नहीं है र्रेट वि महिला नाशुक्र के र्स १ वन सम्बंध य दूर। । य र श्वर वि से समुनिश शेश र वि ये । विन है ये 四月、南、南、黄 和木、中、月 川 १३४ हैं न रहें हिं दर सर महर दिए। læ∃ ਸ਼ੁੰ **ਹ.**\$. বধ্য-শ্ব-তি নীচ-পূর্ধ প্রবা वित्राक्षः नार् श्रियाः हरः रेशः पर्वे प्यारा 月四到 न्नेत्र कर्ग्निश्चर कि शुर नैस.लूब देवाल रट चर्ड्स वेवस चार्डेश ΙΦ. पश्चेत्रहृद वना पर्वेष पर्वा राज्या ।श्रद्धाः ाह्मन सदः बुचःमार्हेद ही येवहा हैव मारेद है। ।रपुन्हा. इ.चे.प्रीय दूर धुर खुर में मूं मूं । বর্তুর ধনগ্রে ট্র দ্রীম ইনার্থ-নার্থন দেই है। । প্রম প্রুম यु= म्रा शेर माश्रद मानी नर्रा कि र ल के र धिया व यारेका । हे हे या हा. यर्ट्स य सुनाय क्रेंट् वट सेश यह। हिंद्-माट र्ट्य है ले बहुबार्टा । इंद्र-येश शहेश रा मुब्ध राट पट्टूश रा रेटा । वा सेट. ह. चार चीर पीस. त्य. ह.रा । व्य. ट्य. ट्यार ट्यर चहा ह ची. हर चहुहा । हा ट्रेंस हिस्ता. ह. नालन ही नहीं समिल। । अन्यसमूर्व पार्ट से हूर नीर सु ह राजा । ला ह र सहे है सर. ब्रिट खेर हमा नि र हिर खे हमा खेर हो ना खेर हो । । । हो र ह ह म हम शुप हो ट  5E'| | व ये पे र द में क्रेंद नक्ष वह मार्ग | व मार्ग व महर सिना कु इ पर्य व महर केंद्र चहर। । न महर मार्च भी महर मोर होर सबेवा । अहर मिश्रेय यर मेशर हेट सिंग किश.बिटश.मेश्रा । १ व य सूर्येश टेर हुटे.सी. मुप्त हूं। क्ष.य बैर वर्ष वर्षेत्र बीश क व बैट। विवश एउंट अव करे हे वेश वस्त्र वर दिवीर भ. बैच. च छ च छ हैं ये च च हो वा वा हो वा ची. ची है वाहा है के च हहा वचहा हो। दिन वर्श हुन्श नर्र भीनश हुल मशिषा । हुन्थान १.हुन्थान १.हुन्थान भर् हुन्थान मशिषा दे दना म इन दु दन्यूर रहे दमाहा । हो के दनहार की हा कर दे । 155 यर देवाश कुरा देवा वावश हो लाट वाडिट। । ही देवाश ह खुरे क् य वहार हो ही । 185. म् सि वह ति वह मि वह वि वह मि वि वह की मिर निर्देश क्य य ब्रॉ र्शेंट प्रदेशका अवस्य सिविह ब्रुक्ष शंर नना रे वेटी 19 महिना हीं. क्षेत्रक मेट र्ज्य गर्भ हिट श्रेटका । मि हैं दिसस से रट मिलन से दसस हैंदा । भ्रेत्र मि नर सिनस व देन लूट हुरा.त.लूबा सु खर नदे मुखेन रू क्ना प्रमुख दें। । ग्रें सर बुँर के रेमेर स्वह्मश्र मुक्ष दूर। । ईर. तम्ब होद हेट स्वयं शुः ह्या हामाहेर। नु महेन न से घरे हम महेर है। । हुं हैं पश संशद रें पतश थ देवीश शु वीशय। اعد. हुट में से रेच लूर. एश य. लूपा । चार्यर य. त में मूल मूल मालेल य हुनाशा । मैं बीस. तश. | नुष्यः सेद निष्यः य ना ने र र्वेट प्य सर्द्य य ने हा | सर गुर मार्थर वयस र्माश्रायर छ। । हुँ र कु कुट झूंस म सबब सु. पत्र्री। हैव हिंस हर नवर हे हिट में पर अटश। 製工. क्ष ३ ट्रेश रेश थे. प सी.चरें । न ह्यु १२४ दक्षिय नश स्टा स्टा । विसः ह्रा नाशर च गुव य श्रेंबश चर वर्षेवश। । विंद क्षर पर्न क्षर नाउर व इस मारुस यहा। । इन मेर ह रोर पर रूट इन पेर पेर पार ने मार ने न्।वस द्वेन त्यूट रेन हर देन त्येर देन में रा । ষ্ট্রন: हेब पछ বুনা ষ্ট্রনা স্থ্র হার বাই হা। विक हुंब वेश्व स वेशका. य ट्र कुंब चिंडता । हिंद देत लू वेद में हुंचील वा । स्ति पवित्यः मून् श्रुंच स्तर प्रत्य श्रुव या ।श्रु हेश श्रुव या ।श्रु हेश श्रुव या श्रुव हेश श्रुव या ।श्रु हेश श्रुव या ।श्रु हेश श्रुव या ।श्रु हेश श्रुव या भर्द रहार ने प्रव श्रुव । 111-11. اچ د | विमा सर्वेषःमासदःमान्दःमेतुःदमावःदरःददः । ।देः मॅर पढ्र मुक्ष कर रमा भ कर महमा

प्रथम वह प्रहास के स्वार्थ के स्वर्य के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्व चैता के चीट के केट मुक्ष प्रती ।क्ष्य मी स्था प्रति हुंब के स्था मिल्स क्षा मिलस क्षा 

보호체 [국·씨·네·원·홍·경·종·등·씨] [평·원·昭· 그 호텔 문화·경괴·포호 보다] [세·포· 리·씨] [유 회정학·윤·소학·영학·흥·수다·보 스테리 [시 전황학학·호리·평·시·준비 문학· 본다·전항대·홍··현대 [남·평학 영학·수다·현학·변·학원환·전전] [년호 회·환·제·크·벨단·최다. चर्या । स्विरः मुन्नः सरः रेट्नः श्रिनः सुन् सुन् सिन इर् चंगरा । यन्यः मुन्नः भूतः वर्षः स्वरः मिल भर सिट सम्भात्र में रूप के तर के ली नेबारा । के सर ह वहीं बार लूट ल के हैं ते नेबारा म् स्म श्रम् त्यार पटेचे । देश सर क्या हिंद पटेय पटें ते प्राप्त प्रा स्त्राचन्यायः स त्यास्यः चेता । क्षेत्र स्वरः क्ष्र् मः क्ष्राः त्याः । । विः यः सव स्वरः स्वरः

निंब व्य दंब द्व मी । तिन, ष्ट्रं निसरं तं हुं रें रेंट. हैंर चे हेश जा मैं दश्य मश्चिम देन। दिन श्रमिश स्त्र में दीट श्रम्य नशे दे दिन। मिं हूं र परी श्रमित स्त्रीत । मिं हूं र परी श्रमित स्त्रीत । वंत्राच र सेरा विष्ठुं र च चन लुन हेन ह प्रह्म हे सहमा विष्टर य छा है में केट. मीश्च प्रस्ति । वि.च प्राप्ति ( वि २.१ वर्षेया ।) ३.भ. ( वि मुन्या मुन्या मिया वर्षेया) मिया ( वि म् मेरेट रेट की ज्यं वर्षेया) पक्ष सहस्य प्राप्त विश्व मिर्ट से स्वार स वश्य प्रमित्र महिन महिन मिल्ना श्चिश परे मि दिस् पर प्रमिन्ध परे नावर। । स्ना प में द माउव प वन से दे नावर।। मान्ता । वि प्रसंस श्रूर कि श्रुव ने स्वार्थ । वि प्रसंस श्रुव ने स्वार्थ ने स्वर्थ ने स्वार्थ ने स्वार्थ ने स्वार्थ ने स्वार्थ ने स्वर्थ ने स्वर्थ ने स्वार्थ ने स्वार्थ ने स्वार्थ ने स्वर्थ ने स्वर्थ ने स्वर् व अमें हिंद नवर। । दे नकुर हें न प्रचल सुरक्ष र दें न पर्वे न नवर। । इ. नवर हैं र

शिर्व सूर् मि भिरा. |र्ह्मा स्ट्रास्त्रे स्ट्रास्त्रे स्ट्रास्त्रे स्ट्रास्त्र इ प्रिम इ.मार्डेश ८र्ट्सश है। विश्व स है माइन में द हुन स ही र महे नानर। ग्रि.पर्मेश. नुहा य रे सम् दे मान्त्। यर व क्रिंट संस् हैं में बहा । इसिंट संस् हैं में में बुंग में के संस् में के में में हैं। । दे में में ने में सिन इ.भ ने वे रा वे शर में श.मेट.। | শঙ্গ ম क्रिटात्रें म न न न मर्थ मर्थ मान्त्र अन पिट शक्रुब. ६ झेर.रेट. चोश्चेश । नण्य. लु. बेट. लीज ६ न् हु. लु. चाबर। 1고말.회대. |साम्य इ मार परेनाश दुश वेत नके झर मात्रा ।पि चो∋्र. भट्टेर पर्दे ई बन मु श्रुत्म बा भि प्रट.प्रचा. मो वर द री में मिया र रें मिरा । । । रिस्त वर रेट मिराले हर मिया रार्टा व मिं ह र्श्व रा मावसा । भिंग देश क्रियाश सद्ध्य मार्थेर मी. मेट सदे मावरा सिना पर्कर निन सिन महिस देर स के हिन स निन महिस दर्स है हिन समर न नै। मिट. तपु सहै य. वंश सहै य पर्से च. चलि . पर्दे पे चवर। विय. मिट होट व पर्ची त. १ वट सी दे. मान्द्रा विष्ट प्रिट. विष्ट सिंद. क्षेत्र का ग्री होते कार्य नावदा विष्ट. सींद्र. सींद बर.मर्टेर.मेबर्। जिम्बर्धित बर ब प्याय झ.बम स् प्र सबर्। इं कुपु.पिट.बंद श्रीट. इ. भूच रेशर चीबरी जिच शहुल श्रुव लच. ह्यूंच. वंश श्रुर. चंडू. चंडू. चंबरी शिहूर श्रु किंट. क वर में क रिमेश स् पू. चोर्टा । में भू पू. वर हिर का शू मु मु में वर्टा । सक्य. मो कुर व प्रचील कपू. चोर्टा । श्रिश स प्रचेर स् पू कुंचश व सके. कपू मोवर । । सम बिर. मिः छून ब श्रीट इ रहेल सरेट स्वरी र हर वड महेश रिया पर मैं य या । । है 2. त्युर म नार्र दु नम्ब य हो। । हिंद दु व दक्र लिए तक वरी नावरा नाकर जा मिट है नेश देश से मेशिया । इसि है पड़े पड़े पड़े देर रेरीट य रेट । । येश यर मिट्स शे परेश हे. में केर य. कुरा । विश्व है में हीं, श्चिस हैं ट. मूट, वेट। । ते जूट हैं स है. सु. में श्रू सिंग्रें स कूट हुनेश क्षा । तिश्व शर् सूर नहीं हैं, रूर नवश्व य है। । हुनेश. मार्त सर पर मार रहेरा । रे रमार बैट हैं वरे मार र पहेरा । कि के हीर मिट हैट के स्य अर्गे दर। । असिना अ.मो पिर ७.इएश नवर रे नहर। । अर्ह्ये स्त्रा देना है रेट है सन मीरेश । श्री नेनास सर् या सून वनस स्रम्भ या नि । हमा नि हम केन स क्रिंग व ना नि । मु.र्बर.प्यर.रभ.के.र्बर.पश्चात है। भिर्ट्र व पिश व नाबर प द्रायश सर पर्मिर। १८. ्रमा नहीं नगर तके प्या हीन मं प्येता । हो समा के प्या तम समा प्ये नगरा । सिंन प्या हा ब्रिट संक्र कर्म कर्म विष्य के हिन्द हो य हेना के रहेंद्र विष्य विक्र बिर या पहुल शे भूर। । पद्य स्वयंश भूर या भूष विषश सिरंश प्र. ही। । विषा के क्.च. ही. र्ट हे रटश थ। । त्रिय प्रचा त्य हीर वि झवा ल्यू सूर्ट प्रचीर। ।श्रीट इ यह चारुश क्रूर. । नार्ट्राय श्रेर प्र माय्य शर प्रस्मा हैं व। । नवंब नर्ट्रार लिम ৰ মুণ ম গ্ৰুমা 18.8.5 U. । विश्व रोट हिर व देंग व श्रेम र मुट। मासुस्र विंद दश र न पर्हेर। र्ष. यश्चेश्चर सू रुंच उक्ष्यंश । रेवेचश वेट मुं श्रेट. भू भरेट. हा 15年四部. 리국·국도도회·국국·· 호도 월리회 응기 | 기월도회 기회도 취리회 왕·최 지원리·종 [P· 자리] 기회 종· र्ट परीर सिट्स प्र मार्थेम हिट माडेर। । हिंद र्ये ट्स दम ह्ये सि ही मार सुस प्रेर प्रेर । मिनी. य. रेसीट त यर्थाता. याहाट य. रुटका १८ रेच बट. रे. प्रकृर हे हुचांश ह्यूचा प्रचीरा ।म म समें व सेम ह हः म रोर। মান্নিধাঠাই। কথাঠাই মান্তি ঘ্ৰম মীব্ इ.स क्थ.मीट. भू हे वंचल भूटी । हैं रे प्रकृष के चहा विश्व शुर के च जूनी ।घडेर इ. मिलर रेना मिना नुश कूर् नर प्रह्म । कूर्यश मोशर भर्डे भू रेश पर्ट्र ग्रंथा । बिना मोशिस रेट मिना में भूति के प्रहार के स्वर्य भूटी । एश रेचा क् न मुँ बुट मिना रेण प्रह्म । बिना स् रे कुर्यश्चितिंसेय तर.ची विग्रीट २८.पश्चिश्चात्त श्च चत्र्र्ट्रिय हैं.चश्चश्चा शिम् व हुट च.सैर. बुट हिंद श्रीमाश होर। । जाट में पा ह्यं में मह कि मह रेमी जा । शह्म कम किश पर दे हैं पर में हैं पर में कुश.च.ठचीर। विच.चाव्रर.ष्ट्र व श्रोधश ग्रीट वेंच शु ठचीर। ति जूर्.चाश्रीश चाट्ट्य वर्षेण.सैंटश.हेंच. स्य व्हर् सुत्र क्षेत्र वह्स पह्स प्रति। । । । वह्स प्रति व्यस य इस प्रति। । । । वह्स प्रति व्यस य इस प्रति। । । । वह्स प्रति व्यस य इस प्रति। । । । वह्स प्रति व्यस य इस प्रति। । । वहस प्रति व्यस य इस प्रति। । । वहस्य ाकार्य. शिष्ट्रीय. 13. |यर् गार् लमा माश्रुस माश्र र ट केंट उर र ट उर्दर स बना ह अश क्रेंस र्गाम लुश सिना ट्य. भू मीश सिंदश भू ट्रम् । । डिन है नवर त भू है सिन परीर पर्मे اعد. प्यानाश सिंद स साव य सव य ता । विवाश कर पर्स् हे हेल मी हेट र र मा पर्यंश माल्यर श सब श्रीर विषा ने मार्चा । बि लि मा वर्षे न्यर ने ने में । इ.स. वेरं भ कृत्याद्यत्यर नुष्या । न्यापाद लेख्य स्थाप्य क्षेत्र स्थाप्य रि.ज्ब सर्वेग्न.स.स् प्रथा ग्रीश.चारेजा ।रभर.श्रर.चहीश होट.पि हीट च्र्रिश पुर चेंश ।ह्यू हेंचा हीर चर बेंश. हे क्या कुट ख्री किट ख्री के किट ख्री । ते व्यक्त क्या है क्या कुर क्या कुर क्या कुर क्या किट ख्री । विश्व क्या है क्या किट क्या किट ख्री । विश्व क्या किट क्या किट ख्री । विश्व क्या किट ख्री किट ख्री किट ख्री क्या किट ख्री क्या किट ख्री क्या किट ख्री किट ख्री किट ख्र नस्रमश्च. पहुंश : पु जिमस गुंध रेमश । श्चिष प्रथ रचेंच वेंचश कट. सेंज होंदे. चारेट. जा । 13 नवर दश्य पा.कट मिना सिट स.रट.। ।नाओर य नारत रह हुन य वहें श व की वचा चड्ड्स ज.चंटा। । अंच चंच्चस्य ज क्रि. जंड्स जंड्स ज क्रि. जंड्स जंड्स ज.चंटा। । अंच्य चंच्य चंच्य चंच्य जंड्स ज.चंटा। । अंच्य चंच्य चंच चंच्य चंच न.च मा १३म २ ल् हीर.ची मार होट डेच ची। ।ही व च ही हिम मार हीर पट असरा ही मारी मार  क्षे पर्तिष क् न मशिस रेट है। । शर रेचा उद्धाल सिंद्र न रेख. तर बोरेट । । नाबर उद्धर रेटर नासुन हो ना मिंद नु नान्दा। । म मेन व्यव हम परे सु विषेत्र नहोंग । सु व्यव सु नाहन कार हिंद र्वा र वर्षेता । उर्दर व क्रें. य.रेट. य् वैचा व. वर्षेता । हे ल मिश्चा यर ह र गर वट रे. हेंसा । हैंट इते इ या नाश्चर मुं। मित् सु मिलुना मितः च क्षेम इसर एस से मित देना नश्चर। । के न ज़ित करना नुर पर्शेष माशुस्र नहा । विह्न हेंस्र सिहिस हैना ह होंट त्येन हेंस महिंश वटा । स य र्ट तेय महिंद गु है या । य ल हैं या न व हैं या है यो हैं या । हैना ५ यर य प्रति मुन्न प्रति । म्याल्य स्थित य प्रति व स्थित स्थि श्चर में बिंद रहे ने बार में बिंद में है से मार रहे रहे हैं। स्थान्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य माउर् ह यनु द सु या मार्लिस न मार्लिस न इया माउर् नि । । त्रमा केट मुट र्ज्य मार्लुमा न्र रेर् य सुरा। सरे छ दि स्त्र वित्त प्रत्य स्तर्थ प्रत्य प् श्र.चंशर.चंश्र.वंरत चंलर.ल्रं.संच.पंड्ल.भ्रं। श्रि रेव्वेचं वे व भ्र वेशर च रेटा। चिंगा नश्यापात क्यांश रेटश श्रुवाश रेत्रो । नश्य स्वयंश श्रावाश र प्रत्ये स्वा स्वा स्वा

| बार्श रेट कि श्र्येश से पहल रेज वेश. पर्या | हुय भेग य हाँ से सुँग है मुग:५८। | 32 対、コラに は、影中、イに かく、は、ちょう | 一致 ろうは、 श्र कोर श्र.पर्ण रुवा व व वर्ण.शरा मिट्रें वयस रसिर रटः स्थर तार से ३३ मार। १५सर. श्र नालना क्षेत्राश भूर विद.य.लूर्। 12थ टट <u>छे</u>ट्.टट शु.पचीर (शट मो ज पर्यिज.क्षेत्र.मट. गुर्थ र्युट हे हें र रट से हें र पा मकु पहन है सर न सरे निवित्त नहा) हिमातक रूप निर्म । मेर (प्रस्ता नहीं सहा) हिम बट झै.म. (श्रे च.कर.सिम शहेब श्रूर.मीश.रिवेचा) य केशका ।यर त्र चर पश्चर्च वस रविर ज.रविरः। । चा३व शर हो चीश ईंब चीश चर्व र हो। । विव लंब हैं ज कूल क्ष प्रीट इट री.लूका विश्व वट यक्ष्य तथ. होर ज. थड़े हैं ज. थड़े हैं . पड़े वी विश्व क्रूंट. (र्याप्तर रा में में में ना प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त के के में प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र चै चत्र्) जासक्षर्टि मिर चै.चिल्च (श्रृं द्वे, रुट चै.ज.चौर पीश क्षेत्र है रट. पर्चेष राजान नभीश ज भर हत।) व रहा। । विर्मे हुंस वि.र्या म त्वेश मास् व.र्या। । वि.म.(प्रमीम परीट (ब्रुट जुरे सिंग में न ती मी जुट मा तेश किर झेंदश ता मारेट शुमा झेंद्र मुह्म नमामा परा शासा था था . मार्चर हो। क्ष. बहा. हार हैं मा मीर लूचा दे हुए वर्सेश का मीब का पहुंच कुट. कुट. कीट. वा. मी चलि. कुहा. हीट. श्चर बेट जेश क्ष क्ष माम्य रे हें ब मान्ता (त. व. इ. श्चर्माना न. रेटा । सिना (त. मी कुट कि हा से में ही कित. हिटल राष्ट्र रूप में में म के मा कूर हार हुं ही मह मि नहार नेमें ।)कूर नाशर रेट. (ग्रंट मोशिश.क्ष.तोर व्य रेव रेच रेचार.ग्र् हैं. हंच प्रञ्जूर हूंच.हीर वर्ष. के बारेट.।) कि.हार. मुंधात रहा । १६.चि.चु.पू (यवट टैंच शहूश व.के.कूचश तर्र.चीर.पीथ.केश.रचैला) नर्मश रेट श्रेटश नाजूस देन (स प्रिट. प्रट ते. हुं र न से ने . हुं हैं ट सैनाश हो, कु सैर. प सैटश रा. मास्यित्तियं वर्षमा (राक्षिमासराये विरायाविर क्षिष्टी स्राप्त स्त्राप्त स्त्रामा र हे छरा श्वरापा मान्दा) वर्षा द्व.मान्दा ।इमा पड्ना यह मु न्दा प्रमु र प्रमु |칡식.건다.크む.

ग्री भी वश्रामाद्धं नाजा । रेमा. (सिमा मार्थः न दीर पर्वेत ज यह्ना) मी. इ. (जूमा बूब. भंगरा. जेर पहुरा) जा. एर रेट चे रेजा. भीगरा । विरा. (श्रीट. पेश. वेर पर्येचा।) य म्प्रिया मिर् श्रीय प्रमा हा । विश्व (तीय हेना में क्षा देना न सहेव नर है न ग्री।) या दे स तर (लून व्र स्रेनश रूर पहुंश। हे. हे रूंश श्रिष्टीश के पु. सेनश श्रे मणे ।) य स्रवि हा मिश्रम (र्र्म भम्निल चीर गीम कि.के जारें झ.भुटे.चर्यी.हुक.उचेर.ची ।)४ वर ज ब् च्य्चा त ব অ.পেই গ ব ঝর্ষা ৷)বি. সধ ২০ ব্.বধুলে ল পর্ধ. প্রত্ন নুগ্র আহ্বা 1क्याश मुन नहमा हिट क्षेत्र हट लेंग केंद्र नहीं । कम हमा महित महिंद के बुक हा हिट रहेंग स य व ह्यांश है स व ही यो या। । रेवा च र्वाश वह स कर स हार वाहेश। क्ष्यश्च कु.यं.चयेश्व.पा.मूच्चेश.श्वं.चसूर्य । उत्तर् १९८ रथयं.थ प्र चर रे चार्चेच । रे भूयं. श्वं स्वरं से प्र चर रे चार्चेच । प्र ख्वं से संवरं से प्र चर रे चार्चेच । श्वं से स्वरं प्र चित्रं से संवरं से से संवरं से संवरं से संवरं से संवरं से संवरं से से संवरं से से संवरं से से संवरं से संवरं से से संवरं से से से संवरं से से संवरं से से से संवरं से श्चरंगिरः। ।श श्चरं पहेंच हुरः स्मा ब्रंचः (ता.सर.मीर.मीश र्थ अधिश.स्तार.मीर.पीश र्थ स्य ये.चीखेच ।)यद्या.ज.घट्टा । विट.प्र.च्या १५८.विट प्र.प्र.च्या हेर.क्षेत्रक हेर. स्था से में प्राप्त के प्राप्त क न्यान्यत् चल्यान्यस् द्वायायायले। । सः वर् छोर छोर मोह्यासः मान्य प्रसा निय है। । ग न ह्युर वा निरम दुस नतुया । वि व सुय नहीर है सेर क्रीसा । स व सि त्रा स्थानश्चर। । शिष्ट शु.चेटर मूच.तपु हीर। । श्वेचश.गुश.चाट.पेश.स.पा. नाबर ट्रेंट रेट झेंटल न केंटा । रेट.िंग.श चहे चहेंट रेचल हैं। 142 डिचा.श हंश. रेच कु हैट.। । पूर्ट टें इ उर्वे कि रा चोरेट। । पि अश.चोश्चर पा चक्रीया । शिषा. 국과 및 는 플런 그릇은 및 및 모임 대 및 보고 및 및 보고 및 보고 및 는 플런 기를 다 되었다. 기를 되었다. 기를 다 되었다. 기를 되었다. 기를 다 되었다. 기를 되었다. 기를 다 되었다. 기를 되 सिर्ध राजा । कि देश रेचा तीम प्राप्त राजा । तीम प्राप्त ना निष्म नाम निष्म निष्म नाम निष्म निष्म नाम निष्म निष्म नाम निष्म निष्म निष्म नाम निष्म  वन मि हैं र्रेन मिन नहारी । अर व पहेंस न हा है रूट। । हिन प होट. में श्र्म पहन थ. लुश । भू पड़िम मेट तर पटेट. पेथ. ला। ।रश श्रेप पहना मीश इं लियश यहेट.। । श्र म. लें रट. श्रद स नार्टा । नाट मुंश नाट हें है स म. नार्टा !  वैग लें श्वर गर्टा । शेर वेग र र्स सिंब म नु लेंबर मण्डी । अट न शुना म में म न्या । इ स्वर्ष के इ महीश क्षेट रेटा। । सिर स्वर स्वर में ने ने के ने ने । लिट यद्ध निर्देश मा स्थान प्रति होता स्थान प्रति होता स्थान प्रति स्थान स्यान स्थान स्य निर्धा । में इसें राम पर्दे मिस रिवेमा । विश्व सिया परि रिकास स्थाप परि रिकास स्थाप । च झ देम क्रेट पर्ट्र यह झ। सिना.क्ष्य.पह्न.कुट मु.सू.बुश। वि. वश.च्र पह. पर्ह् पट्ट ल रव रार पड़ेट। 'झ रट.चट हेते इ.२ चरेर। ।सिच. ह्र्रे अप्तिश. झे छ. इ. रः। 'त्रम क्षें यह सम स व व विद्रा । यत् सर क्षेर् म विष्ठा । वनस या सुनास प्रस्त विकास स्थान स्था हीं निर्देग सहैत निर्देश मार वित्र सम्बद्ध है। । रेव स्त्र निर्देश सहैत हो । । रेव सहैव है। । रेव सहैव है। यन् नुष ने। । अधेन र्स र देश श्रुट नर्सेय मन्द्र। । हे नेर्द्र वेर्द्र नेर्द्र नेर्द्र नेर्द्र नेर्द्र नेर्द्र के चेत्रात्म म स्वालेम। विकृति मेरे रखेर ज कला । सम्बन्ध परे रुद्द य कना स दमा । यार बिब्दाना । १८.२ म.३ र्थ भ्रमिश्चानारमा । ना.सिन्दानम् द्वानाः स्थानाना । सह रू

प्रश्चर यानार्ट। विरश्चर इश्वर हिना हिट होर। । इ विश्वे य रहे हिट सहना छ।। नि नर के नेर न प्र रा । वित रा रामर दसर वर्षण मासुस रा । दिस सिहिंदा मा पुर ग-र हुर। । स य र्र वहेनब क्रिंग न्यून । नेर न स है स रेय समस। । स निर 리다. 형· 오렇도 펼쳐 미국자 | IN ' 돌다 IB 전환 특히 등 구레이 | 데다 크고 되다 를 표시 입자되. वि. अन्य श्रियं देन संगः बिर वैन । प्रिट् रेश चीशर प्रवेट रेश चीशंभ चीरेटा। ।श ले निंदा सुर सि वेंश रना न । सिर प के सिर कर सिर माहेश। एक सिर देंह यह कर हूं न । दे समार न्दर्मित सेर का । निवाय मुन्य में में में देन पकनामा 'मने खिम क्षे लैंद नदाम त्य नहीं ता स्वत्य शार्ने के दश हार । । क दहें नश नु लें द हम नु र मुना । वि र हिर हें र ता क क्षेर महीं । दे देवारा मूट देह श्रद्धेटहा राजा । । विदे सर मिं सह है ये हम योहरा । श्रां या के य मिन्द्र स्था । विश्व प्रदेशक ने क्षेत्र मिन्द्र स्था । विश्व के स्था निर्माण स्थ नार्ट्यो । भ वैय-नाक्ष्याना प्रसिनः हिंद व। । भक्ष्यः मेश विद्या क्षेत्र ने यह्य। । यो.सीरः र्ष्यः भर्षिशः रेर का पाया । यो रः हीर का हिंद ने नार्थर। । विद्या क्षेत्र ने यह्य। । र्थर यद्र. शर। । नवर स. भू बिय. सैर ज. नैन । निट. गीय नवर से. नवर त्र में शिभा । 

क्ट प्रचा झेट ब्रैंट पहुंचरा शे चांबेच । लट. व बचा तु मि. तूरा चार्या । हुर् सुरे बचा है. हुन्य अ सूर्व । हुर्रे रेश्टर ट्रेनिश भर्या ता विश्व अर श के या प्रीत्त । हिन्य रेग्रेस हुर्व ता हुर हुर्व ता ह वैदा । १ वस सिद्ध परसर म मिन्ना । हुर् कु बुट सिम पर्मेर रेया । दिस. सिर र ट ट्र कि चार्र त है। चिश्र के द्वारा च के चारा के वारा है। चिश्र के के चारा के वारा है। चिश्र के वारा चिश्र च वारा चिश्र च वारा है। चिश्र के वारा चिश्र च वारा सुट.त.श्रेंश चु.पश्चा । त्रश्च क्षेत्रं श्चर.पोल्ल बुट मुशा । विर अश.पोशुट.पील.शु. पट्टी ल बूच शर सूर् जिश्च दी। । प्रिट वंश.पोश्चर पढ्टे दीः कट मोटेट। । ष्ट्राचांश्चा । पट्टी बुटा। ।श्चेंच श्वर श्वरेंट्टरा ज अ मुश्चर। । पोर्ट्ड केट जिश.रेट चार्ट्ट.रेचांत.श्ची। ।  पर्याः। । मार्थेव स्वर्धाय ह्रेट्र मार्थेश ग्रीश वर्योत। । ड्रेड्र वर्ध श्रीय वर्ष। कुत्रक, प्राप्तर ग्रीय व कु बट. चाडेशा कि कुत्र श प्राप्त मार यो । सम् या भाग श श. म्रिट.येश.मु.प्तु.त्य.२ । व्य.चट मीर मीर पींस ठरीं में देश रेट.। विंच शुट २ हे मी सी म नार प्रश्न प्रश् नर्भेटा विष्ट क्रुचेश क्रुट त्योज वनश भूटा । हिट्ट रूट प्रेच टैट मूं सूटा । विष्ट क्रुचेश क्रुचेश क्रुचे लिट ट्रेच चेटि । विष्ट हिन्द प्रेचेश ले पुट क्रु । भर्षे भर्षे ह्ला । निर्दे अन् अन् हिंद स्था । निर्दे निर्माश प्रश्ना हिंद स्था । निर्दे निर्माश प्रश्ना हिंद स्था । निर्दे निर्माश प्रश्ना हिंद स्था । क्या मी भी दिया क्या प्राप्त निर्दा । विर्दा निर्मा में पर्मे प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त 

पर्वेदश रेज वै :गूर्या । रिविश रा पर्वेष कुट. कुर. कुर. किश. चिट्या । हे. हे वारा मिं प्रस. हुज जियश. मार्खेम मोरेट यह में। विश्वास मोश श रीय लाम बूब ट्रेंटा ट्रिट मीश श रीय लाम बूब. यहरे यमें बुट सैंचा वर्शे सके। विमेटश सभैशश से यत्या प्राप्त प्र प्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त वर्षण। जिन हुँ र दुश लेश सर हम निर्म निर्म । र्जि हुँ र जिन हुँ र हिंदस ह जिन । ने स्र स्व वर्ष मिश्यान वर्षा ।वर्षे हैं होट स्व नाश्चर व सर हवा मी मिंद पश पर सवा वह रू. यत्र से के में वर्षे वर्षे वर्षे । कि निर्म सहार यः वर्षे संवयं वर्षे । अर्थे रेट विर व्रिम. र्शास वशका वट्टा हो हु श्रांस्टा निष्य श्रीयेट मार्ट्स श्रीयेट मार्ट्स श्रीय मार्ट्स श्रीय मार्ट्स श्रीय मार्ट्स श्रीयट मार्ट्स श्रीय मार्ट्स श्रीयट मार्ट्स श्रीय मार्ट्स मार्ट्स श्रीय मार्ट्स मा पर्सर। । के य देश, राप्ने धर्मीय त.लाया । रे ज देश, राप्ने पंतरश प्र की । श्रीमर. र्ट सिंहर. भक्ष्म व पर्य चिश्वमा विष्टर रट. सिंहर. भक्ष्म प्रक्षे. पद्र चेष्टा वि. पर्व कर हैं रे वह स मं भीता वि. के विर प के दे रहा वि. म हैं र प हैं रहे से स मिंदिन । इस्ते हिना स्त्र । सिना हिना सिना । सिना सिना । सिना सिना । सिना सिना । सिना सिना सिना सिना सिना सिना सट्टा डिंग श्रुटा पट्ट सैट वट चिट्टा । चिंदि राज इव डिंग रा हैं। ।सम्. बिर सर कुल से ट्रा डिंग डिंग श्रुट पट्ट सटर नहीं श्रावट निर्मा । विंद् प्रेण रेट मि. 저희 용 학리 소립 그 도 필리 비플소! ILD 홈·그렇는 더 문 존전! IM로 소리. 너무 를 구길다. न्नु दहा । ह रेन्य ही ह नह नहें हो। । हिंदा में हम पह मार्थे र दर्म क हरे। ह्येट ह नहें द विन इस नहें संस्था । वह गुर कर के इट के सा । नह सम संगुट विन हिर तमुत्र वह तम् ।देवह सुद्र देववय वव। ।ह्येट ह हे रह इस नाहेह स्री। केंद्र यर स मुद्दः पर्देश प्रश्नमाश ल्टा । दि वश सुव देवे स व लदा । मि हैंदि पर्देश पर्दे के कि लूरी । स्य भ शेव के त्र बंध पड़ी हिर्या प्रवेष प्रदेश पर्यं य वा । भी यर मुद्रा । न सुर हद दव सु स हुर। । नादर य नार दर्ना स देन पहा द्याना 파트·소리(환경하 비스리 리스 리) 기월도 속 여자. 캠 페드 기자 링! 기월도 피스 저도 영어 밝는 황 प्राप्त क्षेत्र मुन प्रतित पहेट। विन महित यहेट यहे दुस येन न। विन स क्षेत्र स यस्त्रिय प्रमुख्य । प्रहेत्र के स्विस श्री स्वार्ग स्वार्थ स् नर्द्र। । कु: येन नाष्ट्र नाक्ष्य नाक्ष्य कुर क मारा । कु: ह हु नाः वः नाक्ष्य व्यर्। । दे वस सर्ह्न देवे सन सर। । किंह हैं से मेरी । दे हर्र नायम नायन है। हैंस मेरी। मिलिया. वे. प्रमानाक्ष व. प्रकृ. य ही । है. रचा च्रांट प्रमा को चील चारवा । क्षेर प्रकृत ही देय. लियस श्री मिलिया । ट्रिक स्मूस व दे स्रव हिंदा । निर्श्वर मुंग से प्रिय मार्या । ख्रिंभ मिंद क्षेत् यदे यर क प्यरा । क्षेत्र दि म् मुने क प्यत् । दे केंद् यह नहीं म प्यत् केर् पकी । हिर् चु क्र मार्ड्स केर्य पर्या । क्रिया में है कीर्य पहर इ पकी । मीटश.चे कूट्.त.थ। शिजाम्म्ट.शर कूल.ट्रेट्.खन.शर्थ। विट. १.श्रेश मुण्ट.ट्येर थेये.श्रेश मिट्ये मुण्ट.ट्येर थेये.स्थ्या शिजाम्म्ट्र.श्रेश मुण्ट.ट्येर थेये.स्थ्या शिजाम्म्ट्र. विच.च्येर स्थाम् मिट्ये मुण्टा श्रिम मुट्येट ख्रेर श्रेय मीट.था श्रिमाश्रेश मिट्येट ख्रेर श्रेय मीट.था श्रिमाश्रेश मिट्ये मुण्टा श्रिमाश्रेश मिट्ये मुण्टा श्रिमाश्रेष मिट्ये स्थाम स्थित ख्रेय स्थाम स्थाम

리'의 | | 다 교 및 그워되지 ' 피스트 씨트 시티 | 그 중 환화 영토 왕비, 집에 생각 | 1중. यते नुस नमानु। । । अस स न न के के से सुसस न मिंद करा नु। । ने स से न स्मार स न मिंद करा नु। । यक्षेत्र यह्नवर्शः द्वाह्म व द्वे ह्या । ह्वे ह्या न तिमा । दिशात न अस रूर्न क्रिंसश सर नर्देश। । नर्देन हैं क्रिंट से मीश्रद स्थानी मी मार्ट व मुक्ता । क्रिया में एक्स सेच क्रिया में प्राप्त क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिया में क्रिय में क् टर पर्ट्र वेट शक्ष पंजीशका शिव्य कुर पंजीपार पेट शव्य प्राट्ट. जिला विक् श्र के ही हिट प्रश्न । इ. पोजर हिट ये प्रश्न होट मेटि। । प्रिश कुपाश प्रश्नेर थ्य. प्रमुद्र के डि. डिर प्रणीशका । मिलेग कि प्रयोध रेट ही ग्र क्या प्रयोग राये प्रश्नेत प्रश्नेत प्रयोग । प्रश्नेत प्रश्नेत प्रश्नेत प्रयोग । प्रश्नेत प्रश्नेत प्रप्त होते । प्रश्नेत प्रश्नेत प्रश्नेत प्रश्नेत । प्रश्नेत प्रश्नेत । प्रश्नेत प्रश्नेत प्रश्नेत । प्रश्नेत प्रश्नेत प्रश्नेत । । प्रश्नेत । प्रश्नेत । प्रश्नेत । प्रश्नेत । । प्रश्नेत । । प्रश्नेत । प्रश्नेत । प्रश्नेत । प्रश्नेत । । प्रश्नेत । । प्रश्नेत । प्रश्नेत । । प्रश्नेत । । प्रश्नेत । । प्रश्नेत । प्रश्नेत । प्रश्नेत । । प्रश्नेत । । प्रश्नेत । प्रश्नेत । प्रश्नेत । प्रश्नेत । प्रश्नेत । प्रश्नेत । प्र स्वा मूट रिवेट.शूर भक्षश शे पर्चेर। ।स्विट तपु.सु बर प्रार्थ अंश.चें.शू.ला। ।स्वित तपु.सु बर प्रार्थ अंश.चें.शू.ला। ।स्वित तपु.सु बर प्रार्थ अंश.चें.शू.ला। ।स्वित व्या द्रश्य में त्रित्त स्त्री में त्रित्त स्त्री स्त्र प्रस्क्षित्र स्त्र स्त्

बुर नेम सम हूर न नमा । इ श बीच चाम ना नमा ना ना ना ना ने सर १ १ १ १ चेत्र-प्रदा विद्रास प्रियम र ट र केर ज्ञा गरी क्षित्य हुट गुण प्रस्त प्रमा केर प्रदेश पर्छा । प्रमा प्रमा प्रमा विद्रास प्रमा विद्रास प्रमा विद्रास प्रमा विद्रास प्रमा विद्रास प्रमा विद्रास क्षेत्र प्रमा विद्रास व पड्स.क्य चोड्स.चक्षेत्रस ३स। । निट.ज् ट्रेच क्री क्ये देस में स्वा निट्स.चक्षर चीस.चक्षर चीस.चक नक्षत्र-मुक्ष-नर्द्ध। ।वर्-सूट-मूट नदे ह क्ष्य र्द्द गुर वर्द्ध। ।विदेव वर्ष्या विट मूर्च त्यर प्रचा नाश्चिम विष्य प्र हैं नार्य में हुन क्ट चर्च्य लिस्सा हिंद पिट शिव हुट र ने में प्र हु में ने में प्र हु में ने में प्र हु है। गुरु र्थ.श्रेष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभा ।३३ छा.३न द्व ह्य वर.४णर। ।श्रेर हेन द्व ग्रार नर. वुर दे लेश वर्षेत्र वर्षेत्र विषय कर नीश स्त्र य य स्त्र देर निर्टा । रे र्रे (श्वे निर्दान कि सम्चित्र क्षेत्र त्य न क्ष्मिश प्राप्त क्ष्मिश क्ष्मि क्ष्मिश क्ष्मि क्ष्मिश क्ष्मिश क्ष्मिश क्ष्मि क्ष्मिश क्ष्मिश क्ष्मिश क्ष्मिश क्ष्मिश क्ष्मिश क्ष्मिश क् क्स शः मार्थर मुँ में इसः मार्या । शिस मुँ क पर्स्य मन व वर्षर पर्वे मार्थम (हुँ मार्थमः हो यः सर्वे । रगुप हैं हूट हैं मं देश खूट ने रहा । । त्या हिंद मालश मालूर माशूर मी हा मी मारा मारा । नक्किर.चु.कुट.चि.चक्किरची। ।हुज.ची.शहंच.६श ट्र्सर.क्विर.ज.चोरेट.। ।श्व हुज.चटेट. क्वेट ४.१९ क्वें ग्रुज.ज ब्विट.चर.ची। ।लथ जन्म नक्ष्य ज.चुर.क्वेर.चू है जा ।१ चेट.चि. है . क ल जिसरा में स नरिला । नार नगरा क. नार लेश लूब हुट . ही 1424.2. [정도 소드 김 소화 월도.너.네스트.크고.리] |벨도.너네. नाशुक्ष मो क्षेत्र कर पत्र द्वा रूप। । युरा क्रेन्य श. बट. सर्वेश से **धेस** वर्षेश जिया.य. न्युं भीना मि ना ना न रह । । द्युद क्रेनिश सु हर र द व यना सम्बर्ध सामा नक्ष र है उद्येत हैंग रेश मेर्ट्र। न नम्म रम इ हिंद के समग्र प्रमा न भरी । इ रेगर वर ख्न नह्या वनश्मा जेश नर। नाबर येंग नाबर वरे झुर य हुर वें भैरा । মস্থ্ র্মা. ধেমীমধ্য. ধেমিনাধ্য কু ধধা, ধর, গ্রহ, নেবরা, मा भावत मुप्तर हें इर्गार वर धेवर्गा । इर्गार वर के पहल यर विवर्त्या ।यर्दे के श्रीट म् योशहाय भरे हता ता मी मिट प्रश्न की देह कार्याट प्रमुख राष्ट्र प्राप्त प्राप्त की ন:লুখ |चनुःद्र गडेवा वे:ल्र:युः मुेव:मुे वद्। । वहंस गः यशः से घुन स्नि नार्डे २ के नरः नन्। से निर्मेश रट निर्मेश में स पर्मे । निर्मे ने मार्डम ने सिंह मीन सिंह होस से स्था ने । चर्टे हु क्षेट. च् संशत च भर्ष त्या जियामा । त्रेया व्ययम हे ह्या हूं यश ब्र ह्या सावादा । त्रिक्ट. बर्ट क बाह्य बंदा हो कि पहिल्ला । सार्ट हुब क बोट बाहुन का मिन का पहिला का पहुंचा । निनेट केंद्र र हैं का बोद्य रे बोहा से पहां से पेरा हो देवा। । विट सिंह का पेर बाहिन की मिन से हो। । पेर ट देट र यथर राष्ट्र मुद्द हुन्। इससा । रेचाश.रट यहूस धनस बहुन ज बाहुचा.रब्र्स.राहा । श्चेर न श्रमिश, ट्रे निविट, में ट्रेंब देशश. जुल! । जश देशश नार्धे न चे ता रना शुर पर। शर्वेट ब्रेट श्रे बाश्रिश बांश्राट व देट। वित्ता हिंस हार. EC. पंचट पर्यों म क्षेट पर्डर करे। विश्व भवे हिंद स्वर पर्याम ट्रेंट पर्ह्न मा मानहा इसरा ना वात विन्दा सूनारा अस द सेरा । वर्देर यह होसरा सि कर सेर दें दें दें वर्दा स्वा निर्वे नु:हुर पेर हुर पर हान राये मर्केन । परे नहानस नेन नु उसस हा हार पर पेरा

|ग्रें भ्रुं पर्रे गुर गुर हुत क्षेत्रश सूत प्रा र्कशन्द वेर दः नदे नद मुन्य द वर्षेत्। । वि सेर् संदशः कुंश शः य वर्गेर् यर वर्गुर। नार लेना वर यानार्य य स पहना या । नार्स हो ५ गुर हो १ हो ६ हो ६ हि ६ हो हो परे वे वे वं अप्तार्मिक्ष अया सम्युद्ध महेता 193. 145 में पर्के पर्के म क्ष्म अंग्र से हा मिट कुर मीर्यम ह्र्यम ह्रिटम.न. युर्ग 195 | तर्शित यह तर्थ य प्रतियाश ग्रीट छेश से ट | वै कोट हुँ र-रे-सुन जेय मार्वेत मलेवा वै:इश्रास्त्रात मु अर्हे दे महिट रस्तु सं रहित। गुर मु है से अर्हेट हिंस रह हमार सं धेवा 195 बे.सि.चैया.याश्री श्रेष श्रेय श्रेयाश.य चलुका ।यार.लेया व्रंश केट ह्याश यश श्रे य श्रे। 195. ह्मश् में देश निर्मा हिं महम् के त्यायन युर में देश के प्रमें में हिंद महिंद के प्रमें में कि महिंद महिंद के प्रमें में कि महिंद महिंद के प्रमें में कि महिंद महिंद के प्रमें में महिंद महिंद के प्रमें में महिंद महिंद महिंद के प्रमें में महिंद महिंद महिंद के प्रमें महिंद र.रो ।विर.क्ष्य श्रमश.क्ष्य.चिष्य.चिष्य.चे रूप् विर.तत्। ।ठम् यप् शम्य स्मार्थम् व्याप्ति मार्थम् वर्षे वसा । वर्में च वर ग्रै त्र्रमः वस घर घर विना । नासे रग्न वर्मे च नार ग्रुटः या। मिट.चाड्रेश.बर.ग्रे श्रेच वर्षण.चंत्र.वंश.ग्रेट.। । धि भुर.चेंट क्व उत्तरा व ब्व ग्रीट क्वा ।वरेंट क्किट च निषद न मानी मी दे दे हुन न मार्थ रेसे दे वेश हर में हुन मार्थ हैं हैं मान हो। द्रिये दम् वार्थम् उद्यास्त वद्या वद्या वद्या वित्त वित्त



हिं यर सक्ति। त्यं प्रत्या वित्ति वित्य वित्ति वित्य व म् कट. केट. वर्षे अ. ४ ट्रेट्र त जा । वर्षे रेग्ने दे वर्षेट. व वर ये.रशकर कूर विरा । विश (सूच श्रिश, तर.य.शहच.ये.क्टर.) वक्टर.चश्रिस.रेट.वक्टर.चलु (रिश. ही हैं। वह त्या हो हो । वह देन में हो । वह देन हो (बर्-चनश्रक्ते क्रिक्-इन्द्रेट स्टा ।दे हेनाश्रस्त क्रिक्स मुक्का ।हि.सं. दे.स.म. मि.स.सं. दे.स.म.मे.स्. हे.स्.म.मे.स्.

माजेरा ।क्षेनाः श्रेकः यनासः य कोर यर्: २ मू द्रश्चना क्षेंसा । श्रेः छेटः यर गाव ह्य कोरः नार्येनाका । प्राप्त के यरे क्रेंस र्त के मूट के यरेंद्र। । मार्जेन क्राः होंद य ब्रॉ क्षार क्रां। । खर पार हों हुना २.च्ट्.टप्ट्रमेंट बट ना२टा ।२ेचा.२ क्रे.क्षे च्ट्.ट ८ मारा ।पर्चे नाक्षेत्र २म २५ वर्षे वर्षेत्र, वर्षेत्र च्यूर, दिस्स च्.प्ट्रमें वर्षेत्र वर्षेत्र स्वर्ष स्वर्थः श्रुट्रमें वर्षेत्र स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः मूट मंतरा । नासर मुँ से देना दुना स्था हुट। । नार गुस्र ह नाट हर हैं रा । देस सहिस नो सै र्हेट से इन्हा । वन के ने के न रूट विश्वर अर्थे विश्वर विश्यय विश्वर विश्वर विश्वर विश्वर विश्वर विश्वर विश्वर विश्वर विश्वर नु वनस च मा । नुर हुँ न हिंद सु कं म दर। । ना रोर सु में में दें में दें में में मारे में मुक्ष। । रे म सुक्ष । सिनाना, बर. कुल वे व ब्रा निर्में में पे अप्रिश तह बर रट. शरीया । विर तर लिल के रंग पील. मुना । सिन परिनास मस्तिम र प्रतिमार क्रिया । प्रतिमार क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय । प्रतिमार क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय । प्रतिमार क्रिय क्रिय क् रिश्चर के मां प्य प्रति । भूच रिश्चर के जा चर पारे क्याशा । चा बेर हे भू उर्दे खेर चर्ष्यश पर्या । अर.त.(रट.त् )रंबर (चर टे )सूर. (सबर.स )रेट मि पर्वैदः। । हसस्य.स. स्थित में प्राप्त में प्त में प्राप्त में प्त में प्राप्त में प्त में प्राप्त में प्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में हैंट्-अप्तिश्वातंत्र, सेनश्चितंत्व्या । से स्वातंत्र, सेनश्चितं विक्रान्यं सेन्यं विक्रम् विक्रम्यम्य श र्न हुट जुर मारा) सुश श्रिटा । नियम हुश नश्रय मीश (कि.पर्सिम दे रीम खुरी मा) इस विस्ता । इनिम्म सम्बद्धाः नुष्य । कि स्टि है कि मणु समे । वि लिनास जिस की राटाम प्रमाना । स्व म स यह अस स पही। । । समाय में स्वास प्रमिन्द मुना । सेना नगर म सदय सहुत हैयस. सर। । ती स स् मुर प है. यर मीर.। । नायस. ख्र নুদ বুল প্লন বা । পূর্ব দুর্ভ লগ ইনাবা । বর্জ প্রবন্ধ প্লুদ ক্রীব প্রমান্তর প্রদা । वस कुट क्र तर वर्स तर ल्ला विचा र दूर से हूर हिट व दि। विचा प ३.प.चालचा. में ना विस्तर सुर कर लेस रामितर। । से हेस रानुमास हुय से पर्वे हम। । মীপ প্. নাজিম বাং বাঙু. (ৠ শ্লী মু মু মু মু মো থে ই । বাইবা) বাং নাইব। ।পু. (क्. न. होत (क्रेमश स न र र्यूर। नशर (सूर मिता स्थर माशर स (हे. न वस मीत प्र सपूर्व मारा) वेशव चोशर। १ष्ट्रचेश यः पद्ध चोवेश पद्ध चोशेश (चोर ६ प्रेट प रह शवेष ४ ४ स्तु राजर श्रास्त । पहुंच । क्रूचाश श्री प्रवश ब.श्रीचाश ग्रीश.श्रीट.। । नर पाव.प्र्य. पर्य. पाये. प्रतृत प्रत्रे। 🚴 ।। स. खे च लूश कें. चेश बहा । दिहा स सकुब. चेबस स हैं ब (चर. ला. लेरे चहा हम में में स. टर. प्रेंच कें. चंत हों व क्र. चंत स स हों ब (चर. ला. लेरे चहा हम में में स हं. चंत से में में स हम में में सह से सिंच कें सह स्थान में सह सिंच कें सह स्थान से स्थान सिंच कें सह सिंच कें सिंच कें सिंच कें सिंच कें सिंच कें सिंच कें सिंच के सिंच कें सिंच के सिंच कें सिंच के सिंच के सिंच कें सिंच के सिंच के सिंच के सिंच के सिंच के सिंच कें सिंच के सिंच कें सिंच के सिंच क दे हैं द अर व वर वर दे वर नाम द पर्य प्रा ) रा । । । त्यासस सिना सके व र्सना वसनास । यश्रञ्जयाः सूर्य में श्री वित्र ययश्रायर मार (य र्र )४ ट्रीया (य र्र ) हूल (य र्रा) विर्- र र्षा.रेट. क् चेट. (जूट. रे.ववश.तश.सेर.श्रेंचे तूर लूरे व वरे.श्रेंट.वर्गेटश.वश.क् चेट.वंवव।)

सैंग.ट्रे.प्रट.प्रे.ल.ष्ट्रा हि. थ्रुच रू.चीच सेंगश.प्रट ग्रेच श्रेश.प भर्षिटा । वि. देगश ६ वे सुरा मार्थिटा। वि. ि श्रीया । श्रीय द्वा प्राचीशात लुवा । प्रवृद्ध वयश श्रुट् मुन्दि वयश श्रुट् मुन्दि । । पार्ट्ट श्रीया । श्रीया प्रविधा । प्रवृद्ध वयश श्रुट् मुन्दि । । पार्ट्ट श्रीया । प्रविधा । प्रवृद्ध । । प्रविद्ध । । प्रविधा । । । प्रविधा । । प्रविधा । । प्यविधा । । प्रविधा । । प्यविधा । । प्रविधा । । प्य यर अश्राह्मश्र स्ट्रिय पर है। १३ मा भ ले दर है। १३ मा से से मा मार य मैटश (श्रीट श्रुच ल नेट न )श्रीट पर्से (स् श्रीट )सिन (स् च ल पेट ल )टर ल। ।श्र (यश्य प्रश्नेट निर्य। १६ ब्रे.चीट येज.यन. १४ मोश्या १६ भर्न रेटश.ज. श्रे लेब हुट. वस गी.ल.संस.स् एकनाशा वि.लेबंश.ह् अकृषे चि टिच्ट.वा वियोद्ध ग्रीट व.ज हुंचेत मिट.चर. मोट.चर.चेंट.च.च.चेंट.च.चेंट.च.चेंटा । अश हैं ट्रे.चशुक्त.(रक्ष.ह्यूच से हैं हैं र.च चेट.झेंश )चाउूट. हैं तहस खरा । रहे स द मर्च प्र सर्चे प्र सर्चे । खिन प कट नश्च प महन । भार है है 회·경소·경 구디 1회·저士·회·건경·그렇·다·집소! 1회사( 전·오·소·성다·저도소 전을 처리·그리 음자 음·구· र्टासक्ष्यानी क् वहार के होता मीश विश्व हिश वर्टर है बर विश्व (वर्टर है बर विश्व क्षा के स्तर के सार . भक्र श्रुट नर्न श्रुम हरे रट:मोम वाचे ने येट श्रुम वा) श्रुट । वार्म वा (स्ना र श्रुम वा ता तस्य। नमीश हैंर न्या । १८८ र जान चावट तर नी। १८ र जान (३. प दन प) इस हैंर न पूना हैस हैर। । त्रयाच (क्.मीट.)मींब.टे.मीट.वंचश.र्जर। । भु.हेर.(क्.मीट.चलश चल्च.२ वेट.ज् ६ २ ६.स पर्य. य.च.म श्रम झैंग च.च जाट क.सूंग मुका रचितातहना रचार व.च.च इंश.स.सी.मेश ६ त.२. व.चर्रंब. प रि सूप्त.ग्रीस रेरीस ज्.) ।रेच (श्चिम.ग्र.पंत्रव.स.स.म् यू.रेचांस.)शट.स्रे सस.श्वेसां ।श्चिम.ग्र.  

 ब्रीट चीश्रट श्रवेश
 1वीड्रट श्रट पंचंद टेचिश प्रश्न टेचिश प्रश्न टेचिश प्रश्न टेचिश प्रश्न टेचिश प्रश्न प्रश् म् से प्राप्त प्रमुख श्रुय पर गृह मुँध यहर से पर्रा । सिन् स्य है ह हिर पहें के से प्रस्ते । पर्रे से से प्रस् य सन विन विश्वर तहर महरा । शे वर्ते देश में हेट.रें। । नेहीर में से हेन मीर. मीश क्षे वहाँच। ।वेर रमर ही भ.के ही म.रविम। ।वक्ष.चांक्रेश (क्षूचांश.च )क् चांशर. न्द संदुर गुनः)वन र न्ध्रेन । निधेर नी से देन एस इर (नढु निहेना) न रंग परी । मम्रिक लिया (चर ग्राक ) श्चिम च्रां स्त्री मार्थ माना हिमा (क्रेंस माना ) न्न बुराका दार। । वना नुन में से वह र नार। । र्सिम सिश स्तर न सिर हारा। भु. देश पथ्र र.भ भु.पूर रेभश विभा श्रेर. है स यो. र. हीरा विर अधिया श्रेप ग्रेश (भ. वु:पुब को भव:क्षे:रवु हैन न नक्षेर:की को हेना नुना को हुट छा.डे.र खुकाहा)पह्चिराय मार्टा। निक्षेर. मु में र्न (रुन के रे में रु दे से में दे रे के रे ) यह यन महा । निष्ते पर में हिस निर्माण निष् हास स व के के स हर न रहा। । विरायर त स्वा हिंग नारहा। । यारे र के य व महास रहा। मीबरे.पिट पुरित ल्या पटका विर दिन म सूचीय. पट दिनामु बया विर हिंस पीय. मूट केंद्र नकेंद्र स्वेन । नद्र मृद्र सुन्धर होद्र (ग्रीक्ष )सुन्धर स दुर्ग । सिन्धिर न दह होद्र (ग्रीकर)  बुट.मू प(जान नश्.)भु। । १ वट मीभ क् नबु वट (चर प्राय. जाय. जाये. जाये. र्ट मीत.वंश.रेचोश.मीश.(क्.पर्स्श.वंष.वंष्) वर्से। ।क्ट.रेट शर्च पे थे.पे.रेट। ।वंब ट्रेंब हु मश्चर रक्ष से नाइर । । नाय ने ने सं गुर स बुवा । वि न (क्षे प्रमु के न नाशुक्र ) में देन श्चिर नेर निरा । म (मुं कं मुंग कं मिं इं क् बुंगेरे मों न में निर में लु.पड्.मुंद्र.पर्झ्यश.म.मरेट। ।येय र्रेम म् र्र्य चे देरा। । ल्रिट (क्ष्ट मि श्रूम.रे. मार्टा) हा क्षा अर क्षा (हिंद है नक्षा) रूटा विश्व मार खूब हु नक्षा रूट ल.मैंथ.टे.मोटा । अश्र श्रेय.पश्चा वज चोर्ट. चल्या शरी. वश स्त्र हूर लूट.वशा । स. ब द्वा. सर्व प्राप्त । पर् प्राप्तिमा. प्राप्तिमा भा । प्रा 토호 레스E.1 13위.퉷之.다항마 ME.핓, 스테워. 리 13 위 (뵘 및 그 호텔 및 다 방고 옷 1 다 방고 옷 2. गार्श्वे स्ट )संप्त्र व सा । भेट गुर कुंस ई स ई ई। । कुं र म म में भा । यह. खंडे. कुं चक्केट. तहा। कि । श्रिक्त के स्वाप्त के प्रथा के स्वाप्त के स् यथ. कुर. भकुर. त. मू लूट. मुं (भट्ट. वर्टा) । वर्ट मुंट. (ग्रे), भटता. टे. उर्वेट च. भट। यह. जुट. जुट. मुंट. (ग्रे), भटता. टे. उर्वेट च. भट। यदे अर हैर र ) १८.१ । हिर है प्रियम है (हर र मुल ई के ल दे के लेट हर र ने मार है। वमान रहा। विवानशिका क्रान्त्र मुला विवानशिका शिका क्रान्त्र ये निश्च शिक्ष कर्त्र जा क्रान्त्र ये।

ति.लुका । श्रेय.थर.वशक कर.वजायर. श्रुचा । प्रिचा.रट.श्रेयका.यपु. श्रेय.थर.यट्रा । ।ଞ୍ଜୁ ବ୍ୟ.ପ୍ରୁଷ ପଦ୍ଧ.ଜ୍ୟୁ ଛୁ ଧ୍ୟି ପ୍ରୁ ପ୍ରୁ । 244 21 रश्च (এ জন দ বগ্ন হ ও্র এর্ম।) সুহ.(এ মর্মের জ্বরুম ন্মী ব্রির বর ভ্রম ন্মী রির নর ভ্রম ন্মীর বির (এর r मिन्यन रे सूर्य मिन कुरा है। वर्ष निर्मा मुद्दे मुद नेरा वित् गुर वर्डेस हेस दर् वः वित्वासा विस गुर हः सेर वर् ववस है। र्ये व हैंदः बेद इस से वहा रिदः व के सिमर वर्तित मार्थो । से वित्रा देवनाश दर् र्. देश । ।रे.४४ में ८ केर.पत्र (जिश **ग्रेश क्षेरक.**के अस्य स्.)८२। (स**शिश त.**क. क् के अरत्यु हार क्षा वि नदे नि न हार नि मुंबर म मुंभश भर भिर पानम्भ (भर्ते र व प ट.रेर. ह्र्र्र. क्र. श्रेर श्रेर मिश्रेश ह्रिर. रखे. क्र. मिश्रेश मारा क्रिय ह्रिय मिश्रेश मारा क्रिय हिरामारा चै रस हल चै.चर्षे हु हो । सिट टेबर ६ चर् से चे से टेवरो । बिटस चे से ए चेंट्स नर र निर्मा । विष्य में के बहार पर्देश विष्य । विर्म्णिकास विषय है निवास । न्गान व निर्मा । कि श्रेन क्षित्र नाशुंश (व्यागा में हे से संसार उ से सामा ) व्याप न निर्मा (के नाशुंश 15.जूब.च रच झ.दर.बु॥

स्ति (क्रेंचर यह दे. श्वा होता में प्र ) देर नहीं प्र कर नहीं प्र च. इस रेट तु. तु. यूटा । हम र्स सम्बर्ग गुरा । इत्य प्याना श्रेना नाबुना य र्टा। । र गुरे प्रस्ट गुरा (कं य स र्टाः पर्यश्च नाश्चिम सर कु.र होर र हार कुन द इ.ट. चार्टर नाश्चिम क्वन नाश्चिम पर्वशः से नाश्चिम हूंवे हा 대표·필 위다. 1 기급 리고 경 구다. 종 대학 교육 리 기육 및 전 함 및 호 및 호 및 전 기업 및 전 및 기계다. 결화, 급기 기업 및 전 기업 및 및 전 기업 및 및 전 기업 및 및 र्नेश. (वेर रेग्यर श्रे ट्रेश.म रेग्यर ह स सि) स वे चल बर मारेटा। विश्व हिर पश्च हर्र श्रेंसस. यस (१ मूंन सद्ध्र श वर्ष्ट्र म्ब्र हें च वर्षे के सूत्र मार्ट क्रिक्ट सुर मार्ट ।) वर्षे श । इ. कुल चीर. कुल. पंत्र स्था विर. चीरा. । विर. टी क्ष. व श्री व चील टीला । १ व से से से र मीराहर यर तयर। । के वे रुमर वना पर्ने न मा । निश्चेर मी में हेन के न न । है कि  प्यमा । (बर हुन क्षे हेब हेन्: ५ .ख हुम ) न सुम कर नर हुन स न न । विर कर नुस्र नाठना हुयानु नार्द्रितः ।रे हेस हुट उर्न ( 'नड नहें ने ने स्क्रिन हो ने स्क्रिन हो ने स्क्रिन हो ने स्क्रिन हो ने स्क्रिया नि चर-मिलेन मिट मह् सब्या निष्ट्र मा (र्थ माट्टन ) क्रुन्य प्रत्य के क्रिया । मिट )। मिट भह् सब्या निष्ट्र मा (र्थ माट्टन ) क्रुन्य प्रत्य के क्रिया । रैनाश.नाश्च-.देर ) श्रीथा । १६ रा क्याश थश र यद भक्षम श्री प्रच्या । १६ ह्रीट. छ मि नार्टा । डि.जश. ( ४.कर त. ) श जूर्मा नाश्च यहास नार्टा । जिना न वि.स श्रीम स्ति स्त्र नार्टा दिस गुट नाडेर य स हैनास ना वि है कि गुन से देना रहा । हि नाट गुर गुम केंब झन रहा। । पकेन हैय चु है ढ्यारच्या। । पहान मा है पुर्ना (रणर नन) विदःकं इ न न न प्राप्त । अदः न न न के वः अत्रा । गुरः पटः पक्षांतिः (लिसिन्धाः सेटः ) पार्रुकाना सेना निर्मा सेना निर्मा स्थान सिन्धाः स्थान सिन्धाः स्थान सिन्धाः सिन्

म्बेर देशश्रद्धः प्रस्तातः वः (देशश्र में प्रदेश भी में वर्षः माश्रदः मोड्नेर श्रेष्.मोड्न । नाउप.मोड्न रहेशश पर्शेटश हे डेर पर्शिश हे पर परियोध. सु नर्द्रस य वा । माबेर रा सुर य प्रमुनास रा प्रांत रा केन प्रां स्वतः प्रथमः त्राचे विद्यान्ति (स रे.पबु.रेट.पर्यक्षः चिश्चेयः पर्या) । से.स् चीर् त्र् से प्रश्नेशकः अ. अ. चुर्चे विटः चेरेट (स रे.पबु.रेट.पर्यक्षः चिश्चेशः चेर्चेयः त्र्यः। विद्या वेर्याः नर्नु ५ त त त त देह द ने भी भी ने भ हैं हर हीर पा हैट पर है। । । व रियाश सर्मश है रेसर रेट परी । । वश हैंद र प में के. शुर क् चतु. थेर.। । पर्टेश थेया में त्वर कुचा. ता चाश्वेश । । श हुंप्. चर टे रुशश रेट में रेट पर्टा । क्. च ह्या चवश चर्छ चठ जुंधे. चके. चाहेश चर्छा। के हुंप्. चर टे रुशश रेट सबुना १९५ चर सम् रट में हैंट ना । सहिश सुन होर हेट नाट उस ना । पर रे पर्चेश त क्रीर पर्वेश पर्वेश । मिं पर्वेश मार्च पर्वेश मार्थेश । विश्व र पर्वेश । विश्व र प पर्चेश च चक्का चपु जाये. हुं चर्ष धारीश चर्णा है । । प्रेचेश च हुं से पर्चेश च हुं (उच्चेश च ) हूं चेश वंश हं से वंशेश चर्णा। । पर्चेश च हें से वंशेश च प्रेश च हैं से वंशेश च प्रेश च हैं से वंशेश च है 

शुना र्झर स्थेन हु:नार नातरः। । भुनि:हुर:हुना:के नन्यम मुका:(धर:नु:हु:है:दे**.**हुना:नगर स् रथर. व चे मेट शुर व टेंगा. हैट. ब ति. ग्रेप्टीश शिंग वया. सेंश ६ ) शिंट। वश्चा चे क्र्याश रूट. य रक्ष. या. तुर त्र हुन झन अव. कर ) झेर झेर. वेश जा। । अश. श्रेंश. श्रेंटश जा चाईश. लर पोट्रेट हुर पोट्टर (पर्वि व. क्रिंग. श्रेंच श्रेंचर प्राप्ट. वेंट व. ) रव. वेश। । ख्रिंच हुश पोट्टर. (व रक्ष. मार्टा । अर व मिना रहें वा (वा महिन वा )नार्ट व महिन। । माना मिना विवास बिश्च प्रश्न थ्र थ्र थ्र । । ने ज.ते. रीच क् स्थ. चरेचा । । वर्र श्रियः चर्च क्. क्. स्. त्र हे क्. स्. त्र विक्र प्रश्न अस् स. तरा । श्रियं क्. क. वर्च हे हे व्या क्र च ही। । ज्या हे क्र क्ष क्ष स. तरा । श्रियं क्ष क्ष च ही। । ज्या हे क्ष क्ष च ही। लेब ट्रं हर हैर ग्रें दें दें ते रच मो. देवर श्वें मार्ट )य नाना यत्य यहरा । भ्रें हर वयहर मिट हे (चड्र्स बचस.)२८.उट्। ।श बैच.चार्रेस मा.सैचार्स.मीश चर्सेचा । ह्रिची.च बुस चे. सिट्ब. प्रेये भूया । श्रेर रट श्रेर. भूर म्रा. चेर. सिट्बा । भूचा श्र. पत्री सर्चा व मेट. विस. रूज वी चीरेटा। अन्निटशायह, अवेट बुंब (र.रीचा ह्रिंचा रैचा की वा कुट व्य चांकुंबा की रेचार. च्र मर्ल्यः भी रमाः) वैम (ट्र.क वैमाः) य वी । अः वैम (वर वे कः स्रा कः ट्र.कः) मा३४ प्रतास निर्ट. हिट. (म् नश्चिम. ने स. म. महीट लिट नश्चिम ही सर्ग रेनान से मानर हैं न नीस न ने ने हस. नस. ही. माश्या । क्या पूर लय. जया. के येट. प्रवृक्षा । इशक्ष क्रूट. ये. पर्श्य पट्ट. प्रते. पड़े पड़े. पड़ पड़े. प्रसिट. श्रीट. श्रीट. श्रीट. प्रते. च्या । व्याप्त । व्याप्त क्षित्र प्रमाण्य । व्याप्त व्याप्त । व्याप्त । व्याप्त व्याप्त व्याप्त । व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त । व्याप्त व्याप्य सैनाश हैंद. पर्हाश । मि. हु. शु श. र. व श्वर। । वित श्वर रेगार श्वर श्वर। । वित श्वर रेगार श्वर श्वर। । वित श्वर रेगार श्वर श्वर। माश्रम श्री मान्य हें हा छ मान्य। । श्रिम हे ना हा छ हम से श्रीय। । । वा श्रीयाश हेश से देश हैं माश्रा ' पर्वेट.। 1य. पर्वेश हें यथ प्रकृर. (यर. रूबाश. लेश.) श्रीट. श्री. रेबार। १र्वेश श्रेर वर. पर्वा.

ायरे या हु र्ह्में अर (छा द र माना लुक उड़ का ना तर में) कें ना हिंगी । ना हेर हा ही (ली. मी केट हमें र व्रंभ वी मा किट वि मूर हा हा में र हिंदा हिंदा हो प्राप्त में क्षा में क्षा हो क्षा में क्षा में क्षा हो हैं। 된 용 네드 ) 그렇드 LE 스토로 그용의 [] 그는 그렇지 및 되지 도시 (항 ) 보고 그는 '신호 의도의 맞고 그용의 ) नशर्भा वित्र सर्चे . क्र्बाश वंश निप्त (शक्ष श्रिट स बाढ़िया सिंध स रेंट . मुँ) मूँ सट . चारेट )मुँश भर्मे. ब. बेश. क्षेट क. बेश. क्षेंश्रश्चा । ते श्रिश देयार सिंद वाश्वर प्रहाश वार्टा । रेट त् हाट. मीश-माधर-तर-व। ।शः(जैट-कृ समाः श्रेय दो-दो योट )र्क्सश्च माले पहें से पद् (ने सियाश क्रेन र्ट. बैंर. जू चेंट. के लूश चेंब ) जि। । चोड़ेब. त्. चक्क चेंब्रेश (में प्रे खेंचें य चश्रय चेंब्रेश ख चें.र क्य श्रें स र द र्स सम्बंधायना विषानी रेगार में रेगा केंट मूर ए शर हूं या र श्रेर ते या स्थानी : महरः) स्ना ह्यूर महर। । हि नुम हार व खनका (क्रम् व मुर सुक्र हेर के देर र क व हरका चेंच.परीट भ्र.पंबर झ.ल रेशर.हुचं.वेचा हुचा चाट डर मीश क्र्य र लू प्राथर धीयांश.झै चाश श्रथ .. . बोश्रर मुौश नश्चेना ) बोर्ड ना प्यर (पह्न न स्व स्वर नवि मिंद र् रश मुौश नवेद रहे हैं य ल नश् मु हे र्र বন্ধ-শাস্দ্র-পার্কির নার্মীনাধ্য-বীনা( দু শ্রুদ্ধ-বর্জি শ্রুদ্ধ ব্রহিনধ্য) শ্লুধ-ক্রিক নাধ্য । বুনা-ধ্ব-নার্কি भित्र असिश सर्वे १८ छ प्रेश नाउना। कट.रेट.वी.म.ट्रेच,चटेच.ल.स.रे। विश्व विश् लचं.चंड्र.कूर्वेश.५.)मैंट.भ (म्री.चिंद्रच भक्त्वं भ मेंटे चिंट ) १ भर्च (जिच.भर्च चित्रंभःभभ के में चुट. ন্ব-ন্রুম-র্-)র্মি ব্রা ।মিনা মার্মির নাব্দ (श्रेना इ-न्स्य ई-श्रे-हे )न्द छ-ळनाव द्या । श्रेना क्वा (क्व. चा श्रम देत से दे होर वे सर रेगार सक्ता विचा तार स सार है। रे वे वे वे हि चिर्दर हीर मि.है। विद्या (रवेश वि चिश्चर ची ) हैं श्रेश धर भु ह. (हुट चर् हुन भक्षा ) नि मुद्दर्भात्म द वैता हुन (बर त्रे त्रे ट के रेट की र ता) नामा ।त्रुट सून अटस में मा अस में दा डिग. कु.शुर. ह्यं (११.८५ र प्रट्र हे श्रेन है ) है तथ वैंग । प्रमुंच व मैण भू कि (मा.वर. म्रा.इ. र्था. श्रम् विता रेंगा. की. श्री मारा ) पत्रीर हा। वि. य. प्रं व व (श्रम् श्री ता से या प्रकृत पर) मि.क्ट्र.मि। मि.क्.नुट गुन.खन.दान। सिन क्र मि कु ह त है। भनर बन बंद )स्य २.२ १.६.(८२.)धित । हु.सित भारत स.सी.र.ति.वीता ।र्स.भारा प्रीम.

नर्नाता सुन । भार व (खना निल्ना रह ) निल्न सर्जेन रही से घर। । सर्ने रह रे से र क लुक्त संय । असे (बर तह किय पिट योश.) हि यम य बिंच ग्रेश (येव म् लिट यो केंट रक ) यरेया। र्षे भ मिन श्री (हैन र हुँ डिरे) वर नहर नहर नहर । हिर श्री नहन नहन सर नहेंस नहन नाद र मह अर। विद्रा हो ने प्रा हो ने प्रा हो ने प्रा हो ने प्र हो ने प्र वहा हो ने प्र वहा हो ने प्र व व निगर में बढ़ी। । इ निर्मा निर्मा । इंग्लि दुस नु न र हुन। । खाउ.र ( योश्रेट.भर्ता ) य पश्चेश या.धिर। । श्चेर मिट स पार्र द्या.सिश श्चर। ( र्लेन नर्हर।) । अने क्यें मेंदर ( जैर मालन जै मेंदर है कू चेश जा । १ च चाशिस टेट के. है चाशिस। । । । । । । । च च टा टी चै च । भू कुव है निरम् भूव सर्गे वर्षेना । भूस दद के वे के देनाय नाइमा। ह.कब देश पि भर रेबर में नरेव। । भवा रेट रेबर से ए बर वह स संदु मुखे सह देवा. क्राश्चेट ( अश्र श्चर में इ ) धिट बर डे बर. (हूर मेटश नुंश स. उसे न जूस पर्वश स्वश श जूश न प्राय प्राय । वर्षा । वर्षा । वर्षा । हैं है ह्य दे के पर्य मिरिट । अब के के के के प्राप्त मिरिट । । प्राप्त मिरिट । । प्राप्त मिरिट । । प्राप्त मिरिट । म्बर नहर (स्था दे देर लें) वहरी । वह हैं नहर है हैं नह से हैं हैं ने कि हैं कुट-५८२ छ। इ.नाट-मुं-५ तुम्मा-गुर-५८। ।३.६.(वहर् वे.मान्.) हर ये. ल मूर्ट रह। । हिं लू म र हैं र ज मेर हा। निर मेर हिं ज हा वह हैं । । अक्र बर क. न (नर्शत मासुस न्म लुक स्रुट्ट्य लः)मी प्रौ नम । मार ग्युस नर्जुक स्रुट स्रुट मार । । सके के कर मोराच हो (वहांस चार्षिकाचेचा बिकाली रिया ) पर्चे कि इ (क् मोर होर के सिर टेबेर प्राप्त से होर के सिर प्राप्त स निर्मात्त्र के स्थापन के स्थित स्थित स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन पद्मक्ष के चर ) श्रोत्तल, थर चीर,च. वैचार, चीर,च. चीर,चर,च्या विद्र,कर,चवर, (चटेर,)चर्,चोचर,कर इंश.ल. (चीर मेश जिम क्रि.ल.श्रोत्तन, खूर्च क्ष.चर्च राष्ट्री क्रि.ल. चेर रशर,चूराखे, क्ष चीर. 레오다 (대·경·노희·허·오다·월·덕5리·데) [왕리·황아·조종·월 도 리다 (회·여질·호·리·레/정희·

বর্থ ব্লু.নার্থন্ম কু দ্রীয় কু দি.?... পূর্ব র্লু ন ব্রুম্নের ব্রুম্নার্থ ব্লুম্বর ব্রুম্বর ব্রুম্বর ব্রুম্ব 팀. ( 홈.크 도 회을 을 쌓는 리.선 교통. 리신리.) 사람 보는 네. 비온 (육.약 로 보고 প 리네티. सिन भ्रष्टिश.क.च जा विश्वा ( यम.विश् श्री.२, र श्रेर श्रेर. वट ज.मी कु चरेंच)। पश्च है लूट ह नोर्रा निया पश्च है रना नाश रें नाश ये पश्चेन । यें के लिय कर ( श्वेना : हैं भी हैन हैन हैन हैन हैन नह । । है रनन व (क रनन व हन। के अक व हिनाय हैं पर्म श हुंश.) य.ष थ्.च.चंश्रभा ।(हैं.तू.तू.तू.तू.तू.म.म्भा) ।पर्चश हैं.चंश्रभ (स प्रचश स. पर्यंश प्रहास पर्यंश ) र्ट बूब् स् चांशिश (ये क् ह्रीचा हींव ये भक्नू चाह्यर हो।) क्.है चारीश (ये क्. मि.२.क् जुट क्) २८ के.८२व. चारीस (र्ह्म रेगोर क्षम त **सै**व.४ची चारा विस.वहीर (इ.क् म् बिंदु झूर्.त ब्र्स मि हु ) माशिस पा कर शिर.तारेटा। । शुना (त्य.सूट झटश व से वना.नास्रुच. र् नर्सेन ।) चुनास से दर्भ होना च नर्सेन । नाल दर्भ ( मु १८ से स स स्म न से न से नि रैला चु त्युमस मुक्त वर्ष । दिन ह्यूर वर्ष यदे त्येतु हे वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष ।। मिट वर्षा क्रियेट स ३५ हुए. इं। विश्व मेट शहीश क्रिये. क्रिये हुए। विश्व हैंया विश्व हैंया य द्वार या मी स्था । मा स्था की की की की की की की मी सार है मार्थ है से सार्थ है मार्थ है मार्य है मार्थ है मा ट्रेंट्र. ( व्या. मुंट्र. ) मिट यक्षण वश. (ग्रेंट्र. ग्रेंश ट्रंस सिंश त्र्ट ट ये ग्रेंबें क्या. ग्रेंस. ) यक्ष म. बु नर्हेश । । निर्मास स. ( ह्री हे. इस कुन मेट. ) ब निर्माह हैं । । । विर्म ह्री ( इ.क.रेंट व.मे.क्.झेंट.ज.चेंटर ) सिट्य.चंचर विराध है। शि.खें च हेर च ह्या.चर.चे। । नगर निर्मर र्र्म् नाबुद त्या सहर (से मिदे ह्या । । नगर स् स्मा (हे नदे इ.च.चेश.ष्.व रश.शर.रे.) रीच.रूज.व थथ। ।८िंद च. ( ६ चटश.ज.परंश ये.चट. हैं र ग्री ) मुँब र देवब रेया स्थान वाबरा । । । 

चु १८. वृष्ट गीय वद्य रेंच १८.। । ह्यू में भी वटा उर्ज्य वटा बहा हो। । में व्युत्त ह्यू में मूट हीत होता। भू है हो हा र तं दूट। । दूसर होत मुलेर सह मूट हीत होता। मिर होत क्षेत्र व व व व व नातरा । अर्मे होत प केया (तर होर वहा हो वहा ) नेत यहा नित्र । श शूब ते कूल श्रेष श्रेट (श ज. श्रेष ज निर्माक, नश्रेमाश, नश्र, ) नश्रेमा । मधिट, श्रूष, म्र. भट दी. বছুহা। । নু হুনা নত বতু ইনা ক্রীর নেইনা। । নতুর দে ততু প্রথ প্রথ বেই. ( ম. এম. )
নারীনা। দু. প্রথ নাইনা এচ ছুল মনব. নীনা। নিইনে দিন দুর্গ নারা স্থাব বঠা। প্রথম। ) र्ट (श्रुट च.हेचा.चा च ६ ८८. ) चच्च ग्रीस.श्रीटा। ।चट.भट.खोचा.क्र्स.कं.वट. (श्री.स्ट्ट. श्रुमा । इ.बिट.झे बट.हाूच १.४ त्यरा (च्येड्र.जा)। ।चढ्ट. (झे बट्ट.) चड्चचा.चार्टर. भ १ स्मिन् हें भन् । हें देन । । हो देन । । । हो देन । । हो देन । । हो देन । । । हो दे । । । । हो देन । । । । हो देन । । । हो देन । । । । हो देन । । । । हो देन । । । हो देन । । । । ह चाहर। दिस त.चर पार.श्लीच.त.जा ।२ क्ष चरेश तस चाहर तर.चा ।पीरे.ज. भूर २८ १ स वर चहरा । सिचा.२८ श्रम्भित.त.श्लीच.व.जा ।प्रचस.च श्री.जुज.श्लीट श्री. दे.लु ( भर.ज कुर.वेश.चर त.केश.क् व रश.वैर ज वोरेट क् योट.च रीर वर्बेट व. ) सिट्स.शूचेश. १.गुट.२८५ ( ८ मश श्र स्व.उ श्र में १८ म में क्षेर ) विन मश ने बर सर छ। पर्मि.च.चेंबर.चंद्र बंचश चहेंचे य। विर (श्र.पर्में विष्ट हें चे में तुर रेशर हर्षे.क.र.ब.रश विर. र्यारः ) यम्नि.श्र.पर्ये रेसी वश्यावद्रा ।क्ष् प्रमि.पर्यश्च हो. ( र्ष्ट्रा.श्वर्ष्ट्रा.ये व श्रु. व श्र. व त्र रे.चाश्चर स्र हे.चा चूट ह रेचर त्.वी.सट.र स्रेष्.चा.र.) वर्वेश.तक.चाड्री विट्टू चीलचा. त्रकृ । श्रीट. संत्रका. प्रसिं सीचा. संबर्ध प्राप्त हो. प्रसिं सार्थ । । प्रसिं सार्थ हो. सीचा ह्यू संत्र प्रसि सीचा हो. सीचा हो सार्थ हो सार्य हो सार्थ हो सार्य हो सार्थ हो सार्य हो सार्य हो सार्य हो सार्थ हो सार्थ हो हो सार्य हो सार्थ हो सार्य हो सार्थ हो सार्य हो सार्य सिटशास भूथा । ४८ बच किट म ब्रेट मू टर्ट्रा । या.म.मीश व.मेट प्रमिनाशायरी । |ব<u>ু</u>গ শ্বগ্ৰ শ্বগ্ৰ इ.ज. प्र. ४. वे प्रट. क्र. प्र. प्र. । १८४ ज. चनश. थे होंचे चूर पर। = श. ইব দ্বা বি.বহনা ইন্স. (১এয়.য়.ড়.ড় রিচ ইবি.ম.ম.য়.য়.বহনা রি.) নাহ।

= মেরয়

= মের म्र.स.चर्यात है। । १४ म ह्रा व सुर व सुर व सुर । सुव (य र दे ) म्रा मान वस यु ना मा ( मीर.पीश.६ थाल हुंस.शामुस.चुंट रेटर.पी.रहा) । भु रेचल.मी.कु पी रेचा.रेट.। । भारा

हु क ब्रिट. चंडा वीच विद्या । यह वीच ब्रिट. चंटा चंटा वाट्या । अ ब्रेच पि श्रीचा. (चंट )विट. च.पा. मिट सब्भ व्य म्हार दिल्ला । ११८ क्वर सुना में सूब स्था रहा । निहेंद संबन दें स्मा हार मुंद्र प्रहर । विस्ति । विस्त 

र् ली.मैंता (क्या.क्यका.के ब सक्य श्चिम संश्चिम मैंवानाम्य होना.रेटाह ) सं हो नहींदि। । है नवि.यो रक्ष सीम.य चीरेट। । शि बहा के हार ( शि है र्ष भ्रम्निश.यीज हेता ) रहेब. नहिं शिवा। र् (स्रिम मुन नाटश वेना उनाट तुर गुल र्स सिक्ष सक्षेत्र रण्य ) ह्यूर हे ह्यूर हे ह्यूर ( ५२.८० . मार्स्य भूम् हिर्म के इर्भ भिष्ट ) मार्या सि विम मार कर क है स (क मार्थर. पि प्रमान । कि श्रेस (प्रिमा मार्ट्र के श्रेमा १ ) मिर्ट्र (के हुंद १ ) मुद्द व्यामा पर्दे हिमाशा । ह ( ब वे में के दे दे हैं न परे बंद ना हर ) न त्य है न त्या है होर हिंद के वे के दें स समिल विद्य १ है स न बर सर्र प केंद्र स्व में प दें हो। । रुस प स सिन वेंद्र हंस विरा ह शेर पर्देश श्चर नियम यह है। । । एए (रेश स निया) र इस ह शेर हर। । विस्तर हिं सेंच हुन सर डच प्रिं। हिंचर्ट हैं के हूंस रा.लेश । इ.कर्. ह मैंर.प्रिंच. समित मोडेर। ।वित्रहर्ष हैय बित्र बचा है। ।य नाउन कर व वित्र बित्र सिर्य (सर्य व नर्! । नर्द्ध वनस म् न्यास्य ह्या नस (सिना नर्द्ध हुना क्र्नास ) चुना । वट स्थास (रसर मशिस.बंदः)नंत्रभः विद्यः रे ग्रहा । निर्धर ग्रीश मोट.के बिमा मोच्या । श्रामी मार्थ मार नाजुर क्षा र क्ष्म श्र (इ क्ष्म रस नादर मी मिर. नै मिरेश्य क्ष मिन मारेट ) नश्चेश ह मि. नश्चा। कु मूर्च लि विष्य नश्चाय व (श्रिंश व ह रैनाश ) नार्ट कर न श्रीश व सिना न ने र द्रव रागर रथर .... पश्चम पश्चम देना न खे द्वायान प दें हैं योग ह दशर खा द र ) पार्थे र श्चिम। । हि.सेर हैं सार्ट ह मिर्चा ।कं न (नरीय नसुम नी से सुन्य द्यार वें )नहिंन र्ट सुम सुन्य हुर। हैं। (क्ष प्रति त स में गर्य ज गर्ट ) देग वश रेट हैं। जम पवर्या ।क्ष.य. पर्या वर्या रेट हैसरा ग.

न्या । १५८ मि. एड्ब. कुन मिन्या सीरा । कि श्रा. प्रत्नामा अप सेव (सैस. १. अप्ति सं से न नक्षेत्र होर स्रम्य हेर् वर्ष हो। ।रसर पहुर पर लेखास हीय व। ।६ केर् ए. १. वर्ष त भ होरा । भर्मे व जिला है मिल होर हिरा । रिट मि झे नरे जिल में नहीं । कि होर भधित.जि )चारेश.जा । हिंदे.त् शिभःचारेश त्यात रेट. चवशा । या र.शैर तश के शुर.शेशा । क्या. हुश्च स्था. पटु. सुश श्चिर. मोरेटा। ।(पचेश मशिश शटर. मोशिश चवट टैंची. वटश राजा) रेथर. सिंग खूर चिट. (जया. तश्र.शुर्र शर्ड्र. म्यू. र्वज च. चरच. ज.) चे. मिंबेया. तर ची ।(जिया मू श्र्याश. र्ष शमिश्य. में र नश्चिमः अस्य द्वीन । स.सैन सिट्सः पूरः रेशरः (वर्ष्ट्रः कूर नरेव ह लू सिटः चरः ) कूरा है। । सुरः क्र मा च्र बेर बेर वेर (लिट मुेर बे. मानर के. १ र मर हे. पहुंश ल. नाश्वराण ना है त ) है। १ १ र . शुक्ष व रु. प्रद्या । ना सुर ( ह नार नार नार नाम देश सिव हैना न देर प्रव दव दव हैं व रहत्युर्ग्मेश सर्थ। सिमार्ज्य प्रह्मायुर्ग प्रहम् प्रह्मायुर्ग प्रह्मायुर्ग प्रह्मायुर्ग प्रहम्मायुर्ग प्रहम्म प्रहम्मायुर्ग प्रहम्मायुर्ग प्रहम्मायुर्ग प्रहम्मायुर्ग प्रहम्म प्रहम्मायुर्ग प्रहम्मायुर्ग प्रहम्मायुर्ग प्रहम्मायुर्ग प्रहम्म ग.र.) रेमी. तथ.क्.च चेश्री वि. श्रीटश.कि.चेश.चेट.के.चोरेरा वि. लुंश झेंटश हुट. मिट.बे.कमा.ब. (पहुंब.त.) जुमांब.तर.झुमा ।इट.बेंट.थ कमा.(यमा.ब्रंथ.बेंट ब.पंजट इट.ब. पर्योश नेया) ह्य.रट.भवेथा शि.श्चर.चेय.प.चे.रे. (श्चिय.चना. हो.यट.मा.र.श्चर सिना.क.इ.)नर्टा। = श.मी.पंडची.मीश.श्र्व.कुटश.मी (ब्रुचोश.पा.पंडीट.भीरा) ।प्रिट.टे.जू रेट.चोशर.(तर.श्रेंश. सम् त्री। ।३.पे.६.५.२४.४२२ पश्चार (७च.म.म.स.स.म.२८) मुचार प्रेर. प्राची पार्थ पर्टेश पर्टेश पर्टेश । ।३.पे.६.५.२४.४५८ पश्चार (१.घ रण श्र्र र्श भिष्ठ प्राची पार्थ पर्टेश । ।३.पे.६.५.२४.४५८ प्राची पार्थ पर्टेश । ।३.पे.६.५.२४.४५८ पश्चार (७च.म.म.प.६.१५८) पीरा पर्टेर पर्टेश परितेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश परितेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश पर्टेश परितेश पर्टेश परितेश परित



म् । अह्स. तर् में में में मार प्राप्त होरा । यत होर हिमास ए दीस रेगोर हा जिला । अहंस. पर में में में मार प्राप्त होरा । यत होर हिमास ए दीस रेगोर हा नहें । गिंश प्र वर तर हैं है नेश रेटा। । ने में नेश हैं पे हैं है हैं नेश रेटा। । ने में मिल्य ता सर तर् लूर हिमारा हा । है या दूर त्यू में लूर हिमारा हा । है या दूर त्यू में तर म्नी पर ही हिनास त पहीं प रट पर सहिंद। रेट स् पहीं प्राप्त में प्त में प्राप्त में प्त में प्राप्त में प्त में प्राप्त में प्त में प्राप्त में प्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में श्रीय.या चालाब.ब.भुष्टे ह्यं च.वर्षेभवा या चाल्य य ह्यं भह्य भृष्ट्. खंचारा त पहूर्य रा ख्रास्त्र स्ट्रिस्ट स्ट्र स्ट्रिस्ट स्ट्र स्ट्र स्ट्रिस्ट स्ट्र स्ट्ट स्ट्र स्ट क्.च.फ.टचु.सर। श्.प.खेचा.झूँ। कु.सूच.फ.बच प्रिट.श। है.फ.क्। रट मिट.च.बथ। त्र. इच रेट.झू चेलश.चश.चेच। भूच व दीच र्ब.टंट झूँ से चेच। च.भू चेब्ट च.ल भू.चंटेच। जश हैंर.ज बटे चंचश.कु.ब। अप्रश्नश.चंब्ट.ज.चुंबा रुच्

स्नाम्य भेर'यः श्रेर द्वा क्व वाहा श्रेर य यः स्वेर य यः स्वेर सा स्वेर य यः स्वेर सा स्वेर दायः स्वेर सा हा ने देट ने हुं श हुं बे अंचे जी जिया लेट श चोर जा चें था चिं था ने विश्व का चें चें विश्व का नहेश नदे ह सुर हिश नुद्र । नालर अर रर य नाद यर में झर अर नहेश सामहिश सामित हो। विरायर मार्च में । मुस बेदे हुमां मेंद्र घट छट वरे। । यम वसु मले मछ ले माडेमा मीका । वद द्र-देशश्चर । क्षि लुश ह्याश. देशश्च द्रेणा क्षि. य क्यां य प्रति । वित्र प्रति । वित नशरी शामीय होर. देर. पशरी । ह्या में पशरी लर. पशरी अर. प सर्ग हुन हैं । स्वानि हुन स्वानि स्व

मुं मं के दे दे हो। त्रा क्रिय के प्रति हो। नास्त्र स में प्रति हो। नास्त्र स हैना वर हैना स दर्ने न ने ने केन वर हैना खुरब मर न केर में नव हैना वर रेषा अत्य पर्नेतु, ति.ल. सिंद्ध हे चीबरी सैंचा वा विद्य प्रमेता सिंद्ध हे चीबरी सुनाम् हें हैं। हैं हैं मिलें जू हैं हैं मिलें जू हैं हैं ना स्मान्य प्राप्त प्रस्ति प्रस् हुन वहूँ श्रश्न था है. १२ व ज. वहूँ श कव द्विज. चाट. ज हूं चेश चर्च. ज. चीरेट.। মুব ব্রু শ্লুম হর ম শূবার। বহুব ম বশ্লুম। শ্লুমে মুম সূত্র স্থানীর ব্রুদ্ধের বর্ষা। রুবার দ্রীর স্থান ক্রের্ম। রুবার স্থান ক্রের্ম। রুবার স্থান স্থান ক্রের্ম স্থান ক্রে मन् शूर् थ्य भुर्म । श्रिय स्तिरं भूति। श्रिय स्तिरं भूति। श्रिय स्तिरं भूति। श्रिय स्त्रिय स्तिरं भूति। श्रिय स्त्रिय स्त्रि मध्यात्माक्ष्य विश्व वि पूर्व अ.क्ट.ट्र.ची श.चीट.लट.चीशून श्र्म विष्णुं कु.क्रं.ची.क्यं अ.क्ट.ची श्रु.क्यं अ.क्ट.च्यं अ.क्ट.च्य

त्रं भिये वार् तपु क्रवाशा अदेत चादुवा मा क्रेट. वे.स च. चरपा अटर. ल स् व्याप्त स्था हैन त्या स्था स्वर् न्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वयं स्वर्या स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स त्यं सं हैं वर्षेनास केट सेन पर प्रसम या वर्षे हैं द वर्ष में के सह य सं निवा तर् हिनाश के में ने ने में श्राप्त हैं शानावर ता है। ये में हैं ये ने से हैं के निर्मे हैं सर् सुरु हैं हैं हैं। लिस स्वर है सुरा विस्त महिन नहिन नार्न महिन बेट.रे.रेट.रेट.पुना.पुना.ल.भ.बेट.ल.भ.धूर.ल.भप्ट.कृताभाश्री विचान क्यांच्या क्यांच्या

योहर देय। योहर दर्भ प्यर प्यर होत्। सर सर होत्। स्थि सुव सुव हो। रट वि.वि. रभर.भ् अटम.मे. अर्थ होर १४ व वस्ता हेन.मे.हिनश ह्या वर्ष राष्ट्र वर्ष. वर्ष. उर् अ श्रुम् र २६ मिर्म । पर्डे में स्म र ५ र वर्ष ने परिम् र १ पर्वे में से महिम र १ पर्वे में से महिम र १ पर पश्च ता स्राप्त प्रश्नेद्र । श्रि क्ष्रीप्त स्र क्ष्री प्रत्य प्रम स्था क्ष्र हैं। क्ष्री क्ष्र क्ष् न्द्र। इ.क. १८ देश व्यास्त्र महिना स्वर् ता नहीं स्वर् ता महिना ता सेन क्षि-द्रवय में ब्रिंग श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत व्याप से श्रीत द्रम है हैं विस्त्री श्रीत्र डेश. पर्ने पति . इ. प रेट । अर थ. रेथ व विश. दे ह्याश. पत्तिश थ. मार्ट हो। होद ब्रास्टर त्या च हुसाया महिद्दे दें। भूत होबर मुँ। ह्यम् साथा क्षा हेंस हेंस हेंस हेंस हा

नर्नः दश शुन होश नशः उन्नेनश शुण ल्या विश्व प्राप्त क्षेत्र क्षेत् मूर.श.करी श्रीय चंटा हुं तर चंटा हुंश.चालूय मुं.हुंचाश थां टुंचें चारा चे चेटें चेटें चे चेटें चे चेटें चे चेटें चे चेटें चे चेटें चेटे  हैं, सुर कार हुं, स्तार मान्न हुं हुं स्वार मान्न हुं हुं स्वार मान्न हुं से से साम मान्न हुं से से साम मान्न हुं से साम मान्न हुं से साम मान्न हुं से साम मान्न हुं से साम मान्न मान्न साम मान्न साम मान्न मान्न साम मान् साम मान्न साम मान्य साम मान्न साम मान्य साम मान्य साम मान्य साम मान्य साम मान्य साम मान्य साम मान कर हिंद निरावर्श्वेयाच या श्रम्बारा चर्ति वा मार्च के प्रावर्ति । मार्च के प्रावर्ति । मार्च के प्रावर्ति ।

कुर्य चार्म प्रचित्ता स्थावस्त्रक्षां मा म्यान्त्रक्षां स्थावस्त्रक्षां स्यावस्त्रक्षां स्यावस्त्रक्षां स्यावस्त्रक्षां स्यावस्त्रक्षां स्यावस्

क्ष न यासमा वृत् । श्रीना स्वीत की व्याद मही हिनायामा क्षे की र देशे रही । श्रीसया सर मार प्रत्या क्षा क्षा में क्षा मे क्षा में क  मर्झें मार्च वर्ष स्व २५४ रचर में नहिन मा सुना नहिम मार्ग विद्या मार्के रूट प्रव प्रमु. श्र. त्युंद्रा स्ट्रां स्ट्रा मार्थ शर ह.चड्टिंग.श.चड्टिंश। वर यह ट्रे.श येत जो स्र धु. खुना येश जो रट. ३२१मदै देन मु हा वि रदानी वहुद व व दे वर्दे वर्द चाँट मी श्वा विष्ठ पर पुंजी महें स्वा के मी प्रमास के मिर्ट वर् भेगार निन्ना में प्राप्त निर्देश वर्ष वर्षे । (ब्रे में १००० हैं ३ हैंस १४)

